खण्ड-08 सत्र-02 अंक-09

बृहस्पतिवार 27 मार्च, 2025 06 चैत्र, 1947 (शक)

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्यमेव जयते

आठवीं विधान सभा

दूसरा सत्र

अधिकृत विवरण

(खण्ड-08, सत्र-2 में अंक 06 से 12 तक सम्मिलित हैं।)

दिल्ली विधान सभा सचिवालय

पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054

सम्पादक वर्ग

EDITORIAL BOARD

रंजीत सिंह

सचिव

RANJEET SINGH

Secretary

महेन्द्र गुप्ता

उप-सचिव (सम्पादन)

MAHENDRA GUPTA

Deputy Secretary (Editing)

विषय सूची

सत्र-2 बृहस्पतिवार, 27 मार्च, 2025/06 चैत्र, 1947 (शक) अंक-9

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	तारांकित प्रश्नों के मौखिक उत्तर	3-60
2.	तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	61-96
3.	अतारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	97-244
4.	माननीय अध्यक्ष महोदय का वक्तव्य	245
5.	मा. नेता, प्रतिपक्ष के पत्र के संबंध में माननीय अध्यक्ष महोदय का स्पष्टीकरण	246-250
6.	सदन में अव्यवस्था	251-254
7.	विशेष उल्लेख (नियम-280)	255-275
8.	माननीय अध्यक्ष महोदय का वक्तव्य	276-277
9.	नियम-107 के अन्तर्गत प्रस्ताव	278
10.	वार्षिक बजट (2025-26) पर चर्चा	279-410
11.	अनुदान मांगें (2025-26) प्रस्तुतिकरण एवं पारण	411-428
12.	विनियोजन (संख्या-02) विधेयक, 2025 प्रस्तुतिकरण एवं पारण	429-431

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-2 बृहस्पतिवार, 27 मार्च, 2025/06 चैत्र, 1947 (शक) अंक-9

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुए:

1. श्री आले मोहम्मद इकबाल
2. श्री अमानतुल्लाह खान
3. श्री चन्दन कुमार चौधरी
4. श्री गजेन्द्र दराल
5. श्री हरीश खुराना
6. श्री कैलाश गहलोत
7. श्री कैलाश गंगवाल
8. श्री करनैल सिंह
9. श्री कुलदीप सोलंकी
10. श्री कुलवन्त राणा
11. श्री मनोज कुमार शौकीन
12. श्री नीरज बैसोया
13. श्री ओम प्रकाश शर्मा
14. श्री प्रद्यूम्न सिंह राजपूत
15. श्री पवन शर्मा
16. श्रीमती पूनम शर्मा
17. श्री राज करन खत्री
18. श्री राज कुमार भाटिया
19. श्री राज कुमार चौहान
20. श्री रवि कान्त
21. श्री रविन्दर सिंह नेगी

22 श्री सन्दीप सहरावत

23. श्री संजय गोयल
24. श्री सतीश उपाध्याय
25. सुश्री शिखा रॉय
26. श्री श्याम शर्मा
27. श्री सूर्य प्रकाश खत्री
28. श्री तरविन्दर सिंह मारवाह
29. श्री तिलक राम गुप्ता
30. श्री उमंग बजाज
31. श्री अहिर दीपक चौधरी
32. श्री अनिल कुमार शर्मा
33. श्री अरविन्दर सिंह लवली
34. श्री अशोक गोयल
35. डॉ. अनिल गोयल
36. श्री गजेन्द्र सिंह यादव
37. श्री जरनैल सिंह
38. श्री मुकेश कुमार अहलावत
39. श्री प्रेम चौहान
40. श्री पुनरदीप सिंह साहनी
41. श्री राम सिंह नेताजी
42. श्री सही राम
43. श्री संजीव झा
44. श्री सोम दत्त
45. श्री सुरेन्द्र कुमार
46. श्री विरेन्द्र सिंह कादियान
47. श्री विशेष रवि

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-2 बृहस्पतिवार, 27 मार्च, 2025/06 चैत्र, 1947 (शक) अंक-9

सदन पूर्वाह्न 11.06 बजे समवेत हुआ।

*माननीय अध्यक्ष **(श्री विजेंद्र गुप्ता)** पीठासीन हुए।*

तारांकित प्रश्नों के मौखिक उत्तर

माननीय अध्यक्षः प्रश्नकाल। श्री अजय महावर।

श्री अजय महावरः धन्यवाद अध्यक्ष जी आपकी अनुमति से प्रश्न संख्या 41 प्रस्तुत है:

क्या माननीय **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) स्कूल के नजदीक अवैध पान, बीड़ी, सिगरेट की दुकान के विरूद्ध पुलिस के पास नियमानुसार क्या-क्या कार्यवाही करने के प्रावधान है;

(ख) ऐसी जो दुकान स्कूल के नजदीक है उसके लिए क्या सजा है और इसे बंद कराने के क्या नियम व प्रावधान है;

(ग) क्या यह सत्य है कि अवैध पार्किंग व ई-रिक्शाओं इत्यादि के कारण घोंड़ा विधानसभा सहित दिल्ली में भयंकर जाम व पर्यावरण को नुकसान की समस्या बनी रहती है;

(घ) यदि हाँ, तो घोंडा विधानसभा के रोड न0 66, वजीराबाद रोड, पुश्ता रोड, यमुना विहार डिवाईडिंग रोड़, घोंडा चौक सहित दिल्ली में ट्रैफिक जाम की समस्या के निदान हेतू सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ङ) क्या यह सत्य है कि दिल्ली की आबादी के अनुपात में थानों में सिपाहियों की कमी है; और

(च) यदि हाँ, तो इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं तथा दिल्ली पुलिस में रिक्त पड़े पदों पर कब तक भर्ती कर दी जाएगी?

माननीय गृह मंत्री (श्री आशीष सूद): आदरणीय अध्यक्ष जी माननीय सदस्य अजय महावर जी द्वारा पूछे गये प्रश्न का विषय सरकार के अध्ययनार्थ है और इस विषय पर उचित उत्तर उपलब्ध कराया जाएगा।

माननीय अध्यक्ष: अजय जी आपका कोई पूरक प्रश्न।

श्री अजय महावर: माननीय मंत्री जी से मेरा ये पूछना है कि आखिर इसमें ज्यादा से ज्यादा नियमानुसार क्या कार्यवाही की जा सकती है और जो अगर इसमें संबंधित विभाग कार्यवाही ना करे तो उन पर कार्रवाई की क्या व्यवस्था है ये भी इसके साथ-साथ जोड़ कर बताया जाए।

माननीय गृह मंत्री: माननीय सदस्य, हम सब को विदित है कि हम केंद्रशासित राज्य हैं और हमारा गृह विभाग की एक सीमा है, मैंने आपके संदर्भ में बहुत विनती से ये विषय प्रतिपादित किया है कि इस विषय को हम अध्ययन कर रहे हैं ये सरकार के अध्ययनार्थ है। आपको पूरी जानकारी जो भी आपका पूरक प्रश्न सहित, हम आपको उपलब्ध कराएंगे।

माननीय अध्यक्ष: विशेष रवि जी।

श्री विशेष रविः क ख ग घ ङ च प्रश्न 5 थे और उत्तर जो है एक है तो ये उत्तर सबके लिए है या एक के लिए है।

माननीय गृह मंत्रीः सभी के लिए है।

श्री विशेष रविः सबके लिए है।

माननीय अध्यक्षः श्री हरीश खुराना जी। मैं एक मिनट हरीश जी रुकिये अभी।

श्री मोहन सिंह बिष्टः सर मैं आपसे एक निवेदन करना चाहता हूँ। पिछली जितनी भी विधानसभा हुई हैं, इन विधानसभाओं के अंतर्गत जो प्रश्न के उत्तर दिये जाते थे, वो सिर्फ प्रश्नकर्ता को दिये जाते थे। मैं इस बार लगातार ये तीसरे दिन मैं देख रहा हूँ।

...(व्यवधान)

श्री मोहन सिंह बिष्टः अरे आपने देखी होगी विधानसभा तब देखना ना। सर मेरी एक बात सुन लीजिएगा मेरे को मालूम है।

माननीय अध्यक्षः वो जो वो बता रहे हैं वो भी वस्तु स्थिति है। जो हम कर रहे हैं वो भी एक वस्तु स्थिति है। कोई ऐसी बात नहीं है वो तो अपनी बात कह रहे हैं।

श्री मोहन सिंह बिष्टः वस्तु स्थिति ये है प्रश्न का उत्तर ये आपके पास नहीं आना चाहिए, ये उसी मेम्बर के पास होना चाहिए जो प्रश्नकर्ता है, ये इस सदन के अंदर इस प्रकार का हुआ है, अगली बार से।

माननीय अध्यक्षः ठीक है देखिये माननीय सदस्य ने अपनी बात कह दी, अगर मैं कोई बात कह रहा हूँ तब आप बोलिये ना। अब मैं, प्रश्न काल में जितना कम समय वेस्ट हो, मैं एक बात और स्पष्ट करना चाहता हूँ कल जब

सदन की बैठक समाप्त हुई थी तो मुझे ये जानकारी दी गयी कि सदस्यों में बात हो रही थी विपक्ष ने उठाया था ये विषय कि प्रस्ताव नहीं किया गया, जो दो दिन सदन को एक्सटेंड किया गया उसका प्रस्ताव नहीं हुआ। मैं आपको रूल पोजीशन क्लीयर कर दूँ, स्पष्ट हो जाए जिससे कि जो आपके मन में एक लग रहा है कि त्रुटि हुई है ऐसा नहीं है नियम और कानून के अनुसार ही हाउस एक्सटेंड हुआ है, वो मैं रूल अध्याय 4 चैप्टर 4 में रूल 15 मैं पढ़कर बता रहा हूँ आपको, रूल बुक लेकर आया करो वैसे आपके लिए अच्छा रहेगा, सबके लिए। तो हालांकि अध्यक्ष जो है रूल बुक लाने के लिए कह रहा है ये भी बहुत बड़ी बात है, वरना कहेंगे रूल बुक घर रखकर आया करो, क्योंकि कहीं रूल ना बता दो आप, पर मैं चाहता हूँ रूल बुक, पढ़े लिखे लोग हो ना आप तो आपको रूल पता होने चाहिए, क्योंकि मैं देख रहा हूँ लगातार आपका जो पढ़ा-लिखापन है उस पर कवेश्चन मार्क लगता जा रहा है, प्रश्न खड़ा हो रहा है कि पढ़े-लिखे हैं भी के नहीं हैं, माननीय विपक्ष के सदस्य, क्योंकि ये बहुत कहा करते थे कि हम पढ़े-लिखे हैं, हम पढ़े-लिखे हैं पर अभी तक मेरे अपने इस कार्य काल में अधिकांश समय मुझे ये लगा, ये कम पढ़े लिखे हैं। माफी चाहूंगा। धन्यवाद। अब मैं पढ़कर बता रहा हूँ। सुनिये अब आप सुनिये, सुनिये, सुनिये परम्परा भी है और नियम भी है, वो मैं पढ़कर बता रहा हूँ आपको। सत्र का आरम्भ और समापन सभी पढ़े-लिखे सदस्यों के लिए विशेष रूप से और जो कम पढ़े-लिखे सदस्य हैं हमारे विपक्ष के जिनको पढ़े-लिखे होने का, बताने का बहुत शौक था उनके लिए भी। ‘‘सत्र के आरम्भ होने के पश्चात सभा उन दिनों बैठेगी जिनको अध्यक्ष सभा के कार्य की स्थिति को देखकर, कार्य की स्थिति को देखकर और सदन के नेता के परामर्श से समय-समय पर निश्चित करे।” फिर पढ़ देता हूं ‘‘सत्र के आरम्भ होने के पश्चात सभा उन दिनों बैठेगी जिनको अध्यक्ष सभा के कार्य की स्थिति को देखकर, अगर काम ज्यादा है जैसे कल विपक्ष के नेता ने भी काम ज्यादा देखकर वो घबरा गयीं थोड़ा सा कि इतना

काम तो हमने कहा सारा काम होगा, चिन्ता ना करें पूरा काम होगा और तरीके से होगा और पूरे विस्तार से चर्चा होगी हर चीज की।" तो चर्चा में कोई कमी नहीं रहेगी। ये सदन बना ही चर्चा के लिए है। ''सत्र के आरम्भ होने के पश्चात सभा उन दिनों बैठेगी जिनको अध्यक्ष सभा के कार्य की स्थिति को देखकर" तथा ये इन्पोर्टेंट है, ''सदन के नेता के परामर्श से यानि की लीडर ऑफ दी हाउस श्रीमती रेखा गुप्ता जी के परामर्श से समय-समय पर निश्चित करें।" तो परामर्श करके ही दो दिन बढ़ाये गए थे और चीफ व्हिप ने ये विषय रखा था।

...(व्यवधान)

श्री जरनैल सिंहः परम्परा ये रही है कि सदन की सहमति ली जाती है, वो आपने नहीं किया...

माननीय अध्यक्षः सदन की।

श्री जरनैल सिंहः सहमति ली जाती है।

माननीय अध्यक्षः नहीं, सदन की फिर आप, अरे मैं पढ़कर बता रहा हूँ आपको रूल फिर भी आपको नहीं समझ में आया।

श्री जरनैल सिंहः दस साल से इसी तरीके से...

माननीय अध्यक्षः सुनिये, बैठिये, बैठिये आप, बैठिये। अगर आपको पढ़कर भी समझ में नही आ रही बात और बैठिये मैं आपको कल जो है न वो भी लाकर के दे दूंगा। आप सेक्रेटरी साहब सभी सदस्यों को इससे पहले जब-जब सदन एक्सटेंड हुआ है, कितनी बार सदन की सहमति ली गई है ये सूचित करें

इनको। ये कल सदन के समक्ष रखे। सदन की सहमति कितनी बार ली गई है दस सालों में, जब-जब सदन हुआ है वो अब सारा रिकॉर्ड निकलवा लें।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः हां, रिकॉर्ड निकलवा लीजिए। रिकॉर्ड निकलवा लेते हैं और दूसरा आपने तो सत्र खत्म ही नहीं किये न, ये भी तो आप देखो। पांच साल में, पिछले पांच साल में चार सत्र और हमारे एक महीने में 2 सत्र।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः पांच साल में चार सत्र और एक महीने में नई सरकार के 2 सत्र। चलिए। हरीश खुराना जी।

...(व्यवधान)

माननीय उद्योग मंत्री (श्री मनजिंदर सिंह सिरसा): अध्यक्ष जी, अगर दस साल तक कानून नहीं माना गया इसका मतलब परम्परा बन गई, अगर दस साल तक कानून को आप नहीं मानेंगे वो परम्परा बन जाएगी। आखिर कानून कहता है तो मानना पड़ेगा। अगर किसी ने नहीं माना, उनको अगर आज के लोग मानते हैं तो आपको ऐसे बुरा क्यूं लग रहा है, ऐसा बुरा क्यूं लग रहा है?

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः आपको तो समय खराब करना है बस। ठीक है और विषय, बिना मतलब के कोई भी सदस्य मेरा कहना है, जब मैंने रूल पोजीशन क्लीयर कर दी आपको फिर उसके बाद अगर ये सवाल आप खड़े कर रहे हैं तो अच्छी बात नहीं है। बस।

...(व्यवधान)

श्री हरीश खुराना: आदरणीय।

माननीय शिक्षा मंत्री (श्री आशीष सूद): माननीय सदस्य मंत्री जी के कहने पर ये कहते हैं आप इनकी तरह बात कर रहे हैं, अध्यक्ष की पीठ संवैधानिक पीठ होती है। इस तरह की बात और आरोप अध्यक्ष पर लगाना उचित नहीं है। आप अभी इस तरह से कहते हैं कि अध्यक्ष जी इनकी तरह की बात कर रहे हैं, ये तरीका ठीक नहीं है। ये अध्यक्ष के पीठ के प्रति सम्मान रखना चाहिए। अध्यक्ष पूरे सदन के होते हैं, अध्यक्ष पूरे सदन के होते हैं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य कृपया बैठ जाएं। प्रश्नकाल को आगे बढ़ने दें। विपक्ष से अनुरोध है कि रूलिंग...

...(व्यवधान)

श्री हरीश खुराना: माननीय लीडर ऑफ अपोजिशन क्वेश्चन आप चलने दो।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: रूल पोजीशन और रूलिंग के बाद विषय बचता नहीं है।

श्री हरीश खुराना: फिर कहते हैं क्वेश्चन ऑवर नहीं होता।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: चलिए आगे बढ़िए।

श्री हरीश खुराना: माननीय अध्यक्ष जी, आपकी अनुमति से प्रश्न संख्या 42 प्रस्तुत है:

क्या माननीय **उद्योग मंत्री** बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या औद्योगिक भूमि पर 'बैंक्वेट हॉल' खोलने की कोई नीति है;

(ख) यदि हाँ, तो नीति की प्रति प्रदान करें;

(ग) मोतीनगर विधानसभा क्षेत्र में औद्योगिक भूमि पर कितने बैंक्वेट हॉल की स्वीकृति दी गई है, सूची उपलब्ध कराएँ;

(घ) क्या मोतीनगर विधानसभा क्षेत्र में चल रहे अनाधिकृत बैंक्वेट हॉलों पर सरकार कोई कार्रवाई कर रही है; और

(ङ) यदि हाँ, तो ऐसे बैंक्वेट हॉलों की सूची प्रदान करें?

माननीय उद्योग मंत्री (श्री मनजिंदर सिंह सिरसा): आदरणीय अध्यक्ष जी, प्रश्न संख्या 42 का उत्तर प्रस्तुत है:

(क) और (ख) औद्योगिक भूमि पर बैंक्वेट हॉल खोलने की उद्योग विभाग की कोई नीति नहीं है। परन्तु दिल्ली नगर निगम की औद्योगिक भूमि पर बैंक्वेट हॉल खोलने/चलाने के लिए निर्धारित नीति है, जिसकी प्रतिलिपि अनुलग्नक-'क' पर संलग्न है।

(ग) मोतीनगर विधानसभा क्षेत्र में औद्योगिक भूमि 18 बैंक्वेट हॉलो की स्वीकृति दिल्ली नगर निगम द्वारा दी गयी है, जिसकी सूचना अनुलग्नक-'ख' पर संलग्न है।

(घ) और (ङ) यदि ऐसे कोई अनाधिकृत बैंक्वेट हॉल पाये जाते हैं, तो उन पर दिल्ली नगर निगम अधिनियम-1957 के अंतर्गत कार्यवाही की जाती है। अनाधिकृत बैंक्वेट हॉलो की सूची प्रतिलिपि अनुलग्नक 'ग' पर संलग्न है।

MUNICIPAL CORPORATION OF DELHI
OFFICE OF THE ADDITIONAL COMMISSIONER(ENGG.)
5TH FLOOR, DR. SHYAMA PARSHAD MUKHERJEE CIVIC CENTRE
JAWAHARLAL NEHRU MARG : NEW DELHI – 110002.

No.: Addl. Cmr.(Engg.)/MCD/2022/[illegible]/124 Dated: 21/07/2022 अनुलग्नक-दो

Subject : **Ready Reckoner / Standard Operating Procedure (SOP) for Permission of Banquet Halls on Notified Commercial Roads, Industrial Plots and Commercial Plots in designated Commercial Centre, under the jurisdiction of MCD.**

The Gazette Notification regarding the (Permission of Banquet Halls) Regulations, 2010 have been issued by DDA vide SO No.2272(E) dated 21.09.2012, in which it has been mentioned that a Ready Reckoner / SOP to be issued by the Local Bodies.

As per Chapter 7 of MPD-2021, Banqueting is one of the permissible activity in Industrial Areas. Further, the Banquet Halls are also permissible on the Notified Commercial Roads as per Chapter 15 of MPD-2021.

The Ready Reckoner / SOP for running the Banquet Hall for different areas shall be as under:-

S.No.	Type of Building / Plot	Minimum Plot Area	Minimum ROW	Parking Requirement	Other Conditions
A	Industrial To Banquet	300 sqm	12.00 Mts.	@ 3 E.C.S./100 sqm. of the built-up area a) If the building is existing before 07.02.2007, the charges for deficit parking are to be deposited by the applicant. b) In the buildings constructed after 07.02.2007, parking is to be provided within the plot.	
B	Banquet Hall On Notified Commercial Roads	300 sqm	a) 9.00 Mts. - In F & G colonies b) 13.5 Mts. - for other colonies	@ 2 E.C.S./100 sqm. of the built-up area a) If the building is existing before 07.02.2007, the charges for deficit parking are to be deposited by the applicant. b) In the buildings constructed after 07.02.2007, parking is to be provided within the plot.	The applicant will obtain the consent of the concerned Citizen Group (RWA representing the whole area).
C	Commercial Plot In Designated Commercial Centers	As per allotted by Authority	18.00 Mts.	As per Lease Deed conditions	

(A) INDUSTRIAL TO BANQUET CATEGORY :

i) The applicant fulfilling the requirement of plot size of minimum 300 sqm., ROW 12 Meter meeting with other criteria like the sanctioned plan, parking, sanitation requirement etc. may get themselves registered with the concerned Zonal Building Deptt. of MCD along with Registration Fee of Rs.1000/-. The form & affidavit to be submitted in this regard is attached herewith as Annexure-A. The Zonal Deputy Commissioner will be the competent authority in this regard.

ii) The maximum number of guests be fixed by the Licensing Authority depending upon the locational considerations, e.g. Road Width, Parking etc.

iii) All the measures required for ensuring structural, fire safety shall be the responsibility of the owner.

iv) The applicant shall pay the one-time conversion charges as per the rates notified from time to time.

Contd....on page 2..

-2-

v) The parking will be provided @3E.C.S./100 sqm. of the built-up area being used as Banquet Hall.

a). In case the building is existing prior to 07.02.2007, the charges for deficit parking are to be deposited by the applicant.

b). In the case of buildings constructed after 07.02.2007, the parking has to be accommodated within the plot.

vi) The front setback shall not have Boundary to facilitate it to be used for parking purpose

(B) BANQUET HALL ON NOTIFIED COMMERCIAL ROADS:

i) The applicant fulfilling the requirement of plot size of minimum 300 sqm., ROW 9.00 Meters in F & G category colonies and minimum 13.5 meters for other categories of colonies with other condition as per Para 15.12(Mixed Use Regulation) of MPD-2021 meeting with other criteria like the sanctioned plan, parking availability, sanitation requirement etc., may get themselves registered with the concerned Zonal Building Deptt. of MCD alongwith Registration Fee of Rs.1000/-. The form & affidavit to be submitted in this regard is attached herewith as Annexure-A. The Zonal Deputy Commissioner will be the competent authority in this regard.

ii) The Use of the basement shall conform to the provision to MPD-2021 / UBBL-2016 (refer para 8(5) of Chapter 17 and 15.12.3 of MPD-2021).

iii) All the measures required for ensuring structural, fire safety shall be the responsibility of the owner.

iv) Licenses from Health Department, DCP (Licensing), clearance from Delhi Traffic Police, Provision of Parking etc., shall be the responsibility of the owner.

v) In case of Permission for new Banquet Hall on Commercial Streets, the consent of the concerned Citizen Group (RWA representing the whole area) to be obtained by the applicant.

vi) The permission of the Banquet Hall shall be granted only after appropriate number of toilets for both Male & Female have been provided as per the applicable Building Bye-Laws.

vii) The maximum number of guests be fixed by the Licensing Authority depending upon the locational considerations, e.g. Road Width, Parking etc.

viii) The applicant shall pay the one-time conversion charges as per the rates notified from time to time.

ix) Permission for using the premises for Banquet Hall shall be subject to the payment of necessary fee along with the conversion charges and deficient parking charges (in case of the existing building prior to notification of MPD-2021) on the prevailing rates as approved by the Government from time to time.

x) The front setback shall not have Boundary to facilitate it to be used for parking purpose.

xi) The Permission of Registration granted can be cancelled/suspended by the Authority / Local Body in case of violation of any conditions under which permission/registration was granted.

(C) COMMERCIAL PLOT IN DESIGNATED COMMERCIAL CENTERS:

In case of commercial plots in designated commercial centres, the Banquet Hall sho be allowed if it is directly abutting 18.00 meters ROW. The applicanthas to tak necessary NOCs / approvals from the concerned department as applicable.

Contd....on page 3..

ACTION:

(i) In case of violation of the above-said provisions, an action shall be taken as per the DMC Act. including sealing, prosecution etc. The premises may be de-sealed / permitted to function only after the said violation(s) is(are) rectified.

(ii) In addition to other penal action available under the relevant act, properties found to be under mixed-use, without registration shall be liable to pay, to the local body, a penalty amounting to 1.5 times of one-time conversion charges asper notification dated 29/06/2018 and further as amended from to time.

Addl. Commissioner (Engg.)
MCD

Distribution:

1. Addl. Commissioner (Finance)
2. Chief Law Officer – MCD.
3. All Zonal Deputy Commissioners– MCD.
4. Chief Engineers(B)HQ / SEs(Bldg.) HQ –MCD.
5. Director (IT) – with the request to upload the circular on the website.
6. All EEs (Bldg.) HQ & Zonal EEs (Bldg.) –MCD – for necessary compliance (vi)

AE-II 8/9/2022

अनुलग्नक–'ख'

Zone No.	Ward name	Category of BWG	Name of BWG	Address
KBZ	Karam Pura	Banquet Hall	ZION Banquet	9A, NG Rd, Karampura
KBZ	Karam Pura	Banquet Hall	Aanda Banquet	33/A Rama RD, Ind. Area Motinagar
KBZ	Karam Pura	Banquet Hall	Grand Impe[illegible]	Rama Rd, Moti Nagar
KBZ	Karam Pura	Banquet Hall	Mystique Banquet	plot no. 23, Rama Rd, Moti Nagar
KBZ	Karam Pura	Banquet Hall	Andaaz Mansion	63, Rama Rd, Moti Nagar
KBZ	Karam Pura	Banquet Hall	The Oriann's	69/6A, Moti Nagar
KBZ	Karam Pura	Banquet Hall	Sawan Banquet	54A/1, Rama Rd, Moti Nagar
KBZ	Karam Pura	Banquet Hall	Grand Azalea	36, Rama Rd, Moti Nagar
KBZ	Karam Pura	Banquet Hall	Golden Royal	27, NG Rd, Moti Nagar
KBZ	Karam Pura	Banquet Hall	Raas	15, NG Rd, Moti Nagar
KBZ	Karam Pura	Banquet Hall	The Ritz	27AB, NG Rd, Moti Nagar
KBZ	Karam Pura	Banquet Hall	Grand Horizon	11A, Shivaji Marg, Moti Nagar
KBZ	Karam Pura	Banquet Hall	The Florence	26/1, NG Rd, Moti Nagar
KBZ	Karam Pura	Banquet Hall	La Stella	20, Shivaji Marg, Moti Nagar
KBZ	Karam Pura	Banquet Hall	Regalia Lavanya Orchid	Plot no. 15, Shivaji Marg,
KBZ	Karam Pura	Banquet Hall	Euphoria Mansion	15 NG Rd, Moti Nagar
KBZ	Karam Pura	Banquet Hall	Majestic Crown	Plot no. 24, NG Rd, Moti Nagar
KBZ	Karam Pura	Banquet Hall	Grandeur by Lavanya	4, Shivaji road, Moti Nagar Delhi

Banquet Hall

NO.	PROPERTY NO	Ward No.	FILE NO.	DATE OF PASSING SEALING ORDER	DATE OF SEALING
1	52, RAMA ROAD, (M/S CSK RAJVILAS BANQUET HALL)		S/B/KBZ/MIS/KBZ/13/88	11.11.13	
2	54-B/1, RAMA RAOD (EMINANCE BANQUET HALL)		S/B/KBZ/MIS/KBZ/13/89	11.11.13	13.11.13 & 19.02.14
3	PR.NO.36, RAMA ROAD (GOLDEN CROWN BANQUET HALL)	100	S/B/KBZ/MIS/KBZ/15/33	26.03.15	
4	PR.NO.17-A, SHIVA JI MARG (CHANSAN BANQUET HALL)	100	S/B/KBZ/MIS/KBZ/15/34	26.03.15	26.03.15
5	PR.NO.52, RAMA ROAD (S.K. RAJ VILA BANQUET HALL)	100	S/B/KBZ/MIS/KBZ/15/35	26.03.15	01.04.15
6	36, RAMA ROAD (RADHA PLACE BANQUET HALL)	100	S/B/KBZ/MIS/KBZ/15/40	26.03.15	01.04.15 & 27.01.22
7	69/6-A, RAMA ROAD (CP-65, BANQUET HALL)	100	S/B/KBZ/MIS/KBZ/15/41	26.03.15	26.03.15
8	40-B, RAMA ROAD (CITY BANQUET HALL)	100	S/B/KBZ/MIS/KBZ/15/42	26.03.15	
9	PR NO 14, SHIVA JI ROAD (BANDHAN BANQUET HALL)	100	S/B/KBZ/MIS/KBZ/15/43	26.03.15	
10	26, SHIVAJI MARG (CORAL BELLS BANQUET HALL)	100	S/B/KBZ/MIS/KBZ/15/44	26.03.15	
11	71/4, RAMA ROAD (PLATINUM BANQUET HALL)	100	S/B/KBZ/MIS/KBZ/15/45	26.03.15	
12	20 SHIVA JI MARG (LA-STELLA BANQUET HALL)	100	S/B/KBZ/MIS/KBZ/15/46	26.03.15	
13	PR.NO 16, SHIVA JI MARG (GRAND PLAZA BANQUET HALL)	100	S/B/KBZ/MIS/KBZ/15/47	26.03.15	
14	PR.NO.4, SHIVA JI MARG (VALENTINE BANQUET HALL)	100	S/B/KBZ/MIS/KBZ/15/48	26.03.15	
15	33/33, RAMA ROAD (SUBH VILASH BANQUET HALL)	100	S/B/KBZ/MIS/KBZ/15/50	26.03.15	
16	33/33, RAMA ROAD (GRAND PLAZA AFFAIR BANQUET HALL)	100	S/B/KBZ/MIS/KBZ/15/51	26.03.15	
17	15, SHIVA JI MARG, LAVANYA ORCHID BANQUET HALL	100	S/B/KBZ/MIS/KBZ/15/89	15.04.15	

श्री हरीश खुरानाः सवाल के जो जवाब में एक जो आया अध्यक्ष जी मैं माननीय उद्योग मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इसमें बहुत सारे ऐसे बैंक्वेट हॉल्स हैं जो 2015 से सीलिंग ऑर्डर है, क्या माननीय उद्योग मंत्री जी इस बारे में संज्ञान लेकर एमसीडी को इस बारे में चिन्हित करेंगे क्योंकि वहां पर समस्या ट्रैफिक की बहुत आ रही है इसलिए एक वो कारण है।

माननीय उद्योग मंत्रीः जी, आप अगर उसकी ऐसी कोई सूची हमें दिलवायेंगे तो हम उसके ऊपर जरूर उसको हमारा, इसी में सम्मिलित है तो हम उसकी जानकारी एमसीडी के माध्यम से आप तक भिजवाने की कृपा करेंगे, जी बतायें।

माननीय अध्यक्षः ओ.पी.शर्मा जी।

श्री ओम प्रकाश शर्माः अध्यक्ष जी धन्यवाद। औद्योगिक भूमि पर बैंक्वट हॉल डीडीए, दिल्ली और नगर निगम, तीनों एजेंसियों के खुले हुए हैं लेकिन इसमें जितनी जगह उनको दी जाती है, हैंड्रेड परसेंट जगह पर वो बैंक्वट हॉल खोल लेते हैं। पार्किंग के लिए कोई प्रावधान वो करते नहीं हैं। हमारी एजेंसियां उनको चेक करती नहीं है। तो हमारे यहां पर जो बैंक्वट हॉल खुले हैं उनके लिए पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित नहीं है एक बात। दूसरी बात जो उनका वैस्ट है उस वैस्ट का सही रूप से, जो उनका पानी है उसके लिए अलग से एसटीपी की व्यवस्था करने की व्यवस्था की गई है लेकिन ये सब चीजें कागजों पर चल रही हैं, मेरा अध्यक्ष जी आपके द्वारा मेरा आपसे ये अनुरोध है कि बैंक्वट हॉल हमारे समाज की जरूरतें हैं,

माननीय अध्यक्षः प्रश्न पूछिए।

श्री ओम प्रकाश शर्माः मुझे उसमें कोई आपत्ति नहीं है। मेरा प्रश्न ये है कि उनको जो वो चला रहे हैं पार्किंग का, एसटीपी का और जो दूसरी नागरिक

सुविधाएं हैं वो न होने की वजह से लोगों को बहुत दिक्कतें आती हैं, उनकी आप चेकिंग कराये और उनको व्यवस्थित कराने की कृपा करें, ये मेरा सवाल है। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः जरनैल सिंह जी।

श्री जरनैल सिंहः धन्यवाद सर। सर, बहुत ही जायज सवाल हमारे माननीय सदस्य ने पूछा और सिर्फ मोती नगर ही नहीं, मायापुरी इंडस्ट्रियल एरिया, कीर्ति नगर इंडस्ट्रियल एरिया, ये वो हमारी वेस्ट दिल्ली के इंडस्ट्रियल एरिया हैं जहां हम हर दिन जाते हैं, जाम में भी फंसते हैं, उससे भी गंभीर बात ये है कि सब इन औद्योगिक इकाइयों की छत के ऊपर मॉडर्न कैफेज़ खुल गये हैं जहां पर खुलेआम लिकर का कारोबार होता है, बार बन गये है बिना लाइसेंस के जो चल रहे हैं, हुक्का पार्लर खुल गये हैं वो चल रहे हैं तो सरकार इनको रोकने के लिए क्या कदम उठाने जा रही है और क्या सर्वे कराया जा रहा है। अब ये तो हमारे आसपास के तीन बड़े इंडस्ट्रियल एरिया हैं, इसके अलावा मेरे को लगता है पूरी दिल्ली के अंदर बेहिसाब ऐसे बार खुल चुके है जहां पर हर तरीके के गैर कानूनी काम होते हैं। सरकार का जहां एक तरफ रेवेन्यू लॉस होता है वहीं माहौल भी खराब होता है तो दोनों को रोकने के लिए या फिर रेगुलराइज करने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है, इसकी जानकारी दी जाए।

माननीय उद्योग मंत्रीः अध्यक्ष जी, दो विषय, एक आदरणीय हमारे सदस्य–माननीय ओम प्रकाश शर्मा जी ने, जो आपने कहा सीटीपी का और उनके ऊपर जो पार्किंग का है, हम उसको भी जरूर हमारा मंत्रालय संज्ञान में लेते हुए इसकी जानकारी लेगा और जो माननीय सदस्य–जरनैल सिंह ने कहा, मैं इसको भी, इनसे भी सहमत हूं, काफी पिछले दस साल में गुंडागर्दी हुई है और मैं समझता हूं कि

जिस तरीके से लोकल लोगों का उसमें योगदान रहा, सरकार का बिल्कुल इस चीजों में ध्यान नहीं था और मुझे अच्छा लगता है कि विपक्ष के एम.एल.ए. खुद बताते हैं अपनी नाकामियों के बारे में, ये सबसे अच्छी बात है कि हम खुलकर इस पर चर्चा करते हैं, कोई एक इसमें भेदभाव नहीं रखता कि नाकामी किसकी थी इस पर भेदभाव नहीं रखा जाता, मुझे इस बात का बड़ा अच्छा लगा लेकिन मैं आपको ये बताना चाहता हूं कि जो दस साल की नाकामियां हैं हम कोशिश करेंगे इन नाकामियों को एक साल में ठीक करने की। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः मनोज शौकीन जी, ये बस अंतिम पूरक प्रश्न है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः बस तीन हो गये।

श्री मनोज कुमार शौकीनः धन्यवाद अध्यक्ष जी।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः एक मिनट। एक मिनट। क्या?

...(व्यवधान)

माननीय उद्योग मंत्रीः नहीं, अध्यक्ष जी, मैंने कोई राजनैतिक जवाब नहीं दिया।

माननीय अध्यक्षः नहीं-नहीं, ऐसा नहीं है। नहीं वो सही है।

...(व्यवधान)

माननीय उद्योग मंत्रीः मैंने कोई राजनैतिक जवाब नहीं दिया।

माननीय अध्यक्षः आप बोलिए।

माननीय उद्योग मंत्रीः आपने खुद कहा कि ऐसे हुक्का बार खुल गये हैं, ऐसे छतों के ऊपर बार खुल गये हैं तो ये आप जानते होंगे कि ये बार पिछले दस दिन में नहीं खुले, मैंने भी कहा कि जो दस साल में बीमारियां आप लेकर आये हैं उन बीमारियों को भगाने का समय चाहिए है। तो मैंने कोई...

...(व्यवधान)

माननीय उद्योग मंत्रीः बताइये, मेरी नेत्री से पूछिए, मेरी बहन मैंने गलत कहा कुछ?

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः एक मिनट, मनोज जी,

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः कोई नहीं आपका, आपको अधिकार है अपना रिप्लाई देने का...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः और पूरक प्रश्न का रिप्लाई...

...(व्यवधान)

माननीय उद्योग मंत्रीः दस साल, दस साल तक आपने जो काम किया अब उसका जवाब आप एक दिन में मांगने की कोशिश करेंगे, बताइये।

...(व्यवधान)

माननीय उद्योग मंत्रीः दस साल में आपने क्यों लूटा?

...(व्यवधान)

माननीय उद्योग मंत्रीः आपने सरकार, आपकी नाकामी के सवाल हमसे पूछे जा रहे हैं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः साइलेंट प्लीज।

...(व्यवधान)

माननीय उद्योग मंत्रीः आदरणीय अध्यक्ष जी,

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः मेरा सभी सदस्यों से अनुरोध है, जी।

माननीय उद्योग मंत्रीः दस साल की अध्यक्ष जी,

माननीय अध्यक्षः नहीं हो गई बात, आपने।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः मेरा सभी सदस्यों से अनुरोध है।

माननीय उद्योग मंत्री (श्री मनजिंदर सिंह सिरसा): 10 साल की नाकामियों पर सवाल हमसे पूछे जा रहे हैं, बताइये नकामियां आपकी हैं, सवाल हमसे पूछे

जा रहे हैं। अच्छा होता अगर जवाब भी आप खुद ही लेकर आ जाते तो, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः नहीं, ठीक है। मनोज शौकीन जी एक मिनट।

...(व्यवधान)

श्री मनोज शौकीनः जनरैल सिंह जी बैठ जाओ, भाई बैठ जाओ। माननीय अध्यक्ष जी

माननीय अध्यक्षः अभी 280 शुरू होगा ना उसमें बात करेंगे। मुझे पत्र मिला है, मैं करूंगा बात उस पर, करूंगा। मैंने प्रश्नकाल में उसका जिक्र इसलिए नहीं करा 280 की बात 280 में ही होगी, बैठ जाइये।

माननीय शहरी विकास मंत्री (श्री आशीष सूद): अध्यक्ष जी, परमिशन मिले तो मैं एक बात कहना चाहता हूं।

माननीय अध्यक्षः हॉ बिल्कुल मंत्री को कोई रोक नहीं सकता। बैठिए, बैठिए। मंत्री जी कुछ कहना चाह रहे हैं।

माननीय शहरी विकास मंत्रीः ये अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए सैटिंग-सैटिंग कहां होती है इन्हें पता होगा।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः अरे मंत्री कोई स्टेटमेंट दे रहे हैं तो बैठ जाइये।

माननीय शहरी विकास मंत्रीः पर्यावरण विभाग इनका।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः मिनिस्टर अगर कोई स्टेटमेंट दे रहे हैं तो आप बैठ जाइये, मिनिस्टर अगर कोई स्टेटमेंट दे रहे हैं तो आप बैठ जाइये उनका स्टेटमेंट पहले होगा। बैठ जाइये आप। ओनरेबल मिनिस्टर।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः चलिए मनोज शौकीन जी। मनोज शौकीन जी शुरू करिये।

श्री मनोज शौकीनः माननीय अध्यक्ष जी मैं कोशिश करता हूं।

माननीय अध्यक्षः एक मिनट मैं आपको एक बात और स्पष्ट कर दूं, सदन में मंत्रीगण कभी भी सदन की कार्रवाई रोककर कोई स्टेटमेंट दे सकते हैं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः कुछ भी नहीं, स्टेटमेंट।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः मैं पहले आपको स्थिति स्पष्ट कर रहा हूं, उस समय हमें आरगुमेंट नहीं करना है, स्टेटमेंट होने के बाद आपको बात करनी है। मैं एक रूल पोजिशन आपको स्पष्ट कर रहा हूं कि चलते सदन में अगर मंत्री जी कोई स्टेटमेंट देना चाहते हैं तो कोई भी मंत्री स्टेटमेंट दे सकते हैं। अब आप बोलिये।

श्री मनोज शौकीनः माननीय अध्यक्ष जी, बहुत-बहुत धन्यवाद आपने मुझे बोलने का मौका दिया, क्योंकि ये विषय तो मोती नगर विधानसभा का है, परन्तु क्योंकि विषय गम्भीर है और मेरे नांगलोई जाट विधानसभा में भी पीरागढ़ी इंडस्ट्रीयल एरिया है, उसमें भी इतना बुरा हाल है, जो ये सारी बीमारियां ये 10 साल से नहीं ये पुरानी और उससे पहले से भी है। लेकिन इनका ध्यान कहीं और था हमारा

ध्यान काम करने पर है मैं कोई फालतू की बात नहीं करूंगा, ना मैं कभी किसी के बीच में बोलता हूं। इसको गम्भीरता से लेना चाहिए और इसके ऊपर एक एक्शन प्लान बनाकर के काम करने की आवश्यकता है, ताकि ये ऐसे धंधे बंद हों।

माननीय अध्यक्षः प्रश्न, प्रश्न कहां है?

श्री मनोज शौकीनः प्रश्न मेरा वही है जो पीरागढ़ी के अंदर जो पूछा गया है उसी के साथ जोड़ते हुए बैंकेट हॉल हैं बहुत सारे जिनके अंदर, मैं रिपीट भी करना चाहता हूं चाहे जरनैल सिंह जी ने कहा हो चाहे हरीश जी ने कहा हो ये सारी दिल्ली की स्थिति है। समय खराब ना करते हुए उसी को मेरे साथ, मेरे इस हिस्से को भी जोड़कर के उसपर काम किया जाए, धन्यवाद।

माननीय उद्योग मंत्री (श्री मनजिंद्र सिंह सिरसा): जी, अध्यक्ष महोदय जो हमारे सम्मानित जो मैंबर साहब ने बताया हम इसकी भी, इस एरिया की भी चिंता करेंगे और इसकी भी रिपोर्ट जल्दी आपको मैंबर साहब को प्रोवाइड करेंगे।

माननीय अध्यक्षः इसमें मंत्री जी जो सदस्यों की भावना आई है और जो मनोज जी ने अंत में कहा है, जैसे उधर जमनापार से हमारे ओम प्रकाश जी हैं, इधर वैस्ट दिल्ली जरनैल सिंह जी हैं, आप भी नोर्थ-वैस्ट और वैस्ट और बाकी दिल्ली में भी, तो ये एक समस्या जो है लगभग दिल्ली के हर जगह है।

माननीय उद्योग मंत्री (श्री मनजिंदर सिंह सिरसा): हर कोने में है।

माननीय अध्यक्षः उसकी व्यवस्था जिसपर ट्रैफिक के मूवमेंट पर उसका असर नहीं आना चाहिए। ये एक विषय है इसपर मैं समझता हूं।

माननीय उद्योग मंत्री: अध्यक्ष जी ऐसा हुआ कि जब आपने ये हमारे पास सवाल आया, इससे पहले भी हम इसपर अध्ययन कर रहे थे। क्या हुआ कि जो इंडस्ट्री पोलिसी थी वो एक अलग पोलिसी बनी हुई थी। बाद में जो मास्टर प्लान 2021 आया तो उसके अंदर उन्होंने इंडस्ट्रीयल एरिया के अंदर कमर्शिलाइजेशन अलाउ कर दी जिसमें उन्होंने बैंकेट वालों को, कुछ तरह के काम उन्होंने अलाउ कर दिये। अब क्या था कि डीएसआईआईडीसी ने या बाकी इंडस्ट्री, डीडीए ने जो भी इंडस्ट्री के प्लोट दिये थे उनकी सीमाएं बस उतनी थी कि उन्होंने प्लॉट दे दिये। लेकिन क्योंकि एक मास्टर प्लान आ गया और उस मास्टर प्लान के तहत उनको खोलने का अधिकार मिल गया और हमने अभी पिछले दिनों में इसपर खुद बैठक करी, इससे पहले हम चर्चा कर चुके थे कि क्या जो डीएसआईआईडीसी ने या डीडीए ने या अदर एजेंसीज ने जो प्लॉट दिये थे जिनका प्रपज केवल और केवल इंडस्ट्री लगाना था। मान लीजिए अगर एमपीडी में अगर कोई बदलाव आ गया है, तो क्या अधिकार क्षेत्र अभी भी डीएसआईडीसी का है या उन एजेंसीज का बचा या नहीं बचा इसपर हम अभी भी चर्चा करके इसको ढूंढ़ने की कोशिश, रास्ता निकालने की कोशिश कर रहे हैं और जल्दी ही आपको बताएंगे, धन्यवाद।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: नहीं अब हो गया ना इसपर तो। ये फिर आफ्टर थॉट है ये।

श्री कुलवंत राणा: ...मास्टर प्लान में बदलाव आया, प्रावधान किया नया, तो उसमें क्या पार्किंग का प्रावधान नहीं हुआ, क्या वो रोड पे पार्किंग करेंगे, क्या लोगों के ट्रैफिक में व्यवधान डालेंगे। क्या ये उचित है तो इसके ऊपर क्या

व्यवस्था बनाई हुई है, सरकार इसके ऊपर मंत्री जी एक बार मुझे बताएं प्लीज, सदन को।

माननीय अध्यक्षः ठीक है। मेरे को लगता है प्रश्न। हां संजय गोयल जी।

श्री संजय गोयलः माननीय अध्यक्ष जी, आपकी अनुमति से प्रश्न संख्या–43 प्रस्तुत हैः

क्या माननीय **लोक निर्माण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) शाहदरा विधानसभा के पीडब्ल्यूडी की सड़कों, पार्कों, नालों का विवरण दें;

(ख) शाहदरा विधानसभा की सड़कों तथा सड़कों के फुटपाथ पर किये गये अतिक्रमण का विवरण दें;

(ग) शाहदरा विधानसभा में पीडब्ल्यूडी की सड़कों से अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी किस एजेन्सी या विभाग की है, विस्तार से विवरण दें; और

(घ) शाहदरा विधानसभा में पीडब्ल्यूडी द्वारा अतिक्रमण हटाने के लिये की गई कार्यवाही का विवरण दें?

माननीय लोक निर्माण मंत्री (श्री प्रवेश साहिब सिंह): माननीय सदस्य ने सवाल पूछा है कि उनकी विधान सभा में कितनी सारे सड़क का विवरण, सारे नालों का विवरण ये हमने लिखित में दे दिया है और इसके साथ में इन्होंने पूछा है कि कितनी सड़कों पर इन्क्रोचमेंट है। तो हम ये देख रहे हैं कि पूरी दिल्ली में ही सारी सड़कों पर ही इंक्रोचमेंट है, चाहे वो पीडब्ल्यूडी की हो, चाहे वो

एमसीडी की हो। हम ये देखते हैं कि जगह-जगह पर बहुत सारे मांस-मच्छी वाले इलीगल तरीके से बिना लाइसेंस के वहां पर बैठ गए हैं और भी बहुत सारे रेहड़ी पटरी वालों ने कब्जा कर रखा है। तो ये प्रक्रिया ये होती है कि जो भी संबंधित विभाग की सड़क होती है, वो ही वहां पर एक एसटीएफ बनाई होती है एसडीएम के नेतृत्व में, वहां पर एसटीएफ में कम्पलेंट जाती है और इसमें मैं देख रहा था जो हमने लिखित में जवाब दिया है। जो भी सारी इंक्रोचमेंट है, सारी एसटीएफ में अवेटिंग है। मगर हम इसकी समयसीमा तय कर रहे हैं कि एक समयसीमा में इंक्रोचमेंट को हटाया जाए, एसटीएफ एक समय सीमा में एक्शन ले, इसकी हम व्यवस्था कर रहे है।

प्रश्न संख्या 43 का उत्तर इस प्रकार है:-

(क) शाहदरा विधानसभा के अन्तर्गत आने वाली लोक निर्माण विभाग की सड़कों व नालों का विवरण Annexure 'A' संलग्न है। इस विभाग द्वारा पार्कों का रख-रखाव नहीं किया जाता है।

(ख) सड़कों तथा सड़कों के फुटपाथ पर किये गये अतिक्रमण का विवरण Annexure 'B' संलग्न है।

(ग) साईट स्टाफ के निरीक्षण के दौरान यदि अतिक्रमण पाया जाता है तो समय-समय पर लोक निर्माण विभाग द्वारा इसकी जानकारी एरिया के एस0टी0एफ0 अधिकारी व एम0सी0डी0 को दी जाती है और Jointly उचित कार्यवाही की जाती है।

(घ) कार्यवाही का विवरण Annexure 'B' संलग्न है।

6/c

10/c

Shahdara Road Division M-211

Road Assets being maintained under Shahdara Road Division

ANNEXURE - 'A'

43

Assembly Constituency No : 62 (Shahdara)
Hon'ble MLA Name :- Sh. Sanjay Goyal

Sl. No.	Division	Name of Road	Length of Road	Name of Drain	Length of Drain	Drain Size/Type	Drain Cross Section
1	Shahdara Road	Road No-56 (SantLal Gupta marg to Apsara Border	1.10	Road No-56	1.10	Open	0.60 to 0.9x 0.90 to 1.2
2	Shahdara Road	G.T. Road Apsara Border Flyover to Mansarover Park Metro Station	2.38	G.T. RoadApsara Border Flyover to Mansarover Park Metro Station	4.76	B/W	2.00x2.00
3	Shahdara Road Division (M-211	Road No 58	1.10	Road No 58	5.68	Coverd	1.50x1.80
4	Shahdara Road	Shiva Khand Road	0.90	Shiva Khand Road	1.80	Open & Coverd	0.35x0.60 1.00x1.20
5	Shahdara Road	Shaheed-A-Azam Bhagat Singh Marg	1.40	Shaheed-A-Azam Bhagat Singh Marg	2.80	Open & Coverd	0.90x1.20 0.60x0.60
6	Shahdara Road	E.S.I. Hospital Road	0.45	E.S.I. Hospital Road	0.90	Open & Coverd	0.80x0.60
7	Shahdara Road	Sant Lal Gupta Marg	0.617	Sant Lal Gupta Marg	1.23	Open & Coverd	0.60x0.40
8	Shahdara Road	Peripherial Road	1.35	Peripherial Road	2.70	Open & Coverd	0.60x0.40 1.00x1.20
9	Shahdara Road	Road along A-Block Jhilmil Colony	0.188	Road along A-Block Jhilmil Colony	0.38	Open & Coverd	0.45x0.60 0.90x1.20
10	Shahdara Road	Road from Booster pumping station DJB opp. B-Block to A-Block market	0.30	Road from Booster pumping station DJB opp. B-Block to A-Block market	0.60	Open & Coverd	0.40x0.60
11	Shahdara Road	Road along B-Block Jhilmil	0.355	Road along B-Block Jhilmil	0.71	Open & Coverd	0.45x0.60
12	Shahdara Road	Link Road (GT Road to Vivek Vihar ITI)	0.600	Link Road (GT Road to Vivek Vihar ITI)	1.20	Open & Coverd	Nallah 0.60x0.30 2.00x3.00
13	Shahdara Road	Shahdara Road	0.60	Shahdara Road	1.00	Open	0.40x0.60 0.50x0.90
14	Shahdara Road	DCP Office Road	0.112	DCP Office Road	0.20	-	0.30x0.45

9/C

15	Shahdara Road	Bhola Nath Nagar Road	0.6	Bhola Nath Nagar Road	1.00	Coverd with drain cover	0.60x1.10
16	Shahdara Road	Shalimar Park Extn. Road	0.2	Shalimar Park Extn. Road	0.40	-	-
17	Shahdara Road	Road No. 62 (Road No. 70 to Apsara Border)	1.2	Road No. 62 (Road No. 70 to Apsara Border)	1.72	Open & Coverd	Variable 2.00 x 2.20 0.90 x 1.80
18	Shahdara Road	LIC Road (from Malaria office MCD to GT Road)	0.33	LIC Road (from Malaria office MCD to GT Road)	0.64	Covered	0.60 x 0.80 0.60 x 0.75
19	Shahdara Road	Road along Divider road to pummy sweet at Gurudwara road)	0.36	Road along Divider road to pummy sweet at Gurudwara road)	0.65	Covered	1.00 x 1.10 0.75 x 0.90
20	Shahdara Road	Road infront of Hans Raj Public School (Divider Road to Gurudwara road)	0.37	Road infront of Hans Raj Public School (Divider Road to Gurudwara road)	0.61	Covered	1.00 x1.20 0.60 x 0.80
21	Shahdara Road	Road from T-point, L-pocket to R Block small rotary	0.86	Road from T-point, L-pocket to R Block small rotary	1.54	Covered	Variable 0.60 x 0.90 0.60 x 0.80
22	Shahdara Road	GTB Hospital Road (From GT Road to Aggarwal Sweet Dilshad Garden)	0.60	GTB Hospital Road (From GT Road to Aggarwal Sweet Dilshad Garden)	0.75	Covered	Variable 0.62 x 0.95 1.00 x1.50
23	Shahdara Road	R-Block Road (From Divider road Agarwal sweet to GT Road)	0.50	R-Block Road (From Divider road Agarwal sweet to GT Road)	0.92	Covered	variable 1.20 x 1.70 0.80 x 1.80
24	Shahdara Road	Road No. 62 (J & K pocket) to petrol pump GT Road (infront of Red Crosss society).	0.33	Road No. 62 (J & K pocket) to petrol pump GT Road (infront of Red Crosss society).	0.42	Open	3.60 x 4.00
25	Shahdara Road	Road from Gurudwara road (T-point of Kalander Colony) to Gauri Shankar Mandir	0.31	Road from Gurudwara road (T-point of Kalander Colony) to Gauri Shankar Mandir	0.61	covered	1.10 x 1.20 1.50 x 1.70
26	Shahdara Road	Road from Divider Road (Mukherjee Public School to Sant Ram Public School at Gurudwara road)	0.36	Road from Divider Road (Mukherjee Public School to Sant Ram Public School at Gurudwara road)	0.65	Open & Coverd	1.10 x 1.15 0.65 x 0.90
27	Shahdara Road	Road from LIC Colony (T-Point to rotary at Telephone Exchange)	0.935	Road from LIC Colony (T-Point to rotary at Telephone Exchange)	1.83	covered	Variable 1.00 x 1.30 0.45 x 0.60
28	Shahdara Road	Gurudwara Road from DTC bus depot Road No. 70 to GTB Hospital road	1.75	Gurudwara Road from DTC bus depot Road No. 70 to GTB Hospital road	2.98	Covered	Variable 1.50 x1.50 1.20 x 1.30
29	Shahdara Road	New Seemapuri road from Road No. 64 (Mother Dairy) to Road No. 62 near maszid	1.16	New Seemapuri road from Road No. 64 (Mother Dairy) to Road No. 62 near maszid	1.05	covered	Variable 0.90 x 0.90 0.65 x 0.70

21.317 40.53

21/3/25
Assistant Engineer (P)
East Maint. Zone, PWD

SUB: Reqply required of VIDHAN SABHA Questions dated 27.03.2025
Starred Question No. 43 Sh. Sanjay Goyal (PWD Road in Shahdara Vidhan Sabha)

ANNEXURE - 'B'

DETAIL OF ENCROACHMENT ON PWD LAND UNDER EAST ZONE

S.No.	Type of Encroachment	Location	What action taken by PWD	Present Status	Remarks
1	Footpath area (encroached by local Building Material Supplier by stacking their materials and unauthorised parking)	Road along B-Block Jhilimi	Letter dated 10.09.2024 sent to SDM Vivek Vihar. Letter dated 23.12.2023 sent to Dy. Commissioner MCD, North Zone.	Action from STF is still awaited	
2	Footpath area (encroached by local Building Material Supplier by stacking their materials and unauthorised parking)	Shaheed Bhagat Singh Marg	Letter dated 10.09.2024 sent to SDM Vivek Vihar. Letter dated 23.12.2023 sent to Dy. Commissioner MCD.North Zone	Action from STF is still awaited	
3	Footpath area (encroached by local shopkeeper/hawkers and poor people)	Shiva Khand Road	Letter dated 28.12.2023 sent to Dy. Commissioner MCD.North Zone	Action from STF is still awaited	
4	Encroached by local residents by make ramps and stairs). ROW according to inventory = 18.288 metre (60 Feet) ROW available at several RD = 11.60, 10.50 & 6.40 metre	Shalimar park road	Letter dated 10.09.2024 sent to SDM Preet Vihar.	Action from STF is still awaited	
5	Footpath area (encroached by local shopkeeper/hawkers) Road side area (encroached by shopkeeper unauthorised parking) ROW according to inventory = 18.288 metre (60 Feet) ROW available at several RD = 16.20, 10.00, 8.30 & 8.80 metre	Shahdara Road, Footpath near Shalimar park	Letter dated 16.06.2022 sent to Dy. Commissioner of Police. Letter dated 16.06.2022 sent to Dy. Commissioner EDMC.Shahdara Letter dated 16.06.2022 sent to Dy. Commissioner EDMC.Shahdara dated.- 11.07.2022 Letter dated 06.02.2023 sent to Delhi Police. Letter dated 24.02.2025. sent to SDM Vivek Vihar. and Shahdara	Action from STF is still awaited	
6	Footpath area (encroached by local shopkeeper/hawkers) Road side area (encroached by shopkeeper unauthorised parking) ROW according to inventory = 18.288 metre (60 Feet) ROW available at several RD = 11.40 & 5.30 metre	Bhola Nath Nagar Road, Footpath Near Mother Dairy	Letter dated 16.06.2022 sent to Dy. Commissioner of Police. Letter dated 16.06.2022 sent to Dy. Commissioner EDMC.Shahdara Letter dated 16.06.2022 sent to Dy. Commissioner EDMC.Shahdara dated.- 11.07.2022. Letter dated 06.02.2023 sent to Delhi Police. Letter dated 24.02.2025. sent to SDM Vivek Vihar. and Shahdara	Action from STF is still awaited	

S. No.	Type of Encroachment	Location	What action taken by PWD	Present Status	Remarks
7	Encroached by local residents by make ramps and stairs). ROW according to inventory = 18.288 metre (60 Feet) ROW available at several RD = 14.80 metre	DCP Office Road ..	Letter dated 05-08-2021 sent to SDM Preet Vihar.	Action from STF is still awaited	
8	Kabbadies. Rickshaw parking and cart vendors	Gurudwara Road from DTC Bus Depot to GTB Hospital Road	Letter dated 05.04.2021 sent to Delhi Police	Action from STF is still awaited	
9	Lots of Jhuggis and large area occupied by Residential	Footpath Near Mother Dairy	Letter dated 21.07.2022 sent to SDM Seemapuri	Action from STF is still awaited	
10	Footpath /Drain encroachment by Car washing Owner.	Divider Road In front of Gate No. 04, R Pocket	Letter dated 01.08.2024 sent to SDM Seemapuri & Challan Issued to car washing owner	Action from STF is still awaited	
11	Footpath/Drain/ Ramp encroached by Squat to fit unisex gym owner)	LIC Road	Letter dated 06.08.2024 sent to SDM Seemapuri & Challan Issued to Squat to Unisex Gym.	Action from STF is still awaited	
12	Footpath area (encroached by local Furniture shopkeeper/hawkers/Kabbadies)	Gurudwara Road from DTC Bus Depot to GTB Hospital Road	Letter dated 03.09.2024 sent to SDM Seemapuri	Action from STF is still awaited	
13	Drain occupied by construction of Toilet Block	Mother Dairy Road	Letter dated 22.08.2024 sent to Dy. Commissioner MCD.Shshdara	Action from STF is still awaited	
14	Footpath /Drain encroachment by Car washing Owner.	Gurudwara Road Magal Bazar Road	Letter dated 02.09.2024 sent to SDM Seemapuri & Challan Issued to car washing owner	Action from STF is still awaited	

Assistant Engineer (P)
East Maint. Zone, PWD

माननीय अध्यक्षः संजय जी आपका कोई पूरक प्रश्न।

श्री संजय गोयलः माननीय अध्यक्ष जी माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा क्योंकि जो रिपोर्ट में दिया है, अवेटिड लिखा हुआ है, कार्रवाई का। क्योंकि अक्सर होता क्या है कि ये दो घंटे के लिए हटती हैं, उसके बाद में एमसीडी या एसटीएफ हटाके चले जाते हैं फिर लग जाते हैं क्योंकि ये पीडब्ल्यूडी की रोडस हैं जिनकी वजह से ट्रैफिक पूरा जाम रहता है, घंटो-घंटों लोगों को परेशान होना पड़ता है, इसकी कोई ऐसी व्यवस्था माननीय मंत्री जी से चाहेंगे कि वे इसकी कोई व्यवस्था आप बनाएं की जिससे की आने वाले समय में पीडब्ल्यूडी की रोड कम से कम हमेशा खाली रहे जिससे ट्रैफिक मूवमेंट अच्छे से चलता रहे।

माननीय अध्यक्षः हां जी। डॉक्टर अनिल गोयल जी।

श्री अनिल गोयलः ये संजय गोयल जी का जो सवाल है इसी में शाहदरा विधानसभा और कृष्णा नगर विधानसभा लगती हुई हैं। जो ये पीडब्ल्यूडी की सड़कें हैं अध्यक्ष जी वो।

माननीय अध्यक्षः सीधा प्रश्न पूछिए ना।

डॉक्टर अनिल गोयलः सीधा प्रश्न ये है कि ये इंक्रोचमेंट सब जगह जैसे अभी माननीय मंत्री जी ने कहा।

और टाइम बाउंड प्रोग्राम के लिए कहा। मेरा सवाल यही था लेकिन क्या यहां पर कोई और मल्टीलेवल पार्किंग की भी व्यवस्था की है क्योंकि सबसे बड़ी समस्या यहां एनक्रोचमेंट के अलावा ट्रैफिक की भी है। तो क्या यहां पर पार्किंग

की व्यवस्था की भी कुछ बात है और टाइम बाउंड प्रोग्राम जो मंत्री जी ने कहा है वो बहुत स्वागत योग्य है और आप जो खुद जाकर जगह-जगह देख रहे हैं जैसे हमारी विधान सभा में भी शनिवार को आपने आना है तो आपका स्वागत है और ये टाइम बाउंड प्रोग्राम जरूर उस दिन करा दीजिये सारी सड़कों पर एनक्रोचमेंट है, ट्रैफिक की समस्या है, मल्टी लेवल पार्किंग की आवश्यकता है। उसके लिये कोई ऐसा प्रोग्राम है क्या कि वहां पर मल्टी लेवल पार्किंग बन सके, एलिवेटिड रोड पर बन सके ये मेरा सवाल है और मेरी जो।

माननीय अध्यक्षः कुलवंत राणा जी फिर उसके बाद कुलदीप जी।

श्री कुलवंत राणाः अध्यक्ष जी, जिस प्रकार से वहां की पूरी सड़कों पर एनक्रोचमेंट है आल ओवर दिल्ली में पीडब्ल्यूडी की सड़कें हैं दिल्ली की लाइफ लाइन है और यह सत्य है कि एसटीएफ उस तरह गंभीरता से काम नहीं करता, जितनी गंभीरता से काम करना चाहिये। ये भी सत्य है कि एसटीएफ के पास ऐसे कोई अधिकार नहीं कि स्वयं में निर्णय ले सके एनक्रोचमेंट को हटा सके। तो मैं जानना चाहूंगा आपके माध्यम से पीडब्ल्यूडी विभाग भविष्य में स्वयं को यदि कोई ऐसा अधिकार स्वयं लेगा या उसमें परिवर्तन करायेगा कानून में जो एमसीडी के पास ये जो अतिक्रमण हटाने का अधिकार है अगर स्वयं ये अधिकार नहीं प्राप्त करेगा पीडब्ल्यूडी तो ये अतिक्रमण से हम सड़कों को नहीं बचा पायेंगे। दिल्ली की सड़कों को ट्रैफिक से मुक्त नहीं करा पायेंगे। तो क्या सरकार ऐसी कोई योजना बना रही है जिससे कि दिल्ली की सड़कों पर अतिक्रमण न हो पीडब्ल्यूडी की सड़कों पर और दिल्ली का ट्रैफिक सुचारू रूप से चल सके।

माननीय लोक निर्माण मंत्री (श्री प्रवेश साहिब सिंह): अध्यक्ष जी, दिल्ली में जितनी भी सड़कें हैं हम देखते हैं कि अगर वो पीडब्ल्यूडी की सड़कें

हैं तो उसमें साइड में कहीं न कहीं एमसीडी की भी सड़क होती है तो इसलिये एसटीएफ की संरचना इसलिये की गयी थी कि वहां पर डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट भी हो और वहां पर एसडीएम भी बैठे, वहां पे पुलिस भी बैठे, एमसीडी भी बैठे और वहां पे पीडब्ल्यूडी भी बैठे यानि कि सारे जो हमारी सरकार है सारे विभाग है वो बैठ कर इस बात का निर्णय करते हैं ताकि अगर कोई रास्ते में एनक्रोचमेंट करते हुए किसी विभाग की कोई वहां पर जमीन आ जाती है या उसका कोई क्षेत्र आ जाता है तो सारे विभाग बैठ कर इस बात की चिंता करें मगर हम व्यवस्था बनायेंगे ही कि समय सीमा पर एनक्रोचमेंट हटाई जाये और जब एनक्रोचमेंट हटाई जायेगी उसकी वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी होगी और जो भी संबंधित विभाग होंगे उनके अधिकारियों की इसकी जवाबदेही तय होगी।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः नहीं नहीं अब एक पूरक प्रश्न हो गया न आपका, नहीं नहीं, अब आप बैठिये। कुलदीप कुमार।

श्री कुलदीप कुमारः अध्यक्ष जी जैसा मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं जैसा उन्होंने बताया अभी कि एसटीएफ में वो उसको और अच्छा फंक्शनल करेंगे मगर मेरा सवाल ये है कि जब आप एसटीएफ फंक्शनल करेंगे और एसटीएफ उस जगह से वहां से एनक्रोचमेंट को रिमूव करेगी तो वो एनक्रोचमेंट दोबारा वापस वहां पर न हो इसकी जिम्मेदारी किसके पास है, क्या वो एसटीएफ के पास है या किसी और विभाग के पास है तो वो जिम्मेदारी किसके पास होगी और उसके लिये क्या मैकेनिज्म हम तैयार करने जा रहे हैं मेरा ये सवाल है वो जिम्मेदारी किसके पास होती है।

माननीय लोक निर्माण मंत्रीः जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस की भी होगी, वो जिम्मेदारी एसडीएम की भी होगी, वो जिम्मेदारी अगर पीडब्ल्यूडी की सड़क है

तो उसके एक्सईएन की भी होगी, उसके इंजीनियर की भी होगी। अगर एमसीडी की सड़क है तो उसके इंजीनियर की होगी। मगर अगर वो दोबारा एनक्रोचमेंट वहां पर आती है तो जरूर किसी न किसी अधिकारी के ऊपर में कार्रवाई होगी क्योंकि सारे जो वहां पर एसटीएफ हैं वो सारे अधिकारी बैठ कर ही उसकी वो अपना तय करते हैं सारा एक्शन प्लान जो होता है। तो मगर आप बिल्कुल इस बात की चिंता न करें 10 साल में एनक्रोचमेंट नहीं हटी अभी हटेगी।

माननीय अध्यक्षः आखिरी ये पूरक लास्ट पूरक क्वेश्चन है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः नहीं नहीं, दोबारा नहीं, रवि नेगी जी रविन्द्र नेगी जी। हो गया, हो गया।

श्री रविन्दर नेगीः माननीय मंत्री जी एमसीडी की जो पार्किंग है रोड किनारे जो पार्किंग अलॉट करते हैं जमीनों में उसके बाहर पार्किंग के बाद बाहर जो पीडब्ल्यूडी की सड़कें वो पार्किंग वाले अवैध तौर से वहां अपनी गाड़ियां खड़ी कर देते हैं इससे ट्रैफिक की बड़ी समस्या आती है। जितनी उनको जगह मिलती है पार्किंग के लिये उसकी जगह यूज करने की बजाए वो बाहर की रोडों में पार्किंग खड़ी कर देते हैं। दूसरी एक समस्या है कबाड़ी का जो काम करते हैं ये लोग पूरा एनक्रोचमेंट करते हैं पीडब्ल्यूडी की सड़कों पर बिना लाईसेंस के दुकानें चलाते हैं और कबाड़ का आधा काम ये पूरी सड़कों में करते हैं। तीसरा जो मीट की छोटी-छोटी दुकानें हैं मीट की दुकानें वो खुले आम मांस बेचते हैं पीडब्लयूडी की सड़कों पर और बेधडल्ले से उनको कोई रोक नहीं है कोई टोक नहीं है और जिससे यातायात को दिक्कत तो होती है पर आसपास के जाने वाले लोगों को भी दिक्कत होती है ये तीन मुददे हैं।

माननीय अध्यक्षः माननीय मंत्री जी आप रिप्लाई करिए ना।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः मैं आपको अभी दूंगा टाइम आप उनकी बात करने लगे। ये प्रश्नकाल है इसमें कोई अचानक एकदम ऐसे नहीं।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः अभी जैसे माननीय सदस्य ने कहा तो मैं सारे सदस्यों से कहना चाहता हूं कि आपके यहां पे जितने भी एनक्रोचमेंट है हमको लिखित रूप में दें। सारे के सारे सदस्य दें और जब भी एनफोर्समेंट ड्राइर्व हो तो वहां पर खड़े होकर हमारा साथ दें।

माननीय अध्यक्षः श्री सोमदत्त जी अगला प्रश्न। पांच पूरक प्रश्न हो गए इससे ज्यादा नहीं हो सकते। श्री सोमदत्त जी।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः आप तो बैठिए ना आप बैठिए। आपको मैंने कल भी बताया था हां आप बताइए? मैं एक मिनट मैं भी रूल बुक खोल लूं। एक मिनट मैं भी रूल बुक खोल लेता हूं। आतिशी जी एक मिनट मैं भी रूल बुक खोल लूं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः एक सैकिण्ड, आप नहीं चाहते कि प्रश्न काल चले। वास्तविकता ये है कि हम चाहते हैं सभी सदस्य बोलें, अच्छा खासा प्रश्नकाल चल रहा है मंत्री लगातार रिप्लाई कर रहे हैं लेकिन विपक्ष नहीं चाहता कि प्रश्नकाल चले जबकि आज भी विपक्ष के नौ प्रश्न हैं बीस में से स्टार्ड क्वैश्चन

नौ हैं और अगला अगला सदस्य विपक्ष का है जिनका सवाल है। सोमदत्त जी। सोमदत्त जी आप शुरू करें और मैं आपके हर ओबजेक्शन का जवाब दूंगा लेकिन प्रश्नकाल होने दें एक बार। सोमदत्त जी। सोमदत्त जी आप पूछेगें सवाल, पूछिए आप। आप प्रश्न करिए

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः नहीं मैं प्रश्न काल का समय व्यर्थ की बातों में खराब नहीं करना चाहता। मैं विपक्ष के पूछे हुए सवालों पर ध्यान देने की बात कर रहा हूं और मंत्रीगण रिप्लाई करने को तैयार हैं। अच्छा आप कहिए हां, आप कहिए

...(व्यवधान)

माननीय श्रम एवं रोजगार मंत्री (श्री कपिल मिश्रा): मैं ये कहना चाहता हूं ओन रिकार्ड कि पिछले एक महीने में जितनी देर मुख्यमंत्री सदन में रही हैं ना उतने दस साल में पिछला मुख्यमंत्री नहीं आया इस सदन के अंदर तो ये बद्तमीजी यहां होनी नहीं चाहिए इस सदन के अंदर। वो खाली अपना भाषण देने आता था।

...(व्यवधान)

माननीय श्रम एवं रोजगार मंत्रीः आप यहां पर बतमीजी कर रहे हैं। यहां लापता के पोस्टर लग गए थे।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः देखिए एक मिनट, मंत्री जी, मंत्री जी

...(व्यवधान)

माननीय श्रम एवं रोजगार मंत्रीः आप सदन को सदन की तरह चलने दीजिए।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः मंत्री जी, मंत्री जी। प्रश्नकाल को चलने दें। मुझे लगता है।

...(व्यवधान)

माननीय श्रम एवं रोजगार मंत्रीः वो आधे-आधे घंटे के लिये आये सदन में, एक साल में आधे घंटे, एक साल में आधे घंटे सदन में आया है। पिछला मुख्यमंत्री। एक साल में आधे घंटे मुख्यमंत्री आया है पिछला। एक साल में आधे घंटे सदन के अंदर।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः एक मिनट।

...(व्यवधान)

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्री (श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा): अध्यक्ष जी, अध्यक्ष जी, अध्यक्ष जी मेरा ये कहना है कि कल आपने रूलिंग इस पर दे दी थी।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः मैंने मैं ओर स्पष्ट कर देता हूं।

...(व्यवधान)

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्री (श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा): एक बार आपने रूलिंग दे दी है तो बार बार ये ऐसे सदस्य...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः ये प्रश्नकाल नहीं चाहते, देखिए प्रश्नकाल मैं चलाऊँगा क्योंकि मंत्रीगण रिप्लाई करने को तैयार हैं और विपक्ष का ही प्रश्न है। सोमदत्त जी आप पूछिए।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः प्रश्नकाल समाप्त होने दीजिए मैं आपकी एक एक बात स्पष्ट करूंगा।

...(व्यवधान)

माननीय शिक्षा मंत्री (श्री आशीष सूद): प्रश्न लगाकर आएगें नहीं वो विधानसभा का अपमान नहीं है? सदस्य प्रश्न लगाकर आएगें नहीं वो विधानसभा का अपमान नहीं है क्या बात करते हैं आप। अध्यक्ष ने रूलिंग दे दी। रोज आप इस तरह से प्रश्नकाल का आप समय व्यर्थ करते हैं। आप विधायी कामों को चलने ही नहीं देना चाहते हैं। आपकी मंशा ही नहीं है

आपके इस तरह के आचरण से सरकार को पंगु नहीं होने देंगे हम।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः मेरा कहना है कि एक बार सभी सदस्य कृपा करके बैठ जायें। मंत्री जी मैं आपको भी।

माननीय उद्योग मंत्री (श्री मनजिंदर सिंह सिरसा): अध्यक्ष जी, इनका मुख्यमंत्री 10 साल तक ना कोई काम करता था सिर्फ शीशमहल बनाता था अपना बढ़िया दफ्तर बनाता था और पंजाब और गोवा घुमता था। हमारी मुख्यमंत्री और 10 साल की इनकी बीमारियां हैं उसको ठीक करने के लिये रात-दिन काम करती हैं और ये अब भी ये भी चाहते हैं कि इनकी 10 साल की बीमारियों के जवाब भी वो दें। बड़े आज बड़े शर्म की बात है कि आपके मुख्यमंत्री ने जब एक रूलिंग दे दी वहां से आप उसको मानने को तैयार नहीं हो उस व्यवस्था को मानने को आप तैयार नहीं हैं।

माननीय अध्यक्ष: मेरा अनुरोध है सब लोग बैठ जायें।

माननीय उद्योग मंत्री: और अभी भी भगौड़ा पंजाब जाकर बैठा हुआ है। हमारी मुख्यमंत्री पंजाब जाकर नहीं बैठीं, गोवा जाकर नहीं बैठीं, हमारी मुख्यमंत्री काम कर रही हैं।

माननीय अध्यक्ष: बैठिये-बैठिये-बैठिये आप भी बैठिये आप बैठिये। मैं हर किसी के प्रश्न का निराकरण करता हूं आपके प्रश्न का भी करता हूं। ये once forever जो है ना बात समाप्त होगी। देखिये, एक मिनट, कोई नहीं अभी करेंगे, मैं, देखिये रूल-38 बहुत साफ कहता है कि- ''विशेष अथवा अप्रत्याशित अथवा अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण संबद्ध मंत्री की अनुपस्थिति की दशा में इस बारे में प्रार्थना किये जाने पर अध्यक्ष प्रश्नों को किसी आगामी दिन के लिये स्थगित कर सकेंगे" लेकिन हम प्रश्न स्थगित नहीं कर रहे हैं। मुख्यमंत्री जी जो हैं उनके ऊपर काम का बहुत लोड है वो स्वंय सड़क पर उतर चुकी हैं, एक-एक समस्या को नज़दीक से देख रही हैं, उसका निराकरण कर रही हैं। मैं इस सदन से विपक्ष के सदस्यों को ये आश्वस्त करता हूं कि इस समय भी ये

मेरा दृढ़ विश्वास है कि वो कहीं ना कहीं किसी जरूरी कार्य के लिये जो दिल्ली भर की जनता के हित का होगा उसमें वो लगी हैं। अब मैं आपको रूल पोजिशन बता रहा हूं ये once forever इस सदन में बात समाप्त हो जानी चाहिये और चेयर उस पर अपनी रूलिंग भी देगा और रूल भी बता रहा है आपको। मुझे लगता है प्रश्नकाल का समय विपक्ष ने कल भी और आज भी, मैं बार-बार कह रहा हूं कि आपकी कोई भी क्वेयरी है प्रश्नकाल पूरा होने दीजिये। आज भी प्रश्न विपक्ष के ज्यादा हैं आप पढ़ सकते हैं और एक लाइन में हैं। मैं चाह रहा था इन सबके नम्बर आ जायें वीर सिंह धिंगान, इमरान हुसैन, जुबैर अहमद, माननीय सदस्य मुकेश कुमार अहलावत, माननीय सदस्य जरनैल सिंह, माननीय सदस्य विशेष रवि, माननीय सदस्य सही राम, माननीय सदस्य संजीव झा, माननीय सदस्य सुरेन्द्र कुमार, ये सब 10 प्रश्न आपके लाइन में आने वाले हैं। मैं चाह रहा था इन सब पर मंत्रीगण जवाब सहर्ष दे रहे हैं और मुख्यमंत्री जी अगर सदन में विशेष कारण से, व्यस्त होने के कारण नहीं आ रही हैं तो उसके लिये अगली लाइन में पढ़कर बता रहा हूं पूरे सदन के समक्ष, ''परन्तु संबद्ध मंत्री की अनुपस्थिति के दौरान अध्यक्ष उनसे संबंधित प्रश्नों का उत्तर देने के लिये किसी अन्य मंत्री को प्राधिकृत कर सकेंगे।'' मंत्री जी प्रवेश वर्मा जी जो मुख्यमंत्री जी ने स्वंय उनको अधिकृत किया है कि उनकी गैर-हाजिरी में उनके प्रश्नों के उत्तर श्री प्रवेश साहिब सिंह सदन के समक्ष रखेंगे और वो मैं प्रवेश साहिब सिंह जी की बहुत तारीफ करना चाहता हूं, उसका कारण ये है कि मंत्री जी सिर्फ प्रश्नों के रिप्लाई नहीं कर रहे बल्कि उन तमाम प्रश्नों को अपने ज़हन में बिठाकर समस्या का समाधान किया, बॉडी लैंग्वेज भी पता लगती है ना। वो खानापूर्ति नहीं कर रहे हैं, वो आपके पूरक प्रश्नों का भी रिप्लाई कर रहे हैं, वो आपके मुख्य प्रश्न का भी रिप्लाई कर रहे हैं, रिप्लाई आ रहा है, अधिकारीगण यहां मौजूद हैं वो उसका समाधान करने

के लिये तैयार हैं मगर आप सिर्फ एक ही बात को बार-बार, बार-बार, बार-बार रिपीट करके क्यों प्रश्नकाल के समय को व्यर्थ करना चाहते हैं जबकि 10 प्रश्न आपके ही हैं लगातार मैंने नाम भी पढ़ दिये हैं। तो इसलिये आप कम से कम आप बैठ जाईये अब आप, चलिये अब आगे। अब मैं इस पर आज के बाद इस पर कोई चर्चा अलाउड नहीं होगी।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः नहीं प्लीज, सुनिये मुझे प्रश्नकाल चलाना है।

माननीय शिक्षा मंत्रीः ये आईडिया आपको नहीं आया गोपाल राय जी के बताने पर आपको ज्ञान आया है। ये आईडिया आपको नहीं स्ट्राइक किया, गोपाल राय जी के बताने पर ज्ञान आया आपको।

माननीय अध्यक्षः आतिशी जी प्लीज़, एक मिनट देखिये प्रश्नकाल चलाना है मुझे दूसरी बात खड़ा होना पड़ा है क्योंकि ये प्रश्नकाल है। इस सदन में प्रश्नकाल की गरिमा लौटकर आई है। 10 साल क्योंकि हम लोग विपक्ष में रहे हम तरसते रहे प्रश्न पूछने के लिये इसलिये मैं विपक्ष के सदस्यों को ज्यादा मौका दे रहा हूं क्योंकि मैं इनकी बिरादरी का रहा हूं विपक्ष में रहा हूं मैं 10 साल आपकी बिरादरी में रहा हूं अब दुर्भाग्य से आप मेरी जगह पर आ गये हैं तो इसलिये मैं आपके दर्द को समझ सकता हूं क्योंकि मैंने वो दर्द सहन किया है विपक्ष का कि आप मुझे प्रश्न पूछने नहीं देते थे मैं आपको आमंत्रित कर रहा हूं प्रश्न पूछने के लिये, इसलिये आज के बाद ये रूलिंग चेयर खड़े होकर दे रही है ये विषय मंत्री उपस्थित अगर किसी कारण से नहीं होंगे प्रश्नों के उत्तर फिर भी आयेंगे वो जिस भी मंत्री को अपनी जिम्मेदारी देंगे। आज के बाद इस विषय

पर कोई चर्चा नहीं होगी इसको disruption ही माना जायेगा और उसी हिसाब से कार्यवाही होगी।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः चलिये अब आगे चलिये, सोम दत्त जी, हमारा ये विपक्ष के सदस्य।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः अब देखिये, अब मैं कार्यवाही करूंगा पक्ष का हो या विपक्ष का। जो प्रश्नकाल में प्रश्न के अलावा बात करेगा मैं कार्यवाही करूंगा। श्री सोम दत्त जी हमारे विपक्ष के सदस्य प्रश्न पूछेंगे।

श्री सोम दत्तः माननीय राजस्व मंत्री जी प्रश्न संख्या–44 का जवाब देने की कृपा करें।

(क) दिल्ली के सभी मंदिरों के पुजारियों को 20000रु. मानदेय भुगतान हेतु क्या कदम उठाए गये हैं;

(ख) क्या दिल्ली में मंदिरों की कुल संख्या के संबंध में कोई सर्वेक्षण किया गया है;

(ग) क्या उक्त संबंध में दिनांक 20.02.2025 के बाद इस संबंध में कोई बैठक की गई है; और

(घ) यदि हाँ, तो बैठक के कार्यवृत की प्रतिलिपि प्रदान करें; और

(ङ) क्या दिल्ली में सभी मंदिर–पुजारियों को मानदेय प्रदान किए जाने के संबंध में कोई समयावधि निर्धारित की गई है?

माननीय लोक निर्माण मंत्री: प्रश्न संख्या–44 का आंसर इस प्रकार है।

(क) इस संदर्भ में कोई भी प्रस्ताव अभी राजस्व विभाग में विचाराधीन नहीं है।

(ख) जी, नहीं।

(ग) इस संदर्भ में राजस्व विभाग के पास कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है।

(घ) उपरोक्तानुसार लागू नहीं होता है।

(ङ) उपरोक्त (क) के अनुसार लागू नहीं होता है।

माननीय लोक निर्माण मंत्री: अध्यक्ष जी माननीय सदस्य ने ये जो सवाल पूछा है वैसे तो इसका जवाब दे दिया है मैं मगर ये भी कहना चाहता हूं कि पिछले 10 सालों में जो इससे पहले की सरकार रही वो केवल एक ही धर्म के मस्जिद के जो उनके मौलवी थे केवल उन्हीं को पैसा देती थी मगर हमारी सरकार में ऐसा नहीं होगा और उन्होंने ये जो सवाल किया है, अभी ऐसा कोई विचार नहीं है जब होगा तो बता देंगे हम।

माननीय अध्यक्ष: धन्यवाद, अब हां जी करनैल सिंह जी।

श्री करनैल सिंह: माननीय अध्यक्ष जी आपका धन्यवाद करता हूं आपने मुझे बोलने का मौका दिया।

माननीय अध्यक्ष: एक मिनट–एक मिनट करनैल जी वो जिनका प्रश्न है वो ही पूरक प्रश्न पूछना चाहते हैं तो उनको पूछने दीजिये पहले फिर आपका नम्बर है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः थोड़ा जल्दी करिये, 15 मिनट रह गये।

श्री सोम दत्तः अध्यक्ष जी वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में क्या मंदिर के पुजारियों को 20 हजार प्रति माह देने के लिये कितना बजट आवंटित किया गया है और उस बजट में कितने मंदिरों में और कितने पुजारियों को सरकार मानदेय देगी।

माननीय अध्यक्षः उन्होंने स्पष्ट कर तो दिया कि अभी ऐसी कोई योजना नहीं है।

श्री सोम दत्तः ठीक है और एक मिनट।

...(व्यवधान)

माननीय लोक निर्माण मंत्रीः अध्यक्ष जी ये तो बहुत खुशी की बात है।

श्री सोम दत्तः अध्यक्ष जी ये तो कमाल है हमारे से बोलने का अधिकार छीन रहे हो आप।

माननीय गृह मंत्री (श्री आशीष सूद): मंत्री खड़े हैं मंत्री खड़े हैं बैठिये।

श्री सोम दत्तः ठीक है।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः अध्यक्ष जी, बहुत ही खुशी की बात है कि इस चुनाव के बाद में हमारे विपक्ष के लोग भी मंदिरों की याद कर रहे हैं, पुजारियों की याद कर रहे हैं।

...(व्यवधान)

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः ये प्रश्न

...(व्यवधान)

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः ये प्रश्न आपकी तरफ से आया है और इसके ऊपर में कार्यवाही करेंगे चिंता करेंगे।

माननीय अध्यक्षः चलिये बस इसमें करनैल सिंह जी। इस पर ज्यादा चर्चा नहीं ये पूरक प्रश्न है।

श्री करनैल सिंहः माननीय अध्यक्ष जी धन्यवाद, आपने मुझे बोलने का मौका दिया। मैं माननीय मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि हमारे नवरात्रे आ रहे हैं और दिल्ली की जगह-जगह फुटपाथों पर जो मीट बेचा जा रहा है जिससे हमारी आस्था को भी ठेस पहुंचता है और दुकानों पर खुले तौर से जिनके पास लाइसेंस भी नहीं है मैं मंत्री जी को अनुरोध करूंगा कि इसका संज्ञान लेकर के कम से कम जो पटरियों पर मीट बेचा जा रहा है उसको इमीडिएटली बंद किया जाए ताकि हमारी आस्था को।

माननीय अध्यक्षः अब अगला प्रश्न लेंगे बस हो गया इस पर मंत्री जी रिप्लाई करें उसके बाद अभय वर्मा जी का अगला प्रश्न है।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः अध्यक्ष जी, सारे अधिकारियों को निर्देश दे दिये गये हैं कोई भी मांस-मच्छी वाला दिल्ली में इल्लीगल बैठा हुआ है तो उसको तुरंत हटाने का निर्देश हमने दे दिया है।

माननीय अध्यक्षः चलिए, अब अभय वर्मा जी, बस हो गया हो गया अभय वर्मा जी।

श्री अभय वर्माः धन्यवाद अध्यक्ष जी, आपकी अनुमति से प्रश्न संख्या-45 प्रस्तुत हैः

क्या माननीय **मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में वर्ष 2020-2021, 2021-2022, 2022-2023, 2023-2024 एवं 2024-2025में राजस्व विभाग द्वारा छठ पूजा, कांवड़ पंडाल व अन्य धार्मिक आयोजनों पर कितनी धनराशि खर्च की गयी, वर्षवार एवं अलग-अलग आयोजन अनुसार विस्तृत जानकारी दें;

(ख) विगत पांच वर्षों में दिल्ली सरकार द्वारा बनाये गये कुल कृत्रिम छठ घाटों की संख्या जिला अनुसार और प्रत्येक घाट पर किये गये खर्च का विस्तृत विवरण दें; और

(ग) जिला अधिकारी के पास किन-किन मदों में बजट उपलब्ध होता है, विस्तृत जानकारी दें?

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्री: अध्यक्ष जी, माननीय मंत्री जी ने पूछा है कि जो तीर्थ यात्रा और जो विभिन्न धार्मिक गतिविधियों के लिए जो ये सरकार पैसा देती है और इससे पहले मैं आपको एक-दो फैक्ट्स यहां पर क्लीयर करना चाहता हूं बहुत ही आप सबको भी सुनकर अच्छा लगेगा माननीय सदस्यों को कि इससे पिछले साल यानि की 2024-2025 में जो ये सरकार इससे पहले की सरकार इतना बड़ा-बड़ा एड करती थी तीर्थयात्रा का इन्होंने 80 करोड़ रुपये का बजट रखा मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा में और आपको हैरानी होगी की उसमें जीरो खर्च हुआ जीरो यानी की केवल प्रचार कर रहे थे, केवल प्रचार करते थे और मैं आपको एक और।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: प्रश्न का रिप्लाई करने दीजिए संजीव झा जी आप बैठिये। आप उनको बात करने दीजिए। आप नहीं बताएंगे मंत्री क्या बोलेंगे मैं भी नहीं बताऊँगा रिप्लाई कर रहे हैं वो उनको रिप्लाई करने दीजिए।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः एक और सच्चाई।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः आप लिखकर दे दो न वो पढ़ देंगे वो आप अपना भाषण बनाओ।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः एक और सच्चाई आप ही के लिए है। एक और सच्चाई मैं सदन के बीच में।

...(व्यवधान)

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः कहां से लाए हो भाई। एक और सच्चाई मैं सदन के बीच में लाना चाहता हूं कि।

(विपक्षी सदस्यों द्वारा लगातार व्यवधान)

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः तो भाई तो बोला हैं।

माननीय अध्यक्षः भाई तो बोल रहे हैं आप तो पता नहीं क्या-क्या बोलते थे।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः भाई कौन सा अन-पार्लियामेंटरी है।

माननीय अध्यक्षः आपके तो सदस्य वहां से उठकर आते थे मारने के लिए।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः भाई कौन सा अन-पार्लियामेंटरी है।

माननीय अध्यक्षः ऐसे थोड़े ही न बैठिये भाई तो बोल रहे हैं भाई बोलना गलत है, भाई तो बोला है।

...(व्यवधान)

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः भाई कहना गलत है, भाई कहना गलत है आपको भाई कहना गलत है, भाई कहना गलत है क्या? अरे आपको भाई कह रहा हूं, अरे आपको भाई तो कहा है मैंने।

...(व्यवधान)

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः मैंने बोला, मैंने कोई महिला के बारे में बोला, अरे मैंने कोई महिला के बारे में बोला।

माननीय अध्यक्षः विशेष रवि सदन से बाहर चले जाएं, विशेष रवि जी को निष्काषित किया जाता है। विशेष रवि जी को सदन से निष्काषित किया जाता है आप बाहर चले जाएं।

...(व्यवधान)

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः मैंने कोई नाम लिया, मैंने कोई नाम लिया, मैंने कोई नाम लिया।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः विशेष रवि जी सदन से बाहर चले जाएं आपको निष्काषित किया जाता है। बैठ जाएं। अब कुलदीप कुमार जी को सदन से निष्काषित किया जाता है, सदन से बाहर चले जाएं। मेरा आपसे आग्रह है मार्शल्स कुलदीप कुमार जी को सदन से बाहर ले जाएं। आप प्रश्नकाल में मेरे कहने के बाद भी नहीं मान रहे हैं, प्रश्नों के उत्तर नहीं आने दे रहे हैं। ठीक है, बैठ जाईये आप, बैठिये आप। कुलदीप कुमार जी को बाहर ले जाईये तब तक आप अपना उत्तर पूरा करें।

(माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा श्री विशेष रवि और श्री कुलदीप कुमार को 11.50 बजे सदन से निष्काषित किया गया)

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः चलिए आप पूरा करिये।

...(व्यवधान)

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः अध्यक्ष जी, मैंने किसी का नाम नहीं लिया था, मैंने किसी का नाम नहीं लिया था मगर अध्यक्ष जी मैंने किसी का नाम नहीं लिया था।

माननीय अध्यक्षः अब आप प्रश्न काल में जो डिस्टर्ब करेगा कार्रवाई होगी। पूरक प्रश्न पूछने का आपको अधिकार दे रहा हूं फिर भी आप शोर मचा रहे हैं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः आपने पांच प्रश्न भी नहीं पूरे होने दिये एक घंटे में, बीस की जगह पांच नहीं होने दे रहे।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः अध्यक्ष जी, मैंने किसी का नाम नहीं लिया मगर आप सारे समझ गये, मैंने किसी का नाम नहीं लिया मगर आप सारे समझ गये। मैंने किसी का नाम नहीं लिया। मैं यहां पर सदन के सामने एक और फैक्ट रखना चाहता हूं कि दिल्ली में चाहे।

माननीय अध्यक्षः अरे आपस में सदस्य हैं सब मंत्री हैं सदस्य हैं विपक्ष के नेता हैं बातचीत की भाषा है उसमें अगर कोई शब्द ऐसा लग रहा है आप वापस

ले लें कोई शब्द ऐसा है क्या मेरे को तो कोई लग नहीं रहा, क्या शब्द है, कोई शब्द नहीं है ऐसा भाई कहना कोई बुरी बात है क्या?

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः मतलब आप सदन को क्यों नहीं चलने देना चाहते ये समझ में नहीं आ रहा। आप बैठ जाईये, बैठ जाईये। प्रवेश जी पूरा करिये।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः अध्यक्ष जी अध्यक्ष जी।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः अरे 'भाई' बोलना बुरी बात है क्या? अरे ठीक है पक्ष और विपक्ष के भाई नहीं हो सकते पक्ष और विपक्ष वाले आपस में , कोई इतनी बड़ी लाइन थोड़ी ना खिंच गई। बैठिये आप बैठिये बैठिये, बैठिये आप भी आप पूरी करिये।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः अध्यक्ष जी इतना।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः सब लोग बैठ जाएं, मंत्री जी।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः अध्यक्ष जी, इतना महत्वपूर्ण विषय है जहां पर हम छठ पूजा की बात कर रहे हैं, जहां पर कांवड़ सेवा की बात कर रहे हैं, जहां पर तीर्थ यात्रा की बात कर रहे हैं उस पर भी आप ऐसे डाल रहे हैं। ये तो आपसे संबंधित है ये तो छठ पूजा के संबंधित है हां तो सुन लीजिए एक बार। अध्यक्ष जी, दिल्ली में चाहे छठ पूजा हो चाहे कांवड़ सेवा हो, चाहे उर्स हो, चाहे फूल वालों की सैर हो ये जो स्कीम थी ये जो हैड है।

जिसमें पैसा मिलना शुरू हुआ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः उन्होंने कोई ऐसा शब्द नही बोला। भाई शब्द, अगर आपको ऑब्जेक्शन भाई शब्द पर है तो भाई शब्द कोई बुरा शब्द नहीं है।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः ये इतना महत्वपूर्ण सच बता रहा हूं मैं आपको। मैं आपको इतना महत्वपूर्ण सच बता रहा हूं, सुन लो।

...(व्यवधान)

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः आपमें सुनने की हिम्मत नहीं है। आपके अंदर में सच सुनने की हिम्मत नहीं है। मैने क्या बोला। अरे मैंने किसी का नाम लिया।

माननीय सभापतिः मुझे समझ नहीं आ रहा आप प्रश्न काल को क्यों...

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः मैने आपके बारे में बोला था?

...(व्यवधान)

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः अध्यक्ष जी मैं मेरी बात को स्पष्ट कर देता हूं। मैं मेरी बात को स्पष्ट कर देता हूं। मैं मेरी बात को स्पष्ट कर देता हूं। अरे सुन लीजिए। मैने भाई साहब क्या नाम है। जी मैं मेरी बात को स्पष्ट कर देता हूं एक बार सुन लीजिए। मैने कहा, मैने कहा...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः अरे आप बैठिये ना। बैठिये, बैठिये, बैठिये। जी। डा0 साहब बैठिये।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः अध्यक्ष जी मैने कहा था कहां से लाये हो भाई। इसका मतलब ये था इतनी बद्तमीजी कहां से लेकर आते हो आप। मैने किसी का नाम नहीं लिया था। मैने कहा था इतनी बद्तमीजी कहां से लेकर आते हो अरे मैंने किसी का नाम थोड़े ना लिया। मैने किसी का नाम लिया क्या?

माननीय अध्यक्षः अरे पहले उनको बोलने तो दो। आप उनको बोलने दो। उनको बात अपनी स्पष्ट करने दो। बैठ जाओ। बैठिये।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः सवाल सुन लो। जवाब तो सुन लो। ये छठ पूजा के सवाल छठ पूजा से सम्बन्धित सवाल तो

माननीय अध्यक्षः ये प्रश्नकाल को रोक रहे है।

माननीय पर्यटन मंत्री (श्री कपिल मिश्रा): छठ पूजा से सम्बन्धित सवाल को

माननीय अध्यक्षः ये मंत्री जी को रिप्लाई करने से रोक रहे है। असली बात है ये।

माननीय पर्यटन मंत्री (श्री कपिल मिश्रा): छठ पूजा से सम्बन्धित सवाल को जानबूझकर रोका जा रहा है। छठ पूजा से सम्बन्धित सवाल को जानबूझकर रोका जा रहा है ये। शर्म आनी चाहिए। छठ पूजा का सवाल है ये। ये छठ पूजा का सवाल है। ये छठ पूजा का सवाल है। ये छठ पूजा का सवाल है। इसे रोक रहे है। छठ पूजा के सवाल को रोक रहे है ये लोग। छठ पूजा के सवाल को रोकोगे। छठ पूजा के सवाल को रोकोगे तुम? छठ पूजा के सवाल को रोकोगे। छठ पूजा के सवाल को रोकोगे यहां पर। इस सदन में छठ पूजा के सवाल को रोका जा रहा है। छठ पूजा के सवाल को रोक रहे हो तुम लोग। छठी मैया

की... छठ पूजा के सवाल को रोक रहे है। छठ पूजा के सवाल को नहीं रोकने देंगे हम।

माननीय अध्यक्षः सब लोग बैठिये।

माननीय पर्यटन मंत्री (श्री कपिल मिश्रा): अगर ये सवाल हज का होता, मक्का का होता, मदीना का होता, छठ पूजा के सवाल को रोकोगे।

माननीय अध्यक्षः सब लोग बैठिये। आप भी बैठिये। सब बैठेंगे। करनैल जी आप भी बैठिये। आप भी बैठिये। संजीव जी बैठेंगे।

...(व्यवधान)

माननीय पर्यटन मंत्री (श्री कपिल मिश्रा): छठ पूजा के सवाल का अपमान है। जवाब नहीं आने दे रहे सदन में। छठ पूजा के सवाल पर बैठ जाईये आप। छठ पूजा के सवाल पर आप क्या कर रहे है ये।

माननीय अध्यक्षः वैसे ये तो अपना इश्यू है। अब ये गुंडा मवाली बोल रहे है।

माननीय पर्यटन मंत्री (श्री कपिल मिश्रा): आप जानबूझकर बाधा डाल रहे हैं, आप जानबुझकर बाधा डाल रहे हैं। ये जानबूझकर रोक रहे हैं जानबूझक, छठ पूजा के सवाल को जानबूझकर रोका जा रहा है यहां पर।

माननीय अध्यक्षः मैं सभी सदस्यों से अनुरोध करूंगा कृपा बैठ जाये सभी। ये मेरा स्पष्ट आदेश है। सब लोग अपना स्थान लें।

माननीय पर्यटन मंत्री (श्री कपिल मिश्रा): छठी पूजा का अपमान है ये। छठी पूजा के सवाल पर चर्चा नहीं होने दे रहे जानबूझकर अंधा घंटा हो गया।

अध्यक्ष जी ये बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल है। छठी पूजा का सवाल है आप उसका जवाब नहीं आने दे रहे।

माननीय अध्यक्षः सभी लोग बैठ जायें।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः अध्यक्ष जी मैं ये सवाल का जवाब दे रहा हूं और ये बहुत ही महत्वपूर्ण है।

श्रीमती आतिशी (नेता प्रतिपक्ष): अध्यक्ष जी आपके कहने पर भी कल आपने...

माननीय अध्यक्षः नहीं तो बात तो पता लगे। बात क्या है वो बता रहे है। बात तो बताईये मेरे को भी समझ में नहीं आ रही बात। या तो कोई ऐसा ऑब्जेक्शनल शब्द है। तो बताईये

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः मैने क्या बोला। मैने क्या बोला बता दो दो।

माननीय अध्यक्षः तो बताईये मेरे को तो समझ में नहीं आ रही बात या तो कोई ऐसा ऑब्जेक्शनल शब्द भाई शब्द जो है तो बताईये कोई ऐसा ऑब्जेक्शनल शब्द है ये भाई शब्द जो है।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः क्या बोला मैंने?

माननीय अध्यक्षः बोला क्या है, बोला क्या है?

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः किस को, किस को?

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः जब चेयर को ही नहीं पता क्या हुआ है।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः अध्यक्ष जी यहां पर तो गोपाल जी भी बैठे हैं। यहां पर तो गोपाल जी भी बैठे हैं। यहां पर तो गोपाल जी बैठे हैं। आप सबको वो ही दिखाई दे रही है। आप सबको वो ही दिखाई दे रही है। यहां पर तो गोपाल जी बैठे हैं। मतलब कमाल है! अरे यहां तो गोपाल जी भी बैठे हैं, वो भी सुरेन्द्र जी भी बैठे है। पहलवान जी भी बैठे है। आप भी बैठो हो। आप सबको वो ही दिखाई देती है।

माननीय अध्यक्षः देखिये ऐसा है। इसको नहीं–नहीं इमरान जी इसको इस तरह ईशू बनायेंगे तो बिल्कुल अलाओ नहीं होगा। उन्होंने कोई स्पेसेफिक कुछ नहीं कहा। जहां तक मैने सुना है। वो भाई शब्द का इस्तेमाल किया है या कुछ और जो बोला है वो बता रहे हैं इसके अलावा।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः अध्यक्ष जी बात केवल इतनी है। अध्यक्ष जी बात केवल इतनी है।

माननीय अध्यक्षः क्या वापिस लें, क्या वापिस लें? आप बताईये क्या ऐसा बोला है जो इन्होंने वापिस लेना है। जो आपने कुछ भी ऐसा बोला है।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः मैने केवल इतना बोला कहां से लाये भाई मैंने बोला कहां से लाये हो भाई। तो गोपाल जी भी तो बैठे हैं यार। अब बोलोगे यार बोल दिया। यार बोल दिया।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः भाई शब्द, भाईयों के लिए बोला जायेगा ना। भाई शब्द भाईयों के लिए ही बोला जायेगा। बहनों के लिए बहन शब्द होता है।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः देखो इमरान भाई सुनो। अब मैंने आपको भी तो भाई बोला, इमरान भाई। अब आपने बोला ठीक है, ठीक है और बैठ गए। मैंने आपको भी भाई बोला ना इमरान भाई बैठ जाओ और आप बैठ गए। मैंने आपको भी भाई बोला। मैंने आपको भी भाई बोला।

माननीय अध्यक्षः अरे भाई को तो भाई बोलेगे ना।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः मैंने आपको भी भाई बोला, मैंने आपको भी तो भाई बोला, वो मेरी बहन है।

माननीय अध्यक्षः उनको बहन बोलेंगे।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः आतिशी जी मेरी बहन है। आतिशी जी मेरी बहन है। भाई नहीं है वो। वो भाई नहीं है। वो आतिशी, आतिशी जी मेरी बहन है, आप मेरे भाई हो। वो मेरी बहन है आप मेरे भाई हो। बैठिये अब। सुन लीजिए। अध्यक्ष जी मैं केवल इतना बताना चाह रहा था कि एक बार दिल्ली वालों को भी समझ में आ जाये, सारे सदन को मालूम हो जाये कि चाहे वो छठ पूजा हो, चाहे वो कांवड सेवा हो, चाहे वो फूल वालों की सैर हो, चाहे उर्स हो, ऐसी जितनी भी धार्मिक ऐसे हमारे यहां पर कार्यक्रम होते हैं जिसमें सरकार पैसा देती है ये हैड कब स्टार्ट हुआ। जो सरकार कहती है हमने शुरू किया, हमने शुरू, हमने शुरू किया ये गलत है। ये हैड कब स्टार्ट हुआ।

मैं उसकी जानकारी दे रहा हूँ। ये स्टार्ट हुआ जो हमारा कैबिनेट का डिसीजन नंबर 109 डेटेड अक्टूबर 24, 1994, ये 1994 में जब उस समय भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी और उस समय मदन लाल खुराना जी मुख्यमंत्री थे, उस समय ये हेड स्टार्ट हुआ और उसके बाद में जुलाई 1995, 19 तारीख को इसका

नाम बदलकर कर दिया तीर्थयात्रा विकास समिति। तब से आज तक जितना भी पैसा ये जो सारे विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम चाहे वो छठ पूजा हो, चाहे वो काँवड़ पूजा हो, चाहे वो उर्स हो, चाहे फूलवालों की सैर हो या और भी जितने भी धार्मिक कार्यक्रम हैं अगर इनका हेड किसी ने स्टार्ट किया, अगर ये योजना किसी ने शुरु करी तो वो भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने शुरु करी थी। दूसरा मैं आपको यह भी जानकारी दे रहा हूँ कि इस साल हमारी सरकार ने माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो पिछली सरकारों ने इस मद में जो हम लोग बजट देते थे, पिछली की सरकार वो देते थे, 25 करोड़ रुपया, इस साल हमारी सरकार ने 55 करोड़ रुपया इस मद में दिया है। यानि की इस साल छठ पर्व और भी धूमधाम से मनेगा। इस साल काँवड़ सेवा और भी धूमधाम से मनेगी और कोई इसमें भ्रष्टाचार नहीं होगा, फर्जी बिलिंग नहीं होगी, जैसे आपके यहां पर होती थी।

प्रश्न संख्या 45 का उत्तर:

(क) दिल्ली में वर्ष 2020-2021, 2021-2022, 2022-2023, 2023-2024 एवं 2024-2025 में राजस्व विभाग द्वारा छठ पूजा, कांवड़ पंडाल व अन्य धार्मिक आयोजनों पर खर्च की गयी वर्षवार धनराशि की सूची 'अनुलग्नक-क' संलग्न है।

(ख) विगत पांच वर्षों में दिल्ली सरकार द्वारा बनाये गये कुल कृत्रिम छठ घाटों की सं्ख्या और घाटों पर किये गये खर्च का विस्तष्टत विवरण की सूची 'अनुलग्नक-ख' संलग्न है।

नोटः- बजट जिले को दिया जाता है, प्रत्येक कृत्रिम घाट को नहीं।

(ग) जिलाधिकारी के पास मद संख्या 2053-00-093-82-00-49 विभिन्न धार्मिक गतिविधियों के अंतर्गत बजट उपलब्ध होता है।

अनुलग्नक–'क'

क्रम सं०	जिलों के नाम	2020–21			2021–22			2022–23			2023–24			2024–25		
		छठ पूजा	कांवड़ पंडाल	अन्य धार्मिक आयोजन	छठ पूजा	कांवड़ पंडाल	अन्य धार्मिक आयोजन	छठ पूजा	कांवड़ पंडाल	अन्य धार्मिक आयोजन	छठ पूजा	कांवड़ पंडाल	अन्य धार्मिक आयोजन	छठ पूजा	कांवड़ पंडाल	अन्य धार्मिक आयोजन
1	जिला – पूर्व				1,68,42,743/-		0/-	90,73,555/-	0/-	0/-	88,49,188/-	1,06,60,952/-	0/-	88,49,188/-	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।	0/-
2	जिला – पश्चिम				2,48,81,871/-		0/-	2,72,61,922/-	0/-	0/-	2,35,92,792/-	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।	0/-	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।	0/-
3	जिला – उत्तर				0/-		0/-	2,69,65,118/-	0/-	60,94,149/-	5,44,638/-*	0/-	4,73,06,548/-	3,29,507/-*	2,04,000/-*	49,11,672/-*
4	जिला – दक्षिण				3,89,38,208/-		0/-	2,37,17,423/-	1 27,500/-	1,03,02,583/-	3,21,41,089/-	0/-	77,15,589/-	0/-	0/-	6,32,856/-*
5	जिला – उत्तर–पूर्व				97,44,313/-		0/-	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।	0/-	0/-	79,58,744/-	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।	0/-	3,42,060/-*	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।	0/-
6	जिला – उत्तर–पश्चिम	कोविड महामारी के कारण कोई आयोजन नहीं हुआ।			2,49,55,084/-	कोई भी आयोजन नहीं हुआ।	0/-	53,74,485/-	0/-	0/-	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।	0/-	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।	0/-
7	जिला – दक्षिण–पूर्व				2,98,93,155/-		0/-	1,49,93,350/-	0/-	0/-	98,53,344/-	4,17,675/-	0/-	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।	8,21,667/-	0/-
8	जिला – दक्षिण–पश्चिम				2,59,03,309/-		0/-	34,43,148/-	4 31,664/-	0/-	4,97,109/-	2,46,000/-	0/-	6,59,15,573/-	59,500/-	0/-
9	जिला – मध्य				1,19,89,547/-		0/-	1,07,44,486/-	0/-	0/-	1,10,85,844/-	6,48,228/-	0/-	1,34,67,790/-	1,60,32,887/-	0/-
10	जिला – नई दिल्ली				2,55,60,767/-		0/-	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।	0/-	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।	0/-	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।	0/-
11	जिला – शाहदरा				0/-		0/-	0/-	0/-	0/-	17,06,066/-	1,99,31,594/-	0/-	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।	0/-	0/-
12	राजस्व विभाग (मुख्यालय)				0/-		0/-	0/-	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।	0/-	0/-	0/-	0/-	0/-	0/-	0/-
नोटः–	*यह निशान सारणी में आंशिक भुगतान के लिए है।															

ARVIND KUMAR
SDM (HQ),
O/o The Divisional Commissioner
Revenue Department, GNCTD
5, Sham Nath Marg, Delhi-54

अनुलग्नक–'ख'

क्रम सं०	जिलों के नाम	2020-21		2021-22		2022-23		2023-24		2024-25	
		कृत्रिम छठ घाट	छठ घाटों पर व्यय	कृत्रिम छठ घाट	छठ घाटों पर व्यय	कृत्रिम छठ घाट	छठ घाटों पर व्यय	कृत्रिम छठ घाट	छठ घाटों पर व्यय	कृत्रिम छठ घाट	छठ घाटों पर व्यय
1	जिला – पूर्व	कोविड महामारी के कारण कोई आयोजन नहीं हुआ।		36	89,20,168/-	36	90,73,555/-	35	88,49,188/-	35	88,49,188/-
2	जिला – पश्चिम			80	2,48,81,871/-	104	2,72,61,922/-	104	2,35,92,792/-	102	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।
3	जिला – उत्तर			0	0/-	71	6,12,278/-	71	5,44,638/-	70	3,29,507/-
4	जिला – दक्षिण			111	3,89,38,208/-	80	2,37,17,423/-	81	3,21,41,089/-	81	अब तक कोई भुगतान जारी नहीं किया गया है।
5	जिला – उत्तर–पूर्व			7	97,44,313/-	12	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।	12	79,58,744/-	12	3,42,060/-*
6	जिला – उत्तर–पश्चिम			108	2,49,55,084/-	108	53,78,485/-	108	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।	108	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।
7	जिला – दक्षिण–पूर्व			99	2,98,93,155/-	114	1,49,93,350/-	131	98,53,344/-	133	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।
8	जिला – दक्षिण–पश्चिम			226	2,59,03,309/-	226	34,43,148/-*	201	4,97,109/-*	201	6,59,15,753/-
9	जिला – मध्य			23	1,19,89,547/-	23	1,07,44,486/-	40	1,10,85,844/-	49	1,34,67,790/-
10	जिला – नई दिल्ली			111	2,55,60,767/-	111	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।	111	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।	111	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।
11	जिला – शाहदरा			0	0/-	24	0/-	24	17,06,066/-	24	बिल भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है।
नोटः–	*यह निशान सारणी में आंशिक भुगतान के लिए है।										

ARVIND KUMAR
SDM (HQ),
O/o The Divisional Commissioner
Revenue Department, GNCTD
5, Sham Nath Marg, Delhi-54

माननीय अध्यक्षः एक मिनट। पूरक क्वेश्चन अभय जी। अभय जी। जिनका प्रश्न है पहले वो पूरक प्रश्न पूछेंगे। उसके बाद अजय महावर जी, अशोक गोयल जी।

श्री अभय वर्माः अध्यक्ष जी आप।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः बस ये ये प्रश्न पूरा हो जाए।

श्री अभय वर्माः धन्यवाद अध्यक्ष जी। माननीय मंत्री जी डीटेल में जबाव दिये हैं, लेकिन मेरा प्रश्न ख और प्रश्न ग का उत्तर पर्याप्त नहीं है और जो भ्रष्टाचार की बात चल रही थी इसी उत्तर में छुपा हुआ है। आज भी अधिकारी जो प्रश्न मैं पूछा हूँ, उसका क्रमवार जबाव नहीं दिया है। मंत्री जी से मैं आग्रह करूंगा कि एक बार उत्तर को देखें और इसको क्रमवार जबाव दिलवायें क्योंकि सारा भ्रष्टाचार, सारा घोटाला जो पिछली सरकार की है, उसमें छुपी हुई है और आज भी अधिकारी कोशिश कर रहे हैं कि ये बात सामने ना आये। प्रश्न ख और ग।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः क्रमवार जबाव भिजवा देंगे।

माननीय अध्यक्षः अजय महावर जी पूरक प्रश्न और एक अशोक गोयल जी और एक ओपी शर्मा। तीन प्रमुख पूरक प्रश्न होंगे बस।

श्री अजय महावरः अध्यक्ष जी धन्यवाद। समझ में आ गया आप लोग जो प्रवेश जी ने जबाव दिया आदरणीय मंत्री जी ने ये भारतीय जनता पार्टी की सरकार की योजना थी, इससे बचने के लिए भाग लो आप लोग इतना ड्रामा कर रहे थे। ये समझ में आ गया पूरी सदन को और दिल्ली को। मेरा पूरक प्रश्न है मंत्री जी से कुल कितने छठ पूजा, काँवड़ पंडाल और धार्मिक अन्य आयोजन

समितियों के रजिस्ट्रेशन हैं, दिल्ली में रजिस्टर्ड हैं और इनके रजिस्ट्रेशन की इलीजीविलीटी का प्रारूप क्या है और कितने अंतराल में इसका रिव्यु सिस्टम बनाया गया है जो बीच-बीच में इसका रिव्यू हो जाए।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्री: माननीय विधायक जी ने सदस्य जी ने जो सवाल किया है हम आपको इसके विस्तृत जानकारी भिजवा देंगे मगर इसके साथ ही हमारे पास में इस साल में जिस भी विधायक के यहां से कोई भी पत्र आता है कि उसके यहां पर कितने छठ घाट बनाये जाएं कितने कार्यक्रम किया जाए, हम वो सभी को अनुमति देते हैं।

माननीय अध्यक्ष: अशोक गोयल जी।

श्री अशोक गोयल: माननीय अध्यक्ष जी, मैं माननीय मंत्री जी से पूरक में ये पूछ रहा हूँ कि दिल्ली के अंदर पूरे वर्ष में जो बहुत सारी रामलीलाएं होती हैं। इसके अंदर क्या रामलीलाओं को भी कुछ अनुदान देने की योजना है, क्योंकि हम लोग भगवान राम का मंदिर हम सब लोगों ने एक करोड़ों लोगों की अपेक्षाएं थी बना है और भगवान राम की जो रामलीलाएं हैं पूरे दिल्ली में धूमधाम से होती है और जब हम छठ पूजा के लिए, काँवड़ के लिए दिल्ली सरकार अनुदान राशि देती है तो रामलीला के लिए भी इसको इसमें इन्क्लूड करने की योजना।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्री: बहुत ही अच्छा सुझाव है हम इसके ऊपर में विचार करेंगे। हालांकि बहुत सारी पार्टियां चाहती थीं कि राम मंदिर ना बने, मगर बहुत अच्छा सुझाव आया है हम इसके ऊपर विचार करेंगे।

माननीय अध्यक्ष: जी धन्यवाद। अंतिम पूरक प्रश्न ओपी शर्मा जी।

श्री ओम प्रकाश शर्मा: अध्यक्ष जी आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं माननीय मंत्री महोदय के संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि पिछले 11-12 साल में नकली फिक्टिसियश समितियां बनाकर दूसरे क्षेत्र के लोगों को एन्क्रोच करके जो काम

किया जा रहा था उनको सत्यापित करने के लिए हमारा मंत्रालय क्या काम कर रहा है और जो उसके नेचुरल मनाने वाले स्थानीय लोग हैं उनकी समिति हो, ना कि बाहरी इन्क्रोचर जो कि फंड का मिस्यूज करते हैं।

माननीय अध्यक्षः प्रश्न पूछिये।

श्री ओम प्रकाश शर्माः वो इसके अंदर सहभागी बनें। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः बस ये अब, इसके साथ खत्म है आखिरी

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः अध्यक्ष जी जितना पैसा दस साल में इस हेड में खर्च हुआ है और हमको भी पहले बहुत सारी ऐसी गंभीर शिकायतें मिलती आयी हैं, कि पूरे प्रकरण की जांच कराने के लिए विजिलेंस को भेजा जाएगा।

माननीय अध्यक्षः एक मिनट, एक मिनट आपको अभी, नहीं-नहीं हो गया है ना ये प्रश्न, प्रश्नकाल खत्म हो गया।

तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

46. श्री राज करन खत्रीः क्या माननीय **विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि**:**

(क) नरेला विधानसभा क्षेत्र में कुल कितने गांव आते हैं**;**

(ख) पिछले 5 वर्षों में किन-किन गांव में कितने विकास कार्य किये गये हैं, पूर्ण विवरण दें**;** और

(ग) नरेला विधानसभा क्षेत्र के किन-किन गांवों की विकास योजना अभी तक लम्बित पड़ी है और ये कब तक शुरू हो जायेगी?

विकास मंत्री: (क) नरेला विधानसभा क्षेत्र में कुल 32 गांव आते हैं।

(ख) दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड (DVDB) द्वारा स्वीकृत कार्यों को सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग एवं दिल्ली नगर निगम द्वारा क्रियान्वित करवाया जाता है।

1. सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 5 वर्षों में दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड (DVDB) द्वारा स्वीकृत कार्यों में से नरेला विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत 31 गांवों में 63 विकास परियोजनाएं पूर्ण की गयी हैं, जिसका विवरण सूची 'क' में संलग्न है।
2. दिल्ली नगर निगम से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 5 वर्षों में दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड (DVDB) द्वारा स्वीकृत कार्यों में से नरेला विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत 3 गांवों में 9 विकास परियोजनाएं पूर्ण की गयी हैं, जिसका विवरण सूची 'ख' में संलग्न है।

(ग) 1. सिंचाई एवं वाढ़ नियंत्रण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 5 वर्षों में दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड (DVDB) द्वारा स्वीकृत कार्यों में से नरेला विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत 13 गांवों में 40 विकास परियोजनाएं लंबित हैं, जिसका विवरण सूची 'ग' में संलग्न है। लंबित परियोजनाओं में से 29 परियोजनाओं का कार्य प्रगति पर है तथा 11 परियोजनाएं प्रशासनिक प्रक्रियाओं के पूर्ण होने के पश्चात शुरू कर दी जाएगी।

2. दिल्ली नगर निगम से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 5 वर्षो में दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड (DVDB) द्वारा स्वीकृत कार्यों में से नरेला विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गांवों से संबंधित कोई विकास परियोजना लंबित नहीं है।

सूची "क"

क्र.सं.	सिविल प्रभाग	एसी का नाम व संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	ए/ए एवं ई/एस राशि (लाख रूपये में)	ए/ए एवं ई/एस तारीख
1	सीडी-VI	नरेला-01	पल्ला	नरेला निर्वाचन क्षेत्र के पल्ला गांव के कब्रिस्तान का निर्माण और सुधार, जिला उत्तर	57.24	10.09.21
2	सीडी-VI	नरेला-01	सुंगरपुर	नरेला निर्वाचन क्षेत्र के गाव सुगरपुर मे फिरनी सड़क और साइड गलियों का सुधार, जिला उत्तर।	68.78	10.09.21
3	सीडी-VI	नरेला-01	रमजानपुर	नरेला विधानसभा क्षेत्र के गाव रमजानपुर मे मुख्य द्वार का निर्माण, जिला उत्तर।	7.11	10.09.21
4	सीडी-VI	नरेला-01	अकबरपुर माजरा	नरेला विधानसभा क्षेत्र के ग्राम अकबरपुर माजरा में मुख्य द्वार का निर्माण, जिला उत्तर।	13.34	10.09.21
5	सीडी-VI	नरेला-01	पल्ला	गाव पल्ला (कुलकपुर) मे दो मंजिला चौपाल को ध्वस्त करना और उसका पुनः निर्माण करना, जिला उत्तर।	109.57	01.12.21
6	सीडी-VI	नरेला-01	रमजानपुर	तिगीपुर गाव से मंदिर होते हुए रमजानपुर आरएमई रोड तक सड़क का विकास, जिला उत्तर।	161.36	01.12.21
7	सीडी-VI	नरेला-01	सुंगरपुर	नरेला निर्वाचन क्षेत्र के गाव सुगरपुर मे आरएमई से पुराने आरएमई तक सड़क का चौड़ीकरण - (गौशाला से पुराने आरएमई तक सड़क के शेष भाग का निर्माण)।	99.88	05.10.21
8	सीडी-VI	नरेला-01	झंगोला	नरेला निर्वाचन क्षेत्र के झगोला गाव मे क्षतिग्रस्त सड़कों का सुधार, जिला उत्तर।	62.2	05.10.21
9	सीडी-VI	नरेला-01	मोहम्मदपुर	नरेला विधानसभा क्षेत्र के गाव मोहम्मदपुर मे मुख्य द्वार का निर्माण, जिला उत्तर।	7.12	05.10.21
10	सीडी-VI	नरेला-01	गढ़ी बख्तावरपुर	नरेला निर्वाचन क्षेत्र (जिला उत्तर) के गांव गढ़ी बख्तावरपुर में दो मंजिला जनरल चौपाल को ध्वस्त करना और उसका पुनर्निर्माण करना।	129.83	17.12.21
11	सीडी-VI	नरेला-01	पल्ला	गाव पल्ला से आर.एम.ई. तक मौजूदा सड़क का सुधार आरडी के पास 500 मी. जिले में उत्तर।	192.2	21.07.22
12	सीडी-VI	नरेला-01	सुंगरपुर	नरेला निर्वाचन क्षेत्र (जिला उत्तर) के गाव सुंगेरपुर में दो मंजिला जनरल चौपाल को ध्वस्त करना और उसका पुनर्निर्माण करना।	270.13	21.07.22
13	सीडी-VI	नरेला-01	बख्तावरपुर	जिले के नरेला निर्वाचन क्षेत्र के गाव बख्तावरपुर में डबल मंजिला जुलाहा चौपाल को ध्वस्त करना और उसका पुनर्निर्माण करना। उत्तर।	50.4	21.07.22
14	सीडी-VI	नरेला-01	तिगीपुर	नरेला निर्वाचन क्षेत्र के गाव तिगीपुर मे तिगीपुर नर्सरी रोड से एनडीपीएल/टाटा पावर कार्यालय के माध्यम से आरएमई तक सड़क की बहाली, जिला उत्तर।	102.24	10.07.23
15	सीडी-VI	नरेला-01	अकबरपुर माजरा	नरेला निर्वाचन क्षेत्र के ग्राम अकबरपुर माजरा में जल निकाय से एससी/एसटी चौपाल मोड़ तक सड़क और किनारे की नालियों का सुधार, जिला उत्तर।	99.05	10.07.23
16	सीडी-VI	नरेला-01	हिरंकी	नरेला निर्वाचन क्षेत्र के गाव हिरंकी मे मुख्य सड़क और नाली सहित गलियों का सुधार, जिला उत्तर।	73.88	10.07.23
17	सीडी-VI	नरेला-01	मोहम्मदपुर	नरेला निर्वाचन क्षेत्र के गाव मोहम्मदपुर मे आंतरिक गलियों और किनारे की नालियों का सुधार, जिला उत्तर।	114.76	10.07.23
18	सीडी-VI	नरेला-01	रमजानपुर	नरेला निर्वाचन क्षेत्र मे बुराड़ी बख्तावरपुर रोड से गांव रमजानपुर तक सड़क का सुधार, जिला उत्तर।	191	27.02.24
19	सीडी-VI	नरेला-01	तिगीपुर	नरेला निर्वाचन क्षेत्र के गाव तिगीपुर मे गाव तिगीपुर से आरएमई (तिगीपुर नर्सरी) तक सड़क की बहाली, जिला उत्तर।	241.07	27.02.24
20	सीडी-VI	नरेला-01	तिगीपुर	नरेला निर्वाचन क्षेत्र के गाव तिगीपुर मे गाव तिगीपुर से एनडीपीएल कार्यालय तक मौजूदा नाली को ऊंचा करना, जिला उत्तर।	123.31	27.02.24
21	सीडी-VI	नरेला-01	तिगीपुर	नरेला विधानसभा क्षेत्र के गाव तिगीपुर मे गाव तिगीपुर से गांव पल्ला तक सड़क का जीर्णोद्धार, जिला उत्तर।	180.11	27.02.24

22	सीडी-VI	नरेला-01	रमजानपुर	नरेला निर्वाचन क्षेत्र में गांव रमजानपुर से गांव फतेह पुर जट्ट तक मौजूदा फिरनी सड़क का सुधार और साइड ड्रेन को ऊंचा करना, जिला उत्तर।	97.44	27.02.24
23	सीडी-VI	नरेला-01	बकौली	बकोली हमीदपुर रोड से श्री सिजरा रोड का निर्माण। जिले के ग्राम बकौली में अमन सिंह का खेत। उत्तर।	148.05	17.12.2021
24	सीडी-VI	नरेला-01	हमीदपुर	जिला उत्तर के गांव हमीदपुर में शिव मंदिर के पास फिरनी से कपिल के घर तक सिजरा सड़क का निर्माण।	28.42	10.09.2021
25	सीडी-VI	नरेला-01	हमीदपुर	अलीपुर ब्लॉक के गांव हामिदपुर में मुर्गी फार्म रोड से नई फिरनी रोड तक सड़क का सुधार/मजबूतीकरण।	51.08	05.10.2021
26	सीडी-VI	नरेला-01	हमीदपुर	हामिदपुर गांव में पहली मंजिल पर अतिरिक्त हॉल का निर्माण और मौजूदा हरिजन चौपाल का नवीनीकरण, जिला उत्तर।	69.33	10.09.2021
27	सीडी-VI	नरेला-01	बकौली	अलीपुर ब्लॉक के ग्राम बकौली में सोम बाज़ार रोड से सड़क एवं आरसीसी नाली का निर्माण।	68.78	21.07.22
28	सीडी-VI	नरेला-01	बकौली	गांव बकोली में बकोली हमीदपुर रोड से औद्योगिक क्षेत्र फिरनी रोड तक सिजरा सड़क का निर्माण, जिला उत्तर।	142.57	21.07.22
29	सीडी-VI	नरेला-01	ताजपुर कलां	सिंघू गांव के पास आरडी 12425 एम से ताजपुर कलां रोड के आरडी 11020 एम क्रॉसिंग तक ड्रेन नंबर 6 के बाएं किनारे पर रॉड और गार्ड दीवार का निर्माण, जिला उत्तर।	196.54	21.07.22
30	सीडी-VI	नरेला-01	ताजपुर कलां	अलीपुर ब्लॉक के गांव पल्ला और ताजपुर में पल्ला सात साहिब से जाठी भूमि सीमा तक सिजरा सड़क का सुधार/मजबूतीकरण।	208.32	21.07.22
31	सीडी-VI	नरेला-01	जिंदपुर	गांव जिंदपुर (जीटी रोड) से गांव मुखमेलपुर (ड्रेन नंबर 6) तक आरसीसी ड्रेन का निर्माण, जिला उत्तर।	431.08	08.02.23
32	सीडी-VI	नरेला-01	बकौली	ग्राम बकोली में राध-राध धर्म कांटा से बिरमवती गोदाम तक सड़क एवं साइड नाली का निर्माण, जिला उत्तर।	238.74	12.12.23
33	सीडी-VI	नरेला-01	बकौली	बकोली गांव में बकोली बस स्टैंड से एमसीडी पार्क तक सड़क और दोनों तरफ आरसीसी नाली का विध्वंस और पुनर्निर्माण, जिला उत्तर।	139.28	15.06.23
34	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	सिंघोला	अलीपुर ब्लॉक के सिंघोला गांव में ख. नंबर 12/26 के तालाब का विकास. ।	128.29	05.01.16
35	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	सिंघोला	गांव सिंघोला में मौजूदा पुरानी फिरनी सड़क और आंतरिक सड़क का जीर्णोद्धार, जिला उत्तर।	76.11	29.01.16
36	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	खेड़ाखुर्द	ग्राम खेड़ा खुर्द में श्मशान घाट का विकास, जिला उत्तरी दिल्ली.	57.37	22.09.17
37	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	अलीपुर	अलीपुर गांव में शिव मंदिर के पास क्रमांक 64/26 भवन का निर्माण, क्षतिग्रस्त चहारदीवारी, एप्रोच रोड एवं मिट्टी भराई, , जिला उत्तर।	166.61	19.09.18
38	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	होलंबी	गांव अलीपुर में सीड फार्म से अलीपुर हालबी रोड तक फिरनी रोड के साथ आरसीसी नाली का निर्माण, जिला उत्तर।	204.63	07.07.18
39	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	अलीपुर	अलीपुर गांव में शीला बुआ मंदिर, कॉर्पोरेशन बैंक के पास आंतरिक सड़कों का सुधार और दोनों तरफ आरसीसी नालियों का निर्माण, जिला उत्तर।	258.17	07.09.18
40	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	अलीपुर	जिले के अलीपुर गांव में ओल्ड जीटी करनाल रोड यानी अलीपुर पुलिस स्टेशन से राम सरोवर तालाब तक सड़क का सुधार, जिला उत्तर।	67.36	22.07.2019 & 04.10.2019
41	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	घोगा	अलीपुर ब्लॉक के घोगा गांव में ख. नंबर 252 में सड़क का निर्माण, जिला उत्तर, दिल्ली.	33.27	10.09.2021
42	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	बूढ़पुर	बूढ़पुर गांव में प्रजापति चौपाल का जीर्णोद्धार, जिला उत्तर।	50.6	10.09.2021
43	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	शाहपुरगाहरी	गांव शाहपुरगढ़ी में सड़कों (बाल्मीकि बस्ती) का सुधार, जिला उत्तर, दिल्ली.	26.47	10.09.2021

44	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	खेड़ा कलां	गाव खेड़ा कला में फिरनी रोड (ख.न. 106/28) पर बहमन मोहल्ले से आरसीसी नाली का निर्माण, जिला उत्तर।	56.86	10.09.2021
45	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	लामपुर	लामपुर गाव मे श्मशान घाट का विकास, जिला उत्तर, दिल्ली.	20.98	10.09.2021
46	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	लामपुर	गाव लामपुर में फिरनी रोड का विकास, जिला उत्तर, दिल्ली.	21.02	10.09.2021
47	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	होलंबी	गाव होलबी कला में फिरनी रोड पर होलबी मेन रोड से पोल नंबर 514-18/12/14 तक आरसीसी ड्रेन को ध्वस्त करना और पुनर्निर्माण करना, जिला उत्तर, दिल्ली.	84.56	10.09.2021
48	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	बाकनेर	बाकनेर गाव में 20 सूत्रीय कार्यक्रम कालोनी मे एमपीसीसी के पीछे सड़कों का सुधार और सुदृढ़ीकरण, जिला उत्तर।	93.66	05.10.2021
49	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	होलंबी	होलबी खुर्द गाव मे मान स्कूल से यूइआर-II तक मौजूदा सड़क का जीर्णोद्धार, जिला उत्तर, दिल्ली.	44.8	05.10.2021
50	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	खेड़ाखुर्द	गाव खेड़ा खुर्द मे ख. नबर 791 पक्की सड़क का निर्माण, जिला उत्तर, दिल्ली.	134.41	01.12.2021
51	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	खेड़ा कलां	ग्राम खेड़ा कला मे श्मशान घाट तक पहुच मार्ग का निर्माण, जिला उत्तर।	117.31	01.12.2021
52	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	खेड़ा कलां	गांव खेड़ा कलां में औद्योगिक प्लॉट के सामने फिरनी सड़क की मरम्मत, जिला उत्तर	24.98	30.11.2021
53	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	खेड़ाखुर्द	खेड़ा खुर्द मे हरियाणा नहर की ओर से खेड़ा खुर्द-नया बांस रोड तक बाहरी फिरनी सड़क का सुदृढ़ीकरण, जिला उत्तरी दिल्ली	204.08	29.06.2022
54	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	सनोठ	गाव सनोठ मे फिरनी रोड का निर्माण, जिला उत्तर, दिल्ली.	222.06	18.08.2022
55	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	सिंघोला	गाव सिंघोला मे फिरनी रोड से जीटी करनाल रोड तक सड़क और साइड ड्रेन का निर्माण, जिला उत्तर।	176.88	18.08.2022
56	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	बाकनेर	गांव बांकनेर उत्तर जिले में नरेला-बैंकनेर रोड के रेलवे अंडरपास के पास सड़कों का निर्माण।	116.88	18.08.2022
57	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	बूढ़पुर	गाव बूढ़पुर की फिरनी रोड से ओल्ड जीटी करनाल रोड तक सजरा रोड का निर्माण, जिला उत्तर।	232.06	18.08.2022
58	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	खेड़ा कलां	गाव खेड़ा कला मे रेलवे क्रॉसिंग वाली गली के पास दोनों तरफ आरसीसी नाली और सड़क का निर्माण, जिला उत्तर।	157.51	18.08.2022
59	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	सनोठ	जिले के सनोथ गाव में ख. नबर 237 और 238 (4-17) में एमपीसीसी का नवीनीकरण, जिला उत्तर, दिल्ली.	127.1	18.08.2022
60	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	अलीपुर	अलीपुर गाव मे जीटी करनाल रोड से सीड फार्म तक सड़क और साइड ड्रेन का सुधार, जिला उत्तर।	316.57	21.07.2022
61	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	अलीपुर	अलीपुर गाव मे दुलिया कालोनी में सड़को और किनारे की नालियों का सुधार, जिला उत्तर, दिल्ली.	145.11	21.07.2022
62	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	खेड़ा कलां	जिला उत्तर के खेड़ा कला गाव मे खेड़ा गढ़ी कॉलोनी (रेलवे स्टेशन के पास) में सड़क और साइड नाली का निर्माण।	37.41	21.07.2022
63	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	अलीपुर	अलीपुर गांव में शिव मंदिर के पास ख नंबर 64/26 के भवन में बाहरी सतह पर शेड और बैलेंस बाउंड्री वॉल का निर्माण, जिला उत्तर।	70.32	10.07.2023

सूचि 'ख'

पिछले पांच वर्षों में नरेला विधान सभा में दिल्ली नगर निगम द्वारा डीवीडीबी के पूर्ण कार्य की सूचि

क्र.सं.	एसी/पीसी का नाम	सिविल प्रभाग	कार्य का नाम	गाँव का नाम	कार्यों का विवरण (सड़क, नाली, जलाशय आदि)
1	नरेला	दिल्ली नगर निगम	ग्राम अलीपुर में भूपेन्द्र से दयाचंद के घर तक भगत एचएस, डॉ. अजीत से लक्ष्मी थापा एचएस, सन्नी से राजेश वर्मा एचएस, जय भगवान से रणधीर और धर्मपाल एचएस से अजीत एचएस तक आरएमसी फुटपाथ सड़क का सुधार, वार्ड संख्या 3एन (अलीपुर) में, नरेला जोन।	अलीपुर	सड़क
2	नरेला	दिल्ली नगर निगम	नरेला जोन में वार्ड नंबर 3एन (अलीपुर) में इलाहबाद बैंक से सीड फार्म रोड और उमेश से महाबीर एचएस तक और गांव अलीपुर में साइड लेन आरएमसी फुटपाथ द्वारा सड़क का सुधार	अलीपुर	सड़क
3	नरेला	दिल्ली नगर निगम	नरेला जोन में वार्ड नंबर 3एन (अलीपुर) में ग्राम खेड़ा कलां में श्याम से आशीष एचएस तक आरएमसी फुटपाथ द्वारा सड़क का सुधार।	खेड़ा कलां	सड़क
4	नरेला	दिल्ली नगर निगम	नरेला में वार्ड नंबर 3एन (अलीपुर) में ग्राम खेड़ा कलां में पंडित निरंजन एचएस से हीरालाल एचएस तक आरएमसी फुटपाथ सड़क का सुधार।	खेड़ा कलां	सड़क
5	नरेला	दिल्ली नगर निगम	हर्ष मेडिकोज से सामुदायिक भवन तक आरएमसी फुटपाथ, वार्ड संख्या में राजेश एचएस से रतन सिंह एचएस ग्राम भोरगढ़ तक सड़क का सुधार, नरेला जोन में 3एन (अलीपुर)।	भोरगढ़	सड़क
6	नरेला	दिल्ली नगर निगम	गांव खेड़ा कलां में नरेला जोन में 3एन (अलीपुर) में मास्टर वीर सिंह से साहब सिंह तक आरएमसी फुटपाथ, पं. शिवजी से पंडित चौपाल, नरेंद्र राणा से राम किशन, जिया करण से अमर सिंह, राज कुमार से राजेंद्र राणा और मुकेश से नरेश का घर सड़क का सुधार।।	खेड़ा कलां	सड़क
7	नरेला	दिल्ली नगर निगम	गांव खेड़ा कलां में नरेंद्र से हरद्वारी हाउस और विनोद वाली गली, सूरजभान से दीपल जैन हाउस तक चौपाल, मोहन से शंकर हाउस, मनोज से चंदेरा चौक, सूरजभान से राजेंद्र हाउस और राम किशन से रणबीर हाउस तक आरएमसी फुटपाथसड़क का सुधार, वार्ड संख्या 3एन (अलीपुर), नरेला जोन।	खेड़ा कलां	सड़क
8	नरेला	दिल्ली नगर निगम	गांव अलीपुर में साइड लेन बलबीर से मेहर सिंह एचएस, प्रकाश से छत्तर एचएस, रनिया से बलराज एचएस, अमन सिंह से सुमित एचएस, सामुदायिक केंद्र से अजय एचएस, समेंदर से शीला मंदिर, डॉ. बंगाली से सत्या एचएस, ओम प्रकाश से राजबीर फौजी सड़क का सुधार, नरेला जोन, वार्ड नंबर 3एन (अलीपुर)	अलीपुर	सड़क
9	नरेला	दिल्ली नगर निगम	ग्राम अलीपुर में संजय वीणा से भीम सिंह हाउस तक, बब्लू से रणपाल हाउस तक जीत राय से चंद सिंह मान हाउस तक आरएमसी फुटपाथ, सड़क का सुधार, नरेला जोन, वार्ड संख्या 3एन (अलीपुर)।	अलीपुर	सड़क

सूची "ग"

क्र.सं.	सिविल प्रभाग	एसी का नाम व संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	ए/ए एवं ई/एस राशि (लाख रूपये में)	ए/ए एवं ई/एस तारीख
1	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	टिकरीखुर्द	टिकरी खुर्द गांव की फिरनी रोड से जीटी करनाल रोड (टिकरी खुर्द ड्रेन) तक आरसीसी ट्रफ सेक्शन ड्रेन का निर्माण, जिला उत्तर।	207.01	17.08.17
2	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	कुरेनी	कुरेनी गांव में कब्रिस्तान का विकास, जिला उत्तरी दिल्ली.	155.72	23.08.17
3	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	अलीपुर	गांव अलीपुर में पुरानी जीटी करनाल रोड से अलीपुर नरेला रोड तक फिरनी रोड का सुधार, जिला उत्तर।	275.63	07.09.18
4	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	अलीपुर	अलीपुर गांव में फिरनी रोड से हिंदुस्तान लीवर कंपनी तक पाइप लाइन सड़क की मरम्मत और आरसीसी नाली का निर्माण, जिला उत्तर।	277.53	19.09.18
5	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	लामपुर	उत्तरी दिल्ली के जिला लामपुर गांव में खसरा नंबर 41/1, 41/2, 41/3 और 41/4 वाली सजरा सड़क का निर्माण	89	09.10.18
6	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	मामूरपुर	ख नंबर 457 और 490 रविदास नगर में मौजूदा क़ब्रिस्तान का विकास। , मामूरपुर नरेला, दिल्ली।	205.1	16.11.18
7	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	सनोथ	अलीपुर ब्लॉक के ग्राम सनोठ में सनोठ लिंक ड्रेन के साथ श्री श्याम जी मंदिर रोड तक सुरक्षा दीवार का निर्माण	65.9	13.12.2018
8	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	टिकरीखुर्द	ग्राम टिकरी खुर्द से सिंघोला तक सजरा सड़क का जीर्णोद्धार एवं आरसीसी नाली का निर्माण, जिला उत्तर	157.6	13.12.2018
9	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	टिकरीखुर्द	टिकरी खुर्द गांव में एमपीसीसी भवन का नवीनीकरण, जिला उत्तर।	99.31	01.07.2019
10	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	बांकनेर	बांकनेर गांव में प्रजापति चौपाल का विध्वंस और पुनर्निर्माण, जिला उत्तर, दिल्ली.	224.06	22.07.2019 & 04.10.2019
11	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	खेड़ाखुर्द	अलीपुर ब्लॉक के ग्राम खेड़ा खुर्द में डबल मंजिला हरिजन चौपाल (अंबेडकर कॉलोनी) को ध्वस्त करना और पुनर्निर्माण करना।	236.04	22.07.2019 & 19.09.2019
12	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	खेड़ा कलां	खेड़ा कलां में रेलवे क्रॉसिंग से गांव खेड़ा कलां में डीटीडी नहर तक सड़क का जीर्णोद्धार, जिला उत्तर।	50.02	22.07.2019 & 04.10.2019
13	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	खेड़ा कलां	खेड़ा कलां गांव में बाल्मीकि चौपाल की दो मंजिला इमारत का विध्वंस और पुनर्निर्माण, जिला उत्तर।	100.21	22.07.2019 & 19.09.2019
14	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	अलीपुर	ग्राम अलीपुर में जाटव बस्ती चौपाल की दो मंजिला इमारत का निर्माण, जिला उत्तर।	25.82	22.07.2019 & 19.09.2019
15	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	नरेला	नरेला गांव में पन्ना पपोसियन में हरिजन चौपाल का विध्वंस और पुनर्निर्माण, जिला उत्तर।	211.11	07.10.2019
16	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	खेड़ा कलां	गांव खेड़ा कलां में ख नंबर 5/21, 5/22 और 9/1 में तालाब का सुधार, जिला उत्तर, दिल्ली.	145.97	07.10.2019
17	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	नरेला	नरेला गांव में ख. नंबर 38/21/1 (2-0) में बहुउद्देशीय सामुदायिक केन्द्र का निर्माण, जिला उत्तर, दिल्ली.	217.32	18.08.2022
18	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	नरेला	नरेला में पन्ना पापोसियन श्मशान घाट का सुधार, जिला उत्तर, दिल्ली.	122.34	18.08.2022
19	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	बांकनेर	बांकनेर गांव में बाल्मीकि बस्ती श्मशान घाट का विकास, जिला उत्तर, दिल्ली.	226.04	18.08.2022
20	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	खेड़ा खुर्द	ग्राम खेड़ा खुर्द में ईसाई श्मशान घाट की मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण।	170.86	18.08.2022
21	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	बूढ़पुर	बुधपुर गांव में श्मशान घाट की आरसीसी फ्रेम संरचना को ध्वस्त करना और पुनर्निर्माण करना, जिला उत्तर।	130.31	18.08.2022
22	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	बांकनेर	अलीपुर ब्लॉक के बांकनेर गांव में होली मोहल्ले में प्रजापति चौपाल को ध्वस्त कर पुनर्निर्माण कराया गया।	302.64	15.06.2023

23	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	होलंबी	गांव होलंबी खुर्द में हरिजन बस्ती में साइड नाली और सड़कों का सुधार, जिला उत्तर, दिल्ली.	85.7	15.06.2023
24	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	होलंबी	गांव होलंबी खुर्द में वेस्ट साइड फिरनी रोड का निर्माण।	288.76	15.06.2023
25	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	होलंबी	गांव होलंबी खुर्द में फिरनी रोड का निर्माण।	232.57	15.06.2023
26	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	खेड़ा कलां	खेड़ा कलां गांव में इसरान भूरान चौपाल की डबल मंजिला इमारत का विध्वंस और पुनर्निर्माण, जिला उत्तर।	167.82	10.07.2023
27	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	खेड़ा कलां	ग्राम खेड़ा कलां में बाल्मीकि चौपाल से खेड़ा कलां रेलवे क्रॉसिंग तक आरसीसी नाली का निर्माण, जिला उत्तर।	154.62	10.07.2023
28	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	बांकनेर	बांकनेर उत्तरी जिले के गांव की फिरनी सड़क से जुड़ी सड़कों का निर्माण।	184.66	10.07.2023
29	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	नया बांस	गांव नया बांस में फिरनी सड़क का निर्माण, जिला उत्तर, दिल्ली.	497.91	12.12.2023
30	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	नया बांस	नया बांस गांव में श्मशान भूमि का नवीनीकरण, जिला उत्तर, दिल्ली.	238.48	12.12.2023
31	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	बांकनेर	अलीपुर ब्लॉक के बांकनेर गांव में बाल्मीकि चौपाल का विध्वंस एवं पुनर्निर्माण।	265.1	12.12.23
32	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	अलीपुर	गांव अलीपुर में पुराने जीटी करनाल रोड से अलीपुर नरेला रोड तक आरसीसी नाली और सीमा दीवार का निर्माण।	382.96	07.08.2024
33	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	मामूरपुर	गांव मामूरपुर खसरा नंबर 4/18,12/19,13/8 एवं 14/13 सजरा रोड का निर्माण, जिला उत्तरी दिल्ली ।	164.95	07.08.2024
34	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	लामपुर	लामपुर गांव में भिखारी के घर से लामपुर मुख्य सड़क तक नाली और सड़क का निर्माण।	85.39	27.08.2024
35	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	नरेला	नरेला फिरनी सड़क का निर्माण, नरेला।	203.66	07.08.2024
36	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	भोरगढ़	गांव राजापुर कलां भोरगढ़ में 20 प्वाइंट प्रोग्राम कॉलोनी में विकास कार्य, जिला उत्तरी दिल्ली।	97.88	17.09.2024
37	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	अलीपुर	नरेला के गांव मामूरपुर में खसरा नंबर 37/25,36/21,29/25 सजरा रोड का निर्माण, जिला उत्तरी ।	447.79	27.08.2024
38	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	अलीपुर	गांव अलीपुर में खसरा नंबर 389,369,349,338,321,306,110,426,61,711 वाले विस्तारित लाल डोरा में सड़क किनारे नालियों का निर्माण, जिला उत्तर।	953.62	27.08.2024
39	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	सिंघोला	गांव सिंघोला में फिरनी रोड से नशा मुक्ति केंद्र तक सड़क और आरसीसी नाली का निर्माण, जिला उत्तर।	106.04	17.09.2024
40	सीडी-VII	नरेला, एसी-01	सिंघोला	गांव सिंघोला में फिरनी रोड से मनसा माता मंदिर के पास तक सड़क और आरसीसी नाली का निर्माण, जिला उत्तर, दिल्ली	118.7	17.09.2024

47. श्री कुलवंत राणा: क्या माननीय **लोक निर्माण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि रिठाला विधानसभा क्षेत्र के लोक निर्माण विभाग की सड़कों के सभी डिवाइडर टूटे हुये हैं तथा सभी सड़कें जर्जर स्थिति में हैं;

(ख) पिछले 10 वर्षों से उन सड़कों की बदहाली के लिये कौन अधिकारी जिम्मेदार हैं;

(ग) क्या यह सत्य है कि लोक निर्माण विभाग की सड़कों के दोनों और नाला नहीं है व जहां पर नाला है वहां पर कनैक्टिविटी ठीक नहीं है;

(घ) क्या विभाग द्वारा इन दोषों को दूर करने के लिये कोई योजना बनाई जा रही है;

(ङ) यदि हां, तो विस्तृत जानकारी दी जाये, और

(च) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

लोक निर्माण विभाग: (क) जी हाँ। लोक निर्माण विभाग के संज्ञान में है कि रिठाला विधानसभा क्षेत्र की कुछ सड़के अच्छी दशा में नहीं है।

(ख) कुछ सड़कों पर समय-समय पर सर्विस लाईनों का काम विभिन्न सर्विस प्रदाता एजेन्सियों द्वारा किया जाता है जो कि एक लगातार प्रक्रिया है। अत: इसके लिए कोई भी अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार नही है।

(ग) जी हाँ लोक निर्माण विभाग की कुछ सड़कों के दोनों ओर नाला नहीं है व जहां पर नाला है वहां पर कुछ नालों की कनेक्टिविटी ठीक नहीं है।

(घ) जी हाँ।

(ङ) इन दोषों के सुधार के लिए रिठाला मेट्रो स्टेशन के पीछे सर्विस रोड जो कि TPDDL के Boundary wall को लगती है। वहां पर PWD का

बरसाती नाला निष्क्रिय है एवं इस कार्य का रूपये 6,11,02,200/- का अनुमाान सक्षम अधिकारी को स्वीकृति हेतु दिनांक 21.03.2025 को भेज दिया गया है। (Development of Bhagwan Mahavir Marg (Road No. 41-A) from Rithala Metro Station to NG drain i/c horticulture & electrical works. Vide letter no. 23(316)/PWD/NW C/840 dt. 21.03.2025).

इनका स्थायी समाधान करने हेतु लोक निर्माण विभाग कम्प्रेहेन्सिव मेन्टीनेन्स के टेन्डर के प्रक्रिया को अपनाने जा रहा है। जिसके अंतर्गत सड़कों को 2 वर्ष के लिए विस्कृत रखरखाव हेतु निविदा आमन्त्रित की जा रही है।

(च) लागू नहीं है।

48. श्री अशोक गोयल: क्या माननीय **विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मॉडल टाउन विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण विकास बोर्ड द्वारा पिछले 5 सालों में कितने कार्य आवंटित हुए;

(ख) उनमें से कितने कार्य पूरे कर लिए गए और कौन-कौन से कार्य अभी तक लंबित है; और

(ग) ये लंबित कार्य कब तक पूरे किए जाएंगे?

विकास मंत्री: (क) पिछले 59 वर्षों में मॉडली टाउन विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 3 गांवों में 40 विकास परियोजनाएं, जो कि मुख्यत: रोड़, गलियां, नालियां, पार्क, सामुदायिक भवन, आदि से संबंधित थी। उनमें वर्षवार प्रशासनिक एवं व्यय स्वीकृति तथा बजट की सूचना निम्न है।

1. वर्ष 2020-21 में कोविड महामारी के कारण कोई प्रशासनिक एवं व्यय स्वीकृति मॉडल टाउन विधानसभा के लिए जारी नहीं की गई थी।

2. वर्ष 2021-22 में किसी परियोजना की स्वीकृति प्रदान नहीं की गई।
3. वर्ष 2022-23 में 02 गांव में 3 विकास परियोजनाओं में 80.10 लाख रूपये की प्रशासनिक एवं व्यय स्वीकृति तथा 20.03 लाख रूपये का बजट जारी किया गया।
4. वर्ष 2023-24 में 03 गांव में 28 विकास परियोजनाओं में 9.31 करोड़ रूपये की प्रशासनिक एवं व्यय स्वीकृति तथा 2.32 करोड़ रूपये का बजट जारी किया गया।
5. वर्ष 2024-25 में 03 गांव में 9 विकास परियोजनाओं में 3.29 करोड़ रूपये की प्रशासनिक एवं व्यय स्वीकृति तथा 82.30 लाख रूपये का बजट जारी किया गया।

दिल्ली ग्रामीण विकास विभाग द्वारा पिछले पांच वर्षों में मॉडल टाउन विधानसभा में आने वाली गांवों में स्वीकृत विकास परियोजनाओं की सूची 'क' संलग्न है।

(ख) पिछले पांच वर्षों में दिल्ली ग्रामीण विकास विभाग द्वारा सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग को 7 परियोजनाएं आवंटित की गई थी। उक्त विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार इनमें से 6 कार्य पूर्ण हो चुके हैं और एक कार्य प्रगति पर है।

दिल्ली नगर निगम विभाग को इस अवधि के दौरान 33 परियोजनाएं स्वीकृत की गई थी तथा उक्त विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार इनमें से 23 कार्य पूर्ण हो चुके हैं और 10 कार्य प्रगति पर हैं। लंबित कार्यों की सूची 'ख' संलग्न है।

(ग) ये लंबित कार्य दिसंबर 2025 तक पूर्ण कर लिए जायेंगे।

सूची 'क'

वर्ष 2022-23 के लिए मॉडल टाउन विधान सभा को स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्र.सं.	गांवों का नाम	कार्य का नाम	कार्य का विवरण	ए/ए एवं ई/एस (लाख रुपये में)	जारी की गई निधि (लाख रुपये में)	मंजूरी की तारीख
1	सिंधोरा कलां	मॉडल टाउन विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सिंधोरा कलां में बारात घर की मरम्मत/नवीनीकरण	बारात घर	32.27	8.07	28.03.23
		कुल		**32.27**	**8.07**	
2	राजपुरा गुड़मंडी	मॉडल टाउन विधानसभा क्षेत्र के ग्राम राजपुरा, चंद्रावल और सिंधोरा कलां में विभिन्न पार्कों में आरसीसी बेंचों की आपूर्ति।	पार्क	8.06	2.02	28.03.23
		मॉडल टाउन विधानसभा क्षेत्र के गांव राजपुरा, चंद्रावल और सिंधोरा कलां में विभिन्न स्थानों पर स्टेनलेस स्टील इंडिकेटर साइन बोर्ड उपलब्ध कराना और ठीक करना	साइन बोर्ड	39.77	9.94	28.03.23
		कुल		**47.83**	**11.96**	
		कुल योग		**80.1**	**20.03**	

वर्ष 2023-24 के लिए मॉडल टाउन विधान सभा को स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्र.सं.	गांवों का नाम	कार्य का नाम	कार्य का विवरण	ए/ए एवं ई/एस (लाख रुपये में)	जारी की गई निधि (लाख रुपये में)	मंजूरी की तारीख
1	नया चंद्रावल	वार्ड नंबर 78एन/केपीजेड कमला नगर में न्यू चंद्रावल गांव में मकान नंबर 5796/7 से 5779/7 तक पीडीजी आरएमसी की लेन और गली नंबर-7 में आसपास की गलियों का सुधार / विकास	लेन	31.44	7.86	19.05.23
		वार्ड क्रमांक 78एन/केपीजेड कमला नगर में मकान नंबर 5400/7 न्यू चंद्रावल के सामने पार्क से मकान नंबर 5820, मकान नंबर 5820 से मकान नंबर 5388-89 और मकान नंबर 5820 से मकान नंबर 5797/7 न्यू चंद्रावल गांव तक आरएमसी द्वारा लेन का सुधार / विकास	लेन	28.97	7.24	19.05.23
		आरएमसी द्वारा गलियों का सुधार / विकास मकान संख्या 5330 से 5335 जवाहर नगर तक ,सामुदायिक केंद्र चंद्रावल गांव के पीछे की ओर चंद्रावल और आसपास की गली वार्ड संख्या 78एन/केपीजेड कमला नगर में	लेन	19.45	4.86	19.05.23
		लेन/सड़क का आरएमसी द्वारा वार्ड क्रमांक-78एन/केपीजेड में मकान नंबर 37यूबी जवाहर नगर से माता मंदिर चंद्रावल गांव तक सुधार / विकास ।	सड़क	21.87	5.47	05.01.24
		मकान नंबर 5595 से 5613 गली नंबर-0 और मकान नंबर 5620 से 5584 गली नंबर-1 और मकान नंबर 5674 गली नंबर 2 से मकान नंबर 5865 गली नंबर 4 तक आरएमसी, वार्ड नंबर-78एन/केपीजेड में इंडियन गैस न्यू चंद्रावल गांव से जुड़ने के साथ लेन/सड़क का सुधार / विकास।	सड़क	20.15	5.04	05.01.24

अधम

		आरएमसी द्वारा लेन/सड़क का मकान नंबर 5344 से 5512 तक गली नंबर - 5 न्यू चंद्रावल गांव वार्ड नंबर - 78 एन / केपीजेड में सुधार / विकास।	सड़क	20.25	5.06	05.01.24
		मॉडल टाउन विधानसभा क्षेत्र-18 के ग्राम चंद्रावल में माइल्ड स्टील गेट उपलब्ध कराना एवं लगाना	स्टील गेट्स	13.57	3.39	05.01.24
		कुल		**155.7**	**38.93**	
2	राजपुरा गुड़मंडी	मॉडल टाउन विधानसभा क्षेत्र-18 के गांव गुड़मंडी में माइल्ड स्टील गेट उपलब्ध कराना एवं लगाना	स्टील गेट्स	13.57	3.39	05.01.24
		कुल		**13.57**	**3.39**	
3	नया चंद्रावल	गलियों/सड़कों का सुधार / विकास आरएमसी द्वारा अंबेडकर भवन से पाल चौपाल तक और अंबेडकर भवन से जाटव बस्ती तक (आस-पास की गलियों के साथ) वार्ड संख्या-78एन/केपीजेड में नया चंद्रावल गांव।	सड़क	12.2	3.05	01.03.24
		आरएमसी द्वारा गलियों/सड़कों का सुधार / विकास वार्ड नंबर-78एन/केपीजेड में क्यूमिनिटी सेंटर से एचएन 5330, गली नंबर-2, 3 और 4 न्यू चंद्रावल गांव तक ।	सड़क	28.43	7.11	01.03.24
		सुधार / विकास वार्ड नंबर 69/केपीजेड कमला नगर में आरएमसी प्रदान करके एच नंबर के-10 से गली नंबर 7 न्यू चंद्रावल गांव तक सड़क और जल निकासी व्यवस्था	सड़क, नाली	41.21	10.3	15.03.24
		वार्ड 69/केपीजेड कमला नगर में न्यू चंद्रावल गांव में सामुदायिक केंद्र का सुधार/विकास	सड़क	9.98	2.5	15.03.24
		सुधार / विकास वार्ड नंबर 69/केपीजेड कमला नगर में आरएमसी प्रदान करके न्यू चंद्रावल गांव में 10एफ से एमसी प्राइमरी स्कूल (बचुमल) तक आंतरिक सड़कों और जल निकासी प्रणाली का निर्माण	सड़क	44.35	11.09	15.03.24
		सुधार / विकास वार्ड संख्या 69/केपीजेड कमला नगर में आरएमसी प्रदान करके वाल्मिकी बस्ती न्यू चंद्रावल गांव की आंतरिक सड़कों और जल निकासी व्यवस्था का	सड़क, नाली	29.6	7.4	15.03.24

		कुल		**165.77**	**41.45**	
4	राजपुरा गुड़मंडी	मॉडल टाउन विधानसभा क्षेत्र-18 के गांव राजपुरा में माइल्ड स्टील गेट उपलब्ध कराना एवं लगाना	स्टील गेट्स	13.57	3.39	05.01.24
		कुल		**13.57**	**3.39**	
5	राजपुरा गुड़मंडी	वार्ड नंबर 77एन/केपीजेड, मॉडल टाउन में राजपुरा गुड़मंडी में मकान नंबर 74 के आसपास की गलियों और मकान नंबर 63 डुप्लेक्स फ्लैटों के आसपास की गलियों/लेन आरएमसी के सुधार / विकास	लेन	55.45	13.86	19.05.23
		आरएमसी द्वारा गलियों का सुधार / विकास वार्ड नंबर 77एन/केपीजेड मॉडल टाउन में राजपुरा गुड़मंडी में साईं वाटिका के आसपास की गलियों में मकान नंबर ए-1, ए-79 के आसपास की गलियों में	लेन	44.24	11.06	19.05.23
		आरएमसी द्वारा गलियों का सुधार / विकास वार्क 77एन/केपीजेड मॉडल टाउन में राजपुरा गुड़मंडी में मकान नंबर टी-147, टी-158 की आसपास की गलियों में आरएमसी, टी-55 की निकटवर्ती गलियों में	लेन	36.08	9.02	19.05.23
		आरएमसी द्वारा गलियों का सुधार / विकास मॉडल टाउन में वार्ड नंबर - 77/केपीजेड में राजपुरा गुड़मंडी में एचएन टी-101 से एचएन-190, एचएन-89 से 94, एचएन-51बी से एचएन-52 और एचएन-टी-1/256ए के आसपास की लेन में ।	लेन	32.75	8.19	05.01.24
		सुधार / विकास आरएमसी द्वारा मकान नंबर-252 से मकान नंबर-142 की निकटवर्ती गलियों में , मकान नंबर-103 की निकटवर्ती गली, अंकारा हेयर सैलून और मकान नंबर-243 की निकटवर्ती लेन, और वार्ड नंबर-77/केपीजेड मॉडल टाउन में राजपुरा गुड़मंडी की निकटवर्ती गलियों में ।	लेन	16.25	4.06	05.01.24
		सुधार / विकास एम.सी. से सटे पार्क का प्राइ. स्कूल वार्ड नंबर 77/केपीजेड, मॉडल टाउन में राजपुरा गुड़मंडी में ।	पार्क	7.27	1.82	05.01.24

		सुधार / विकास पीडीजी द्वारा सड़क और जल निकासी व्यवस्था की। मकान नंबर 83 से मकान नंबर 95 तक आरएमसी, मकान नंबर 184 के निकटवर्ती लेन, पीडब्ल्यूडी रोड से मकान नंबर 188 तक की लेन, मकान नंबर-1 के पास चौक और वार्ड 77/केपीजेड, मॉडल टाउन में मकान नंबर 5 राजपुरा गुड़मंडी के निकटवर्ती लेन।	सड़क, नाली	21.51	5.38	08.02.24
		कुल		**213.55**	**53.39**	
6	सिंधोरा कलां	वार्ड संख्या 78एन/केपीजेड कमला नगर में सिंधोरा कलां गांव में मकान संख्या 44 से मकान संख्या 14, मकान संख्या 76 से मकान संख्या 62, मकान संख्या 14 से मकान संख्या 30, मकान संख्या 7 से मकान संख्या 42 और मकान संख्या 55 से मकान नंबर 58 तक लेन का सुधार / विकास	लेन	20.96	5.24	19.05.23
		वार्ड नंबर 78एन/केपीजेड कमला नगर में सिंधोरा कलां गांव में सरदार त्रिलोचन सिंह पार्क के सुधार / विकास	पार्क	17.57	4.39	19.05.23
		वार्ड संख्या 78एन/केपीजेड कमला नगर में सिंधोरा कलां गांव में सरदार त्रिलोचन सिंह पार्क के सामने और उससे सटे लेन, फुटपाथ और ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण/विकास	गलियाँ, फुटपाथ और जल निकासी	24.49	6.12	19.05.23
		आरएमसी द्वारा गलियों का सुधार / विकास एमसी प्राइ.स्कूल से मकान नंबर 59 से 61और मकान नंबर 62 से 63 धर्मशाला, वार्ड नंबर 78एन/केपीजेड कमला नगर में सिंधोरा कलां गांव में	लेन	21.69	5.42	19.05.23

		आरएमसी द्वारा गलियों का सुधार / विकास मकान नंबर 18 से 51, मकान नंबर 35 से 38, मकान नंबर 31 से 34, एच तक मकान नंबर 28 से 30, मकान नंबर 23 से 27 और मकान नंबर 20 से 21। वार्ड 78एन/केपीजेड कमला नगर में सिंधोरा कलां गांव में	लेन	38.72	9.68	19.05.23
		ग्राम सिंधोरा कलां, मॉडल टाउन, एसी-18 में एसपीएस सामुदायिक भवन का निर्माण	सामुदायिक भवन	246	61.5	01.06.23
		कुल		**369.43**	**92.36**	
		कुल योग		**931.59**	**232.91**	

वर्ष 2024-25 के लिए मॉडल टाउन विधान सभा को को स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्र.सं.	गांवों का नाम	कार्य का नाम	कार्य का विवरण	ए/ए एवं ई/एस (लाख रुपये में)	जारी की गई निधि (लाख रुपये में)	मंजूरी की तारीख
1	नया चंद्रावल	सुधार / विकास वार्ड क्रमांक 69/केपीजेड कमला नगर में मकान क्रमांक 10जी से 14जी न्यू चंद्रावल गांव तक सड़क और जल निकासी व्यवस्था	सड़क/नाली	31.1	7.78	03.09.24
		सुधार / विकास वार्ड संख्या 69/केपीजेड कमला नगर में इंडियन गैस एजेंसी से बिड़ला स्कूल, चंद्रावल तक सड़क और जल निकासी व्यवस्था।	सड़क/नाली	66.2	16.55	13.12.24
		सुधार / विकास के पार्क का मकान क्रमांक 54 यूए जवाहर नगर चंद्रावल गांव में वार्ड क्रमांक. 69/केपीजेड में	पार्क	27.67	6.91	13.12.24
		कुल		**124.97**	**31.24**	
2	राजपुरा गुड़मंडी	सुधार / विकास वार्ड संख्या 68/केपीजेड मॉडल टाउन में ए-70-71 (चाचा पार्क) गुड़मंडी डुप्लेक्स फ्लैट के सामने एमपीएल पार्क का। ।	पार्क	18.7	4.68	29.11.24
		कुल		**18.7**	**4.68**	
3	नया चंद्रावल	सुधार / विकास वार्ड संख्या 69/केपीजेड कमला नगर में न्यू चंद्रावल गांव में मकान क्रमांक 16यूबी से 97यूबी तक बिटुमिनस कंक्रीट प्रदान करके सड़क का निर्माण	सड़क	15.08	3.77	11.07.24
		सुधार / विकास वार्ड संख्या 69/केपीजेड कमला नगर में आरएमसी प्रदान करके न्यू चंद्रावल गांव में मकान क्रमांक 11एफ से 18एफ एच भीमसेन मार्ग कमला नगर तक सड़क और जल निकासी प्रणाली का निर्माण	सड़क	48.72	12.18	11.07.24
		वार्ड नंबर - 78 एन, एम-1/केपीजेड में मलका गंज चौक से गली नंबर 7 नए चंद्रावल गांव तक सड़क/लेन, साइड बर्म, जल निकासी और फुटपाथ का निर्माण/विकास।	सड़क	51.93	12.98	11.07.24
		कुल		**115.73**	**28.93**	
4	राजपुरा गुड़मंडी	सुधार / विकास वार्ड नंबर 68/केपीजेड मॉडल टाउन एसी में राजपुरा गुड़मंडी में मकान नंबर 1 से 6, मकान नंबर 6 से ए-23, मकान नंबर ए-25 से ए-31ए और ए-17 तक सड़क और जल निकासी व्यवस्था	सड़क/नाली	35	8.75	29.11.24
		कुल		**35**	**8.75**	
5	सिंधोरा कलां	सुधार / विकास वार्ड नंबर 69/केपीजेड कमला नगर में मकान क्रमांक एसके-51 से एसके-18 सिंधोरा कलां गांव तक सड़क और जल निकासी व्यवस्था	सड़क/नाली	34.78	8.7	03.09.24
		कुल		**34.78**	**8.7**	
		कुल योग		**329.18**	**82.3**	

सूची 'ख'

मॉडल टाउन विधान सभा की लंबित परियोजनाओं की सूची

क्र.सं.	गांवों का नाम	कार्य का नाम	कार्य का विवरण	ए/ए एवं ई/एस (लाख रुपये में)	जारी की गई निधि (लाख रुपये में)	मंजूरी की तारीख
1	नया चंद्रावल	सुधार / विकास वार्ड क्रमांक 69/केपीजेड कमला नगर में मकान क्रमांक 10जी से 14जी न्यू चंद्रावल गांव तक सड़क और जल निकासी व्यवस्था	सड़क/नाली	31.1	7.78	03.09.24
		सुधार / विकास वार्ड संख्या 69/केपीजेड कमला नगर में आरएमसी प्रदान करके न्यू चंद्रावल गांव में मकान क्रमांक 11एफ से 18एफ एच भीमसेन मार्ग कमला नगर तक सड़क और जल निकासी प्रणाली का निर्माण	सड़क	15.08	3.77	11.07.24
		सुधार / विकास वार्ड संख्या 69/केपीजेड कमला नगर में न्यू चंद्रावल गांव में मकान क्रमांक 16यूबी से 97यूबी तक बिटुमिनस कंक्रीट प्रदान करके सड़क का निर्माण	सड़क	48.72	12.18	11.07.24
		वार्ड नंबर - 78 एन, एम-1/केपीजेड में मलका गंज चौक से गली नंबर 7 नए चंद्रावल गांव तक सड़क/लेन, साइड बर्म, जल निकासी और फुटपाथ का निर्माण/विकास।	सड़क	51.93	12.98	11.07.24
		आरएमसी द्वारा गलियों/सड़कों का सुधार / विकास वार्ड नंबर-78एन/केपीजेड में क्यूमिनिटी सेंटर से एचएन 5330, गली नंबर-2, 3 और 4 न्यू चंद्रावल गांव तक ।	सड़क	28.43	7.11	01.03.24
		सुधार / विकास वार्ड नंबर 69/केपीजेड कमला नगर में आरएमसी प्रदान करके एच नंबर के-10 से गली नंबर 7 न्यू चंद्रावल गांव तक सड़क और जल निकासी व्यवस्था	सड़क, नाली	41.21	10.3	15.03.24
		वार्ड 69/केपीजेड कमला नगर में न्यू चंद्रावल गांव में सामुदायिक केंद्र का सुधार/विकास	सड़क	9.98	2.5	15.03.24
		सुधार / विकास वार्ड नंबर 69/केपीजेड कमला नगर में आरएमसी प्रदान करके न्यू चंद्रावल गांव में 10एफ से एमसी प्राइमरी स्कूल (बचुमल) तक आंतरिक सड़कों और जल निकासी प्रणाली का निर्माण	सड़क	44.35	11.09	15.03.24
		सुधार / विकास वार्ड संख्या 69/केपीजेड कमला नगर में आरएमसी प्रदान करके वाल्मिकी बस्ती न्यू चंद्रावल गांव की आंतरिक सड़कों और जल निकासी व्यवस्था का	सड़क, नाली	29.6	7.4	15.03.24
		कुल		300.4	75.11	
2	सिंघोरा कलां	सुधार / विकास वार्ड नंबर 69/केपीजेड कमला नगर में मकान क्रमांक एसके-51 से एसके-18 सिंघोरा कलां गांव तक सड़क और जल निकासी व्यवस्था	सड़क/नाली	34.78	8.7	03.09.24
		ग्राम सिंधोरा कलां, मॉडल टाउन, एसी-18 में एसपीएस सामुदायिक भवन का निर्माण	सामुदायिक भवन	246	61.5	01.06.23
		कुल		280.78	70.2	
		कुल योग		581.18	145.31	

49. श्री वीर सिंह धिंगानः क्या माननीय **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि दिल्ली में बढ़ती नशाखोरी के खिलाफ दिल्ली पुलिस को शिकायतें मिलती रहती हैं;

(ख) यदि हां, तो अवैध नशे के कारोबार की कितनी औसतन मासिक शिकायतें मिलती हैं;

(ग) क्या यह भी सत्य है कि ये शिकायतें दिल्ली की पुनर्वास कालोनियों व झुग्गी झोपड़ीवासियों से कुछ ज्यादा मिलती हैं;

(घ) यदि हां, तो सरकार ने 20 फरवरी, 2025 के बाद दिल्ली में बढ़ती नशाखोरी व अवैध नशे के कारोबार को रोकने की कोई योजना बनाई है; और

(ङ) यदि हां, तो नशामुक्त दिल्ली बनाने के लिये क्या क्या योजना बनाई है, विस्तृत जानकारी प्रदान करें?

गृह मंत्रीः (क) से (ङ) यह विषय सरकार के अध्यानार्थ है और इस विषय पर उचित उत्तर उपलब्ध करा दिया जाएगा।

50. श्री इमरान हुसैनः क्या माननीय **गृह मंत्री** बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 2024-2025 में एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत कुल कितने मामले दर्ज़ किए गए;

(ख) इन मामलों में कितनी गिरफ्तारियाँ की गई;

(ग) इस अवधि के दौरा कितनी मात्रा में 'ड्रग्स' ज़ब्त की गई, प्रत्येक प्रकार की ड्रग के नाम के साथ जब्त की गई मात्रा का संपूर्ण विवरण दें;

(घ) एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत पुलिस द्वारा चार्जशीट दाखिल करने में औसतन कितना समय लगता है; और

(ङ) ड्रग संबंधी मामलों में वर्ष 2024-2025 में दोषसिद्धि दर कितने प्रतिशत थी?

गृह मंत्री: (क) से (ङ) यह विषय सरकार के अध्यानार्थ है और इस विषय पर उचित उत्तर उपलब्ध करा दिया जाएगा।

51. चौधरी जुबैर अहमद: क्या माननीय **मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगी कि :

(क) मुख्यमंत्री दफ्तर में कुल कितने कर्मचारी कार्यरत है;

(ख) कितने कर्मचारी स्थायी नियुक्ति, कितने अस्थायी नियुक्ति और कितने कर्मचारी अनुबंध पर हैं; और

(ग) मुख्यमंत्री दफ्तर में कार्यरत सभी कर्मचारियों की उनके नाम और पद सहित जानकारी उपलब्ध करायें?

मुख्यमंत्री: (क) से (ग) सूची संलग्न है।

संयुक्त सचिव का कार्यालय,
सामान्य प्रशासन विभाग, द्वितीय तल,
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

तारांकित प्रश्न सं. 51 दिनांक 27.03.2025 की पूरक सामग्री–

वर्तमान में मुख्यमंत्री कार्यालय में कर्मचारियों के स्वीकृत पदों की संख्या 22 है। दिनांक 17.03.2025 तक मुख्यमंत्री कार्यालय में कार्यरत 30 कर्मचारियों कीं सूची संलग्न है। यदि आवश्कयता हो तो कार्यात्मक आवश्यकताओं (Functional Requirement) के अनुसार कर्मचारियों को (Diverted Capacity) पर Attach और Relieve किया जाता है।

प्रदीप तायल
26.3.25

S.No.	NAME OF OFFICER/OFFICIALS	DESIGNATION
1	Sh. Jagdish Sharma	DS
2	Sh. Manoj Jain	OSD to CM
3	Sh. Sasi A.E.	PS(English)
4	Sh Govind Ballabh	PS(English)
5	Ms. Anita Maithani	PS(English)
6	Sh. Ravinder Singh Rawat	ASO
7	Sh. Yogender Singh	ASO
8	Sh. Yogesh Khurana	ASO
9	Sh. Brijesh Pandey	ASO
10	Sh. Vikas J Meshram	ASO
11	Sh. Yogesh Kumar Verma	ASO
12	Sh. Deepak Kumar	ASO
13	Sh Devender Singh Patwal	STENO(English)
14	Sh. Jayant Kumar	Sr. Asst.
15	Sh. Salim	Sr. Asst.
16	Sh. Ankur Sharma	Sr. Asst.
17	Sh. Sandesh Kumar	Sr. Asst.
18	Sh. Ajay	Driver
19	Sh. J. K. Vashisth	Driver
20	Sh. Neeraj Kumar	MTS (Contractual)
21	Sh. Pradeep Kumar	MTS (Contractual)
22	Sh. Jagparvesh	MTS (Contractual)
23	Sh. Jagdish	MTS (Contractual)
24	Sh. Harpreet	MTS (Contractual)
25	Sh. Gaurav	MTS (Contractual)
26	Sh. Ratnesh P Singh	MTS (Contractual)
27	Sh. Rohit Kumar Mandal	MTS (Contractual)
28	Sh. Himanshu Sharma	MTS (Contractual)
29	Sh. Ravi Singh	MTS (Contractual)
30	Sh. Hemant	MTS (Contractual)

प्रदीप [illegible]
26-3-2025

52. श्री मुकेश कुमार अहलावत: क्या माननीय **लोक निर्माण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) लोक निर्माण विभाग द्वारा अब तक कितने सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं;

(ख) वर्ष 2013 से 2025 के बीच स्वीकृत किए गए सीसीटीवी कैमरों का विधानसभा क्षेत्रवार विवरण;

(ग) लगाए गए सीसीटीवी कैमरों का विधानसभा क्षेत्रवार विवरण; और

(घ) वर्तमान में काम कर रहे सीसीटीवी कैमरों का विधानसभा क्षेत्रवार विवरण दें?

लोक निर्माण मंत्री: (क) 28.02.2025 तक दिल्ली में 2,64,613 कैमरे लगाए जा चुके हैं (चरण 1 में 1,40,000 और चरण 2 में 1,24,613)।

(ख) दिनांक 10.08.2018 और 08.09.2019 को कैविनेट द्वारा लिए गये निर्णय के अनुसार सभी विधानसभा क्षेत्रों में 4000 सीसीटीवी कैमरे (कुल 2,80,000) (प्रथम एवं द्वितीय चरण) में स्वीकृत किये गये थे।

(ग) और (घ) अनुसंलग्नक 'A' में संलग्न है।

Annexure A

Status of CCTV Cameras installed throughout Delhi

AC NO	AC NAME	Nos. of Cameras installed in Phase-I	Nos. of Cameras installed in Phase-II	Nos. of Cameras functional in Phase-I	*Nos. of Cameras functional in Phase-II	Nos. of Cameras non functional in Phase-I	*Nos. of Cameras non functional in Phase-II	Total Cameras installed in Phase-I + Phase-II	Total Cameras functional in Phase-I + Phase-II	Total Cameras nonfunctional in Phase-I + Phase-II
1	Narela	2343	1669	2321	1419	22	250	4012	3740	272
2	Burari	2000	2014	1943	1712	57	302	4014	3655	359
3	Timarpur	1727	1671	1644	1420	83	251	3398	3064	334
4	Adarsh Nagar	1941	1679	1672	1427	269	252	3620	3099	521
5	Badli	2000	2034	1953	1729	47	305	4034	3682	352
6	Rithala	2964	1044	2887	887	77	157	4008	3774	234
7	Bawana	2775	1248	2607	1061	168	187	4023	3668	355
8	Mundka	2109	2087	2092	1774	17	313	4196	3866	330
9	Kirari	2135	1882	1383	1600	752	282	4017	2983	1034
10	Sultanpur Majra	2282	1749	1659	1487	623	262	4031	3146	885
11	Nangloi Jat	2000	2007	1950	1706	50	301	4007	3656	351
12	Mangolpuri	2108	1793	2026	1524	82	269	3901	3550	351
13	Rohini	1921	500	1903	425	18	75	2421	2328	93
14	Shalimar Bagh	2392	1616	2300	1374	92	242	4008	3674	334
15	Shakur Basti	2516	1434	2412	1219	104	215	3950	3631	319
16	Trinagar	1748	2064	1294	1754	454	310	3812	3048	764
17	Wazirpur	1805	1927	1347	1638	458	289	3732	2985	747
18	Model Town	1926	2080	1702	1768	224	312	4006	3470	536
19	Sadar Bazar	1995	2018	1836	1715	159	303	4013	3551	462
20	Chandni chowk	1603	2155	1346	1832	257	323	3758	3178	580
21	Matia Mahal	1993	988	1611	840	382	148	2981	2451	530
22	Ballimaran	1926	1502	1648	1277	278	225	3428	2925	503
23	KarolBagh	2153	2072	2027	1761	126	311	4225	3788	437
24	Patel Nagar	2002	1997	1913	1697	89	300	3999	3610	389
25	Moti Nagar	2000	1858	1884	1579	116	279	3858	3463	395
26	Madipur	2000	1914	1903	1627	97	287	3914	3530	384
27	Rajori Garden	2000	1978	1966	1681	34	297	3978	3647	331
28	Hari Nagar	2082	1801	2068	1531	14	270	3883	3599	284
29	Tilak Nagar	2000	1995	1946	1696	54	299	3995	3642	353

AC NO	AC NAME	Nos. of Cameras installed in Phase-I	Nos. of Cameras installed in Phase-II	Nos. of Cameras functional in Phase-I	*Nos. of Cameras functional in Phase-II	Nos. of Cameras non functional in Phase-I	*Nos. of Cameras non functional in Phase-II	Total Cameras installed in Phase-I + Phase-II	Total Cameras functional in Phase-I + Phase-II	Total Cameras nonfunctional in Phase-I + Phase-II
30	Janak puri	2000	2004	1958	1703	42	301	4004	3661	343
31	Vikaspuri	2000	1948	1962	1656	38	292	3948	3618	330
32	Uttam Nagar	2000	2008	1940	1707	60	301	4008	3647	361
33	Dwarka	1928	2048	1680	1741	248	307	3976	3421	555
34	Matiala	2160	1889	1896	1606	264	283	4049	3502	547
35	Najafgarh	1649	2381	1469	2024	180	357	4030	3493	537
36	Bijwasan	1767	2233	1556	1898	211	335	4000	3454	546
37	Palam	1550	2221	1344	1888	206	333	3771	3232	539
38	Delhi Cantt	1310	2760	974	2346	336	414	4070	3320	750
39	Rajinder Nagar	1980	2157	1789	1833	191	324	4137	3622	515
40	New Delhi	2744	1950	2381	1658	363	293	4694	4039	656
41	Jangpura	2000	2138	1787	1817	213	321	4138	3604	534
42	Kasturba Nagar	1943	2015	1688	1713	255	302	3958	3401	557
43	Malviya Nagar	2309	1579	2000	1342	309	237	3888	3342	546
44	R K Puram	1996	2018	1522	1715	474	303	4014	3237	777
45	Mehrauli	1971	1086	1751	923	220	163	3057	2674	383
46	Chhatarpur	2001	1890	1832	1607	169	284	3891	3439	453
47	Deoli	1882	2122	1741	1804	141	318	4004	3545	459
48	Ambedkar Nagar	1824	1765	1455	1500	369	265	3589	2955	634
49	Sangam Vihar	2004	1875	1816	1594	188	281	3879	3410	469
50	Greater Kailash	1996	2131	1804	1811	192	320	4127	3615	512
51	Kalkaji	1933	2085	1749	1772	184	313	4018	3521	497
52	Tughlakabad	1981	2018	1733	1715	248	303	3999	3448	551
53	Badarpur	2011	1173	1815	997	196	176	3184	2812	372
54	Okhla	1859	2232	1522	1897	337	335	4091	3419	672
55	Trilokpuri	1823	2171	1506	1845	317	326	3994	3351	643
56	Kondli	2002	2025	1870	1721	132	304	4027	3591	436
57	Patparganj	2832	1172	2772	996	60	176	4004	3768	236
58	Laxmi Nagar	1956	763	1950	649	6	114	2719	2599	120
59	Vishwas Nagar	51	930	42	791	9	140	981	833	149
60	Krishna Nagar	1540	2353	1442	2000	98	353	3893	3442	451

AC NO	AC NAME	Nos. of Cameras installed in Phase-I	Nos. of Cameras installed in Phase-II	Nos. of Cameras functional in Phase-I	*Nos. of Cameras functional in Phase-II	Nos. of Cameras non functional in Phase-I	*Nos. of Cameras non functional in Phase-II	Total Cameras installed in Phase-I + Phase-II	Total Cameras functional in Phase-I + Phase-II	Total Cameras nonfunctional in Phase-I + Phase-II
61	Gandhi Nagar	1683	0	1535	0	148	0	1683	1535	148
62	Shahdara	2403	1637	2339	1391	64	246	4040	3730	310
63	Seemapuri	2264	2032	2204	1727	60	305	4296	3931	365
64	Rohtash Nagar	1979	885	1971	752	8	133	2864	2723	141
65	Seelampur	2000	2002	1842	1702	158	300	4002	3544	458
66	Ghonda	2998	1002	2041	852	957	150	4000	2893	1107
67	Babarpur	2005	1554	1965	1321	40	233	3559	3286	273
68	Gokalpur	1988	2014	1956	1712	32	302	4002	3668	334
69	Mustafabad	942	2827	588	2403	354	424	3769	2991	778
70	Karawal Nagar	2290	744	2271	632	19	112	3034	2903	131
	Total	**140000**	**124613**	**126701**	**105921**	**13299**	**18692**	**264613**	**232622**	**31991**

Note:- *The above functional cameras under Phase-II are tentative as the Command Control Centre (CCC) work is in progress.

सहायक अभियंता (वि.)-I
वै.म.-II .।.सी.टी.वी., वाई-फाई, स्ट्रीट लाईट),
लो०नि०वि०, एम०एस०ओ० भवन,
नई दिल्ली-110002

53. श्री जरनैल सिंह: क्या माननीय **लोक निर्माण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) तिलक नगर विधानसभा में दिल्ली सरकार द्वारा कुल कितने सीसीटीवी कैमरे आवंटित किए गए थे और उनमें से कितने लगवाए गए हैं व कितने शेष बचे हैं उनकी संख्या बताई जाए;

(ख) कैमरे लगाने के लिए किस एजेंसी को नियुक्त किया गया था, उनकी भी विस्तृत जानकारी दी जाए;

(ग) कैमरे लगाने के बाद कंपनी द्वारा उसके कितने समय के रखरखाव की जिम्मेवारी होती है उसकी भी जानकारी उपलब्ध करवाई जाए;

(घ) क्या सरकार दिल्ली में और ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगाने पर काम कर रही है जिससे दिल्ली वासियों की सुरक्षा को और ज्यादा मजबूत किया जा सके;

(ङ) यदि हां, तो उसकी भी जानकारी दी जाए;

(च) क्या सीसीटीवी कैमरे के रखरखाव से संबंधित विभाग के पास शिकायतें आई हैं; और

(छ) यदि हां, तो उनकी जानकारी व उन पर की गई कार्रवाई की जानकारी भी दी जाए?

लोक निर्माण मंत्री: (क) दिनांक 10.08.2018 को कैविनेट द्वारा लिए गये निर्णय के अनुसार सभी विधानसभा क्षेत्रों में 2000 सीसीटीवी कैमरे (कुल 1,40,000)

लगाये जाने थे (फेस–1) जिनमें से तिलक नगर विधानसभा क्षेत्र में 2000 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

तत्पश्चात, दिनांक 08.08.2019 को कैविनेट द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार 2000 अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे हरेक विधानसभा में लगाये जाने थे (फेस–2), जिनमें से तिलक नगर विधानसभा क्षेत्र में 1995 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और 05 कैमरे लगाए जाने बाकी हैं, जिसके लिए कार्य प्रगति पर है।

(ख) पीडब्ल्यूडी ने दोनों चरणों के लिए भारत इलैक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (भारत सरकार का एक सार्वजनिक उपक्रम) को अनुबन्ध प्रदान की है।

(ग) 5 वर्ष।

(घ) भारत सरकार के Safe city Project के तहत Black Spots की पहचान करके वहां पर अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगवाये जाने हैं।

(ङ) लागू नहीं।

(च) शिकायतें नियमित आधार पर प्राप्त होती हैं, जिनका रखरखाव करने वाली एजेंसी द्वारा यथाशीघ्र समाधान किया जाता हे।

(छ) सभी शिकायतों का रखरखाव एजेंसी अर्थात भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा नियमित आधार पर निपटान किया जाता है, लोक निर्माण विभाग, पर्यवेक्षण के आधार पर सभी शिकायतें पर ध्यान रखता है।

54. श्री विशेष रवि: क्या माननीय **लोक निर्माण मंत्री** बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) करोलबाग के बाज़ारों में 'ट्रैक' छोटा करने हेतु लिखित पत्र संख्या 127682 दिनांक 30/10/2024 पर क्या कार्रवाई की गई है;

(ख) यदि नहीं की गई तो क्यों नहीं की गई और उसके लिए कौन-कौन से अधिकारी जिम्मेदार हैं; और

(ग) उपर्युक्त संबंध में कार्रवाई और इस समस्या का समाधान कब तक होगा?

लोक निर्माण मंत्री: (क) 2018-19 में गृह मंत्रालय के निर्देश पर इस क्षेत्र को पैदल यात्रियों के लिए नियत कर दिया गया था तथा MHA, PWD, Delhi Traffic Police एवं DMRC की भागीदारी से 'ट्रैक' (फुटपाथ) के चौड़ीकरण का कार्य किया गया था। फिलहाल 'ट्रैक' को छोटा करने की कोई योजना नहीं है।

(ख) और (ग) उपरोक्तानुसार कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।

55. श्री सही राम: क्या माननीय **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या तुगलकाबाद विधानसभा के तेखंड गॉव में कोई दमकल केंद्र है;

(ख) यदि हां, तो वो किस भवन में चल रहा है;

(ग) क्या यह दमकल केंद्र पोर्टाकेबिन में चल रहा है;

(घ) क्या यह सत्य है कि दमकल केंद्र का पोर्टाकेबिन जर्जर हालत में है;

(ङ) यदि हां, तो उसे ठीक करने के लिए क्या कदम उठाये गए है;

(च) क्या यहाँ पोर्टाकेबिन के स्थान पर बहुमंजिला बिल्डिंग बनाने की कोई योजना है;

(छ) यदि हाँ, तो टाइमलाइन के साथ विस्तृत योजना साझा करें; और

(ज) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

गृह मंत्री: (क) से (ज) तेखंड गांव में कोई दकमल केंद्र नहीं है। हालांकि, ओखला फेज-1 में स्थित दमकल केंद्र तेखंड गांव में भी सेवाएं देता है। ओखला फेज-1 में स्थित दमकल केंद्र अक्टूबर, 2004 से 10,881 वर्ग मीटर के प्लॉट एरिया में एक पोर्टा केबिन (निर्मित क्षेत्र 185.80 वर्गमीटर) में काम कर रहा है।

रखरखाव के लिए, समय-समय पर पोर्टा केबिन में मरम्मत की जाती है। दमकल केंद्र में 33 कर्मचारियों के साथ तीन फायर टेंडर हैं। स्थानीय क्षेत्रों में अग्निशमन सेवाएं निर्बाध रूप से उपलब्ध हैं। नये भवन के निर्माण के मुद्दे की उचित जांच की जाएगी।

56. श्री संजीव झा: क्या माननीय **मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क(क्या यह सत्य है कि बुराड़ी के झड़ौदा डेयरी में खसरा संख्या 19/1/15 (700 गज) एक ग्राम सभा भूमि है;

(ख) क्या ये सत्य है कि यह भूमि राशन विभाग को राशन दफ्तर बनाने के उददेश्य से अलॉट की गई थी तथा राशन विभाग द्वारा अभी तक ना तो इसकी फीस जमा करवाई गई और ना ही कब्जा लिया गया;

(ग) इस भूमि खसरा सख्या 19/1/15, झड़ौदा डेयरी के राजस्व विभाग के द्वारा राशन विभाग को की गई अलाटमेंट की ाइल और संबंधित दस्तावेजों की प्रति उपलब्ध करवाई जाए;

(घ) क्या यह सत्य है कि वर्तमान में इस भूमि पर अवैध अतिक्रमण कर लिया गया है; और

(ङ) यदि हां, तो विभाग द्वारा इसे हटाए जाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

मुख्यमंत्री: (क) राजस्व विभाग में उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार ग्राम झड़ौदा माजरा बुराड़ी में कोई खसरा नंबर 19/1/15 नहीं है।

(ख) से (ङ) उपरोक्त उत्तरानुसार लागू नहीं होता।

57. श्री सुरेंद्र कुमार: क्या माननीय **लोक निर्माण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मंडोली सेवाधाम रोड़ को चौड़ा करने की सरकार की कोई योजना है;

(ख) यदि हाँ, तो यह रोड़ कब तक चौड़ा कर दिया जाएगा; और

(ग) यह रोड़ अब तक चौड़ा नहीं किए जाने के क्या कारण है?

लोक निर्माण मंत्री: (क) जी नहीं।

(ख) उपरोक्तानुसार 'क' के अनुसार लागू नहीं है।

(ग) सेवाधाम मंडोली रोड़ को चौड़ा करने का कोई प्रस्ताव/अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है।

58. श्री अरविंदर सिंह लवली: क्या माननीय **विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि शहरीकृत गांव की डवलपमेंट के लिए सरकार ने अलग से मद रखा है; और

(ख) यदि हां, तो गांधी नगर विधानसभा में पिछले 5 सालों में कितना मद सेंक्शन हुआ है और उनकी प्रोग्रेस रिपोर्ट क्या है?

विकास मंत्रीः (क) जी हाँ, दिल्ली विकास विभाग के अंतर्गत दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड (DVDB) में दिल्ली के ग्रामीण एवं शहरीकृत ग्रामों के विकास के लिए सरकार ने ग्रामीण एवं शहरीकृत गांवों में एकीकृत विकास (IDRUV) मद रखा हुआ है। जिसमें निर्माणकार्य/विकासकार्य, जो कि गांव के रोड़, गलियां, नालियां, चौपाल, बारात घर, सामुदायिक केंद्र, शमशान घाट, कब्रिस्तान, पार्क, खेल के मैदान, व्यायामशाला, तालाब इत्यादि से संबंधित विकास परियोजनाओं को अनुमोदित किया जाता है।

(ख) पिछले 5 वर्षो के अंतर्गत केवल वित्त वर्ष 2023-24 में एक विकास परियोजना जो कि पुराना सीलमपुर गांव में रोड़ एवं नालियों के निर्माण से संबंधित थी, उसमें 2.13 करोड़ रूपये की प्रशासनिक एवं व्यय स्वीकृति सिंचाई एवं बाढ़ विभाग कमो दी गई थी तथा 53.39 लाख का बजट स्वीकृत किया गया था। सिंचाई एवं बाढ़ विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, उक्त परियोजना अप्रैल, 2025 तक पूरी करने का लक्ष्य है।

उपरोक्त के अतिरिक्त, DVDB को बाकी 4 वर्षो में गांधीनगर विधानसभा क्षेत्र के गांव से संबंधित कोई और विकास परियोजना प्राप्त नहीं हुई है।

59. श्री प्रवेश रतनः क्या माननीय **मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कैबिनेट मीटिंग के निर्णयों संबंधित नोटिफिकेशन जारी करने की जिम्मेदारी सामान्य प्रशासन विभाग की है;

(ख) यदि नहीं, तो कैबिनेट से जुड़े निर्णयों के नोटिफिकेशन जारी करने के लिए कौन सा विभाग जिम्मेदार है;

(ग) यदि सामान्य प्रशासन विभाग कैबिनेट मीटिंग के निर्णयों संबंधित नोटिफिकेशन जारी करता है तो इसकी प्रति किन-किन को भेजी जाती है, सूची मुहैया करवाएं;

(घ) क्या इन नोटिफिकेशनों की प्रति नेता प्रतिपक्ष को भी भेजी जाती है;

(ङ) यदि नहीं, तो क्यों नहीं भेजी जाती;

(च) क्या इन नोटिफिकेशनों की प्रति सामान्य प्रशासन विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध होती है; और

(छ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

मुख्यमंत्री: (क) से (ग) सामान्य प्रशासन विभाग कैबिनेट की बैठकों में लिए गए निर्णयों का कार्यवृत्त तैयार करता है।

सामान्य प्रशासन विभाग का काम कैबिनेट के निर्णयों को मंत्रिमंडल के सदस्यों तथा सम्बंधित विभागों को सूचित करना है।

(घ) जी नहीं।

(ङ) इस संबंध में कोई नियम या पिछले उदाहरण नहीं हैं।

(च) जी नहीं।

(छ) संबंधित विभाग इन निर्णयों के उपरांत जारी आदेश को सामान्यतः अपनी वेबसाइट पर उपलब्ध कराते हैं।

60. श्री मोहन सिंह बिष्ट: क्या माननीय **रोजगार मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली सरकार के अंतर्गत रोजगार के कुल कितने कार्यालय हैं, उनका ब्यौरा दें;

(ख) क्या यह भी सत्य है कि दिल्ली सरकार के अंतर्गत रोजगार कार्यालय तो हैं परंतु रोजगार के अवसर नहीं हैं;

(ग) क्या यह भी सत्य है कि दिल्ली में बढ़ती हुई बेरोजगारी को देखते हुए सरकार ऐसी योजना बना रही है जिससे दिल्ली के बेरोजगार युवकों/युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सके; और

(घ) यदि हां, तो उसका पूर्ण विवरण दें?

रोजगार मंत्री: (क) रोजगार विभाग के अंतर्गत निम्नलिखित कार्यालय है:-

1. रोजगार निदेशालय (मुख्यालय), आई.ए.आर.आई. पूसा, नई दिल्ली।
2. रोजगार निदेशक एवं विशेष निदेशक कार्यालय, 5 शामनाथ मार्ग, दिल्ली-110054
3. डेटा सेंटर, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली।
4. मॉडल कैरियर सेंटर एवं रोजगार बाजार शाखा, आर.के. पुरम, दिल्ली।

(ख) रोजगार निदेशालय के अंतर्गत डाटा सेंटर कार्यालय बेरोजगार एवं नियोक्ताओं के पंजीकरण हेतु एक ऑनलाइन एम्प्लॉयमेंट पोर्टल चला रहा है। यह पोर्टल योग्य बेरोजगारों का नाम नियोक्ताओं द्वारा पोर्टल पर भेजी गयी रिक्तियों के

एवज में उनके द्वारा निर्धारित की गयी योग्यताओं जैसे आयु, शैक्षिक योग्यता, अनुभव, वर्ग इत्यादि के अनुसार प्रेषित कर रोजगार के अवसर प्रदान कराता है। परंतु इस विभाग के पास कोई ऐसा तंत्र/प्रणाली नहीं हैं, जिससे नियोक्ताओं से नियुक्तियों के विषय में संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकें।

इस पोर्टल में पंजीकृत एवं प्रायोजित आवेदकों का ब्यौरा निम्नलिखित है:-

क्र.सं.	वर्ष	पंजीकृत आवेदकों की संख्या	प्रायोजित किए गए आवेदकों की संख्या
1.	2021	5712	32806
2.	2022	45962	388416
3.	2023	30920	629204
4.	2024	21023	17422
5.	2025 (Up to 19/03/2025	4905	345

(ग) इस संदर्भ में बेरोजगारी को देखते हुए रोजगार निदेशालय, दिल्ली सरकार द्वारा मई, 2025 में मेगा रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है और आगे भी नियमित रूप से रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा रोजगार बाजार 1.0 पोर्टल का नवीनीकरण तथा उन्नत संस्करण किया जाएगा।

(घ) ये रोजगार मेले पंजीकृत नियोक्ताओं और नौकरी चाहने वालों के बीच आमने-सामने बातचीत के लिए मंच प्रदान करेंगे। ताकि उनकी भर्ती के स्थिति

का मौके पर ही पता लगाया जा सके अर्थात् नौकरी चाहने वाले के लिए उपयुक्त नौकरी और नियोक्ता संगठन के लिए कुशल और सक्षम उम्मीदवार मिल सके। रोजगार बाजार पोर्टल का नया संस्करण नियोक्ताओं और नौकरी चाहने वालीों के बीच बेहतर संचार का माध्यम सिद्ध होगा।

अतारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

131. श्री संजय गोयलः क्या माननीय **मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) एस.सी./एस.टी./ओबीसी सर्टिफिकेट बनाने में लगने वाले जरूरी दस्तावेजों का विवरण दें;

(ख) यदि वर्ष 1990 से पहले का कोई प्रमाण (प्रूफ) नहीं हो तो उसके लिए क्या वैकल्पिक दस्तावेज से सर्टिफिकेट बन सकता है, विस्तार से विवरण दें; और

(ग) जाति प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए सरकार ने पूर्व में क्या कदम उठाये हैं तथा आने वाले समय में सरकार क्या कदम उठाने वाली है, पूर्ण विवरण दें?

मुख्यमंत्रीः (क) एस.सी./एस.टी./ओबीसी सर्टिफिकेट बनाने में लगने वाले जरूरी दस्तावेजों की सूची दिल्ली सरकार की ई-डिस्ट्रिक पोर्टल वेबसाईट https://edistrict.delhigovt.nic.in पर उपलब्ध है, जरूरी दस्तावेजों की सूची "अनुलग्नक-क एवं ख" संलग्न है।

(ख)) उपरोक्तानुसार।

(ग) राजस्व विभाग के कार्यालय आदेश दिनांक 26.11.2015 के तहत जाति प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया को सरल बनाया गया (आदेश की कॉपी "अनुलग्नक-ग" संलग्न है)।

राजस्व विभाग ने सभी जाति प्रमाण पत्र आवेदनों को बनाने के लिए ई-डिस्ट्रिक पोर्टल वेबसाईट https://edistrict.delhigovt.nic.in की सुविधा भी वर्ष 2015 में शुरू की थी।

132. श्री विषेष रविः क्या माननीय **मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) करोलबाग में घर में आग लगने से हुए नुकसान की भरपाई हेतु तुरन्त मुआवजे के लिए राजस्व विभाग को लिखित पत्र संख्या 128025 दिनांक 26/12/2024 पर क्या कार्रवाई की गई है;

(ख) यदि नहीं की गई तो क्यों नहीं की गई और उसके लिए कौन-कौन से अधिकारी जिम्मेदार हैं; और

(ग) उपर्युक्त संबंध में कार्रवाई और इस समस्या का समाधान कब तक होगा?

मुख्यमंत्रीः (क) यह मामला राजस्व विभाग जिला-मध्य में प्रक्रियाधीन है।

(ख) उपरोक्त के संदर्भ में लागू नहीं होता।

(ग) इस संदर्भ में राजस्व विभाग द्वारा कार्रवाई जल्द-से-जल्द पूरी की जाएगी।

सभी संलग्नक http://delhiassembly.delhi.gov.in पर उपलब्ध।

133. श्री संजीव झाः क्या माननीय **मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि बुराड़ी के इंद्रप्रस्थ कालोनी में खसरा संख्या 155, 156, 187 एक ग्रामसभा भूमि है;

(ख) क्या यह सत्य है कि इस भूमि पर कुछ अवैध मकान बनाकर अतिक्रमण कर लिया गया है;

(ग) यदि हां, तो विभाग के द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए;

(घ) यदि नहीं तो इसकी वर्तमान स्टेटस रिपोर्ट, तहसीलदार की डिमारकेशन के साथ उपलब्ध करवाएं; और

(ङ) क्या विभाग द्वारा इस भूमि को चिन्हित कर कोई फेसिंग (Fencing) की गई है?

मुख्यमंत्रीः (क) बुराड़ी गाँव के राजस्व लेखानुसार, इंद्रप्रस्थ कालोनी में खसरा संख्या 155, 156, 187 नहीं है।

(ख) से (ङ) उपरोक्ता अनुसार लागू नहीं होता है।

134. श्री जरनैल सिंहः क्या माननीय **मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में राजस्व विभाग के अधीन कुल कितने सब-रजिस्ट्रार कार्यालय आते हैं;

(ख) यदि किसी को अपना कोई दस्तावेज रजिस्टर करवाना है तो इन सभी सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में आवेदन के कितने दिन बाद का समय मिल पाता है;

(ग) क्या यह सत्य है कि जनकपुरी सबरजिस्ट्रार कार्यालय में पिछले लंबे समय से लोगों को लंबी प्रतिक्षा अवधि की वजह से भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है;

(घ) यदि हां, तो विभाग द्वारा इस समस्या को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं, उसका विस्तृत विवरण दिया जाए;

(ङ) क्या यह सत्य है कि पश्चिमी जिला डीएम के अंतर्गत आने वाला यह जनकपुरी सबरजिस्ट्रार आफिस पश्चिमी जिले की सीमा से बाहर है;

(च) क्या पश्चिम जिले के लोगों को राहत देने के लिए कोई नया आफिस विभाग द्वारा बनाने पर विचार किया जा रहा है;

(छ) यदि हां, तो उसका विस्तृत विवरण दिया जाए;

(ज) यदि नही ंतो इसके क्या कारण हैं;

(झ) यदि कोई व्यक्ति किसी कारण से रजिस्ट्री नहीं करवा पाता है पर स्टैंप डयूटी दे देता है तो उसे वापस लेने की क्या प्रक्रिया है;

(ञ) 1 जनवरी 2015 से अब तक कुल कितने मामले हैं जिनमें से लोगों ने रजिस्ट्रेशन फीस वापस लेने के लिए आवेदन किया है; और

(ट) इनमें से कितने को रिफंड मिल गया है व कितनों का अभी तक पेंडिग है सबकी विस्तृत जानकारी दी जाए?

मुख्यमंत्रीः (क) दिल्ली में राजस्व विभाग के अधीन कुल 22 सब-रजिस्ट्रार कार्यालय हैं।

(ख) सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में आवेदन के पश्चात उपलब्ध स्लॉट्स के अनुसार समय मिलता है।

(ग) वर्तमान में जनकपुरी सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में ऐसी कोई समस्या नहीं है।

(घ) राजस्व विभाग द्वारा जनकपुरी सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में 210 स्लॉट्स उपलब्ध कराए गए हैं तथा 02 जवांइट सब-रजिस्ट्रार की अतिरिक्त नियुक्ति की गई है।

(ङ) जी, हाँ।

(च) और (छ) उचित स्थान मिलने पर इस पर विचार किया जाएगा।

(ज) उपरोक्तानुसार (च) लागू नहीं होता है।

(झ) भारतीय स्टांप अधिनियम, 1899 की धारा 49 से 54 तथा राजस्व विभाग द्वारा जारी आदेश दिनांक 04.10.2011 के अनुसार स्टांप ड्यूटी की जाती है। ("अनुलंग्नक-क" संलग्न है)

(ञ) 1 जनवरी 2016 से अब तक कुल 2846 (अनुमानित) पंजीकरण शुल्क वापस लेने के लिए आवेदन आये हैं।

(ट) पंजीकरण शुल्क वापस लेने के लिए आवेदन की लंबित सूची "अनुलंग्नक-ख" संलग्न है।

अनुलग्नक क

OFFICE OF THE DIVISIONAL COMMISSIONER, DELHI
STAMP & REGN. BR., R. NO. 204, 'B' BLOCK
5-SHAM NATH MARG, DELHI.

No.F. 1/e-Stamp/refund/Div.com./ 11 17714 Dated: 04 OCT 2011

ORDER

In order to facilitate the general public residing in National Capital Territory of Delhi it has been decided to decentralize the work relating to allowing of refund of e-stamps under the provisions of the Indian Stamp Act, 1899. All the Sub Divisional Magistrates who are Collector of Stamps of their respective sub Division are competent to allow the refund of e-stamp alike refund of physical non judicial stamp paper and judicial stamp paper in respect of the applicants residing in their respective jurisdiction.

Therefore all the Collector of Stamps are directed to deal with the refund applications of e-Stamps of the denomination of up to **Rupees One Lac w.e.f. 16.10.2011, as per below mentioned** Guidelines:-

GUIDELINES FOR COLLECTOR OF STAMPS FOR ALLOWING REFUND OF e-STAMP.

1 Applicant shall submit application for the refund of e-stamp/NJSP/Court Fees in the prescribed proforma, along with affidavit, Indemnity Bond, Application-Cum-Bill for Refund of Deposit, ID Proof and Residence Proof, Specimen of the same are available on the web site of Revenue Department (Download Form) http://www.delhi.gov.in/wps/wcm/connect/DoITRevenue/revenue/home/

2 In the case refund is for more than Rs.5,000/- applicant is required to affixed a Revenue Stamp of Rs. 1/- and make his signature over the same.

3 First of all Collector of Stamps shall obtain USER ID and Pass word from Stock Holding Corporation of India Ltd.

4 Open the site of SHCIL by using user id and pass word.

5 Generate status report from the web site of Stock Holding Corporation of India Ltd. and keep it in the file of Refund Application submitted by the applicant.

6 Cancel the e-stamp on the web site of Stock Holding Corporation of India Ltd., and generate two copies of report thereof.

7 Enclose one cancellation report with the refund voucher to be issued to applicant.

8 Kindly note that the refund voucher without cancellation report shall not be entertained by the P.A.O. VI, Tis Hazari, Delhi.

The above orders may be complied with utmost caution and any deviation shall be viewed seriously.

This issue with the approval of Chief Secretary, Delhi vides U.O. No. 3786 dated 23rd September, 2011.

(R.K.Misra)
Special Inspector General (Registration)

No.F. 1/e-Stamp/refund/Div.com./ 11 17714 Dated: 04 OCT 2011

Copy forwarded for information and necessary action to:-

1. Chief Secretary, Govt. of NCT of Delhi, Delhi Sectt., New Delhi.
2. Principal Secretary (Finance), Finance Department, GNCT of Delhi.
3. Secretary (Revenue), Revenue Department, GNCT of Delhi.
4. All Deputy Commissioners (Revenue), Delhi/New Delhi.
5. Addl. Secretary (Revenue), Revenue Department, GNCT of Delhi.
6. All A.D.Ms, Delhi/New Delhi.
7. All Collector of Stamps Delhi/New Delhi.
8. Pay & Accounts Office No. 6, Tis Hazari, Delhi with the request to verify that cancellation certificate generated from the web site of SHCIL is enclosed with the refund order issued by Collector of Stamp.
9. M/s Stock Holding Corporation of India Limited, 2nd Floor, 3, Vardhman Trade Centre, DDA Complex, Nehru Place, New Delhi-110019 with the request to organize a workshop to familiarize the Collector of Stamps regarding generation of status report and cancellation of e-stamp and generation report thereof.
10. System Analyst, Revenue Department, Delhi with the request to upload it on the web site of Revenue Department, Delhi.
11. Guard File.

(R.K.Misra)
Special Inspector General (Registration)

अनुलग्नक–'ख'

पंजीकरण शुल्क वापसी की लंबित रिर्पोट का विवरण

क्रम सं०	जिलों के नाम	पंजीकरण शुल्क वापसी के आवेदन की लंबित संख्या
1.	जिला – पूर्व	शून्य
2.	जिला – पश्चिम	166
3.	जिला – उत्तर	11
4.	जिला – दक्षिण	12
5.	जिला – उत्तर–पूर्व	शून्य
6.	जिला – उत्तर–पश्चिम	96
7.	जिला – दक्षिण–पूर्व	66
8.	जिला – दक्षिण–पश्चिम	11
9.	जिला – मध्य	10
10.	जिला – नई दिल्ली	04
11.	जिला – शाहदरा	शून्य
कुल संख्या		**376**

उप मण्डलीय दण्डाधिकारी–2 (मुख्यालय)
Arvind Kumar
SDM (HQ)

135. श्री जरनैल सिंहः क्या माननीय **मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 1984 कत्लेआम के पीडितों को 400 यूनिट बिजली सब्सिडी देने के लिये राजस्व विभाग द्वारा कोई प्रमाण–पत्र जारी किया जाता है;

(ख) यदि हां, तो आज तक कितने प्रमाण–पत्र जारी किये गये इसका विस्तृत विवरण दें;

(ग) अब तक राजस्व विभाग द्वारा कितने लाभार्थियों की पहचान की गई है; विस्तृत जानकारी दें;

(घ) अब तक राजस्व विभाग को कुल कितने आवेदन पत्र प्राप्त हुये, इनमें से कितने प्रमाण पत्र जारी किये गये और जिन आवेदकों को अब तक प्रमाण पत्र. जारी नहीं किये गये, उनके क्या कारण है, कृपया विस्तृत जानकारी दें; और

(ङ) एक आवेदक को प्रमाण–पत्र प्रदान करने में राजस्व विभाग को औसतन कितने दिनों का समय लगता है, कृपया इस प्रक्रिया की समयसीमा के संबंध में विस्तृत जानकारी दें?

मुख्यमंत्रीः (क) जी, नहीं।

(ख) उपरोक्ता अनुसार लागू नहीं होता।

(ग) राजस्व विभाग द्वारा अब तक 1034 दंगा पीड़ितों की सूची ऊर्जा विभाग, दिल्ली सरकार को साझा की जा चुकी है।

(घ) और (ङ) उपरोक्त (क) के अनुसार लागू नहीं होता है।

136. श्री कुलदीप कुमारः क्या माननीय **मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जिन्होंने राष्ट्रसेवा के लिए अपने प्राण दिए उन्हें एक करोड़ रुपए अनुग्रहराशि देने की योजना कब आरंभ हुई थी;

(ख) उक्त योजना का विवरण दें;

(ग) अब तक इस योजना के अंतर्गत राष्ट्र के लिए अपने प्राण न्योछावर करने हेतु एक करोड़ की राशि पाने वाले कुल कितने प्राप्तकर्ता हैं, सबकी सूची उनके बलिदान के विवरण सहित प्रदान करें; और

(घ) क्या वर्तमान सरकार इस योजना को जारी रखने पर विचार कर रही है?

मुख्यमंत्रीः (क) राष्ट्रसेवा के लिए प्राण न्योछावर करने वालों के परिजनों को एक करोड़ रुपये अनुग्रहराशि देने की योजना कैबिनेट निर्णय संख्या 2136 दिनांक 01.04.2015 के द्वारा लागू हुई।

(ख) योजना का विवरण कैबिनेट निर्णयों दिनांक 01.04.2015, दिनांक 24.02.2016, 21.09.2016, 24.07.2018 और 25.09.2018 में उपलब्ध है। (अनुलग्न–'क')

(ग) योजना के तहत कुल अब तक 41 शहीदों के परिवारों को एक करोड़ रुपये की अनुग्रहराशि प्रदान की गई है जिसकी सूची अनुलग्नक–'ख' संलग्न है।

(घ) अभी कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

सभी अनुलग्नक http://delhiassembly.delhi.gov.in पर उपलब्ध।

137. श्री सोम दत्तः क्या माननीय **मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सदर बाजार विधान सभा (एसी 19) में राजस्व विभाग की कुल कितनी सम्पत्तियां हैं, पता सहित विवरण उपलब्ध करायें;

(ख) इन सम्पत्तियों की मेनटेनेंस का क्या प्रावधान है;

(ग) क्या एमएलए फंड से इन सम्पत्तियों को मेंटेन कराया जा सकता है; और

(घ) यदि नहीं, तो फिर ये सम्पत्तियां कैसे मेंटेन होगी?

मुख्यमंत्रीः (क)) सदर बाजार विधान सभा (एसी 19) में राजस्व विभाग की कोई सम्पत्ति नहीं है।

(ख) से (घ) उपरोक्तानुसार लागू नहीं होता है।

138. श्री प्रेम चौहानः क्या माननीय **मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार छठ कार्यक्रमों का आयोजन करती है;

(ख) दिल्ली सरकार द्वारा इन छठ घाटों पर क्या प्रबंध किए गए हैं व क्या सहायता/सुविधाएँ प्रदान की गई हैं; और

(ग) वर्ष 2013 से 2025 तक दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित छठ घाटों का संपूर्ण विवरण वर्षवार दें?

मुख्यमंत्रीः (क) जी, हाँ।

(ख) दिल्ली सरकार द्वारा छठ घाटों पर निम्नलिखित प्रबंध किए गए हैं:-

1. टैंट एवं उससे संबंधित वस्तुएँ।
2. मोबाइल शौचालय।
3. पीने का पानी।
4. कृत्रिम तालाब।
5. सुरक्षा व्यवस्था।
6. मेडिकल की सुविधा।
7. सीसीटीवी।
8. चेंजिग रूम।
9. लाईट एवं साउण्ड।

(ग)
- दिल्ली सरकार द्वारा वर्ष 2014 से 2024 तक आयोजित छठ घाटों का संपूर्ण वर्षवार विवरण "अनुलग्नक-क" संलग्न है।
- वर्ष 2025 का छठ आयोजन अभी होना बाकी है।

अनुलग्नक–'क'

दिल्ली में आयोजित छठ घाट का वर्षवार विवरण

	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020	2021	2022	2023	2024
दिल्ली में आयोजित छठ घाट का कुल आंकड़ा	69	168	278	700	1052	1078	कोविड महामारी के कारण कोई आयोजन नहीं हुआ।	801	909	916	924

Arvind Kumar
SDM (HQ),

139. श्री प्रेम चौहान: क्या माननीय **मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 'कोविड वारियर्स' के लिए एक करोड़ की अनुग्रह राशि देने की योजना कब आरंभ की गई थी;

(ख) योजना का संपूर्ण विवरण प्रदान करें;

(ग) कितने कोविड वारियर्स ने एक करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि प्राप्त की थी, प्रत्येक मामले के विवरण सहित संपूर्ण सूची उपलब्ध कराएँ; और

(घ) क्या वर्तमान सरकार इस योजना को जारी रखने पर विचार कर रही है?

मुख्यमंत्री: (क) 'कोविड वारियर्स' के लिए एक करोड़ की अनुग्रह राशि की योजना कैबिनेट निर्णय संख्या 2835 दिनांक 13.05.2020 से लागू हुई।

(ख) योजना का सम्पूर्ण विवरण कैबिनेट निर्णय दिनांक 13.05.2020 में है। (अनुलग्नक-'क' संलग्न है)

(ग) अब तक कुल 97 कोविड वारियर्स ने एक करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि प्राप्त की है, सम्पूर्ण सूची अनुलग्नक-'ख' में संलग्न है।

(घ) इस बारे में कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

CONFIDENTIAL
CABINET MATTER

GOVERNMENT OF NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI
GENERAL ADMINISTRATION DEPARTMENT
(CO-ORDINATION BRANCH)
DELHI SECRETARIAT, I.P. ESTATE, NEW DELHI

No.F.03/07/2020/GAD/CN/dsgadiii/458-469 Dated: 13.05.2020

TABLED ITEM

CABINET DECISION NO. 2835 DATED 13.05.2020

Subject: Cabinet Note regarding awarding compensation to family of employees who die of the disease while on COVID 19 duty.

Decision: The Council of Ministers considered the note of Minister (H&FW) and approved that any person including Doctor, Nurse, Paramedical Staff, Security/Sanitation staff or any other Govt. Officer/Official, including Police Officer/Official, whether temporary or permanent employee or contractual, in Government or Private Sector, deployed for COVID-19 duties by Government of NCT of Delhi, if expires by contracting the disease during discharge of his/her duty, his/her family shall be paid an ex gratia amount of Rupees One Crore, posthumously.

The concerned Department/Agency, where the person was employed, will submit the case with their recommendations, enclosing the report of Death Audit Committee and report of Medical Superintendent/In-charge of the Hospital/Medical Institutions to Revenue Department, GNCTD for further processing for payment of the ex-gratia and same shall be put up to Minister (Health), through Minister (Revenue), for the approval of Hon'ble Chief Minister. After approval of Hon'ble Chief Minister ex-gratia amount will be paid by Revenue Department to bona fide beneficiary from Major Head 2235-60-200-62-00-50-other charges.

--Sd/--
(Vijay Kumar Dev)
Secretary to the Cabinet

No.F.03/07/2020/GAD/CN/dsgadiii/458-469 Dated: 13.05.2020

1. Pr. Secretary to Lt. Governor, Delhi.
2. Addl. Secretary to the Chief Minister, Delhi.
3. Secretary to Dy. Chief Minister, Govt. of NCT of Delhi.
4. Secretary to Minister, Labour, Govt. of NCT of Delhi.
5. Secretary to Minister, Health, Govt. of NCT of Delhi.
6. Secretary to Minister, Food and Supply, Govt. of NCT of Delhi.
7. Secretary to Minister, Social Welfare, Govt. of NCT of Delhi.
8. Secretary to Minister, Transport, Govt. of NCT of Delhi.
9. Pr. Secretary (Revenue), Govt. of NCT of Delhi,
10. Pr. Secretary (H&FW), Govt. of NCT of Delhi, with request to upload ATR on CDMS.
11. OSD to Chief Secretary, Govt. of NCT of Delhi.
12. Hindi Officer, Language Department, Govt. of NCT of Delhi for translation.

13/5/20
(Manoj Kumar)
Joint Secretary to the Cabinet

ARVIND KUMAR
SDM (HQ),
O/o The Divisional Commissioner
Revenue Department, GNCTD
5, Sham Nath Marg, Delhi-54

(1)

List of approved cases for grant of ex-gratia of Rs.1 Crore under Cabinet Decision No.2835 dated 13.05.2020 अनुलग्नक 'ख' (1-2

S. No.	Name, Designation & Department of the Deceased	Date of Death
1.	Sh. Charan Singh, Technical Supervisor, LNJP	30.05.2020
2.	Smt. Baikali Sarkar, Contract Teacher, MCPS Bharolla, North DMC	05.05.2020
3.	Dr. Asheem Kumar, Specialist Grade-I, LNJP	28.06.2020
4.	Sh. Arun Kumar, CDV, South-West District, Revenue Department	13.07.2020
5.	Dr. Jogender Kumar Choudhary, Junior Resident, DR. BSA Hospital	26.07.2020
6.	Sh. Raju, Safai Karamchari, Hindu Rao Hospital	28.06.2020
7.	Sh. Rajesh Kumar Bhardwaj, Pharmacist, Central Distt., DGHS	20.07.2020
8.	Dr. Javed Ali, Medical Officer, NHM, DGHS	20.07.2020
9.	Dr. Hitesh Gupta, Medical Officer, DGD Karkardooma	03.11.2020
10.	Sh. Jag Parvesh Dagar, Lab Technician, Ch. Brahm Prakash Ayurveda Sansthan	07.06.2020
11.	Sh. Raj Kumar, Security Guard, RGSSH	28.05.2020
12.	Sh. Ompal, Principal, GBSSS, Kalyanpuri	11.06.2020
13.	Sh. Rakesh Jain, Lab technician, Hindu Rao Hospital	18.06.2020
14.	Sh. Nitin Tanwar, PRT, MCPS Naraina	14.12.2020
15.	Sh. Sheoji Mishra, TGT English, Kalyanpuri	07.06.2020
16.	Dr. Anas Mujahid, Junior Resident, GTB Hospital	09.05.2021
17.	Sh. Deep Chand, General Duty Assistant, Rajiv Gandhi Cancer Institute	26.10.2020
18.	Smt. Sunita, Safai Karamchari, EDMC	15.05.2020
19.	Dr. Sanjay Kumar, CMO (SAG), RMS UPHC SDMC	02.05.2021
20.	Dr. Sanjeev Kumar, Specialist Grade-II (Pediatrics), Maharishi Valmiki Hospital	03.05.2021
21.	Smt. Seema, Safai Karamchari, Lok Nayak Hospital	08.06.2020
22.	Smt. Kamlesh, Safai Karamchari, LNH Hospital	24.04.2021
23.	Dr. Abha Bhandari, SMO, DGD, Chamelian Road	16.01.2021
24.	Smt. Chiinneiching, Nursing Officer, LNH	07.05.2021
25.	Sh. Raj Kumar Aggarwal, Nursing Officer, LNH	29.04.2021
26.	Sh. G. Ajay Kumar, Store Purchase Supervisor, GTBH	08.05.2021
27.	Sh. Surender Kumar, TGT Maths, SV Daulatpur	11.05.2021
28.	Smt. Munesh Devi, Nursing Officer, DGD Timarpur	29.04.2021
29.	Dr. Mithilesh Kumar, Consultant, Agrasen international hospital	13.06.2021
30.	Dr. Parvinder Pal Singh, CMO, NSUT	11.05.2021
31.	Sh. Ravindra Kumar Bhatt, Senior Manager, Balaji Action Medical Institute	10.05.2020
32.	Dr. Laxmi Kant Parida, GDMO-II, Hindu Rao Hospital	27.05.2021
33.	Dr. Nezam Alam, GDMO-II, Mansaram Park Dispensary, Najafgarh, SDMC	27.10.2020
34.	Sh. Nitin Cherian, Hospital Executive-III, Delhi State Cancer Institute	03.04.2021
35.	Sh. Ganesh Sah, O.T. Assistant, GTB Hospital	06.05.2021
36.	Sh. Satnam Singh, CDV, District Shahdara	19.04.2021
37.	Sh. Ravinder Singh, Delhi Home Guards Volunteers	22.06.2020
38.	Sh. Ram Nath, Driver, DTC	18.05.2021
39.	Sh. Prem Babu, O.T. Technician, GTB Hospital	04.05.2021
40.	Sh. Karambir Singh, SI (Driver), No. 2945-D, Delhi Police	09.06.2020
41.	Dr. Amit Gupta, Senior Resident, Satyawadi Raja Harish Chander Hospital	14.08.2021
42.	Sh. Anand Kumar Mishra, Executive Engineer (Civil), DSIIDC Ltd.	16.04.2021
43.	Sh. Lal Singh, Driver, DTC	17.06.2020
44.	Sh. Roshan Lal, TGT Sanskrit, SBV, Narela	20.05.2021
45.	Sh. Mukesh Pal, TGT (Maths), GBSSS Babarpur	25.04.2021
46.	Sh. Arun Kumar Rakshit, OSD, Hon'ble Min (Health)	30.05.2021
47.	Smt. Jessy Mathew, Medical Lab Technologist, LNJP	27.04.2021
48.	Dr. Bhupendra Gupta, Professor, Hindu Rao Hospital	18.05.2021
49.	Sh. Hemant Kumar, TGT Computer Science	11.05.2021
50.	Smt. Reena, CDV, North East	30.05.2020
51.	Smt. Satinder Hans, Sr. Nursing Officer, DDU Hospital	30.04.2021
52.	Sh. Madan Lal, CDV, South District	27.04.2021
53.	Sh. Krishan Kant Kapil, TGT Maths, RPGBSSS Rithala	22.05.2021
54.	Smt. Rita Vohra, Lab Technician, DDU Hospital	01.10.2020
55.	Rajni Chauhan, Nursing Officer, M&CW Centre, Tilak Nagar, South DMC	19.05.2021
56.	Smt. Madhu Rana, PRT, SDMC	27.06.2020
57.	Sh. Babu Ram, Chowkidar, Delhi Cantonment Board	22.04.2021

ARVIND KUMAR
SDM (HQ),
O/o The Divisional Commissioner
Revenue Department, GNCTD

58.	*Sh. Devraj, ASO, Ministry of Defence*	*04.05.2021*
59.	Dr. Prerna Jain, Aam Aadmi Mohalla Clinic, Kamla Nagar under CDMO, Central District	31.05.2021
60.	Sh. Ravi Kumar, Junior Assistant, Acharya Shri Bhikshu Government Hospital	12.05.2021
61.	Mrs. Gayatri Sharma, ANM, UHTC, Gazipur	02.05.2021
62.	Dr. Anil Kumar Rawat, Consultant, Saroj Super Speciality Hospital	08.05.2021
63.	Sh. Jag Ram, Safai Karamchari, LNH Hospital	03.05.2021
64.	Smt. Mamta Rani, PRT, MCPS Sultanpuri School, Rohini, North DMC	16.06.2021
65.	Sh. Rajender Pal, Safai Karamchari, North DMC	30.04.2021
66.	Dr. Ramesh Kumar, CMO, Leprosy Home Dispensary, Tahirpur, East DMC	19.05.2021
67.	Sh. Mohan Singh Negi, O.T. Assistant, CAMO/CNZ/South DMC, Lajpat Nagar	02.05.2021
68.	Dr. Ramesh Kumar Himthani, HOD, Deptt of Gastroenterology, Batra Hospital	01.05.2021
69.	*Sh. Rohit, Cont. Conductor, DTC*	06.05.2021
70.	Sh. Sunil Kumar, Conductor, DTC	22.05.2021
71.	Dr. Sanjay Kumar Gupta, MS (AIIA)	12.12.2020
72.	Sh. Rajeev Malhotra, Dark Room Assistant, Bhagwan Mahavira Hospital	07.05.2021
73.	Dr. Md. Yasir Naseem, Sr. Resident, Escorts FORTIS	21.06.2020
74.	Dr. Anil Kumar Wahal, CMO (SAG), Hindu Rao Hospital/North DMC	11.05.2021
75.	Dr. Perpetua Minj Tigga, CMO (SAG), M&CW Center Tilak Nagar, SDMC	03.05.2021
76.	Sh. Pradeep Kumar, Nursing orderly, DGD, Majra Dabas	26.05.2021
77.	Sh. Arvind Jha, MS and Consultant ENT at Ayushman Hospital & Health Services	24.11.2020
78.	Sh. Mahabir Prasad, Pharmacist, RTRM Hospital	20.04.2021
79.	Sh. Anil Kumar Garg, Ex-Manager (Mech.), DTC	29.05.2021
80.	Dr. Ujjal Kumar Ghosh, Aam Aadmi Mohalla Clinic, Dhichaon Kalan under CDMO, South West District	15.06.2020
81.	Dr. Chandra Mani Sahoo, Aam Aadmi Mohalla Clinic, Shiv Vihar phase-X	18.11.2020
82.	Dr. Sheela Chhokra, Medical Officer, IDHS, North West Delhi	04.05.2021
83.	Sh. Krishan Pal, Stretcher Bearer, Guru Nanak Eye Centre	28.04.2021
84.	Ms. Poonam Nagar, Ex-Nursing Officer, GTB Hospital	04.12.2020
85.	Dr. Harpal Singh, Aam Aadmi Mohalla Clinic, DJB Site, 40 MGD Sewage Treatment Plant, Shivram Park, New Delhi	10.05.2021
86.	Sh. Arun Sood, Pharmacist, SPUHC Samta Vihar, O/o IDHS, Central District, Delhi State Health Mission, GNCTD	29.05.2021
87.	Sh. Sunil Dutt, Nursing Orderly, Deen Dayal Upadhyay Hospital	30.11.2020
88.	Sh. Vivek Kumar Bisht, Prosthetist cum Orthotist, St. Stephen's Hospital	13.06.2020
89.	Smt. Rachel Joseph, Quality Manager, Blood Bank, Medeor Hospital	17.06.2020
90.	Sh. Sundeep Kumar Sharma, Accounts Officer, CATS	03.07.2020
91.	Sh. Amit Kumar, Constable, Delhi Police	05.05.2020
92.	Sh. Satpal, Nursing Orderly, South East District, DGHS	28.11.2020
93.	Sh. Sanjay Manchanda, Pharmacist, M&CW Centre Janakpuri, West Zone, SDMC	09.11.2020
94.	Sh. Virender Kumar, Sanitation Worker (Out Sourced), GBSSS, Kalyanpuri, Delhi	24.05.2020
95.	Sh. Ravi Kumar Singh, Jr. Assistant, Maulana Azad Medical College	16.04.2021
96.	Sh. Mohd. Yasin, Primary Teacher, Masihgarh SDMC Primary School, SDMC	29.08.2020
97.	Sh. Bhuwan Chand, ASI (Exe./SGD), No.7065/DAP, Delhi Police	28.08.2020

ARVIND KUMAR
SDM (HQ),
O/o The Divisional Commissioner
Revenue Department, GNCTD
5, Sham Nath Marg, Delhi-54

140. श्री प्रेम चौहानः क्या माननीय **मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सिविल डिफेंस वॉलंटियरों की सेवाएँ समाप्त किए जाने संबंधी आदेश की तिथि बताएँ;

(ख) बस मार्शल के रूप में कार्यरत इन वॉलेंटियरों को पुनः लगाए जाने के संबंध में क्या तत्कालीन राजस्व मंत्री ने कोई निर्देश जारी किया था; और

(ग) क्या इन निर्देशों का पालन किया गया था, यदि हाँ, तो उसका विवरण और यदि नहीं तो कारण बतायें?

मुख्यमंत्रीः (क) सिविल डिफेंस वॉलंटियरों की सेवाएँ दिनांक 31 अक्टूबर, 2023 को महानिदेशालय नागरिक सुरक्षा के पत्र द्वारा समाप्त कर दी गई।

(ख) इस संदर्भ में राजस्व विभाग के पास कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है।

(ग) उपरोक्तानुसार लागू नहीं होता है।

141. सुश्री आतिशीः क्या माननीय **मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मार्च 2023 में कितने सिविल डिफेंस वालंटियर कॉल आउट ड्यूटी पर थे और इनमें से कितनों को बस मार्शल के रूप में तैनात किया गया था;

(ख) क्या मार्च 2023 से अक्टूबर 2023 के दौरान इन वालंटियरों के 'कॉल आउट' के बारे में राजस्व विभाग या वित्त विभाग द्वारा कोई विचार/टिप्पणियाँ/आपत्तियाँ व्यक्त की गई थीं, यदि हाँ तो व्यक्त की गई इन आपत्तियों/टिप्पणियों/विचारों की तिथिवार, अधिकारीवार व मंत्रीवार सूची दें;

(ग) मार्च 2023 से अक्टूबर 2023 के बीच डिवीजनल कमिश्नर, वित्त विभाग के समस्त अधिकारियों, राजस्व मंत्री व वित्त मंत्री की 'नोटिंग्स' का विवरण प्रदान करें;

(घ) मार्च 2023 से अक्टूबर 2023 की अवधि के लिए इन वॉलंटियरों को उनकी सेवाओं हेतु भुगतान कब किया गया, व उनकी कॉल ड्यूटी किस तारीख को रोक दी गई;

(ङ) क्या वर्तमान सरकार की उन सिविल डिफेंस वालंटियरों को पुनः लगाने की कोई योजना है, जो मार्च 2023 में कॉल आउट ड्यूटी पर थे; और

(च) यदि हाँ, तो कब तक?

मुख्यमंत्रीः (क) मार्च 2023 में 10762 सिविल डिफेंस स्वयंसेवक कॉल आउट ड्यूटी पर थे और 8554 को बस मार्शल के रूप में तैनात किया गया था।

(ख) और (ग) वालंटियरों के 'कॉल आउट' को बारे में राजस्व विभाग एवं वित्त विभाग के अधिकारियों एवं मंत्रियों की तिथिवार विचारों/टिप्पणियों/आपत्तियों की सूची एवं प्रतिलिपि अनुलग्न–'क' संलग्न है।

(घ)
- सभी बस मार्शलों का मार्च, 2023 से जून, 2023 तक की सेवाओं का भुगतान समय पर कर दिया गया था।
- जुलाई, 2023 से अक्टूबर, 2023 की सेवाओं का भुगतान नवम्बर, 2023 में कर दिया गया था।
- स्वयंसेवकों की कॉल ड्यूटी निदेशालय नागरिक सुरक्षा (मु.) के आदेश दिनांक 31.10.2023 द्वारा समाप्त कर दी गई थी।

(ङ) अभी कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

(च) उपरोक्तानुसार लागू नहीं होता।

142. श्री मुकेश कुमार अहलावतः क्या माननीय **मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना किस वर्ष में आरंभ की गई थी;

(ख) तीर्थ यात्रा पर जाने वाले लाभान्वितों को क्या सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं;

(ग) क्या इस योजना के लिए लाभान्वितों से कोई शुल्क/लागत ली जाती है;

(घ) इस योजना के अंतर्गत आने वाले गंतव्य-स्थलों की सूची उपलब्ध करायें;

(ङ) इस योजना के अंतर्गत जितनी रेलगाड़ियाँ चलाई गई उनका वर्षवार एवं गंतव्य स्थानवार विवरण उपलब्ध करायें;

(च) इस योजना के अंतर्गत लाभान्वितों का वर्षवार एवं गंतव्य स्थानवार विवरण उपलब्ध करायें;

(छ) क्या वर्तमान सरकार इस योजना को जारी रखने जा रही है; और

(ज) यदि हाँ, तो इसके लिए पंजीकरण दुबारा कब से आरंभ हो रहे हैं?

मुख्यमंत्रीः (क) मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना कैबिनेट निर्णय संख्या 2543 दिनांक 09.01.2018 के बाद आरंभ की गई।

(ख) तीर्थ यात्रा पर जाने वाले लाभान्वितों को प्रदान की जाने वाली सुविधाएँ निम्नलिखित हैं:-

1. स्टेशन तक बस में यात्रा।

2. ट्रेन से तीर्थ स्थल तक यात्रा।

3. होटल में रहने की व्यवस्था।

4. यात्रा में भोजन की पूरी व्यवस्था।

5. मेडिकल सहायता।

(ग) यह योजना नि:शुल्क सुविधा के तौर पर लाभान्वितों को दी जाती है।

(घ) तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत आने वाले गंतव्य स्थलों की सूची निम्नलिखित हैं:-

1. रामेश्वरम
2. द्वारकाधीश
3. जगन्नाथपुरी
4. तिरूपती
5. शिरडी
6. अयोध्या
7. उज्जैन
8. अजमेर
9. अमृतसर
10. वैष्णोदेवी।

(ङ) सूची अननुलग्नक-'क' संलग्न है।

(च) उपरोक्तानुसार।

(छ) अभी कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

(ज) उपरोक्तानुसार लागू नहीं होता।

अनुलग्नक-'क'

(1/3)

MMTY DETAILS - 12.07.2019 TO 29.02.2024								
S.No	Sector	Date	Applicant	Attendant	Spouse	Total	Volunteer	Including Volunteer Total
1	Amritsar	12.07.19	800	95	89	984	35	1019
2	Jammu Katra	20.07.19	713	163	97	973	25	998
3	Amritsar	05.08.19	686	191	76	953	32	985
4	Amritsar	04.09.19	610	287	71	968	25	993
5	Ajmer	11.09.19	537	217	55	809	25	834
6	Rameshwaram	14.09.19	552	389	57	998	19	1017
7	Jagannath Puri	19.09.19	586	338	74	998	41	1039
8	Jammu Katra	23.09.19	621	295	67	983	25	1008
9	Rameshwaram	27.09.19	556	370	42	968	15	983
10	Ujjain	29.09.19	499	427	28	954	25	979
11	Rameshwaram	09.10.19	573	346	53	972	30	1002
12	Jammu Katra	10.10.19	561	353	56	970	42	1012
13	Rameshwaram	16.10.19	544	392	33	969	7	976
14	Tirupati	18.10.19	560	376	34	970	13	983
15	Rameshwaram	29.10.19	540	393	36	969	24	993
16	Dwarkadhish	30.10.19	536	409	30	975	30	1005
17	Tirupati	31.10.19	550	404	36	990	28	1018
18	Shirdi	07.11.19	522	412	34	968	30	998
19	Dwarkadhish	08.11.19	516	397	55	968	30	998
20	Tirupati	09.11.19	511	392	65	968	25	993
21	Ujjain	14.11.19	504	419	45	968	30	998
22	Jammu Katra	16.11.19	530	393	45	968	30	998
23	Amritsar	17.11.19	614	273	81	968	4	972
24	Rameshwaram	19.11.19	563	379	26	968	26	994
25	Tirupati	20.11.19	528	405	35	968	23	991
26	Jagannath Puri	22.11.19	536	384	50	970	30	1000
27	Dwarkadhish	23.11.19	507	415	47	969	30	999
28	Shirdi	28.11.19	516	422	33	971	24	995
29	Dwarkadhish	29.11.19	500	433	35	968	27	995
30	Shirdi	30.11.19	505	439	24	968	28	996
31	Rameshwaram	01.12.19	543	387	38	968	30	998
32	Rameshwaram	05.12.19	507	450	11	968	30	998
33	Tirupati	06.12.19	517	428	23	968	30	998
34	Dwarkadhish	07.12.19	502	433	33	968	30	998
35	Rameshwaram	19.12.19	531	403	34	968	30	998

Arvind Kumar
SDM (HQ).

7

(2/3)

36	Dwarkadhish	02.01.20	498	413	57	968	30	998
37	Ayodhya	03.12.21	564	367	39	970	30	1000
38	Ayodhya	10.12.21	578	344	36	958	30	988
39	Dwarkadhish	18.12.21	505	425	40	970	30	1000
40	Rameshwaram	03.01.22	531	412	27	970	30	1000
41	Dwarkadhish	14.02.22	553	375	42	970	30	1000
42	Rameshwaram	18.02.22	533	391	46	970	30	1000
43	Jagannath Puri	19.02.22	518	398	54	970	30	1000
44	Dwarkadhish	21.02.22	547	372	51	970	30	1000
45	Rameshwaram	28.02.22	526	396	48	970	30	1000
46	Jagannath Puri	01.03.22	536	395	39	970	30	1000
47	Dwarkadhish	07.03.22	548	389	33	970	30	1000
48	Rameshwaram	09.03.22	522	413	35	970	30	1000
49	Ayodhya	10.03.22	570	372	28	970	30	1000
50	Rameshwaram	23.03.22	536	407	27	970	30	1000
51	Dwarkadhish	26.03.22	540	392	38	970	30	1000
52	Rameshwaram	30.03.22	523	407	40	970	30	1000
53	Rameshwaram	14.04.22	520	421	29	970	24	994
54	Dwarkadhish	17.04.22	529	416	25	970	25	995
55	Shirdi	20.04.22	511	417	42	970	25	995
56	Rameshwaram	24.04.22	531	382	57	970	29	999
57	Dwarkadhish	26.04.22	563	368	39	970	30	1000
58	Tirupati	29.04.22	530	403	37	970	30	1000
59	Rameshwaram	08.05.22	522	384	64	970	28	998
60	Dwarkadhish	18.05.22	568	357	45	970	30	1000
61	Jagannath Puri	28.05.22	517	438	15	970	30	1000
62	Dwarkadhish	01.06.22	543	385	42	970	30	1000
63	Rameshwaram	08.06.22	513	420	37	970	30	1000
64	Dwarkadhish	19.06.22	526	420	24	970	30	1000
65	Rameshwaram	27.06.22	526	415	29	970	30	1000
66	Dwarkadhish	02.07.22	543	396	31	970	30	1000
67	Rameshwaram	05.07.22	527	419	24	970	29	999
68	Jagannath Puri	11.07.22	507	434	29	970	30	1000
69	Dwarkadhish	14.07.22	544	399	27	970	30	1000
70	Rameshwaram	19.07.22	518	425	27	970	30	1000
71	Jagannath Puri	28.07.22	523	429	18	970	30	1000
72	Dwarkadhish	26.06.23	328	234	18	580	20	600
73	Dwarkadhish	12.08.23	414	313	28	755	25	780
74	Dwarkadhish	23.08.23	408	331	16	755	25	780

P.K.

Arvind Kumar
SDM (HQ).

75	Jagannath Puri	01.09.23	398	331	26	755	25	780
76	Rameshwaram	12.09.23	410	308	37	755	25	780
77	Dwarkadhish	21.09.23	385	337	33	755	25	780
78	Ayodhya	28.09.23	405	319	31	755	25	780
79	Rameshwaram	05.10.23	411	316	28	755	25	780
80	Dwarkadhish	26.10.23	412	315	28	755	25	780
81	Dwarkadhish	02.11.23	398	331	26	755	25	780
82	Rameshwaram	16.11.23	427	308	20	755	25	780
83	Dwarkadhish	25.11.23	387	346	22	755	25	780
84	Dwarkadhish	18.12.23	387	339	29	755	25	780
85	Rameshwaram	30.12.23	409	315	31	755	25	780
86	Rameshwaram	08.01.24	397	334	24	755	25	780
87	Dwarkadhish	17.01.24	389	344	22	755	25	780
88	Rameshwaram	27.01.24	402	312	41	755	25	780
89	Tirupati	05.02.24	400	325	30	755	25	780
90	Rameshwaram	12.02.24	409	325	21	755	25	780
91	Dwarkadhish	21.02.24	391	335	29	755	25	780
92	Dwarkadhish	29.02.24	387	345	23	755	25	780
	Total		**47019**	**33868**	**3532**	**84419**	**2508**	**86927**

Arvind Kumar
SDM (HQ)

143. श्री विरेन्द्र सिंह कादियान: क्या माननीय **मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मैनुअल स्कैवेंजिंग के दौरान मृत्यु होने पर दिल्ली सरकार कितना मुआवजा देती है;

(ख) जिन परिवारों ने अब तक ऐसा मुआवजा प्राप्त किया है उनका केसवार विवरण और दी गई धनराशि की जानकारी दें;

(ग) क्या यह सच है कि माननीय उच्चतम न्यायालय ने इस मुआवजे को बढ़ाए जाने का आदेश दिया है, यदि हाँ, तो कितना;

(घ) जिन्हें पहले ही यह मुआवजा दिया जा चुका है उन्हें संशोधित राशि प्रदान किए जाने के संबंध में माननीय उच्च न्यायालय के क्या निर्देश थे और क्या तत्कालीन मंत्री महोदय ने उच्च न्यायालय के आदेशों के पालन हेतु कोई निर्देश जारी किए थे;

(ङ) क्या दिल्ली सरकार ने इन आदेशों का पालन किया है, यदि हाँ, तो कितने परिवारों को अतिरिक्त राशि प्राप्त हुई है, यदि नहीं, तो उसके कारण क्या हैं; और

(च) क्या मौजूदा सरकार की इस अतिरिक्त राशि का भुगतान करने की कोई योजना है, यदि हाँ, तो कब तक?

मुख्यमंत्री: (क) मैनुअल स्कैवेंजिंग के दौरान मृत्यु होने पर दिल्ली सरकार ₹10 लाख की मुआवजा राशि देती थी, जो माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश दिनांक 20.10.2023 के द्वारा ₹10 लाख से बढ़ाकर ₹30 लाख कर दी गई है।

(ख) सूची अनुलग्नक–'क' संलग्न है।

(ग) जी हाँ, माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश दिनांक 20.10.2023 के द्वारा ₹10 लाख से बढ़ाकर ₹30 लाख कर दी गई है।

(घ) मामला माननीय उच्चतम न्यायालय/उच्च न्यायालय में लंबित है।

(ङ) उपरोक्तानुसार।

(च) माननीय न्यायालयों के अगले निर्देशानुसार।

(1/2)

अनुलग्नक–'क'

मैनुअल स्कैवेंजिंग में मृतकों व मुआवजा प्रदान की सूची

क्रम संख्या	जिला	मृतक का नाम	मृतक के पिता/पति का नाम	एफ०आई०आर० संख्या	मुआवजा राशि
1	नई दिल्ली	चंदन डोलाई	धिरेन्द्र नाथ डोलाई	0553/2016	10 लाख रूपये
2		अनिल कुमार	गयान चन्द	0325/2017	10 लाख रूपये
3		बलवीर सिंह उर्फ बिल्लू	सत्नाम सिंह	0325/2017	10 लाख रूपये
4		दिपू कुमार	बमभोला दुबे	0325/2017	10 लाख रूपये
5		स्वरन सिंह	गुरमीत कौर	0325/2017	10 लाख रूपये
6	शाहदरा	श्रीमती शाहीन	मो. जाहगीर	385/17	10 लाख रूपये
7		श्रीमती बेबी	मो. ऐजाज	385/17	10 लाख रूपये
8		श्री जयपाल	श्री पृथ्वी	267/13	10 लाख रूपये
9		श्री सोनू भाई	श्री रवि	49/20	10 लाख रूपये
10		बिन्दु देवी	श्री राजेश महतो	124/2009	10 लाख रूपये
11		श्रीमती शैलेश देवी	श्री नर सिंह	124/2009	10 लाख रूपये
12		श्रीमती भोईनी देवी	श्री अजीत भण्डारी	0023/2011	10 लाख रूपये
13	दक्षिण–पश्चिम	हरकेश	–	–	10 लाख रूपये
14		अनिल	–	–	10 लाख रूपये
15	पूर्व	मोहन	फूलसिंह	354/17, सेक्शन 304	10 लाख रूपये
16		अन्नू	राजवीर सिंह	354/17, सेक्शन 304	10 लाख रूपये
17		जोगिन्दर	धर्मपाल	354/17, सेक्शन 304	10 लाख रूपये
18		प्रेमचन्द	भगीरथ	104/2021, सेक्शन 173 सी०आर०पी०सी०	14 लाख 12 हजार पाँच सौ रूपये
19		लोकेश	बाबू	104/2021, सेक्शन 173 सी०आर०पी०सी०	14 लाख 12 हजार पाँच सौ रूपये

Arvind Kumar
SDM (HQ)

1212

20	पूर्व	पूरन कुमार खोरा	मदन खोरा	945/2004	10 लाख रूपये (मृतक के निकटतम सम्बन्धी)
21		रियाज	शेख सत्तार	945/2004	10 लाख रूपये (मृतक के निकटतम सम्बन्धी)
22		यशदेव	गजय बंसल	326/2022	10 लाख रूपये (मृतक के निकटतम सम्बन्धी)
23		नितेश	सतेन्द्र सिंह	326/2022	10 लाख रूपये (मृतक के निकटतम सम्बन्धी)
24	दक्षिण	महेश चंद	हरि चंद	446/2010	10 लाख रूपये
25		मुन्ना	लक्ष्मण	75/2018	10 लाख रूपये
26		संजय	–	304 ए, आईपीसी सेक्शन 7 व 9 ऑफ एमएस एक्ट, 2013 सेक्शन 3 (1) जे ऑफ एससी/एसटी (पीओए)	10 लाख रूपये
27	दक्षिण–पूर्व	रामफल	हिरावन लाल	328/2011	10 लाख रूपये
28		देवेंद्र	कारण सिंह	0471/2020	10 लाख रूपये
29	उत्तर–पूर्व	अमरजीत सिंह	धन्नी सिंह	47/2023	10 लाख रूपये

Arvind Kumar
SDM (HQ),

144. श्री जितेन्द्र महाजनः क्या माननीय **मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्व विभाग द्वारा दिल्ली नगर निगम द्वारा बुक्ड संपत्ति की रजिस्ट्री करवाने की प्रक्रिया बताई जाए;

(ख) शाहदरा जिला द्वारा पिछले 5 वर्षों में किन बुक्ड संपत्ति की रजिस्ट्री की गई उनकी सूची उपलब्ध कराई जाए;

(ग) बुक्ड संपत्ति की जानकारी देने वाले पोर्टल के संचालन की जिम्मेवारी किस विभाग की है। जानकारी उपलब्ध कराई जाए;

(घ) बुक्ड संपत्ति पर बैंक से लोन लेने के लिए राजस्व विभाग की अनुमति की आवश्यकता है या नहीं, जानकारी उपलब्ध कराई जाए;

(ङ) 200 वर्ग मीटर के प्लाट पर निर्माण किए गए कितने फ्लैटों की रजिस्ट्री करने का प्रावधान है;

(च) किसी भी संपत्ति की रजिस्ट्री को निरस्त करने की प्रक्रिया बताई जाए;

(छ) 5 वर्षों में सब रजिस्ट्रार कार्यालय के कितने कर्मचारियों के खिलाफ नियमों का पालन न करने के लिए कार्रवाई की गई है, इन कर्मचारियों की सूची उपलब्ध कराई जाए तथा की गयी कार्रवाई की जानकारी उपलब्ध कराई जाए;

(ज) रोहतास नगर विधानसभा में स्थित D-Lit लैंड की जानकारी उपलब्ध कराई जाए; और

(झ) क्या D-Lit लैंड पर निर्माण किए गए व्यवसायिक तथा रिहायशी भवनो की रजिस्ट्री हो सकती है, जानकारी उपलब्ध कराई जाए?

मुख्यमंत्रीः (क) दिल्ली नगर निगम द्वारा बुक्ड संपत्तियों की रजिस्ट्री सामान्य रजिस्ट्रियों को ही तरह होती है। लेकिन, दिल्ली नगर निगम के आदेश दिनांक 09 मई, 2006 के अनुसार बुक्ड संपत्तियों की रजिस्ट्री के पहले और आखिरी पन्ने पर लाल रबर स्टैम्प को मुद्रित किया जाता है, जो कि बुक्ड संपत्तियों की रजिस्ट्री की पहचान करता है।

(ख) रजिस्ट्रीय का कार्य पूर्ण रूप से ऑनलाइन होता है। वर्तमान में एन. जी.डी.आर.एस. और पूर्व में डोरिस पोर्टल पर किया जाता है, परन्तु दोनों ही पोर्टल पर बुक्ड संपत्तियों की रजिस्ट्री को खोजने का कोई विकल्प नहीं है। पिछले 5 वर्षों की बुक्ड संपत्तियों की रजिस्ट्री को चिन्हित करने का काम मैन्युअली करना पड़ेगा जिसके लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता है।

(ग) बुक्ड संपत्तियों की जानकारी देने वाले पोर्टल के संचालन की जिम्मेदारी दिल्ली नगर निगम की होती है।

(घ) पंजीकरण अधिनियम 1908 के तहत बुक्ड संपत्तियों पर बैंक से लोन लेने के लिए राजस्व विभाग की अनुमति की आवश्यकता नहीं है।

(ङ) रेरा विभाग, दिल्ली के आदेश दिनांक 11 सितंबर, 2023 के अनुसार केवल चार आवासीय ईकाइयों की अनुमति दी गई है।

(च) माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के उपरान्त ही सम्पत्ति की रजिस्ट्री को निरस्त किया जा सकता है।

(छ) 5 वर्षों में सब रजिस्ट्रार कार्यालय के कर्मचारियों के खिलाफ नियमों का पालन न करने के लिए कार्रवाई की सूची अनुलग्नक–'क' संलग्न है।

(ज) D-Lit लैंड संबंधित किसी भी तरह की जानकारी दिल्ली नगर निगम एवं राजस्व विभाग के पास उपलब्ध नहीं है।

(झ) उपरोक्तानुसार।

अनुलग्नक–'क'

5 वर्षों में सब–रजिस्ट्रार कार्यालय के कर्मचारियों के खिलाफ की कार्यवाही की सूची

क्रम सं०	सब–रजिस्ट्रार कार्यालय के कर्मचारी का नाम	सब–रजिस्ट्रार कार्यालय	जिला	कार्यवाही की जानकारी
1.	श्री मनोज कुमार, उप पंजीयक–IIB	जनकपुरी	पश्चिम	सतर्कता निदेशालय द्वारा आरोप पत्र जारी।
2.	श्री प्रवीन चाहर, कनिष्ठ सहायक			सतर्कता निदेशालय द्वारा आरोप पत्र जारी।
3.	सुश्री शीलू चौपड़ा, उप पंजीयक–IIA	पंजाबी बाग		ड्राफ्ट आरोप पत्र सतर्कता निदेशालय को भेजा गया।
4.	श्री डी.सी. साहू, उप पंजीयक		दक्षिण	ये अधिकारी निलंबित किए गए हैं और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।
5.	सुश्री शोभा टोला, उप पंजीयक			
6.	श्री ए.के.राव, उप पंजीयक–IXA	नजफगढ़	दक्षिण–पश्चिम	2022 में निलंबित किया गया जो अपने रिटायरमेंट की तिथि 31 जनवरी तक निलंबित रहे अभी इनके केस का फैसला नहीं हुआ है।
7.	सुमिता शर्मा, उप–पंजीयक	लिबासपुर	उत्तर	
8.	श्री कुलदीप सिंह, उप पंजीयक–IVB	विवेक विहार	शाहदरा	शाहदरा जिले के भूतपूर्व उप–पंजीयक के विरूद्ध सतर्कता विभाग द्वारा सीबीआई चण्डीगढ मामले में मांगे गए टिप्पणी सतर्कता विभाग को अग्रेषित करने के लिए सक्षम प्राधिकारी को प्रस्तुत कर दिया गया है।
9.	श्रीमती रेणु मैस्सी, उप पंजीयक			
10.	विमल कुमार			निलंबित किए गए थे।

उप मण्डलीय दण्डाधिकारी–2 (मुख्यालय)

ARVIND KUMAR
SDM (HQ),
O/o The Divisional Commissioner
Revenue Department, GNCTD
5, Sham Nath Marg, Delhi-54

145. श्री विशेष रविः क्या माननीय **लोक निर्माण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) करोलबाग विधानसभा क्षेत्र में सौंदर्यीकरण के संबंध में कार्रवाई हेतु लोक निर्माण विभाग को लिखित पत्र संख्या 127683 दिनांक 01/11/2024 पर क्या कार्रवाई की गई है;

(ख) यदि नहीं की गई तो क्यों नहीं की गई और उसके लिए कौन–कौन से अधिकारी जिम्मेदार हैं; और

(ग) उपर्युक्त संबंध में कार्रवाई और इस समस्या का समाधान कब तक होगा?

लोक निर्माण मंत्रीः (क) करोलबाग विधानसभा क्षेत्र में सौंदर्यीकरण के संबंध में कार्रवाई हेतु लोक निर्माण विभाग को लिखित पत्र सं. 127683 दिनांक 01.11.2024 (प्रतिलिपि संलग्न) में 3 मांगे शामिल है। क्रम सं. 1 और 3 के लिए प्रारम्भिक अनुमान तैयार कर माननीय विधायक को दिल्ली उच्च न्यायालय एवं नई दिल्ली सैंट्रल कार्यालय के पत्र सं. 23(16)/दि.उ.न्याय. एवं एनडी./सैंट्रल/2045 दिनांक 04.12.2024 (प्रतिलिपि संलग्न) द्वारा विधायक फंड से स्वीकृति अर्पित करने हेतु भेजा गया है एवं क्रम सं. 2 के अनुसार Water Fountain के लिए पर्याप्त भूमि नहीं है। यह माननीय विधायक जी को बैठक के दौरान सूचित कर दिया गया था।

(ख) उपरोक्त के संदर्भ में यह लागू नही।

(ग) क्रम संख्या 1 से 3 के संदर्भ में भेजे गये प्रारंभिक अनुमान की स्वीकृति प्राप्त होने के उपरान्त आगे की कार्यवाही की जाएगी।

Vishesh Ravi
- Chairman
- Committee on Welfare of Scheduled Castes Scheduled Tribes
- Dr. NC Joshi Memorial Hospital
Member
- Committee on Papers Laid on the Table
- Committee on Salary & other Allowances of Member of Delhi Legislative Assembly
- Committee on Welfare of Students & youth
- ASU Tibbia College and Hospital

M.L.A.
Karol Bagh, AC-23
1-10/542, Military Road, Bapa Nagar
Karol Bagh, New Delhi-5
Mobile : +91 9953750914
Mobile : +91 8588833423
Help Line No. : 011-25756954
E-mail: delhidvs@gmail.com

Ref. No. 27633/1/11/2024
Dated 1/11/2024

Reminder-1

To.
Executive Engineer (Electrical)
Public Works Department
M-451, MSO Building
Ground Floor, ITO, Delhi-110002.

Sub:- Requirement of Beautification works in Karol Bagh.

Sir.
You are requested to provide the following works at various places in Karol Bagh Constituency-

1. LED Glow Signage Board similar to G-20 Logo. 6 Nos.
2. Construction of Water Fountains i/c Operation & Maintenance 3 Nos.
3. Neon LED Frame work like statue of Dr. Ambedkar Buddha, Guru Ravi Dass, Shahid Bhagat Singh etc. at no of Location 5.

This is for your kind information and urgent necessary action please.

Thanking You,

Vishesh Ravi

146. श्री विशेष रविः क्या माननीय **लोक निर्माण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) करोलबाग विधानसभा क्षेत्र में 8 गोल चक्करों पर प्रकाश व्यवस्था द्वारा सौंदर्यीकरण के संबंध में कार्रवाई हेतु लोक निर्माण विभाग को लिखित पत्र संख्या 127020 दिनांक 19/07/2024 पर क्या कार्रवाई की गई है;

(ख) यदि नहीं की गई तो क्यों नहीं की गई और उसके लिए कौन-कौन से अधिकारी जिम्मेदार हैं; और

(ग) उपर्युक्त संबंध में कार्रवाई व इस समस्या का समाधान कब तक होगा?

लोक निर्माण मंत्रीः (क) माननीय विधायक जी के पत्र क्रमांक 127020 दिनांक 19/07/2024 (प्रतिलिपि संलग्न) के द्वारा 30 स्थलों के सौंदर्यीकरण करने का अनुरोध किया गया था और बाद में उनके पत्र सं. 127685 दिनांक 1/11/2024 (प्रतिलिपि संलग्न) द्वारा 8 गोल चक्करों के लिए अनुरोध को संशोधित कर दिया गया था। 8 गोल चक्कर लोक निर्माण विभाग के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।

उपरोक्त कार्य के लिए प्राक्कलन तैयार किये जा रहे हैं तथा 15 दिनों के भीतर प्राक्कलन प्रस्तुत कर दिये जाएंगे।

(ख) उपरोक्त 'क' के संदर्भ में लागू नहीं है।

(ग) उपरोक्त 'क' के संदर्भ में लागू नहीं है।

Vishesh Ravi
Chairman
- Committee on Welfare of Scheduled Castes Scheduled Tribes
- Dr. HC Joshi Memorial Hospital
Member
- Committee on Papers Laid on the Table
- Committee on Salary & other Allowances of Member of Delhi Legislative Assembly
- Committee on Welfare of Students & youth
- A&U Tibbia College and Hospital

सत्यमेव जयते

M.L.A.
Karol Bagh, AC-23
I-10/542, Military Road, Bapa Nagar
Karol Bagh, New Delhi-5
Mobile : +91 8953758914
Mobile : +91 8588833423
Help Line No. : 011 -25756884
E-mail: delhidvs@gmail.com

Ref. No. 127020/19/7/2024
Dated 19/7/2024

Executive Engineer (Electrical)
Public Works Department
Shajahanabad redevelopment Division,
Downstream Yamuna, Western Bank,
Loknayak Setu, ITO, New Delhi-110002.

Subject: Request for Beautification Work Through Lighting at Thirty Nine Roundabouts in Karol Bagh Assembly

Sir,

I trust this letter finds you in good health. As the elected representative for Karol Bagh, I am writing to bring to your attention a matter of aesthetic and infrastructural enhancement that would greatly benefit the community and residents in the area.

I would like to request your support and intervention in undertaking beautification work through improved lighting at eight key roundabouts within the Karol Bagh Assembly. These roundabouts play a significant role not only in traffic management but also in contributing to the overall visual appeal and ambiance of the surroundings.

The identified roundabouts are as follows:-

1. Liberty to Chakkar Guru Ravidas Marg
2. Dr. Ambedkar Chowk Arya Samaj Road
3. 6 Market in Tooti Chowk, Paharganj
4. Arambag Chowk Arambag Road
5. Khajoor Road Chowk Khajoor Road
6. Baba Dalai Singh Chowk
7. Panchkuiya Roundabout
8. Jhandewalan Roundabout
9. East Park Road near Guru Ravidas ji mural
10. Ramjas Road
11. -Military Road
12. -Kamal T point, Rohtak Road
13. -DB Gupta Road
14. Main Bazar Pahar ganj
15. Ajmal Khan Road
16. Arya Samaj Road
17. Padam Singh Road
18. Hardhayan Singh Road

P-16

20. Desh Raj Bhatia Marg
21. Nehru Bazaar Marg
22. Rani Jhansi Road
23. Pyarelal Road
24. Tank Road
25. Ganga Mandir Marg
26. Vishnu Mandir Marg
27. Abdul Aziz Marg
28. Sh Krishan Dass Road
29. East Park Road
30. Khajoor Road
31. Rohtak Road
32. Gangeshwar Dham Marg
33. Sant Sujan Singh Marg
34. Saraswati Marg
35. Road no 5
36. Road No 4
37. Road no 3
38. Gaushala Road
39. Manak Pura sabzi bazar Marg

I believe that by enhancing the lighting infrastructure at these roundabouts, we can create a more visually appealing and safer environment for both

Pedestrians and motorists. Well-lit areas contribute to the overall security of the locality and encourage community engagement.

I kindly request the Public Works Department to allocate the necessary resources for the installation of aesthetically pleasing and energy-efficient lighting fixtures at these roundabouts. Additionally, please ensure that the lighting design takes into consideration the architectural and cultural significance of the surrounding areas.

Thank you for your time and consideration,

Regards

VISHESH RAVI, MLA (AC-23) Karol Bagh, New Delhi-5

Vishesh Ravi

M.L.A.
Karol Bagh, AC-23
I-16/542, Military Road, Bapa Naga
Karol Bagh, New Delhi-5
Mobile : +91 9953758914
Mobile : +91 8588833423
Help Line No : 011 -25756664
E-mail: delhidvs@gmail.com

Ref. No. 127635 (1/11/2024
Dated 1/11/2024

Reminder-1

Executive Engineer (Electrical)
Public Works Department
M-51, MSO Building,
Ground Floor, ITO, Delhi-110002.

Subject: Request for Beautification Work Through Lighting at Eight Roundabouts in Karol Bagh Assembly.

Sir,

I trust this letter finds you in good health. As the elected representative for Karol Bagh, I am writing to bring to your attention a matter of aesthetic and infrastructural enhancement that would greatly benefit the community and residents in the area.

I would like to request your support and intervention in undertaking beautification work through improved lighting at eight key roundabouts within the Karol Bagh Assembly. These roundabouts play a significant role not only in traffic management but also in contributing to the overall visual appeal and ambiance of the surroundings.

The identified roundabouts are as follows:-

1. Liberty to Chakkar Guru Ravidas Marg
2. Dr. Ambedkar Chowk Arya Samaj Road
3. 6 Market in Tooti Chowk, Paharganj
4. Arambag Chowk Arambag Road
5. Khajoor Road Chowk Khajoor Road
6. Baba Dalai Singh Chowk
7. Panchkuiya Roundabout
8. Jhandewalan Roundabout

I believe that by enhancing the lighting infrastructure at these roundabouts, we can create a more visually appealing and safer environment for both Pedestrians and motorists. Well-lit areas contribute to the overall security of the locality and encourage community engagement.

P.T.O.

I kindly request the Public Works Department to allocate the necessary resources for the installation of Aesthetically pleasing and energy-efficient lighting fixtures at these roundabouts. Additionally, please ensure
that the lighting design takes into consideration the architectural and cultural significance of the surrounding areas.

Thank you for your time and consideration.

Regards,

Vishesh Ra

147. श्री वीर सिंह धिंगानः क्या माननीय **लोक निर्माण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि मानसिक रोग अस्पताल (ईहबास) शाहदरा से कुछ मकानों को खतरनाक घोषित कर खाली कराया गया था;

(ख) यदि हां तो कुल कितने मकानों को खतरनाक घोषित कर खाली कराया गया था;

(ग) क्या यह भी सत्य है कि इन खाली कराए गए खंडहर मकानों को तोड़ कर फिर से यहां आवास बनाने की योजना है;

(घ) यदि हां, तो कब तक; और

(ङ) नही तो इसके क्या कारण हैं?

लोक निर्माण मंत्रीः (क) जी हाँ।

(ख) से (ङ) दिसम्बर 2022 तक IHBAS अपने भवनों एवं मकानों का रखरखाव खुद ही किया करता था। 5 दिसम्बर 2022 को IHBAS एवं PWD के मध्य हुए MoU के पश्चात IHBAS के मकानों एवं भवनों का रखरखाव 2 वर्षों तक (4 दिसम्बर 2024 तक) PWD के द्वारा Deposit Work के आधार पर किया जा रहा था। PWD को प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2011 में 160 मकानों को खतरनाक घोषित कर Demolish करने की अनुशंसा की गई थी, हालांकि इन्हें Demolish करने का कोई अनुरोध लिखित रूप से IHBAS के द्वारा PWD को अब तक प्राप्त नहीं हुआ है।

148. श्री वीर सिंह धिंगानः क्या माननीय **लोक निर्माण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि शाहदरा से दिलशाद गार्डन को जोड़ने के लिए शाहदरा सहारनपुर रेलवे लाइन के उपर से कोई फलाई ओवर बनाया गया है;

(ख) यदि हां, तो यह फलाई ओवर कब बनवाया गया था तथा इसकी कुल लंबाई कितनी है;

(ग) क्या यह भी सत्य है कि रेलवे लाइन के दोनों ओर बसी घनी आबादी को शाहदरा या दिलशाद गार्डन जाने के लिए कई किलोमीटर का चक्कर लगाकर फलाई ओवर के उपर से अपने गंतव्य तक जाना पड़ता है;

(घ) क्या यह भी सत्य है कि दोनों ओर के लोगों को आने जाने में काफी समय व पैट्रोल खर्च करना पड़ता है;

(ङ) यदि हां, तो क्या सरकार की रेलवे लाइन के नीचे से अंडर पास बनवाने की कोई योजना है; और

(च) यदि हां, तो कब तक, पूर्ण विवरण दें?

लोक निर्माण मंत्रीः (क) जी हाँ।

(ख) सन 1998-99, लंबाई 2300 मीटर है।

(ग) दिलशाद गार्डन से शाहदरा जाने के लिये रेलवे लाईन के नीचे एक अंडरपास मौजूद है। जबकि दूसरी तरफ ऐसा न होने से इस तरफ के लोगों के लिए मात्र फ्लाईओवर ही एक विकल्प है। इस कारण से उनको कुछ अधिक रूरी तय करनी पड़ती है।

(घ) उपरोक्त (ग) के अनुसार।

(ङ) ऐसी कोई योजना नहीं है।

(च) उपरोक्त (ङ) के अनुसार।

149. श्री मोहन सिंह बिष्टः क्या माननीय **लोक निर्माण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मुस्तफाबाद विधान सभा क्षेत्र में पीडब्लूडी के अंतर्गत आने वाली कुल कितनी सड़कें हैं, उनका पूर्ण विवरण दें;

(ख) उपरोक्त सड़कों के रख-रखाव के लिए क्या विभाग की कोई योजना है;

(ग) यदि हां, तो उसका पूर्ण विवरण दें;

(घ) क्या पुरानी और खराब हो चुकी पीडब्लूडी की सड़कों को नई बनाने की कोई योजना विभाग के पास विचाराधीन है; और

(ङ) यदि हां, तो उसका विवरण दें?

लोक निर्माण मंत्रीः (क) वर्तमान में मुस्तफाबाद विधानसभा का क्षेत्र इस कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में केवल 600mtr. सड़क आती है, इस सड़क का नं. 59 (गोकुलपुरी फ्लाईओवर से खजुरी चौक तक) है। जोकि इस अंचल के अधीन मंडल कार्यालय कार्यपालक अभियंता (उ.पू.) रोड़ मंडल के पत्र सं. 20(16)/सि.स.अनु.मं. एम–213/दि.स./4374 दिनांक 31.12.2029 (प्रतिलिपि संलग्न द्वारा मेट्रो फेज–IV के लिए DMRC को अस्थायी रूप से हस्तांतरित कर दिया गया है।

(ख) वर्तमान में यह रोड़ मेट्रो के पास है। मेट्रो का कार्य पूर्ण होने के पश्चात एवं लोनिवि को हस्तांतरित होने के पश्चात कोई योजना बनायी जाएगी।

(ग) उपरोक्तानुसार लागू नहीं।

(घ) पुरानी सड़कों की मरम्मत, पॉट हॉल रिपेयर, पैच वर्क करके अथवा इस सड़क का सुद्ढ़ीकरण करके किया जाता है। यह सत्त प्रक्रिया है जो सालभर यथावत रहती है।

(ङ) उपरोक्तानुसार लागू नहीं।

150. श्री कुलवंत राणाः क्या माननीय **लोक निर्माण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि रिठाला विधानसभा क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग की सड़कों की हालत बहुत खराब है और पिछले 10 वर्षों में सड़कों की बहुत अनदेखी हुई है;

(ख) क्या यह सत्य है कि रोहिणी सैक्टर–13 परवाना अपार्टमेंट के सामने लोक निर्माण विभाग की सड़क से ग्रिल चोरी हो गई है;

(ग) यदि हां, तो इस मामले पर क्या कार्यवाही की गई है और इसमें किसकी लापरवाही है; और

(घ) भविष्य में ऐसी कोई घटना न हो इसके लिये विभाग क्या योजना बना रहा है?

लोक निर्माण मंत्री: (क) रिठाला विधानसभा क्षेत्र में सड़क की सतह को मजबूत करने का काम किया जा चुका है। हालांकि, डीजेबी, टीपीडीडीएल आदि जैसे अन्य सेवा विभागों ने सड़क को काट दिया है। जिसके लिए आवश्यकतानुसार सड़क की मरम्मत की जा रही है। सड़क की सतह को मजबूत करने का काम बाकी है, जिसके लिए आवश्यक मंजूरी प्राप्त करने के लिए अनुमान सक्षम प्राधिकारी को भेजा गया है। निविदाएं मिलने के बाद काम शुरू किया जाएगा।

(ख) सत्य है।

(ग) रोहिणी सैक्टर–13 परवाना अपार्टमेंट, में जो ग्रिल चोरी हो गई थी। उसको पुन: लगवाने हेतु इस विभाग द्वारा (RCC Crash barrier estimate) प्राक्लन तैयार किया जा रहा है। इस संबंध में पुलिस विभाग को अवगत कराया गया है जिसकी प्रतिलिपि संलग्न है ताकि पुन: इस प्रकार की घटना न हो (Annexure-A)

(घ) इस संबंध में ग्रिल की जगह RCC Crash barrier लगाने की योजना बनाई जा रही है। जिसके अनुमोदन/स्वीकृति के पश्चात् पूर्ण कर लिया जाएगा।

VSQ-150 ANNEXURE-B 150

O/c

REMINDER-1

कार्यालय सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग, रा.रा.क्षेत्र दिल्ली उप मंडल उत्तर पश्चिम रोड–22 रोड नं0 43, सैनिक विहार, दिल्ली–110034 दूरभाष सं. 011– 27032479	O/O Assistant Engineer Public Works Department, (Nctd) Sub Division North West Road-22, Road No. 43, SainikVihar, Delhi-110034 Phone No.011-27032479

मिसिल सं0: 9(3)/स.अभि. लो.नि.वि उ.प.शि.(रोड)–22/2/5/8

दिनांक: 07.08.2024

सेवा में,

थाना प्रभारी,
दिल्ली पुलिस,
प्रशांत विहार, रोहिणी,
दिल्ली–110085.

विषयः स्वर्ण जयन्ती पार्क रोड (जापानी पार्क रोड), सेक्टर–9, रोहिणी, की सेन्ट्रल वर्ज पर लगी लो.नि.वि. की रेलिंगों के चोरी होने के संबंध में।

संदर्भः इस कार्यालय का समसंख्यक पत्र सं0 167–डि0 दिनांक 02.07.2024.

उपरोक्त विषय पर आपको अवगत कराना है कि इस कार्यालय के अन्तर्गत आने वाली सड़क स्वर्ण जयन्ती पार्क रोड (जापानी पार्क रोड), सेक्टर–9, रोहिणी, के सेन्ट्रल वर्ज पर लगी लो.नि.वि. की लगभग 22 नं0 रेलिंगों को अज्ञात द्वारा उखाड़ कर चोरी कर लिया गया है (साइट फोटो संलग्न)। आप महोदय के स्तर पर गम्भीर कार्यवाही न किये जाने के कारण चोरी करने वाले गिरोह का मनोबल और बढ़ रहा है जिससे ये अपराधी सड़क पर लगी सरकारी संपत्ति का नुकसान कर रहे हैं। इस प्रकार बार–बार सरकारी रेलिंगों का चोरी किये जाना अति गम्भीर विषय है। अतः इस विषय पर सरकारी संपत्ति की चोरी करने से संबंधित F.I.R दर्ज कर मामले को प्रथम प्राथमिकता देते हुए कानूनी कार्यवाही करें तथा आपके द्वारा उपरोक्त विषय पर की गई कार्यवाही से इस कार्यालय को भी अवगत करायें।

संलग्नः 1. साईट फोटो– 02 नं0./ 01 पृष्ठ।

सहायक अभियंता
लो.नि.वि. उ.प. रोड–22,
सैनिक विहार, दिल्ली–34

O/c

प्रतिलिपिः–
1. कार्यपालक अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, उत्तर पश्चिम रोड–2 को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।
2. श्री योगेन्द्र कुमार चकवर्ती, कनिष्ठ अभियन्ता, उ.प.शि. रोड–22, लो.नि.वि को आपके द्वारा दी गयी सूचना के संदर्भ में।

सहायक अभियंता,
लो.नि.वि. उ.प. रोड–22,

O/c

151. श्री अभय वर्मा: क्या माननीय **लोक निर्माण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) लक्ष्मी नगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वर्ष 2020-2021, 2021-2022, 2022-2023, 2023-2024 एवं 2024-2025 में लोक निर्माण विभाग द्वारा कौन-कौन से कार्य करवाये गये और उपरोक्त कार्यो के लिए कितनी धनराशि उपलब्ध करवायी गयी, कार्य अनुसार विस्तृत जानकारी दें;

(ख) वर्तमान में लक्ष्मी नगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग द्वारा कौन-कौन से विकास कार्य करवाये जा रहे हैं, प्रत्येक कार्य अनुसार विस्तृत सूची उपलब्ध करवायें;

(ग) क्या निकट भविष्य में मदर डेयरी रोड और पटपड़गंज रोड के सौन्दर्यीकरण व फुटपाथ बनाने के कार्य को लेकर लोक निर्माण विभाग की कोई योजना है;

(घ) यदि हाँ, तो इसकी विस्तृत जानकारी दें;

(ङ) वर्ष 2020 से लेकर 2025 तक लक्ष्मी नगर विधानसभा क्षेत्र में कुल कितने सीसीटीवी कैमरे लगाये गये और किसकी अनुशंसा से लगाये गये;

(च) क्षेत्रीय विधायक द्वारा कैमरा लगाने की अनुशंसा के बावजूद अब तक कोई भी कार्रवाई नहीं होने के क्या कारण हैं, इससे संबंघित सभी अधिकारियों के विवरण सहित विस्तृत जानकारी दें?

लोक निर्माण मंत्रीः (क) संबंधित सूचना (Annexure-A) में संलग्न है।

(ख) संबंधित सूचना (Annexure-B) में संलग्न है।

(ग) मदर डेयरी रोड़ और पटपड़गंज रोड़ के सौंदर्यीकरण का कोई भी कार्य की योजना नहीं है व मदर डेयरी रोड़ पर फुटपाथ बनाने के लिए प्राक्कलन प्रशासनिक एवं व्यय स्वीकृति हेतु भेजा गया है।

(घ) मदरडेरी रोड़ (आर.ओ.बी.–36 रोड़)–आरओबी–36 रोड़ के दोनों तरफ फुटपाथ पर नई टाइल का कार्य लगवाने के संबंध में प्रारम्भिक प्राक्कलन सक्षम अधिकारी को प्रशासनिक एवं व्यय स्वीकृति हेतु प्रेषित किया गया है।

(ङ) लक्ष्मी नगर विधानसभा क्षेत्र में कुल 2383 कैमरे लगाये जा चुके हैं। पहले चरण में 1956 एवं द्वितीय चरण में माननीय मंत्री महोदय की स्वीकृति के पश्चात् 427 कैमरे लगाये जा चुके हैं।

(च) माननीय विधायक महोदय द्वारा कैमरा लगाने की अनुशंसा के पश्चात् इस कार्यालय द्वारा सीसीटीवी कैमरों की स्वीकृति हेतु फाईल सक्षम अधिकारी को भेजी गई थी। परन्तु सक्षम अधिकारी द्वारा अनुमोदन प्राप्त न होने की वजह से कैमरों को अब तक लगवाया नहीं जा सका है।

Annexure-A

विषयः संशोधित विधानसभा अतारांकित प्रश्न सं0 माननीय विधायक जी 151 श्री अमय वर्मा दिनांक 27.03.2025 के संबंध में।

S.No.	Name of Work	A/A & E/S (Rs.)	Estimated cost (Rs.)	Tender Amount (Rs.)	Final Bill Amount	Remarks
Year-2020-2021						
1.	Strengthening of various roads of Sub-division East Road-I (Section I & II) & Sub-Division of East Road-II (Section-I & II) under Division East Road (M-212) Delhi during 2019-2020.	**22,04,73,000**	21,22,99,420	16,43,40,981	15,69,57,248	Work Completed
Year-2021-2022						
1.	Improvement of drainage system and riding surface near DM (East) office at Pusta Road Sub-Division East Road-I under PWD Division East Road, Delhi during 2021-22.	**63,79,600**	48,56,256	34,02,779	48,24,327	Work Completed
2.	Remodeling of Drain at Patparganj road from under pass to Ganesh Chowk.	**68,63,900**	66,00,821	52,52,273	64,88,056	Work Completed
Year-2022-2023						
3.	A/R & M/o to Various roads sub-division East Road-I under PWD Division East Roads/(M-212), Delhi during 2022-23. (Sh: Improvement of drainage system at Mandawali Railway underpass at patparganj road).	**A/A & E/S not *required***	25,31,351	16,45,378	16,45,378	Work Completed
4.	A/R & M/o to Various roads Sub-division East Road-I under PWD Division East Roads/(M- 212), delhi during 2022-23. (SH: Covering of existing drainage pipe line from mandawali underpass to building material shop at Patparganj road.	**A/A & E/S not required**	26,69,068	17,87,475	21,94,430	Work Completed

5.	A/R & M/o to various roads under sub-division East Road-1 of PWD Division East Roads/(M-212), Delhi during 2022-23. (SH: Repair of drain from Ganesh chowk to Mandawali Underpass at Patparganj road.	A/A & E/S not required	26,49,237	19,26,790	21,48,762	Work Completed
6.	Improvement of Direction Signage board (SH: Replacement and installation of Signage board under PWD Sub-Division East Road-I during 2022-23.	60,36,200	58,68,947	35,14,971	36,47,543	Work Completed
7.	Remodeling of Drain at ROB-36 Road from NH-24 to Jha furniture.	87,00,800	83,78,223	59,20,890	73,65,213	Work Completed
8.	Remodeling of drain at Patparganj road from NirmanVihar red light to Disued canal road.	1,96,77,600	1,94,62,653	1,24,56,098	Final Bill yet to be paid	Work Completed
9.	Raising of the Footpath, Central Verge and installation of railing at Central verge of ROB-36 road under Sub-Division, East Road-I (M-2121).	99,89,300	93,62,580	49,03,183	57,30,016	Work Completed
10.	Construction of Foot Over bridge with staircase and lifts for pedestrians across road at Ganesh chowk ROB-36.	3,73,81,000	2,96,11,240	2,58,65,418	Work yet to be start	Work yet to be start
Year-2023-2024						
1.	A/R & M/o to various roads under Sub-Division East Road-I of PWD Division East Road/(M-212) during 2023-24. (SH: Repair of Laxmi Nagar and Preet Vihar Subway's under East Road-I of East Road Division)	A/A & E/S not required	15,68,723	11,09,244	16,52,360	Work Completed

2.	A/R & M/o to various roads sub-division East Road-I under PWD Division East Road (M-212) PWD during 2023-24. (SH: Misc. Civil works at ROB-36 Road)	**A/A & E/S not required**	42,07,936	17,45,452	19,16,940	Work Completed
3.	A/R & M/o to various roads sub-division East Road-I under PWD Division East Road (M-212) PWD during 2023-24. (SH: Repair of drain to prevent the leakage in basement at ROB-36 road near Yes bank).	**A/A & E/S not required**	11,30,681	7,12,442	7,21,630	Work Completed
4	Construction of Drain at ROB-36 road near Truck Market (Towards NH- 24) under Sub-Division East Road-I of Division East Road, PWD during 2023-24	**21,34,800**	20,95,982	13,09,570	28,15,281	Work Completed
5.	Street Scaping of Vikas Marg (Road No.75A & 75B) Vijay Chowk to Laxmi Nagar Red Light.	15(15)/AA & ES/CE (East) M/2023-24/5020-H Dated 12.10.2023 Amount Rs.5.47 Cr.	3,41,27,291/-	3,26,12,039/-	**Pertains to Street Scaping Division**	Work completed but bill yet to be paid.
Year-2024-2025						
1.	Strengthening of C.C. Pavement of Disused canal road by C.G.B.M under Sub-Division East Road-I of Division East Road/(M-212) Delhi dg. 2023-24.	**3,69,77,100**	3,59,73,454	2,45,05,117	**Work in Progress**	**Work in Progress**
2.	Strengthening of Patparganj road of Sub-Division East Road-I of under Division East Road/(M-212) Delhi dg. 2023-24.	**2,33,71,200**	1,97,36,233	1,06,59,539	**Work in Progress**	**Work in Progress**

3.	Remodeling of Drain at ROB-36 Road from Railway line to Jha Furniture during 2024-25.	85,10,100	83,49,448	39,60,978	Work in Progress	Work in Progress
4.	A/R & M/o to Various Roads under Sub-Division East Road-I of PWD Division East Roads, Delhi during 2024-25. (SH: Providing and fixing missing railing at Vikas Marg road and ROB-36.	A/A & E/S not required	42,50,643	19,75,274	Work yet to be start	Work yet to be start

सहायक अभियंता (यो0)
(पूर्व) अनु0 अंचल, लो0नि0वि0

Modify
Annexure-B

S.No.	Name of Work	A/A & E/S (Rs.)	Estimated cost (Rs.)	Tender Amount (Rs.)	Remarks
1.	Strengthening of C.C. Pavement of Disused canal road by C.G.B.M under Sub-Division East Road-I of Division East Road/(M-212) Delhi dg. 2023-24.	3,69,77,100	3,59,73,454	2,45,05,117	Work in Progress
2.	Strengthening of Patparganj road of Sub-Division East Road-I of under Division East Road/(M-212) Delhi dg. 2023-24.	2,33,71,200	1,97,36,233	1,06,59,539	Work in Progress
3.	Remodeling of Drain at ROB-36 Road from Railway line to Jha Furniture during 2024-25.	85,10,100	83,49,448	39,60,978	Work in Progress
4.	A/R & M/o to Various Roads under Sub-Division East Road-I of PWD Division East Roads, Delhi during 2024-25. (SH: Providing and fixing missing railing at Vikas Marg road and ROB-36.	A/A & E/S not required	42,50,643	19,75,274	Work yet to be start

Note:- इसके अतिरिक्त Regular basis पर Day to day Road maintenance के कार्य चलते रहते है।

सहायक अभियंता (यो0)
(पूर्व) अनु0 अंचल, लो0नि0वि0

152. श्रीमती शिखा रॉयः क्या माननीय **लोक निर्माण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रा.रा.क्षे. दिल्ली में और विशेषकर ग्रेटर कैलाश विधानसभा क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग द्वारा वर्तमान में निर्माणधीन और नई प्रस्तावित सड़कों का विवरण क्या है;

(ख) ग्रेटर कैलाश विधानसभा क्षेत्र में उक्त निर्माणाधीन व प्रस्तावित नई सड़कों के कार्य की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) वर्ष 2024-2025 के दौरान ग्रेटर कैलाश विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न कार्यों के लिए स्वीकृत निधियों का विवरण दें;

(घ) क्या खराब सड़कों की मरम्मत और नवीकरण के लिए, व जलभराव वाले स्थानों पर सुधार हेतु सरकार की कोई योजना है; और

(ङ) यदि हाँ, तो उसका विवरण और यदि नहीं, तो उसके कारण?

लोक निर्माण मंत्रीः (क) रा.रा.क्षे.च दिल्ली में लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्माणाधीन सड़कों का विवरण अनुसंलग्नक 'क' में संलग्न है।

लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत ग्रेटर कैलाश विधानसभा क्षेत्र में वर्तमान में निर्माणधीन सड़क का विवरण निम्न प्रकार है।

Strengthening of Outer Ring Road from Modi Mill Flyover to Chirag Delhi Flyover, Chirag Delhi to Modi Mill flyover and connecting service lanes with PWD Division SER-2/21, A/A & E/S amount: Rs. 16,81,68,100/-.

उपरोक्त कार्य में से ग्रेटर कैलाश विधानसभा क्षेत्र में केवल 1.50 किमी सड़क ही आती है जो कुल कार्य का 30 प्रतिशत हिस्सा है।

निम्नलिखित सड़कों का कार्य भी प्रस्तावित है।

Strengthening of Lala Lajpat Rai Marg (जिसकी अनुमानित राशि रु. 756.00 लाख है)।

(ख) कार्य प्रगति पर है जिसका 20 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है।

(ग) लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत ग्रेटर कैलाश विधानसभा क्षेत्र में निम्नलिखित कार्य की स्वीकृति मिली।

Strengthening of Outer Ring Road from Modi Mill Flyover to Chirag Delhi Flyover, Chirag Delhi to Modi Mill flyover and connecting service lanes with PWD Division SER-2/21, A/A & E/S amount: Rs. 16,81,68,100/-.

उपरोक्त कार्य में से ग्रेटर कैलाश विधानसभा क्षेत्र में केवल 1.50 किमी सड़क ही आती है जो कुल कार्य का 30 प्रतिशत हिस्सा है।

(घ) लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत समय-समय पर खराब सड़कों की मरम्मत का कार्य किया जाता है एवं जल भराव वाले स्थानों पर जल भराव को हटाने के लिए उपयुक्त कदम जैसे कि पम्पों की व्यवस्था, ब्लाकेज आदि हटाने हेतु कदम उठाये जाते हैं। जलभराव की समस्या समाधान हेतु आर ब्लाक रोड़ पर नाले का निर्माण करने की योजना है।

(ङ) Construction of drain from R Block T Point to Outer Ring Road and interconnection of drainage system of R Block Road under Sub Division SER-2/23, (जिसकी अनुमानित राशि रु. 76.10 लाख है)।

Q.No. 152

Vidhan Sabha Unstarred Q. No. 1582

Status of Strengthening Works under East Zone (2023-24)

(Annexure-A)

Sl. No.	Name of work/Road Name (क)	No. of Roads eligible	A/A & E/S Amount	A/A and E/S details	Name of Principle Approval officer & Designation	Tender Amount	Tender Floated/ Award Date	Stipulated Date of start	Date of completion	Progress of work in %	Remarks
				NORTH EAST ROAD							
1	Improvement & Strengthening of Brahmpuri Road (From Ghonda Chowk to Brahmpuri Dhalav) and Slip Road of Eastern Approach Road of Signature Bridge under PWD Sub-Division M-2132 98/EE/PWD/M-213/2023-24	2	₹ 4,61,69,100 00	A/A & E/S 15(15)/AA & ES/FO/Zone (East) M/2023-24/692-H dt 02 02 2024	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	Rs 2,18,47,304 00	24-02-2024 15-03-2024	21 03 2024		95%	Work in Progress
2	Raising of Bank Colony Road, remodeling of RCC drain along western Side of Mandoli Jail Complex under Sub-Division M-2132, Delhi 103/EE/PWD/M-213/2023-24	1	₹ 2,64,39,700 00	A/A & E/S 15(15)/AA & ES/FO/Zone (East) M/2023-24/688-H dt. 02.02.2024	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	Rs 1,64,67,678 00	24-02-2024 16-03-2024	21.03.2024		95%	Work in Progress
3	Improvement & Strengthening of Babarpur Road (From G.T. Road to Maujpur Red light) and Mandoli Road (From Railway crossing to Loni Road) under PWD Sub Division M-2134 106/EE/PWD/M-213/2023-24	2	₹ 6,50,62,100 00	A/A & E/S 15(15)/AA & ES/FO/Zone (East) M/2023-24/690-H dt. 02.02.2024	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	Rs 2,93,01,902 00	24-02-2024 16-03-2024	23 03.2024		90%	Work in Progress
				Shahdara Road Division							
4	Strengthening of Road No. 69 during 2023-24 under Sub-Division M-2114, Road Maintenance Division M-211, PWD Delhi.	1	₹ 4,12,43,100.00	15(15)A/A&E/S/East Zone/23-24/1110-H dated 21.02.2024 Rs. 4,12,43,100/-	CE	19830436	24.02.2024 15.03.2024	22 03.2024	20.05.2024	95%	Work in progress
5	Strengthening of Shahdara Road (Road No. 57 to Babu Ram School) during 2023-24 (Modified & 2nd call after termination of earlier contract).	1	₹ 1,10,36,700.00	15(15)/AA&ES/F.O./Zone East(M)/ 2023-24/1442 (H) dated 11.03.2024 Rs. 1,10,36,700/-	CE	5283882	22.09.2024 26.12.2024	28.12.2024	26.04.2025	70%	Work in progress
	Status of Strengthening Works under South Zone (2023-24)										
6	Strengthening of Press Enclave Road (ID 580 MCD) Road through cold milling and recycling process under Sub division -4 of Division South Road-1 PWD, New Delhi	1	₹ 12,98,36,500.00	Dy. Secretary (Works), PWD Sectt SS/PWD/ 02 /2023-24 ENC/DIR/W/PE/407/(E)/4728 -43 dt 20.04.2024	Hon'ble Minister, PWD. (23 01 2023)		—	—	—	0%	Tender for the work to be called only after work of storm water drain.
7	Strengthening of Mehrauli-Mahipalpur Road from Andheria More to NH-48 (Road ID 777) Estimated cost. Rs	1	₹ 14,24,69,500.00	Dy. Secretary (Works), PWD Sectt SS/PWD/ 06 /2023-24 EnC /Dir/W/PE/509(E)/dspwd2/ 14472-14488 dt. 18 12 2023	Hon'ble Minister, PWD. (23.03.2023)		29 12 2023 12.03 2024	13 03.2024	30 05 2025	66%	Work in Progress
8	Strengthening of road surface of Outer Ring Road (Road ID 972) from Modi Mill Flyover to Chirag Delhi Flyover. Chirag Delhi Flyover to Modi Mill Flyover and connecting service lanes under PWD Division SER-2/21	1	₹ 16,81,68,100.00	Dy. Secretary (Works), PWD Sectt SS/PWD/ 10 /2023-24 dspwd2/265-281/ 17.01 2024 SS/PWD/10/2023-24	Hon'ble Minister, PWD. (12 02.2024)		14 03 2024 24 07 2024	02 08.2024	31 05.2025	25%	Work in Progress
	Status of Strengthening Works under North Zone (2023-24)										
9	Strengthening/Resurfcing/ Microsurfacing of PWD roads (Roads with ROW< 30 Mtrs) Strengthening of Road No 42 under sub division NWR-24, Division NWR-2, Sainik Vihar, Delhi under PWD North Zone with hot recycling method after cold milling. Agency M/s A S Infratech Agmt No 22/EE/PWD M-312/2023-24 List of roads (i) Road No 42	1	272.83 Lakh		Chief Engineer, North Zone M, PWD Delhi		18.04 2023 22.06.2023	01 07 2023	20.04.2024		
10	Strengthening/Resurfcing/ Microsurfacing of PWD roads (Roads with ROW< 30 Mtrs) Strengthening of various roads (Ahinsha Marg sector-9, Rohini, Babosa chowk to Tulsi Apt., Ring road to Maheswari Apt., ORR to Road No. B-5 sector-14, Rohini, Internal road of sector-9, Rohini, Pkt.-14 to Pkt C-1, Pkt.-10 to Pkt.D-4, sector-20, Rohini, Pkt. 8 to Pkt. 9, Pkt. B-2 to Park, Pkt. 13 to pkt 9, Pkt 5 to Pkt 6 sector-21, Rohini) having ROW < 30 mtr under Sub Division NWR-23, PWD Division NWR-2, Sainik Vihar Delhi under PWD North Zone by cold milling method with recycled material, dg. 2022-23 & 2023-24 (Total 11 nos roads) Agency: M/s R. K.Brothers & Co Agmt. No 32/EE/PWD/NWR-2/2023-24 List of roads (i)Ahinsha Marg sector-9, Rohini, (ii)Babosa chowk to Tulsi Apt., (iii) Ring road to Maheswari Apt., (iv)ORR to Road No B-5 sector-14, Rohini, (v)Rohini, Pkt.-14 to Pkt.C-1, Sec-20 (vi)Internal road of sector-9 (vii)Pkt. -10 to Pkt.D-4, sector-20, Rohini,. (viii)Pkt. 8 to Pkt 9, Sec. 21. (ix)Pkt. B-2 to Park, Sec-21 (x)Pkt. 13 to pkt. 9, Sec-21. (xi)Pkt. 5 to Pkt. 6 sector-21, Rohini)	11	666 51 Lakh		Chief Engineer, North Zone M, PWD Delhi		26.06.2023 07 08 2023	01 02.2024		60%	Work in Progress

	Name of work/Road Name (क)	No. of Roads eligible	A/A & E/S Amount	A/A and E/S details	Name of Principle Approval officer & Designation	Tender Amount	Tender Floated/ Award Date	Stipulated Date of start	Date of completion	Progress of work in %	Remarks
11	Strengthening of various roads such as Najafgarh Road, Punjab Garden Road, Smt Ginni Devi Road, Bhagwan Das Road, Hemwati Nandan Bahuguna Marg, road from Milan Cinema to H No 19/289, Road from House no H-1 to I-47 near Milan Cinema Karampura and Road from House HIL to bus terminal of 234, HIL Karampura, Lal Sai Mandir Marg D story, Pankaj Batra Marg under PWD Maintenance Division WR-2 / Sub Division WR-21, New Delhi during 2022-23 Agency M I A Construction Pvt Ltd Agmt No 02/EE/PWD/M-112/2023-24 List of roads (I)Najafgarh Road, Punjab Garden Road (II)Smt Ginni Devi Road (III)Bhagwan Das Road (IV)Hemwati Nandan Bahuguna Marg (V)road from Milan Cinema to H. No 19/289 (VI)Road from House no H-1 to I-47 near Milan Cinema Karampura (VII)Road from House HIL to bus terminal of 234, HIL Karampura (VIII)Lal Sai Mandir Marg D story (IX)Pankaj Batra Marg	9	1637 43 Lakh		Secretary PWD Delhi		21 02 2023/ 18 04 2023	28 04 2023	06 02 2025		Work just awarded and yet to be start
12	Strengthening of service lanes of Rohtak Road (NH-10) from Metro Pillar No 109 to 273 under Sub Division WR-24, New Delhi-110056 during 2023-24 Agency Sethi Construction Agmt No 130/EE/PWD/M-112/2023-24 List of Roads - (i)Service Lanes of Rohtak Road (NH-10) from Metro Pillar No 109 to 273 Delhi	1	767 37 lakhs		Chief Engineer, PWD North Zone, Delhi		07 02 2024/ 07 03 2024	15 03 2024		62%	Work is in progress
13	Strengthening / Improvement of various roads under *PWD Division West Road-2, (i) Road* from Kanjhawala Chowk to Tatesar Village Road under Sub-DivisionWR-22, New Delhi during 2023-24	1	905.33 lakhs		Secretary, PWD, Delhi		05 07 2024/ 16 08 2024	28 04 2023		50%	Work is in progress
14	Strengthening of Outer Ring Road from Shaheed Captain Vikram Batra Chowk Flyover End Point to Burari Flyover Starting Nosing point under Sub Division NR-14, North Roads Division, PWD, Delhi Agmt no 76/EE/N R Divn/PWD/2023-24	1	1863 1 Lakh		Dy Secretary (Works)		19 02 2024 /08 03 2024	21 03 2024			work in progress
	Status of Strengthening Works under East Zone (2024-25)										
	East Road Division										
15	Rehabilitation/ Strengthening of PWD roads by cold milling and recycling process of various roads of Sub Division East Road-III under Division East Road/(M-212), Delhi during 2024-25. 1. Road along Ghazipur Drain.-(Road ID: 129-40GZR)	1	₹ 10,40,87,500.00	Dy. Secretary (Works), PWD Secretariat Delhi, vide letter no 24(East)/CE/EEP/520/dspwd2/249-264 dated 11.03.2024 & AA&ES - No. SS/PWD/11/2023-24	Dy. Secretary (Works)	Rs. 4,98,12,285.00	11.06.2024/ 23.07.2024	24.07.2024		20%	Work in Progress
16	Rehabilitation/ Strengthening of Vikas Marg (Road ID;611) by cold milling and recycling process of various roads under Sub Division East Road-IV of Division East Road/(M-212), Delhi during 2023-24.	1	₹ 7,09,36,200.00	Chief Engineer, Zone East(M),PWD Delhi vide letter no.15(15)/एसइ व विभ्सीo/विभाo/अनुoअधर्द (एम)/2023-24/1522 दिo दिनांक 15 03 2024 & AA&ES - No. 29/PWD/2023-24/AA&ES/M2/200/42	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	Rs. 3,60,89,291.00	11.06.2024/ 23.07.2024	24.07.2024		0%	Work yet to start
17	Strengthening / Resurfacing of East end apartment road - (Road ID: 103) by cold milling and recycling process of Sub Division East Road-III under Division East Road/(M-212), Delhi during 2023-24	1	₹ 1,36,79,500.00	Chief Engineer, Zone East(M),PWD Delhi vide letter no.15(15)/एसइ व विभ्सीo/विभाo/अनुoअधर्द (एम)/2023-24/3554 दिo दिनांक 05 07 2024 & AA&ES - No. 04/PWD/2024-25/AA&ES/M2/200/42	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	Rs. 67,57,939.00	24.08.2024/ 21.09.2024	23.09.2024		35%	Work in Progress
18	Strengthening / resurfacing of PWD roads by cold milling and recycling process of various roads under Sub Division East Road-III of Division East Road (M-212), Delhi during 2023-24 (1) Chilla Road from Chilla Chowk to Chilla Village (2) Peripheral Road from Chilla Chowk to Kotla Village	2	₹ 3,93,18,100.00	Chief Engineer, Zone East(M),PWD Delhi vide letter no 15(15)/एसइ व विभ्सीo/विभाo/अनुoअधर्द (एम)/2023-24/3556 दिo दिनांक 05.07 2024 & AA&ES - No 06/PWD/2024-25/AA&ES/M2/200/42	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	Rs. 1,95,07,429.00	24.08.2024/ 24.09.2024	27.09.2024		30%	Work in Progress
19	Strengthening of C.C. Pavement of disused canal road by C.G.B.M under by Sub-Division East Road-I under Division East Road/(M-212) Delhi During 2023-24.	1	₹ 3,69,77,100.00	Chief Engineer, Zone East(M),PWD Delhi vide letter no 15(15)/एसइ व विभ्सीo/विभाo/अनुoअधर्द (एम)/2023-24/3555 दिo दिनांक 05.07 2024 & AA&ES - No. 05/PWD/2024-25/AA&ES/M2/200/42	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	Rs. 2,45,05,117.00	24.08.2024/ 24.09.2024	25.09.2024		5%	Work in Progress

	Name of work/Road Name (क)	No. of Roads eligible	A/A & E/S Amount	A/A and E/S details	Name of Principle Approval officer & Designation	Tender Amount	Tender Floated/ Award Date	Stipulated Date of start	Date of completion	Progress of work in %	Remarks
20	Rehabilitation / Strengthening of PWD roads by cold milling and recycling process of various roads under Division East Road (M-212), and sub Division-IV Delhi during 2023-24 1. Noida Link Road (Road ID:- 70-40036) 2. Noida more Flyover (Slip Road) (Road ID.- 1730)	2	₹ 16,52,33,200.00	Dy Secretary (Works), PWD Secretariat Delhi, vide letter no 24(East)/CE/EEP/520/dspwd2/170 186 dated 21.02.2024 & AA&ES - No SS/PWD/08/2023-24	Dy. Secretary (Works)	Rs 7,99,97,926.00	20.06.2024/ 25.09.2024	25.09.2024		10%	Work in Progress
21	Strengthening of Patparganj road of Sub. Division East Road-I under Division East Road/(M-212), Delhi during 2023-24.	1	₹ 2,33,71,200.00	Chief Engineer, Zone East(M),PWD Delhi vide letter no 15(15)/स०का० स फिरवीo/सिo/अनुoसoपूर्व (एम)/2024-25/4509 सि दिनांक 16.08.2024 & AA&ES - No 30/PWD/2024-25/AA&ES/M2/200/42	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	Rs 1,06,59,539.00	06.09.2024/ 03.10.2024	03.10.2024		0%	Work just started
	SRD-1										
22	Strengthening of SPM Marg under Sub Division-1 of Division SRDP-I during 2024-25.	1	₹ 9,81,46,700.00	Chief Engineer (East) M Zone, PWD 15(15)/स०का० स फि स्वीo/सिoअo/अनुoसo पूर्व(एम)/2024-24/4510-सि दिनांक 11-03-2024 - 23/PWD/2023-24/ AA&ES/M2/200/42 Rs. 9,81,46,700/-	Chief Engineer (East) M Zone, PWD	₹ 5,57,39,802.00	21.06.2024	02.09.2024	01.11.2024	30%	Work in progress
23	Strengthening of Boulevard Road under Sub Division-1 of Division SRDP-I during 2024-25.	1	₹ 2,08,30,600.00	Chief Engineer (East) M Zone, PWD 15(15)/स०का० स फि स्वीo/सिoअo/अनुoसo पूर्व(एम)/2024-24/1444-सि दिनांक 11.03.2024 22/PWD/2023-24/AA&ES/M2/200/42 Rs. 2,08,30,600/-	Chief Engineer (East) M Zone, PWD	₹ 1,18,69,293.00	21.06.2024	02.09.2024	01.11.2024	40%	Work in progress
24	Strengthening of Rani Jhansi Road from St. Stephen's Hospital to Filmistan under SRD Project Division-1/Sub Division-III, PWD, Delhi dg. 2024-25.	1	₹ 10,67,55,100.00	Secretary, PWD No. SS/PWD/12/2023-24 vide no. 24(Proj)/CE (East)/EEP/522/dspwd2/301-315 dt. 14.03.2024	Secretary, PWD	₹ 5,46,01,137.00	07.01.2025	16.03.2025	15.05.2025	0%	Yet to be start
	SRD-2										
25	Resurfacing of Padam Singh Road (from Vishnu Mandir Marg to Road No 3), Guru Ravi dass road (from New Rohtak road to Tank Road), Hardhyan Singh Road (From Faiz road to Road No 3) and Aram Bagh road (from Chitra Gupta road to Rani Jhansi Road) under the jurisdiction of sub division -1 & 3, SRD Project Division-2, PWD, dg 2023-24	4	₹ 2,96,52,400.00	23(A/A & E/S)/SE Project/PWD/DS/147-H dt 05.02.2024 for amounting to 7289700 even letter no. 148-H dt 05.02.2024 for amounting to 9873000 even letter no. 149-H dt 05.02.2024 for amounting to 9750200 from the office of the S.E. Project Circle and letter no 23(A/A & E/S)/EE/SRD-2/PWD/156 dt 05.02.2024 for amounting to 2739500 from the office of EE SRD-2 Total amount of A/A & E/s is Rs 29652400	Sh. Shailendra (Superintending Engineer)	₹ 1,54,16,344.00	05.02.2024 14.03.2024	17.03.2024	15.05.2024	90%	Work in progress
26	Resurfacing /Strengthening of Faiz Road (from Dayal Chowk to Idgah round about, Chemsford Road (from Dr Munja Park urinal to Qutub Road), Foota Road (from Bara tutti Chowk to Bahadurgarh Road), Azad Market Road, (from Rani Jhansi Road to Pul Mitthai), Sadar Thana Road, (from Bara tutti Chowk to Idgah Road), Idgah Road (from Qutub ERoad to Rani Jhansi to Padam Singh MArg), Road No 4 (from DB Gupta Road to Tank Road), Military Road (from DB Gupta junction to New Rohtak Road), Vishnu Mandir Marg (from DB Gupta Road to Tank Road), Road No 5 (from DB Gupta Road to Mata Rameshwari Nehru Nagar) under the jurisdictin of SRD-II, PWD, dg 2023-24	10	₹ 8,21,79,400.00	संख्या 15(15)/ए ए. व वि स्वी /वि अ /अनु अ पूर्व (एम)/2023-24/907-H दिनांक 12.02.2024 for amounting to 82179400	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	₹ 4,29,73,528.00	08.03.2024 20.06.2024	24.06.2024	22.09.2024	25%	Work in progress
27	Improvement / Strengthening of Main Road Noor –E-Illahi Road (from DTC Depot Yamuna Vihar to Ghonda Chowk) 20/EE/PWD/M-213/2024-25	1	₹ 1,46,91,400.00	A/A & E/S 15(15)/AA & ES/FO/Zone (East) M/2023-24/902-H dt. 12.02.2024	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	₹ 87,75,206.00	20-07-2024 03-08-2024	07.08.2024		95%	Work in Progress
28	Strengthening of Sewadham Road from Road No 63 to UP Border dg 2024-25, Delhi 16/EE/PWD/M-213/2024-25	1	₹ 3,82,93,700.00	A/A & E/S 15(15)/AA & ES/FO/Zone (East) M/2023-24/1445-H dt. 11.03.2024	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	₹ 2,05,45,890.00	20-06-2024 24-07-2024	25.07.2024		95%	Work in Progress
29	Improvement and Strengthening of Road no 65 from Keshav Chowk to Road No 66 under PWD Sub Division M-2134, Delhi M-2134 17/EE/PWD/M-213/2024-25	1	₹ 4,83,40,600.00	A/A & E/S 15(15)/AA & ES/FO/Zone (East) M/2023-24/1513-H dt. 15.03.2024	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	₹ 2,32,08,163.00	20-06-2024 25-07-2024	25.07.2024		90%	Work in Progress

	Name of work/Road Name (ख)	No. of Roads eligible	A/A & E/S Amount	A/A and E/S details	Name of Principle Approval officer & Designation	Tender Amount	Tender Floated/ Award Date	Stipulated Date of start	Date of completion	Progress of work in %	Remarks
	Shahdara Road Division										
30	Strengthening of Road No. 72 Extn (Road No. 58 to Vishwas Nagar Nallah) and Road No. 72 (Road No. 58 to Road No. 75B Extn) under Sub-Division M-2112 during 2024-25.	2	₹ 5,74,84,800.00	15(15)/AA&ES/F.O./Zone East(M)/ 2024-25/4876 (H) dated 04.09.2024 Rs. 5,74,84,800/-	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	₹ 2,47,85,578.00	28 09 2024 01 11.2024	07 11.2024	05 01.2025	85%	Work in progress
31	Strengthening of Road No. 58A (From Road No. 58 to Road No. 56) under Sub division M-2112 of Shahdara Road Division (M-211) during 2024-25.	1	₹ 5,66,56,000.00	15(15)/AA&ES/F.O./Zone East(M)/ 2024-25/7254 (H) dated 14.11.2024 Rs. 5,66,56,000/-	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	₹ 2,74,80,701.00	27 11 2024 19 02 2025	20 02 2025	19 06.2025	0%	Work yet to start
32	Strengthening of G.T. Road from Apsara Border to Shahdara Flyover under Sub-Division M-2111 of Shahdara Road Division (M-211) during 2024-25.	1	₹ 9,59,66,100.00	15(15)/AA&ES/F.O./Zone East(M)/ 2024-25/7887- (H) dated 17.12.2024 Rs. 5,66,56,000/-	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	₹ 4,71,82,583.00	06.01.2025 10 03 2025	14 03.2025	11.07.2025	0%	Work yet to start
33	Strengthening of Road no. 71& 71A under Sub division M-2111 of Shahdara Road Division (M-211) during 2024-25.	2	₹ 7,26,79,400.00	15(15)/AA&ES/F.O./Zone East(M)/ 2024-25/7888- (H) dated 17.12.2024 Rs. 5,66,56,000/-	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	₹ 3,66,34,441.00	06.01.2025 10.03.2025	14.03.2025	11.06.2025	0%	Work yet to start
	Status of Strengthening Works under South Zone (2024-25)										
34	Strengthening of Guru Ravi Dass Marg (Road ID 982) from Maa Anandmayee Marg to M.B. Road under South East Road Division-2, Sub Division SER-24, PWD, New Delhi.	1	₹ 9,76,82,700.00	CE, South (M), Zone, PWD Sanction No. 01 PWD South M/2024-25 Issued by FO/CE/South/2024-25/15 (15) /A/A & E/S/460-E dated 13.06.2024	Hon'ble Minister, PWD. (12 03 2024)	SER-II	23 08 2024 29 11 2024	09 12.2024	07 05 2025	22%	Work in Progress
35	Strengthening of Road No. 13A (Road ID 480) under the Jurisdiction of Sub Division SER-2/22, New Delhi.	1	₹ 7,99,06,000.00	CE, South (M), Zone, PWD Sanction No. 02 PWD South M/2024-25 Issued by FO/CE/South/2024-25/15 (15) /A/A & E/S/517 dated 27.06.2024	Hon'ble Minister, PWD. (19 06.2024)	SER-II	23 08 2024 29 11 2024	09 12.2024	08 03 2025	4%	Work in Progress
36	Strengthening of Okhla Estate Marg (Road No. 13) from Guru Ravidass Marg T-Point to Sarita Vihar underpass, New Delhi under Sub-Division SER-25	1	₹ 9,32,11,300.00	CE, South (M), Zone, PWD Sanction No. 05 PWD South M/2024-25 Issued by FO/CE/South/2024-25/15 (15) /A/A & E/S/535-E dated 04.07.2024	Hon'ble Minister, PWD. (19.06.2024)	SER-II	23.08 2024 12 11 2024	22 11 2024	15 04 2025	20%	Work in Progress
37	Strengthening of Outer Ring Road (Chirag Delhi Flyover to IIT Flyover) (ID 1369), A-Block, Paanchsheel Enclave Road (ID:537) and SMA on Flyovers - IIT Flyover, Panchsheel Flyover & Chirag Delhi Flyover through Cold Milling and recycling process under Sub-Division-4 of Division South Road-2, PWD, New Delhi.	3	₹ 19,93,34,000.00	Dy. Secretary (Works), PWD Sectt. SS/PWD/ 01 /2024-25 Dy. Secretary (Works) sanction No 23(288)/PE 08/CE (South) /2023-24/dspwd2/ 668-83 dt 10.06.2024 CD No. 057762224	Hon'ble Minister, PWD. (09 02.2024)	EE/SR-2	03 08.2024 18 11 2024	15 11.2024	30 04 2025	20%	Work in progress
38	Strengthening of Rao Laxmi Chand Marg (ID 1174) under Sub-Division 23, SWR-2, PWD, New Delhi	1	₹ 19,22,31,300.00	Dy. Secretary (Works), PWD Sectt. SS/PWD/ 06 /2024-25 Dy. Secretary (Works) sanction No 23(84)/PE 05/EE(P)/ dspwd2/ 1287-1302 dt 10.09 2024 CD No 057761233	Hon'ble Minister, PWD (05 08 2024)	SWR-2	03 12 2024 19.03 2025	20.03.2025	17 07 2025		Just awarded
39	Strengthening of Jhatikara Road from Jhatikara Morh to Jhatikara Village, MCD Toll Tax (ID 1176) under Sub-Division 23, SWR-2, PWD, New Delhi.	1	₹ 10,82,00,600.00	Dy. Secretary (Works), PWD Sectt. SS/PWD/ 07 /2024-25 Dy. Secretary (Works) sanction No 23(291)/PE 06/EE(P)/ dspwd2/ 1303-1318 dt 10 09 2024 CD No. 057761234	Hon'ble Minister, PWD (05 08.2024)	SWR-2	13 12 2024 19 03 2025	20 03.2025	17.08 2025		Just awarded
40	Strengthening of Ring Road from Ashram to Bharom Road T-Point udner PWD Sub Divisoin SER-13 of Division SER-1 (Road ID 504)	1	₹ 22,28,89,700.00	Dy. Secretary (Works), PWD Sectt. SS/PWD/ 08/2024-25 Dy. Secretary (Works) sanction No 23(292)/PE 09/EE(P)/ dspwd2/ 1329-1344 dt 18 09 2024 CD No. 057728410	Hon'ble Minister, PWD (19 06 2024)	EE/SE-1	08 10 2024 10.01 2025	11 01 2025	10.06.2025	40%	Work in progress
	Status of Strengthening Works under North Zone (2024-25)										

	Name of work/Road Name (क)	No. of Roads eligible	A/A & E/S Amount	A/A and E/S details	Name of Principle Approval officer & Designation	Tender Amount	Tender Floated/ Award Date	Stipulated Date of start	Date of completion	Progress of work in %	Remarks
41	Strengthening of Outer Ring Road from Madhuban Chowk to Mukarba Chowk both sides with Elevated Corridor under Sub Division NWR-12 of Division NWR-1 under PWD North Zone with hot recycling method after cold milling. Agency M/s Mahavir Prasad Gupta & Sons Agmt No 32/EE/PWD/NWR-1/2024-25 List of roads. Outer Ring Road (From Madhuban Chowk to Mukarba Chowk)	1	2146 59 Lakh		Dy Secretary (Works)		05 09 2024 06 11 2024	11 12 2024			Work in Progress
42	Strengthening of Ring Road from Prembari Pull to Punjabi Bagh Round about under Division NWR-1 and Sub Division NWR-14, PWD Agency. Sh. Pawan Kumar Agmt No 76/EE/PWD/NWR-1/2024-25 List of roads Ring Road (from Prembari Pull to Punjabi Bagh)	1	1677.89 Lakh		Dy Secretary (Works)		24 12 2024 20 02 2025				Work yet to start
43	Strengthening of roads from (i) Ramdev Chowk Narela to Singhu Border, NH44 (ii) Ramdev Chowk Narela to Piao Maniyari border (iii) Y-Section railway crossing to CRPF camp, under Sub-Division NR-13, PWD Division North Roads, Delhi (Balance work) Agmt no. 76/EE/N R Divn/PWD/2024-25	1	1367.29 Lakh		Secretary (PWD)		20 07 2024 13 09 2024	23 09 2024			Work in progress
44	Strengthening of damaged carriageway on PVC Market Road from Rohtak Road to PVC Market Village (From RD 0 00 Km to 1 785 Km) under PWD Division West Road-2, Sub Division WR-22, Delhi Agency Sethi Construction Agmt No 08/EE/PWD/M-112/2024-25 List of Roads - (i) PVC Market Road from Rohtak Road to PVC Market Village (From RD 0.00 Km to 1.785 Km)	1	213 51 lakhs		Chief Engineer, PWD North Zone, Delhi		14 06 2024 22 07 2024	01 08 2024		95%	Work is in progress
45	Strengthening/Resurfcing/ Microsurfacing of PWD roads (RR & ORR) Strengthening of Outer Ring Road (ORR-26) from Madhuban Chowk to Rail Over Bridge (ROB) under PWD Sub Division NWR-25 and Division NWR-2, Sainik Vihar Delhi under North Zone with hot recycling method after cold milling Agency M/s Satya Prakash & Bros Pvt Ltd Agmt No 50/EE/PWD/M-312/2024-25 List of roads (i)(ORR-26) from Madhuban Chowk to Rail Over Bridge (ROB)	1	2703 90 Lakh		Chief Engineer, North Zone M, PWD Delhi		21 11 2025 21 02 2025	02 01 2025			Work just awarded and yet to be start
		150	58810.62 Lakh								

153. श्री कुलदीप सोलंकी: क्या माननीय **लोक निर्माण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वह अधिकारी कौन है जिसे लोक निर्माण विभाग की 'रोड एडॉप्शन' नीति के अंतर्गत पालम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पड़ने वाले लोनिवि सड़क खंड के लिए उत्तरदायी बनाया गया है;

(ख) पालम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत डाबरी-पालम-मंगलापुरी- इंद्रापार्क लोक निर्माण विभाग सड़कखंड से अतिक्रमण को हटाने और उसके सौंदर्यीकरण के लिए क्या कोई ठोस योजना है; और

(ग) पिछले दो वर्षों में पालम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पड़ने वाले लोक निर्माण विभाग सड़क खंड की मरम्मत और उसके सौंदर्यीकरण के लिए कितनी राशि का उपयोग कर लिया गया है?

लोक निर्माण मंत्री: (क) रोड़ एडप्शन नीति के तहत पालम विधानसभा क्षेत्र के अधिकारी के चयन की प्रक्रिया जारी है।

(ख) साईट स्टाफ के निरीक्षण के दौरान यदि अतिक्रमण पाया जाता है तो समय-समय पर लोक निर्माण विभाग इसकी जानकारी एरिया के एस.टी.एफ. अधिकारी, संबंधित एस.डी.एम. व एम.सी.डी. को दी जाती है और Jointly उचित कार्यवाही की जाती है। इस विभाग के द्वारा पूरी दिल्ली के सौंदर्यीकरण हेतु उद्यान विभाग के टेन्डर (3 वर्ष के रखरखाव के साथ) लगाये जा चुके हैं एवं सभी कार्य अभी प्रगति पर है।

(ग) लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत पालम विधान सभा क्षेत्र सड़क की वार्षिक मरम्मत के लिये A/R & M/O बजट के अन्तर्गत उपमंडल के अन्तर्गत

आने वाली सभी विभिन्न विधानसभा सड़कों की संयुक्त निविदा आमंत्रित कर कार्य कराया गया है। अत: रोड़ विशेष की राशि का अलग से विवरण उपलब्ध नहीं है।

लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत पालम विधान सभा क्षेत्र की 4.00 कि.मी. सड़क का अनुरक्षण कार्य है तथा पिछले दो वर्षो में पालम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पड़ने वाले द.प. रोड़-2, लोक निर्माण विभाग की इन सड़कों का कोई भी सौंदर्यीकरण के लिए निविदा जारी नहीं की गई है।

154. श्री जरनैल सिंह: क्या माननीय **लोक निर्माण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) तिलक नगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली लोक निर्माण विभाग की सड़कों, सर्विस लाइन, फुटपाथ की वास्तविक चौड़ाई और वर्तमान स्थिति सहित पूरा ब्यौरा दिया जाए;

(ख) क्या दिल्ली पुलिस द्वारा पीडब्ल्यूडी की सड़कों, फुटपाथ या सर्विस लाइन पर जगह-जगह बीटबॉक्स बनवाए गए हैं;

(ग) यदि हां, तो पूरी दिल्ली में कुल कितने बीटबॉक्स बनवाए गए हैं, उनका क्या साइज है;

(घ) क्या सर्विस लाइन या फुटपाथ पर इस तरीके के बीटबॉक्स बनाने की विभाग से कोई अनुमति ली गई थी;

(ङ) यदि हां, तो उसकी जानकारी उपलब्ध कराई जाए;

(च) यदि नहीं, तो विभाग द्वारा इन पर क्या कार्रवाई की गई;

(छ) पीडब्ल्यूडी की सड़कों को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए क्या विभाग कोई योजना बना रहा है;

(ज) यदि हां, तो उसकी जानकारी दी जाए; और

(झ) वर्ष 2015 से अब तक विभाग द्वारा तिलक नगर विधानसभा क्षेत्र में करवाए गए सभी कार्यों का विस्तृत विवरण दिया जाए?

लोक निर्माण विभाग: (क) तिलक नगर विधानसभा क्षेत्र में आने वाली सड़कों, फुटपाथ एवं सर्विस लाईन की स्थिति ठीक अवस्था में जिसका ब्यौरा संलग्न है (Annexure-A)

(ख) सत्य है।

(ग) तिलक नगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत लगभग 92 बीटबाक्स है जिसका साइज लगभग 12×20 फीट होता है।

(घ) अनुमति नही ली गई।

(ङ) उपरोक्त (घ) के अनुसार लागू नहीं।

(च) यह बीटबाक्स स्थानीय निवासियों की सुरक्षा हेतु दिल्ली पुलिस द्वारा बनाये जाते हैं। अत: इन पर कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।

(छ) और (ज) साईट स्टाफ के निरीक्षण के दौरान यदि अतिक्रमण पाया जाता है तो समय-समय पर लोक निर्माण विभाग इसकी जानकारी एरिया के एस.

टी.एफ. अधिकारी, संबंधित एस.डी.एम. तथा एम.सी.डी. को दी जाती है और Jointly उचित कार्यवाही की जाती है।

(झ) माँगी गई जानकारी (Annexure-B) में संलग्न है।

155. श्री प्रेम चौहानः क्या माननीय **लोक निर्माण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 2013 में दिल्ली में कितने फ्लाइओवर, लूप, सबवे व अंडर पास थे, सबकी अलग-अलग सूची प्रदान करें;

(ख) वर्ष 2013 से 2025 के दौरान बनाए गए फ्लाइओवर, लूप, सबवे व अंडरपास की अलग-अलग सूची वर्षवार प्रदान करें;

(ग) इन परियोजनाओं के लिए स्वीकृत खर्च और वास्तविक अंतिम खर्च कितना था, सबकी अलग-अलग सूची, वर्षवार प्रदान करें; और

(घ) जब इन परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई, उस समय लोक निर्माण विभाग मंत्री कौन थे?

लोक निर्माण मंत्रीः (क) विवरण संलग्नक-'1' में संलग्न है।

(ख) विवरण संलग्नक-'2' में संलग्न है।

(ग) विवरण संलग्नक-'3' में संलग्न है।

(घ) विवरण संलग्नक-'4' में संलग्न है।

सभी संलग्नक http://delhiassembly.delhi.gov.in पर उपलब्ध।

Annexure-2

वर्ष 2013 से 2025 के दौरान बनाए गए फ्लाइओवर, लूप, सबवे व अंडरपास का निर्माण किया गया है—

	Flyovers	S.No.	Underpass	Subway	Loop
1	Comprehensive Development of corridor (ORR) b/w Vikaspuri to Meera Bagh.	1	C/o underpass by jack pushing pre-cast RCC Boxes at ORR near Mukarba Chowk i/c C/o approach road from Badli junction to Hairderpur Metro Station (Work in Progress).		
2	Comprehensive Development of corridor (ORR) b/w Mangolopuri to Madhuban Chowk.	2	C/o Integrated Transit Corridor Development Plan along Mathura Road, Bhairon Marg, Mahatma Gandhi Marg and connecting Mathura Road to Mahatma Gandhi Marg via underground tunnel below Pragati Maidan. SH: Underground Tunnel. Underpass, Clover Leaves, FOB, Loops, Ramps, Footpath, Road Work including Road Signage, Street Light Works, Ventilation of Tunnel, Drainage, Rainwater Harvesting and allied Works.	NIL	NIL
3	Comprehensive Development of corridor (ORR) b/w Madhuban Chowk to Mukarba Chowk.	3	Construction of underpass along Mathura Road at Ashram Chowk New Delhi.		
4	Comprehensive Development of corridor (ORR) b/w Mukarba Chowk to Wazirabad.				
5	Corridor development and Street network / connectivity plan for the influence Zone of the corridor between Punjabi Bagh Flyover and Raja Garden Flyover.				
6	Corridor improvement of Outer Ring Road From IIT to NH-8 & its influence areas : Construction of (1) Flyover on portal Structure Linking Existing Munirka Flyover in the East to the point beyond Army RR Hospital in the West on the Outer Ring Road (2) Underpass at junction of BJ Marg and Inner Ring Road.				
7	Construction of Flyover with Ramps, Footpath, Road Work including Road Signage, Street Light works, Drainage, Horticulture, Mural Works & allied works at Road No. 56 between Anand Vihar ROB and Apsara Border ROB, New Delhi.				
8	Construction of Flyover at Shastri Park intersection (6 lane) and Seelampur (2 lane). SH: Ramps, Footpath, Road Work including Road Signage, Street Light works, Drainage & allied works.				
9	Barapullah (Phase-II) - Construction of Elevated Road over Barapulla Nallah starting from Sarai Kale Khan to Aurobindo Marg near INA Market, New Delhi, Phase-II from Jawaharlal Nehru Stadium to Aurobindo Marg with connection at Ring Road, Lala Lajpat Rai Marg and Aurobindo Marg.				
10	**Ramp A** (down ramp at Sarai Kale Khan for traffic coming from INA and going to Ashram and Noida)				
11	**Ramp B** (Up ramp for traffic coming from Ashram / Noida side and going to INA).				
12	**Ramp C** (Up ramp for buses coming from Ashram side and going to Sarai Kale Khan Bus depot).				
13	**Ramp D** (Up ramp near Thyagraj Stadium for traffic going to Sarak Kale Khan side).				
14	**Ramp E** (Loop for traffic coming from Dhaula Kuan side via Ring Road and going to Sarai Kale Khan/ Noida side.)				
15	**Ramp F** (Down ramp for traffic coming from Sarai Kale Khan side and going towards Pragati Maidan).				
16	**Ramp G** (Down Ramp for traffic coming from JLN Stadium side and going towards Pragai Maidan).				
17	Elevated Road over Barapullah Nallah starting from JLN Stadium to Aurobindo Marg).				
18	Bridge on Barapullah Nallah to connect Elevated Road of East Kidwai Nagar.				
19	Bridge on Barapullah from Chandu Lal Balmiki Marg to Kidwai Nagar Colony at Entry No. 3.				
20	Bridge on Barapullah to connect Thyagaraj Stadium to South Extension.				
21	Extension of Ashram Flyover to DND Flyover.				
22	C/o Flyover at Nand Nagri and Gagan Cinema Junction (in progress).				
23	Construction of Elevated Road over Barapullah Nallah starting from Sarai Kale Khan to Mayur Vihar, New Delhi. (Phase-III) के अन्तर्गत मयूर विहार फेस –1 मे एक फ्लाईओवर वर्ष 2019 मे बनकर तैयार हो चुका है।				
24	सराय काले खाँ पर एक तीन लेन का हाफ फ्लाईओवर वर्ष 2023 मे बनकर तैयार हो चुका है।				

Executive Engineer (P), Flyover Zone

Annexure-1

वर्ष 2013 तक बनाए गए फ्लाइओवर, लूप, सबवे व अंडरपास का निर्माण किया गया है–

	FLYOVER - 75 Nos.		UNDERPASS - 15 Nos.	Subway - NIL	Loop - NIL
1	Shadipur Flyover	1	Mayapuri (ROB)	NIL	NIL
2	Defence Colony Flyover	2	Azadpur (ROB)		
3	Safdarjung Airport Flyover	3	Ashram (ROB)		
4	Lodhi Road Intersection Flyover	4	Peera Garhi (ROB)		
5	Obrai Hotel Intersection Flyover	5	ROB Ashok Vihar, Satyavati College		
6	Ring Road Intersection I.P. Estate	6	RUB Nagia Park, Shakti Nagar		
7	Moolchand Intersection Flyover	7	Madhuban Chowk underpass		
8	Wazirabad Bridge	8	ROB -Margnal Bund Road (Between ITO Chungi to		
9	Old Nizamuddin Bridge	9	Mool Chand Underpass		
10	Shahdra Flyover	10	ROB on Wazirabad Road No.63		
11	Seelempur Flyover	11	RUB Shakurbasti		
12	ISBT Flyover	12	RUB Lawrance Road		
13	Loni Road Flyover	13	Underpass Sawam Park, Ashok Vihar		
14	Chirag Delhi Flyover	14			
15	Tilak Nagar Flyover	15	RUB & ROB Road No.68		
16	IIT Delhi Flyover				
17	Okhla Flyover				
18	New Nizamuddin Flyover				
19	Hanuman Setu Flyover				
20	Moti Bagh Flyover				
21	Africa Avenue Flyover				
22	Punjabi Bagh Club Flyover				
23	Raja Garden Flyover				
24	Nehru Place Flyover				
25	Savitri Cinema Flyover				
26	Tilak Nagar Flyover				
27	Sarita Vihar Flyover				
28	Andrewj Ganj Flyover				
29	Mayapuri Flyover				
30	Ashram Chowk Flyover				
31	Peera Garhi Flyover				
32	Vikas Marg & Road No.57				
33	Safdarjung (AIIMS) Flyover				
34	Ring Road NH-24 By Pass				
35	Sarai Kale Khan Flyover				
36	(ROB) Road No.56				
37	Bhishm Pitamah Marg Flyover				
38	Dhaula Kuan Flyover				
39	Britania Chowk Flyover				
40	Maa Anand Mai Marg near Kalka Temple Flyover				
41	Panchsheel Club Flyover				
42	NH-24 Noida Mor Flyover				
43	NH-24 By pass near Ghazipur Freight Complex Flyover				
44	JB Tito Marg Flyover				
45	B-Avenue Flyover				
46	Moti Nagar Chowk Flyover				
47	Punjabi Bagh Flyover				
48	Delhi Cantt. Flyover				
49	Lajpat Nagar to Sriniwaspuri Flyover				
50	Mangolpuri Flyover				
51	Mukarba Chowk Flyover				
52	Road Over Disused Canal				
53	Geeta Colony Bridge				
54	DND Flyover				
55	Bhera enclave Flyover				
56	Africa Avenue/Aruna Asaf Ali Marg				
57	AA Marg/RTR Marg Flyover				
58	Nangloi Flyover				
59	Shastri Nagar Pusta Flyover				
60	RR Kohli Marg				
61	Underpass at I.T.O Chungi				
62	Grade Separator at Azadpur				
63	Naraina Flyover				
64	Salim Garh Fort Veldrome				
65	Bridge Over Pond Neela Hauz				
66	Gazipur Flyover				
67	Road Over Barapulla Nallah				
68	Near Akshardham on NH-56				
69	Apsara Border Flyover/Underpass				
70	UP Link Road Flyover 2 Nos.				
71	Shyam Lal College Flyover				
72	Netaji Subhash Chander Bose Flyover				
73	District Centre Jankapuri Flyover				
74	Anand Vihar Flyover				
75	Badarpur Border Flyover				

Executive Engineer (P), Flyover Zone

Annexure-2

वर्ष 2013 से 2025 के दौरान बनाए गए फ्लाइओवर, लूप, सबवे व अंडरपास का निर्माण किया गया है–

	Flyovers	S.No.	Underpass	Subway	Loop
1	Comprehensive Development of corridor (ORR) b/w Vikaspuri to Meera Bagh.	1	C/o underpass by jack pushing pre-cast RCC Boxes at ORR near Mukarba Chowk i/c C/o approach road from Badli junction to Hairderpur Metro Station (Work in Progress).		
2	Comprehensive Development of corridor (ORR) b/w Mangolopuri to Madhuban Chowk.	2	C/o Integrated Transit Corridor Development Plan along Mathura Road, Bhairon Marg, Mahatma Gandhi Marg and *connecting Mathura Road to Mahatma* Gandhi Marg via underground tunnel below Pragati Maidan. SH: Underground Tunnel. Underpass, Clover Leaves, FOB, Loops, Ramps, Footpath, Road Work including Road Signage, Street Light Works, Ventilation of Tunnel, Drainage, Rainwater Harvesting and allied Works.	NIL	NIL
3	Comprehensive Development of corridor (ORR) b/w Madhuban Chowk to Mukarba Chowk.	3	Construction of underpass along Mathura Road at *Ashram Chowk New Delhi.*		
4	Comprehensive Development of corridor (ORR) b/w Mukarba Chowk to Wazirabad.				
5	Corridor development and Street network / connectivity plan for the influence Zone of the corridor between Punjabi Bagh Flyover and Raja Garden Flyover.				
6	*Corridor improvement of Outer Ring Road From IIT to* NH-8 & its influence areas : Construction of (1) Flyover on portal Structure Linking Existing Munirka Flyover in the East to the point beyond Army RR Hospital in the West on the Outer Ring Road (2) Underpass at junction of BJ Marg and Inner Ring Road.				
7	Construction of Flyover with Ramps, Footpath, Road Work including Road Signage, Street Light works, Drainage, Horticulture, Mural Works & allied works at Road No. 56 between Anand Vihar ROB and Apsara Border ROB, New Delhi.				
8	Construction of Flyover at Shastri Park intersection (6 lane) and Seelampur (2 lane). SH: Ramps, Footpath, Road Work including Road Signage, Street Light works, Drainage & allied works.				
9	*Barapullah (Phase-II) - Construction of Elevated Road* over Barapulla Nallah starting from Sarai Kale Khan to Aurobindo Marg near INA Market, New Delhi, Phase-II from Jawaharlal Nehru Stadium to Aurobindo Marg with connection at Ring Road, Lala Lajpat Rai Marg and Aurobindo Marg.				
10	Ramp A (down ramp at Sarai Kale Khan for traffic coming from INA and going to Ashram and Noida)				
11	Ramp B (Up ramp for traffic coming from Ashram / *Noida side and going to INA*).				
12	Ramp C (Up ramp for buses coming from Ashram side and going to Sarai Kale Khan Bus depot).				
13	Ramp D (Up ramp near Thyagraj Stadium for traffic going to Sarak Kale Khan side).				
14	Ramp E (Loop for traffic coming from Dhaula Kuan side via Ring Road and going to Sarai Kale Khan/ Noida side.)				
15	Ramp F (Down ramp for traffic coming from Sarai Kale Khan side and going *towards Pragati Maidan*).				
16	Ramp G (Down Ramp for traffic coming from JLN Stadium side and going towards Pragai Maidan).				
17	Elevated Road over Barapullah Nallah starting from *JLN Stadium to Aurobindo Marg*).				
18	Bridge on Barapullah Nallah to connect Elevated Road of East Kidwai Nagar.				
19	Bridge on Barapullah from Chandu Lal Balmiki Marg to Kidwai Nagar Colony at Entry No. 3.				
20	Bridge on Barapullah to connect Thyagaraj Stadium to South Extension.				
21	Extension of Ashram Flyover to DND Flyover.				
22	C/o Flyover at Nand Nagri and Gagan Cinema Junction *(in progress)*.				
23	Construction of Elevated Road over Barapullah Nallah starting from Sarai Kale Khan to Mayur Vihar, New Delhi. (Phase-III) के अन्तर्गत मयूर विहार फेस –1 मे एक फ्लाईओवर वर्ष 2019 मे बनकर तैयार हो चुका है।				
24	सराय काले खाँ पर एक तीन लेन का हाफ फ्लाईओवर वर्ष 2023 मे बनकर तैयार हो चुका है।				

Executive Engineer (P), Flyover Zone

Annexure - 3

वर्ष 2013 से 2025 के दौरान इस कार्यालय के द्वारा निम्नलिखित फ्लाइओवरों का निर्माण किया गया है–

S.No.	Name of Work	A/A & E/S Amount (In Cr)	A/A & E/S Date	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
1	Comprehensive Development of corridor (ORR) b/w Vikaspuri to Meera Bagh.	559.60	19.06.2012	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2	Comprehensive Development of corridor (ORR) b/w Mangolopuri to Madhuban Chowk.	423.05	19.06.2012	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3	Comprehensive Development of corridor (ORR) b/w Madhuban Chowk to Mukarba Chowk.	421.79	19.06.2012	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00.	0.00	0.00
4	C/o underpass by jack pushing pre-cast RCC Boxes at ORR near Mukarba Chowk i/c C/o approach road from Badli junction to Hairderpur Metro Station (Work in Progress).	59.5	29.04.2022	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
5	Comprehensive Development of corridor (ORR) b/w Mukarba Chowk to Wazirabad.	633.17	19.06.2012	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
6	Corridor development and Street network / connectivity plan for the influence Zone of the corridor between Punjabi Bagh Flyover and Raja Garden Flyover.	352.32	03.06.2022	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4999.98	20362.45	2349.51
7	Corridor improvement of Outer Ring Road From IIT to NH-8 & its influence areas Construction of (1) Flyover on portal Structure Linking Existing Munirka Flyover In the East to the point beyond Army RR Hospital in the West on the Outer Ring Road (2) Underpass at *junction of BJ Marg and Inner Ring Road.*	364.87	04.10.2013	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3487.21	1621.08	5427.16	2201.35	47.68	0.00
8	Construction of Flyover with Ramps, Footpath, Road Work including Road Signage, Street Light works, Drainage, Horticulture, Mural Works & allied works at Road No. 56 between Anand Vihar ROB and Apsara Border ROB, New Delhi.	0.51	21.05.2018	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8731.77	15463.88	5399.93
9	Construction of Flyover at Shastri Park Intersection (6 lane) and Seelampur (2 lane). SH: Ramps, Footpath, Road Work including Road Signage, Street Light works, Drainage & allied works.	303.30	07.09.2019	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	19302.88	4854.47	85.58	16.04	0.00	0.00
10	C/o Integrated Transit Corridor Development Plan along Mathura Road, Bhairon Marg, Mahatma Gandhi Marg and connecting Mathura Road to Mahatma Gandhi Marg via underground tunnel below Pragati Maidan. SH: Underground Tunnel. Underpass, Clover Leaves, FOB, Loops, Ramps, Footpath, Road Work including Road Signage, Street Light Works, Ventilation of Tunnel, Drainage, Rainwater Harvesting and allied Works.	923.16 Cr 21.14 (Additional) = 944.30 Cr	02.06.2017 23.12.2020	0.00	0.00	0.00	0.00	7810.11	38405.36	10582.10	22092.7	4470.58	7641.13	1442.84	176.17
11	**Barapullah (Phase-II)** - Construction of Elevated Road over Barapulla Nallah starting from Sarai Kale Khan to Aurobindo Marg near INA Market, New Delhi, Phase-II from Jawaharlal Nehru Stadium to Aurobindo Marg with connection at Ring Road, Lala Lajpat Rai Marg and Aurobindo Marg.	530.00 Cr	20.06.2012	0.00	0.00	0.00	7126.04	2597.98	1935.13	368.34	0.00	26.28	0.00	0.00	0.00
a	Ramp A (down ramp at Sarai Kale Khan for traffic coming from INA and going to Ashram and Noida)														
b	*Ramp B (Up ramp for traffic coming from Ashram / Noida side and going to INA).*														
c	Ramp C (Up ramp for buses coming from Ashram side and going to Sarai Kale Khan Bus depot).														
d	Ramp D (Up ramp near Thyagraj Stadium for traffic going to Sarak Kale Khan side).														
e	Ramp E (Loop for traffic coming from Dhaula Kuan side via Ring Road and going to Sarai Kale Khan/ Noida side.)														
f	Ramp F (Down ramp for traffic coming from Sarai Kale Khan side and going towards Pragati Maidan).														
g	Ramp G (Down Ramp for traffic coming from JLN Stadium side and going towards Pragai Maidan).														
h	Elevated Road over Barapullah Nallah starting from JLN Stadium to Aurobindo Marg).														
12	Bridge on Barapullah Nallah to connect Elevated Road of East Kidwai Nagar.	76.82 Cr (Revised)	-	0.00	0.00	8.59	2994.90	4068.84	314.83	31.03	128.52	2.44	0.00	0.00	0.00
13	Bridge on Barapullah from Chandu Lal Balmiki Marg to Kidwai Nagar Colony at Entry No. 3.	7.23 Cr	11.12.2017	0.00	0.00	0.00	0.00	0.33	342.87	142.80	38.38	102.79	0.00	22.39	0.00
14	Bridge on Barapullah to connect Thyagaraj Stadium to South Extension.	Rs. 36.79 Cr (Revised)	16.02.2019	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1632.15	1461.87	512.89	0.00	0.00	0.00	0.00
15	Construction of underpass along Mathura Road at Ashram Chowk New Delhi.	77.92	07.12.2018	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	359.62	3255.01	3330.23	514.96	8.32	0.00

Annexure - 3

वर्ष 2013 से 2025 के दौरान इस कार्यालय के द्वारा निम्नलिखित फ्लाइओवरों का निर्माण किया गया है–

S.No.	Name of Work	A/A & E/S Amount (In Cr)	A/A & E/S Date	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
16	Extension of Ashram Flyover to DND Flyover.	128.85	16.12.2019	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1290.02	8895.83	5999.75	47.43	0.00
17	C/o Flyover at Nand Nagri and Gagan Cinema Junction (in progress).	341.20	30.09.2022	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
18	Construction of Elevated Road over Barapullah Nallah starting from Sarai Kale Khan to Mayur Vihar, New Delhi. (Phase-iii) के अन्तर्गत मयूर विहार फेस –1 मे एक फ्लाईओवर वर्ष 2019 मे बनकर तैयार हो चुका है।	1260.63	10.12.2014	0.00	5.42	19216.10	17537.00	13431.25	15889.69	4753.71	6473.01	4873.60	3483.29	9591.64	14958.24
19	सराय काले खॉं पर एक तीन लेन का हाफ फ्लाईओवर वर्ष 2023 मे बनकर तैयार हो चुका है।	66.55	27.04.2022	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3688.15	1190.82	0.00

Executive Engineer (P), Flyover Zone

Annexure-4

S.No	Name of Work	
1	Corridor improvement of Outer Ring Road From IIT to NH-8 & its influence areas : Construction of (1) Flyover on portal Structure Linking Existing Munirka Flyover in the East to the point beyond Army RR Hospital in the West on the Outer Ring Road (2) Underpass at junction of BJ Marg and Inner Ring Road.	Shri Raj Kumar Chauhan
2	Construction of Elevated Road over Barapullah Nallah starting from Sarai Kale Khan to Mayur Vihar, New Delhi. (Phase-III) के अन्तर्गत मयूर विहार फेस –1 मे एक फ्लाईओवर वर्ष 2019 मे बनकर तैयार हो चुका है।	
3	सराय काले खॉ पर एक तीन लेन का हाफ फ्लाईओवर वर्ष 2023 मे बनकर तैयार हो चुका है।	
4	Construction of Flyover with Ramps, Footpath, Road Work including Road Signage, Street Light works, Drainage, Horticulture, Mural Works & allied works at Road No. 56 between Anand Vihar ROB and Apsara Border ROB, New Delhi.	Shri Mahish Sisodia
5	Comprehensive Development of corridor (ORR) b/w Vikaspuri to Meera Bagh.	Shri Satyendra Kumar Jain
6	Comprehensive Development of corridor (ORR) b/w Mangolopuri to Madhuban Chowk.	
7	Comprehensive Development of corridor (ORR) b/w Madhuban Chowk to Mukarba Chowk.	
8	C/o underpass by jack pushing pre-cast RCC Boxes at ORR near Mukarba Chowk i/c C/o approach road from Badli junction to Hairderpur Metro Station (Work in Progress).	
9	Comprehensive Development of corridor (ORR) b/w Mukarba Chowk to Wazirabad	
10	Corridor development and Street network / connectivity plan for the influence Zone of the corridor between Punjabi Bagh Flyover and Raja Garden Flyover.	
11	Construction of Flyover at Shastri Park Intersection (6 lane) and Seelampur (2 lane). SH: Ramps, Footpath, Road Work including Road Signage, Street Light works, Drainage & allied works.	
12	C/o Integrated Transit Corridor Development Plan along Mathura Road, Bhairon Marg, Mahatma Gandhi Marg and connecting Mathura Road to Mahatma Gandhi Marg via underground tunnel below Pragati Maidan. SH: Underground Tunnel, Underpass, Clover Leaves, FOB, Loops, Ramps, Footpath, Road Work including Road Signage, Street Light Works, Ventilation of Tunnel, Drainage, Rainwater Harvesting and allied Works.	
13	**Barapullah (Phase-II)** - Construction of Elevated Road over Barapulla Nallah starting from Sarai Kale Khan to Aurobindo Marg near INA Market, New Delhi, Phase-II from Jawaharlal Nehru Stadium to Aurobindo Marg with connection at Ring Road, Lala Lajpat Rai Marg and Aurobindo Marg.	
a	Ramp A (down ramp at Sarai Kale Khan for traffic coming from INA and going to Ashram and Noida)	
b	Ramp B (Up ramp for traffic coming from Ashram / Noida side and going to INA).	
c	Ramp C (Up ramp for buses coming from Ashram side and going to Sarai Kale Khan Bus depot).	
d	Ramp D (Up ramp near Thyagraj Stadium for traffic going to Sarak Kale Khan side).	
e	Ramp E (Loop for traffic coming from Dhaula Kuan side via Ring Road and going to Sarai Kale Khan/ Noida side.)	
f	Ramp F (Down ramp for traffic coming from Sarai Kale Khan side and going towards Pragati Maidan).	
g	Ramp G (Down Ramp for traffic coming from JLN Stadium side and going towards Pragai Maidan).	
h	Elevated Road over Barapullah Nallah starting from JLN Stadium to Aurobindo Marg).	
14	Bridge on Barapullah Nallah to connect Elevated Road of East Kidwai Nagar.	
15	Bridge on Barapullah from Chandu Lal Balmiki Marg to Kidwai Nagar Colony at Entry No. 3.	
16	Bridge on Barapullah to connect Thyagaraj Stadium to South Extension.	
17	Construction of underpass along Mathura Road at Ashram Chowk New Delhi.	
18	Extension of Ashram Flyover to DND Flyover.	
19	C/o Flyover at Nand Nagri and Gagan Cinema Junction (in progress).	

Executive Engineer (P), Flyover Zone

156. श्री मुकेश कुमार अहलावतः क्या माननीय **लोक निर्माण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्तमान लोक निमार्ण मंत्री द्वारा बारापुला कॉरीडोर का दौरा किए जाने की तिथि;

(ख) बारापुला परियोजना के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वीकृति देने की तिथि; और

(ग) इस परियोजना के कब तक पूरा होने की संभावना है, परियोजना की विस्तृत योजना व निश्चित समयसीमा सहित संपूर्ण विवरण दें?

लोक निर्माण विभागः (क) वर्तमान लोक निर्माण मंत्री द्वारा बारापुला कॉरीडोर का दौरा किए जाने की तिथि 22.02.2025 थी।

(ख) सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वीकृति देने की तिथि 14.12.2014 थी।

(ग) इस परियोजना का कार्य 86 प्रतिशत पूरा हो चुका है लेकिन शेष कार्य परियोजना के अंदर 274 पेडो {93 पेड डी.सी.एफ. (दक्षिण) और 181 पेड डी.सी.एफ. (मध्य)} की उपस्थिति के कारण कार्य बाधित है। जिनको हटााने या प्रत्यारोपित करने की आवश्यकता है। जैसे ही वन विभाग द्वारा पेड हटाने या प्रत्यारोपित करने की स्वीकृति दे दी जाएगी, स्वीकृति मिलने के 15 महीनों के अन्दर सम्पूर्ण कार्य पूरा कर लिया जाऐगा।

157. श्री सुरेंद्र कुमारः क्या माननीय **लोक निर्माण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि गोकलपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत लोनी रोड-गोल चक्कर पर पीडब्ल्यूडी द्वारा अंडरपास बनाया जाना था;

(ख) यदि हां तो अब तक यह अंडरपास नहीं बनाए जाने के क्या कारण है;

(ग) इसके लिए कितना बजट पास किया गया है, विस्तृत विवरण दें; और

(घ) यह अंडरपास कब तक बना दिया जाएगा?

लोक निर्माण मंत्रीः (क) जी हाँ।

(ख) लोनी रोड़ गोली चक्कर के अंडरपास परियोजना के संरेखण के साथ कई बाधाएँ, जैसे कि पेड़ों की कटाई, डीजेबी लाइन का स्थानांतरण और अतिक्रमण, प्रतिच्छेर कर रही हैं, जिस पर कार्यवाही चल रही हे। इस वजह से अभी तक इस अंडरपास का कार्य शुरू करने में विलम्ब हो रहा है। यह काय अतिक्रमण हटाने एवं उपयोगिताओं के स्थानान्तरण के बाद 15 माह में पूर्ण कर लिया जाएगा।

(ग) रु. 70.00 करोड़, A/A & E/s dated 30.09.2022.

(घ) उपरोक्त 'ख' के अनुसार।

158. सुश्री आतिशीः क्या माननीय **लोक निर्माण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 2023-24 और 2024-25 में सड़कों के रीलेइंग/ रीकारपेटिंग के लिए कितना अनुमानित बजट पास किया गया था; निम्नलिखित का सड़कवार तालिकाबद्ध विवरण दें;

(ख) कितनी सड़कों को रीलेइंग/रीकारपेटिंग के लिए उपयुक्त पाया गया था;

(ग) जिन सड़कों को सिद्धांततः रीलेइंग/रीकारपेटिंग दी गई, उन्हें स्वीकृति देने वाले अधिकारी का नाम, पदनाम व उक्त सिद्धांततः स्वीकृति देने की तिथि बताएँ;

(घ) यदि उक्त में से प्रत्येक के लिए 'सेंक्शन ऑर्डर' जारी कर दिए गए थे, तो उनका स्वीकृत बजट कितना था, सेंक्शन ऑर्डर जारी होने की तिथि सहित बताएँ;

(ङ) यदि रीलेइंग/रीकारपेटिंग के लिए निविदाएँ जारी की गई थीं, तो निविदा जारी करने की तिथि और उन्हें पास किए जाने की तिथि बताएँ;

(च) क्या इन सड़कों की रीलेइंग/रीकारपेटिंग का काम आरंभ हो गया है, यदि हाँ, तो तिथि बताएँ;

(छ) क्या इन सडकों की रीलेइंग/रीकारपेटिंग का काम पूरा हो गया है, यदि हाँ, तो तिथि बताएँ; और

(ज) जिन सड़कों को रीलेइंग/रीकारपेटिंग के लिए चिह्नित किया गया था, उनमें कितनों का काम पूरा नहीं हो सका है?

लोक निर्माण विभाग: (क) अनुमानित बजट: वर्ष 2023-24: 944.51 करोड़ एवं वर्ष 2024-25: 695 करोड़।

सड़कों के रीलेइंग/रीकारपेटिंग का सड़कवार तालिका बद्व विवरण संलग्न है। (Annexure-A)

(ख) 150 सड़कों को रीलेइंग/रीकारपेटिंग के लिए उपयुक्त पाया गया।

(ग) संलग्न (Annexure-A) के अनुसार।

(घ) कुल रु. 588.11 करोड़। संलग्न (Annexure-A) के अनुसार।

(ङ) संलग्न (Annexure-A) के अनुसार।

(च) संलग्न (Annexure-A) के अनुसार।

(छ) 150 में से 67 सड़कों का काम पूरा हो चुका है। तिथि का विवरण संलग्न (Annexure-A) के अनुसार।

(ज) 150 में से 83 सड़कों का काम पूरा नहीं हो सका।

Annexure-A, 158

Status of Strengthening Works under East Zone (2023-24)

(Annexure-A)

Sl. No.	Name of work/Road Name (क)	No. of Roads eligible for relaying /recarpeting	A/A & E/S Amount	A/A and E/S details	Name of Principle Approval officer & Designation	Tender Amount	Tender Floated/ Award Date	Stipulated Date of start	Date of completion	Progress of work in %	Remarks
	East Road Division										
1	Strengthening / resurfacing of PWD roads by cold milling and recycling process of various roads of Sub Division East Road-II under Division East Road /(M-212), Delhi during 2023-24. 1. Road No. 109 from Sapera Basti to Khora Chowk. 2. Dallupura Road from Timber Market to Noida Border. 3. Budh Singh Marg from Manav Ashray Cut to Dallupura T-point	3	₹ 9,70,83,100.00	Chief Engineer, Zone East(M),PWD Delhi vide letter no 15(15)/ए०ए० व वि०स्वी०/वि०आ०/अनु०आ०पूर्व (एम)/2023-24/510 हि० दिनांक 25.01.2024 & AA&ES - No 08/PWD/2023-24/AA&ES/M2/200 /42	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	Rs. 4,56,73,031.00	23.02.2024/ 16.03.2024	20.03.2024	31.01.2025	100%	Work Completed
2	Rehabilitation/ Strengthening of PWD roads by cold milling and recycling process of various roads under Sub Division East Road-IV of Division East Road/(M-212), Delhi during 2023-24. 1. Road no 57 A - (Road ID:- 1731. 2. Agarsain Apartment Road. (Road ID:- 1491). 3 NH-24 to Link road No .01 (Road ID:- 178). 4. NH-24 to Link road No .02	4	₹ 4,15,33,900.00	Chief Engineer, Zone East(M),PWD Delhi vide letter no 15(15)/ए०ए० व वि०स्वी०/वि०आ०/अनु०आ०पूर्व (एम)/2023-24/903 हि० दिनांक 12.02.2024 & AA&ES - No 18/PWD/2023-24/AA&ES/M2/ 200/ 42	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	Rs 2,22,87,504.00	24.02.2024/ 19.03.2024	19.03.2024	29.08.2024	100%	Work Completed
	NORTH EAST ROAD										
3	Improvement & Strengthening of Brahmpuri Road (From Ghonda Chowk to Brahmpuri Dhalav) and Slip Road of Eastern Approach Road of Signature Bridge under PWD Sub-Division M-2132 98/EE/PWD/M-213/2023-24	2	₹ 4,61,69,100.00	A/A & E/S 15(15)/AA & ES/FO/Zone (East) M/2023-24/692-H dt. 02.02.2024	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	Rs. 2,18,47,304.00	24-02-2024 15-03-2024	21.03.2024		95%	Work in Progress
4	Raising of Bank Colony Road. remodeling of RCC drain along western Side of Mandoli Jail Complex under Sub-Division M-2132, Delhi 103/EE/PWD/M-213/2023-24	1	₹ 2,64,39,700.00	A/A & E/S 15(15)/AA & ES/FO/Zone (East) M/2023-24/688-H dt. 02.02.2024	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	Rs 1,64,67,678.00	24-02-2024 16-03-2024	21.03.2024		95%	Work in Progress
5	Improvement & Strengthening of Babarpur Road (From G T Road to Maujpur Red light) and Mandoli Road (From Railway crossing to Loni Road) under PWD Sub Division M-2134 106/EE/PWD/M-213/2023-24	2	₹ 6,50,62,100.00	A/A & E/S 15(15)/AA & ES/FO/Zone (East) M/2023-24/690-H dt. 02.02.2024	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	Rs 2,93,01,902.00	24-02-2024 16-03-2024	23.03.2024		90%	Work in Progress
	Shahdara Road Division										
6	Strengthening / Resurfacing of (1) LIC Road (from Malaria office MCD to G.T. Road), (2) *Road from Divider Road to Gurudwara road near Pummy Sweets*, (3) *Road in front* of Hans Raj Public School Dilshad Garden, (4) Road from T-Point, L-Pocket to R Block small rotary, (5) Road No. 62 (J&K Pocket) to Petrol Pump GT Road (in front of Red Cross Society), (6) Road from Gurudwara Road (T-Point of Kalander Colony) Gauri Shankar Mandir, (7) Road from Divider road to Gurudwara (near Mukherji Public School) Dilshad Garden.	7	₹ 3,65,04,500.00	15(15)A/A&E/S/East Zone/23-24/904-H dated 12.02.2024	CE	16523167	24.02.2024 15.03.2024	22.03.2024	20.05.2024	100%	Work Completed
7	Strengthening/Resurfacing of Road from (1) GT Road to Road No 64 via Telephone Exchange (2) R - Block Road (From Divider Road to Aggrawal Sweet to GT Road) under Sub-Division M-2114 of Shahadara Road Division (M-211) during 2023-24	2	₹ 1,69,96,400.00	15(15)A/A&E/S/East Zone/23-24/905-H dated 12.02.2024	CE	7857245	24.02.2024 15.03.2024	22.03.2024	20.05.2024	100%	Work Completed
8	Strengthening of Road No. 69 during 2023-24 under Sub-Division M-2114, Road Maintenance Division M-211, PWD Delhi.	1	₹ 4,12,43,100.00	15(15)A/A&E/S/East Zone/23-24/1110-H dated 21.02.2024 Rs. 4,12,43,100/-	CE	19830436	24.02.2024 15.03.2024	22.03.2024	20.05.2024	95%	Work in progress
9	Strengthening of Shahdara Road (Road No. 57 to Babu Ram School) during 2023-24 (Modified & 2nd call after termination of earlier contract).	1	₹ 1,10,36,700.00	15(15)/AA&ES/F.O./Zone East(M)/ 2023-24/1442 (H) dated 11.03.2024 Rs. 1,10,36,700/-	CE	5283882	22.09.2024 26.12.2024	28.12.2024	26.04.2025	70%	Work in progress
	CENTRAL & NEW DELHI Road Division										
10	Strengthening of Ring Road from I P Flyover to Raj Ghat Crossing under Sub Division-3 of Division (C&ND)-Roads (M-413). PWD. New Delhi during 2022-23	1	₹ 9,75,82,200.00	Letter No. 23(70)/CE(Flyover)/2022/2295(H) dated 31.12.2022	CE (Flyover), PWD	Rs. 5,79,40,066/-	02.06.2023	02.06.2023	18.05.2024	100%	Work Completed
11	Strengthening of Ring Road from Shantivan to Hanuman Setu under Sub Division-3 of Division (C&ND)-Roads (M-413). PWD. New Delhi during 2022-23	1	₹ 7,04,68,200.00	Letter No. 23(70)/CE(Flyover)/2022/2294(H) dated 31.12.2022	CE (Flyover), PWD	Rs 4,13,71,343/-	02.06.2023	02.06.2023	14.08.2024	100%	Work Completed

Sl. No.	Name of work/Road Name (क)	No. of Roads eligible for relaying /recarpeting	A/A & E/S Amount	A/A and E/S details	Name of Principle Approval officer & Designation	Tender Amount	Tender Floated/ Award Date	Stipulated Date of start	Date of completion	Progress of work in %	Remarks
12	Strengthening of Ring Road from Raj Ghat to Shanti Van Crossing under Sub Division-3 of Division (C&ND)-Roads (M-413), PWD, New Delhi during 2022-23	1	₹ 6,22,34,300 00	Letter No 23(70)/CE(Flyover)/2022/625 dated 10.02.2023	CE (Flyover), PWD	Rs 3,64,49,168/-	02 06 2023	02.06.2023	10 06 2024	100%	Work Completed
Status of Strengthening Works under South Zone (2023-24)											
13	Strengthening of Press Enclave Road (ID: 580 MCD) Road through cold milling and recycling process under Sub division -4 of Division South Road-1 PWD, New Delhi.	1	₹ 12,98,36,500.00	Dy. Secretary (Works), PWD Sectt SS/PWD/ 02 /2023-24 ENC/DIR/W/PE/407/(E)/4728 -43 dt. 20.04.2024	Hon'ble Minister, PWD (23 01.2023)		---	---	---	0%	Tender for the work to be called only after work of storm water drain
14	Providing & Laying Stone Matrix Asphalt (SMA) on B-Avenue and Africa Avenue Flyover at Ring Road through Cold Milling and recycling process under Sub-Division-2 of Division South Road-2, PWD, New Delhi during 2023-24.	1	₹ 2,55,55,200 00	CE, South (M), Zone, PWD (Sanction No. 06/PWD/South M/2023-24) Issued by FO/CE/South/2023-24/ 15(15)/A/A &E/S/72 dated 25.01.2024	Hon'ble Minister, PWD (16.01 2024)		01 02 2024 12.03 2024	15 03.2024	20.02 2025	100%	Work completed
15	Strengthening of Mehrauli-Mahipalpur Road from Andheria More to NH-48 (Road ID 777) Estimated cost Rs.	1	₹ 14,24,69,500.00	Dy. Secretary (Works), PWD Sectt SS/PWD/ 06 /2023-24 EnC /Dir/W/PE/509(E)/dspwd2/ 14472-14488 dt. 18.12.2023	Hon'ble Minister, PWD. (23 03.2023)		29.12 2023 12.03 2024	13 03.2024	30 05 2025	Work in Progress 66%	
16	Strengthening of road surface of Outer Ring Road (Road ID: 972) from Modi Mill Flyover to Chirag Delhi Flyover, Chirag Delhi Flyover to Modi Mill Flyover and connecting service lanes under PWD Division SER-2/21	1	₹ 16,81,68,100.00	Dy. Secretary (Works), PWD Sectt. SS/PWD/ 10 /2023-24 dspwd2/265-281/ 17 01.2024. SS/PWD/10/2023-24	Hon'ble Minister, PWD. (12.02 2024)		14 03 2024 24 07 2024	02 08.2024	31 05 2025	Work in Progress 25%	
Status of Strengthening Works under North Zone (2023-24)											
17	Strengthening of Road No. 40 (Vir Banda Bairagi Marg) from Zakhira Pump House to Metro Pillar No 100 under PWD Division North West Road-1 under Sub Division NWr-13 during 2023-24. Agency M/s Satya Prakash & Bros Pvt Ltd. Agmt. No 53/EE/NWr-1/PWD/2023-24 List of roads. Road NO 40 (1 Number Road)	1	774.13 Lakh		CE (North)		06.07 2023 18 08 2023	03.09.2023	27 03.2024	100%	Work completed
18	Improvement/Development of Road No. 320, 319, 323 and Chaudhary Mehar Chand Marg of Shalimar Bagh Area recently taken over from DDA by PWD, Division NWR-1 and Sub Division NWR-14. (SH - Construction/Modification of drainage system, footpaths, central verge & widening/strengthening of roads) SW - Balance work of widening of Road No. 320 from RUB Shalimar Bagh T-Point of Road No. 319 Agency : M/s Sethi Construction Agmt No. 44/EE/NWR-1/PWD/2023-24 List of roads. Road NO 320	1	242.46 Lakh		E-in-C, PWD		28.06 2023 31 07 2023	11.08.2023	21.10 2024	100%	Work completed
19	Strengthening/Resurfacing/ Microsurfacing of PWD roads (Roads with ROW< 30 Mtrs) Strengthening of Road No 30 under sub division NWR-24, Division NWR-2, Sainik Vihar, Delhi under PWD North Zone with hot recycling method after cold milling. Agency : M/s A. S. Infratech Agmt. No 23/EE/PWD M-312/2023-24 List of roads Road NO. 30	1	441.69 Lakh		Chief Engineer, North Zone M, PWD Delhi		25.04.2023 22 06 2023	01.07.2023	22 04 2024		Work completed

Sl. No.	Name of work/Road Name (क)	No. of Roads eligible for relaying /recarpeting	A/A & E/S Amount	A/A and E/S details	Name of Principle Approval officer & Designation	Tender Amount	Tender Floated/ Award Date	Stipulated Date of start	Date of completion	Progress of work in %	Remarks
20	Strengthening/Resurfcing/ Microsurfacing of PWD roads (Roads with ROW< 30 Mtrs) Strengthening of various roads (SGH Road, Kalamandir Cinema Road, L P Road, B Block and G/F Block Road - Mangolpuri, H Block Road and G Block Road - Sultanpuri, Road No A2 sector 1/2 - Rohini) having ROW less 30 meter under sub division NWR-21, Division NWR-2, Sainik Vihar Delhi under PWD North Zone with hot recycling method after cold milling during 2022-23 and 2023-24 Agency: M/s R K Brothers & Co Agmt No 36/EE/PWD/NWR-2/2023-24 List of roads (i)SGH Road to Road 316 (ii)Kalamandir Cinema Road, (iii)L P Road, (iv)B Block road Mangolpuri (v)G Block Road. Sultanpuri. (vi)G/F Block Road - Mangolpuri, (vii)H Block Road and Sultanpuri, (viii)Road No. A2 Avantika	8	742.45 Lakh		Chief Engineer, North Zone M, PWD Delhi		26.06.2023 15.08.2023	01.02.2024	31.10.2024		Work completed
21	Strengthening/Resurfacing/ Microsurfacing of PWD roads (ARTERIAL) Strengthening of Amar Shaheed Bismil Marg, Police Line road Parwana Road under Sub Division NWR-24, Division NWR-2, Sainik Vihar, Delhi under PWD North Zone with hot recycling method after cold milling for roads upto 30m ROW Agency: M/s SBG Infracon Pvt Ltd Agmt. No. 33/EE/PWD/NWR-2/2023-24 List of roads (i)Amar Shaheed Bismil Marg, (ii)Police Line road (iii)Parwana Road	3	593.00 Lakh		Chief Engineer, North Zone M, PWD Delhi		21.06.2023 11.08.2023	01.02.2024	31.05.2024		Work completed
22	Strengthening/Resurfcing/ Microsurfacing of PWD roads (Roads with ROW< 30 Mtrs) Strengthening of Road No 42 under sub division NWR-24, Division NWR-2, Sainik Vihar, Delhi under PWD North Zone with hot recycling method after cold milling. Agency : M/s A. S. Infratech Agmt No 22/EE/PWD M-312/2023-24 List of roads. (i) Road No 42	1	272.83 Lakh		Chief Engineer, North Zone M, PWD Delhi		18.04.2023 22.06.2023	01.07.2023	20.04.2024		
23	Strengthening/Resurfcing/ Microsurfacing of PWD roads (Roads with ROW< 30 Mtrs) Strengthening of various roads (Ahinsha Marg sector-9, Rohini, Babosa chowk to Tulsi Aptt., Ring road to Maheswari Aptt., ORR to Road No. B-5 sector-14, Rohini, Internal road of sector-9, Rohini, Pkt.-14 to Pkt.C-1, Pkt.-10 to Pkt.D-4, sector-20, Rohini, Pkt 8 to Pkt. 9, Pkt. B-2 to Park, Pkt 13 to pkt. 9, Pkt. 5 to Pkt. 6 sector-21. Rohini) having ROW < 30 mtr. under Sub Division NWR-23, PWD Division NWR-2, Sainik Vihar Delhi under PWD North Zone by cold milling method with recycled material, dg 2022-23 & 2023-24. (Total 11 nos. roads) Agency: M/s R. K.Brothers & Co. Agmt. No. 32/EE/PWD/NWR-2/2023-24 List of roads (i)Ahinsha Marg sector-9, Rohini. (ii)Babosa chowk to Tulsi Aptt. (iii) Ring road to Maheswari Aptt.. (iv)ORR to Road No. B-5 sector-14, Rohini. (v)Rohini, Pkt.-14 to Pkt.C-1, Sec-20 (vi)Internal road of sector-9. (vii)Pkt.-10 to Pkt.D-4, sector-20, Rohini.. (viii)Pkt. 8 to Pkt. 9, Sct. 21. (ix)Pkt. B-2 to Park. Sec-21. (x)Pkt. 13 to pkt. 9, Sec-21 (xi)Pkt. 5 to Pkt 6 sector-21, Rohini)	11	666.51 Lakh		Chief Engineer, North Zone M, PWD Delhi		26.06.2023 07.08.2023	01.02.2024		60%	Work in Progress

Sl. No.	Name of work/Road Name (क)	No. of Roads eligible for relaying /recarpeting	A/A & E/S Amount	A/A and E/S details	Name of Principle Approval officer & Designation	Tender Amount	Tender Floated/ Award Date	Stipulated Date of start	Date of completion	Progress of work in %	Remarks
24	Strengthening/Resurfcing/ Microsurfacing of PWD roads (Roads with ROW< 30 Mtrs) Strengthening of various roads (Road No 318, Road No. 319, Sir Chhotu Ram Ram Marg-A3 Road, N S. Hardikar Marg-A1 Road) under Sub Division NW R-21, Division NW R-2, Sainik Vihar, Delhi under PWD North Zone with hot recycling method after cold milling. Agency: M/s SBG. Infracon Pvt Ltd.. Agmt. No. 37/EE/PWD/NWR-2/2023-24 List of roads: (i)Road No. 318, (ii)Road No. 319, (iii)Sir Chhotu Ram Ram Marg-A3 Road, (iv)N S. Hardikar Marg-A1 Road	4	726 43 Lakh		Chief Engineer, North Zone M, PWD Delhi		21.06.2023 23.08.2023	01 09 2023	31.05.2024	100%	work completed
25	Strengthening of 100' Road New Khayala Road, Major Sudesh Gadok Marg (J-21/1 to Najafgarh Road) & 100' Road (Patel Chowk to Subhash Nagar Drain), under Sub-Division WR-15, Division West Road-1 during 2023-24.	3	540 91 Lakh		Chief Engineer, North Zone M, PWD Delhi			15.03 2024	14 05 2024	100%	work completed
26	Strengthening of Guru Virjanand Marg & Tilak Nagar to 20-Block, Tilak Vihar Road under Sub Division WR-13, Division West Road-1	3	171 Lakh		Chief Engineer, North Zone M, PWD Delhi			15.03 2024	14 04 2024	100%	work completed
27	Strengthening of various roads such as Najafgarh Road, Punjab Garden Road, Smt. Ginni Devi Road, Bhagwan Das Road, Hemwati Nandan Bahuguna Marg, road from Milan Cinema to H. No. 19/289, Road from House no. H-1 to I-47 near Milan Cinema Karampura and Road from House HIL to bus terminal of 234, HIL Karampura, Lal Sai Mandir Marg D story, Pankaj Batra Marg under PWD Maintenance Division WR-2 / Sub Division WR-21, New Delhi during 2022-23. Agency . M.I A. Construction Pvt Ltd. Agmt No. 02/EE/PWD/M-112/2023-24 List of roads (I)Najafgarh Road, Punjab Garden Road (II)Smt. Ginni Devi Road	9	1637.43 Lakh		Secretary, PWD, Delhi		21.02.2023/ 18.04.2023	28.04.2023	06.02.2025		Work just awarded and yet to be start
28	Strengthening / Improvement of various roads under PWD Division West Road-2. (i) Ch. Prem Sukh Road (ii) Road from R block jwalapuri to Sai mandir Guru Harkishan Nagar (iii) 60 feet road in Jwala Puri (iv) Capital Plaza Market to JhajAppt Mianwali Nagar (v) VindhachalAppt to Virat Co Op Society Mianwali Nagar (vi) Laxmi Narain Marg (N S Road) (vii) Sant Marks School to DDA Market GH-5&7, Paschim Vihar under Sub-division WR-23, New Delhi during 2023-24. Agency : R.K. Brother & Co Agmt No. 66/EE/PWD/M-112/2023-24	7	516.47 lakhs		Chief Engineer, PWD North Zone, Delhi		13.07.2023 24.08 2023		02 09 2023	16 11.2024	Work completed
29	Strengthening of various road such as 80 feet wide road MS Garden Road, Rama Road (Satguru Ram Singh Marg) bus route B-14 Tagore Market to G-82 Kirti Nagar, GL Sikka Marg Link Road-I, II, T-Sohan Lal Marg, Suman Lata Badola Marg, Madhav Setu Marg & Major Rajiv Bhasin Marg D/Story under PWD Maintenance Division WR-2/SD WR-21, New Delhi during 2019-20 (SH.: Balance work for Major Rajiv Bhasin Marg D/Story and Madhav Setu Marg) Agency : R.K. Brother & Co. Agmt No. 107/EE/PWD/M-112/2023-24 List of roads: (i) Major Rajiv Bhasin Marg D/Story (ii) Madhav Setu Marg)	2	175.66 lakhs		Chief Engineer, PWD North Zone, Delhi		19.09.2023 04 01.2024	15.01.2024	04 08.2024		Work completed
30	Strengthening / Improvement of various roads under PWD Division West Road-2, Hiran Kudna Road under Sub-division WR-22, New Delhi during 2023-24. Agency : GNA Construction Co Agmt No. 116/EE/PWD/M-112/2023-24 List of road - Hiran Kudna Road	1	399.04 lakhs		Chief Engineer, PWD North Zone, Delhi		08.02.2024/ 01 03.2024	07.03 2024	01 07 2024	Completed	Work completed

Sl. No.	Name of work/Road Name (क)	No. of Roads eligible for relaying/recarpeting	A/A & E/S Amount	A/A and E/S details	Name of Principle Approval officer & Designation	Tender Amount	Tender Floated/ Award Date	Stipulated Date of start	Date of completion	Progress of work in %	Remarks
31	Strengthening of Road no 41, Road no 77 and Road from Paschim Puri Chowk to New Slum Qtrs under Division West Road -2 PWD Sub Division WR-24, Multan Nagar Delhi -110056 during 2023-24 Agency : Karambir Rana Builders Agmt No 117/EE/PWD/M-112/2023-24 List of Roads - (i) Road no. 41, (ii) Road no. 77 and (iii) Road from Paschim Puri Chowk to New Slum Qtrs	3	463 05 lakhs		Chief Engineer, PWD North Zone, Delhi		08.02.2024/ 01.03.2024	08.03.2024	08.05.2024	100%	Work completed
32	Strengthening of service lanes of Rohtak Road (NH-10) from Metro Pillar No 109 to 273 under Sub Division WR-24, New Delhi-110056 during 2023-24. Agency . Sethi Construction Agmt No. 130/EE/PWD/M-112/2023-24 List of Roads - (i)Service Lanes of Rohtak Road (NH-10) from Metro Pillar No. 109 to 273 Delhi	1	767 37 lakhs		Chief Engineer, PWD North Zone, Delhi		07.02.2024/ 07.03.2024	15.03.2024		62%	Work is in progress
33	Strengthening / Improvement of various roads under PWD Division West Road-2, (i) Road from Kanjhawala Chowk to Tatesar Village Road under Sub-DivisionWR-22, New Delhi during 2023-24	1	905.33 lakhs		Secretary, PWD, Delhi		05.07.2024/ 16.08.2024	28.04.2023	No	50%	Work is in progress
34	Strengthening of various road under North Roads. Division. Sub-Division NR-14, Shaheed Captain Vikram Batra Chowk PWD, New Delhi 1 Mam Chand Dhanya Marg from Old GTK Road to Siraspur Village 2 ITI Road at Jahangirpuri from Main Road to Metro Apartment & K-Block from Metro Apartment to dividing road K-Block.3 C-D Park Road from Main Road Jahangirpuri to Kushal Cinema Road 4 I-Block Road & J-Block Road from Main Road Jahangirpuri to G.T. Road at Jahangirpuri Agmt no 03/EE/N R Divn/PWD/2023-24 List of Road 1. Mam Chand Dhanya Marg from Old GTK Road to Siraspur Village 2 ITI Road at Jahangirpuri from Main Road to Metro Apartment & K-Block from Metro Apartment to dividing road K-Block.3 C-D Park Road from Main Road Jahangirpuri to Kushal Cinema Road 4 I-Block Road & J-Block Road from Main Road Jahangirpuri to G T Road at Jahangirpuri	1	813 74 Lakh		Chief Engineer, North Zone M, PWD Delhi		25.02.2023 10.04.2023	21.04.2023	08.08.2024	100%	Work completed
35	Strengthening of road from Western Yamuna Canal to Bawana under Sub-Division NR-15, North Roads Division, PWD, Delhi. 20/EE/N R.Divn/PWD/2023-24	1	1758 53 Lakh		Secretary (PWD)		20.04.2023 19.06.2023	04.07.2023	03.09.24	100%	Work completed
36	Strengthening of Outer Ring Road from Shaheed Captain Vikram Batra Chowk Flyover End Point to Burari Flyover Starting Nosing point under Sub Division NR-14, North Roads Division, PWD, Delhi Agmt no. 76/EE/N.R.Divn/PWD/2023-24	1	1863 1 Lakh		Dy Secretary (Works)		19.02.2024 /08.03.2024	21.03.2024			work in progress
	Status of Strengthening Works under East Zone (2024-25)										
	East Road Division										
38	Rehabilitation/ Strengthening of PWD roads by cold milling and recycling process of various roads of Sub Division East Road-III under Division East Road/(M-212), Delhi during 2024-25. 1. Road along Ghazipur Drain.-(Road ID: 129-40GZR)	1	₹ 10,40,87,500.00	Dy. Secretary (Works), PWD Secretariat Delhi, vide letter no 24(East)/CE/EEP/520/dspwd2/249-264 dated 11.03.2024 & AA&ES - No. SS/PWD/11/2023-24	Dy. Secretary (Works)	Rs. 4,98,12,285.00	11.06.2024/ 23.07.2024	24.07.2024		20%	Work in Progress
39	Rehabilitation/ Strengthening of Vikas Marg (Road ID;611) by cold milling and recycling process of various roads under Sub Division East Road-IV of Division East Road/(M-212), Delhi during 2023-24.	1	₹ 7,09,36,200.00	Chief Engineer, Zone East(M),PWD Delhi vide letter no.15(15)/ए०ए० व वि०स्वी०/वि०आ०/अनु०आ०पूर्व (एम)/2023-24/1522 दि० दिनांक 15.03.2024 & AA&ES - No. 29/PWD/2023-24/AA&ES/M2/200/42	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	Rs. 3,60,89,291.00	11.06.2024/ 23.07.2024	24.07.2024		0%	Work yet to start
40	Strengthening / Resurfacing of East end apartment road - (Road ID: 103) by cold milling and recycling process of Sub Division East Road-III under Division East Road/(M-212), Delhi during 2023-24	1	₹ 1,36,79,500.00	Chief Engineer, Zone East(M),PWD Delhi vide letter no.15(15)/ए०ए० व वि०स्वी०/वि०आ०/अनु०आ०पूर्व (एम)/2023-24/3554 दि० दिनांक 05.07.2024 & AA&ES - No. 04/PWD/2024-25/AA&ES/M2/200/42	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	Rs. 67,57,939.00	24.08.2024/ 21.09.2024	23.09.2024		85%	Work in Progress
41	Strengthening / resurfacing of PWD roads by cold milling and recycling process of various roads under Sub Division East Road-III of Division East Road (M-212), Delhi during 2023-24 (1) Chilla Road from Chilla Chowk to Chilla Village (2) Peripheral Road from Chilla Chowk to Kotla Village	2	₹ 3,93,18,100.00	Chief Engineer, Zone East(M),PWD Delhi vide letter no.15(15)/ए०ए० व वि०स्वी०/वि०आ०/अनु०आ०पूर्व (एम)/2023-24/3556 दि० दिनांक 05.07.2024 & AA&ES - No. 06/PWD/2024-25/AA&ES/M2/200/42	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	Rs. 1,95,07,429.00	24.08.2024/ 24.09.2024	27.09.2024		30%	Work in Progress
42	Strengthening of C.C. Pavement of disused canal road by C.G.B.M under by Sub-Division East Road-I under Division East Road/(M-212) Delhi During 2023-24.	2	₹ 3,69,77,100.00	Chief Engineer, Zone East(M),PWD Delhi vide letter no.15(15)/ए०ए० व वि०स्वी०/वि०आ०/अनु०आ०पूर्व (एम)/2023-24/3555 दि० दिनांक 05.07.2024 & AA&ES - No. 05/PWD/2024-25/AA&ES/M2/200/42	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	Rs. 2,45,05,117.00	24.08.2024/ 24.09.2024	25.09.2024		5%	Work in Progress

Sl. No.	Name of work/Road Name (क)	No. of Roads eligible for relaying /recarpeting	A/A & E/S Amount	A/A and E/S details	Name of Principle Approval officer & Designation	Tender Amount	Tender Floated/ Award Date	Stipulated Date of start	Date of completion	Progress of work in %	Remarks
43	Rehabilitation / Strengthening of PWD roads by cold milling and recycling process of various roads under Division East Road (M-212), and sub Division-IV Delhi during 2023-24. 1. Noida Link Road (Road ID:- 70-40036) 2. Noida more Flyover (Slip Road) (Road ID:- 1730)	2	₹ 16,52,33,200.00	Dy. Secretary (Works), PWD Secretariat Delhi, vide letter no 24(East)/CE/EEP/520/dspwd2/170-186 dated 29.02.2024 & AA&ES - No. SS/PWD/08/2023-24	Dy. Secretary (Works)	Rs. 7,99,97,926.00	20.06.2024/ 25.09.2024	25.09.2024		10%	Work in Progress
44	Strengthening of Fatparganj road of Sub. Division East Road-I under Division East Road/(M-212), Delhi during 2023-24.	1	₹ 2,33,71,200.00	Chief Engineer, Zone East(M),PWD Delhi vide letter no.15(15)/एए० व वि०स्वी० /वि०अ० /अनु०अं०पूर्व (एम)/2024–25/4509 हि० दिनांक 16.08.2024 & AA&ES - No. 30/PWD/2024-25/AA&ES/M2/200/42	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	Rs 1,06,59,539.00	06.09.2024/ 03.10.2024	03.10.2024		0%	Work just started
	SRD-1										
45	Strengthening of SPM Marg under Sub Division-1 of Division SRDP-I during. 2024-25.	1	₹ 9,81,46,700.00	Chief Engineer (East) M Zone, PWD 15(15)/एए० व वि० स्वी० /वि०अ० /अनु०अं० पूर्व(एम)/2024–24/4510–हि दिनांक 11-03-2024 - 23/PWD/2023-24/ AA&ES/M2/200/42 Rs. 9,81,46,700/-	Chief Engineer (East) M Zone, PWD	₹ 5,57,39,802.00	21.06.2024	02.09.2024	01.11.2024	30%	Work in progress
46	Strengthening of Boulevard Road under Sub Division-1 of Division SRDP-I during. 2024-25.	1	₹ 2,08,30,600.00	Chief Engineer (East) M Zone, PWD 15(15)/एए० व वि० स्वी० /वि०अ० /अनु०अं० पूर्व(एम)/2024–24/1444–हि दिनांक 11.03.2024 22/PWD/2023-24/AA&ES/M2/200/42 Rs. 2,08,30,600/--	Chief Engineer (East) M Zone, PWD	₹ 1,18,69,293.00	21.06.2024	02.09.2024	01.11.2024	40%	Work in progress
47	Strengthening of *Rani Jhansi Road from St. Stephen's Hospital to Filmistan under* SRD Project Division-I/Sub Division-III, PWD, Delhi dg. 2024-25.	1	₹ 10,67,55,100.00	Secretary, PWD No. SS/PWD/12/2023-24 vide no. 24(Proj)/CE (East)/EEP/522/dspwd2/301-315 dt. 14.03.2024	Secretary, PWD	₹ 5,46,01,137.00	07.01.2025	16.03.2025	15.05.2025	0%	Yet to be start
	SRD-2										
48	Resurfacing of Padam Singh Road (from Vishnu Mandir Marg to Road No. 3), Guru Ravi dass road (from New Rohtak road to Tank Road), Hardhyan Singh Road (From Faiz road to Road No. 3) and Aram Bagh road (from Chitra Gupta road to Rani Jhansi Road) under the jurisdiction of sub division -1 & 3, SRD Project Division-2, PWD, dg 2023-24	4	₹ 2,96,52,400.00	23(A/A & E/S)/SE Project/PWD/DS/147-H dt. 05.02.2024 for amounting to 7289700 even letter no. 148-H dt. 05.02.2024 for amounting to 9873000 even letter no. 149-H dt. 05.02.2024 for amounting to 9750200 from the office of the S.E. Project Circle and letter no.	Sh. Shailendra (Superintending Engineer)	₹ 1,54,16,344.00	05.02.2024 14.03.2024	17.03.2024	15.05.2024	90%	Work in progress
49	Resurfacing /Strengthening of Faiz Road (from Dayal Chowk to Idgah round about, Cheimsford Road (from Dr. Munja Park urinal to Qutub Road), Foota Road (from Bara tutti Chowk to Bahadurgarh Road), Azad Market Road, (from R?ani Jhansi Road to Pul Mitthai), Sadar Thana Road, (from Bara tutti Chowk to Idgah Road), Idgah Road (from Qutub ERoad to Rani Jhansi to Padam Singh MArg), Road No. 4 (from DB Gupta Road to Tank Road), Military Road (from DB Gupta junction to New Rohtak Road), Vishnu Mandir Marg (from DB Gupta Road to Tank Road), Road No. 5 (from DB Gupta Road to Mata Rameshwari Nehru Nagar) under the jurisdictin of SRD-II, PWD, dg 2023-24	10	₹ 8,21,79,400.00	सख्या. 15(15)/ए.ए. व वि स्वी./वि अ./अनु.अं. पूर्व (एम)/2023-24/907-H दिनांक 12.02.2024 for amounting to 82179400	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	₹ 4,29,73,528.00	08.03.2024 20.06.2024	24.06.2024	22.09.2024	25%	Work in progress
50	Resurfacing of Link Road from Baba Lal Dayal Chowk to Gadwali Chowk (Total Road Length-0.6815 km) under Sub Division-1, SRD Project Division-II, PWD, New Delhi during 2022-23.	1	₹ 3,37,00,400.00	15(15)/ए.ए. व वि. स्वी./वि.अ./अनु.अं. पूर्व (एम)/2023-24/1523-H दिनांक 15.03.2024 for amounting to 33700400	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	₹ 2,06,50,042.00	21.06.2024 26.07.2024	29.07.2024	27.09.2024	100%	Work completed
	NORTH EAST ROAD										

Sl. No.	Name of work/Road Name (क)	No. of Roads eligible for relaying /recarpeting	A/A & E/S Amount	A/A and E/S details	Name of Principle Approval officer & Designation	Tender Amount	Tender Floated/ Award Date	Stipulated Date of start	Date of completion	Progress of work in %	Remarks
51	Improvement / Strengthening of Main Road Noor –E-Illahi Road (from DTC Depot Yamuna Vihar to Ghonda Chowk) 20/EE/PWD/M-213/2024-25	1	₹ 1,46,91,400.00	A/A & E/S 15(15)/AA & ES/FO/Zone (East) M/2023-24/902-H dt. 12.02.2024	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	₹ 87,75,206.00	20-07-2024 03-08-2024	07.08.2024		95%	Work in Progress
52	Strengthening of Sewadham Road from Road No 63 to UP Border dg. 2024-25, Delhi 16/EE/PWD/M-213/2024-25	1	₹ 3,82,93,700.00	A/A & E/S 15(15)/AA & ES/FO/Zone (East) M/2023-24/1445-H dt. 11.03.2024	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	₹ 2,05,45,890.00	20-06-2024 24-07-2024	25.07.2024		95%	Work in Progress
53	Improvement and Strengthening of Gamri Road under sub Division M-2134. 15/EE/PWD/M-213/2024-25	1	₹ 2,18,29,400.00	A/A & E/S 15(15)/AA & ES/FO/Zone (East) M/2024-25/3011-H dt. 10.06.2024	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	₹ 1,05,26,870.00	20-06-2024 24-07-2024	25.07.2024	11.03.2024	100%	Work Completed
54	Improvement and Strengthening of Road no. 65 from Keshav Chowk to Road No. 66 under PWD Sub Division M-2134, Delhi M-2134 17/EE/PWD/M-213/2024-25	1	₹ 4,83,40,600.00	A/A & E/S 15(15)/AA & ES/FO/Zone (East) M/2023-24/1513-H dt. 15.03.2024	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	₹ 2,32,08,163.00	20-06-2024 25-07-2024	25.07.2024		90%	Work in Progress
55	Improvement / Strengthening of Garhi Mendu Road (From 3rd Pusta to Wazirabad Road No. 59) under Sub Division M-2134 31/EE/PWD/M-213/2024-25	1	₹ 5,29,56,000.00	A/A & E/S 15(15)/AA & ES/FO/Zone (East) M/2024-25/4530-H dt. 20.08.2024	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	₹ 2,94,85,438.00	06-09-2024 09-10-2024	13.10.2024	05.03.2024	100%	Work Completed
	Shahdara Road Division										
56	Strengthening of Road No. 72 Extn (Road No. 58 to Vishwas Nagar Nallah) and Road No. 72 (Road No. 58 to Road No. 75B Extn) under Sub-Division M-2112 during 2024-25.	2	₹ 5,74,84,800.00	15(15)/AA&ES/F.O./Zone East(M)/ 2024-25/4876 (H) dated 04.09.2024 Rs. 5,74,84,800/-	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	₹ 2,47,85,578.00	28.09.2024 01.11.2024	07.11.2024	05.01.2025	85%	Work in progress
57	Strengthening of Road No. 58A (From Road No. 58 to Road No. 56) under Sub division M-2112 of Shahdara Road Division (M-211) during 2024-25.	1	₹ 5,66,56,000.00	15(15)/AA&ES/F.O./Zone East(M)/ 2024-25/7254 (H) dated 14.11.2024 Rs. 5,66,56,000/-	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	₹ 2,74,80,701.00	27.11.2024 19.02.2025	20.02.2025	19.06.2025	0%	Work yet to start
58	Strengthening of G.T. Road from Apsara Border to Shahdara Flyover under Sub-Division M-2111 of Shahdara Road Division (M-211) during 2024-25.	1	₹ 9,59,66,100.00	15(15)/AA&ES/F.O./Zone East(M)/ 2024-25/7887- (H) dated 17.12.2024 Rs. 5,66,56,000/-	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	₹ 4,71,82,583.00	06.01.2025 10.03.2025	14.03.2025	11.07.2025	0%	Work yet to start
59	Strengthening of Road no. 71& 71A under Sub division M-2111 of Shahdara Road Division (M-211) during 2024-25.	2	₹ 7,26,79,400.00	15(15)/AA&ES/F.O./Zone East(M)/ 2024-25/7888- (H) dated 17.12.2024 Rs. 5,66,56,000/-	Sh. Shailendra (Chief Engineer)	₹ 3,66,34,441.00	06.01.2025 10.03.2025	14.03.2025	11.06.2025	0%	Work yet to start
	CENTRAL & NEW DELHI Road Division										
60	Strengthening of Jagatpur Flyover under Sub Division-1 of Division C&ND-R, PWD, New Delhi	1	₹ 1,86,19,000.00	Letter No. 15(15)/AA&ES/FO/CE(East)/2023-24/689-H dated 02.02.2024	CE (East), PWD	₹ 1,08,87,187.00	07.06.2024	07.06.2024	02.09.2024	100%	Work Completed
61	Strengthening of Road No. 48 from Mall Road to GT Karnal Road including improvement of footpath under Sub Division-II of Division C&ND-Roads, PWD, New Delhi during 2024-25	1	₹ 3,56,62,900.00	Letter No. 15(15)/AA&ES/FO/CE(East)/2023-24/1521-H dated 15.03.2024	CE (East), PWD	₹ 1,90,15,907.00	17.10.2024	17.10.2024	16.12.2024	100%	Work Completed
62	Strengthening of Ring Road between Nigam Bodh Ghat to Chandgi Ram Akhara Red Light Sub Division-4 of Division C&ND-Roads dg. 2023-24	1	₹ 15,56,54,700.00	Letter No. E-in-C/D/R/W/PE/496/719-733 dated 19.06.2024	Pr. Secy. (PWD)	₹ 7,70,83,308.00	25.10.2024	25.10.2024	23.12.2024	100%	Work completed
63	Strengthening on main Burari Road from ORR to Bengali Colony and Bengali Colony Morh to "ORR" due in the year 2023 (SH. Restoration of Main Burari Road from Labour Chowk to ORR cut by DJB Sewer Project under Sub Division-1, C&ND-Roads, New Delhi).	2	₹ 5,74,91,800.00	Letter No. 23(70)/CE(Flyover)/2022-2023/624 dated 10.02.2023	CE (Flyover), PWD	₹ 1,64,97,385.00	01.11.2024	01.11.2024	31.01.2025	100%	Work completed
	Status of Strengthening Works under South Zone (2024-25)										
64	Strengthening of Guru Ravi Dass Marg (Road ID 982) from Maa Anandmayee Marg to M.B. Road under South East Road Division-2, Sub Division SER-24, PWD, New Delhi.	1	₹ 9,76,82,700.00	CE, South (M), Zone, PWD Sanction No. 01 PWD South M/2024-25 Issued by FO/CE/South/2024-25/15 (15) /A/A & E/S/460-E dated 13.06.2024	Hon'ble Minister, PWD. (12.03.2024)	SER-II	23.08.2024 29.11.2024	09.12.2024	07.05.2025	22%	Work in Progress
65	Strengthening of Road No. 13A (Road ID 480) under the Jurisdiction of Sub Division SER-2/22, New Delhi	1	₹ 7,99,06,000.00	CE, South (M), Zone, PWD Sanction No. 02 PWD South M/2024-25 Issued by FO/CE/South/2024-25/15 (15) /A/A & E/S/517 dated 27.06.2024	Hon'ble Minister, PWD (19.06.2024)	SER-II	23.08.2024 29.11.2024	09.12.2024	08.03.2025	4%	Work in Progress

Sl. No.	Name of work/Road Name (क)	No. of Roads eligible for relaying /recarpeting	A/A & E/S Amount	A/A and E/S details	Name of Principle Approval officer & Designation	Tender Amount	Tender Floated/ Award Date	Stipulated Date of start	Date of completion	Progress of work in %	Remarks
66	Strengthening of Okhla Estate Marg (Road No. 13) from Guru Ravidass Marg T-Point to Sarita Vihar underpass, New Delhi under Sub-Division SER-25	1	₹ 9,32,11,300.00	CE, South (M), Zone, PWD Sanction No. 05 PWD South M/2024-25 Issued by FO/CE/South/2024-25/15 (15) /A/A & E/S/535-E dated 04.07.2024	Hon'ble Minister, PWD (19.06.2024)	SER-II	23.08.2024 12.11.2024	22.11.2024	15.04.2025	20%	Work in Progress
67	Strengthening of Outer Ring Road (Chirag Delhi Flyover to IIT Flyover) (ID:1369), A-Block, Paanchsheel Enclave Road (ID 537) and SMA on Flyovers - IIT Flyover, Panchsheel Flyover & Chirag Delhi Flyover through Cold Milling and recycling process under Sub-Division-4 of Division South Road-2, PWD, New Delhi	3	₹ 19,93,34,000.00	Dy. Secretary (Works), PWD Sectt SS/PWD/ 01 /2024-25 Dy. Secretary (Works) sanction No. 23(288)/PE 08/CE (South) /2023-24/dspwd2/ 668-83 dt. 10.06.2024. CD No. 057762224	Hon'ble Minister, PWD (09.02.2024)	EE/SR-2	03.08.2024 18.11.2024	15.11.2024	30.04.2025	20%	Work in progress.
68	Strengthening of Rao Laxmi Chand Marg (ID 1174) under Sub-Division 23, SWR-2, PWD, New Delhi	1	₹ 19,22,31,300.00	Dy. Secretary (Works), PWD Sectt. SS/PWD/ 06 /2024-25 Dy. Secretary (Works) sanction No. 23(84)/PE 05/EE(P)/ dspwd2/ 1287-1302 dt. 10.09.2024. CD No. 057761233	Hon'ble Minister, PWD (05.08.2024)	SWR-2	03.12.2024 19.03.2025	20.03.2025	17.07.2025		Just awarded
69	Strengthening of Jhatikara Road from Jhatikara Morh to Jhatikara Village, MCD Toll Tax (ID 1176) under Sub-Division 23, SWR-2, PWD, New Delhi.	1	₹ 10,82,00,600.00	Dy. Secretary (Works), PWD Sectt SS/PWD/ 07 /2024-25 Dy. Secretary (Works) sanction No. 23(291)/PE 06/EE(P)/ dspwd2/ 1303-1318 dt. 10.09.2024 CD No. 057761234	Hon'ble Minister, PWD. (05.08.2024)	SWR-2	13.12.2024 19.03.2025	20.03.2025	17.08.2025		Just awarded
70	Strengthening of Ring Road from Ashram to Bhariom Road T-Point udner PWD Sub Divisoin SER-13 of Division SER-1 (Road ID 504)	1	₹ 22,28,89,700.00	Dy. Secretary (Works), PWD Sectt SS/PWD/ 08/2024-25 Dy. Secretary (Works) sanction No. 23(292)/PE 09/EE(P)/ dspwd2/ 1329-1344 dt.18.09.2024 CD No. 057728410	Hon'ble Minister, PWD. (19.06.2024)	EE/SE-1	08.10.2024 10.01.2025	11.01.2025	10.06.2025	40%	Work in progress.
Status of Strengthening Works under North Zone (2024-25)											
71	Strengthening of Outer Ring Road from Madhuban Chowk to Mukarba Chowk both sides with Elevated Corridor under Sub Division NWR-12 of Division NWR-1 under PWD North Zone *with hot recycling method after cold milling* Agency M/s Mahavir Prasad Gupta & Sons Agmt. No. 32/EE/PWD/NWR-1/2024-25 List of roads: Outer Ring Road (From Madhuban Chowk to Mukarba Chowk)	1	2146.59 Lakh		Dy. Secretary (Works)		05.09.2024 06.11.2024	11.12.2024			Work in Progress
72	Strengthening of Ring Road from Prembari Pull to Punjabi Bagh Round about under Division NWR-1 and Sub Division NWR-14, PWD. Agency Sh. Pawan Kumar Agmt. No. 76/EE/PWD/NWR-1/2024-25 List of roads: Ring Road (from Prembari Pull to Punjabi Bagh)	1	1677.89 Lakh		Dy. Secretary (Works)		24.12.2024 20.02.2025				Work yet to start
73	Strengthening of roads from (i) Ramdev Chowk Narela to Singhu Border, NH44 (ii) Ramdev Chowk Narela to Piao Maniyari border (iii) Y-Section railway crossing to CRPF camp, under Sub-Division NR-13, PWD Division North Roads, Delhi (Balance work). Agmt no 76/EE/N.R.Divn/PWD/2024-25	1	1367.29 Lakh		Secretary (PWD)		20.07.2024 13.09.2024	23.09.2024			Work in progress
74	*Strengthening of damaged carriageway on PVC Market Road from Rohtak Road* to PVC Market Village (From RD 0.00 Km to 1.785 Km) under PWD Division West Road-2, Sub Division WR-22, Delhi. Agency : Sethi Construction . Agmt No. 08/EE/PWD/M-112/2024-25 List of Roads:- (i) PVC Market Road from Rohtak Road to PVC Market Village (From RD 0.00 Km to 1.785 Km)	1	213.51 lakhs		Chief Engineer, PWD North Zone, Delhi		14.06.2024 22.07.2024	01.08.2024		95%	Work is in progress
75	Strengthening/Resurfcing/ Microsurfacing of PWD roads (RR & ORR) Strengthening of Outer Ring Road (ORR-26) from Madhuban Chowk to Rail Over Bridge (ROB) under PWD Sub Division NWR-25 and Division NWR-2, Sainik Vihar Delhi under North Zone with hot recycling method after cold milling Agency: M/s Satya Prakash & Bros Pvt Ltd. Agmt. No. 50/EE/PWD/M-312/2024-25 List of roads (i)(ORR-26) from Madhuban Chowk to Rail Over Bridge (ROB)	1	2703.90 Lakh		Chief Engineer, North Zone M, PWD Delhi		21.11.2025 21.02.2025	02.03.2025			Work just awarded and yet to be start
		150	58810.62 Lakh								

159. श्री जितेन्द्र महाजनः क्या माननीय **लोक निर्माण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) लोक निर्माण विभाग द्वारा रोहतास नगर विधानसभा (एसी-64) में पिछले 5 वर्षों के दौरान पंप हाउसों के संचालन और रखरखाव के लिए किए गए टेंडर, वर्क आर्डर और शेडडूल की जानकारी उपलब्ध करवाई जाए;

(ख) एसी-64 के सभी ऐसे कार्यों की जानकारी उपलब्ध करवाई जाए जिसमें पंप हाउसो के रखरखाव के लिए कर्मचारी कॉन्ट्रैक्ट पर लिए गए हैं;

(ग) इन पंप हाउसों के ठेकेदारों को पिछले 5 वर्षों में किए गए भुगतान की जानकारी उपलब्ध करवाई जाए;

(घ) भुगतान बिल को पास करने वाले अधिकारियों का नाम व पद की जानकारी उपलब्ध कराई जाए;

(ङ) इन ठेकेदारों को भुगतान करने के लिए लगाए गए बिलों का विवरण उपलब्ध करवायें;

(च) इन पंप हाउस में अनुबंध पर लगाए गए कर्मचारियों की संख्या, नाम, पद, योग्यता और फोन नंबर उपलब्ध करवाए जाएं;

(छ) ठेकेदारों द्वारा इन पंप हाउस पर दिए गए एग्रीमेंट की कॉपी उपलब्ध करवाई जाए; और

(ज) पिछले 5 वर्षों में पीडब्ल्यूडी इलेक्ट्रिकल विभाग द्वारा एसी-64 में क्या-क्या कार्य किए गए इसकी जानकारी वर्क आर्डर तथा शेड्डूल सहित उपलब्ध करवायी जाए?

लोक निर्माण मंत्रीः (क) और (ख) पंप हाउसों के संचालन और रखरखाव की जानकारी Annexure-A में संलग्न है। एवं शेडयूल की जानकारी Annexure-E में संलग्न है।

(ग) इसकी जानकारी Annexure-B में संलग्न है।

(घ) इसकी जानकारी Annexure-C में संलग्न है।

(ङ) इसकी जानकारी Annexure-B में संलग्न है।

(च) इसकी जानकारी Annexure-D में संलग्न है।

(छ) इसकी जानकारी Annexure-E में संलग्न है।

(ज) इसकी जानकारी Annexure-F में संलग्न है।

160. श्री संजय गोयलः क्या माननीय **उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) शाहदरा विधानसभा में डीएसआईआईडीसी के कितने इंडस्ट्रीयल एरिया है, पूर्ण विवरण दें;

(ख) शाहदरा विधानसभा में डीएसआईआईडीसी के इंडस्ट्रीयल एरिया में इन्फास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी किस विभाग की है; और

(ग) इन औद्योगिक क्षेत्रों में सड़कों, पीने का पानी, सीवर लाइन आदि में सुधार के लिए सरकार ने पूर्व में क्या योजनायें बनाई तथा आने वाले समय में सरकार क्या कदम उठाने वाली है, विस्तार से विवरण दें?

सभी संलग्नक http://delhiassembly.delhi.gov.in पर उपलब्ध।

उद्योग मंत्रीः (क) शाहदरा विधान सभा क्षेत्र में झिलमिल इंडस्ट्रियल एरिया आता है। झिलमिल औद्योगिक क्षेत्र में फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स तथा प्लॉटेड फैक्ट्रियां हैं। फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स का लीज डीएसआईआईडीसी के पास है तथा अन्य क्षेत्रों का लीज डीडीए के पास है।

(ख) शाहदरा विधानसभा क्षेत्र में झिलमिल इंडस्ट्रियल एरिया के अंतर्गत केवल सड़क एवं नालियों का रखरखाव डी एस आई आई डी सी द्वारा किया जाता है।

(ग)) पूर्व में झिलमिल औद्योगिक क्षेत्र में वर्ष 2012-13 में सड़कों एवं वर्षा जल निकासी नालियों का विकास कार्य किया गया था। सड़कों व नालियों के विकास कार्यों के लिए लगभग 40 करोड़ की लागत अनुमानित है जिसके लिए सरकार से बजट माँगा गया है।

पीने का पानी व सीवर लाइन का रख रखाव दिल्ली जल बोर्ड के द्वारा किया जाता है।

161. श्री जरनैल सिंहः क्या माननीय **उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में कुल कितने इंडस्ट्रियल एरिया हैं;

(ख) इनमें से कितने सरकार द्वारा विकसित किये गये हैं व कितने नॉन कंफर्म क्षेत्रों में है;

(ग) ख्याला औद्योगिक क्लस्टर जिसमें द्धप्क्ष् रवि नगर एक्सटेंशन भाग-1 (II) रवि नगर एक्सटेंशन भाग-2, (III) विष्णु गार्डन एक्सटेंशन-5, (IV)

जेड-ब्लॉक विष्णु गार्डन और (V) आरजेड-सी ब्लॉक विष्णु गार्डन क्षेत्र आते हैं व जिसका एमपीडी 2021 के पैरा 7.6.2.1 के तहत पुनर्विकास होना है, इस कार्य की क्या स्थिति है व यह कार्य कब तक संपूर्ण हो जायेगा;

(घ) दिल्ली में किस श्रेणी की औद्योगिक इकाइयों को कार्य करने की अनुमति है व किस श्रेणी की औद्योगिक इकाइयों को कार्य करने की अनुमति नहीं है;

(ङ) खतरनाक तरीके से वातावरण को प्रदुशित करने वाली औद्योगिक इकाइयों पर रोक लगाने के लिये विभाग द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है;

(च) शिकायतें प्राप्त होने के बाद भी यदि वातावरण में जहर घोल रही औद्योगिक इकाईयां चलती रहती हैं तो इसके लिये कौन अधिकारी जिम्मेदार है; और

(छ) पिछले 5 वर्षों में प्राप्त शिकायतों व उन पर की गई कार्रवाईयों का विस्तृत विवरण दें?

उद्योग मंत्रीः (क) दिल्ली में कुल 36 कन्फर्मिंग औद्योगिक क्षेत्र है तथा 26 नॉन कन्फर्मिंग औद्योगिक क्षेत्र है।

(ख) इनमें से 36 क्षेत्र सरकार के विभिन्न अंगों द्वारा विकसित किए गए हैं।

(ग) एम.पी.डी. 2021 डीडीए द्वारा संचालित किया जाता है। इस क्षेत्र के पुनर्विकास के लिए अभी सिर्फ सर्वे किया जा रहा है।

(घ) एमपीडी 20221 में उल्लेखित स्वीकृत श्रेणी की इकाईयों को कार्य करने की अनुमति है।

(ङ) इस विभाग से संबंधित नहीं है।

(च) इस विभाग से संबंधित नहीं है। यह कार्य डीपीसीसी करता है।

(छ) इस विभाग से संबंधित नहीं है।

162. श्री सोम दत्तः क्या माननीय **उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या डीएसआईआईडीसी द्वारा आनंद पर्वत इंडस्ट्रियल एरिया और शहजादा बाग इंडस्ट्रियल एरिया को लेने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन है;

(ख) यदि हां, तो यह प्रपोजल कब तक फाइनॉलाइज़ हो जायेगा; और

(ग) क्या इंडस्ट्रियल एरिया एप्रूवल के बाद इन एरिया में इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने की जिम्मेदारी डीएसआईआईडीसी की होगी?

उद्योग मंत्रीः (क) डीएसआईआईडीसी द्वारा आनंद पर्वत नोटिफाइड नॉन कन्फर्मिंग औद्योगिक क्लस्टर में पुनर्विकास नक्शा बनराने का कार्य प्रगति पर है। शहजादा बाग नॉन कन्फर्मिंग इंडस्ट्रियल एरिया डी.एस.आई.आई.डी.सी. के अधीन लेने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

(ख) आनंद पर्वत नोटिफाइड नॉन कन्फर्मिंग औद्योगिक क्लस्टर में पुनर्विकास नक्शा बनाने का कार्य प्रगति पर है। इस क्लस्टर की परिधि को राजस्व विभाग द्वारा सत्यापित करवाया जा रहा है। इस सत्यापन के उपरांत तीन माह में प्रयोजन बनाये जाने का कार्यक्रम है।

(ग) इस मुद्दे पर नक्शा बनने के बाद फैसला किया जाएगा।

163. श्री सुरेन्द्र कुमारः क्या माननीय **उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गोकलपुर विधानसभा क्षेत्र में कितने औद्योगिक क्षेत्र चल रहे है;

(ख) क्या इनको रैगूलर करने की सरकार की कोई योजना है;

(ग) यदि हां, तो इन्हें कब तक रैगूलर कर दिया जाएगा;

(घ) क्या यह सत्य है कि गोकलपुर विधानसभा क्षेत्र में जवाहर नगर मंडोली फेस–1, फेस–2 में प्रदूषण की फैक्ट्रियां चल रही है;

(ङ) यदि हां, तो उन पर क्या कार्यवाही की गई है;

(च) कितने लोगों के लाइसेंस बनाए गए हैं; और

(छ) कितने लोगों के लाइसेंस रद्द किए गए है?

उद्योग मंत्रीः (क) न्यू मंडोली और जवाहर नगर नोटिफाइड नॉन कन्फर्मिंग औद्योगिक क्लस्टर गोकलपुर विधानसभा क्षेत्र में आता है।

(ख) न्यू मंडोली और जवाहर नगर नोटिफाइड नॉन कन्फर्मिंग औद्योगिक क्लस्टर में पुनर्विकास नक्शा बनाने का कार्य प्रगति पर है।

(ग) न्यू मंडोली और जवाहर नगर नोटिफाइड नॉन कन्फर्मिंग औद्योगिक क्लस्टर में पुर्नविकास नक्शा बनाने का कार्य प्रगति पर है। इस क्लस्टर की परिधि को राजस्व विभाग द्वारा सत्यापित करवाया जा रहा है, इस सत्यापन के उपरांत तीन माह में प्रयोजन बनाये जाने का कार्यक्रम है।

(घ) यह विभाग से सम्बंधित नहीं है।

(ङ) यह विभाग से सम्बंधित नहीं है।

(च) यह विभाग से सम्बंधित नहीं है।

(छ) यह विभाग से सम्बंधित नहीं है।

164. श्री विशेष रविः क्या माननीय **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि **:**

(क) तिहाड़ जेल में ऐसे कितने कैदी हैं जो अपनी कोर्ट डेट पर वकील की फीस के पैसे नहीं होने के कारण डेट पर नहीं जा पाते हैं और अपना केस नहीं लड़ पा रहे हैं; और

(ख) ऐसे कैदियों की सहायता के लिए सरकार या तिहाड़ प्रशासन के द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं, पूर्ण विवरण दें?

गृह मंत्रीः (क) दिल्ली की सभी जेलों में ऐसा कोई भी बंदी नहीं है जो अपनी कोर्ट डेट व वकील की फीस के अभाव में अपनी कोर्ट डेट पर नहीं जा पा रहा हो।

(ख) ऐसा कोई भी बंदी जो अपना केस नहीं लड़ सकता है या अपना वकील करने में असमर्थ है। वह जेल में बने दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (Delhi State Legal Services Authority) के द्वारा संचालित निशुल्क कानूनी सहायता केन्द्र में संपर्क कर सकता है और उसे इस प्राधिकरण के द्वारा वकील एवं मुकदमें से संबंधित कानूनी सहायता निशुल्क प्रदान कराई जाती है।

165. श्री अभय वर्मा: क्या माननीय **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में कुल कितनी जेलें हैं, ये जेलें कहाँ-कहाँ स्थित हैं और प्रत्येक जेल में कितने कैदियों को रखने की क्षमता है और 1 मार्च, 2025 तक प्रत्येक जेल में कुल कितने कैदी रह रहे हैं;

(ख) दिल्ली के सभी जेलों को संचालित करने एवं रख-रखाव के लिए दिल्ली सरकार द्वारा पिछले पाँच वर्षों में कुल कितने बजट का प्रावधान किया गया, वर्ष अनुसार जानकारी दें;

(ग) दिल्ली के सभी जेलों में कुल कितने अधिकारी और उनके अधीनस्थ कितने कर्मचारी कार्यरत हैं; और

(घ) क्या दिल्ली सरकार दिल्ली पुलिस के द्वारा जेल से संबंधित किये जाने वाले कार्यों के लिए बजट उपलब्ध करवाती है?

गृह मंत्री: (क) दिल्ली में कुल 16 जेलें हैं जिनमें बंदियों को रखने की क्षमता एवं 1 मार्च, 20च25 को कुल बंदियों का ब्यौरा निम्न प्रकार से है।

जेल नं.	स्थान	क्षमता	दिनांक 01.03.2025 को कुल संख्या
1	तिहाड़	565	2436
2	तिहाड़	455	670
3	तिहाड़	740	2203

4	तिहाड़	740	3244
5	तिहाड़	750	1175
6	तिहाड़	400	507
7	तिहाड़	350	505
8	तिहाड़	600	1163
9	तिहाड़	600	1024
10	रोहिणी	1050	2111
11	मंडोली	700	873
12	मंडोली	980	1092
13	मंडोली	980	1358
14	मंडोली	588	319
15	मंडोली	248	108
16	मंडोली	280	228
		10026	19016

(ख) दिल्ली के सभी जेलों को संचालित करने एवं रख-रखाव के लिए दिल्ली सरकार द्वारा पिछले पाँच वर्षों में निम्नलिखित बजट का प्रावधान किया गया है जिसका वर्षवार ब्यौरा इस प्रकार है:-

क्र.सं.	वित्तीय वर्ष	बजट (करोड़ में)
1.	2019-20	490.40
2.	2020-21	527.50
3.	2021-22	461.23
4.	2022-23	575.98
5.	2023-24	595.14

(ग) दिल्ली के सभी जेलों में कुल 121 अधिकारी और उनके अधीनस्थ 2267 कर्मचारी कार्यरत है।

(घ) जी, नहीं।

166. श्री संजय गोयलः क्या माननीय **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार महिला सुरक्षा के लिये क्या सख्त कदम उठा रही है;

(ख) सरकार बच्चों के खिलाफ बढ़ते अपराधों के लिये और उनकी सुरक्षा के लिये क्या कदम उठा रही है और आगामी समय में क्या कदम उठाने वाली है; और

(ग) सड़क पर घूमते बेघरों की सुरक्षा के लिये सरकार की वर्तमान में क्या योजना है तथा इनकी सुरक्षा के लिये सरकार क्या कदम उठा रही है, विवरण दें?

गृह मंत्रीः (क) से (ग) यह विषय सरकार के अध्यानार्थ है और इस विषय पर उचित उत्तर उपलब्ध करा दिया जाएगा।

167. श्री प्रेम चौहानः क्या माननीय **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि देवली विधानसभा में तिगड़ी टी पॉइंट एम बी रोड से ले कर संगम विहार बांध रोड तक अतिक्रमण के चलते ट्रैफिक व्यवस्था बहुत खराब है;

(ख) यदि हां तो इसको व्यवस्थित करने के लिये संबंधित विभागों द्वारा क्या कोई कार्यवाही की जा रही है, विस्तृत जानकारी दें; और

(ग) यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं?

गृह मंत्रीः (क) से (ग) यह विषय सरकार के अध्यानार्थ है और इस विषय पर उचित उत्तर उपलब्ध करा दिया जाएगा।

168. श्री इमरान हुसैनः क्या माननीय **गृह मंत्री** बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) एनसीआरबी के विगत 3 वर्षों के आँकड़ों के अनुसार क्या दिल्ली में हुए कुल अपराधों में से 50 प्रतिशत अपराध नाबालिगों द्वारा किए गए हैं; और

(ख) नाबालिगों द्वारा किए जाने वाले अपराधों की समस्या के समाधान हेतु पुलिस तथा गृह विभाग द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

गृह मंत्रीः (क) और (ख) यह विषय सरकार के अध्यानार्थ है और इस विषय पर उचित उत्तर उपलब्ध करा दिया जाएगा।

169. श्री मुकेश कुमार अहलावतः क्या माननीय **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में पिछले एक वर्ष में कितने आपराधिक मामले (हत्या, लूट, बलात्कार, शूटआउट, फिरोती, उगाही, डकैती के प्रयास) दर्ज हुए हैं;

(ख) इनमें से कितने मामलों में चार्जशीट दायर की गई है;

(ग) दिल्ली में आपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए 1 जनवरी, 2024 से 30 जून, 2024 तक पुलिस द्वारा क्या विशेष प्रयास किए गए;

(घ) क्या पुलिस के विशेष प्रयासों से दिल्ली में अपराधों पर रोकथाम लगी है;

(ङ) यदि हां, तो वो 1 जनवरी, 2024 से 30 जून, 2024 और 1 जुलाई, 2024 से 31 दिसम्बर, 2024 तक दर्ज अपराधों की छह-मासिक (छमाही) रिपोर्ट अलग-अलग सूचीबद्ध करके प्रदान करें; और

(च) यदि अपराधों की संख्या में कोई कमी नहीं आई है, तो इसके क्या कारण है?

गृह मंत्रीः (क) से (च) यह विषय सरकार के अध्यानार्थ है और इस विषय पर उचित उत्तर उपलब्ध करा दिया जाएगा।

170. श्री सही रामः क्या माननीय **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली सरकार द्वारा नरेला और बापरौला में नई जेल बिल्डिंग का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो निर्माण कार्य कब शुरू हुआ;

(ग) इन नई जेल बिल्डिंगों का निर्माण कार्य कब तक पूरा होगा;

(घ) दिल्ली सरकार द्वारा जेलों में सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था को सुधारने के लिए क्या अन्य योजनाएं चलाई जा रही हैं;

(ङ) क्या इन नई जेलों में हाई-टेक निगरानी प्रणाली (सीसीटीवी, जैमर आदि) का प्रावधान किया जा रहा हैं;

(च) यदि हां, तो उससे जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा करें; और

(छ) नई जेलों के निर्माण के बाद दिल्ली की कौन-कौन सी जेलों से कैदियों को शिफट किया जाएगा?

गृह मंत्री: (क) से (ग) सरकार द्वारा नरेला एवं बापरौला में नई जेल का निर्माण कार्य अभी तक आरंभ नहीं हुआ है।

सरकार द्वारा नरेला में नई जेल के निर्माण के लिए नरेला में 40.2 एकड़ जमीन दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा जेल विभाग को सौंप दी गई है।

बापरोला जेल के निर्माण के लिए भूमि आवंटन के लिए अनुरोध दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA) के पास लंबित है।

नरेला जेल का निर्माण कार्य अगले 6 माह में शुरू होने की एवं 2 वर्ष के अंतराल में पूरा होने की संभावना है।

(घ) से (च) दिल्ली की जेलों में वर्तमान में तीन स्तरीय सुरक्षा का इंतजाम है जिसमें बाहरी सुरक्षा को भारत तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) एवं केंद्रीय रिजर्व

पुलिस बल (CRPF) को दिया गया है जबकि प्रत्येक जेल में प्रवेश द्वार पर तमिलनाडु विशेष पुलिस (TSP) बंदियों एवं स्टाफ की सर्च के लिए नियुक्त है। जेल के आंतरिक प्रशासन के लिए दिल्ली जेल स्टाफ को नियुक्ति किया गया है। इसके अतिरिक्त निम्न सुरक्षा इंतजाम किए गए है:-

1. 03 T-HCBS (Tower of Harmonious Call Blocking System) तिहाड़ जेल परिसर में एवं 1 मंडोली जेली परिसर में स्थापित किया गया है।

2. तिहाड़ जेल परिसर में 15 Mobile Phone Jammers (Model JTLS-301) लगाये गये हैं।

3. दिल्ली जेल के तिहाड़, रोहिणी एवं मंडोली जेल परिसरों में अभी तक 7549 CCTV Cameras लगवाये जा चुके हैं।

4. जेलों के प्रवेश द्वारा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 15 Deep Search Metal Detectors, 610 Bodyworn Cameras, 23 X-ray Baggage Scanners, 27 Pole Type Metal Detector, 12 Non-Linear Junction Detector (NLJD), 47 Door Frame Metal Detector (DFMD) और 250 Hand Held Metal Detector (HHMD) डयोढी में उपलब्ध हैं जिनके द्वारा बंदी और बंदियों द्वारा लाये गये सामान की गहन रूप से जाँच पड़ताल की जाती है।

5. किशोर बंदियों को अलग से कारागार संख्या-5 में रखा जाता है जिससे उनको अन्य आपाराधिक प्रवृति वाले वयस्क बंदियों से अलग रखा जा सके।

6. महिला बंदियों को रखने के लिए कारागार संख्या-6, तिहाड़ एवं कारागार संख्या-16 मंडोली विशेष रूप से बनाई गई हैं।

7. उच्च सुरक्षा वाले बंदियों के लिए वर्ष 2017 में केन्द्रीय कारागार संख्या-15 मंडोली भी अभी हाल ही में उपलब्ध कराई गयी है।

(छ) एक जेल से दूसरे जेल में कैदियों को स्थानांतरित करने के लिए मानक आंतरिक प्रक्रिया लागू है।

171. सुश्री आतिशी: क्या माननीय **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में कुल कितने पुलिस थाने हैं, जिलावार सूची प्रदान करें;

(ख) वर्तमान में दिल्ली पुलिस के कितने थानों में एसएचओ नियुक्त हैं;

(ग) कितने थाने बिना एसएचओ के संचालित हो रहे हैं; और

(घ) दिल्ली पुलिस में विभिन्न पदों (एसआई, एएसआई, एचसी, कांस्टेबल आदि) के अनुसार रिक्त पदों की संख्या क्या है?

गृह मंत्री: (क) से (घ) यह विषय सरकार के अध्यानार्थ है और इस विषय पर उचित उत्तर उपलब्ध करा दिया जाएगा।

172. श्री जितेन्द्र महाजन: क्या माननीय **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले 5 सालों में दिल्ली की तीनों जेलों तिहाड़, रोहिणी एवं मंडोली में कितने कैदियों (अंडर ट्रायल व कनविक्टिड) को भेजा गया है, इसकी जानकारी दी जाये;

(ख) पिछले 5 सालों में जेलों में हिंसा की कितनी वारदातों को दर्ज किया गया है और इसमें कितने सिपाहियों/कैदियों का देहांत हुआ है, इसकी पूरी सूची उपलब्ध कराई जाए;

(ग) जेलों में हो रही हिंसा को रोकने के लिए क्या कदम उठाये गए हैं और सुरक्षा से जुड़ी खामियों का निवारण करने के लिए सरकार ने क्या रूपरेखा तय की है, इसकी पूरी जानकारी उपलब्ध कराई जाए;

(घ) जेलों में भ्रष्टाचार के कारण अनधिकृत वस्तुओं जैसे कि मोबाइल व नशीले पदार्थों को अंदर ले जाने की कई घटनायें रोकने हेतु सरकार व जेल प्रशासनों द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं, इसकी जानकारी उपलब्ध कराई जाये; और

(ङ) जेलों में कैदियों की बढ़ती हुई संख्या से ओवर क्राउडिंग जैसी गंभीर समस्या के समाधान के लिए सरकार की क्या योजना है, इसकी जानकारी दी जाए?

गृह मंत्री: (क) दिल्ली की जेलों में प्रत्येक वर्ष के अंतिम दिन अर्थात 31 दिसंबर को (तिहाड़, रोहिणी और मंडोली में) बंदियों की कुल संख्या निम्न प्रकार से थी:

वर्ष	हवालाती	सजायाफ्ता बंदी
2024	17118	2235
2023	17786	2139
2022	16732	1638
2021	16686	1571
2020	14528	1471

(ख) पिछले 5 सालों में दिल्ली की जेलों में हिंसा की वारदातों का ब्यौरा निम्न प्रकार है:

वर्ष	हिंसा की वारदातों की संख्या	हिंसा की वारदातों में होने वाली मौतों की संख्या	मरने वाले का नाम व पिता का नाम
2014	1	1	दीपक पुत्र श्री अशोक
2023	4	2	1. प्रिस पुत्र श्री श्याम लाल 2. सुनील पुत्र श्री जगपाल
2022	2	2	1. रामनिवास पुत्र श्री सुन्दर 2. समीर पुत्र श्री शमशेर
2021	6	3	1. महेश पुत्र श्री बलराज 2. अंकित पुत्र श्री विक्रम 3. श्रीकांत पुत्र श्री रामास्वामी
2020	54	3	1. मेहताब पुत्र मुफीदुल 2. सिकन्दर पुत्र शमशेर 3. दिलशेर पुत्र अलीशेर

उक्त सभी मृतक जेलों में निरूद्ध बंदी थे। इन 5 सालों में हिंसा के दौरान किसी भी कर्मचारी का देहांत नहीं हुआ।

(ग) जेलों में हो रही हिंसा को रोकने के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF), भारत तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP), तमिलनाडु विशेष पुलिस (TSP)

और जेल कर्मियों की संगठित Quick Reaction Teams और Intelligence Wing का गठन किया गया है जो किसी भी समय और किसी भी परिस्थिति में जेलों में होने वाली हिंसक घटनाओं से निपटने के लिए पूर्णतय समर्थ है।

(घ) निम्नलिखित कॉल ब्लॉकिंग उपाय और सुरक्षा उपाय लागू हैं।

1. 03 T-HCBS (Tower of Harmonious Call Blocking System) तिहाड़ जेल परिसर में एवं 1 मंडोली जेल परिसर में स्थापित किया गया है।

2. तिहाड़ जेल परिसर में 15 Mobile Phone Jammers (Model JTLS-301) लगाये गये हैं।

3. दिल्ली जेल के तिहाड़, रोहिणी एवं मंडोली जेल परिसरों में अभी तक 7549 CCTV Cameras लगवाये जा चुके हैं।

4. जेलों के प्रवेश द्वार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 15 Deep Search Metal Detectors, 610 Bodyworn Cameras, 23 X-ray Baggage Scanners, 27 Pole Type Metal Detector, 12 Non-Linear Junction Detector (NLJD), 47 Door Frame Metal Detector ((DFMD) और 250 Hand Held Metal Detector (HHMD) लगाये गये हैं जिनके द्वारा बंदी और बंदियों द्वारा लाये गये सामान की गहन रूप से जाँच पड़ताल की जाती है।

(ङ) जेलों में कैदियों की बढ़ती हुई संख्या से over crowding की समस्या के समाधान के लिए जेल प्रशासन निम्न कदम उठा रहा है:

1. जेल विभाग सभी जेलों में दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (DSLSA) के सहयोग से eligible undertrial prisoners के मामलों पर विचार करने के लिए सभी जिला न्यायालयों के प्रधान न्यायाधीश के साथ नियमित Under trial Review Committee (UTRC) meeting में उनकी जमानत पर विचार करने के लिए Data उपलब्ध कराता है। वर्ष 2023 में Under trial Review Committee (UTRC) के हस्तक्षेप के बाद 1054 कैदियों को रिहा किया गया।

2. जेल विभाग उन विचाराधीन कैदियों के मामलों का फैसला करने के लिए विशेष अदालतों के आयोजन में सहायता करता है जो छोटे-मोटे अपराधों में जेलों में बंद हैं और स्वेच्छा से अपना अपराध कबूल करने को तैयार हैं। अब तक विशेष अदालत की 246 बैठकों में 6614 कैदियों को रिहा किया है।

3. पहले चरण में नरेला जेल परिसर में 256 कैदियों के लिए लगभग 20 एकड़ भूमि में एक नई उच्च सुरक्षा जेल विकसित करने का प्रस्ताव है।

4. आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदियों की रिहाई के लिए नियमित Sentence Review Board (SRB) बैठकों का आयोजन किया जाता है।

173. श्री वीर सिंह धिंगानः क्या माननीय **विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सीमापुरी विधानसभा क्षेत्र में कुल कितने शहरीकृत गावं हैं;

(ख) क्या यह भी सत्य है कि इन गावों के विकास के लिए क्या अलग से फंड दिया जाता है;

(ग) यदि हां, तो सीमा पुरी विधानसभा में कुल कितने गांव हैं तथा पिछले 2 वर्षो में इन गावों के विकास के लिए कितना बजट (पैसा) दिया गया है;

(घ) क्या यह भी सत्य है कि इन गावों में कोई विकास कार्य अर्से से नहीं किए गए; और

(ङ) यदि हां, तो इन गावों में कब तक विकास कार्य कराए जाएगें?

विकास मंत्री: (क) सीमापुरी विधानसभा क्षेत्र में कुल 3 गांव है। जिसमें से 1 गांव शहरीकृत है।

(ख) जी हाँ, दिल्ली विकास विभाग के अंतर्गत दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड (DVDB) द्वारा दिल्ली के ग्रामीण एवं शहरीकृत ग्रामों के विकास के लिए ग्रामीण एवं शहरीकृत गांवों में एकीकृत विकास (IDRUV) मद से फंड दिया जाता है।

(ग) 1. सीमापुरी विधानसभा में कुल 3 गांव हैं।

2. वर्ष 2023-24: शून्य बजट आवंटित हुआ।

3. वित्त वर्ष 2024-25 में 2 गांवों में 4 विकास परियोजनाएं, जो कि रोड़ एवं नालियां, सामुदायिक भवन एवं पार्क के विकास से संबंधित थी, उसमें 2.61 करोड़ रूपये की प्रशासनिक एवं व्यय स्वीकृति दिल्ली नगर निगम को दी गई थी तथा 65.43 लाख का बजट स्वीकृत किया गया है।

(घ) जी नहीं।

(ङ) लागू नहीं होता।

174. श्री गजेन्द्र दरालः क्या माननीय **विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पिछले 10 सालों में दिल्ली सरकार द्वारा किसानों को उपकरणों, यंत्रों, खाद्य, यूरिया जैसी चीज़ों पर सब्सिडी दी गई है;

(ख) यदि हां तो पूर्ण विवरण दें;

(ग) क्या यह सत्य है कि दिल्ली देहात में रह रहे किसानों को जमीन अधिकरण के बदले अल्टरनेटिव प्लाट दिये जाते हैं;

(घ) यदि हां तो क्या यह योजना अब भी है, इसका संपूर्ण विवरण दिया जाये;

(ङ) क्या दिल्ली में रह रहे किसानों को किसानों का दर्जा दिया गया है; और

(च) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

विकास मंत्रीः (क) जी हाँ।

(ख)) विवरण संलग्नक 'अ' पर है।

(ग) और (घ) ये विकास विभाग से संबंधित नहीं है। भूमि एवं भवन विभाग, दिल्ली सरकार के अनुसार यह एक रिजर्व सब्जेक्ट है, जिसकी प्रति अनुलग्नक 'ब' पर संलग्न है।

(ङ) जी हाँ।

(च) उपरोक्त ङ के अनुसार लागू नहीं है।

अनुलग्नक – 'अ'

पिछले 10 सालों में दिल्ली सरकार द्वारा किसानों को दिए गए विभिन्न उपकरणों एवं यंत्रों का विवरण

क्रम सं0	वर्ष	उपकरण का नाम व संख्या	लाभान्वित किसानों की संख्या	कुल सब्सिडी मूल्य (रूपये में)
1	2014–15	इन वर्षों में दिल्ली सरकार द्वारा किसानों को उपकरणों, यंत्रों, खाद एवं यूरिया जैसी चीजों पर सब्सिडी देने की कोई योजना नहीं थी।	–	–
2	2015–16			
3	2016–17			
4	2017–18			
5	2018–19			
6	2019–20	रोटावेटर– 105, जीरो ट्रिल ड्रिल मशीन – 04, हैप्पीसीडर –01, सुपर एसएमएस–01	111	58,03,500 / –
7	2020–21	सुपरसीडर – 35, जीरो ट्रिल ड्रिल मशीन – 10, पैडीस्ट्राचोपर–03, एमबीपलाग–02, बायलर–01	51	50,03,000 / –
8	2021–22	सुपरसीडर – 65, जीरो ट्रिल ड्रिल मशीन – 5, पैडीस्ट्राचोपर–06, एमबीपलाग–03, बायलर–06	85	1,16,25,750 / –
9	2022–23	अनुमोदन को प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त नहीं हुई थी।	–	–
10	2023–24	सुपरसीडर – 94, बेलिगंमशीन – 05, जीरो ट्रिल ड्रिल मशीन – 10, पैडीस्ट्राचोपर – 13, एमबीपलाग –02, बायलर रैकटैगूलर – 01, बायलर राउन्ड मिनी – 03	118 (अब तक केवल 60 किसानों को सब्सिडी जारी की गई है बाकि बचे हुए किसानों को भारत सरकार से पैसा आने के बाद सब्सिडी जारी की जायेंगी जोकि 31 मार्च 2025 से पहले जारी होने की संभावना है।)	91,57,750 / –

Dy. Director/H.O.O. (Agri.)

अनुलग्नक 'ख'

GOVERNMENT OF N C T OF DELHI
LAND & BUILDING DEPARTMENT
(Alternative Branch)
B – BLOCK VIKAS BHAWAN, I P. ESTATE, NEW DELHI

F.(Misc.)Lok Sabha/2018/L&B/Alt/10057 Dated 21/03/2025

To

The Deputy Secretary (UD),
Department of Urban Development,
11th Level C-Wing, Delhi Sachivalaya,
I.P. Estate, New Delhi-110002.

SUB: Reply to Question No. 174 raised by the Hon'ble MLA Sh. Gajender Daral in the Legislative Assembly.

Sir,

In reference to your letter No. F.28(59)/SO/JDA/VSQ/2022-23/Pt.file.3246 dated 21.03.2025 on the subject cited above, I am directed to inform that as per legal advice received from the office of the Hon'ble Lt. Governor, Govt. of NCT of Delhi vide their office U.O. No.2(3)/17-RN/379/A-1490 dated 19.03.2018 (Copy enclosed) and Pr. Secretary (Law & Justice and LA) vide there office letter No. F.18(11)/LA-2018/1720-1769 dated 19.03.2018(Copy enclosed) and opined in the same letters that "*In view of provision contained in Article 239AA(3) and (4) read with the rule 29 of the procedure 3 and conduct of business of Legislative Assembly of Nation Capital Territory of Delhi, legally the Speaker of Legislative Assembly cannot admit any question on any Reserved Subject*".

In view of the above Legal Advice and as the Land & Building Department is dealing with the reserved subject "Land", the above position may be brought to the notice of the Hon'ble Speaker, Legislative Assembly of National Capital Territory of Delhi.

Yours faithfully,

Deputy Secretary (L&B)

Encl As above

Dy. Director/H.O.C. (Agri.)

P/14

SERVICES DEPARTMENT
GOVERNMENT OF NCT OF DELHI
7TH LEVEL, B-WING DELHI SECRETARIAT, NEW DELHI

Date:

No. F.8(26)/MISC/VS/2016-S.III/

To,

The Secretary to Hon'ble Dy. CM,
O/o the Dy. Chief Minister,
Govt. of NCT of Delhi,
Delhi Secretariat, New Delhi.

Sub.: Reply to the Assembly Questions of Legislative assembly of National Capital Territory of Delhi by Services Department.

Sir,

This is with reference to reply to Starred Question No. 109 due for reply on 26.03.2018 and transferred to Services Department by Finance Department on 23.03.2018 at 1830 hrs treating the matter as "Services" matter, for being dealt under the provisions of Chapter VII of the Rules of Procedure and Conduct of Business of Legislative Assembly of National Capital Territory of Delhi. In this regard, I am directed to refer to this department's letter dated 21.03.2018 through which it was conveyed that in view of advice received from Department of Law Justice and Legislative Affairs vide letter dated 19.03.2018 (Copy enclosed) this department is unable to send replies to the assembly questions on 'Services' related matters.

The above position may be brought to the notice of the Hon'ble Dy. Chief Minister, Govt. of National Capital Territory of Delhi.

Yours faithfully.

(D. Karthikeyan)
Dy. Secretary (Services)

Encl.. **As above.**

Date:

No. **F.8(26)/MISC/VS/2016-S.III/**

Copy to:-

1. **Secretary** to Delhi Legislative Assembly Secretariat for kind information of **Hon'ble Speaker**, Delhi Legislative Assembly.
2. **SO to Chief Secretary for** kind information.
3. **Dy. Secretary (Questions)**, Delhi Legislative Assembly, Old Secretariat, Delhi.

(D. Karthikeyan)
Dy. Secretary (Services)

[illegible]

[illegible] Hon'ble Lt. Governor [illegible] that on the issue of questions being raised in Legislative Assembly of Delhi on matter related to 'Reserved Subjects', the following advice of Department of Legal [illegible] Government of India has been received through the Ministry of Home Affairs, Government of India.

"As per Article 239AA (3)(a) of the constitution, the Legislative Assembly shall have power to make laws with respect to any of the matters enumerated in the State List, or in the Concurrent List except matters with respect to Entries 1, 2 and 18 of the State List and Entries 64, 65 and 66 of that List in so far as they related to the said Entries 1,2 and 18.

Further as per Article 239AA(4), the responsibility of Council of Ministers of NCT of Delhi to aid and advice to Lt. Governor is restricted to matter only on which the Legislative Assembly has power to make rule. Thus on reserved subject i.e. subject mentioned in Entry 1, 2 and 18, the State Government has no power either to make law or take an executive action.

Rule 29 of Procedure and Conduct of Business of the Legislative Assembly of National Capital Territory of Delhi states that the subject matter of Questions must relate to a matter of administration for which the Government is responsible. Its purpose shall be to elicit information or to give suggestion of action on a matter of public importance.

In view of the provision contained in Article 239AA(3) and (4) read with Rule 29 of the Procedure and Conduct of Business of Legislative Assembly of National Capital Territory of Delhi, legally the Speaker of the Legislative Assembly cannot admit any Question on any Reserved Subject."

The above legal position may kindly be brought to the notice of Hon'ble Speaker, Legislative Assembly, Delhi for kind information as requested in the aforesaid U.O.

A copy of the same is also being endorsed to all the Hon'ble Ministers and Departments for information and further necessary action.

(Anoop Kumar Mendiratta)
Pr. Secretary (Law, Justice & LA)
Government of National Capital Territory of Delhi

Encl: As above

F.No. 18(1)/LA/2018 / Dated: [illegible] 2018

Copy forwarded to the following for information and further necessary action:-

1. Joint Secretary to Hon'ble Lt. Governor for information.
2. Pr. Secretary to Hon'ble Chief Minister, Delhi.
3. Secretaries to all the Hon'ble Ministers of Government of NCT of Delhi.
4. Staff Officer to Chief Secretary for information.
5. All the Pr. Secretaries/Secretaries/Heads of Departments of GNCTD.
6. Website of Law, Justice & LA Department.

(Anoop Kumar Mendiratta)
Pr. Secretary (Law, Justice & LA)
Government of National Capital Territory of Delhi

MOST URGENT

On the issue of questions being raised in Legislative Assembly of Delhi on matters related to 'Reserved Subjects', the following advice of [illegible] Affairs, Government of India has been received through the Ministry of Home Affairs, Government of India:

As per Article 239AA(3)(a) of the constitution, the Legislative Assembly shall have power to make laws with respect to any of the matters enumerated in the State List, or in the Concurrent List except matters with respect to Entries 1, 2 and 18 of the State List and Entries 64, 65 and 66 of that List in so far as they related to the said Entries 1, 2 and 18.

Further as per Article 239AA(4), the responsibility of Council of Ministers of NCT of Delhi to aid and advice to Lt. Governor is restricted to matter only on which the Legislative Assembly has power to make rule. Thus on reserved subject i.e. subject mentioned in Entry 1, 2 & 18, the State Government has no power either to make law or take an executive action.

Rule 29 of Procedure and Conduct of Business of the Legislative Assembly of National Capital Territory of Delhi states that the subject matter of Questions must relate to a matter of administration for which the Government is responsible. Its purpose shall be to elicit information or to give suggestion of action on a matter of public importance.

In view of the provision contained in Article 239AA (3) and (4) read with Rule 29 of the Procedure and Conduct of Business of the Legislative Assembly of National Capital Territory of Delhi, legally the Speaker of the Legislative Assembly cannot admit any Question on any Reserved Subject.

The above legal position may kindly be brought to the notice of Secretary of Legislative Assembly, Delhi for kind information of Hon'ble Speaker, Legislative Assembly, Delhi and departments concerned for necessary action.

(Ravi Dhawan)
Jt. Secretary to Lt. Governor

Pr. Secretary (Law, Justice & Legislative Affairs), GNCTD

U.O. No. [illegible] Date 19/03/2018

Copy for kind information and necessary action to:

1. Chief Secretary, Delhi
2. Secretary to Minister (Law, Justice & Legislative Affairs), GNCTD

175. श्री गजेन्द्र दरालः क्या माननीय **विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मुंडका विधानसभा क्षेत्र में कुल कितने गांव आते हैं;

(ख) पिछले 5 वर्षों में किन-किन गांव में विकास कार्य किये गये हैं; पूर्ण विवरण दें; और

(ग) मुंडका विधानसभा क्षेत्र के किन-किन गांवों की विकास योजना अभी तक लम्बित पड़ी है?

विकास मंत्रीः (क) मुंडका विधानसभा में कुल 20 गांव आते हैं।

(ख) पिछले 5 वर्षों में मुंडका विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 17 गांवों में 74 विकास परियोजनाएं, जो कि मुख्यतः रोड़, गलियां, नालियां, चौपाली, शमशान घाट, कब्रिस्तान, तालाब आदि से संबंधित थी। उनमें वर्षवार प्रशासनिक एवं व्यय स्वीकृति तथा बजट की सूचना निम्न है।

1. वर्ष 2020-21 में कोविड महामारी के कारण कोई प्रशासनिक एवं व्यय स्वीकृति मुंडका विधानसभा के लिए जारी नहीं की गई थी।

2. वर्ष 2021-22 में 08 गांव में 21 विकास परियोजनाओं में 10.89 करोड़ रूपये की प्रशासनिक एवं व्यय स्वीकृति तथा 2.36 करोड़ रूपये का बजट जारी किया गया।

3. वर्ष 2022-23 में 03 गांवों में 7 विकास परियोजनाओं में 18.95 करोड़ रूपये की प्रशासनिक एवं व्यय स्वीकृति तथा 4.73 करोड़ रूपये का बजट जारी किया गया।

4. वर्ष 2023-24 में 08 गांव में 19 विकास परियोजनाओं में 42.32 करोड़ रूपये की प्रशासनिक एवं व्यय स्वीकृति तथा 10.52 करोड़ रूपये का बजट जारी किया गया।

5. वर्ष 2024-25 में 12 गांव में 34 विकास परियोजनाओं में 80.17 करोड़ रूपये की प्रशासनिक एवं व्यय स्वीकृति तथा 20.04 करोड़ रूपये का बजट जारी किया गया।

दिल्ली ग्रामीण विकास विभाग द्वारा पिछले पांच वर्षों में मुंडका विधानसभा में आने वाले गांवों में स्वीकृत विकास परियोजनाओं के विवरण की सूची 'क' संलग्न है।

(ग) मुंडका विधानसभा क्षेत्र के 16 गांव की 42 विकास परियोजना, जिनकी अनुमानित लागत 62.16 करोड़ प्रशासनिक एवं व्यय स्वीकृति के लिए ग्रामीण विकास विभाग में विचाराधीन है। उपरोक्त परियोजनाओं को बजट की उपलब्धता और नवनिर्वाचित विधायक की संस्तुति के उपरान्त अगले वित्त वर्ष में अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। इन परियोजनाओं की सूची 'ख' संलग्न है।

सूची 'क'

मुंडका विधानसभा को वर्ष 2021-22 के लिए जारी स्वीकृतियां

क्र.सं.	गांवों का नाम	कार्य का नाम	कार्य का विवरण	ए/ए एवं ई/एस (लाख रुपये में)	जारी की गई निधि (लाख रुपये में)	मंजूरी की तारीख
1	घेवरा	ग्राम घेवरा में सजरा सड़क का निर्माण ख. नंबर 787 और 788 कंझावला ब्लॉक में।	सड़क	10.52	2.28	10.09.21
		कुल		**10.52**	**2.28**	
2	जौन्ती	सड़क निर्माण जौंती गांव में ख. नंबर 574 जिला एन/डब्ल्यू में	सड़क	22.33	4.84	10.09.21
		जौंती गांव में आंतरिक सड़क का जीर्णोद्धार जिले एन/डब्ल्यू	सड़क	164.07	35.54	01.12.21
		कुल		**186.4**	**40.38**	
3	कंझावला	सड़क निर्माण ख. क्रमांक- 142/619 से ख. क्रमांक - 142/610 ग्राम कंझावला, जिला एन/डब्ल्यू.	सड़क	85.22	18.46	10.09.21
		कंझावला ब्लॉक के ग्राम मदनपुर (ख. न. 77/2,79, 10/17,18,10/2) में दादा महिसर तालाब की मरम्मत	तालाब/जल स्रोत	93.03	20.15	10.09.21
		कंझावला ब्लॉक का ख नबर 76 गांव मदनपुर में जल निकाय का सुधार।	जल निकाय	44	9.53	10.09.21
		कंझावला ब्लॉक में मुख्य कंझावला रोड से रानी खेड़ा गांव तक मौजूदा पहुंच मार्ग का चौड़ीकरण	सड़क	58.8	12.74	10.09.21
		ग्राम कंझावला में ख. क्रमांक 142/286 से 142/296 तक सड़क एवं साइड नाली निर्माण	सड़क, नाली	9.09	1.97	05.10.21
		कुल		**290.14**	**62.85**	
4	नीलवाल	जिला पश्चिम के गांव नीलवाल में सामुदायिक केंद्र में अतिरिक्त हॉल की मरम्मत/नवीनीकरण और निर्माण	बड़ा कमरा	195.02	42.24	01.12.21
		कुल		**195.02**	**42.24**	
5	निज़ामपुर	निज़ामपुर गांव में निज़ामपुर-सावदा रोड से मुंगेशपुर ड्रेन तक सजरा रोड (ख. नं. 592 मिनट/404) का निर्माण जिला एन/डब्ल्यू.	सड़क	127.54	27.63	01.12.21
		कुल		**127.54**	**27.63**	
6	कमरुद्दीन नगर	गांव कमरुद्दीन नगर के लिए नागलोई नजफगढ़ रोड (नीलोठी मोड़) से माइनर ई-7 तक सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत/पुनर्स्थापना जिला पश्चिम	सड़क	48.2	10.44	10.09.21
		ग्राम मुंडका में नागलोई नजफगढ़ रोड से डीजबी प्लांट और ई-7 (40" रोड) से कमरुद्दीन नगर तक सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत/पुनर्स्थापना	सड़क	88.7	19.21	10.09.21
		कुल		**136.9**	**29.65**	
7	रसूलपुर	कंझावला ब्लॉक के ग्राम रसूलपुर में सिज़रा रोड का निर्माण	सड़क	121.86	26.39	17.12.21
		कुल		**121.86**	**26.39**	
8	टीकरी कलां	टिकरी कलां गांव में ख. नबर 795 असर वाली सड़का का जीर्णोद्धार, जिला पश्चिम.	सड़क	21.29	4.61	10.09.21
		कुल		**21.29**	**4.61**	
		कुल योग		**1089.67**	**236.03**	

मुंडका विधानसभा को वर्ष 2022-23 के लिए जारी स्वीकृतियों की सूचि

क्र.सं.	गांवों का नाम	कार्य का नाम	कार्य का विवरण	ए/ए एवं ई/एस (लाख रुपये में)	जारी की गई निधि (लाख रुपये में)	मंजूरी की तारीख
1	कंझावला	कंझावला ब्लॉक में मुंडका-कराला रोड से मदनपुर ड्रेन तक खुले आर.सी.सी ड्रेन का निर्माण।	नाला	335.77	83.94	28.03.23
		कुल		**335.77**	**83.94**	
2	मुंडका	मुंडका एसी-08 के मुंडका गांव में शिशुवाला तालाब के पास आंतरिक सड़कों और साइड नालियों का सुधार, जिला पश्चिम	सड़क	375.24	93.81	21.07.22
		ग्राम मुंडका एसी-08 में टोडरमल चौक के पास आंतरिक सड़कों और साइड नालियों का सुधार, जिला पश्चिम	सड़क एवं नाली	490.33	122.58	21.07.22
		मुंडका एसी-08 के गांव मुंडका में संघुसर और भगत सिंह पार्क के पास आंतरिक सड़कों और साइड नालियों का सुधार, जिला पश्चिम	सड़क एवं नाली	459.57	114.89	21.07.22
		कुल		**1325.14**	**331.29**	
3	टीकरी कलां	गांव टिकरी कलां में पूर्वी फिरनी रोड से नई चौपाल तक सड़कों का जीर्णोद्धार, जिला पश्चिम	गली	87.33	21.83	21.07.22
		टिकरी कलां गांव में बैंक स्ट्रीट और आसपास की सड़कों का जीर्णोद्धार,जिला पश्चिम	गली	72.32	18.08	21.07.22
		ग्राम टिकरी कलां में तालाब ख नंबर 482 के पास सड़कों का जीर्णोद्धार, जिला पश्चिम	सड़क	75.1	18.78	21.07.22
		कुल		**234.75**	**58.69**	
		कुल योग		**1895.66**	**473.91**	

मुंडका विधानसभा को वर्ष 2023-24 के लिए जारी स्वीकृतियों की सूचि

क्र.सं.	गांवों का नाम	कार्य का नाम	कार्य का विवरण	ए/ए एव ई/एस (लाख रुपये में)	जारी की गई निधि (लाख रुपये में)	मंजूरी की तारीख
1	गढ़ी रिंढाला	जौंती गढ़ी रोड से ग्राम गढ़ी रिंढाला में साध मंदिर तक सड़क का निर्माण, जिला एन/डब्ल्यू	सड़क	37.07	9.27	02.01.24
		जिले के ग्राम लाडपुर-निजामपुर रोड से ग्राम गढ़ी रिंढाला तक सड़क का सुधार। एन/डब्ल्यू	सड़क	230.54	57.64	05.01.24
		कुल		**267.61**	**66.9**	
2	जोन्ती	ग्राम जौंती में हरिजन चौपाल की मरम्मत, जिला उत्तर-पश्चिम	चौपाल	39.54	9.89	17.08.23
		कुल		**39.54**	**9.89**	
3	कंझावला	ग्राम कंझावला में श्मशान घाट का नवीनीकरण, जिला एन/डब्ल्यू	श्मशान भूमि	85.63	21.41	17.08.23
		कुल		**85.63**	**21.41**	
4	कराला	कंझावला ब्लॉक के ग्राम कराला में दादा मांडू तालाब से मुख्य कंझावला रोड तक सड़क के दोनों ओर आरएमसी रोड और आर.सी.सी साइड नालियों का निर्माण	सड़क	503.39	125.85	15.06.23
		कुल		**503.39**	**125.85**	
5	मोहम्मदपुर माजरी	कंझावला ब्लॉक के गांव मोहम्मदपुर माजरी में मुख्य कंझावला रोड से मुंडका-कराला रोड तक मौजूदा सड़क का सुधार	सड़क	430.89	107.72	05.01.24
		कुल		**430.89**	**107.72**	
6	मुंडका	मुंडका एसी-08 जिले के मुंडका गांव में तकिया तालाब के पास आंतरिक सड़कों और साइड नालियों का सुधार, जिला पश्चिम	सड़क	492.19	123.04	15.06.23
		ग्राम मुंडका एसी-08 में ग्राउंड फ्लोर पार्किंग बरहीचौपाल के साथ डबल स्टोरी का विध्वंस और पुनर्निर्माण	चौपाल	273.6	68.4	15.06.23
		मुंडका एसी-08 में संस्कृति बैंक्वेट हॉल के पास, मेट्रो पिलर नंबर 497 के पास, दिल्ली-रोहतक रोड पर सड़क किनारे नालियों का निर्माण, जिला पश्चिम	सड़क	375.03	93.76	15.06.23
		मुंडका एसी-08 में गांव मुंडका में श्मशान घाट सड़क सहित उत्तर की ओर फिरनी सड़क का निर्माण, जिला पश्चिम	सड़क	491.29	122.82	15.06.23
		जिला पश्चिम में मुंडका एसी-08 में मुंधा गांव में मौजूदा श्मशान घाट का सुधार	श्मशान भूमि	87.3	21.83	15.06.23
		कब्रिस्तान तक 300 फीट चौड़ी सड़क के पार मुंडका फिरनी रोड से मुंडका-हिरन कुदना शाजरा रोड की बहाली, जिला पश्चिम	सड़क	261.6	65.4	05.01.24
		मुंडका औद्योगिक क्षेत्र में रोहतक रोड (मेट्रो पिलर संख्या 592) से 50 फीट चौड़ी सड़क तक सड़क और साइड नालियों का निर्माण, जिला वेस्ट इन मुंडका ए.सी	सड़क	109.07	27.27	08.02.24
		मुंडका एसी-08 में बालाजी धर्मकांटा से रेलवे लाइन तक सजरा रोड और साइड नालियों का निर्माण, जिला उत्तर	सड़क, नाली	128.34	32.09	08.02.24
		कुल		**2218.42**	**554.61**	

7	नीलवाल	नीलवाल गांव में ख नंबर 10/3/2 में मौजूदा श्मशान भूमि का सुधार, जिला पश्चिम.	श्मशान भूमि	38.62	3.86	08.02.24
		कुल		**38.62**	**3.86**	
8	टीकरी कलां	मुंडका एसी-08 में टिकरी कलां गांव में नई चौपाल के पास आंतरिक सड़कों का जीर्णोद्धार	सड़क	199.06	49.77	05.01.24
		मुंडका एसी-08 में टिकरी कलां गांव में शिव मूर्ति के पास आंतरिक सड़कों का जीर्णोद्धार, जिला पश्चिम	सड़क	173.59	43.4	08.02.24
		मुंडका एसी-08 में टिकरी कलां गांव में कल्याण पाना चौपाल के पास आंतरिक सड़कों का जीर्णोद्धार	सड़क	76.09	19.02	08.02.24
		मुंडका एसी-08 में टिकरी कलां गांव में एमसीडी स्वास्थ्य केंद्र के पास आंतरिक सड़कों का जीर्णोद्धार	सड़क	199.77	49.94	08.02.24
		कुल		**648.51**	**162.13**	
		कुल योग		**4232.61**	**1052.37**	

मुंडका विधानसभा को वर्ष 2024-25 के लिए जारी स्वीकृतियों की सुचि

क्र.सं.	गांवों का नाम	कार्य का नाम	कार्य का विवरण	ए/ए एवं ई/एस (लाख रुपये में)	जारी की गई निधि (लाख रुपये में)	मंजूरी की तारीख
1	छतेसर	चतेसर गांव में आंतरिक सड़कों का निर्माण, जिला एन/डब्ल्यू	सड़कों	279.02	69.76	07.08.24
		कुल		**279.02**	**69.76**	
2	घेवरा	घेवरा गांव के पास श्मशान घाट से मुंडका एसी में मुख्य रोहतक रोड तक सजरा रोड का सुधार	सड़क	192.98	48.25	11.07.24
		कंझावला ब्लॉक के ग्राम घेवरा में रेलवे लाइन के किनारे आर.सीसी नाली का निर्माण और फिरनी सड़क का सुधार	सड़क एवं नाली	219.43	54.78	05.07.24
		कंझावला ब्लॉक में घेवरा रोड से हरियाणा सिंचाई चैनल तक आरएमसी सड़क का निर्माण, जिला एन/डब्ल्यू.	सड़क	250.01	62.5	05.07.24
		कुल		**662.42**	**165.53**	
3	जौन्ती	जिले के जौंती गांव में हरियाणा सिंचाई चैनल पर अंतर्विरोध पथ और पुलिया का निर्माण और जीर्णोद्धार, जिला एन/डब्ल्यू	सड़क	98.86	24.72	07.08.24
		कुल		**98.86**	**24.72**	
4	जीमरपुरा	जिले के जीमरपुरा गांव में सड़क और किनारे की नाली का सुधार, जिला एन/डब्ल्यू	सड़क	54.23	13.56	07.08.24
		कुल		**54.23**	**13.56**	
5	कंझावला	ख क्रमांक 142/467 से ख. क्रमांक 142/458 ग्राम कंझावला में 16.50 फीट सड़क का निर्माण।	सड़क	90.71	22.68	07.08.24
		कंझावला गांव में सड़क और साइड ड्रेन ख. संख्या 143/59 से 143/67 तक का निर्माण, जिला एन/डब्ल्यू.	सड़क/नाली	175.52	43.88	07.08.24
		कंझावला गांव में ख. नंबर 143/165 (रोड नंबर 108) से कंझावला घेवरा रोड तक सड़क निर्माण., जिला उत्तर-पश्चिम	सड़क	206.71	51.68	07.08.24
		कंझावला गांव में हरियाणा सिंचाई चैनल ख नंबर 142/812 से 100 फुट रोड सड़क का निर्माण, जिला एन/डब्ल्यू.	सड़क	264.8	66.2	07.08.24
		गांव कंझावला में ख. क्रमांक 143/627 से ख. नंबर 143/652 सड़क का निर्माण, जिला एन/डब्ल्यू	सड़क	274.96	68.74	07.08.24
		पुरानी फिरनी सड़क को (कराला-कंझावला रोड) से ख. क्रमांक 142/863 तक ग्राम कंझावला सड़क का निर्माण, जिला एन/डब्ल्यू	सड़क	627.15	156.79	07.08.24
		कुल		**1639.85**	**409.97**	
6	कराला	कराला गांव में 18 सड़कों और किनारे की नालियों का सुधार, जिला उत्तर पश्चिम दिल्ली	सड़क/नाली	433.5	108.38	07.08.24
		कुल		**433.5**	**108.38**	
7	लाडपुर	उत्तर-पश्चिम जिले के लाडपुर गांव में एमसीडी प्राइमरी स्कूल के पास सड़क और किनारे नालियों का निर्माण।	नाली	49.88	12.47	11.07.24
		उत्तर-पश्चिम जिले के लाडपुर गांव में श्मशान घाट का सुधार।	श्मशान भूमि	72.18	18.05	11.07.24
		जिला उत्तर-पश्चिम के ग्राम लाडपुर में प्रजापति चौपाल का निर्माण	चौपाल	113.75	28.44	11.07.24
		मुंडका एसी-08 जिला उत्तर-पश्चिम में लाडपुर गांव में कब्रिस्तान का विकास	कब्रिस्तान	62.73	15.68	07.08.24
		कुल		**298.54**	**74.64**	

204

8	मदनपुर	मुडका ए.सी. के ग्राम घेवरा में जट्ट राणा चौपाल को ध्वस्त करना और उसका पुनः निर्माण करना	चौपाल	84.57	21.14	07.08.24
		कझावला ब्लॉक के ग्राम मदनपुर (ख. न. 77/2, 79, 10/17, 18/10/2) में दादा महिसर तालाब के नवीनीकरण के लिए शेष कार्य।	सड़क	98.46	24.62	07.08.24
		कुल		**183.03**	**45.76**	
9	मुंडका	गाव मुडका एसी-08 मे डबल मंजिला चौपाल (मस्जिद के पास) को ध्वस्त करना और पुनः निर्माण करना	चौपाल	74.28	18.57	11.07.24
		गाव मुडका मे सेनी चौपाल का विध्वंस और पुनर्निर्माण, जिला पश्चिम	चौपाल	168.48	42.12	11.07.24
		मुडका गाव से मुडका एसी-08 में सिंचाई चैनल तक मौजूदा लिंक रोड की बहाली, जिला पश्चिम	सड़क	266.98	66.74	05.07.24
		मुडका एसी-08 में गाव मुडका मे आंतरिक सड़कों और साइड ड्रेन के संतुलन में सुधार, जिला पश्चिम.	गली	252.17	63.04	07.08.24
		शिव विहार के पास मुंडका-कराला रोड से सुल्तानपुर ड्रेन तक आरसीसी ट्रफ सेक्शन का निर्माण, जिला उत्तर पश्चिम.	आरसीसी गर्त	267.77	66.94	07.08.24
		गाव मुडका एसी-08 वार्ड नबर आरएमसी रोहतक रोड से मुंडका आरयूबी तक पीडीजी द्वारा सड़क का सुधार और विकास, नरेला जोन में नांगलोई	सड़क	483.8	120.95	29.11.24
		मुडका गाव के वार्ड नबर 34 में रोहतक रोड से आरयूबी मुंडका तक आरसीसी ड्रेन का निर्माण। नरेला जोन, एसी-08	नाली	307.77	76.94	29.11.24
		कुल		**1821.25**	**455.3**	
10	निज़ामपुर	जिला उत्तर-पश्चिम में मुडका में निज़ामपुर टोल टैक्स नबर 3 से टिकरी रेलवे क्रॉसिंग तक सड़क की बहाली	सड़क	73.44	18.36	07.08.24
		कुल		**73.44**	**18.36**	
11	कमरुद्दीन नगर	मुडका एसी-08 में गाव कमरुद्दीन नगर में तिकोना पार्क में ओपन जिम सह स्टोर रूम का विकास और मरम्मत, जिला पश्चिम	ओपन जिम	42.19	10.55	11.07.24
		नागलोई-नजफगढ़ रोड से कमरुद्दीन नगर गाव (सजरा रोड) तक आरएमसी सड़क का सुधार, जिला पश्चिम. दिल्ली मुंडका एसी-08	चौपाल	140.15	35.04	07.08.24
		क़मरुद्दीन नगर गाव में किरारी सुलेमान नगर से डीजबी योजना तक परित्यक्त माइनर ई-7 पर सड़क का सुधार, जिला पश्चिम	सड़क	328.54	82.14	07.08.24
		जिला पश्चिम में गांव कम्मरूद्दीन नगर से गांव मुंडका फिरनी रोड मुंडका एसी-08 तक मौजूदा सड़क का सुधार	सड़क	470.21	117.55	07.08.24
		कुल		**981.09**	**245.28**	
12	रानी खेड़ा	गरानी खेड़ा वार्ड नबर 33 में मुख्य सड़क मुडका कराला रोड पर मुबारकपुर मोड़ से रानी खेड़ा बस स्टैंड तक आरएमसी द्वारा सड़क का. सुधार निर्माण नरेला जोन में, एसी-08।	सड़क	496.64	124.16	29.11.24
		ग्राम रानी खेड़ा वार्ड नबर 33 में मुख्य मुडका कराला रोड पर मुबारकपुर मोड़ से रानी खेड़ा बस स्टैंड तक पीडीआई इंटरलॉक टाइल्स द्वारा आरसीसी नाली और बर्म का निर्माण। नरेला जोन में एसी-08	नाली	498.43	124.61	29.11.24
		नरेला जोन में ग्राम रानी खेड़ा वार्ड नबर 33 एसी-8 में मुख्य मुंडका कराला रोड पर श्री श्याम प्रॉपर्टी रानी खेड़ा से आरयूबी मुंडका तक आरसीसी नाली और साइड बर्म का निर्माण।	नाली	497.56	124.39	29.11.24
		कुल		**1492.63**	**373.16**	
		कुल योग		**8017.86**	**2004.42**	

सूची-'ख'

मुंडका विधानसभा में ग्रामवार लंबित परियोजनाएं

क्रमांक	गांव का नाम	कार्य का नाम	कार्य का विवरण	अनुमानित राशि (लाख रूपये में)	कार्यकारी एजेंसी
1	छतेसर	गांव में ग्राम सभा भूमि ख.नं. 24/3 पर चहारदीवारी का निर्माण।	सीमा दीवार	8.56	आई एंड एफसी
		ग्राम छतेसर में अजय स्वीट्स कॉर्नर से अंतिम गली तक शेष आंतरिक सड़क का निर्माण	सड़क	87.22	आई एंड एफसी
2	घेवरा	मुंडका ए.सी. के घेवरा गांव में सड़कों और साइड नालियों का विकास	सड़क	269.49	आई एंड एफसी
3	हिरन कूदना	पश्चिमी दिल्ली के मुंडका एसी-08 जिले के हिरन कुदना गांव में मौजूदा व्यायामशाला की मरम्मत/पुनर्स्थापना	व्यायामशाला	24.7	आई एंड एफसी
		ग्राम हिरन कूदना में कटारिया मोहल्ले में ख. नंबर 398 में मौजूदा श्मशान घाट का सुधार। जिला पश्चिम.	श्मशान भूमि	99.1	आई एंड एफसी
4	जौन्ती	जौंती गांव में शिव मंदिर के पास ख. नंबर 225 तालाब का गहरीकरण एवं सीढ़ियों वाले तालाब का निर्माण, जिला एन/डब्ल्यू	तालाब	173.24	आई एंड एफसी
		ग्राम जौंती में अजय कुमार के घर से सतीश कुमार के घर तक साइड नाली का सुधार, जिला एन/डब्ल्यू	नाली	2.92	आई एंड एफसी
		कंझावला के ग्राम जौंती में ख क्रमांक 75/15/2(1-2) हदवारी बियरिंग की चारदीवारी का निर्माण। ।	सीमा दीवार	41.18	आई एंड एफसी
		जौंती गांव में एमसीडी पार्क ख, नंबर 73/5 और कश्यप वेडिंग शॉप ख नंबर 73/5 तक आउटफॉल ड्रेन का निर्माण। जिला उत्तर पश्चिम	जलनिकास	498.05	आई एंड एफसी
5	झीमरपुरा	ग्राम झीमरपुरा में श्मशान भूमि का विकास, जिला उत्तर पश्चिम.	श्मशान भूमि	92.43	आई एंड एफसी
6	कंझावला	कंझावला गांव में ख. नंबर 143/134 से 184 और 194 से 225 सड़क निर्माण, जिला एन/डब्ल्यू	सड़क	456.36	आई एंड एफसी
		गांव कंझावला में ख. नंबर 127 तालाब का विकास. (खोजा का तालाब) , जिला एन/डब्ल्यू	तालाब	202.63	आई एंड एफसी
		ग्राम कंझावला में कंझावला चौक के पास, मंदिर वाला पार्क में वॉकिंग ट्रैक की मरम्मत, जिला एन/डब्ल्यू	पैदल पथ	9.8	आई एंड एफसी
		उत्तर-पश्चिम जिले के कंझावला गांव में गलियों और साइड नाली का निर्माण	सड़क/नाली	496.34	आई एंड एफसी
		जिला उत्तर-पश्चिम के कंझावला ब्लॉक में ग्राम मदनपुर से कंझावला तक मौजूदा सजरा सड़क का चौड़ीकरण	सड़क	151.16	आई एंड एफसी
		कंझावला गांव में विभिन्न स्थानों पर सड़कों और साइड नालियों का निर्माण, जिला उत्तर-पश्चिम	सड़कें/नालियाँ	336.5	आई एंड एफसी
7	लाडपुर	कंझावला के गांव लाडपुर में ख नंबर 72/5/1 ग्राम सभा भूमि में चहारदीवारी का निर्माण।	सीमा दीवार	27.04	आई एंड एफसी
		लाडपुर गांव में ख. नंबर 72/2/1, 9/3, 78/23/1, 22/1 तालाब का विकास, जिला एन/डब्ल्यू.	तालाब	259.12	आई एंड एफसी
8	मदनपुर	कंझावला ब्लॉक के ग्राम मदनपुर (ख. नं. 77/2,79,10/17,18/10/2) में दादा महिसर तालाब की मरम्मत और नवीनीकरण	तालाब	154.51	आई एंड एफसी
		मदनपुर गांव में सजरा सड़कों का निर्माण। जिला उत्तर पश्चिम.	सड़क	185.27	आई एंड एफसी
9	मोहम्मदपुर माजरी	जिला उत्तर पश्चिम में माजरी तालाब से मुंडका कराला रोड तक गांव मोहम्मदपुर माजरी में फिरनी सड़क का सुधार	सड़क	317.84	आई एंड एफसी
10	मुंडका	मुंडका एसी-08 में मुंडका श्मशान घाट के पास नॉर्थ साइड फिरनी रोड के पास छोड़ी गई सड़कों और साइड नालियों का निर्माण, जिला पश्चिम.	सड़क/नाली	270.71	आई एंड एफसी

11	नीलवाल	नीलवाल गांव में गांधी पाना, एससी/एसटी चौपाल की मरम्मत/नवीनीकरण, जिला पश्चिम	सड़क	12.17	आई एंड एफसी
		जिला पश्चिम में ग्राम नीलवाल एसी मुंडका में बाबा हरिदास मंदिर के पास सड़क का जीर्णोद्धार	सड़क	38.41	आई एंड एफसी
		मुंडका एसी-08 में नीलवाल गांव में ख.नं. 10/3/2 में श्मशान घाट की चहारदीवारी को ध्वस्त कर पुनर्निर्माण कराया गया, जिला पश्चिम.	श्मशान भूमि	17.28	आई एंड एफसी
		मुंडका एसी-08 में नीलवाल गांव की आंतरिक सड़कों का जीर्णोद्धार	सड़कों	78.56	आई एंड एफसी
12	निलोठी	जिला पश्चिम में गांव निलोठी में राजेंद्र फार्म हाउस चौक से सतपाल मार्केट चौक तक 75 फीट सड़क का सुधार।	सड़क	284.94	आई एंड एफसी
13	निज़ामपुर	नरेला जोन में निजामपुर गांव वार्ड नंबर 32 (कंझावला) में सीसी फुटपाथ प्रदान करके जंगली राम स्टेडियम और डॉ. साहिब सिंह वर्मा पार्क के बीच गली और नाली का निर्माण।	गली/नाली	24.46	दिल्ली नगर निगम
		नरेला जोन में निज़ामपुर गांव वार्ड नंबर 32 (कंझावला) में डॉ. साहिब सिंह वर्मा पार्क के सामने सीसी फुटपाथ और इंटरलॉकिंग पेवर ब्लॉक प्रदान करके साइड बर्म का सुधार।	उपतट	11.96	दिल्ली नगर निगम
		नरेला क्षेत्र में निज़ामपुर गांव वार्ड नंबर 32 (कंझावला) में पशु अस्पताल से उच्च माध्यमिक विद्यालय तक सीसी फुटपाथ और इंटरलॉकिंग पेवर ब्लॉक प्रदान करके साइड बर्म का सुधार।	उपतट	39.64	दिल्ली नगर निगम
		जिला उत्तर-पश्चिम के गांव निज़ामपुर में बहादुरगढ़ रोड टोल टैक्स से हरियाणा सीमा तक सड़क की बहाली	सड़क	76.64	आई एंड एफसी
		निज़ामपुर-बहादुरगढ़ रोड (एमसीडी टोल टैक्स) से गांव निज़ामपुर में हरिजन बस्ती तक नाली और फिरनी सड़क (शेष भाग) का सुधार	सड़क	81.58	आई एंड एफसी
		उत्तर-पश्चिम जिले के गांव निज़ामपुर में मौजूदा सड़कों और किनारे की नालियों का विकास	सड़कें/नालियाँ	87.62	आई एंड एफसी
		ग्राम निज़ामपुर, जिला उत्तर-पश्चिम में विभिन्न स्थानों पर सजरा सड़क का निर्माण	सड़क	40.95	आई एंड एफसी
14	क्यूमरूद्दीन नगर	जिला पश्चिम में ग्राम कुमरूद्दीन नगर एसी मुंडका में आंतरिक सड़क और किनारे की नालियों का सुधार	सड़क	498.59	आई एंड एफसी
15	सावदा	उत्तर-पश्चिम जिले के ग्राम सावदा में ख. क्रमांक 0/72 में पार्क का विकास।	पार्क	94.05	आई एंड एफसी
16	टीकरी कलां	मुंडका एसी-08 में गांव टिकरी कलां में डोप्लान चौक के पास आंतरिक सड़कों का जीर्णोद्धार, जिला पश्चिम	सड़क	172.31	आई एंड एफसी
		टिकरी कलां गांव में तालाब के पास एससी चौपाल की मरम्मत/नवीनीकरण, जिला पश्चिम	चौपाल	42.56	आई एंड एफसी
		ग्राम टिकरी कलां में टिकरी कलां श्मशान घाट से नीलवाल घेवरा रोड तक सड़क का जीर्णोद्धार, जिला पश्चिम.	सड़क	153.83	आई एंड एफसी
		गांव टिकरी कलां में कटारिया मोहल्ले में सड़कों का जीर्णोद्धार, जिला पश्चिम	सड़क	24	आई एंड एफसी
		गांव टिकरी कलां में हनुमान मंदिर से पीवीसी रोड तक फिरनी रोड के साथ मौजूदा क्षतिग्रस्त नाली का पुनर्निर्माण, जिला पश्चिम.	नाली	161.23	आई एंड एफसी
		टिकरी कलां गांव से निज़ामपुर की ओर रोहतक रोड से रेलवे लाइन तक सड़क का जीर्णोद्धार और साइड नालियों का निर्माण, जिला पश्चिम	सड़क/नाली	111.8	आई एंड एफसी
		कुल		**6216.75**	

176. श्री संजीव झाः क्या माननीय **विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि दिल्ली सरकार के द्वारा पिछले वितीय वर्ष 2024-25 में गावों के विकास के लिए 900 करोड़ अनुमानित बजट खर्च किया जाना था;

(ख) यदि हॉ, तो इस बजट में से कितना पैसा स्वीकृत हुआ और कितना पैसा स्वीकृत नही हो पाया;

(ग) क्या यह सत्य है कि विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से एस्टिमेट आने के बावजूद इस बजट के 700 करोड़ रू वापस कर दिए गए;

(घ) यदि हॉ, तो यह आदेश किसने दिया,पूर्ण विवरण दें; और

(ङ) जो ऐस्टीमेट पिछले वर्ष में वापस कर दिए गए क्या उन पर पुनः विचार किया जाएगा या फिर नए ऐस्टीमेट दोबारा तैयार करवाये जाएंगे?

विकास मंत्रीः (क) जी हाँ।

(ख) दिल्ली सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 के बजट में गांवों के विकास के लिए दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड (DVDB) को 898.87 करोड़ रूपये आवंटित गिए गए थे। परंतु उक्त वर्ष के संशोधित अनुमानों में यह राशि 299 करोड़ रूपये कर दी गई।

(ग) जी नहीं। ग्रामीण विकास विभाग द्वारा बजट के 700 करोड़ रूपये वापिस नहीं किए गए। तत्कालीन सरकार द्वारा उक्त वित्त वर्ष में संशोधित अनुमानों में 600 करोड़ रूपये की कटौती कर दी गई थी।

(घ) लागू नहीं होती।

(ङ) कोई ऐस्टीमेट वापस नहीं किए गए हैं। लंबित परियोजनाओं को आगामी वित्त वर्ष में बजट की उपलब्धता और नवनिर्वाचित विधायक की संस्तुति के उपरान्त अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

177. सुश्री आतिशीः क्या माननीय **विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वित्त वर्ष 2024-25 में ग्रामीण विकास हेतु विलेज बोर्ड को कुल कितना बजट आवंटित किया गया;

(ख) आवंटित फंड से वित वर्ष 2024-25 के लिए कितने किमी सड़कों का निर्माण सेंक्शन हुआ? उन सड़कों की सूची मुहैया करवाएं;

(ग) कुल सैंकशन सड़कों में से कितने सड़कों के निर्माण का टेंडर हुआ, कितनों का वर्क आर्डर जारी हुआ और कितनी सड़कों का निर्माण हुआ, सड़कों की संख्या व लंबाई सहित विस्तृत सूची मुहैया करवाएं;

(घ) अगर कुल वास्तविक निर्मित सड़कों और कुल निर्माण सैंक्शन में अंतर हैं तो इसका क्या कारण है;

(ङ) होने का क्या कारण है;

(च) इसके लिए कौन कौन अफसर जिम्मेदार हैं, अफसरों के नाम और पद सहित जानकारी साझा करें;

(छ) सड़क निर्माण से संबंधित फाइलें किन किन अधिकारियों के पास कितने समय तक लंबित रही; और

(ज) प्रत्येक फाइल का विस्तृत टाइमलाइन के साथ ब्यौरा प्रदान करें?

विकास मंत्रीः (क) दिल्ली सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 के बजट में गांवों के विकास के लिए 898.87 करोड़ रूपये आवंटित किए गए थे। परंतु उक्त वर्ष के संशोधित अनुमानों में तत्कालीन सरकार द्वारा 600 करोड़ घटाकर केवल 299 करोड़ रूपये कर दी गई।

(ख) सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 में कुल 195.39 कि.मी. सड़कों का निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया। सूची 'क' संलग्न है।

(ग) सूची 'क' में विवरण संलग्न है।

(घ) से (ज) विकास एक सतत प्रक्रिया है। संशोधित अनुमान 2024-25 में गांवों के विकास के लिए फंड में तत्कालीन सरकार द्वारा 600 करोड़ रूपये की कटौती की गई, जिसके कारण परियोजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावित हुआ।

सूचि क

Unst. d Question No. 177

Details of works

Sl. No.	Name of Work	Estimated road length		Tender status	Work order status	Executed road length		Difference of Column 3 and 6 (in KM)
		No.	Length (in KM)			No.	Length (in KM)	
1	Construction of Sizra road bearing Kh. No. 54 at village Nanakheri in Matiala Assembly Constituency AC-34	1	0.125	Work Awarded	Work held up	0.00	0.00	0.1250
2	Construction of road and SW drain near Krishna Model School at Rawta village in Matiala Assembly Constituency AC-34	1	0.165	Work Awarded	Work is kept on hold as per letter by Dy. Director-RD dated 07.02.25	0.00	0.00	0.1650
3	Construction of sizra road bearing Kh. No. 237 at village Badusarai in Matiala Assembly Constituency AC-34.	1	0.250	Work Awarded	Work is kept on hold as per letter by Dy. Director-RD dated 07.02.25	0.00	0.00	0.2500
4	Construction of RMC road on old Phirni Road in village Badusarai in Najafgarh Block in Matiala (AC-34)	1	0.710	Work Awarded	Work is kept on hold as per letter by Dy. Director-RD dated 07.02.25	0.00	0.00	0.7100
5	Construction of sizra road bearing Kh. No. 107 & 103 at Raghopur village in Matiala Assembly Constituency AC-34.	1	0.535	Work not awarded/hold as per Dy. Director-RD letter dated 07.02.25	Work is kept on hold as per letter by Dy. Director-RD dated 07.02.25	0.00	0.00	0.5350
6	Construction of sizra road bearing Kh. No. 52 at village Nanakheri in Matiala Assembly Constituency AC-34.	1	0.885	Work Awarded	Work in progress	0.00	0.00	0.8850
7	Repair/Reconstruct internal roads in village Bamnoli, Bijwasan Constituency AC-36.	16	5.860	Work not awarded as Work is taken up by MCD & also hold as per Dy. Director-RD letter dated 07.02.25	Work is taken up by MCD/Work is kept on hold as per letter by Dy. Director-RD letter dated 07.02.25	0.00	0.00	5.8600
8	Repair and reconstruction of Samalka extension old Delhi Gurugram road at Bandh road, Peer Baba, NH-48B along with drain on both sides in Bijwasan Assembly Constituency AC-36	1	1.620	Work Awarded	Work in progress	1.00	0.805	0.8150
9	Strengthening of existing bitumen road by laying RMC on both sides of road from Rewala Khanpur to Najafgarh Bijwasan road in Matiala Assembly Constituency AC-34.	1	1.900	Work Awarded	Work Completed	1.00	1.780	0.1200
10	Construction of road bearing Kh. No. 117 at village Ghummanhera in Matiala Assembly Constituency - AC-34.	2	0.710	Work Awarded	Work in progress	1.00	0.015	0.6950
11	Demolishing & Reconstruction of road in 20 point colony village Kakraula in Matiala Assembly AC-34.	12	1.072	Work Awarded	Work is kept on hold as per letter by Dy. Director-RD letter dated 07.02.25	5.00	0.350	0.7220
12	Improvement of streets and side drain in Keshopur village in Tilak Nagar Assembly Constituency AC-29.	21	1.360	Work not awarded as NOC denied by MCD and work is on hold as per letter by Dy. Director-RD letter dated 07.02.25	NOC denied by MCD / Work is kept on hold as per letter by Dy. Director-RD letter dated 07.02.25	0.00	0.00	1.3600
13	Improvement of street/Galies in Dabri village in Dwarka Assembly Constituency AC-33.	16	1.350	Work not awarded as NOC denied by MCD and work is on hold as per letter by Dy. Director-RD letter dated 07.02.25	NOC denied by MCD /Work is kept on hold as per letter by Dy. Director-RD letter dated 07.02.25	0.00	0.00	1.3500
14	Reconstruction of road from Vasant Kunj Mahipalpur Road to Israil camp at Rangpur village in Bijwasan Constituency (AC-36)	1	0.675	Work Awarded	Work Completed	1.00	0.564	0.1110
15	Improvement of street and side drains in 20 point programme Jatav Mohalla at village Bharthal n Bijwasan Constituency (AC-36)	11	0.885	Work not awarded as work is taken up by MCD and work is on hold as per letter by Dy. Director-RD letter dated 07.02.25	Work is taken up by MCD and Work is kept on hold as per letter by Dy. Director-RD letter dated 07.02.25	0.00	0.00	0.8850
16	Reconstruction of shahi road (Bijwasan from Dwarka link road) near Pushpanjali Farms at Bijwanan village in Bijwasan Constituency (AC-36).	3	2.110	Work Awarded	Work held up	2.50	1.898	0.2120
17	Improvement of link road & side drain from Tata Telco to Kh. No. 660 in village Rangpuri in Bijwasan Constituency AC-36.	1	0.650	Work Awarded	Work in progress	0.00	0.00	0.6500
18	Reconstruction of road from Johad wala road to Sawhney Foundation at Rangpuri village in Bijwasan Constituency AC-36.	1	0.650	Work Awarded	Work completed	1.00	0.54	0.1100

Sl. No.	Name of Work	Estimated road length		Tender status	Work order status	Executed road length		Difference of Column 3 and 6 (in KM)
		No.	Length (in KM)			No.	Length (in KM)	
19	Reconstruction of road from Nala Camp to Johad at Rangpuri village in Bijwasan Constituency AC-36	1	1.200	Work Awarded	Work in progress	1.00	1.2	0.0000
20	Improvement of road and drain around Kh. No. 168 at village Bijwasan AC-36	4	1.377	Work not awarded as work is taken up by MCD and work is on hold as per letter by Dy. Director-RD letter dated 07.02.25	Work is taken up by MCD and Work is kept on hold as per letter by Dy. Director-RD letter dated 07.02.25	0.00	0.00	1.3770
21	Repair & reconstruction of Bharthal to Bijwasan Link road and link street in village Bharthal in Bijwasan AC-36	7	1.399	Work not awarded as work is taken up by MCD and work is on hold as per letter by Dy. Director-RD letter dated 07.02.25	Work is taken up by MCD and Work is kept on hold as per letter by Dy. Director-RD letter dated 07.02.25	0.00	0.00	1.3990
22	Improvement of main Surya Vihar Road Near MCD Toll at village Kapashera in Bijwasan AC-36.	1	0.530	Work Awarded	Work held up	0.00	0.00	0.5300
23	Demolishing and reconstruction of gallies of Nawada village in Uttam Nagar (AC-32)	8	1.301	Work Awarded	Work is kept on hold as per letter by Dy. Director-RD letter dated 07.02.25	4.00	0.497	0.8040
24	Construction of rasta from Gali No. C-6, Phirni Road, village Bharthal to Bharthal underpass at village Bharthal in Bijwasan Constituency AC-36.	1	0.840	Work not awarded as NOC awaited by Railways and work is on hold as per letter by Dy. Director-RD letter dated 07.02.25	NOC awaited from Railways and Work is kept on hold as per letter by Dy. Director-RD letter dated 07.02.25	0.00	0.00	0.8400
25	Repair/Reconstruction of link road Kh. No. 39/14 to Kapashera Phirni road at village Kapashera in Bijwasan AC-36.	4	0.790	Work Awarded	Work is kept on hold as per letter by Dy. Director-RD letter dated 07.02.25	0.00	0.00	0.7900
26	Construction of road of Kh. No. 143/1 Kishangarh Mehrauli (Ram Mandir Marg) at village Kishangarh in Mehrauli Constituency (AC-45) Balance Part	1	1.225	Work Awarded	Work is kept on hold as per letter by Dy. Director-RD letter dated 07.02.25	0.00	0.00	1.2250
27	Strengthening of existing bitumen road by laying RMC on both sides of road from Rewela Khanpur to Kanganheri road in Matiala Assembly Constituency AC-34.	1	1.900	Work Awarded	Work on hold	0.00	0.00	1.9000
28	Improvement of C.C. roads and side drains in new Kardampuri Colony in the land of Gokalpur village in Babarpur Assembly Constituency (AC-67)	13	0.946	Work Awarded	Work Completed	13	0.946	0
29	Improvement of Internal Streets of Hauz Rani in Malviya Nagar Assembly Constituency AC-43.(E.C.64.78) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 16.20).	1.00	0.68614	Completed	Awarded	0.80	0.55	0.14
30	Improvement of internal streets of Gujar Dairy village in Malviya Nagar Assembly Constituency AC-43. (E.C.55.03) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 13.76).	1.00	0.52237	Completed	Awarded	0.80	0.42	0.10
31	Improvement of Internal Streets of Toot Sarai in Malviya Nagar Assembly Constituency AC-43.(E.C.46.46) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 11.61).	1.00	0.51018	Completed	Awarded	0.85	0.43	0.08
32	Improvement of Internal Streets of Jia Sarai in Malviya Nagar Assembly Constituency AC- 43. (E.C.169.47) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 42.37).	1.00	1.4431	Completed	Awarded	0.80	1.15	0.29
33	Improvement of internal streets of Masjid moth village Barhman nasti in malviya nagar Assembly AC-43.(E.C.62.62) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 15.66).	1.00	0.83	Completed	Awarded	0.81	0.67	0.16
34	Improvement of Internal Streets of Begampur in Malviya Nagar Assembly Constituency AC-43.(E.C.144.35) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 36.09).	1.00	1.124	Completed	Awarded	0.80	0.89	0.23
35	Improvement of internal streets of Hauz Rani village in Malviya Nagar Assembly Constituency AC-43. (E.C.21.27) 25% A/A&E/S Amount.Rec.5.32).	1.00	0.346	Completed	Awarded	0.82	0.28	0.07
36	Improvement of Internal streets of Masjid Moth village Hardevpuri in Malviya Nagar Assembly Constituency AC-43. (E.C.29.64) 25% A/A&E/S Amount.Rec.7.41).	1.00	0.1	Completed	Awarded	0.80	0.08	0.02
37	Improvement of Internal Streets of Yusuf Sarai in Malviya Nagar Assembly Constituency AC-43. (E.C.85.92) 25% A/A&E/S Amount.Rec.7.41).	1.00	0.745	Completed	Awarded	0.78	0.58	0.17
38	Improvement of main road and adjoining streets in mehrauli village in mehrauli Assembly constituency AC-45. (E.C. 212.09) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 53.02).	1.00	1.975	Completed	Awarded	0.42	0.82	1.16

Sl. No	Name of Work	Estimated road length		Tender status	Work order status	Executed road length		Difference of Column 3 and 6 (in KM)
		No.	Length (in KM)			No.	Length (in KM)	
39	Improvement of Road and internal gallies in Katwaria Sarai village in mehrauli Assembly constituency AC-45. (E.C. 160.31) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 40.07).	1.00	1.936	Completed	Awarded	0.40	0.77	1.17
40	Improvement of road and adjoining streets from Bersarai Market to Govt. Dispensary at *Bersarai village in Meharuli Assembly* constituency AC-45. (E.C.82.13) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 20.54).	1.00	0.921	Completed	Awarded	0.45	0.41	0.51
41	Improvement of Internal Street at village Lado *Sarai in Meharuli Assembly constituency AC-*45. (E.C.260.88) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 65.22).	1.00	2.481	Completed	Awarded	0.42	1.04	1.44
42	Improvement of Internal streets of Balmiki and Dani Mohalla at Jonapur in Chhatarpur Assembly Constituency AC-46. (E.C.167.43) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 41.85).	1.00	1.45225	Completed	Awarded	0.40	0.58	0.87
43	Improvement of streets of Harijan Basti at Gadaipur in Chhatarpur Assembly Constituency, AC-46. (E.C.158.52) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 39.63).	1.00	1.78267	Completed	Awarded	0.95	1.69	0.09
44	Improvement of Phirni road connecting to Gadaipur Bandh Road at Chandan Holla village in Chhatarpur Assembly Constituency, AC-46. (E.C.90.49) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 22.62).	1.00	0.8015	Completed	Awarded	0.70	0.56	0.24
45	Improvement Of Dera Village & Mandi Village Link Road in Chattarpur Assembly Constituency (AC-46). (E.C.255.90) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 63.98).	1.00	2.9	Completed	Awarded	0.85	2.46	0.44
46	Improvement of Adjoining Road connecting to SSN Marg at Chandan Holla village in Chhatarpur Assembly Constituency, AC-46. (E.C.252.44) 25% A/A&E/S Amount.Rec.63.11).	1.00	1.90753	Completed	Awarded	0.40	0.76	1.15
47	Improvement of Streets Jatav Chaupal to Adhikari Chowk at Maidan Garhi village in Chhatarpur Assembly Constituency, AC-46. (E.C.211.68) 25% A/A&E/S Amount.Rec.52.92).	1.00	1.33369	Completed	Awarded	0.40	0.53	0.80
48	Construction of Road from Girraj House to Phirni Road at village Dera of the Chhattarpur Constituency (AC-46) (E.C.35.37) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 8.84).	1.00	0.24	Completed	Awarded	0.15	0.03	0.21
49	Improvement of Internal streets of Rajpur Khurd village in Chhatarpur Assembly Constituency AC-46. (E.C.126.45) 25% A/A&E/S Amount.Rec.30.71).	1.00	0.84476	Completed	Awarded	0.95	0.80	0.04
50	Improvement of streets of Block 8,9 and 13 at *Daksinpuri in Devli Assembly Constituency in* (AC-47). (E.C.145.55) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 36.39).	1.00	1.76616	Completed	Awarded	0.05	0.08	1.69
51	Improvement of streets of Block 5 and 20 at Daksinpuri in Devli Assembly Constituency in (AC-47). (E.C.147.82) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 36.95).	1.00	2.52937	Completed	Awarded	0.05	0.13	2.40
52	Construction of Road and streets Khanpur village Part-B Adjoining Devli Road in Ambedkar Nagar Constituency AC-48. (E.C.150.37) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 37.60).	1.00	1.36697	Completed	Awarded	0.20	0.27	1.10
53	Construction of Road and streets at (MB Road to Gujjar Chowk Khanpur village Part-A in Ambedkar Nagar Constituency AC-48. (E.C.25.00) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 62.50).	1.00	2.60041	Completed	Awarded	0.40	1.04	1.56
54	Construction of Road & Drain in Chirag Delhi village in Greater Kailash Constituency AC-50. (E.C.362.20) 33% A/A&E/S Amount.Rec. 90.60).	1.00	2.1659	Completed	Awarded	0.50	1.08	1.09
55	Construction of Road and Gully Traps in Garhi Village in Kalkaji AC-51. (E.C. 305.39) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 76.35).	1.00	2.784	Completed	Awarded	0.60	1.67	1.11
56	Construction of Various Roads/Steet at Tughlakabad village Part-2 in Tughlakabad AC-52. (E.C. 185.45) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 46.37).	1.00	2.304	Completed	Awarded	0.45	1.03	1.27
57	Construction of Various Roads/Street at Tughlakabad village Part-1 in Tughlakabad AC-52. (E.C. 185.46) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 46.37).	1.00	2.1804	Completed	Awarded	0.45	0.98	1.20

Sl. No.	Name of Work	Estimated road length		Tender status	Work order status	Executed road length		Difference of Column 3 and 6 (in KM)
		No.	Length (in KM)			No.	Length (in KM)	
58	Constructionof Molarbund village streets in Badarpur Constituency, AC-53. (E.C. 122.65) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 30.66).	1.00	0.567	Completed	Awarded	0.95	0.53	0.04
59	Construction of Hari Nagar village streets in Badarpur Constituency, AC-53. (E.C. 97.08) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 24.27).	1.00	0.548	Completed	Awarded	0.70	0.38	0.17
60	Construction of Meethapur village streets in Badarpur Constituency (AC-53). (E.C. 98.49) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 24.62).	1.00	0.632	Completed	Awarded	0.95	0.60	0.03
61	Construction of Main road of Tehkand village in Tughlakabad Constituency AC- 52. (E.C. 77.96) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 19.49).	1.00	0.4935	Completed	Awarded	0.98	0.48	0.01
62	Construction of main road of Hari Nagar village in Badarpur Constituency (AC-53). (E.C. 494.50) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 123.62).	1.00	1.669	Completed	Awarded	0.70	1.16	0.51
63	Construction of road & Drains in Streets of Ali village in Okhla Constituency, AC-54 (E.C.284.98) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 71.24).	1.00	2.5	Completed	Awarded	0.75	0.37	2.13
64	Construction of road & gully traps in streets of okhla village in Okhla Constituency, AC-54. (E.C.392.37) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 98.10).	1.00	2.79	Completed	Awarded	0.75	1.95	0.84
65	Demolishing and reconstruction of Roads of Madanpur Khadar village in Okhla Constituency, AC-54. (E.C.755.87) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 188.96).	1.00	6.224	Completed	Awarded	0.15	0.93	5.29
66	Construction of road & gully traps in streets of Jogabai village in Okhla Constituency, AC-54. (E.C.181.78) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 45.44).	1.00	1.371	Completed	Awarded	0.00		1.37
67	Construction of RCC Box type drain and road at Kalu Sarai village in Malviya Nagar Assembly Constituency, AC-43. (E.C.311.41) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 77.85).	1.00	0.766	Completed	Awarded	0.00		0.77
68	Improvement of Adjoining streets of Phirni Road of Jonapur in Chhatarpur Assembly Constituency,AC-46. (E.C.151.89) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 37.94).	1.00	0.84671	Completed	Awarded	0.00		0.85
69	Improvement of different block adjoining gali at Tigri village in Devli Assembly Constituency in (AC-47). (E.C.154.99) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 38.74).	1.00	1.21975	Completed	Awarded	0.00		1.22
70	Construction of RCC drain and adjoining gali Sunday Market to Holi Chowk in Devli Assembly Constituency in (AC-47). (E.C.255.14) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 63.78).	1.00	0.39025	Completed	Awarded	0.00		0.39
71	Construction of Main Road Near ESI Hospital in Tughlakabad village at Tughlakabd Constituency AC- 52. (E.C 196.98)25% A/A&E/S Amount.Rec. 49.24).	1.00	0.743	Completed	Awarded	0.00		0.74
72	Improvement of streets of Adarsh Enclave Near Kharak village in Chhatarpur Assembly Constituency,AC-46. (E.C.152.47) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 38.12).	1.00	1.12191	Completed	Awarded	1.00	1.12	0.00
73	Improvement of streets at Sultanpur village in Chhatarpur Assembly Constituency, AC-46. (E.C.187.50) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 46.88).	1.00	1.63679	Completed	Awarded	1.00	1.64	0.00
74	Improvement of Road from Aya Nagar to Jonapur village in Chhatarpur Assembly Constituency,AC-46. (E.C.199.53) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 49.88).	1.00	0.55	Completed	Awarded	1.00	0.55	0.00
75	Improvement of Phrini Road of Ambedkar Colony at Aya Nagar in Chhatarpur Assembly Constituency, AC-46. (E.C.186.82) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 46.71).	1.00	1.72805	Completed	Awarded	1.00	1.73	0.00
76	Improvement of Internal streets of Kharak village in Chhatarpur Assembly Constituency,AC-46. (E.C.97.73) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 24.43).	1.00	0.3625	Completed	Awarded	1.00	0.36	0.00
77	Improvement of Streets of Shahoorpur village in Chhatarpur Assembly Constituency AC-46. (E.C.87.91) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 21.98).	1.00	0.87478	Completed	Awarded	1.00	0.87	0.00
78	Construction of Road & Drain in Savitri Nagar village in Greater Kailash Constituency AC-50. (E.C.178.00) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 44.50).	1.00	1.313	Completed	Awarded	1.00	1.31	0.00

Sl. No	Name of Work	Estimated road length		Tender status	Work order status	Executed road length		Difference of Column 3 and 6 (in KM)
		No.	Length (in KM)			No.	Length (in KM)	
79	Construction of Road & Drain in Shahpur Jat village in Greater Kailash Assembly AC-50. (E.C283.30) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 70.80).	1.00	2.1235	Completed	Awarded	1.00	2.12	0.00
80	Construction of Jaitpur village streets in Badarpur Constituency (AC-53). (E.C. 66.08) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 16.52).	1.00	0.556	Completed	Awarded	1.00	0.56	0.00
81	Construction of Tajpur village streets in Badarpur Constituency (AC-53). (E.C. 99.83) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 24.96).	1.00	0.56	Completed	Awarded	1.00	0.56	0.00
82	Construction of 1st 60 feeta Road in Molar bund Badarpur Constituency, (AC-53). (E.C. 213.62) 25% A/A&E/S Amount.Rec. 53.40).	1.00	0.78	Completed	Awarded	1.00	0.78	0.00
83	Improvement of inner gallies with side drain in village Sungerpur in Narela Constituency in Distt. North.	6	1.89	Yes	Yes	6	1.89	0.00
84	Improvement of gallies with side drains on left side gallies of phirni road from MCD office to Sungerpur-Tigipur Mod in village Bakhtawarpur in Narela Constituency in Distt. North.	17	1.14	Yes	Yes	0	0.00	1.14
85	Construction of road alongwith side drains of mata wali gali and side gallies in village Bakhtawarpur in Narela AC-01 in Distt. North.	14	0.69	Yes	Yes	1	0.09	0.60
86	Improvement of inner gallies with side drain in village Jhangola in Narela Constituency in Distt. North.	24	1.56	Yes	Yes	7	0.59	0.97
87	Improvement of inner gallies with side drain in village Akbarpur Majra in Narela Constituency in Distt. North.	21	1.48	Yes	Yes	5	1.18	0.30
88	Improvement of inner gallies with side drain in village Palla in Narela Constituency in Distt. North.	19	1.14	Yes	Yes	7	0.89	0.25
89	Construction of Sajra road from RD 5400 M of RME towards city side of village Sungerpur in Narela AC-01 Constituency in Distt. North.	1	0.31	Yes	Yes	0	0.00	0.31
90	Construction of Sajra road from RD 5400m of RME to nose portion of shank no. 13&16 in river side of village Sungerpur in Narela AC-01 Constituency in Distt. North.	1	1.99	No	No	0	0.00	1.99
91	Construction of Sajra road from RD 1200m of RME towards river side of village Palla in Narela Constituency in Distt. North.	1	0.45	No	No	0	0.00	0.45
92	Construction of sajara road at Kh. No. 75/7 Shahid Bhagat Singh Marg in Ajit Vihar in Burari Assembly Constituency, Delhi-84.	1	0.402	Yes	Yes	---	---	0.402
93	Construction of sajra road and side drains from Shalimar Palace to Shakti Enclave Colony of Burari Village in Burari Assembly Constituency.	1	0.400	Yes	Yes	---	---	0.400
94	Construction of road and side drains from agriculture land to Ajit Vihar Colony in Burari Assembly Constituency	1	0.210	Yes	Yes	---	---	0.210
95	Construction of RCC drain from Nanglipoona bridge (Aman Vihar Colony) to Village Kadipur in Burari Assembly Constituency.	1	1.350	Yes	Yes	---	---	1.350
96	Improvement and widening of road from Kadipur Village via Kushak No. 1 to Mukhmelpur pusta in Burari Assembly Constituency.	2	1.600	Yes	Yes	---	---	1.600
97	Construction and improvement of road from Kadipur shamshan ghat to Kadi Vihar in Burari Assembly Constituency.	1	0.870	Yes	Yes	---	---	0.870
98	Improvement of 41 feet road from Burari Garhi Village (Main Burari road) to Burari Creek Drain in Burari Assembly Constituency.	1	2.160	Yes	Yes	---	---	2.160
99	Construction of Burari Garhi Kamalpur Village phirni road from Ajit Vihar to Gadda Colony in Burari Assembly Constituency.	1	0.500	Yes	Yes	---	---	0.500
100	Construction of 2 Nos. roads and side drains from Right Bank of Saleempur Minor to Ajit Vihar Colony of Kamalpur Village in Burari Assembly Constituency.	2	0.580	Yes	Yes	---	---	0.580
101	Improvement of phirni road from New Drain Nangli Poona Bridge to N.H.-1 in Burari Assembly Constituency.	1	0.680	Yes	Yes	---	---	0.680
102	Improvement of existing road in Baba Colony from Burari main road to RME at RD 15250 M in Burari AC-2, Distt., Central	1	0.75	No	No	0	0	0.75

Sl. No	Name of Work	Estimated road length		Tender status	Work order status	Executed road length		Difference of Column 3 and 6 (in KM)
		No.	Length (in KM)			No.	Length (in KM)	
103	Improvement of existing sazra road and construction of RCC outfalling drain from Sub Minor No. 5 (Cau Shala) to RD 1320 M of Burari drain at village Burari in Burari AC-02, Distt. Central	1	1.03	Yes	Yes	0	0	1.03
104	Construction of side drains and providing and laying RMC in link road of Vashisth Enclave in Burari AC-02.	1	0.25	Yes	Yes	0	0	0.25
105	Improvement of Road from SDM (Civil Lines) office to Burari village via Burari Pond in Burari village in Distt. Central.	1	0.21	Yes	Yes	0	0	0.21
106	Restoration of Extended Lal Dora streets near Shiv Murti at village Bakoli in Distt. North in Narela Assembly Constituency (AC-01).	11	3.47	Yes	Yes	0	0	3.47
107	Restoratin of internal streets and phirni road of village Khampur in Narela Assembly Constuency (AC-01).	23	1.87	Yes	Yes	0	0	1.87
108	Restoration of road from Election office complex to Bakoli Play Ground via MGICCC in village Bakoli in Narela Assembly Constituency.	1	2.25	Yes	Yes	0	0	2.25
109	Restoration of approach road connecting phirni road of village Bakoli and construction of RCC *outfall drain from cremation ground to MCD* Primary school at village Bakoli in Narela Assembly Constituency.	1	2.00	Yes	Yes	0	0	2.00
110	Restoration of Phirni road and Streets of village Tajpur Kalan in Narela Assembly Constituency in Distt. North.	12	2.27	Yes	Yes	0	0	2.27
111	*Construction of Sazra Road Kh.* 4/18,12/19,13/8 & 14/13 at village Mamoorpur in Distt., North, Delhi.	*1*	*0.65*	*Work in* progress.	-	*1*	*0.60*	*0.05*
112	Construction of drain & Road from beggar home to Lampur main road at village Lampur.	2	0.90	Work in progress.	-	-	-	-
113	Construction of Narela Phirni road Narela.	1	1.90	Work in progress.	-	-	-	-
114	Development work in 20 Point Programme Colony at village Rajapur Kalan Bhorgarh in Distt., North, Delhi.	8	0.40	Work in progress.	-	-	-	-
115	Construction of Sazra Road Kh. 37/25,36/21,29/25 at village Mamoorpur in North Narela.	1	2.00	Estimate under preparation.	-	-	-	-
116	Construction of Road side drains in Extended Lal Dora Comprising Khasra No.389,369,349,338,321,306,110,426,61,711 at village Alipur in Distt. North.	10	2.50	Tender stage	-	-	-	-
117	Construction of Road & RCC Drain from Phirni Road to Nasha Mukti Kendra at Village Singhola in Distt. North.	4	0.33	Work in progress.	-	-	-	-
118	Construction of Road and RCC Drain From Phirni Road to near Mansa Mata Mandir at village Singhola in Distt. North,Delhi	2	0.37	Work in progress.	-	-	-	-
119	Restoration of Road and Claning of Side Drains in Siraspur Chopal Chowk to Gali No.6 at Village Libaspur in Distt. North.	3	1.94	Work in progress.	-	3	0.600	1.34
120	Improvement of sazra road from cremation ground near village Ghewra to main Rohtak road in Mundka A/c	1	1.26	Work Held up	-	0	0.9	0.36
121	Restoration of road from Nizampur Toll Tax No. 3 to Tikri Railway crossing at Mundka in District North West.	1	0.62	Work Held up	-	0	0	0.62
122	Construction of 16.50 feet road from Kh. No. 142/467 to Kh. No. 142/458 at village Kanjhawala in Distt .N/W.	1	0.35	Work in progress	-	0	0	0.35
123	Construction and Restoration of insection path and culvert on Haryana Irrigation Channel at Village Jaunti in Distt. N/W	1	0.68	Work in progress	-	0	0.53	0.15
124	Construction of road and side drain Kh. No. 143/59 to 143/67 at village Kanjhawala in Distt .N/W.	1	0.18	Work in progress	-	0	0.18	0
125	Construction of road from Kh. No. 143/165 (Road No. 108) to Kanjhawala Ghewra road at village Kanjhawala in Distt. North-West	1	0.57	Work in progress	-	0	0	0.57
126	Construction of road from Kh. No. 143/627 to Kh. No.143/652 at village Kanjhawala	2	0.50	Work in progress	-	0	0.5	0
127	Improvement of 18 Nos of streets and side drains in Karala Village in Distt. North West Delhi	18	3.1	Work in progress	-	7	0.86	2.24
128	Improvement of phirni road and adjoining streets at village Mubarkpur Dabas in Distt N/W	78	6.2	Work in progress	-	0	0	6.2
129	Construction of road from Haryana Irrigation Channel Kh. No. 142/812 to 100 Foot Road at village Kanjhawala in Distt. N/W.	1	0.90	Work Held up	-	0	0	0.9
130	Construction of old Phirni road from (Karala-Kanjhawala road) to Kh. No. 142/863 at Village Kanjhawala in Distt. N/W	1	1.12	Work Held up	-	0	0	1.12

Sl. No.	Name of Work	Estimated road length		Tender status	Work order status	Executed road length		Difference of Column 3 and 6 (in KM)
		No.	Length (in KM)			No.	Length (in KM)	
131	Development of various streets in Extn. Lal Dora of village Rithala in District North-West Delhi Rithala Assembly Constituency-06	5	0.390	-	Work awarded	5	0.488	0.098
132	Development of road and side drain from *Shivalaya Mandir Chowk to Primary School* at Badli village, Badli Constituency-05.	1	0.670	-	Work awarded	0	0.138	-0.532
133	Restoration of road from Ghevra Mor to Village Neelwal in Distt. West.	1	2.35	Tender not floated. A/A & E/S surreder	A/A & E/S has been surrender to DVDB vide this office letter dated 12.11.2024 as work taken up by MCD	0	0.00	2.35
134	Improvement of RMC road from Nangloi-Najafgarh road to Qamruddin Nagar Village (Sazra road) in Distt. West Delhi Mundka AC-08	1	0.67	Work Awarded	The work has been withhold as per DVDB order No. F.No. 2(128)/PDRD/DVDB/Balance Estimate/2024-25/4426-4430 dated 07.02.2025	0	0.00	0.67
135	Improvement of Balance Internal Streets and side drain in Village Mundka AC-08 in Distt. West.	24	1.39	Work Awarded	Work in Progress	24	1.41	-0.02
136	Improvement of road on abanodoned Minor E-7 from Kirari Suleman Nagar to DJB Plan in Village Qamruddin Nagar in Distt. West.	1	0.85	Work Awarded	Work in Progress	0	0.00	0.85
137	*Construction of south West Phirni road and* side drains from Rohtak road (Opposite Metro Pillar No. 496) to Ranhola mor in Mundka AC-08 in Distt. West.	*1*	*1.16*	Tender not floated. A/A & E/S surreder	*A/A & E/S has been surrender to DVDB vide* this office letter dated 12.11.2024 as work taken up by MCD	*0*	*0.00*	*1.16*
138	Improvement of existing road from Village Qamruddin Nagar to Village Mundka Phirni road Mundka AC-08 District West	2	0.68	Work Awarded	Work in Progress	1	0.24	0.44
139	Restoration of Internal Streets Near GH-8 Paschim Vihar at Village Sayed Nangloi in Nangloi Jat AC in Distt. West.	7	1.23	Work Awarded	Work in Progress	1	0.12	1.11
140	Restoration of Internal Streets and Side drain in Village Safipur Ranhola in Vikapsuri AC-31 Distt. West (Part-1)	73	5.23	Work Awarded	The work has been withhold as per DVDB order No. F.No. 2(128)/PDRD/DVDB/Balance Estimate/2024-25/4426-4430 dated 07.02.2025	5	0.40	4.83
141	Resurfacing of existing road from Chowk near Baba Baldev Dass Mandir to Dabar Hare Krishna Gaushala in N.G Block.	1	1.495	Tender opened not awarded.	-	-	–	–
142	Laying of road from Dhansa village to Galibpur through newly constructed bridge road Dhansa AC-35	1	0.64	Tender stage	-	-	–	–
143	Reconstruction of road from Kazipur village to Samaspur Khalsa in Najafgarh, AC-35	1	1.81	Tender opened not awarded.	-	-	–	–
144	*Construction of a Kacha road near sarvodaya* Kanya vidhalaya in Dhansa village in AC-35.	1	1.025	*Tender opened* not awarded.	-	-	–	–
145	Construction of RMC road Kh. No. 386 village Dhansa to Village Issapur in N.G Block, AC-35	1	0.742	Tender opened not awarded.	-	-	–	–
146	Laying of Phirni road of village Mundella Khurd in N.G Block.	1	1.45	Estimate stage	-	-	–	–
147	Improvement of existing road bearing Kh. No. 80 at village Mundella Kalan & Kh. No. 341 at Village Mundella Khurd by RMC (Length 1393m) in N.G Block.	1	1.393	Estimate stage	-	-	–	–
148	Construction of Kacha road near sports academy from Dhansa border road to Issapur in AC-35.	1	0.52	-	Work awarded	-	–	–
149	Improvement and Widening of existing road from Najafgarh-Ghummanhera Road to Ujwa-*Ch. Brahm Prakash Aurvedic Hospital Road* at village Kharkhari Rondh in N. G. Block, AC-34	1	1.44	-	Work awarded	1	1.452	-0.012
150	Construction of road & Side drain from Kharkhari Jatmal to Mundella Drain in Matiala AC-34	1	0.42	-	-		–	
151	Construction of outfall drain and main approach road (Ranhola road) from Najafgarh drain to intersection of Ranhola road and Balaji road near Murali Samosa in Vikaspuri Constituency AC-31	1	1.9	-	Work awarded	-	-	-
	Total	**620.00**	**195.39**			**137.88**	**61.44**	**113.29**

178. श्री कुलदीप कुमारः क्या माननीय **विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में कितनी डेयरी कॉलोनी आवंटित की गयी हैं;

(ख) प्रत्येक डेयरी में आवंटित प्लाटों की संख्या कितनी है;

(ग) विकास मंत्री द्वारा 2015 फरवरी से 2025 जनवरी तक इन्हें मालिकाना हक देने व मिक्स लैंड यूज करने के लिए कितनी मीटिंग की गयी, उसकी मिनट्स ऑफ मीटिंग की कॉपी उपलब्ध करवाएं;

(घ) क्या सरकार द्वारा डेयरी कॉलोनी के आवंटियों को मालिकाना हक दिया गया है;

(ङ) क्या मुख्यमंत्री द्वारा इन डेयरी कॉलोनियां के आवंटियों को मालिकाना हक देने व मिक्स लैंड यूज करने का कोई प्रस्ताव दिसंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच उपराज्यपाल महोदय को भेजा गया है;

(च) यदि हाँ, तो उस प्रस्ताव की कॉपी उपलब्ध कराएं;

(छ) यदि हाँ, तो उसकी जानकारी उपलब्ध कराएं;

(ज) उपराज्यपाल महोदय द्वारा उस प्रस्ताव पर क्या प्रतिक्रिया दी गयी उसकी जानकारी व कॉपी उपलब्ध कराएं;

(झ) यदि नहीं, तो इन्हे मालिकाना हक देने व मिक्स लैंड यूज करने की क्या प्रक्रिक्रा है, उसकी जानकारी दें; और

(ञ) भविष्य में इन्हें मालिकाना हक देने व मिक्स लैंड यूज करने की सरकार की कोई योजना है?

विकास मंत्रीः (क)

1. दिल्ली नगर निगम के अनुसार: दिल्ली नगर निगम के अन्तर्गत 08 अधिकृत डेयरी कॉलोनी है जिनमें प्लॉटो की संख्या का विवरण निम्नलिखित है।

दिल्ली नगर निगम द्वारा विकसित अधिकृत डेयरी कॉलोनियों

क्रम संख्या	डेयरी कॉलोनी का नाम	डेयरी प्लॉटों की कुल संख्या
1.	नंगली सक्रावती	1372
2.	गोयला	1912
3.	ककरोला	516
4.	घोघा	2082
5.	शाहबाद	448
6.	झाडोदा	485
7.	भलस्वा	1328
8.	घडोली	2674

उपरोक्त के अतिरिक्त 03 निम्नलिखित डेयरी कॉलोनी दिल्ली विकास प्राधिकरण (अब डयूसिब) द्वारा विकसित की गयी है।

1. गाजीपुर
2. मसूदपुर
3. मदनपुर खादर

2. डूसिब विभाग के अनुसार: डूसिब विभाग द्वारा वर्तमान में तीन डेयरी कॉलोनियों का कार्य देखा जा रहा है जोकि निम्नलिखत है:

   1. गाजीपुर 2. मसूदपुर 3. मदनपुर

   उपरोक्त डेयरी कॉलोनियों में से मसूदपुर डेयरी कॉलोनी का भूमि शीर्षक डूसिब विभाग को अभी तक हस्तांतरित नहीं किया गया है।

3. विकास विभाग का उपरोक्तत डेयरियों पर कोई प्रशासनिक नियंत्रण नहीं है।

(ख)

1. दिल्ली नगर निगम के अनुसार:

दिल्ली नगर निगम द्वारा विकसित अधिकृत डेयरी कॉलोनियों

क्रम संख्या	डेयरी कॉलोनी का नाम	डेयरी प्लॉटों की कुल संख्या
1.	नंगली सक्रावती	1372
2.	गोयला	1912
3.	ककरोला	516
4.	घोघा	2082
5.	शाहबाद	448
6.	झाडोदा	485
7.	भलस्वा	1328
8.	घडोली	2674

2. डूसिब विभाग के अनुसार:

दिल्ली नगर निगम द्वारा विकसित अधिकृत डेयरी कॉलोनियों

क्रम संख्या	डेयरी कॉलोनी का नाम	नंबर्स ऑफ शेड्स/प्लॉट्स	नंबर्स ऑफ अल्लोटी
1.	गाजीपुर	14/216	880
2.	मसूद्पुर	114	224
3.	मदनपुर खादर	103	194

(ग) चूंकि भूमि एक आरक्षित विषय है, इसलिए विकास मंत्री द्वारा 2015 फरवरी से 2025 जनवरी तक उपरोक्त डेयरियों को मालिकाना हक देने व मिक्स लैंड यूज करने के लिए कोई भी मीटिंग नहीं करी है और न ही इनकी कोई मिनट्स ऑफ मीटिंग बनी हैं।

(घ) 1. दिल्ली नगर निगम के अनुसार: दिल्ली नगर निगम के अधिकृत डेयरी कॉलोनियों में मालिकाना हक नहीं दिया गया है।

2. डूसिब विभाग के अनुसार: सम्बंधित नहीं है क्योंकि मिनट्स ऑफ मीटिंग डूसिब द्वारा जारी नहीं किए गए हैं।

(ङ) चूंकि भूमि एक आरक्षित विषय है इसलिए इस विभाग से संबंधित नही हैं।

(च) उत्तर 'ङ' के मद्देनजर लागू नहीं।

(छ) उत्तर 'ङ' के मद्देनजर लागू नहीं।

(ज) उत्तर 'ङ' के मद्देनजर लागू नहीं।

(झ) दिल्ली नगर निगम के अनुसार, यह जानकारी दिल्ली विकास प्राधिकरण से संबंधित है।

(ञ) दिल्ली नगर निगम के अनुसार, वर्तमान में दिल्ली नगर निगम की अधिकृत डेयरी कॉलोनियों में ऐसी कोई योजना इस विभाग में नहीं है।

N/C

दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
(संसद प्रकोष्ट)

पुनर्वास भवन, कमरा न0-31
आई0 पी0 एस्टेट, नई दिल्ली-02

सं. 34 /डी/21/25 (संसद प्रकोष्ठ) वि.स.प्र./2025/डी-296
दिनांक :- 24/3/25

अतारांकित प्रशन सख्या-178
दिनांक 27/03/2025
प्रशनकर्ता का नामः- श्री कुलदीप कुमार, माननीय विधायक

<table>
<tr><th>क्र0</th><th>प्रशन</th><th>उत्तर</th></tr>
<tr><td>क)</td><td>दिल्ली में कितनी डेयरी कॉलोनी आवंटित की गयी हैं;</td><td>डूसिब विभाग द्वारा वर्तमान में तीन डेयरी कॉलोनियों का कार्य देखा जा रहा है जोकि निम्नलिखित है :
1. गाजीपुर 2. मसूदपुर 3. मदनपुर
उपरोक्त डेयरी कॉलोनियों में से मसूदपुर डेयरी कॉलोनी का भूमि शीर्षक डूसिब विभाग को अभी तक हस्तांतरित नहीं किया गया है।</td></tr>
<tr><td>ख)</td><td>प्रत्येक डेयरी में आवंटित प्लॉटों की संख्या कितनी है;</td><td>प्रत्येक डेयरी में आवंटित प्लाटो की संख्या अनुलग्न "क" के अनुसार है जोकि संलग्न है
<table>
<tr><th>क्रम संख्या</th><th>डेयरी कॉलोनी का नाम</th><th>नम्बर ऑफ़ शेड्स / प्लॉट्स</th><th>नम्बर ऑफ़ अल्लोटी</th></tr>
<tr><td>1.</td><td>गाजीपुर</td><td>14 / 216</td><td>880</td></tr>
<tr><td>2.</td><td>मसूदपुर</td><td>114</td><td>224</td></tr>
<tr><td>3.</td><td>मदनपुर</td><td>103</td><td>194</td></tr>
</table></td></tr>
<tr><td>ग)</td><td>विकास मंत्री द्वारा 2015 फरवरी से 2025 जनवरी तक इन्हें मालिकाना हक देने व मिक्स लैंड यूज करने के लिए कितनी मिटिंग की गयी, उसकी मिनट्स ऑफ मिटिंग की कॉपी उपलब्ध करवाएं ;</td><td>सम्बंधित नहीं है क्योंकि मिनट्स ऑफ़ मीटिंग डूसिब द्वारा जारी नहीं किए गए हैं।</td></tr>
<tr><td>घ)</td><td>क्या सरकार द्वारा डेयरी कॉलोनी के आवंटियों को मालिकाना हक दिया गया है;</td><td>डूसिब द्वारा संचालित उपरोक्त डेयरी कॉलोनियों का मालिकाना हक़ अभी तक नहीं किया गया है।</td></tr>
<tr><td>ड)</td><td>क्या मुख्यमंत्री द्वारा इन डेयरी कॉलोमियां के आवंटियों को मालिकाना हक देने व मिक्स लैंड यूज करने का कोई प्रस्ताव दिसंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच उपराज्यपाल महोदय को भेजा गया है ;</td><td>सम्बंधित नहीं है।</td></tr>
<tr><td>च)</td><td>यदि हाँ, तो उस प्रस्ताव की कॉपी उपलब्ध कराएं;</td><td>उपरोक्तानुसार</td></tr>
</table>

छ)	यदि हाँ, तो उसकी जानकारी उपलब्ध कराएं ;	उपरोक्तानुसार
ज)	उपराज्यपाल महोदय द्वारा उस प्रस्ताव पर क्या प्रतिक्रिया दी गयी उसकी जानकारी व कॉपी उपलब्ध कराएं;	उपरोक्तानुसार
झ)	यदि नहीं, तो इन्हे मालिकाना हक देने व मिक्स लैंड यूज करने की क्या प्रक्रिया है, उसकी जानकारी दें ;और	उपरोक्तानुसार
ञ)	भविष्य में इन्हें मालिकाना हक देने व मिक्स लैंड यूज करने की सरकार की कोई योजना है?	उपरोक्तानुसार

यह उतर सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति से प्रेषित किया जाता हैं।

प्रधान निदेशक (संसद प्रकोष्ट)

उप सचिव (संसदीय शाखा), शहरी विकास विभाग,दिल्ली सचिवालय, दिल्ली-110002

अनुलग्नक 'क'

DETAIL OF PLOTS/SHEDS ALLOTTED IN CATTLE DAIRY FARMS

Sr. No	Dairy Colonies	No. of Sheds	No of plots	No of plots/ sheds allotted	No. of Allottee	Size of plots/sheds	No of Rings	Rate of L. fee
1.	Ghazipur	14	216	ALL	880	688 Sq.Mtr.	11040	Rs. 10 (P) Rs. 20 (S)
2.	Masoodpur	114	—	ALL	224	355.19 "	2736	Rs. 20/-
3.	Madanpur	103	—	ALL	194	306.60 " & 268.64 "	2216	Rs. 20/-
		231			1298		15992	

Per Plot / Cattle

1. G.P. 688/14.33 = 48 cattle
2. Masoodpur 355.19/14.80 = 24.0
3. Madanpur 306.60/14.60 = 21.0

Dy. Director (L&R)

Dy. Director (L&R)
Slum & J.J. Wing D.D.A.

दिल्ली नगर निगम
सदन एवं समिति विभाग
द्वितीय तल, सिविक सैंटर, नई दिल्ली–110002.

क्र: एफ.33/210/अतारा/प्रश्न–178/1109/स.एंव.स/2025 दिनांक : 24.03.2025

उप–सचिव (संसदीय शाखा),
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार,
शहरी विकास विभाग,
9वाँ तल, सी–विंग दिल्ली सचिवालय,
आई.पी. इस्टेट, नई दिल्ली–110002.

विषयः आठवीं दिल्ली विधान सभा के द्वितीय सत्र (बजट सत्र) 2025 का अतारांकित प्रश्न संख्या 178 माननीय विधायक श्री कुलदीप कुमार, दिनांक 26.03.2025 के सन्दर्भ में।

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या एफ.63(26) अता0प्र0–178/द्वितीय सत्र (बजट सत्र) 2025/श.वि./299–306 दिनाक 18.03.2025 के सन्दर्भ में श्री कुलदीप कुमार, विधायक द्वारा उठाए गये मामला का विभागीय उत्तर निम्नलिखित है:–

क्र0	प्रश्न	उत्तर
क	दिल्ली में कितनी डेयरी कॉलोनी आवंटित की गयी हैं।	(क) एवं (ख):– दिल्ली नगर निगम के अन्तर्गत 08 अधिकृत डेयरी कॉलोनी है जिनमें प्लॉटो की संख्या का विवरण निम्नलिखित है।
ख	प्रत्येक डेयरी में आवंटित प्लाटों की संख्या कितनी है।	(तालिका नीचे देखें)
ग	विकास मंत्री द्वारा 2015 फरवरी से 2025 जनवरी तक इन्हें मालिकाना हक देने व मिक्स लैंड यूज करने के लिए कितनी मीटिंग की गयी, उसकी मिनट्स ऑफ मीटिंग की कॉपी उपलब्ध करवाएं।	यह जानकारी दिल्ली सरकार से सम्बंधित है।
घ	क्या सरकार द्वारा डेयरी कॉलोनी के आवंटियों को मालिकाना हक दिया गया है।	दिल्ली नगर निगम के अधिकृत डेयरी कॉलोनियों में मालिकाना हक नहीं दिया गया है।

दिल्ली नगर निगम द्वारा विकसित अधिकृत डेयरी कॉलोनियाँ

क्रमांक	डेयरी कॉलोनी का नाम	डेयरी प्लॉटों की कुल संख्या
1	नंगली सकारवती	1372
2	गोयला	1912
3	ककरोला	516
4	घोघा	2082
5	शाहबाद	448
6	झड़ोदा	485
7	भलस्वा	1328
8	घड़ोली	2674

उपरोक्त के अतिरिक्त 03 निम्नलिखित डेयरी कॉलोनी दिल्ली विकास प्राधिकरण (अब डयूसिब) द्वारा विकसित की गयी है।

1	गाजीपुर
2	मसूदपुर
3	मदनपुर खादर

5/C

ङ	क्या मुख्यमंत्री द्वारा इन डेयरी कॉलोनिया के आवंटियों को मालिकाना हक देने व मिक्स लैंड यूज करने का कोई प्रस्ताव दिसंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच उपराज्यपाल महोदय को भेजा गया है।	यह जानकारी दिल्ली सरकार से सम्बंधित है।
च	यदि हाँ, तो उस प्रस्ताव की कॉपी उपलब्ध कराएं।	
छ	यदि हाँ, तो उसकी जानकारी उपलब्ध कराएं।	
ज	उपराज्यपाल महोदय द्वारा उस प्रस्ताव पर क्या प्रतिक्रिया दी गयी उसकी जानकारी व कॉपी उपलब्ध कराएं।	
झ	यदि नहीं, तो इन्हे मालिकाना हक देने व मिक्स लैंड यूज करने की क्या प्रक्रिया है, उसकी जानकारी दें, और	यह जानकारी दिल्ली विकास प्राधिकरण से सम्बंधित है।
ञ	भविष्य में इन्हें मालिकाना हक देने व मिक्स लैंड यूज करने की सरकार की कोई योजना है?	वर्तमान में दिल्ली नगर निगम की अधिकृत डेयरी कॉलोनियों में ऐसी कोई योजना नही है।

यह उत्तर सक्षम अधिकारी द्वारा स्वीकृत है।

भवदीय

27/3/25

प्रशासनिक अधिकारी
सदन एवं समिति, दि०न०नि०

179. श्री वीर सिंह धिंगानः क्या माननीय **श्रम मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि दिल्ली सरकार भवन-सड़क आदि बनाने वाले ठेके पर कार्य करने वाले श्रमिकों को कोई श्रमिक कार्ड बनाकर देती है;

(ख) यदि हां, तो श्रमिक कार्ड बनाने के क्या मापदंड है तथा किस-किस श्रेणी के श्रमिकों को सरकारी सुविधाओं के लिए श्रमिक कार्ड बनाए जाते हैं;

(ग) क्या यह भी सत्य है कि सरकार ने दिल्ली निर्माण आदि कार्यों में लगे श्रमिकों को श्रमिक कार्ड बनाकर दिये हैं; और

(घ) यदि हां, तो दिल्ली में कुल कितने श्रमिकों को यह कार्ड बनाकर दिये गये हैं?

श्रम मंत्रीः (क) जी हाँ, दिल्ली भवन निर्माण एवं अन्य सनिर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड, दिल्ली सरकार द्वारा दिल्ली में भवन निर्माण एवं सड़क आदि में कार्यरत श्रमिकों का पंजीकरण किया जाता है व पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी किया जाता है।

(ख) पंजीकरण प्रमाण पत्र बनवाने हेतु अपनाए जाने वाली पद्धति एवं अपेक्षित दस्तावेजों का पूरा ब्यौरा संलग्न है।

भवन एवं अन्य संनिर्माण श्रमिक (रोजगार एवं सेवा शर्तों का विनियमन) अधिनियम, 1996 की धरा 2(e) के अनुसार भवन निर्माण श्रमिक का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो किसी भवन या अन्य निर्माण कार्य के सम्बन्ध में किसी कुशल, अर्धकुशल मैनुअल, पर्यवेक्षी तकनीकी या लिपिकीय कार्य को भाड़े या पारिश्रमिक पर करने के लिए नियोजित है, चाहे रोजगार की शर्तें व्यक्त हों या निहित हों, लेकिन इसमें ऐसा कोई व्यक्ति शामिल नहीं है।

1. जो मुख्यतः प्रबंधकीय या प्रशासनिक क्षमता में कार्यरत है; या

2. जो पर्यवेक्षक क्षमता में नियोजित होकर प्रति माह एक हजार छः सौ रूपए से अधिक वेतन प्राप्त करता है या पद से जुड़े कर्तव्यों की प्रकृति के कारन या उसमें निहित शक्तियों के कारण मुख्य रूप से प्रबंधकीय प्रकृति के कार्य करता है।

(ग) जी हाँ, दिल्ली भवन निर्माण एवं अन्य संनिर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड, दिल्ली सरकार ने दिल्ली निर्माण आदि कार्यों में श्रमिकों को पंजीकरण प्रमाण पत्र बनाकर दिया है।

(घ) पंजीकरण की वैधता एक वर्ष की होती है तथा इसके बाद पंजीकरण का नवीनीकरण किया जाना अनिवार्य है।

दिल्ली भवन निर्माण एवं अन्य संनिर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड में वर्षवार पंजीकरण का ब्यौरा निम्नलिखित है:-

2018-2019	11588
2019-2020	42731
2020-2021	189931
2021-2022	1002451
2022-2023	93908
2023-2024	22957
2024-2025	54319

1. <u>पंजीकरण के मापदंड</u>

भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक (रोजगार एवं सेवा शर्तो का विनियम) अधिनियम ,1996, की धारा 12(1) के अनुसार प्रत्येक भवन निर्माण श्रमिक जिसने अठारह वर्ष की आयु पूरी कर ली है, परन्तु साठ वर्ष कि आयु पूरी नहीं की हो, और जो विगत बारह महीनो के दौरान कम से कम नब्बे दिन तक किसी भवन या अन्य निर्माण कार्य में लगा रहा हो, वह इस अधिनियम के अंतर्गत लाभार्थी के रूप में पंजीकरण के लिए पात्र होगा !

2. **<u>निर्माण श्रमिको के रूप में पंजीकरण के लिए निम्नलिखित चरण हैं</u>**

चरण १ – नागरिक श्रमिक निर्माण श्रमिक के रूप में नया पंजीकरण करने के लिए वेब पोर्टल पर जाये

वेब पोर्टल लिंक –http://dbocwwb.delhi.gov.in/

चरण २- आवेदन का नया पंजीकरण पृष्ट खोलने के लिए नया पंजीकरण बटन पर क्लिक करे !

चरण ३- पंजीकरण पृष्ट पर सभी विवरण दर्ज करने के बाद, "रजिस्टर " बटन पर क्लिक करे ! इससे निर्माण श्रमिको का पंजीकरण पृष्ट खुल जायेगा !

पंजीकरण पृष्ट में निम्नलिखित फील्ड हैं :

पृष्ट 1-मूलभूत कार्मिक विवरण

पृष्ट 2- कार्य स्थल का विवरण

पृष्ट 3- परिवार और नामांकन विवरण

पृष्ट 4- बैंक विवरण

पृष्ट 5- यूनियन सदस्यता विवरण

पृष्ट 6- किसी अन्य राज्य बोर्ड के सदस्य

पृष्ट 7- सहायक का शपथ पत्र

पृष्ट 8- आवेदक का शपथ पत्र

पृष्ट 9- आवेदन पूर्वालोकन

पृष्ट 10- भुगतान

पृष्ट 11- पावती- भुगतान हो जाने के बाद, श्रमिक को सबमिट बटन पर क्लिक करना चाहिए ! सबमिट करने के बाद OTP जनरेट होता है, जो आवेदक को उसके पंजीकृत मोबाइल नंबर और इ मेल इ डी पर प्राप्त होता है ! OTP सबमिट करने के बाद एक पावती पर्ची जनरेट होती है और श्रमिक को SMS और मेल के माध्यम से भी पुष्टि मिलती है !

टेली- सत्यापन के बाद, पंजीकरण अधिकारी द्वारा उचित कार्यवाही कि जाती है और यदि आवेदन को सम्बंधित प्राधिकारी द्वारा आवेदन को मंजूरी दी जाती है , डिजिटल प्रमाण पत्र जारी कर दिया जाता है !

3. <u>पंजीकरण के लिए आवशक दस्तावेजो की सूची –</u>

निर्माण श्रमिक के रूप में पंजीकरण आवेदन पत्र के साथ संलग्न किए जाने वाले दस्तावेज

1. आवेदक की फोटो लाइव विडियो के साथ
2. 90 दिनों का रोजगार प्रमाण पत्र
3. स्व- सत्यापित आधार कार्ड
4. स्थानीय पते का प्रमाण
5. जन्म तिथि प्रमाण
6. बैंक खाता का प्रमाण

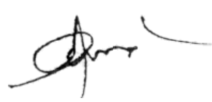

180. श्री मोहन सिंह बिष्ट: क्या माननीय **श्रम मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र मं श्रम विभाग द्वारा अब तक कुल कितने लेबर कार्ड जारी किए गए हैं उसका पूर्ण विवरण दें;

(ख) क्या निकट भविष्य में विभाग द्वारा नये लेबर कार्ड बनाने की कोई योजना है; और

(ग) यदि हां, तो उसका विवरण दें?

श्रम मंत्री: (क) श्रम विभाग, दिल्ली सरकार के दिल्ली भवन निर्माण एवं अन्य संनिर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड, द्वारा जिला अनुसार लेबर कार्ड बनाए जाते हैं, विधानसभावार नहीं। 19.03.2025 तक उत्तर पूर्व जिले में कुल 3020 वैध पंजीकरण हैं। सूची संलग्न है।

(ख) दिल्ली भवन निर्माण एवं अन्य संनिर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड, दिल्ली सरकार द्वारा निर्माण श्रमिकों के पंजीकरण की प्रक्रिया निरंतर जारी है।

(ग) उपरोक्त ख के अनुसार।

181. श्री अभय वर्मा: क्या माननीय **श्रम मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) लक्ष्मी नगर विधान सभा क्षेत्र में दिल्ली सरकार के श्रम विभाग द्वारा कुल कितने निर्माण श्रमिकों के कार्ड बनाये गये;

(ख) अगर विधानसभा अनुसार विवरण उपलब्ध नहीं है तो पूर्वी दिल्ली जिले में कुल कितने श्रमिक कार्ड बनाये गये हैं, उन श्रमिकों का मोबाइल नम्बर और पता सहित सूची उपलब्ध करायी जाए;

(ग) पूर्वी दिल्ली जिले में 2015 से लेकर अब तक कितने कंट्रैक्ट लेबर लाइसैंस जारी किये गए, विस्तृत जानकारी दें; और

(घ) कोबिड महामारी के दौरान पूर्वी दिल्ली जिला में कितने पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को 5000 रुपये मानदेय के रूप में दिया गया, उन श्रमिकों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करायें?

श्रम मंत्री: (क) श्रम विभाग, दिल्ली सरकार के दिल्ली भवन निर्माण एवं अन्य संनिर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड द्वारा जिला अनुसार लेबर कार्ड बनाये जाते हैं विधानसभावार नहीं। लक्ष्मी नगर विधान सभा, दिल्ली भवन निर्माण एवं अन्य संनिर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड के पूर्व जिले में आता है। 19.03.2025 तक पूर्व जिले में कुल 8712 वैध पंजीकरण हैं।

(ख) सूची संलग्न है। (संलग्नक 'क')

(ग) 01.04.2015 से अब तक जिला पूर्वी के संबंध में ठेका श्रम (विनियमन एवं उन्मूलन) अधिनियम, 1970 की धारा 12 के अंतर्गत ठेकेदार के लिए कुल 442 लाइसेंस जारी किए गए हैं। इसके बारे में विस्तृत जानकारी में संलग्न है। (संलग्नक 'ख')

(घ) कोविड महामारी के दौरान पूर्वी दिल्ली जिला में पहली और दूसरी किस्त 2054 एवं तीसरी किस्त 9844 पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को 5000 रुपये मानदेय रूप में दिये गये। सूची संलग्न है। (संलग्नक 'ग')

182. श्री सोम दत्त क्या माननीय **श्रम मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या लेबर कार्ड बनवाने का कार्य अभी दिल्ली में जारी है;

(ख) लेबर कार्ड बनवाने की क्या प्रक्रिया और शर्तें हैं;

(ग) पिछले 5 वर्षों में दिल्ली में कुल कितने नए लेबर कार्ड जारी किए गए; और

(घ) लेबर कार्ड बनवाने के लिए अभी कुल कितने आवेदन लम्बित हैं और इनके लम्बित रहने के क्या कारण हैं?

श्रम मंत्रीः (क) दिल्ली भवन निर्माण एवं अन्य संनिर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड, दिल्ली सरकार द्वारा निर्माण श्रमिकों के पंजीकरण की प्रक्रिया निरंतर जारी है।

(ख) पंजीकृत प्रमाण पत्र बनवाने हेतु अपनाये जाने वाली पद्धति एवं अपेक्षित दस्तावेजों का पूरा ब्यौरा संलग्न है।

(ग) पंजीकरण की वैधता एक वर्ष की होती है तथा इसके बाद पंजीकरण का नवीनीकरण अनिवार्य है। दिल्ली भवन निर्माण एवं अन्य संनिर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड में पिछले 5 वर्षों में किये गए कुल पंजीकरण का वर्षवार ब्यौरा निम्नलिखित हैं:-

2020-2021	189931
2021-2022	1002451
2022-2023	93908
2023-2024	22957
2024-2025	54319

(घ) दिनांक 19.03.2025 तक 29420 पंजीकरण लंबित है जोकि प्रक्रियाधीन हैं।

1. निर्माण श्रमिको के रूप में पंजीकरण के लिए निम्नलिखित चरण हैं

चरण १ – नागरिक श्रमिक निर्माण श्रमिक के रूप में नया पंजीकरण करने के लिए वेब पोर्टल पर जाये

वेब पोर्टल लिंक –http://dbocwwb.delhi.gov.in/

चरण २- आवेदन का नया पंजीकरण पृष्ट खोलने के लिए नया पंजीकरण बटन पर क्लिक करे।

चरण ३- पंजीकरण पृष्ट पर सभी विवरण दर्ज करने के बाद, "रजिस्टर " बटन पर क्लिक करे। इससे निर्माण श्रमिको का पंजीकरण पृष्ट खुल जायेगा।

पंजीकरण पृष्ट में निम्नलिखित फील्ड हैं :

पृष्ट 1-मूलभूत कार्मिक विवरण
पृष्ट 2- कार्य स्थल का विवरण
पृष्ट 3- परिवार और नामांकन विवरण
पृष्ट 4- बैंक विवरण
पृष्ट 5- यूनियन सदस्यता विवरण
पृष्ट 6- किसी अन्य राज्य बोर्ड के सदस्य
पृष्ट 7- सहायक का शपथ पत्र
पृष्ट 8- आवेदक का शपथ पत्र
पृष्ट 9- आवेदन पूर्वालोकन
पृष्ट 10- भुगतान
पृष्ट 11- पावती- भुगतान हो जाने के बाद, श्रमिक को सबमिट बटन पर क्लिक करना चाहिए। सबमिट करने के बाद OTP जनरेट होता है, जो आवेदक को उसके पंजीकृत मोबाइल नंबर और इ मेल आई डी पर प्राप्त होता है! OTP सबमिट करने के बाद एक पावती पर्ची जनरेट होती है और श्रमिक को SMS और मेल के माध्यम से भी पुष्टि मिलती है।

टेली- सत्यापन के बाद, पंजीकरण अधिकारी द्वारा उचित कार्यवाही की जाती है, आवेदन को सम्बंधित प्राधिकारी द्वारा मंजूरी दी जाती है , डिजिटल प्रमाण पत्र जारी कर दिया जाता है।

2. पंजीकरण के लिए आवशक दस्तावेजो की सूची –

निर्माण श्रमिक के रूप में पंजीकरण आवेदन पत्र के साथ संलग्न किए जाने वाले दस्तावेज

१. आवेदक की फोटो लाइव विडियो के साथ
२. 90 दिनों का रोजगार प्रमाण पत्र
३. स्व- सत्यापित आधार कार्ड
४. स्थानीय पते का प्रमाण
५. जन्म तिथि प्रमाण
६. बैंक खाता का प्रमाण

24/3/25
(Vinit Sharma)
DED

183. श्री अभय वर्मा: क्या माननीय **रोजगार मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रोजगार पाने के लिए दिल्ली सरकार के रोजगार निदेशालय द्वारा शुरू किये गये ऑन लाईन पोर्टल कब से कार्यरत है;

(ख) उपरोक्त पोर्टल पर कितने रोजगार उपलब्ध कराये गये, वर्ष अनुसार विस्तृत जानकारी दें;

(ग) पिछले पांच वर्षों में दिल्ली सरकार द्वारा किन-किन क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराये गये, क्षेत्रानुसार जानकारी दें; और

(घ) रोजगार उपलब्ध कराने के पोर्टल पर दिल्ली सरकार ने कितनी धनराशि खर्च की और रोजगार निदेशालय के कितने अधिकारी और कर्मचारी कार्य पर लगे, विस्तृत जानकारी दें?

रोजगार मंत्री: (क) दिल्ली सरकार के द्वारा शुरू किया गया ऑनलाइन एम्प्लॉयमेंट पोर्टल सन् 2009 से कार्यरत है। इसके अलावा रोजगार निदेशालय में रोजगार बाजार पोर्टल जुलाई, 2020 से मई, 2023 तक सेवा में था।

(ख) उपलब्ध रिकार्ड के अनुसार वर्ष 2015 से 2024 तक ऑनलाइन एम्पललॉयमेंट पोर्टली के माध्यम से प्राप्त नियुक्तियां निम्नलिखित हैं:-

क्र.सं.	वर्ष	नियुक्तियों की संख्या
1.	2015	176
2.	2016	102

3.	2017	66
4.	2018	68
5.	2019	शून्य
6.	2020	शून्य
7.	2021	शून्य
8.	2022	शून्य
9.	2023	शून्य
10.	2024	2

इसके अतिरिक्त विभाग का ऑनलाइन एम्प्लॉयमेंट पोर्टल अक्टूबर 2018 से नवंबर 2021 तक तकनीकी कारणों से कार्यरत नहीं था।

(ग) पिछले कुल वर्षो में ऑनलाइन एम्प्लॉयमेंट पोर्टल के माध्यम से निम्नलिखित पदों के लिए नियोकताओं को योग्य प्रार्थियों के नाम प्रायोजित किए गए: बस कंडक्टर, स्टार्फ नर्स, डाटा एंट्री ऑपरेटर, कंप्यूटर ऑपरेटर, एलडीसी, कंटीन अटेंडेंट, लैब असिस्टैंट, हेड क्लर्क, सुपरवाइजर, सेल्स एग्जीक्यूटिव, अकाउंटेंट, फाइनेंस एसोसिएट, सेल्स मेनेजर, तकनीशियन इत्यादि।

(घ) ऑनलाइन एम्प्लायमेंट पोर्टल (onlineemploymentportal.delhi.gov.in) के रख-रखाव के लिए 005 अधिकारी व कर्मचारी कार्यरत हैं। इसके अलावा 06 तकनीकी कर्मचारी अनुबंध किए गए, जिन पर 20212 से आज तक 33,85,997/- रूपये का व्यय हुआ है। रोजगार बाजार पोर्टलल के रख-रखाव

परर जुलाई, 2020 से आज तक 1,98,113/– रूपये खर्च हुए हैं तथा रोजगार पोर्टल के कार्यन्वयन के लिए 2 अधिकारी व कर्मचारी कार्यरत हैं।

184. श्री जितेन्द्र महाजनः क्या माननीय **रोजगार मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले 10 वर्षों में रोजगार कार्यालय में रजिस्टर्ड बेरोजगारों की संख्या बताई जाए;

(ख) रोजगार विभाग द्वारा पिछले 10 वर्षों में कहां–कहां व कितने रोजगार मेले लगाए गए व इन रोजगार मेलों में प्रचार प्रसार पर कितना पैसा खर्च किया गया;

(ग) पिछले 10 वर्षों में रोजगार मेले के माध्यम से कितने लोगों को रोजगार दिया गया;

(घ) पिछले 10 वर्षों में कितने नए एंप्लॉयमेंट एक्सचेंज खोले गए व कितने एंप्लॉयमेंट एक्सचेंज बंद हो गए इसकी विस्तृत जानकारी दी जाए;

(ङ) क्या दिल्ली सरकार का रोजगार पोर्टल चल रहा है; और

(च) यदि नहीं, तो यह कितने समय से और किन कारणों से बंद पड़ा है इसकी विस्तृत जानकारी दी जाए?

रोजगार मंत्रीः (क) रोजगार कार्यालय में 01.01.2015 से 31.12.2024 (10 वर्ष) तक पंजीकृत प्रार्थियों की संख्या 439190 है।

(ख) पिछले 10 वर्षों में कुल 10 रोजगार मेले निम्नलिखित स्थानों पर लगाये गए :

क्र.सं.	वर्ष/मेलों की संख्या	स्थान	खर्च (हजारों में)
1.	2015 (02 मेले)	एम्प्लॉयमेंट एक्स्चेंज त्यागराज स्टेडियम	वर्ष 2016-2017 में खर्चा 1678
2.	2016	कोई नहीं	वर्ष 2017-18 में 5279
3.	2017 (04 मेले)	एम्प्लॉयमेंट एक्स्चेंज शाहदरा-03 मेले त्यागराज स्टेडियम	वर्ष 2018-19 में 1777
4.	2018 (03 मेले)	त्यागराज स्टेडियम एम्प्लॉयमेंट एक्स्चेंज, पूसा एम्प्लॉयमेंट एक्स्चेंज, शाहदरा	वर्ष 2019-20 में 439
5.	2019 (01 मेला)	त्यागराज स्टेडियम	वर्ष 2020-21 में 1487

(ग) पिछले 10 वर्षों में रोजगार मेलों के माध्यम से कुल 36062 प्रार्थियों को शार्टलिस्टिड किया गया।

(घ) रोजगार निदेशालय का ऑनलाइन एम्प्लॉयमेंट पोर्टल 2009 से कार्यरत है। पिछले 10 वर्षों में कोई भी रोजगार कार्यालय ना ही खोला गया और न ही बंद किया गया।

(ङ) रोजगार बाजार पोर्टल (1.0) जुलाई, 2020 से मई, 2023 तक सेवा में था तथा उसके बाद तकनीकी कारणों से सेवा में नहीं है। अब उसके नवीनीकरण का कार्य विचाराधीन है। इसके अतिरिक्त एक ऑनलाइन एम्प्लॉयमेंट पोर्टल (onlineemploymentportal.delhi.gov.in) वर्ष 2009 से सेवा में है।

(च) रोजगार बाजार पोर्टल (1.0) जुलाई, 2020 से मई, 2023 तक सेवा में था तथा उसके बाद तकनीकी कारणों से सेवा में नहीं है। अब उसके नवीनीकरण का कार्य विचाराधीन है।

185. श्री सोम दत्त: क्या माननीय **मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगी कि :

(क) 20 फरवरी 2025 और उसके बाद से अब तक मुख्यमंत्री एवं सभी मंत्रियों के कार्यालयों में जलपान (रिफेशमेंट) पर कितना व्यय किया गया है, मंत्रीवार खर्च की विस्तृत सूची प्रदान करें?

मुख्यमंत्री: (क)

मुख्यमंत्री एवं मंत्रियों के कार्यालयों में जलपान पर किये गये व्यय की सूची

क्र. सं.	माननीय मंत्री का कार्यालय	कुल व्यय (रुपये में)	अवधि
1.	मुख्यमंत्री	1,12,892/-	20/02/25 से 28/02/2025
2.	मंत्री (लोक निर्माण विभाग)	14,190/-	20/02/2025 से 28/02/25

3.	मंत्री (गृह)	27,484/-	20/02/2025 से 28/02/25
4.	मंत्री (उद्योग)	45,021/-	20/02/2025 से 28/02/25
5.	मंत्री (समाज कल्याण)	22,419/-	20/02/2025 से 28/02/25
6.	मंत्री (श्रम)	27,331/-	20/02/2025 से 28/02/25
7.	मंत्री (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण)	18,755/-	20/02/2015 से 28/02/25

186. चौधरी जुबैर अहमदः क्या माननीय **मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगी कि :

(क) दिसम्बर 2024 से मार्च 2025 में किन किन तारीखों पर कैबिनेट की बैठक हुई;

(ख) इन कैबिनेट बैठकों में क्या निर्णय लिये गये; और

(ग) इन सभी कैबिनेट बैठकों के नोटिफिकेशन साझा करें?

मुख्यमंत्रीः (क) दिसम्बर 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि में दिनांक 12.12.2024, 02.01.2025, 20,02,2025 तथा 08.03.2025 तारीखों पर कैबिनेट की बैठक हुई।

(ख) और (ग) इन कैबिनेट बैठकों में लिए गए निर्णयों की प्रतिलिपियाँ संलग्न है।

सभी संलग्नक http://delhiassembly.delhi.gov.in पर उपलब्ध।

187. श्री सुरेन्द्र कुमारः क्या माननीय **मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 20 फरवरी 2025 और उसके बाद से प्रश्न पूछे जाने वाले दिन तक मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्रियों के लिए सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा कितने फूलों के गुलदस्ते खरीदे गए, मुख्यमंत्री एवं मंत्रियों के नाम के साथ इसकी सूची प्रदान करें;

(ख) जीएडी द्वारा मुख्यमंत्री और मंत्रियों के लिए खरीदे जा रहे एक गुलदस्ते की औसत कीमत कितनी होती है;

(ग) ये गुलदस्ते कहां से खरीदे जाते हैं; और

(घ) 20 फरवरी 2025 और उसके बाद से मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्रियों के लिए सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा गुलदस्ते खरीदने में कुल कितना व्यय किया गया?

मुख्यमंत्रीः (क) सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 20 फरवरी 2025 से अभी तक मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्रियों के लिए फूलों के कोई गुलदस्ते नहीं खरीदे गए।

(ख) प्रश्न (क) के उत्तर के संदर्भ में यह प्रश्न नहीं उठता।

(ग) –वही–

(घ) –वही–

188. श्री सुरेन्द्र कुमारः क्या माननीय **मुख्यमंत्री मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्तमान में मुख्यमंत्री और उनके दफ्तर के इस्तेमाल के लिए सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा कितनी गाड़ियाँ आवंटित की गई हैं, इसकी लिस्ट सौंपे;

(ख) सामान्य प्रशासन विभाग के अतिरिक्त मुख्यमंत्री और उनके दफ्तर के इस्तेमाल के लिए किन-किन विभागों से कौन-कौन सी और कितनी गाड़ियाँ आवंटित की गई हैं, सूची उपलब्ध करायी जाएं; और

(ग) मुख्यमंत्री दफ्तर में कार्यरत स्टाफ को सामान्य प्रशासन विभाग व अन्य विभाग से कितनी गाड़ियाँ आवंटित की गई हैं, इन गाड़ियों की विस्तृत जानकारी साझा करें?

मुख्यमंत्रीः (क) कुल गाड़ियों की संख्या-13 (मुख्यमंत्री की सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए गाड़ियों का विवरण देना उचित नहीं है)

(ख) आवश्यकतानुसार अस्थाई तौर पर अन्य विभागों से गाड़ियां कुछ समय के लिए बुलाई जाती हैं व वापिस भेज दी जाती हैं।

(ग) उपरोक्त उत्तर सं. 'क' के अनुसार।

189. सुश्री आतिशीः क्या माननीय **मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 20 फरवरी 2025 के बाद दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री व मंत्रियों के दफ्तरों में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी और शहीद-ए-आजम भगत सिंह की तस्वीरों को किसके आदेश पर उनकी जगह से हटाया गया;

(ख) इन तस्वीरों के स्थान पर किसकी तस्वीरें लगाई गईं;

(ग) क्या इन तस्वीरों को सामान्य प्रशासन विभाग के स्टाफ (परमानेन्ट, कान्ट्रैक्चुअल, आउटसोर्स) द्वारा हटाया गया;

(घ) यदि नहीं तो सरकारी दफ्तर से किसने इन तस्वीरों को उनकी मौजूदा जगह से हटाया;

(ङ) क्या इसके लिये किसी लिखित आदेश का पालन किया गया था;

(च) क्या तस्वीरों को उनकी जगह से हटाने के लिये किसी ऑफिसर ने मौखिक आदेश दिये थे; और

(छ) यदि हां, तो उनका नाम और पद की जानकारी साझा करें?

मुख्यमंत्रीः (क) बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी और शहीद-ए-आजम भगत सिंह जी की तस्वीरें मुख्यमंत्री व मंत्रियों के दफ्तरों में सतत विद्यमान है।

(ख) उपरोक्त।

(ग) प्रश्न (क) के उत्तर के संदर्भ में यह प्रश्न नहीं उठता।

(घ) -वही-

(ङ) -वही-

(च) -वही-

(छ) -वही-

190. श्री जितेन्द्र महाजनः क्या माननीय **मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले 5 वर्षो में सरकार द्वारा विधायकों के लिए टैबलेट व कम्प्यूटर खरीदने में कुल कितना खर्च हुआ है;

(ख) दिए गए टैबलेट व कम्प्यूटर की अलग-अलग सूची प्रदान की जाए जिसमें उनकी कंपनी का नाम, कोटेष्ठान की कक्कपी, उत्पादन करने वाले देष्ठा सहित सभी जानकारी शामिल हो;

(ग) सरकार के अंतर्गत आने वाली स्वायत्त संस्थाओं में चेयरमेन तथा वाइस चेयरमेन, प्रेसिडेंट एवम् वाइस प्रेसिडेंट की नियुक्ति किस आधार पर की जाती है;

(घ) इन संस्थाओं में सदस्य किस आधार पर लगाए जाते हैं;

(ङ) इन संस्थाओं में सदस्यों तथा अध्यक्ष एवम् उपाध्यक्ष, प्रेसिडेंट एवं वाइस प्रेसिडेंट का कार्य काल कितने समय के लिए होता है; और

(च) वर्तमान में इन संस्थाओं में इनको क्या सुविधाएं सरकार द्वारा दी जा रही है?

मुख्यमंत्री: (क) सामान्य प्रशासन विभाग माननीय विधायकों के लिए टेबलेट व कंप्यूटर नहीं खरीदता है। पिछले 5 वर्षों में विभाग द्वारा विधायकों के लिए टेबलेट व कम्प्यूटर खरीदने में कुल रु. 47.40 लाख खर्च हुआ है।

सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश दिनांक 19.10.2009 के अनुसार माननीय विधायकों को एक विधानसभा के कार्यकाल के दौरान अधिकतम एक लाख रूपए की राशि की प्रतिपूर्ति की जाती है और इस मद में माननीय विधायक स्वयं ही खरीद करते हैं।

(ख) उपरोक्तानुसार प्रश्न नहीं उठता।

(ग) से (च) विभाग से सम्बंधित नहीं है।

191. श्री संजय गोयलः क्या माननीय **मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) शाहदरा विधानसभा में खाली पड़े डी.डी.ए. या किसी अन्य विभाग की जमीनो एवं प्लॉटों का विस्तृत विवरण दें;

(ख) शाहदरा विधानसभा के खाली पड़ी जमीनो पर भू-माफिया द्वारा किये गये गैरकानूनी अतिक्रमण का विवरण दें;

(ग) गैर कानूनी तरीके से किये गये अतिक्रमण हटाने के लिए सरकार ने पूर्व में क्या कार्यवाही की तथा आने वाले समय में क्या कार्यवाही करने वाली है विवरण दें; और

(घ) खाली पड़ी जमीनों पर शाहदरा विधानसभा में क्या कोई प्रस्तावित योजना है, पूर्ण विवरण दें?

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय का वक्तव्य

माननीय अध्यक्षः एक मिनट बैठ जाइये ना प्लीज। मैं आपको दूंगा मौका बाद में। साथियों मुझे आज सदन को, राज कुमार चौहान जी कहां गये, चौहान जी को बुलाईये जरा। हमारे जो सदन के सीनियर मोस्ट मेम्बर हैं जो 1993 में पहली बार इलेक्ट हुए थे। ऐसे श्री राज कुमार चौहान जी का आज जन्म दिवस है। हां अभी उनको हम पूरा सदन उनकी दीर्घायू और स्वस्थ जीवन की कामना करता है और वो ये सदन को उनके अनुभव का लाभ मिलता रहे। ये हम सब

उपरोक्त प्रश्न का उत्तर विभाग द्वारा नहीं दिया गया।

की अपेक्षा है। और अभी तक के भी कार्यकाल में मुझे भी उनसे कई चीजें समझने का अवसर मिला है और उन्होंने कम बोलकर भी ज्यादा चीजें वो अपनी और से सदन की व्यवस्था को ठीक बनाये रखने के लिए वो अक्सर मुझे बताते हैं। तो मैं उनका आज के इस अवसर पर बहुत-बहुत उनको साधुवाद देता हूँ और उनका अभिनन्दन करता हूँ, उनको बधाई देता हूँ।

माननीय अध्यक्ष महोदय का स्पष्टीकरण

अब 280. माननीय सदस्यगण, आज मुझे नेता विपक्ष का एक और पत्र मिला है तो मैं उस संबंध में सदन के समक्ष उनको रिप्लाई करना चाहता हूं क्योंकि ये पत्र जो है भ्रांति फैला सकता है और इस भ्रांति से सदन की गरिमा को ठेस भी लग सकती है। तो इसलिये मैं उनके पत्र का जवाब सदन के समक्ष दे रहा हूं। कुछ सदस्यों द्वारा दिये गये विशेष उल्लेख के नोटिस को अनुमति नहीं देने के बारे में मेरे फैसले के संबंध में मुझे माननीय नेता, प्रतिपक्ष श्रीमती आतिशी जी से एक पत्र प्राप्त हुआ है। इस संबंध में मैं माननीय सदस्यों को सूचित करना चाहूंगा कि सदन के सदस्यों को केवल उन विषयों पर प्रश्न पूछने चाहियें या चर्चा करनी चाहिये जिनका माननीय मंत्री उत्तर दे सकते हैं या उन पर कोई कार्यवाही कर सकते हैं। हालांकि सदन में उठाये जाने वाले मामले के विषय में ध्यान में रखते हुए अध्यक्ष आरक्षित विषयों पर भी नोटिस की अनुमति केवल तब दे सकते हैं मनाही नहीं है, जो रिजर्व सब्जेक्ट है, जो असेम्बली का अधिकार क्षेत्र से बाहर है उन पर भी नोटिस स्वीकार किया जा सकता है, उसके लिये मनाही नहीं है। जब उन्हें लगता है कि लेकिन जब लगता है कि ये दिल्ली के लोगों को प्रभावित करने वाला जो बहुत जरूरी और महत्वपूर्ण मामला है, जिस

पर सदन का तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है यानि कि कोई ऐसा इंस्टेंट रिसेंट अकरंस जो होती है इस तरह से जिसका कोई प्रभाव पड़ रहा है लेकिन रूटीन में नहीं। प्रतिपक्ष के जिन नोटिसों को मैंने स्वीकार नहीं किया था वे महज सदन की प्रक्रिया का दुरूपयोग करने और सदन में संगठित व्यवधान पैदा करने का प्रयास था। मैं ऐसा नहीं होने दूंगा। आर्गनाइज्ड डिस्रप्शन जो है वो अलाउड नहीं होगी, राजनीति से प्रेरित डिस्रप्शन अलाउड नहीं होगी, कोई भी ऐसा विषय जिसके पीछे की भावना ये हो कि सदन के इस पवित्र फोरम का हम अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिये इस्तेमाल करें, ऐसा हम कभी अलाओ नहीं करेंगे। विशेष उल्लेख के तहत उठाये जाने वाले तत्काल सार्वजनिक महत्व के विषयों से संबंधित होते हैं। मैंने देखा है कि प्रतिपक्ष के सदस्य जनता के सामने आने वाले वास्तविक मुददों पर ध्यान देने के बजाये डिस्टरबेंस पैदा करने में अधिक रूचि रखते हैं। वे गर्मियों के लिए सरकार की तैयारी, वैक्टर बोर्न डिसीज जैसे वैक्टर जनित जल जनित बिमारियां, डेंगू से निबटने की तैयारियां, प्रदूषण कम करने के कदम, जल भराव, सफाई व्यवस्था, कूड़े के ढेर आदि, जन हित से जुड़े मुददे उठा सकते हैं। इसकी बजाए विपक्षी सदस्यों का ध्यान सिर्फ मीडिया का ध्यान आकर्षित करने और सदन की कार्यवाही में बाधा डालने का ज्यादा रहता है। हमारे नियमों में विशेष उल्लेख का कोई प्रावधान नहीं है ये मैं आपको स्पष्ट कर दूं जो 280 हम चला रहे हैं हमारी रूल बुक में इसका कोई प्रावधान नहीं है। 280 के लिये जो लिखा गया है वो मैं आपको पढ़ के भी मैंने पहले सुनाया था और आप कहेंगे तो मैं आज दोबारा पढ़ दूंगा लेकिन हां, राज्यसभा के नियमों में है, लोकसभा के नियमों में नहीं है। मैंने दिखवाया, लोकसभा और राज्य सभा सब जगह दिखवाया तो राज्यसभा में है, वो मैं आपको बता देता हूं राज्यसभा में क्या है और हम उसको फॉलो करेंगे। राज्यसभा के रूल को फॉलो करेंगे। हमारे रूल

में 280 का प्रावधान बहुत सीमित है, वो मैं आपको पढ़ के बता देता हूं। ऐसा विषय उठाना जो व्यवस्था का प्रश्न न हो 280 के लिए सिर्फ चार लाइन लिखी हुई हैं कोई रूल रेगुलेशन, कोई उसकी एडमिज़िबिलिटी के बारे में कोई नहीं है। सिर्फ चार लाइन लिखी गयी हैं। ''ऐसा विषय उठाना जो व्यवस्था का प्रश्न न हो, जो सदस्य सदन की जानकारी में कोई ऐसा विषय लाना चाहे जो व्यवस्था का प्रश्न न हो तो वह सचिव को लिखित रूप से सूचना देंगे जिसमें संक्षेप में उस विषय को बतायेंगे जिसे वह सदन में उठाना चाहते हों और साथ में कारण भी बतायेंगे कि वे उसे क्यों उठाना चाहते हैं। और उन्हें ऐसा प्रश्न उठाने की अनुज्ञा अध्यक्ष द्वारा सम्मति दिए जाने के बाद ही तथा ऐसे समय और तिथि के लिये दी जायेगी जो अध्यक्ष निश्चित करे।" ''a member who wishes to bring to the notice of the House any matter which is not a point of order shall give notice to the Secretary in writing stating briefly that point which he wishes to raise in the House together with reasons for wishing to raise it and he shall be permitted to raise it only after the speaker has given his consent and at such time and the date as the speaker may fix." अब मैं आपको राज्यसभा के नियम बता देता हूं। हमारे यहां तो सिर्फ इतना है। राज्यसभा में एडमिज़िबिलिटी के भी रिजन लिखे गये हैं कि वो एडमिट कैसे किया जायेगा। हमारे नियमों में विशेष उल्लेख का कोई प्रावधान नहीं है। दिल्ली विधान सभा, राज्य सभा में निर्धारित विशेष उल्लेख के नियमों का पालन करती रही है और करती रहेगी। राज्य सभा नियमों के नियम 120बी(2) के अनुसार यह स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि विशेष उल्लेख का विषय उस मामले को संदर्भित नहीं करेगा जो मुख्य रूप से सरकार के विचार का विषय नहीं है।

वहां पर गवर्नमेंट आफ इंडिया लिखा गया है। फिर पढ़ देता हूं। 120बी(2) मैं कापी भी आपको दे दूंगा राज्यसभा नियमों के नियम 180बी(2) के अनुसार यह स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि विशेष उल्लेख का विषय उस मामले को संदर्भित नहीं करेगा जो मुख्य रूप से भारत सरकार के विचार का विषय नहीं है। हमारे यहां वो भारत सरकार की जगह सरकार के विचार का विषय नहीं है। तो हमने एडॉप्ट किया है तो वो हमने नियम की स्थिति मैं आपको बता रहा हूं। नियम 120बी(3) के अनुसार यह उस मामले को संदर्भित करेगा जो पहले से उठाये गये मामले के समान है। इसलिये मैंने 180बी कहता है यह उस मामले को संदर्भित नहीं करेगा जो पहले से उठाये गये मामले के समान है। यानि कि एक मामले को रिपीटिशन नहीं हो सकता, ये भी साफ लिखा गया है, मामला नया होना चाहिए, पहले न उठाया गया हो। इसलिए मैंने सचिवालय को निर्देश दिया था कि ऐसे मामलों को अनुमति न दी जाए जो दोहराए गये हों या जो सदन में संगठित व्यवधान पैदा करने का प्रयास हो। अब जब organized disruption एक इशू, एक जैसी भाषा में, एक जैसे मुद्दे 5-5, 6-6, 10-10 विपक्ष के सदस्य लगातार डाल रहे हैं जिसके पीछे का एक ही मकसद है सदन को हाईजैक करना, वो हम नहीं होने देंगे। माननीय सदस्यों को मैं बताना चाहता हूं कि नेता-प्रतिपक्ष का पत्र मिलने से पहले ही मुझे उनके पत्र के बारे में मीडिया से जानकारी मिल गई थी, कितने अफसोस की बात है। पत्र मुझे मिला उससे पहले...

...(व्यवधान)

सुश्री आतिशी (माननीया नेता-प्रतिपक्ष): आपको भेजने के लिए...

माननीय अध्यक्षः भेजने का मतलब ये नहीं मैंने पढ़ लिया। लेकिन, सुनिए आप, सुन लीजिए, अब वो भी मैं स्पष्ट कर देता हूं। आपने ट्वीट किया मुझे कोई उस पर आपत्ति नहीं है, आप ट्वीट करते, मीडिया को देते, लेकिन आपने एक मेल करके और उसके तुरंत बाद मीडिया को दे दिया और मीडिया ने मुझे व्हाट्सएप्प कर दिया। अब ये आप अगर इसको मैकेनिकल मशीन की तरह चीजों को इस्तेमाल करके उस पर राजनीति करने को कोशिश कर रहे हैं तो अच्छा नहीं है। आपने मेल किया, मेल करते ही मीडिया को दे दिया, आप मेल करते ही ट्वीट करतीं, मुझे कोई दिक्कत नहीं थी। आपने मेल करते ही मीडिया को दे दिया और मीडिया ने तुरंत मुझे व्हाट्सएप्प कर दी वो कॉपी, मेरे ही पत्र की और मैंने कहा ये कौन सा पत्र है और मीडिया ने कहा कि आपको ये पत्र लिखा गया है, इस पर आप अपने कमेंट करिए। तो मैंने कहा कौन सा पत्र है ये, तो मैंने अपने कार्यालय को फोन किया तुरंत, मैंने कहा कोई पत्र आया है क्या, तो बताया गया कि मेल आई है। अगर मैं ये अपेक्षा करूं विपक्ष से कि आप पत्र लिखे, उधर मेल क्लिक करें और उसे मीडिया को दे दें और फिर कहे कि इतने बजकर इतने सेकंड पर आपको मेल किया था, इतने बजकर इतने सेकंड पर हमने मीडिया को दिया, तो क्या माना जाए इसको। ऐसा पहली बार, अच्छा, एक, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, विपक्षी सदस्यों की ये आदत बन गई है कि वे अपनी शिकायत मुझे बताने के बजाय सबसे पहले मीडिया के पास जाते हैं जो ठीक परिपाटी नहीं है। मुझे प्रतिपक्ष के सदस्यों को ये चेतावनी देने के लिए मजबूर होना पड़ेगा कि वे भविष्य में इस तरह से अध्यक्ष के पद की गरिमा को कम न करें। मैं सदन में हमेशा स्वस्थ और लोकतांत्रिक बहस और चर्चा का स्वागत करूंगा, ये मैंने पहले दिन भी कहा था, आज भी विपक्ष के सदस्यों को भरपूर मौका दिया जा रहा है। अभी बजट में भी आपको जितने नाम देने हैं, मैं ये रूल तोड़ता हूं कि पक्ष के जितने सदस्य बोलेंगे उसकी एवेज में विपक्ष के

बोलेंगे, मैं उसको बजट की चर्चा में से हटाता हूं, आप ज्यादा भी बोलना चाहते हैं पक्ष से, मैं आपका स्वागत करूंगा, भरपूर बोलिए आप, क्योंकि हेल्दी क्रिटिसिजम से कोई कभी पीछे नहीं हटना चाहिए किसी को, उसमें से कुछ हल भी निकलता है, कुछ बेहतरी भी होती है। मैं सदन में हमेशा स्वस्थ और लोकतांत्रिक बहस और चर्चा का स्वागत करूंगा लेकिन मैं ऐसी किसी भी चर्चा की अनुमति नहीं दूंगा जिसका उद्देश्य केवल राजनैतिक लाभ लेना और मीडिया में अपने आपकी महिमा मंडित करने के लिए सदन का समय बर्बाद करना है। तो ये अगर ऐसा होगा तो ये चेयर कभी भी उसको अलाऊ नहीं करेगी। अब 280 पर आइये। हां जी, अब बताइये।

सदन में अव्यवस्था

सुश्री आतिशीः अध्यक्ष महोदय... और आप कह रहे हों कि...

माननीय अध्यक्षः अब आप बैठ जाइये। बैठ जाइये, मैंने स्पष्ट कर दिया। आपने पत्र लिखा, पत्र का जवाब मैंने दे दिया। अब आप फिर पत्र लिख दीजिए, आप फिर पत्र लिख दीजिए न, आप फिर पत्र लिख दीजिए। चलिए। अब 280 को शुरू करते हैं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः श्री आले मोहम्मद इकबाल। आले मोहम्मद इकबाल बोलेंगे 280 पर।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः बैठ जाइये। आप पत्र का, पत्र से बात कर रही हैं न, अब आप पत्र लिख दीजिएगा। मैंने आपके पत्र का जवाब दे दिया, अब आप पत्र लिख दीजिएगा, मैं फिर जवाब दे दूंगा।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः श्री आले मोहम्मद इकबाल।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः श्री आले मोहम्मद इकबाल।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः हमने मना नहीं किया।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः हमने कहा कि हम रूल से ऊपर उठकर रिजर्व सब्जेक्ट पर भी बात करेंगे लेकिन कोई स्थिति ऐसी होनी चाहिए। सिर्फ राजनैतिक दृष्टिकोण से नहीं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः सिर्फ राजनीति चमकाने के लिए नही। जो इस सदन के महत्व के विषय हैं उन पर बात नहीं करेंगे आप, ऐसे नहीं चलेगा। आले मोहम्मद इकबाल, (नहीं है।) चलिए, मोहन सिंह बिष्ट जी, आप बोलेंगे।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः मोहन सिंह बिष्ट जी।

...(व्यवधान)

श्री मोहन सिंह बिष्टः आदरणीय अध्यक्ष जी,

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः मोहन सिंह बिष्ट जी।

...(व्यवधान)

श्री मोहन सिंह बिष्टः सर, हाउस को ऑर्डर में लाइये। सर, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं हाउस को ऑर्डर में,

...(व्यवधान)

श्री मोहन सिंह बिष्ट जीः सर, मैं आपके माध्यम से करावल नगर विधान सभा के...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः मोहन सिंह बिष्ट जी।

...(व्यवधान)

श्री मोहन सिंह बिष्ट जीः एक लोकमहत्व के विषय को...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः मुझे लगता है मुझे आप पर कार्रवाई करनी पड़ेगी, मैं आपको चेतावनी दे रहा हूं।

...(व्यवधान)

(सुश्री आतिशी (माननीय नेता, प्रतिपक्ष) द्वारा सदन से वॉक आउट किया गया।)

माननीय अध्यक्षः ठीक है, धन्यवाद।

...(व्यवधान)

श्री मोहन सिंह बिष्ट जीः आपके माध्यम से, मैं उसके बारे में लिखित वक्तव्य देना चाहता हूं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद। ठीक है। ठीक है। आप राजनीति करना, अगर आप सिर्फ राजनीति करने आये हैं यहां तो आप भरपूर करिए, आपको छूट है लेकिन सदन में नहीं होने दूंगा मैं, सदन का दुरूपयोग नहीं होने दूंगा। जिस तरह से आप यहां पर...

श्री मोहन सिंह बिष्ट जीः अध्यक्ष महोदय।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः जनहित के एक मुद्दे पर आप बोलना नहीं चाहते हैं। प्रश्नकाल आप कर रहे, आपके 10 सदस्यों के प्रश्न थे, हम रिप्लाई चाहते थे सरकार से, आपने उन पर भी नहीं रिप्लाई करने दिया। तो आप, ऐसे कैसे होगा।

...(व्यवधान)

श्री मोहन सिंह बिष्ट जीः अध्यक्ष जी,...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः आपको मैं निष्कासित करूं कि आप जा रहे हैं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः मैं वार्निंग दे रहा हूं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः मुकेश अहलावत जी को मैं सदन से निष्कासित करता हूं, कई बार हो चुका।

श्री मोहन सिंह बिष्टः अध्यक्ष महोदय।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः आप जायें आप चले जाएं। मार्शल्स मुकेश अहलावत जी को बाहर ले जाए।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः मार्शल्स मुकेश अहलावत जी को बाहर ले जाएं। चलिए आप शुरू करिये।

(दोपहर 12.23 बजे माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेश पर श्री मुकेश अहलावत को सदन से बाहर किया गया। विपक्ष के बाकी बचे सदस्यों द्वारा सदन से वॉक आउट किया गया।)

विशेष उल्लेख (नियम-280)

श्री मोहन सिंह बिष्टः अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से अपनी विधानसभा मुस्तफाबाद एसी-69 के मुख्य सड़क की ओर आकर्षित करना चाहता हूं जो कि भजनपुरा से करावल नगर चौक, करावल नगर चौक से शिव विहार तिराहा, शिव

विहार तिराहा से जौहरी पुर और जौहरी पुर से ब्रिजपुरी तक अत्यंत दयनीय अव्यवस्था है। पिछली सरकारों द्वारा शिव विहार तिराहा से करावल नगर रोड और करावल नगर चौक तक का रोड का निर्माण कार्य किया गया था। अत्यंत दुख के साथ कहना पड़ रहा है यह रोड पूरी तरह से खराब हो चुकी है। सर इस क्षेत्र के अंदर इस रोड पर गाड़ियाँ और आदमी चलना तो बहुत दूर की बात है, यहां पर जानवर भी नहीं जा सकते हैं। ऐसी विचित्र स्थिति इस रोड की हुई है। अध्यक्ष महोदय, बार-बार शिकायत करने के पश्चात भी पिछली सरकारों द्वारा कोई काम नहीं किया गया। सर रोड निर्माण के साथ पानी के आउटफाल की व्यवस्था इतनी लचर है कि नालियों का सारा पानी रोड पर आकर के जमा हो जाता है, जिससे रोड पर तो जलभराव होता ही है लेकिन उससे एक अत्यंत जल भराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है। अध्यक्ष महोदय पूरी तरह से ये रोड मुस्ताफाबाद विधानसभा की लाइफलाइन वाली रोड है जो कि अत्यंत खराब हो चुकी है, मैं इस संबंध में मंत्री जी से और आपके माध्यम से एक अनुरोध करना चाहता हूं कि मुस्तफाबाद से क्षेत्र में जो इस प्रकार की सड़कें जिनकी इस प्रकार की दुर्दशा है, इन सड़कों को अविलंब इनके बजट की उपलब्धता कराई जाए जिससे मेरे विधानसभा के लोगों को आराम से अपना गंतव्य तक वो पहुंच सकें, ये मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्रीमती पूनम शर्मा।

श्रीमती पूनम शर्माः आदरणीय अध्यक्ष जी आपके माध्यम से मैं माननीय मंत्री जी का ध्यान अपनी विधानसभा वजीरपुर में दिलवाना चाहती हूं। परसों जब मैं अपनी विधानसभा केशवपुरम इलाके में एक सरकारी डिसपेंसरी में गई तो मुझे

वहां इतनी सारी भरमार मात्रा में शिकायतें मिली की मैंने वहां पे औचक दौरा किया, मुझे देखते ही वहां मरीजों ने अपनी समस्याओं का पूरा पिटारा खोल दिया। उन्हें ना तो वहां पर टाइम पे दवाईयां मिलती हैं, स्टाफ भी वहां पर बदतमीजी से बात करता है और मैंने खुद पाया जब मैं दोपहर के समय वहां गई तो एक, एज ए पेशेंट के तौर पर मैं गई मैंने डॉक्टर साहब से अपना पर्चा बनवाया, बोले जी क्या बीमारी है मैंने कहा जी खांसी-जुकाम है। तो उन्होंने मुझे बीपी और शुगर का टैस्ट करने के लिए लिख लिया। चलो वो भी मैं चली गई, जाकर जब अंदर रूम में गई वहां पर ना तो बीपी की मशीन, ना शुगर टैस्टिंग वाली मशीन और वहां पे स्टाफ भी नहीं था और मैं कहूंगी ड्रैसिंग जो होता है, छोटी-मोटी जो कटने-फटने पर पट्टी होती है, वहां पर कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था और जो आयुर्वेदिक वाले डॉक्टर हैं कोई स्टाफ नहीं था जब मैंने पूरी लिस्ट उनसे मंगवाई तो कम से कम 25 वहां स्टाफ की लिस्ट थी और वहां पर सिर्फ एक डॉक्टर और एक कम्पाउंडर था। जहां वहां पर दवाईयों की बात करूं तो एक हल्की-फुल्की बीमारी के लिए भी वहां दवाई नहीं थी। ना जुकाम की दवाई, ना बुखार की दवाई, ना पेट दर्द की दवाई। तो आप ये समझ लीजिए की पिछली जो सरकार थी 10 सालों से क्या उन्होंने स्वास्थ्य के मॉडल पर अपनी पहचान बनाई। तो हैल्थ का मॉडल कितना खोखला और फर्जी भ्रष्टाचार में डूबा हुआ था ये आप सबको पता चल गया है। महोदय जी ऐसी हालत हमारे इलाके में आम पार्टी के जो मोहल्ला क्लीनिक की भी है जिन मोहल्ला क्लीनिकों के अंदर आम पार्टी सरकार ने सबसे बड़ी अपनी उपलब्धि बताई और दावा किया था कि डिस्पेंसरी और मोहल्ला क्लीनिकों में इलाज कराया जा रहा है। लेकिन ऐसा कुछ नहीं है, अभी आप सबने देखा होगा जो कैग की रिपोर्ट 2016 और 22 की रिपोर्ट जो हमने खुलासा किया है कि मोहल्ला क्लीनिक केवल कागजों में चल रहे थे और

जो मोहल्ला क्लीनिक चालू थे उनमें डॉक्टर नहीं आते, दवाईयां नहीं मिलती, जैसे ही मैंने केशवपुरम इलाके की डिसपेंसरी में अपने दौरे के दौरान पाया। महोदय जी दिल्ली सरकार के बड़े होस्पिटल की हालत इतनी खोखली और यह गरीबों के साथ मजाक था और एक ऐसा मॉडल था जिसमें केवल प्रचार था उसके माध्यम से गरीब लोगों को गुमराह किया गया, सिर्फ वोट के लिए उनको अपना वोट बैंक बनाया गया। आखिर में मैं आपसे कहना चाहती हूं कि हम सब मिलकर एक ऐसा हैल्थ मॉडल दिल्ली की जनता के सामने पेश करें की जिसमें वायदे कम हों और काम ज्यादा हो ताकि दिल्ली की जनता का हम दिल जीत सकें और मोदी जी के हाथों को और मजबूत कर सकें, धन्यवाद अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः श्री चंदन कुमार चौधरी।

श्री चंदन कुमार चौधरीः माननीय अध्यक्ष जी, हमारी विधानसभा पूर्णरूपेण अनोथराइज्ड कॉलोनी है और उसकी बाउंड्री अधिकतर फोरेस्ट से लगती हुई है तो मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को अवगत कराना चाहता हूं कि उस विधानसभा की सारी समस्याएं फॉरेस्ट से जुड़ी हुई है। हमारे वहां के भू–माफिया ने जन प्रतिनिधियों से मिलकर के ग्रामसभा की सारी जमीन बेच डाली, कालोनी बस गई। कोई भी व्यवस्था वहां नहीं है और जब वहां पर लोग बस गये तो अब फोरेस्ट वाले आकर के किसी का मकान तोड़ देते हैं, किसी को प्रताड़ित करते हैं और अभी विगत तीन दिन चार दिन पहले एक बड़ी दुर्घटना घटी कि वहां पर फोरेस्ट डिपार्टमेंट के द्वारा हमारे आई एंड एफसी डिपार्टमेंट के द्वारा जो रोड़ बन रहा था उसकी गाडियों को सीज किया गया। अध्यक्ष जी मैं थोड़ा ध्यान आकर्षित करूंगा आपका, साहब या तो बोलने दीजिए पहली बार तो पूर्वांचली को मौका मिला है।

तो अध्यक्ष जी मैं आपको बताना चाहता हूं कि फोरेस्ट डिपार्टमेंट के द्वारा आईएंडएफसी डिपार्टमेंट के गाड़ियों को सीज करना और उसके बाद जब मैंने बात करने का प्रयास किया कि क्या कारण है तो वहां पर एक बायपास रोड़ है जो कि 85 से बना हुआ है। ग्रामसभा की जमीन हैं हमारे इलाके में, तो वो सुप्रीम कोर्ट का भी रूल है कि ग्रामसभा की जमीन वहां के लोगों के विकास के लिए वहां की सुविधाओं के लिए दिया जाएगा लेकिन 2018 से लेकर के 23 तक में बहुत सारी ग्राम सभा की जमीन जो डीडीए को दी गई है और कुछ फोरेस्ट को दे दी गई लेकिन बसी बसाई जमीन को फोरेस्ट को देना ग्रामसभा की जमीन और जहां रोड़ बना हुआ है वो भी ग्रामसभा की जमीन को फोरेस्ट को दे देना ये अनुचित है और यदि दी भी गई तो उस रोड़ को आईएंडएफसी के द्वारा बनाया जा रहा था जो हमने संज्ञान में लेकर के उस पर चर्चा किया तो फोरेस्ट डिपार्टमेंट के जो रेंजर हैं और इसके स्टाफ वो कहते हैं कि अब किसी की नहीं सुनी जाएगी। गाडी सीज की जाएगी। जब मैंने उससे बात किया कह रहा है कोई भी विधायक हो या कोई भी मंत्री हो यहां आ कर के आफिस में बात करेगा तो आपके संज्ञान में ये देना चाहता हूं कि आए दिन फोरेस्ट वाले उस चीज को प्रताड़ित करते हैं वहां के लोगों के घर को तोड़ देते हैं अदर डिपार्टमेंट को डिस्टर्ब करते हैं उनकी अपनी बाउंड्री नहीं है और बाउंड्री है भी तो बहुत दूर दूर है। अभी जो ग्रामसभा की जमीन उनको दी गई है उस पर आपके माध्यम से मैं मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं और कुछ ऐसा नियम लाया जाए कि ग्रामसभा की जमीन को वहां के डेवेलेपमेंट में यूटीलाइज किया जाए ना कि फोरेस्ट को दे दी जाए और जो आबादी बस चुकी है उसको डिस्टर्ब ना किया जाए और उस आबादी के बीच में यदि कोई डिपार्टमेंट डेवलेपमेंट का काम करता है उसको इतना ज्यादा प्रताड़ित ना किया जाए और यदि मैं जन प्रतिनिधि

वहां का बना हूं इसलिए नहीं बना हूं एक छोटे से आदमी का प्रताड़ना मैं झेलूंगा और एक रेंजर के द्वारा मुझे प्रताड़ित किया गया कि जिसको आना होगा आफिस में आकर के बात करेगा और मंत्री जी के संज्ञान में देने के बावजूद भी आज चौथा दिन है उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। आपका ध्यान आकर्षित मैंने किया। आपने मुझे समय दिया बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री सही राम।

श्री सही रामः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, मैं आपका इस सदन का ध्यान एक अत्यंत गंभीर और संवेदनशील विषय की और आकर्षित करना चाहता हूं। यह मुददा केवल एक गांव का नहीं बल्कि हमारे गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और उन वीर क्रांतिकारियों की कुर्बानी से जुड़ा है जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व बलिदान किया था। अध्यक्ष महोदय मैं बात कर रहा हूं दिल्ली के ऐतिहासिक गांव तुगलकाबाद की जिसका नाम हमारे स्वतंत्रता संग्राम के स्वर्णिम पन्नों में दर्ज है। अध्यक्ष महोदय जब 1857 की क्रांति में पूरा देश अंग्रजों के अत्याचारों के खिलाफ खड़ा हुआ था तब तुगलकाबाद के वीरों ने भी बलिदान और शौर्य की अदभुत मिसाल पेश की थी 31 जनवरी 1857 को अंग्रेजों ने इस गांव पर तोपों से हमला किया पूरा गांव आग के हवाले कर दिया और सैंकड़ों देशभक्तों को फांसी पर चढा दिया। अध्यक्ष महोदय, लेकिन वीर गुर्जरों ने घुटने टेकने के बजाय मातष्टभूमि की रक्षा के लिए अंतिम सांस तक युद्ध करने का फैसला लिया। इतिहास गवाह है कि अंग्रेजों की हकूमत के बाद 1862 में गुर्जरों ने बड़े संघर्ष के बाद अपनी जमीन वापिस ली लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि 1995 में हमारी ही सरकार ने इस गांव के लालडोरा सहित आरकलोजीकल आफ इंडिया को एएसआई को सौंप दिया और आज एएसआई ऐतिहासिक गांव को

उजाड़ने के लिए नोटिस जारी कर चुकी है। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन से एक सीधा सवाल पूछना चाहता हूं क्या हमारे स्वतंत्रता सेनानीयों का बलिदान व्यर्थ चला जाएगा, क्या उन शहीदों की कुर्बानी की कीमत जो उनके वंशजों का आज अपने ही घरों में बेदखल कर दिया जाएगा क्या यह न्याय है जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। आज उन्हीं के वंशजों को सरकार बेघर करने पर तुली हुई है और सबसे हास्यापद बात ये हैं कि तुगलकाबाद गांव हजारों साल पुराना गांव है जहां हमारे पूर्वज सदियों से रह रहे थे लेकिन एएसआई और डीडीए जो देश की आजादी के दशकों बाद बने विभाग हैं आज सत्ता के नशे में इतने अंधे हो गए हैं कि इस ऐतिहासिक गांव को अपनी जमीन बता रहे हैं। अध्यक्ष महोदय तुगलकाबाद कोई अनाधिकृत कालोनी नहीं है बल्कि हमारी धरोहर है। यह कोई अवैध बस्ती नहीं बल्कि दिल्ली का एक प्राचीन ऐतिहासिक गांव है यह हमारी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है। इसे सजोने की जरूरत है ना कि उजाड़ने की अगर सरकार नहीं रोकती तो हमें सड़कों पर उतरना पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय मैं आपसे निवेदन है मैं चाहूंगा आपकी तरफ से भी और सरकार की तरफ से भी केन्द्र सरकार का जो आरकलोजीकल डिपार्टमेंट है उससे आप बात करें, पत्राचार करें क्योंकि तुगलकाबाद को उजाड़ने का नोटिस तुरंत प्रभाव से रदद किया जाए। गांव को ऐतिहासिक धरोहर मानते हुए इसे विशेष संरक्षण दिया जाए। गांव के निवासियों को उनके पूर्वजों की जमीन पर स्थायी अधिकार दिए जाएं। अध्यक्ष महोदय, तुकलकाबाद गांव एक गांव ही नहीं बल्कि देशभक्ति का प्रतीक है। अध्यक्ष महोदय, मैं इसमें एक चीज और जानना चाहूंगा क्या कभी डीडीए ने इस तुगलकाबाद की जमीन को जिसको आरकलोजीकल ने नोटिस दिया है क्या डीडीए ने कभी उस जमीन को एक्वायर किया है मेरी जानकारी में है कि नहीं किया, उसके बाद अध्यक्ष महोदय मेरी दूसरी बात है कि क्या डीडीए

ने जब अधिगृहीत किया तो क्या गांव वासियों का मुआवजा दिया मेरी जानकारी में नहीं है तो इसलिए मैं एलजी महोदय और डीडीए से जानना चाहता हूं कि जब इस गांव की जमीन को एक्वायर ही नहीं किया, मुआवजा ही नहीं दिया तो डीडीए ने किस अधिकार से आरकियोलोजीकल को ये जमीन हैंडओवर की अध्यक्ष महोदय मेरा आपसे और सरकार से निवेदन है कि इसका संज्ञान लें और आपकी तरफ से भी और सरकार की तरफ से भी अगर इस गांव के लिए पत्राचार हो तो आपकी बहुत मेहरबानी होगी, बहुत-बहुत धन्यवाद, जय हिन्द जय भारत।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद, श्री तरविन्दर सिंह मारवाह जी।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः अध्यक्ष जी, आपका मैं धन्यवाद करता हूं कि आपने 280 पर बोलने का मुझे समय दिया। 11 साल से जो विपक्ष में लोग बैठे हुये हैं जंगपुरा विधानसभा में ना तो कोई निर्माण का काम हुआ, दिल्ली जल बोर्ड के जितने भी सीवर या नाले हैं वे सारे ब्लौक हो चुके हैं। पिछले साल भी वहां पर जंगपुरा-बी में जंगपुरा एक्सटेंशन-ए ब्लॉक में बी ब्लॉक में सी-ब्लॉक में और जंगपुरा-ए में चार-चार फुट पानी लोगों के घरों में अध्यक्ष जी चला गया है नाले बैक मार गये और उनका कम से कम नहीं तो किसी का चार लाख किसी का पांच लाख किसी का सात लाख किसी का दस लाख तक नुकसान हुआ। आज मैं अपने मंत्री जी प्रवेश जी का भी धन्यवाद करता हूं कि इन्होंने अभी जाकर दो बार नालों का दौरा किया वहां पर काम शुरू हुआ लेकिन अभी भी क्योंकि बरसात का कोई पता नहीं कब आ जाये कुदरत की देन है अगर इस बार भी बरसात आ गई तो लोगों का ये नुकसान झेला नहीं जायेगा, मेरे को कहीं अपने पास से ही ना देने पड़ जायें क्योंकि लोग त्राहि-त्राहि पिछले साल किया

इस साल में मंत्री जी को कहूंगा कि नीचे चाहे फ्लड वाले हैं चाहे पीडब्ल्यूडी वाले हैं इनको हिदायत दें पहले भी आपने हिदायत दी हैं इसकी तरफ और हिदायत देने की जरूरत है क्योंकि पानी गंदा क्योंकि किसी ने ध्यान ही नहीं दिया इसका अध्यक्ष जी। आज सबसे ज्यादा जो कम्प्लेंटें आ रही हैं वो पानी गंदे की आ रही हैं और सीवर की आ रही हैं। मैं मंत्री जी को कहूंगा कि जल्दी जो एक-एक गाड़ी हमको इनाम में दे रहे हो उसको भी जल्दी से इश्यू करवा दो क्योंकि नहीं तो कहीं ये ना हो लोग हमारे घर के आगे बैठना शुरू हो जायें क्योंकि समय बदल गया है और अध्यक्ष जी ने तो डिजिटल अब विधानसभा भी हो रही है एक मिनट में आधे मिनट में टेलिफोनों पर फट्ट टिक-टिक-टिक-टिक करके आ जाता है तो हमें भी उसी रफ्तार से काम करना है क्योंकि अगली बार भी हमको यहीं बैठना है हैं इसलिये, तो इसलिये मैं कहूंगा कि आपको मंत्री जी को थोड़ा और समय अपनी व्यवस्था से निकालना पड़ेगा। अब कम से कम मंत्री को सिर्फ चार या पांच घंटे सोना पड़ेगा क्योंकि समय है क्योंकि हमारे प्रधानमंत्री जी नरेन्द्र मोदी जी भी चार-पांच घंटे सोते हैं तो आप उनके शिष्य हो तो चार-पांच घंटे सोने से ही क्योंकि हमें ऑफिसरों के पीछे पड़ना पड़ेगा और अपनी सुख-सुविधायें छोड़नी पड़ेंगी क्योंकि अगली बार भी यहीं बैठना है हैं, वो तो अभी जब मैं बजट पर बोलूंगा ना फिर इनकी करतूतें बताऊँगा, अभी रहने दो।

माननीय अध्यक्षः चलिये, धन्यवाद।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः यह तो 280 पर है लेकिन अध्यक्ष जी दो-तीन बात आपके लिये मैं जरूर आज कहूंगा एक तो अपने साथियों को नहीं भूलते आप। राजकुमार जी आपने आज याद किया या जन्मदिन था तो ये आपकी प्रशंसा करने के लायक है। नहीं तो हमने भी अध्यक्ष देखें हैं अध्यक्ष जी, हमने भी देखे हैं लेकिन जो आप।

माननीय अध्यक्षः राजकुमार जी के बारे में सदन में जो हमने कहा है मैं सचिव महोदय से कहूंगा कि वो उनको प्रेषित जरूर कर दें क्योंकि उस समय वो उपस्थित नहीं थे, वो सदन की भावनाओं के हमने सदन की भावना थी जो हमने आपको प्रेषित की है।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः दूसरी बात मैं कहना चाहता हूं कि जो आपने, अध्यक्ष जी जो आपने जो ठपखणी खपकणी जो आपने दी है ना कि एक लैटर के बाद एक लैटर ये भी आपने बड़ी अच्छी बात आज जवाब दे दिया है क्योंकि कल जैसे ही मैं बाहर उतरा टीवी वाले ने मेरे आगे कैमरा लगा दिया। मैंने कहा क्या हो गया ऐसी कौन सी इमरजेंसी आ गई आज, कह रहे जी आपका तो बजट सिर्फ एक घंटा पढ़ा जायेगा, मैंने कहा एक घंटे में आजकल होता क्या है एक घंटे में बजट, 70 सदस्य हैं एक निकाल दो मुख्यमंत्री 69 और एक आप को निकाल दो 68, 68 को अगर दस-दस मिनट, बीस-बीस मिनट मिलेंगे दो दिन तो चलेगा। मैंने कहा अध्यक्ष जी का नाम विजेंद्र गुप्ता है वो सिर्फ तीन या चार घंटे सोता है और जब से आप 11 बजे ठीक है तो मैंने कहा वो तो दो-तीन।

माननीय अध्यक्षः चलिये अब कुलवंत जी, समय।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः एक बात लास्ट कि जो आपने एक और दो अप्रैल को और बढ़ा दी विधानसभा उसके लिये भी मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

माननीय अध्यक्षः कुलवंत राणा जी।

श्री कुलवंत राणाः अध्यक्ष महोदय धन्यवाद, अध्यक्ष महोदय माननीय शिक्षा मंत्री के ध्यान में मैं ये विषय ला रहा हूं दिल्ली टैक्निकल यूनिवर्सिटी के अंदर

शाहबाद दौलतपुर गांव में जो स्थित है कम्प्यूटर साइंस और इंजीनियर सूचना प्रोद्योगिकी और सॉफटवेयर इंजीनियरिंग के सहायक प्रोफेसर के पद के लिये ओबीसी उम्मीदवारों की नियुक्ति में अनियमितताओं और गेस्ट चयन का स्पष्टता प्रदान करें जैसा कि 14 मार्च, 2024 को प्रकाशित विज्ञापन में उल्लेख किया गया। ये ध्यान दिया जाना चाहिये कि स्क्रीनिंग टैस्ट 8 दिसम्बर, 2024 को ओबीसी उम्मीदवारों ने स्क्रीनिंग टैस्ट उत्तीर्ण किया। उसके बाद 6 जनवरी, 2025 से 11 जनवरी, 2025 तक निर्धारित ओबीसी उम्मीदवार उपस्थित दौर में भाग लिया। साक्षात्कार 8 जनवरी, 2025 से 21 जनवरी, 2025 के बीच हुआ उसके बाद ओबीसी उम्मीदवारों के साक्षात्कार में भाग लिया हालांकि किसी भी ओबीसी उम्मीदवार को अंतिम चयन सूची में चयनित नहीं किया गया जिससे ओबीसी वर्ग के प्रति भेदभाव और पक्षपात रवैये के आरोप उठ रहे हैं। मुख्य चिंता ये निम्नलिखित हैं:

भारत सरकार द्वारा निर्धारित भर्ती नियमों का उल्लंघन हुआ उसमें। ओबीसी उम्मीदवारों का चयन न होना जबकि उन्होंने सभी पात्र मानदंडों को पूरा किया। भारत सरकार द्वारा निर्धारित भर्ती नियमों और आरक्षण नीतियों का उल्लंघन प्रतीत होता है विशेष रूप से ओबीसी आरक्षण नीतियों के पालन के संबंध में है। मुख्य रूप से एक वर्ग विशेष के लोग इसमें भर्ती कर लिये गये। कोड आफ कंडक्ट लागू था चुनावों का समय था और उसके अंदर ये चयन कर लिया गया उसके बारे में मैं उल्लेख कर रहा हूं। आरक्षण मानदंडों का पालन न होना, मॉडल कोड आफ कंडक्ट का उल्लंघन, चयन प्रक्रिया विज्ञापन और दिल्ली विधानसभा चुनावों के दौरान लागू मॉडल कोड आफ कंडक्ट के तहत हुई जिसमें चुनाव अवधि के दौरान सरकारी भर्ती के संबंध में नियमों का उल्लंघन हो सकता है। पारदर्शिता

और निष्पक्षता- क्या चयन प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष थी? क्या साक्षात्कार या चयन प्रक्रिया के किसी भी हिस्से में पक्षपात की घटनाएं हुईं? विस्तुत जांच- क्या चयन प्रक्रिया में विशेष रूप से ओबीसी उम्मीदवारों के बहिष्कार के संबंध में विस्तष्टत जांच की जाएगी ताकि भारत सरकार के निर्धारित भर्ती नियमों और चुनाव के दौरान मॉडल कोड आफ कंडक्ट के पालन ये सुनिश्चित किया जा सके? समस्या- यह कदम उठाये जा रहे हैं ताकी भविष्य में ओबीसी उम्मीदवारों के लिए भर्ती प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी हो। मैं भर्ती नियमों और मॉडल कोड आफ कंडक्ट के उल्लंघन के संबंध में चयन प्रक्रिया को विस्तृत जांच के साथ व्यापक स्पष्टीकरण चाहता हूं और साथ में जो ये प्रक्रिया चयन प्रक्रिया हुई ओबीसी हो एससी हो और चाहे वो जनरल हो तो तीनों की भर्ती एक साथ होनी चाहिए जितने अनुपात में भर्ती निकली हैं जितनी संख्या में लेकिन एक वर्ग विशेष को खाली भर्ती कर लिया गया और बाकी सबको छोड़ दिया तो ये विषय जांच का है और इसके बारे में मैंने माननीय मंत्री को भी लिखित में अवगत कराया है तो इसमें जो भी दोष पाया है दोष हुआ है इसके अंदर जो गड़बड़ की है उस गड़बड़ की जांच होकर के दोबारा से ये नियुक्तियां हों ऐसा मेरा सदन के सामने आग्रह है, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री कुलदीप सोलंकी जी।

श्री राजकुमार चौहानः अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः हां जी।

श्री राजकुमार चौहानः अध्यक्ष जी, 280 में जो भी हमारे साथी विधायक लगाते हैं किसी का तो तीन-तीन बार आ रहा है किसी का एक टाइम भी नहीं

आ रहा है। एक रिक्वेस्ट की हर हाउस में एक एमएलए का ज्यादा से ज्यादा दो बार आ जाए तो कोई एक लिमिट तो होनी चाहिए अध्यक्ष जी हमारा तीन दिन से लगा रहे हैं जरूरी क्वेश्चन है आ ही नहीं रहा है।

माननीय अध्यक्षः नहीं अगर सदन अनुमति देगा तो जब दस पूरे हो जाएंगे तो हम चूंकि आज उनका जन्मदिन भी है और उन्होंने, अलाउ कर देंगे, आपको कर देंगे।

श्री कुलदीप सोलंकीः अध्यक्ष जी, आप अलाउ कर दो जी राजकुमार जी सीनियर हैं आप उनको अलाउ कर दो हम उसके बाद बोले लेंगे, आप उनको अलाउ कर दो जी।

माननीय अध्यक्षः ठीक-ठीक।

श्री कुलदीप सोलंकीः पहले राजकुमार जी को बुलवाओ उसके बाद।

माननीय अध्यक्षः ठीक है राजकुमार जी को पहले बुलवाते हैं।

श्री राजकुमार चौहानः अध्यक्ष जी, कुलवंत जी ने पार्टी मांगी है और ये तो सर हम हाउस के मेंबर हैं तो ये तो ड्यूटी आपकी बनती है और हाउस से बाहर पार्टी चाहिए तो मैं देने के लिए तैयार हूं, ठीक है न।

माननीय अध्यक्षः ठीक है एक केक की व्यवस्था की जाए। सचिव जी, एक केक का आर्डर दीजिए।

श्री राजकुमार चौहानः सर गहलौत जी कह रहे हैं कि हाउस में अगर हम पार्टी देंगे तो वो कंटेंप्ट हो जाएगा। तो सर मेरी आपसे रिक्वेस्ट कि सर आपका धन्यवाद कि आपने 280 में बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष जी मनोज

जी के क्षेत्र में नांगलोई जाट में एक हास्पिटल बन रहा है और 10-12 साल से वो हास्पिटल बन रहा है वो अभी तक कंप्लीट नहीं हुआ लेकिन हेल्थ मिनिस्टर ने कहा है कि जल्द से जल्द उसको हम लोग कंप्लीट कराएंगे। अध्यक्ष जी, जब मैं शहरी विकास मंत्री था तो हमने उसका हास्पिटल का नामकरण का हाउस के अंदर सॉरी हाउस में नहीं कमेटी में हम लोगों ने डिसाइड किया था क्योंकि ये जो यूडी मिनिस्टर होता है वो उस नेमिंग अथॉरिटी का वाइस चेयरमैन होता है और सीएम उसकी चेयर पर्सन होती है। सर वो पेपर इनकी सरकार ने जो हमने तय किया वो पेपर उसके मिल नहीं रहे तो मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से ये अनुरोध करना चाहूंगा कि खटीक समाज के बहुत बड़े संत हुए हैं संत दुर्बल नाथ जी। मैं ये चाहूंगा की पूरे भारतवर्ष में उनके नाम से कोई एक भी बिल्डिंग का नाम या किसी स्थान का नाम नहीं है तो मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आपके माध्यम से मंत्री जी उस पेपर को निकलवाएं और पेपर अगर इन्होंने बिलकुल गायब कर दिये हैं अध्यक्ष जी तो दोबारा से उनका नाम संत दुर्बल नाथ जी के नाम से किया जाए धन्यवाद आपने मुझे बोलने का मौका दिया।

माननीय अध्यक्षः श्री कुलदीप सोलंकी जी।

श्री कुलदीप सोलंकीः धन्यवाद अध्यक्ष जी, राजकुमार जी मेरा तो पहली बार ही नंबर आया है 280 में बोलने का। मैं आपके माध्यम से पूरे सदन का ध्यान एक अहम मुद्दा है वो पालम विधानसभा का ही नहीं मुझे लगता है पूरी दिल्ली का ही है। ई-रिक्शा, ई-रिक्शा पर मुझे लगता है कि हमारी जानकारी में नहीं आई की कोई पॉलिसी बनी हो। 14 साल का बच्चा भी उसको चला रहा है जी, 65 साल का एक बुजुर्ग भी उसको चला रहा है, स्पीकर लगे हुए हैं वायलेशन होता है और न ही कोई नियम मुझे लगता है की भई वो 60 फुट रोड

पर चलने चाहिए, वो आउटर रिंग रोड पर भी चल रहे हैं, रिंग रोड पर भी चल रहे हैं हर किसी रोड के ऊपर चल रहे हैं। दोनों तरफ से उतरने का रास्ता है उसके अंदर दाएं चलो, बाएं चलो कहीं से मोड़ो कहीं से न मोड़ो और देखने में ये भी आया है कि एक लाइसेंस के ऊपर 10-10 रिक्शा खरीदी गई हैं और अभी पीछे 2-3 दिन पहले कुछ सरकारी आंकड़े भी आ रहे थे कि एक लाख से ऊपर ई-रिक्शा अन-रजिस्टर्ड हैं अभी दिल्ली में तो मुझे लगता है कि दिल्ली में आने वाले समय में एक किस्म से आपदा का ही मामला हो जाएगा, रोड पर निकलना मुश्किल हो जाएगा, ट्रेफिक इतना स्लो हो गया है पहले ही की आप अपने गंतव्य तक पहुंच नहीं पाते हैं। तो सदन को, कुछ मेरे ख्याल में सबका मुद्दा होना चाहिए पूरी दिल्ली का मुद्दा है की भई इसके ऊपर कोई नियम कोई कानून बनना चाहिए कि भई कौन-कौन इसको चला सकता है। एक लाइसेंस पर कितनी रिक्शा खरीद सकता है और मुझे लगता है कि दिल्ली के भविष्य के लिए एक अच्छी चीज रहेगी। इसके ऊपर कोई संज्ञान लिया जाए। ट्रांसफर मिनिस्टर और सरकार बैठकर इसके ऊपर कुछ ध्यान दे। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष: श्री संजीव झा।

श्री संजीव झा: अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से माननीय यूडी मिनिस्टर का ध्यान अवगत कराना चाहता हूं। हमारे यहां एक बुराडी पुस्ता सड़क है। उस सड़क पर बहुत आवाजाही है। उस सड़क पर आज से छः महीने पहले एमसीडी ने लोहे की डस्टबिन बिन बीच सड़क पर रख दिया और कई जगह रख दिया। अब इससे क्या हो रहा है कि जो आने जाने वाले वाहन है। कई कार और कई बाईक एक्सीडेंट अभी तक हो चुका है। सात मौतें हो चुकी है। 125 लोग घायल हो चुके हैं। हमने इस संदर्भ में आयुक्त महोदय को और उपायुक्त महोदय को

बराबर चिट्ठी लिखा कि इस डस्टबिन को बीच सड़क पर नहीं उसके बाद हमारा यमुना का फ्लडप्लेन होता है तो पुस्ते के बगल में उसको रख दिया जाए ताकि ये एक्सीडेंट ना हो। लगातार चिट्ठी लिखने के बावजूद ना तो आजतक कोई जवाब आयुक्त महोदय का और उपायुक्त महोदय का आया। ना इस पर कोई गम्भीरता से संज्ञान लिया गया। मैं आपके माध्यम से यूडी मिनिस्टर साहब को और आपका भी इसमें संरक्षण चाहता हूं कि अगर ये नहीं हटाया जाता और आगे कोई एक्सीडेंट होती है चाहे वो किसी के डेथ हो या और कोई इन्जरी मेजर हो तो फिर एमसीडी पर एफआईआर होना चाहिए। ताकि इस तरह की गैर रवैया जो अधिकारियों का है वो अधिकारी थोडा सीरियस हो करके इस घटना पर संज्ञान ले करके काम करें। तो बस ये ही निवेदन कि एमसीडी अगर सम्भव हो तो तुरन्त उसको हटाये और बाद में फिर उसको जहां शिफ्ट करना है शिफ्ट करे और नही।तो उस पर कड़ी कार्रवाई हो। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री प्रद्युमन सिंह राजपूत

श्री प्रद्यूम्न सिंह राजपूतः माननीय अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से मैं माननीय पीडब्ल्यूडी मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। सागरपुर पंखा रोड जो कि काफी व्यस्त रोड है। यहां से आने जाने वाले वाहनों की संख्या भी बहुत है। रोड के एक ओर काफी आबादी है जहां लाखों लोग रहते हैं और उसके साथ ही इंस्टीट्यूशनल एरिया है जहां बैंक है, कॉलेज है और कॉमर्शियल हब है। अध्यक्ष जी वहां हमेशा हर वक्त जाम लगा रहता है। एक बड़ा बस स्टैंड है जहां सागर पुर की आबादी बस पकड़ती है और हर वक्त जाम लगा रहता है। रोड क्रॉस करने में भी वहां दिक्कत आती है। तो माननीय मंत्री जी से मैं ये कहना चाहता हूं कि जब पंखा रोड पुल से उतरते हैं तो उसके बाद से रेड लाईट शुरू

हो जाती है और डेसू कालोनी माता मंदिर तक छोटे से पैच के अंदर ही लगभग तीन रेड लाईट है। जब तक वो तीन रेड लाईट नहीं हटेंगी तो वहां पर स्थिति ठीक नहीं हो सकती। वहां हर वक्त जाम रहता है और सुबह और शाम के समय तो वहां पर आधा–आधा घंटा, चालीस–चालीस मिनट वहां लगते हैं। आसपास की जो विधान सभा है उसके बीच में होकर रास्ता जाता है। चाहे हरिनगर विधान सभा हो चाहे जनकपुरी हो, चाहे द्वारका विधान सभा हो। तो माननीय मंत्री जी से मैं इस बारे में कहूंगा कि पिछली सरकारों ने तो काम किया ही नहीं है लेकिन पिछले कई सालों पहले ये काम हो जाना चाहिए था जो अब तक नहीं हो पाया। ये काम होने से वहां लाखों लोगों को इसका लाभ मिलेगा। इस काम को जल्दी कराया जाये। धन्यवाद।

माननीय सभापतिः अब ये जो पांच नाम जो और है हमारे पास मैं पढ़ देता हूं तो श्री अशोक गोयल, श्री गजेन्द्र दराल, श्री अभय वर्मा जी, श्री सतीश उपाध्याय जी, श्री सुरेन्द्र कुमार जी। जितने लोग बोल पायेंगे। श्री अशोक गोयल जी।

श्री अशोक गोयलः माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे 280 पर बोलने का मौका दिया। माननीय अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का ध्यान पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन का नये सिरे से नामांकरण करने के लिए आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। दिल्ली का दिल है चांदनी चौक और चांदनी चौक का दिल है व्यापार और व्यापार का दिल है वैश्य अग्रवाल समाज। शताब्दियों से पुरानी दिल्ली स्थित चांदनी चौक दिल्ली की अर्थव्यवस्था और संस्कृति का आधार स्त्रंभ रहा है। पुरानी दिल्ली के वैश्य अग्रवाल समाज ने न केवल सरकार को टैक्स देकर दिल्ली और

भारत सरकार के खजाने को भी भरने का कार्य किया है। वैश्य अग्रवाल समाज ने अनेकों मंदिर धर्मशाला, अस्पताल, अनाथालय, वृद्धाश्रम इत्यादि बनाकर सर्व समाज सेवा का कीर्तिमान स्थापित किया है। महाराजा अग्रसेन के वंशजों ने रामलीलाओ, राम कथाओं, भागवत कथाओं व अनेकों माध्यम से सनातन संस्कृति के संरक्षण का भी कार्य किया है। अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय मंत्री जी से विनम्र निवेदन करता हूं कि दिल्ली के प्रसिद्ध रेलवे स्टेशन पुरानी दिल्ली का नाम मर्यादा पुरूषोतम भगवान श्री राम के वंशज महाराजा अग्रसेन जी के नाम पर, महाराजा अग्रसेन पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन रखा जाये और इसके लिए जो भी आवश्यक प्रक्रिया हो उसको जल्द पूरा किया जाये। क्योंकि जब भी हम किसी स्थान पर जाते हैं और उसके नाम से हमें प्रेरणा मिलती है। महाराजा अग्रसेन जी के जो सिद्धान्त थे, अहिंसा और समाजवाद आज हमें उसकी उससे भी ज्यादा आवश्यकता है। इसलिए मेरा आपसे विनम्र निवेदन है कि इसके लिए जल्द से जल्द प्रक्रिया पूरी की जाए।

माननीय अध्यक्षः श्री गजेन्द्र दराल।

श्री गजेन्द्र दरालः धन्यवाद आदरणीय अध्यक्ष जी। मैं माननीय मंत्री श्री प्रवेश वर्मा जी के संज्ञान में दो तीन विषय लाना चाहता हूं और उससे पहले मैं इनका धन्यवाद करना चाहता हूं कि इन्होंने रोहतक रोड पर जो जल भराव की सबसे बड़ी समस्या पिछले साल भी रही। उसका निरीक्षण करके और उसे नाले को एक नई गति नई दिशा और सुचारू रूप से उसका काम चल रहा है इसमें मेरे माननीय लोकसभा के सांसद श्री जोगिन्दर चन्दोलिया जी भी दो तीन बार विजिट कर चुके, उनका भी मैं धन्यवाद करता हूँ। मैं माननीय मंत्री जी के संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि घेवरा मोड़ से लेकर जो नरेला वाला रोड है, उस रोड

की ऐसी हालत और साथ में उस पर जो नाले बने हुए हैं पीडब्ल्यूडी के वो देखने में ऐसे लगते हैं कि पिछले लगभग 10-11 साल से ना उनके स्लैब हटे ना उनकी सफाई हुई और लोगों को हमसे बहुत उम्मीद हैं कि इस बार के मानसून सत्र में उस रोड के ऊपर कोई जलभराव न हो, यातायात सुगम तरीके से चले। उसके लिए एक बार रोहतक रोड जो शुरु होता है नरेला वाला रोड वहां से लेकर के कंझावला चौक तक उन दोनों नालों की सफाई और उस रोड की मरम्मत और उसके बाद, क्योंकि मैं आपको बता दूं कि मेरी विधानसभा लगभग 30 किलोमीटर के क्षेत्र को टटेसर गांव से लेकर और चन्द्रविहार तक तो टटेसर गांव से लेकर जैन नगर तक जो पीडब्ल्यूडी का रोड है उस पर भी यही हालत लगातार जो नाले हैं उनकी डीसिलटिंग, उनकी गाद नहीं निकाली गयी। अगर हमारे विपक्ष के जो बड़े-बड़े दावे करने वाले लोग बैठे होते तो उनको बताते कि पिछले 10 साल में आपने क्या कारगुजारियां की और जो लोगो के विकास के हिस्से का जो पैसा था वो आपकी तिजौरियों में कैसे बंद हुआ है। वो शायद शर्मसार होते तो इसीलिए वो इतनी जल्दी-जल्दी यहां सदन से बाहर निकलते हैं। दूसरा मैं आज ये भी कहना चाहूंगा कि मानसून सत्र बहुत नजदीक है मानसून आने वाला है। तो अपने माननीय मंत्री जी से कहूंगा कि लगभग तीन या चार गांव में रानीखेड़ा, रसूलपुर, मदनपुर और घेवरा की जमीन जो किसानों की जमीन है। वो पानी के जल भराव के कारण उस जमीन को नहीं जोत पाते और वहां से एक ड्रेन जाती है, मदनपुर ड्रेन उस मदनपुर ड्रेन की कभी "लड वालों ने सफाई नहीं की जिसके कारण जो खेतों का लेवल है वो नींचा आ गया और नहर का ऊँँचा। वो पानी जा ही नहीं पाता नहर के अंदर। तो एक तो उस नहर की सफाई करवाई जाए और साथ में जो किराड़ी सुलेमान ड्रेन है, जो कॉलोनियों के बीच से होकर गुजरती है और बारिश के दौरान वो पूरा जल सारा

का सारा कॉलोनियों के अंदर प्रवेश कर जाता है। तो हमें अपनी इस जनता को जो हम अपने मंच के माध्यम से उन लोगों के बीच में एक विश्वास जताकर इस सदन के अंदर पहुँचे हैं तो मैं उनसे ये भी कहूँगा कि उस केएस ड्रेन की भी सफाई कराकर और हमें अपनी जनता को वो विकास की डगर देनी है। साथ में एक मंगसपुर ड्रेन है, वो भी लगभग मेरे विधानसभा के 7-8 गांव को जोड़ती है, जिसमें जोंती, टटेसर, लाडपुर अपना सावधा और निजामपुर तो उस ड्रेन की भी अगर सफाई हो जाए तो इन गांवो को भी जल भराव से मुक्ति मिल सकती है और मैं साथ में अपने माननीय मंत्री जी से ये कहूंगा कि धरती पुत्र स्वर्गीय डॉ. साहिब सिंह वर्मा जी ने जो गांवों को आपस में जोड़ा जो एप्रोच उन्होंने बनाये, और उनके बाद उन रोडों पर किसी ने ध्यान ही नहीं दिया, लेकिन आज हम सब उनके आशीर्वाद से भारतीय जनता पार्टी आज बड़े बहुमत से दिल्ली के अंदर है और उन गांव के अंदर उन लोगों का फिर से विश्वास जीतने के लिए और उनको एक नया आयाम देने के लिए हमें उन रोडों को फिर से अच्छा बनाकर और हम उसको सुगम बना सकें यातायात को और मुझे बोलने का मौका दिया। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष: श्री अभय वर्मा जी।

श्री अभय वर्मा: धन्यवाद अध्यक्ष जी। आदरणीय अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से दिल्ली सरकार के माननीय स्वास्थ्य मंत्री महोदय का ध्यान लक्ष्मीनगर विधानसभा क्षेत्र के मंडावली सब्जी मंडी स्थित डिस्पेंसरी की और आकर्षित करना चाहता हूँ। अध्यक्ष जी कोविड काल के दौरान इसी हाउस में मैंने मंडावली में पॉलीक्लिनिक बनाने की मांग रखी थी और दो साल यानि कि 2022 में इसी सदन से अवगत कराया गया कि आपके यहां जो मंडावली में डिस्पेन्सरी है

उसको तोड़कर हम वहां पॉलीक्लिनिक बनायेंगे। उस समय मैंने क्षेत्र में लोगों को बताया कि हमारी मांग पूरी हो गयी है और बहुत जल्द पॉलीक्लिनिक बनने वाला है। सरकार के नुमाइंदे आये और 2022 में उस डिस्पेन्सरी को डिमोलिस कर दिये। ये कहते हुए कि यहां पॉलीक्लिनिक बनने वाला है और आज 2025 हो गया वो वैसे ही डिस्पेन्सरी डिमालिस है जो एक डिस्पेन्सरी गरीब लोगों के लिए था वो आते थे इलाज कराते थे दवाई लेते थे वो भी मुझसे छीन लिया गया और एक दुर्भावना के साथ 3 साल पॉलीक्लिनिक बनाने का काम को रोक कर रखा गया। अब मैं माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी के माध्यम से ये चाहता हूँ कि जल्द से जल्द जो लंबित पॉलीक्लिनिक है जो उस तोड़े हुए डिस्पेन्सरी के जगह पर बनना है जल्द से जल्द बनवायें और सर एक काम और हुआ। इस डिस्पेन्सरी को तोड़ने के बाद इसको इस डिस्पेन्सरी को तीन हिस्सा करके तीन-तीन, चार-चार किलोमीटर दूर भेज दिया गया ताकि लक्ष्मी नगर मंडावली के लोगों को स्वास्थ्य सहायता ना मिल सके। तो कम से कम इस दोषपूर्ण कार्रवाई के कारण जो तीन साल में प्रताड़ित रहा हूँ अपने क्षेत्र के लोगों के द्वारा, इस काम को जल्द से जल्द पूरा कराया जाए ताकि मंडावली के लोगों को सुलभ और अच्छा स्वास्थ्य केंद्र मिल सके। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननयी अध्यक्षः सदन की कार्यवाही 2 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

(सदन की कार्यवाही अपराह् 2 बजे तक के लिए स्थगित की गई।)

सदन पुनः अपराह्न 02:03 बजे समवेत हुआ।

*माननीय अध्यक्ष **(श्री विजेन्द्र गुप्ता)** पीठासीन हुए।*

माननीय अध्यक्षः अभय जी।

श्री अभय वर्माः अध्यक्ष जी धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय मैं आपकी अनुमति से निम्नलिखित प्रस्ताव प्रस्तुत करना चाहता हूं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः एक बार ये ईशू पूरा हो जाये। हाँ।

श्री जरनैल सिंहः अध्यक्ष जी, हमारे तीन साथियों को आपने निष्कासित किया है।

माननीय अध्यक्ष महोदय का वक्तव्य

माननीय अध्यक्षः हाँ, वो मैंने एक मिनट। अभी विपक्ष के सदस्यों का एक डेलिगेशन स्पीकर ऑफिस में मिलने आया था और उन्होंने रिक्वेस्ट की थी कि जो तीन मैम्बर्स जिनको आज हमने सुबह सदन की कार्यवाही से निष्कासित किया था उनको वापिस सदन में आने की अनुमति देने का आग्रह था। तो in anticipation मैंने अलाओ कर दिया था और साथ में उनको भोजन के लिए भी आमंत्रित कर लिया था। तो उनका निष्कासन समाप्त है और वो अब सदन में आ सकते हैं।

श्री जरनैल सिंहः धन्यवाद, अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्यों अभी एक महत्वपूर्ण मामले की तरफ सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। उसके बाद इस मामले पर फिर हमारे माननीय सदस्य अभय वर्मा जी एक प्रस्ताव रखेंगे। छठी और सातवीं विधानसभा की समितियों के अधूरे कार्य के संबंध में विचार करना। माननीय सदस्यगण, 04 दिसंबर 2024 को आयोजित बैठक में, सातवीं विधानसभा ने तीन प्रस्ताव पारित

किए गए थे कि विषेशाधिकार समिति, याचिका समिति और प्रष्न एवं संदर्भ समिति के अधूरे कार्यों की जांच नियम–183 के तहत आठवीं विधानसभा की संबंधित समितियों द्वारा की जाए। यानि कि उसको carry forward किया गया था। सातवीं विधान सभा में 04 दिसंबर 2024 को विषेशाधिकार समिति, याचिका समिति और प्रष्न एवं संदर्भ समिति के अधूरे कार्यों की जांच नियम–183 के तहत, आठवीं विधानसभा की सम्बन्धित समितियों द्वारा की जाये। नियम–183 के तहत विधानसभा के भंग होने से पहले किसी भी समिति के अधूरे कार्य को नई विधानसभा की समिति को भेजा जा सकता है। छठी और सातवीं विधानसभा के भंग होने के समय विधानसभा ने इन तीनों समितियों के अधूरे कार्य को आगे बढ़ाने का प्रस्ताव पारित किया था। मैंने समिति के समक्ष लंबित सभी मामलों की जांच की और इस निश्कर्श पर पहुंचा कि इन मामलों को आगे नहीं बढ़ाया जाना चाहिए था। छठी विधानसभा के 59 मामले और सातवीं विधानसभा के 69 मामले विषेशाधिकार समिति द्वारा लंबित रखे गए थे। नियम–223 के अनुसार विषेशाधिकार समिति को आम तौर पर एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट दे देनी चाहिए। अधिकतर षिकायतें तत्कालीन सत्तारूढ़ दल के सदस्यों द्वारा दिल्ली सरकार के अधिकारियों के खिलाफ दर्ज की गई थीं। आदर्ष रूप से, यह षिकायतें वास्तविक होतीं तो समितियों को इन मामलों की जांच करनी चाहिए थी और सदन को रिपोर्ट करनी चाहिए थी। हालाँकि, इनको समिति के तत्कालीन सदस्यों ने जिन कारणों से लंबित रखा था, उन कारणों का उन्हें ही ज्यादा पता था। इसी तरह, याचिका समिति के पास छठी विधानसभा के 107 मामले और सातवीं विधानसभा के 72 मामले लंबित थे। प्रष्न एवं संदर्भ समिति में भी सातवीं विधानसभा के 04 मामले लंबित हैं। इन समितियों में दिल्ली सरकार के अधिकारियों को निषाना बनाने का प्रयास किया गया। इन समितियों के समक्ष कुछ मामले वर्ष 2016 से

लंबित है और उनकी जांच के लिए कोई मीटिंग नहीं हुई। यानि कि 2016 से लम्बित थे और 08 साल में कोई उस पर कार्रवाई भी नहीं हुई। कुछ अधिकारियों ने न्यायालयों से संरक्षण मांगा और इनमें से 08 केस अब दिल्ली उच्च न्यायालय में हैं। मुझे लगता है कि आठवीं विधानसभा की समितियों को साफ-सुथरी स्थिति से ष्ुारुआत करनी चाहिए और ऐसे मामलों में नहीं उलझना चाहिए जो प्रेरित प्रतीत होते हैं। हमें इस बात पर विचार करना चाहिए कि अधिकारियों, जिनमें से कुछ अब सेवानिवृत्त हो चुके हैं, उनको तनाव में रखना विधानमंडल या उसकी समितियों को ष्ाोभा नहीं देता। इसलिए मैं सदन से अनुरोध करता हूं कि वह इस पर विचार करें कि इन मामलों को आगे बढ़ाया जाना चाहिए या छोड़ दिया जाना चाहिए। मुख्य सचेतक श्री अभय वर्मा ने इस संबंध में प्रस्ताव पेष करने के लिए नोटिस दिया है। अब श्री अभय वर्मा जी इस संबंध में अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे और अपना वक्तव्य देंगे।

नियम-107 के अन्तर्गत प्रस्ताव

श्री अभय वर्माः धन्यवाद अध्यक्ष जी। अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से निम्नलिखित प्रस्ताव प्रस्तुत करना चाहता हूँ। चूँकि 04 दिसंबर 2024 को आयोजित अपनी बैठक में सातवीं विधानसभा ने तीन प्रस्ताव पारित किए थे, विषेशाधिकार समिति, याचिका समिति और प्रष्न एवं संदर्भ समिति के अधूरे कार्यों की जांच आठवीं विधानसभा की संबंधित समितियों द्वारा नियम-183 के अंतर्गत की जाए। जबकि, नियम-183 के अंतर्गत प्रावधान का उपयोग बहुत कम और केवल महत्वपूर्ण मामलों में किया जाता है, जहाँ समिति सदन के भंग होने से पहले काम पूरा नहीं कर सकती। जबकि, अधिकांष लंबित मामलों की या तो समितियों द्वारा जांच ही नहीं की गई या उन्हें कई वर्शों तक कोई रिपोर्ट प्रस्तुत किए बिना लंबित रखा गया जबकि, दिल्ली सरकार के अधिकारियों से जुड़े कुछ

मामलों के कारण दिल्ली उच्च न्यायालय में केस भी दायर हुए थे। अतः यह सदन निर्णय लेता है कि छठी और सातवीं विधानसभा के दौरान विषेशाधिकार समिति, याचिका समिति और प्रष्न एवं संदर्भ समिति को भेजे गए लंबित मामलों पर आगे कोई कार्रवाई नहीं की जाए और इन्हें निपटाया हुआ माना जाए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष: श्री अभय वर्मा द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव सदन के सामने है।

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता, प्रस्ताव स्वीकार हुआ।

वार्षिक बजट 2025-26 पर चर्चा। अब श्रीमती रेखा गुप्ता माननीया मुख्यमंत्री द्वारा दिनांक 25.03.2025 को प्रस्तुत वार्षिक बजट पर आगे चर्चा होगी। अब सदस्य चर्चा में भाग लेंगे। सुश्री पूनम भारद्वाज जी।

वार्षिक बजट (2025-26) पर चर्चा

श्रीमती पूनम शर्मा: माननीय अध्यक्ष जी और यहां पर उपस्थित सभी सम्मानित सदस्यगणों को प्रणाम करती हूं, नमस्कार करती हूं। आज जब मैं इस सदन में खड़ी हूं तो मेरा दिल हमारे यशस्वी माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के उस संकल्प को याद करते हुए गर्व से भर उठता है जिसमें उन्होंने विकसित दिल्ली का सपना देखा था। यह वही संकल्प है जो आज हमारी माननीया श्रीमती रेखा गुप्ता जी ने नेतृत्व में एक लाख करोड़ के इस ऐतिहासिक 2025 और 26 बजट के रूप में साकार हो रहा है। मैं पूनम शर्मा इस विधान

सभा की सबसे कब उम्र की महिला विधायक पहली बार यहां बोल रही हूं। यह मेरे लिए सिर्फ एक मौका नहीं बल्कि उस क्रान्ति का हिस्सा बनने का गर्व है जो दिल्ली को नई ऊंचाईयों पर ले जा रही है। यह बजट विकसित दिल्ली के लिए पर मेरा गर्व का प्रतीक है और मैं गर्व से कह सकती हूं कि मैं इस सरकार का हिस्सा हूं जो दिल्ली के सपनों को साकार कर रही है। अध्यक्ष जी, यह बजट पिछले साल से 31.5 प्रतिशत बढ़ा है यह सिर्फ आंकड़ा नहीं बल्कि हर दिल्लीवासी की उम्मीदों का जवाब है। यह हर उम्र, हर वर्ग, युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गो और हमारे व्यापारी भाई बहनों के लिए खुशहाली का बजट है। आज मैं आपको बताना चाहती हूं कि यह बजट कितना शानदार और यह कैसे दिल्ली को नई पहचान दे रहा है। अध्यक्ष जी, इस बजट में शिक्षा पर 19,291 करोड़ का प्रावधान है। एक युवा विधायक के तौर पर मैं जानती हूं कि पढाई कितनी जरूरी है। नई सीएम श्री स्कूल नरेला में शिक्षा हब के लिए 500 करोड़ और गरीब बच्चों को मुफ्त लेपटॉप के लिए 750 करोड़ यह सब देखकर लगता है कि हमारे बच्चे अब सपने देखने से डरेंगे नहीं। यह मुझे अपने भाई-बहनों के लिए उम्मीद देता है स्वास्थ्य के लिए 6,874 करोड़ रूपये दिये गए है। आयुष्मान भारत से हर परिवार को पांच लाख का बीमा चार सौ नए आरोग्य मंदिर और 24 खराब अस्पतालों को ठीक करने के लिए एक हजार करोड़। सोचिए उस माँ की आंखों की चमक जो अपने बीमार बच्चे के लिए चिंता करती थी कि यह बजट हर आहट को सुन रहा है। महिलाओं के लिए, महिलाओं के लिए यह बजट मेरे दिल के सबसे करीब है। महिला समृद्धि योजना 5,100 करोड़ बहन को 2,500 रूपये महीना मिलेगा। गर्भवती महिलाओं को 210 करोड़ से पोषण और मदद और 50 हजार से सीसीटीवी से उनके सुरक्षा। एक महिला विधायक के तौर पर मैं कह सकती हूं कि यह बजट मेरी बहनों की ताकत है। बुजुर्गो के लिए

10 हजार 47 करोड़ का इन्तजाम है। पेंशन तीन हजार हुई और 100 अटल कैन्टीन से उन्हें सस्ता खाना मिलेगा। मेरे दादा–दादी की तरह हर बुजुर्ग के चेहरे पर मुस्कान देखना मेरा सपना था। यह बजट उसको सच कर रहा है। अध्यक्ष जी, अब बात करते हैं हमारे व्यापारी भाईयों की कि मैंने हमारे माननीय सांसद श्री प्रवीण खंडेलवाल जी से एक बात सीखी है कि व्यापार बढ़ेगा तो देश बढ़ेगा। दिल्ली की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है इस बजट में सड़कों और मैट्रो के लिए 28 हजार करोड़ का सुनिश्चित किया है जो व्यापार को गति देगा। पांच हजार इलैक्ट्रोनिक बसों की कनैक्टिविटी बढ़ेगी। जिससे बाजारों तक पहुंचना आसान होगा। यमुना सफाई के लिए 500 करोड़ और साफ पानी के लिए 09 हजार करोड़ से दिल्ली का माहौल बेहतर होगा। जो पर्यटन और बढ़ावा देगा। अन्तराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल के लिए 30 करोड़ से दिल्ली दुनिया के नक्शे पर चमकेगी और इससे हमारे व्यापारियों को नये अवसर प्रदान होंगे। यह बजट दिल्ली के व्यापार को नई ऊंचाईयों पर लेकर जायेगा और हमारे व्यापारी भाई बहन इसका सबसे ज्यादा लाभ उठायेंगे। माननीय अध्यक्ष जी, यह बजट सिर्फ पैसों का हिसाब नहीं बल्कि भावनाओं का समुद्र है। यह दिल्ली को नई पहचान दे रहा है। मैं जब विधायक बनी थी तो सोचा था कि दिल्ली को बेहतर बनाने में अपनी छोटी सी भूमिका निभाऊंगी। आज मैं आपको कहना चाहती हूं कि आज दुनिया के अंदर कुछ ऐसे लोग है जो महफिल में बदनाम करते हैं, महफिल में बदनाम करते हैं और अकेले में सलाम करते है। क्योंकि बहुत से ऐसे सम्मानित मेरे भाई यहां विधायकगण बैठे हैं। जिस दिन माननीय श्रीमती रेखा गुप्ता जी ने बजट पेश करा तो उनके दिलों में इतनी खुशी थी, कहीं ना कहीं पार्टी की वजह से दबाव में थे। बाहर निकलकर उन्होंने कहा कि हम क्या बोलें। सुपर बोले, एक्सीलेंट बोलें, amazing बोलूं, उत्तम बोलूं, उम्दा बोलूं कि भव्य शानदार हमारी माननीय मुख्यमंत्री

जी ने पेश करा है। जो पिछले दस सालों के अंदर इनकी सरकार ने नहीं पेश करा था। कहीं ना कहीं उनको अंदर अपने भावहीन, अंदर से उनकी आत्मा कचौट रही थी कि हमारी भी दिल्ली में दस साल पहले सरकार थी, अगर ऐसा उम्दा amazing बजट हम लोग लेकर आते तो शायद हम लोग विपक्ष में ना बैठे होते। तो कहीं ना कहीं इनकी मजबूरी रही। क्योंकि इनका जो मुखिया था वो इनको बोलने का मौका, इन्होंने कभी दिया नहीं। आज श्रीमती रेखा गुप्ता जी का यह बजट देखकर लगता है कि मैं उस बड़ी क्रान्ति का हिस्सा हूं जो हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को विकसित दिल्ली के सपने को सच करेगी। यह मेरे लिये गर्व और खुशी का विषय है।

(समय की घंटी)

श्रीमती पूनम शर्मा: मैं अपनी सरकार को दिल से सलाम करती हूं। उन्होंने ऐसा बजट दिया जो हर दिल को छू जाये। यह सिर्फ नींव नहीं बल्कि दिल्ली के सुनहरे भविष्य का पहला कदम है। आईये आप हम सब मिलकर इसको साथ में मिल कर साकार करें। धन्यवाद। जय हिन्द। जय भारत। जय दिल्ली।

माननीय अध्यक्ष: सभी माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि समय का ध्यान रखना होगा। क्योंकि बजट पर विस्तार से चर्चा होगी और आज हम बजट पर ही चर्चा करेंगे सदन में थ्रू आउट। तो समय का ध्यान रखना है और बोलने वाले सदस्यों की संख्या अधिक है। माननीय सदस्य श्री तरविन्दर सिंह मारवाह।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाह: अध्यक्ष जी आपने समय दिया बजट पर लेकिन देर से दिया है। चलो कोई बात नहीं क्योंकि आप भी अध्यक्ष जी सबसे पहले तो जो नरेन्द्र मोदी जी ने वादे किये थे, अपनी पब्लिक मिटिंगों में उनको हमारी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी ने इस तरह सिरे चढ़ाया कि मैं तो 100 में से 100 नम्बर

इनको दे रहा हूं। वो इस लिए दे रहा हूं कि विपक्ष ने सोचा था कि पहली बार मुख्यमंत्री बनी है, काउंसलर से एमएलए बनी है, क्या बजट लेकर आयेंगे। लेकिन जिस तरह महारानी लक्ष्मी बाई ने अंग्रेजों से टक्कर ली थी उसी तरह दिल्ली में जो माहौल बना हुआ था उसके लिए रेखा गुप्ता जी ने एक अवतार लिया है दिल्ली के लिए कि दिल्ली में हम लोगों को परेशान नहीं होने देंगे। आजख़

...(व्यवधान)

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः देखो बीच में मत बोलो। पहले कह रहा हूं। कहीं ऐसा ना हो वहां ना आना पड़े।

माननीय अध्यक्षः नहीं-नहीं मुझसे बात करें। तरविन्दर जी, मारवाह जी।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः पहले कह रहा हूं। ना हम बोले हैं ना आप बोलो। पहले कह रहा हूं।

माननीय अध्यक्षः आप चेयर से बात करिये। आप भी और आप भी। पक्ष-विपक्ष चेयर को सम्बोधित करिये।

...(व्यवधान)

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः अध्यक्ष जी फिर बार-बार। आपने कितनी बार रूलिंग कर दी। अभी आपने माफ भी कर दिया तीन को। अध्यक्ष जी मैं अब आगे चलता हूं क्योंकि समय नहीं खराब करना। इनके पांच विधायकों ने कुलदीप, संजीव झा और सुरेन्द्र जी ने बोला, अनिल झा ने नाटक करके बोला। पता ही नहीं लग रहा था बोल क्या रहा था। कुछ समझ तो आये, कभी यमुना पर ले गया, कभी नहीं ले गया। अभी जी देखो, बजट आया है एक लाख करोड़ का, आप सुझाव दो उसमें। आप पिछले खींचातानी ना करो। अगर दिल्ली में जनता के

पक्ष में हो तो उस में सुधार दो। एक व्यक्ति ने भी विपक्ष के जो हमारे भाई है अब भाई कह दूं कि नहीं। पहले कह रहे हो पूछ लो। क्योंकि भाई पर भी ऐसे ही चर्चा रही। भाई पर भी चर्चा रही सुबह आधा घंटा हुआ है खराब हुआ है भाई पर। बोल दूं ना, ठीक है। मेरे भाईयो आपने सिर्फ ध्यान आपका अभी भी दो महीने से घूम रहा है। वो हमारा बोस तो बातें करता था कि अबके 55 लेकर आयेंगे। 45 से 48 हुए 50 लेकर आयेंगे। उसके बाद दो चार हमारों में से गद्दार भी थे उनको खींच लिया। अब हमारे 55 हो जायेंगे। ये इनके दिमाग में अभी तक वो ही घूम रहा है। लेकिन दिल्ली की जनता ने इनको बता दिया कि झूठ बोलना पाप है और जो झूठ बोलने वाला बड़ा घड़ा था। मैं घड़ा कहूंगा केजरीवाल को, वो दो महीने से लापता है। उसकी एफआईआर कराओ। एफआईआर कराओ। है कहां। दिल्ली वाले ढूंढ रहे हैं, दिल्ली वाले ढूंढ रहे हैं, दिल्ली वाले ढूंढ रहे हैं क्योंकि अब आपकी जिम्मेवारी खत्म हो गई है।

(समय की घंटी)

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः आज, आज दस वर्षो में दिल्ली को बेहाल कर दिया। दिल्ली को ऐसा कर दिया जैसे कोई पुराना मकान होता है ना अध्यक्ष जी। एक व्यापारी के पास पाक अपना बड़ा पुराना खंडर मकान था। उसने कहा बेच दूं यार किसी तरह क्योंकि वो उससे जान छुटाना चाहता था तो उसने बेच दिया। जिसने लिया जहां जा रहा है जिस चीज़ को उठा रहा है खींच रहा है वो खंडर मकान उसी चीज़ को खींचता है गिर जाती है। इसी तरह दिल्ली को भी खंडर कर दिया है। जहां पर हम हाथ डालते हैं सीवर में हाथ डालो तो पता लगता है छः महीने से सीवर की सफाई ही नहीं हुई। अगर मैं अभी छः महीने इस लिए कह रहा हूं बड़ा होता है सीवर का...

माननीय अध्यक्षः थोडा समय का ध्यान रखना।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः देखो समय पर अध्यक्ष जी आपने यहां पर आधा-आधा घंटा दिया है।

माननीय अध्यक्षः नहीं-नहीं।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः मैं नोट करता हूं। नहीं-नहीं। मैं आपका क्योंकि आप मेरे सहपाठी हो इसलिए मैं नहीं कहूंगा। मैं इस बात पर नहीं जाऊंगा। छः महीने इस लिए कह रहा हूं क्योंकि सफाई रोज हो जानी चाहिए सीवर की। अगर आज सीवर बंद हुआ है तो कल उसको छः घंटे में सफाई होनी चाहिए। पानी जहां देखो, जिस तरह वो मकान जो था कुड़ा करकट था उसी तरह को कूड़ा करकट कर दिया। पानी जहां देखो गंदा और हैरानगी की है अध्यक्ष जी, जो इन्होंने ट्यूबवैल लगाये थे। ये अगर मेरी बात पर सहमत हो तो सच बोलना उनको छः-छः महीने मशीन नहीं मिली अध्यक्ष जी। आज भी ट्यूबवैल खुद गए हैं। पिछली गर्मी निकल गई अभी तक मशीनें नहीं डली है कई जगह। ये हालत दिल्ली की अध्यक्ष जी इन्होंने की है। हमारी मुख्यमंत्री जी प्रधानमंत्री जी का जो संदेश है मूलमंत्र है, 'सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास' के सिद्धांत पर चलते हुए दिल्ली को मुख्यमंत्री ने विकसित दिल्ली बनानी है ये हमारा प्रण है। दस वर्षो में जहां पर एक बार सड़क टूट गई, वहां पर दोबारा सड़क नहीं बनी समझ लो।

(समय की घंटी)

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः जो हम लोग जब एमएलए थे, जो सड़क बनाकर गए थे वही सड़क वहां पर उसी तरह है। दूसरी यमुना पर बड़ी बात कर

रहे थे। मैं हर प्वाइंट पर आऊंगा। यमुना में क्यों लोगों ने आपको उधर बैठाया है। बार-बार यमुना के झूठ बोला यमुना पर अब की साफ कर देंगे, अब की साफ कर देंगे और आठ हजार करोड़ रूपया यमुना पर भी पता नहीं लगा गया कहां है। आठ हजार करोड़ अध्यक्ष जी। लेकिन नीयत साफ नहीं थी। हम जब जीतकर आये हमारी मुख्यमंत्री जी ने उसी टाइम आदेश दिया। चाहे हम कहते हैं थोड़ा-थोड़ा काम हो रहा है। काम तो अध्यक्ष जी शुरू हो गया ना। काम तो शुरू हो गया ना और मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि यमुना के लिये जो 500 करोड़ दिया है। हम जल्दी से जल्दी यमुना और मुझे उम्मीद है यहां छठ पूजा वाले भी बैठे हुए हैं कि हम वहां पर पिछली बार तो छठ पूजा पर डुबकी लगी नही। ये हमारा चीफ व्हीप भी छठ पूजा मनाई है, है ना। पिछली बार तो डुबकी लगी नहीं इस बार हमारी मुख्यमंत्री जी छठ मैया की पूजा पर छठ वालों को वहां पर डुबकी लगवायेंगे ये मैं बताना चाहता हूं।

माननीय अध्यक्षः चलिए धन्यवाद।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः धन्यवाद किस चीज का।

माननीय अध्यक्षः हो गया।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः अरे दो प्वाइंट नहीं बोले अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः आपका समय पूरा हो चुका है।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः अभी तो दो मिनट बोला हूं, अध्यक्ष जी। तीन मिनट बोला होऊंगा। ये क्या बात है।

माननीय अध्यक्षः ये मेरे पास स्टॉप वॉच चल रही है।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः हाँ–हाँ वो चल रही है मैं भी देख रहा हूं।

माननीय अध्यक्षः चलिए कोई भी सदस्य जो है ना। अब आप इसको कन्क्लूड करिये।

श्री कुलवंत राणाः अध्यक्ष जी प्वांइट बना रखे हैं, प्वांइट बना रखे हैं।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः अध्यक्ष जी पहली बार तो मैं प्वाइंट बनवाकर लाया हूं। अध्यक्ष जी और सुनो सबसे बड़ी बात इनकी क्योंकि एक्सपीरियंस नहीं था ना कभी बजट, आप उठा लो कभी बजट कम नहीं होता। पहली बार हुआ 2023–24 में बजट 78 हजार 800 करोड़ का और 2024–25 में बजट 76 हजार का। अध्यक्ष जी 2800 करोड़ बजट कम कर दिया। उन लोगों की क्या सेवा करेंगे। क्या सेवा करेंगे। इसीलिए मैंने कहा ना ट्यूबवैल के लिए मशीन नहीं। झुग्गियों में डूसिब के लिए फंड नहीं। दिल्ली जल बोर्ड घाटे में। डीटीसी घाटे में कोई ऐसी जगह है जहां घाटा नहीं था इनका। अध्यक्ष जी आपको मैं बताना चाहता हूं कि अगर किसी देश की आजादी के बाद 93 से 98 में भारतीय जनता पार्टी थी। मदन लाल खुराना जी थे, साहिब सिंह वर्मा जी। फिर हमारी देहांत हो गया सुषमा स्वराज जी। आप मानोगे, आवाज निकालते थे तो काम होता था उसके लिए मुझे याद है। वो पब्लिक की सुनते थे। वो ही रूपरेखा गुप्ता जी का आ रहा है कि लोगों की पहली बार बजट हुआ है। अरे यार देख फिर वो ही बात हो जाती है ना। अध्यक्ष जी आपकी रूलिंग का कोई फर्क नहीं पड़ रहा इनको।

माननीय अध्यक्षः आप अपनी बात जारी रखो। समय आपका ही खराब होगा।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः अध्यक्ष जी, पहली बार हुआ बजट में एक महीना बीस दिन टाइम दिया। सीनियर सिटीजन वाले हमारे पास आये। देखो कितनी दिलेर मुख्यमंत्री चार साल का जो सीनियर सिटीजन का पैसा नहीं दिया था वो भी पैसा मुख्यमंत्री दे रही है इससे बड़ी बात क्या है और ये सीनियर सिटीजन की बात कर रहा हूं और अगली बात आरडब्ल्यूए के लिए भी जो पैसा रखा जो 70 साल से ऊपर की आयुष्मान योजना इसके पेट में दर्द हो रहा था अगर गरीब आदमियों की मदद हो रही थी तो पांच लाख की। इसने क्यूं नहीं किया। अध्यक्ष जी काम करने की नीयत नहीं। इनको किसी ने पाप। भगवान ने इनको पाप दिया है। जो इन्होंने पाप किये है। अभी भी अध्यक्ष जी मैं कल तिलक नगर गया था किसी शादी में। शाम को निकल रहा था। अध्यक्ष जी सुनने की बात है। शाम को निकल रहा था। बाहर किसी व्यक्ति ने लगा रखा था कि मनीष सिसोदिया दोबारा आयेगा आपका स्वागत और केजरीवाल दोबारा आयेगा आपका स्वागत। ये जेल के बाहर लिखा हुआ है और ये जल्दी समय आने वाला है अध्यक्ष जी और मैं आपको बता रहा हूं आगे। जो झुग्गी-झोपडियों के लिए महिलाओं के लिए मैं हैरान हूं कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए ढाई लाख कैमरे की व्यवस्था। बस सिर्फ तीन मिनट और लूंगा...

माननीय अध्यक्षः चलिए धन्यवाद। अगला वक्ता श्री ओम प्रकाश शर्मा जी।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः तीन मिनट और लूंगा। मैं धन्यवाद करके मैं दो मिनट लूंगा।

माननीय अध्यक्षः मैं आपको कल किसी और उस पर compensate कर दूंगा।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः ढाई सौ कमरे और... ये भी हमारी मुख्यमंत्री ने महिला सुरक्षा के लिए किया है अध्यक्ष जी। लेकिन आपने बोलने का जो...

श्री ओम प्रकाश शर्माः घड़ी-घड़ी मिलानी है भई।

माननीय अध्यक्षः चलिए ओम प्रकाश शर्मा जी।

श्री ओम प्रकाश शर्माः धन्यवाद अध्यक्ष जी। अध्यक्ष जी आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आज दिल्ली का एक ऐतिहासिक बजट जब-जब कोई बल्लेबाज दस हजार रन बनाता है तो पूरे विश्व में गिनीज बुक में उसका नाम आता है। इसी तरीके से जब से दिल्ली की विधानसभा बनी है पहली बार एक लाख करोड़ का बजट दिल्ली की सीएम श्रीमती रेखा गुप्ता ने पेश किया। इसके लिए आपको बहुत-बहुत बधाई। ये जो बजट है ये माँ यमुना और गऊ माता को समर्पित करते हुए गांव गरीब किसान और महिला सशक्तिकरण का जो बजट आपने बनाया है इसके लिए आपको बहुत-बहुत बधाई और मैं ये समझता हूं जिस समर्पण भाव से बिना अंहकार के ये आपने ये बजट पेश किया है इसके लिए भी ये सदन आपको बहुत-बहुत बधाई देता है। हमने इस सदन में देखा है बहुत से लोग शीश महल से गांजा पीकर आते थे और यहां पर आकर चिल्लाते थे और क्या चिल्लाते थे।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः एक एक मिनट। आप मुझ से बात करिये। आप मुझ से बात करिये।

श्री ओम प्रकाश शर्माः दोबारा बोल रहा हूं। जो शीश महल से गांजा पीकर आते थे और यहां पर आकर चिल्लाते थे और वो क्या कहते थे पागल

लोग हम दिल्ली के मालिक हैं और एक तो 360 तिगड़ी पागल की तरह यूं घूमते थे और पागल की तरह वो गांजा पीने वाला आदमी ये कहता था कि मैं दिल्ली का मालिक हूं। तो मैं यह कहना चाहता हूं दिल्ली मैं गांजा नहीं मैं सब कुछ...

माननीय अध्यक्षः एक मिनट ओम प्रकाश जी आप मुझ से बात करिये। चेयर से बात करिये।

श्री ओम प्रकाश शर्माः दिल्ली दिल वालों की है। दिल्ली दिल वालों की है इन कंगले दलालों की नहीं है। पिछले बारह साल, पिछले बारह साल, अरे इनको रोक रहे हो मुझे रोक रहे हो।

माननीय अध्यक्षः एक मिनट।

श्री ओम प्रकाश शर्माः पिछले बारह साल में दिल्ली की अर्थ व्यवस्था को भ्रष्टाचार, मिस्मैनेजमेंट और अंहकार की दीमक ने खोखला कर दिया है और भ्रष्टाचार चरम सीमा पर हुआ है और जिसकी परिणिति ये हुई कि ये जो सरकार गई है पुरानी इनके आठ-दस मंत्री तिहाड़ जेल जा चुके है। कोई रेप में चला गया, कोई बीवी पर कुत्ता छोड़ने पर चला गया, कोई शराब बेचने पर चला गया, कोई स्कूल के कमरे बनाने पर चला गया। तो इनको शर्म नहीं आती है। आठ-आठ मंत्री जिसके जेल चले गए। ऐसे बेशर्म लोग जो छाती पीट-पीटकर कहते थे हम दिल्ली के मालिक हैं अब उनकी रवानगी हो चुकी है। दिल्ली जल बोर्ड में 72 हजार करोड़ रूपये का इन्होंने घपला- घोटाला किया। हमने नौ हजार करोड़ देकर उसे पुनर्जीवित करने का प्रयास किया है। डीटीसी की बसें इन्होंने बेच दी। जब-जब इन्होंने टेंडर किये उन टेंडरों में एएमसी के पैसे पहले जिन से देने की बात की जिसके लिए हम अध्यक्ष जी आपके साथ विजिलेंस डिपार्टमेंट के टॉप

टू बोटम हम लोग गए। अब हमने 05 हजार नई ईवी बस लाने का प्रावधान किया है। सड़कें आपने सारी तोड़ दी। हमने पिछले डेढ महीने में सड़कों की युद्धस्तर पर हमने उनकी...

...(व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश शर्मा: मैं बोलने नहीं दूंगा फिर किसी को...

माननीय अध्यक्ष: एक मिनट अरे कुलदीप जी आप देखो डिस्टर्ब मत करो। आप मुझ से बात कीजिए ना।

श्री ओम प्रकाश शर्मा: फिर ध्यान रखना।

माननीय अध्यक्ष: ओम प्रकाश जी।

श्री ओम प्रकाश शर्मा: और गंदा पानी। माँ यमुना, दलितों के उत्थान का बोर्ड, ये जो तुम कूदते हो ना बंदर की तरह, दलितों के उत्थान के लिए जो बने हुए बोर्ड को दिवालियापन तक पहुंचाया। उसकी एफडी खा गए। उसका सारा डिफंक्ट कर दिया। ये जो सरकार है ये दलितों की विरोधी सरकार रही है और इन्होंने दलितों का विरोध किया है हम दलित उत्थान के लिए ये सरकार दलित उत्थान बोर्ड को चालू करने का काम हमारी भारतीय जनता पार्टी ने किया है जिससे हमारे सभी दलित भाईयों को उसका लाभ मिलेगा। इसी तरीके से डूसिब का जो बुरा हाल है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अगर आप देखिये डिस्टर्ब करोगे तो फिर सदन में कार्यवाही होगी देखिये। एक मिनट ओपी शर्मा जी आप अपनी बात कहिये। आप अपनी बात कहिए और चेयर को एड्रेस करिये।

श्री ओम प्रकाश शर्माः शराब माफिया, पूरी की पूरी आम आदमी पार्टी केजरीवाल समेत शराब के ड्रम में डूब गई और डूब कर इन्होंने इतनी बेशर्मी के साथ शराब पी, शराब बांटी, शराब खाई, शराब परोसी और शराब में भ्रष्टाचार किया कि इनको जेल में जाना पड़ा। इनको शर्म वरम आती नहीं है। जो स्कूल बनाता था स्कूल में पढ़ाता था लंच तक, लंच के बाद में दारू बेचता था। तो ऐसे-ऐसे शिक्षक और तीन लाख का कमरा 33 लाख रूपये में बनाने वाले जो लोग है ये शिक्षा का बहुत बड़ा ढ़िंढोरा पीटते थे और न्यूयार्क टाइम्स के अखबारों में छपवाते थे।

(समय की घंटी)

श्री ओम प्रकाश शर्माः भाई अभी से हो गया क्या।

माननीय अध्यक्षः हाँ समय हो गया।

श्री ओम प्रकाश शर्माः पी डब्ल्यू डी में कुप्रबन्धन किया इन्होंने, शिक्षा का भ्रष्टाचार किया इन्होंने, मोहल्ला क्लीनिक में करोड़ों रूपया खा गए। नकली दवाई, नकली डाक्टर, नकली मरीज और उसके विज्ञापन कहां छपवा रहे हैं वो जाकर न्यूयार्क टाइम्स से। इन्होंने शर्म आनी चाहिए दिल्ली की जनता के खून-पसीने की कमाई को इन जौंक, ये दिल्ली के जौंक है ये दिल्ली की दीमक हैं। दिल्ली के ये रक्त पिपासू हैं। कौन है ये ये रक्त पिपासू हैं। इन्होंने दिल्ली की जनता का खून पीने का ना केवल इन्होंने पैसा खाया है, उनका खून भी चूंसा हैं इन्होंने।

माननीय उपाध्यक्षः चलिये धन्यवाद।

श्री ओम प्रकाश शर्मा: और आगे विज्ञापन के नाम पर करोड़ों करोड़ रुपया खा गये और महिला समृद्धि योजना में जो हमने काम किये हैं इन्होंने केवल दिल्ली को ठगा है और ये ठग हैं और उस ठगी का दिल्ली की जनता ने इनको नई दिल्ली, दिल्ली दोनों से लतियाकर कूड़े के ढेर पर भेज दिया है।

माननीय अध्यक्ष: मैं बुलवा देता हूँ, जरनैल सिंह जी को बुलवा दूंगा इनके बाद, आप बोल लेना आप जो बोल रहे हो। आप बोलिए, आप बोलिये। आप पूरा करिये।

श्री ओम प्रकाश शर्मा: क्या करूं।

माननीय अध्यक्ष: अरे आप बैठिये संजीव जी

श्री ओम प्रकाश शर्मा: बजट है ये सारा कि तुम्हारे कुकर्मों पर भी बोलना है मुझे। तुम्हारा कुकर्म है ये।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: भई ऐसे तो सदन नहीं चलेगा।

श्री ओम प्रकाश शर्मा: भाई आपको मुझे टाइम देना पड़ेगा फालतू।

माननीय अध्यक्ष: मुझे कार्रवाई करनी पड़ेगी।

श्री ओम प्रकाश शर्मा: मेरा टाइम बढ़ाना पड़ेगा इनको रोको।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः देखिये।

श्री ओम प्रकाश शर्माः इकॉनोमिक वीकर सेक्शन के लिए अटल कैंटीन योजना बनायी है, ढाई हजार, 3 हजार करोड़ रुपया उसके लिये दिया है।

माननीय अध्यक्षः बस हो गया धन्यवाद।

श्री ओम प्रकाश शर्माः हर गरीब आदमी तक भोजन पहुँचाने के लिए ये सरकार प्रतिबद्ध है, कटिबद्ध है ये हमारा संकल्प है। ट्रेडर वेलफेयर बोर्ड को हम सुव्यवस्थित करने का प्रयास कर रहे हैं। आयुष्मान योजना में 5 लाख केंद्र सरकार के, 5 लाख हमारी सरकार दे रही है, 10 लाख रुपये का टॉपअप हमने किया है। प्रतिभा स्कूलों का नाश कर दिया इन्होंने, बेच कर खा गये, हमने प्रतिभा स्कूल की तर्ज पर 60 नए सीएम श्री योजना स्कूल खोलने का प्रावधान रखा है।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद।

श्री ओम प्रकाश शर्माः उसके लिए भी सीएम को बहुत-बहुत बधाई।

माननीय अध्यक्षः बैठिये।

श्री ओम प्रकाश शर्माः पोल्यूशन, एयर, वाटर, नॉइस, वॉइस मैनेजमेंट सभी के लिए हमने व्यवस्था की है, 5 हजार इलैक्ट्रिकल बसें हम ला रहे हैं। 68 हजार करोड़ टैक्स से आयेंगे और पानी, बिजली, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य सब पर हम काम करेंगे। सोशल वेलफेयर में एक हजार सैंतालीस रुपये

माननीय अध्यक्षः चलिए धन्यवाद, जरनैल सिंह जी।

श्री ओम प्रकाश शर्मा: दस हजार सैंतालीस रुपये रखे हैं। सीसीटीवी में इन्होंने

श्री जरनैल सिंह: शर्मा जी का माइक बंद कर दो।

माननीय अध्यक्ष: धन्यवाद। जरनैल सिंह जी।

श्री जरनैल सिंह: बहुत-बहुत धन्यवाद स्पीकर साहब। माननीय मुख्यमंत्री ने 25 मार्च को जो बजट पेश किया, उस चर्चा में समय देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। बेशक बजट है हवा हवाई फिर भी आपको बहुत बधाई। और सदन में आते ही स्पीकर साहब एक सीरियल आता था क्योंकि सास भी कभी बहु थी, मेरे को बार-बार वो ध्यान आए जा रहा है और उसका शीर्षक ये ध्यान आ रहा है, क्योंकि अध्यक्ष जी भी कभी एलओपी थे। और वो किसलिए ध्यान आ रहा है, कि कई बार हम देखते हैं कि जो बहु होती है उसको सास के आचरण से शिकायत होती है, कि भई सास मेरे साथ पक्षपात करती है, बेटी के साथ ज्यादा लगाव है मेरे साथ कम लगाव है और जब वो ही बहु सास बन जाती है तो फिर उसको बहु से परेशानी हो जाती है कि बहु सही आचरण नहीं करती। तो ये आजकल रोज सदन में देखने को मिल रहा है स्पीकर साहब।

माननीय अध्यक्ष: चलिए अब बजट पर आइये।

श्री जरनैल सिंह: तो हम ये जरूर मानते हैं कि अध्यक्ष कहते हैं कि अध्यक्ष का जो पद है निष्पक्ष होता है राजनीतिक तौर पर वो हो नहीं सकता पर एट्लिस्ट दिखना चाहिए स्पीकर साहब, थोड़ा उसमें हमें आपसे उम्मीद है कि आप ये चीज दिखाने में सफल हों, कि अध्यक्ष का पद निष्पक्ष है। स्पीकर साहब बार-बार, बार-बार ये कहा जा रहा है कि पिछले 10 साल 11 साल में कुछ

नहीं हुआ जी, खजाने खाली पड़े हैं, कुछ हुआ ही नहीं जी, तो ये जो मैनीफेस्टो था आपका शुरु मैनीफेस्टो से कर रहा हूँ। उसके पहले प्वाइंट पर 16 संकल्पों का एक जो आपने पत्र दिया था उसकी पहली लाइन में क्या लिखा था, पहली लाइन में लिखा था। "our government will not continue with existing schemes but we will also make them more effective." भई जो दिल्ली सरकार की जनहित की योजनाएं चल रही हैं हम उनको बंद नहीं करेंगे। तो ये तो बड़ी कोन्ट्रडिक्शन हो गयी, एक तरफ आप कहते हो कि भई काम नहीं हुआ, एक तरफ आप कहते हो कि जनहित के जो काम हो रहे हैं वो चालू रखेंगे। तो ये आप मानते तो हो ये आप मानते तो हो कि अरविंद केजरीवाल साहब ने काम तो कमाल के किये थे। मेरे को याद आ रहा है मेरे को याद आ रहा है 8 दिसम्बर 2013 को सर हम जब पहली बार चुन के आये थे बहुत सारे मेंबर बैठे हैं जो उस समय कांग्रेस में होते थे आज भाजपा में हैं, बहुत सारे मेंबर ऐसे होते थे जो तब कांग्रेस में थे अब भाजपा में हैं और तब वो कहते थे हमारे भाई साहब रिस्पेक्टिड मेंबर लवली जी ने एक शब्द यूज किया था इन वेटिंग, भई तुम इन वेटिंग ही रहोगे। यहां भाजपा वाले बैठे थे वहां हम बैठे थे इधर ये बैठे हुए थे कि तुम हमेशा अभी लंबे टाइम तक इनवेटिंग ही रहोगे और वो चीज़ सत्य भी हुई कि लंबे टाइम तो लगातार 3 चुनाव हुए, बीजेपी इन वेटिंग रही क्योंकि दिल्ली वालों ने 1993 से लेकर 1998 का जो दौर देखा, जिस दौर में तीन-तीन बार आपको मुख्यमंत्री चेंज करने पड़े तो उस दौर को दिल्ली वालों ने याद रखा कि इतनी अनस्टेबल गवर्नमेंट जिसको हर कुछ दिन बाद मुख्यमंत्री चेंज करना पड़ जाये वो दिल्लीवालों को दोबारा नहीं देखनी थी। बार-बार कह रहे हैं जी ऐतिहासिक बजट आ गया, अभी आपको पूर्ण राज्य वाले मसला लेके आना है मेरे को, मदन लाल खुराना जी की आत्मा को शांति तभी मिलेगी जिस दिन आप पूर्ण राज्य का

मसला उठाओगे। साहिब सिंह वर्मा जी की आत्मा को शांति तब मिलेगी जिस दिन प्रवेश वर्मा जी पूर्ण राज्य का दर्जा दिलायेंगे। अब आपकी जिम्मेवारी है अपने स्वर्गवासी पिताजी की आत्मा को शांति दिलाने की। अब सुनो, बार-बार, बार-बार ये कहा जा रहा है कि जी लाख करोड़ का पहली बार बजट आया है जी एक लाख करोड़ का। तो भाई 78 हजार करोड़ का पहली बार ही आया था। उसके पहले 69 हजार करोड़ का भी पहली बार आया था, उसके पहले 65 हजार करोड़ का भी पहली बार आया था, उसके पहले 60 हजार करोड़ का भी पहली बार आया था, उसके पहले 53 हजार करोड़ का भी पहली बार आया था। उसके पहले 48 हजार करोड़ का आया था वो भी पहली बार आया था। मुझे याद है कि जब कांग्रेस की सरकार गयी थी आम आदमी पार्टी की सरकार आई थी तब 30 हजार करोड़ से नीचे का बजट होता था। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी के सरकार जब रही तो 30 हजार करोड़ से नीचे के बजट को उठा कर 75 हजार करोड़ तक लाने का काम आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल सरकार ने किया। आप करो, आप अपने वादे पूरे करो, लंबा सारा घोषणा पत्र दिया।

(समय की घंटी)

श्री जरनैल सिंहः इतना लंबा स्पीकर साहब देखो समय यूं मत दो कि भीख लगे बाकी जो आपको ठीक लगे सरकार आपकी है। समय तरीके से दो सर आपके बंदे इतनी देर बोलते हैं आप कुछ नहीं कहते और स्पीकर साहब सुनो अब ये बार-बार, बार-बार मुख्यमंत्री साहिबा ने अपनी तकरीर में बोला पिछली सरकार ने कोई काम नहीं किये पेज नंबर 48 मैंने रात को टाइम मिला थोड़ा, पढ़ा उस पर लिखा है कि सार्वजनिक परिवहन का नया दौर, पहली लाइन में लिखा है कि दिल्ली दुनिया में सबसे बड़ी इलैक्ट्रिक बस फ्लीट में तीसरा नंबर

रखती है वो ऐसे ही हो गयी। वो बिना काम किये हो गयी। तो ये एक अच्छी ये सब्बते होंगी कि आप पुरानी सरकार के अच्छे कामों को कंसीडर करो, आपको मौका मिला है आप और अच्छे काम करो पर पुरानी सरकार के कामों को एकनॉलेज भी करो। अगर सरकार ने काम न किये होते ऐसे सतर विचो 3 आंदियां। सत्तर में से 3 कैसे आई अरविंद केजरीवाल सरकार ने काम करा।

(समय की घंटी बजी)

श्री जरनैल सिंहः 70 में से 8 कैसे आई, अरविंद केजरीवाल सरकार ने काम करा। ऐसे थोड़ी आती हैं, ऐसे थोड़ी जमानतें जब्त होती हैं। और अभी सुनो अभी भी जीते नहीं हो हारते हारते बचे हो 18 सीटों पर, हारते-हारते बचे हो 392 वोट, 350 वोट 7 सौ कुछ वोट। अगली बार जनता ने गलती सुधार लेनी है और 70 की 70 सीटें ले के यहां बैठेंगे।

माननीय अध्यक्षः चलिए धन्यवाद, अगले वक्ता को बुला रहा हूं मैं।

श्री जरनैल सिंहः काम किया है स्पीकर साहब, स्पीकर सर।

...(व्यवधान)

श्री जरनैल सिंहः स्पीकर साहब जितनी बार हमने बजट पेश किया है हर बजट का हमने नाम दिया तो उस नाम को सार्थक किया। हमने अगर ग्रीन बजट पेश किया तो ग्रीन बजट का दिल्ली प्रमाण है जिस दिल्ली में हरित क्षेत्र सिर्फ 297 वर्ग किलोमीटर का होता था जिसकी परसेंटेज लगभग 20 परसेंट थी 10 साल आम आदमी पार्टी के सरकार के दौरान वो 297 वर्ग किमी. से 371 वर्ग किमी. पहुंचा है और 20 परसेंट से 25 प्रतिशत तक दिल्ली का हरित क्षेत्र जो है वो बढ़ा है। तो ये काम आम आदमी पार्टी की सरकार ने किये। हम आपको

भी कहते हैं आप काम करो क्योंकि दिल्ली के लोग बहुत सूझवान है। इन्हीं सूझवान लोगों ने आपको 70 में से 3 दी थी काम को आपके पसंद करेंगे, नहीं करोगे तो फिर 70 से 3 पर हो सकता है जीरो पर लाके खड़ा कर दें।

माननीय अध्यक्षः चलिए धन्यवाद। अगले वक्ता मोहन सिंह बिष्ट जी। मोहन सिंह बिष्ट जी।

श्री मोहन सिंह बिष्टः आदरणीय अध्यक्ष जी, आपने इस ऐतिहासिक बजट में मुझे बोलने का जो समय दिया उसके लिये मैं आभार प्रकट करता हूं। अध्यक्ष महोदय, इसी सदन के अंदर हमें वो समय भी याद आता है जब 1993 के अंदर इसी सदन ने दिल्ली नहीं पूरे देश के अंदर एक ऐसी छाप छोड़ी थी कि लोग यहां के बजट को पढ़ने और सुनने के लिये लोग लालायित होते थे। अध्यक्ष महोदय, 1993 में माननीय मदन लाल खुराना जी की सरकार थी, जगदीश मुखी जी हमारे वित मंत्री थे और जिस प्रकार की दिल्ली का विकास के लिए उन्होंने बजट बनाया, वास्तव में वो ऐतिहासिक बजट है। मुझे आज खुशी इस बात की है कि 1998 के बाद 27 वर्षों के बाद जो आज इस प्रकार का बजट मेरी मुख्यमंत्री आदरणीय रेखा जी ने जो पेश किया वो बजट ही नहीं वो जंबो जेट बजट बना करके दिल्ली की समस्याओं के निदान के लिये हर चीज़ का ध्यान में रखते हुए जो बजट रखा वास्तव में मैं अपनी मुख्यमंत्री जी का मंत्रिमंडल का और सभी सहयोगियों का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद करना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय इस बजट के अंदर बहुत सी ऐसी बातों का जिक्र किया गया है वास्तव में हमें नरेंद्र मोदी जी जिन्होंने कहा है सबका साथ सबका विकास सबका प्रयास और सबका आशीर्वाद। निश्चित रूप से इस बजट को तैयार करने के लिए मोदी जी के विजन को लेकर के जो मुख्यमंत्री ने जो बजट एक लाख करोड़ का किया है वास्तव में दिल्ली की समस्याओं के समाधान के लिये एक लाभप्रदाय

सिद्ध होगा ऐसा मैं मानता हूं। अध्यक्ष महोदय, यही नहीं, यदि हम इस बजट को देखें हमने पिछली सरकारों का भी बजट देखा है। ठीक कह रहे थे मेरे भाई जरनैल सिंह जी हमने आपका भी बजट देखा है। सरकार का बजट का जब रखते हैं बहुत सी बातों को ध्यान में रखते हुए बजट बनाया जाता है लेकिन ये भी आपके बजट से हमको सीखने को मिलता है जिस सरकार का बजट पहले 78 हजार करोड़ का हुआ हो उस बजट को आपने 76 हजार रूपये दो हजार से ऊपर कम का बजट आपने पेश किया ये आपकी कार्यशैली थी। इसी वजह से दिल्ली का बेड़ा गर्क आपने किया और दिल्ली की जनता ने आपको नकार दिया। आप ही थे न यहां क्या बोल रहे थे हम दिल्ली के मालिक हैं अब कहां चले गये मालिक साहब कहां हैं ये बताने की कृपा करें। अब मालिक नाम की कोई चीज नहीं है अब मालिक का वास्तव में यदि दिल्ली के विकास के लिए किसी ने बीड़ा उठाया है तो ये भारतीय जनता पार्टी ने उठाया है। अध्यक्ष महोदय, यदि हम बजट को देखें बहुत सी चीजों का समावेश इस बजट के अंदर दिया गया है। कैसे खर्च किये जायेंगे एक लाख करोड़ रूपया, किस प्रकार से खर्च किया जायेगा ये बजट से पता लगता है। सर हर बातों का ध्यान रखा गया। ये एग्रीकल्चर के नाम से जो आप किसानों को मूर्ख बनाते थे न, दवाई के नाम से आप हजार, दो हजार, पांच हजार, दस हजार की दवाइयां ला करके वो किसानों को कहते थे साहब हम तो प्रदूषण खत्म कर देंगे, आपने प्रदूषण नहीं खत्म किया आपने दिल्ली के बजट के साथ जो उस बजट को लेकर के एडवटाईजमेंट पर लगे रहे, ये उस बजट का पारितोषिक है ये मैं मानता हूं। अध्यक्ष महोदय, यही नहीं आज मेरे मित्र ने अभी कहा नहीं यदि सिंह साहब बोलते एजुकेशन के बारे में तो उनको बोलना चाहिये। आप ही कहते थे न इस सदन के अंदर, आप ही बोलते थे न इस सदन के अंदर ये शिक्षा का बजट ऐतिहासिक बजट है।

अध्यक्ष महोदय, शिक्षा का कितना बुरा हाल है ये मेरे से ज्यादा आप सब लोग जानते हैं दिल्ली के लोग इस बात को पहचानते हैं। अध्यक्ष महोदय, आज स्कूलों की हालत क्या है। आप 500 स्कूल खोल रहे थे न आपका विधायक मुस्तफाबाद में था न, स्कूल नाम की कोई चीज नहीं वहां के बच्चों को। आज दूसरी जगह स्कूलों में जाना पड़ता है। आपने एक भी स्कूल का निर्माण कार्य नहीं किया और आपने सिर्फ इतना किया कि जो कमरे दस-दस लाख के अन्तर्गत बन रहे थे उनको आपने तीस-तीस, चालीस-चालीस लाख रूपया उन बजट में किया। यही नहीं आपने क्या किया वहां, जो स्कूलों की बिल्डिंगें थी बिल्डिगों को टीआरएम पर बना दिया आपने और आपने ये मानक भी नहीं देखा कि यदि गलती से भूकंप आ गया तो दिल्ली की क्या हालत होने वाली है ये मैं कहना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, मेरी मुख्यमंत्री जी ने दिल्ली के बच्चों की शिक्षा को ध्यान में रखते हुए आप पढ़ लीजियेगा बजट स्पीच पढ़ लेना आपने देखा भी होगा समझा भी होगा।

(समय की घंटी बजी)

श्री मोहन सिंह बिष्टः ये पहली सरकार है दिल्ली पूरी तरह घाटे में थी घाटे के अरे भाई साहब आप ने बंद वैसे ही कर देते यार बोलने मत दो भाई। कोई एक सब्जेक्ट पर तो बोलने दो।

माननीय अध्यक्षः देखो समय का सबको ध्यान रखना पड़ेगा आपको भी रखना पड़ेगा आप तो डिप्टी स्पीकर हो।

श्री मोहन सिंह बिष्टः तो ये थोड़ी दो मिनट के बाद आप बैल दे दें।

माननीय अध्यक्षः 6 मिनट 38 सैकिंड हो गये।

श्री मोहन सिंह बिष्ट: दो मिनट के बाद। अध्यक्ष महोदय।

माननीय अध्यक्ष: ये देखिये 6 मिनट 38 सैकिंड।

श्री मोहन सिंह बिष्ट: अध्यक्ष महोदय, यही नहीं

माननीय अध्यक्ष: 4 मिनट का समय है। आप ले लीजिये एक दो मिनट और ले लीजिये लेकिन दो मिनट हां लेकिन हां दो मिनट और आपको।

श्री मोहन सिंह बिष्ट: सर सर मैं तो आपसे हंबल रिकवेस्ट। अरे भैया हम तो उस समय थे उन्होंने गला घोटा उन्होंने हमको बोलने नहीं दिया था। आज तो मेरी अपनी सरकार है। हम सरकार में हैं कम से कम हम अपनी बात तो रख लें।

माननीय अध्यक्ष: स्टाप वाच चल रही है सबके लिये।

श्री मोहन सिंह बिष्ट: ये मैं कहना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय एक क्रांतिकारी बजट है। इसमें हम देखेंगे इसमें 29 प्रतिशत 19.291 करोड़ के रूपये का बजट ये मेरी मुख्यमंत्री ने किया। नये सीएम द्वारा विद्या शक्ति मिशन और नरेला जैसी विधान सभा के अन्तर्गत एजुकेशन सिटी एवं स्मार्ट क्लास के लिए जिस प्रकार का सपना लिया है निश्चित रूप से शिक्षा में हमारे बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलेगी। अध्यक्ष महोदय यही सदन है जिस सदन के अंदर हम बोलते थे जब हमने 2020 के बाद हम चुनाव जीतकर आये हमने कोरोना जैसी महामारी को हम इस सदन के अंदर देखा। यहीं का जो अपने आप को पढ़ा-लिखा मुख्यमंत्री बोलते थे कहते थे दिल्ली की चिंता मत करो, दिल्ली की स्वास्थ्य की चिंता मत करो, हम दिल्ली के मालिक हैं। अध्यक्ष महोदय, उस मालिक ने क्या किया, दिल्ली को बर्बादी की कगार में लाकर खड़ा कर दिया यही नहीं झूठे प्रचार

करके यहां बसें लगा दीं यूपी, बिहार अन्य प्रदेशों के लिए उनको उनके फटे हाल पर खड़ा करने का किसी ने काम किया तो तत्कालीन मुख्यमंत्री जी ने किया। अध्यक्ष महोदय, मैं स्वास्थ्य के बारे में जिस प्रकार से बोल रहा हूँ हम ही ने देखा है आप भी यहां से बोलते थे कि साहब एक बैड पर चार-चार, पांच-पांच लोग, वो जानवरों की तरह उनको फेंक दिया गया, दवाईयां नहीं थीं सर। वो फटे हाल पर रो रहे थे सरकार। अध्यक्ष जी मेरी सरकार ने कुल बजट का -12 हजार 8 सौ 93 करोड़ रुपये का यदि किसी ने बजट का प्रावधान रखा, वो हमारी मुख्यमंत्री इस सदन की नेता ने रखा। अध्यक्ष महोदय आयुष्मान योजना। हम बार-बार चिल्लाते थे बार-बार कहते थे मुख्यमंत्री जी आयुष्मान योजना को लागू कर दो, सर केंद्र सरकार पैसा देना चाहती थी, लेकिन केंद्र ने गरीबों की चिंता नहीं की जो पाँच लाख रुपये से 10 लाख करने की जो योजना बनायी तो मेरे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मेरी मुख्यमंत्री ने इसको करके दिखाया, ये काम मेरी सरकार ने किया। अध्यक्ष महोदय, आयुष्मान के साथ-साथ बहुत-सी ऐसी योजनाएं बनी, अभी पिछले मैं चुनाव में इनके घोषणापत्र को देख रहा था, क्या कह रहे थे ये संजीवनी योजना लाये हैं। यही थी इनकी संजीवनी योजना, जहां अस्पतालों की कोई जगह नहीं वहां अस्पताल खुले नहीं हों, यदि बुराड़ी के अंदर संजीव भाई अभी नहीं बैठे हैं तो उस हॉस्पिटल की जमीन उस समय साहिब सिंह वर्मा और मदन लाल खुराना ने वो जमीन एलोटमेंट की थी। उन्हीं की वजह से आज वो हॉस्पिटल बना। ये मेरी सरकार ने काम किया। यही नहीं अध्यक्ष महोदय आप और मैं और हमारे साथी इसी सदन के अंदर डीटीसी के घोटाले के बारे में चर्चा करते थे। आपको चिंता थी कि दिल्ली के लोगों की परिवहन की व्यवस्था किस प्रकार से ठप हो गयी। हम बार-बार जाते थे हम सीएजी तक पहुंच गए, लेकिन अध्यक्ष महोदय आपकी वो कुर्बानी याद आयी। जिस पर मुकदमे दर्ज हुए, यदि

आप उस कोई निश्चय भी नहीं करते तो शायद ये नहीं होता दिल्ली के बसों की किस प्रकार से हालत हुई। अध्यक्ष महोदय मैं अभिनन्दन करना चाहता हूँ अपनी मुख्यमंत्री जी का 13 प्रतिशत से लगभग 12,952 करोड़ रुपये का किसी ने बजट का प्रावधान रखा तो ये मेरी मुख्यमंत्री भारतीय जनता पार्टी और हम सब की लीडर। अध्यक्ष महोदय दो, तीन बात, वैसे तो मैं बहुत कुछ बोल सकता हूँ।

माननीय अध्यक्षः बहुत टाइम हो गया है।

श्री मोहन सिंह बिष्टः सर, सर, रिक्वेस्ट है, हम्बल रिक्वेस्ट है।

माननीय अध्यक्षः अब आप डिप्टी स्पीकर हो अब मैं आपको ज्यादा कह भी नहीं सकता।

श्री मोहन सिंह बिष्टः आप मेरे भाई हैं आप बैठने को कहेंगे तो मैं बैठ भी जाता हूँ। सर

माननीय अध्यक्षः एक मिनट में पूरा कीजिए।

श्री मोहन सिंह बिष्टः हमने ये चीज और देखी। आप, अरे भईया हमारा सम्मान तो आप भी कर रहे हैं, हमारा सम्मान आप भी कर रहे हैं। यदि मेरा सम्मान नहीं किया होता ना, मैं छठी बार एमएलए नहीं बनता, ये मैं छठी बार एमएलए बना हूँ तो भारतीय जनता पार्टी की वजह से बना हूँ जिन्होंने मुझे इतना बड़ा सम्मान दिया। अध्यक्ष महोदय ये आपकी वजह से बार-बार आप भी चिल्लाते थे हम भी चिल्लाते थे, इलैक्ट्रोनिक बसों की बात करते थे, बसों के बेड़े के बारे में हम चर्चा करते थे अध्यक्ष महोदय, जो उस समय में इलैक्ट्रोनिक बसों के लिए इस बार जो 2,152 करोड़ रुपये से बढ़कर के, आज उसको बढ़ाने का काम दिल्ली की मुख्यमंत्री ने किया। अध्यक्ष महोदय, वास्तव में दिल्ली की लाइफलाइन

है कि वहां के सड़कों का ठीक हो, बसों का अरेंजमेंट हो, मैट्रो का हो, जिस मैट्रो का इस पिछली सरकार ने मैं नाम नहीं ले रहा हूँ भई अब मैं तुम्हें चिल्लाने का मौका नहीं दूंगा, लेकिन मैं तुम्हारे मुख्यमंत्री के बारे में जरूर कहूंगा कि मैट्रो का जो दिल्ली सरकार ने जो हिस्सा देना था वो हिस्सा नहीं दिया जिसकी वजह से दिल्ली के अंदर मैट्रो का जाल नहीं बिछ पाया आज मैं अपनी मुख्यमंत्री का आभार प्रकट करना चाहता हूँ जिन्होंने 29 सौ 29 करोड़ रुपया जारी किया, मैं उनका आभार प्रकट करना चाहता हूँ। अध्यक्ष महोदय एक बात कह करके अब अपनी बात को समाप्त कर दूंगा। अध्यक्ष महोदय, बजट का सामाजिक सुरक्षा के लिए बजट के लिए 10 प्रतिशत से लगभग 10,500 करोड़ रुपया इसमें चिंता की गयी, वरिष्ठ नागरिकों की। सर ये ऐसी सरकार थी उस समय में ये लोगों का आईवाश करती थी, ब्रेनवाश करती थी। हम इसी सदन के अंदर, आप बोलते थे कि यहां 80 हजार वो लोगों की वकैंसी है जिनका या तो स्वर्गवास हो गया है या कोई लोग वो बाहर चले गए हैं, उसकी पेंशन वष्ट)ा पेंशन दोबारा से लागू किया जाए, लेकिन आईवाश और ब्रेनवाश के नाम से 80 हजार तो इन्होंने खोलीं, लेकिन ठीक 2 या 4 घंटे के बाद उसको बंद कर दिया ये बुजुर्गों का सम्मान इन्होंने किया। अध्यक्ष महोदय, यहीं नहीं मेरी मुख्यमंत्री जी ने महिलाओं की, जरूरत मंद लोगों की बुजुर्गों की जिनकी उम्र 65 से 70 साल हो गयी, उनको 3 हजार रुपया पेंशन किसी ने देने का काम किया तो मेरी मुख्यमंत्री दिल्ली की मुख्यमंत्री ने करके दिखाया, ये काम मेरी सरकार ने किया। अध्यक्ष महोदय, मेरे मित्र बहुत चिल्ला रहे थे बार-बार बोल रहे थे, प्लेकार्ड लेकर हाउस के अंदर आ रहे थे 2,500 रुपया कब मिलेगें। मैं आज अपने भाईयों को कहना चाहता हूँ। 5,100 करोड़ रुपये का किसी ने बजट रखा तो वो दिल्ली की मुख्यमंत्री ने रखा। हमारी मंशा भी साफ है, हमारा सम्मान करने की भी तलख हमें साफ है। निश्चित रूप से हम करके दिखाएंगे। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः बहुत-बहुत धन्यवाद। थैंक्यू सो मच। अब राजकुमार भाटिया जी।

श्री राज कुमार भाटियाः मान्यवर अध्यक्ष जी, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ आपने मुझे बोलने का अवसर दिया है और इस निवेदन के साथ धन्यवाद कर रहा हूँ कि जो कृपा आपने मोहन सिंह बिष्ट जी पर दिखाई है मुझ पर भी अवश्य दिखाएं। नहीं मुझे भी समय चाहिए, क्योंकि निरन्तर कई दिनों से मेरा नंबर नहीं आ रहा था तो मुझे अपनी बात रखने का अवसर मिला है। मैं आपके माध्यम से दिल्ली की मुख्यमंत्री बहन रेखा गुप्ता जी जिन्होंने लखपति दीदी के तौर पर अपना लाख करोड़ी बजट इस सदन में प्रस्तुत कियाा और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सपनों में और मार्गदर्शन में जिस विकसित दिल्ली का सफर शुरु हुआ था उन्होंने उसको इस बजट के माध्यम से गति देने का काम शुरु किया है। मैं दीदी मुख्यमंत्री को उनकी कैबिनेट को साधुवाद देता हूँ। हर वर्ग को स्पर्श करने वाला ये बजट लगभग 35 से 40 कैटेगरी को स्पर्श करता है और आधी दिल्ली को पूरी ताकत देने का काम इस बजट के माध्यम से हुआ है। कल मैं जब बाहर निकला तो विपक्ष के कुछ बंधु मीडिया से बात कर रहे थे तो उन्होंने कहा कि बीजेपी वालों ने कौन सा जेब से पैसे दिये हैं तो मैंने भी मीडिया को जबाव दिया कि बीजेपी वाले जेब से नहीं देते बीजेपी वाले दिल से देते हैं और दिल्ली की जनता को एक-एक मद में जो रुपया दिया गया है वो प्रधानमंत्री जी के दिलों की योजना से दिया गया है और ये दिल्ली के दिलवालों की जो बजट दीदी ने पेश किया है इसके लिए बधाई है। बंधुओं इस मंच के माध्यम से अध्यक्ष जी के माध्यम से मैं बताना चाहूंगा कि ये दिल्ली को फिर से इंद्रप्रस्थ बनाने का बजट है, कुशासन से अनुशासन के सफर का बजट है, परस्पर विरोध से और सबके सहयोग से दिल्ली को बेहतर बनाने के

सफर का बजट है, बीमार दिल्ली को फिर से अच्छा स्वास्थ्य देने का सफर है, अपर्याप्त शिक्षा संसाधनों से सर्व शिक्षा मॉडल का बजट है, कूड़ा बीनने वाले बच्चे भी, कूड़ा बीनने वाले बच्चे भी अब लैपटॉप पर उंगलिया दौड़ाया करेंगे ये वो बजट है, पानी की महामारी और टैंकर की मार से जूझती दिल्ली के हर घर में अब नल से जल मिलेगा, जल अभाव और जल भराव से मुक्ति मिलेगी, ये वो बजट है, क्योंकि हर मद के लिए बहन मुख्यमंत्री ने अलग-अलग बजट के प्रावधान किये हैं। भूखी सोती हुई दिल्ली के लिए अटल कैंटीन का ये बजट दिल्ली को भूख से बचाने का काम करेगा। कूड़े के प्रदूषण से कूड़े से ऊर्जा बनाने का ये सफर, महिला तुष्टीकरण से महिला सशक्तिकरण बनाने का ये बजट दिल्ली के भूखों को खाना, वंचितो को अवसर और युवाओं को सशक्त करने का अवसर प्रदान करता है ये बजट। हम सब की दिल्ली के सपनों को पूर्ण करेगा। कल एक और साथी यहां पर क9ह रहे थे कि मोदी जी की गारंटियों का क्या हुआ, साथियो वैसे तो आपको हक नहीं है कि मोदी जी की गारंटियों पर आप कोई प्रश्न चिन्ह उठायें, क्योंकि आप ही की सरकार ने 2015 से वेबसाइट से अपना घोषणापत्र अपने आप हटा दिया था, ये आपको अच्छी तरह याद होगा, लेकिन फिर भी आप किस हैसियत से किस ताकत से किस बात के मुद्दे पर आप मोदी जी की गारंटी पर बात कर रहे हैं। मोदी जी की गारंटी प्रश्न चिन्ह उठाना आपकी कुव्वत में नहीं है, क्योंकि मदिरा पर बिके हुए लोग और भ्रष्टाचार पर टिके हुए लोग बरगद की बात करते हैं ये गमले में उगे हुए लोग। आप किस हैसियत से किस ताकत से मोदी जी की गारंटियों पर प्रश्न चिन्ह उठा रहे हैं और मोदी जी की गारंटियां तो हर प्रदेश में पूर्ण हो रही हैं। अब दिल्ली की बारी है। जब दिल्ली ठगी गयी, दिल्ली लूटी गयी, दिल्ली के साथ धोखा हुआ तब आप चुपचाप बैठे थे। तब आप केवल ताली बजाते थे, दिल्ली का मालिक बताने वाले लोग, जब यहां खड़े होकर चिल्लाते थे तो आप ताली बजाते थे। विद्रोह फांसी

से दिल्ली की जनता का मजाक बनाते थे और फिर आप के बारे में तो स्पष्ट है। 10 साल के 11 साल के कुशासन में आप ने जो-जो करतूतें की हैं मैंने अभी किसी का नाम नहीं लिया है, लेकिन आप ने जो-जो करतूतें की हैं वो जगजाहिर है। ऊंचे लोग सियाने निकले, महलों के नींचे तयखाने निकले। आपके तयखानों का सबके सामने जिक्र आया। ऊंचे लोग श्याने निकले, महलों के नींचे तयखाने निकले, निशाना था सब की जद में किस के ठीक निशाने निकले। आप के पास तो मौका था आप के पास सारे अवसर थे कि आप दिल्ली की सेवा करते, लेकिन आपने दिल्ली को शराब नगरी बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। निशाना था सब की जद में किसके ठीक निशाने निकले, जख्मों का अंदाज नया था, दर्द वही पुराने निकले। पकड़ा था जिनको हाथ समझकर वो केवल दस्ताने निकले। दिल्ली की जनता को समझ आ गयी। मोदी की गारंटी को उन्होंने मोहर लगाकर बताया है कि केजरीवाल का झूठ नहीं चलेगा, केजरीवाल का फरेब नहीं चलेगा, केजरीवाल की झूठी सरकार के वायदे नहीं चलेंगे, जो झूठे कमरे बना-बनाकर, उन्होंने शराब की दुकानों से और उसके बाद हर मद से कुछ न कुछ किसी की जेब में गया है, अभी वो जेबें खाली होने जा रही हैं। आप कुछ दिन पहले कह रहे थे कि कैग की रिपोर्ट एक साथ पेश कर दो, कैग की 14 रिपोर्ट अगर एक साथ पेश हो गयी तो आधों को हार्ट अटैक आ जाएगा। ये धीरे-धीरे इन्जेक्शन लग रहा है और फिर आगे भी जगह बन रही है, क्योंकि दीदी ने इस बारी जेलों की और न्यायालयों के सुधार के लिए भी ढेर सारा बजट छोड़ दिया है। दीदी मैं आपका धन्यवाद करता हूँ।

(समय की घंटी बजी)

श्री राज कुमार भाटिया: आपने अनेक ऐसे मदों पर रुपयों का प्रावधान किया है, फंड्स का प्रावधान किया है जो लगभग कई वर्षो से अछूते थे, यमुना

की सफाई के लिए, बुजुर्गो की दवाई के लिए, सड़कों की सफाई के लिए, बच्चों की पढ़ाई के लिए आप ने हर मद को छूने का प्रयास किया और सबसे ज्यादा साधुवाद देता हूँ हमारी हिंदू संस्कृति में हमारी भारतीय संस्कृति में जिस गऊ माता को पूजा जाता है उसकी गौशालाओं के लिए आपने आवंटन करके एक श्रेष्ठ काम किया है और मैं इस अवसर के माध्यम से अध्यक्ष जी आपको पूरी कैबिनेट को और पूरे सदन को बताता हूँ कि 5 वर्षो में इस बजट के माध्यम में पहले वर्ष में ही जो बदलाव दिल्ली में देखने को मिलेगा। निश्चित रूप से हमारे बच्चों के लिए हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुगम रास्ता प्रशस्त होगा इतना ही कहकर मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः बहुत-बहुत धन्यवाद। गोपाल राय जी।

श्री गोपाल रायः कितना मेरा टाइम है सर पहले बता दीजिए।

माननीय अध्यक्षः 5 मिनट बाकी 4 मिनट है वैसे आपका 5 मिनट है।

श्री गोपाल रायः आदरणीय अध्यक्ष महोदय।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः 5 मिनट हैं एक मिनट और एक्सट्रा मिल जाएगा। 5 मिनट हैं। 5 मिनट पर घंटी बजेगी।

श्री गोपाल रायः आज आपने दिल्ली के लोगों के भविष्य की कुंजी बजट में छिपी होती है, बजट पर चर्चा करने के लिए हमें अवसर दिया है। माननीय अध्यक्ष महोदय, दिल्ली के अंदर सभी माननीय सत्ता पक्ष के सदस्य कल से लगातार इस पर चर्चा कर रहे हैं हमारी माननीय मुख्यमंत्री जी जब अपना बजट

प्रस्तुत कर रहीं थीं उन्होंने बहुत जोर देकर के कई बार कहा कि एक लाख करोड़ का बजट है, एक लाख करोड़ का बजट है, एक लाख करोड़ का बजट है, वो दो लाख करोड़ का भी बजट हो सकता था, वो तीन लाख करोड़ का भी बजट प्रस्तुत कर सकती थीं, क्योंकि पहली बार जबसे दिल्ली के अंदर देश के अंदर सरकारें बनी हैं हर सरकार अपने अगले बजट के लिए आर्थिक सर्वेक्षण करती है, जब किसी बिना आधार के, बिना नींव के ही मकान खड़ा करना है तो कितना भी मंजिल कागज में मकान खड़ा कर दो, क्या फर्क पड़ता है, जिस दिन बजट प्रस्तुत हो रहा था अध्यक्ष महोदय इसी सदन के अंदर आपने हम सब से परिचय कराया था, उत्तर प्रदेश के माननीय विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना जी से, इस बजट प्रस्तुत होने के बाद जब मीडिया ने सतीश महाना जी से पूछा कि आर्थिक सर्वेक्षण के वगैर बजट प्रस्तुत हो गया, उन्होंने अचम्भा व्यक्त किया, आश्चर्य व्यक्त किया। ऐसा नहीं हो सकता है, मैं ये मानता हूँ सरकार बनने के बाद पहली बार माननीय मुख्यमंत्री जी बजट प्रस्तुत कर रही थीं, समय कम था लेकिन मैं इस बात को सदन के सामने रखना चाहता हूं बजट मुख्यमंत्री नहीं बनाता है, बजट मंत्रीगण केवल नहीं बनाते हैं हर सरकार के फाईनेंस डिपार्टमेंट का काम है जब आचार संहिता लग जाती है, चुनाव हो रहा होता है हर चुनाव के बाद कोई न कोई सरकार बनती है। जब पहली बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी जिनका कि पहला बजट था, जब कांग्रेस की सरकार बनी तब भी पहला बजट था, जब आम आदमी की सरकार बनी तब भी पहला बजट था। जब सरकार बनती है उस दौरान फाइनेंस डिपार्टमेंट अपना आर्थिक सर्वेक्षण करता है और मैं इस बात को सदन के सामने जिम्मेदारी से कहना चाहता हूं कि फाईनेंस डिपार्टमेंट ने आर्थिक सर्वेक्षण किया जरूर होगा लेकिन ये बात समझ के

परे है कि सदन के सामने आर्थिक सर्वेक्षण क्यों नहीं रखा गया। ये बात समझ के परे है। अध्यक्ष महोदय, जब बिना किसी आधार के ही इमारत खड़ा करना है एक लाख का करो, दो लाख का करो, तीन लाख का करो, चार लाख का करो, जितना मर्जी का बजट प्रस्तुत कर दो। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे कहना चाहता हूं बजट के अंदर बहुत सारी बातें हुई हैं मैं उस पर नहीं जाना चाहता लेकिन माननीय सभी सदस्यों से निवेदन जरूर करना चाहता हूं आपके अंदर 27 साल सत्ता से बाहर रहने का दर्द हो सकता है लेकिन जब सदन के अंदर आप अपनी बात रखते हैं आपकी बात केवल आपकी बात नहीं होती है, आपकी बात इस पूरे सदन की बात होती है, आपकी बात इस पूरे सदन की गौरव की बात होती है। इसलिये मेरी हाथ जोड़ कर के आप सब से विनती है बात अपनी सारी रखिये लेकिन मर्यादा जरूर आप बनाये रखिये जिससे हम सब की मर्यादा बनी रहे, आपकी भी मर्यादा बनी रहे क्योंकि इसमें हम सबकी इज्जत है इसी में हम सबका मान सम्मान है। बहुत सारे राजनीतिक तीखे वाद-विवाद होते रहे हैं इतिहास में, इसी सदन के अंदर होते रहे हैं, हम भी कर सकते हैं लेकिन अपनी जुबान पर कंट्रोल रखना हम सब की जिम्मेदारी है। कर पायेंगे तो मैं तहे दिल से शुक्रिया अदा करूंगा और जो पूरी दिल्ली है वो भी शुक्रिया अदा करेगी। अभी सदन में चर्चा हुई कि पहली बार दिल्ली के लोगों ने भारतीय जनता पार्टी को इस दिल्ली के अंदर सरकार चलाने का मौका दिया था। आप बार-बार कहते हो चर्चा करते हो ये सरकार चली गयी, चली गयी, चली गयी, चली गयी, आपने कभी इस बात पर चिंतन किया कि दिल्ली के लोगों ने जब पहली बार भारतीय जनता पार्टी को दिल्ली के इस सदन में बिठाया था कौन से वो कारण थे, कौन से वो कारनामे थे, कौन से काम थे जिसकी वजह से भारतीय जनता पार्टी को 27 साल इस सदन के अंदर बैठने का मौका नहीं दिया लोगों ने सरकार बनाने

का मौका नहीं दिया। क्या आप इस बात पर चिंतन नहीं करेंगे, फिर मौका आपको मिला है आप फिर वही गलतियां दोहरा रहे हैं फिर वही अहंकार, फिर वही सारी बातें आप कर रहे हैं। आप कहते हो अरविंद केजरीवाल कहते हैं वो मालिक हैं दिल्ली के। किस संदर्भ में उन्होंने कहा था, क्यों कहा था आपको भी समझ में आ जायेगा। अभी सरकार बने हुए ज्यादा दिन नहीं हुआ है। माननीय अध्यक्ष महोदय को चिट्ठी लिखनी पड़ी है कि अधिकारी विधायकों की बात नहीं सुन रहे है, चिट्ठी लिखनी पड़ी है अध्यक्ष महोदय को दो महीने नहीं बीते, क्या वो नौबत आ गयी दो महीने के अंदर कि माननीय अध्यक्ष को चिट्ठी लिखनी पड़ रही है, क्या दिल्ली के सदन के अंदर जो लोग चुन कर के आते हैं उनके पास अधिकार नहीं हैं, क्या दिल्ली के लोग दोयम दर्जे के लोग हैं, क्या दिल्ली के माननीय विधायक दोयम दर्जे के हैं, दिल्ली के चुने हुए विधायकों के पास वो अधिकार क्यों नहीं है जो उत्तर प्रदेश के विधायकों के पास है, जो मध्य प्रदेश के विधायकों के पास है, जो गुजरात के विधायकों के पास है, जो हरियाणा के विधायकों के पास है। हम गिड़गिड़ाते हैं अधिकारियों के पास जाकर के, विधायक की बात नहीं सुनते वो और अध्यक्ष जी को चिट्ठी लिखनी पड़ी। कल ये दिक्कत थी मैं सारे सदस्यों से कहना चाहता हूं लेकिन इसको आज अवसर है कल केंद्र में भाजपा की सरकार थी, पीएम भाजपा के थे विपक्ष में आम आदमी की सरकार थी लेकिन मैं आपसे कहना चाहता हूं आपको वक्त ने मौका दिया है केंद्र में आपकी सरकार है लेफ्टिनेंट गवर्नर आपके हैं, आपकी सरकार है इस पर सकारात्मक तरीके से सोचिये कि दिल्ली के अंदर की जो ये उलझी हुई गुत्थी है इसको आज ये सुलझा सकते हैं और पूरी आने वाली दिल्ली की पीढ़ियां आपका धन्यवाद करेंगी क्योंकि चुनी हुई सरकार को अधिकार होना चाहिये। दूसरी बात अध्यक्ष महोदय जो मैं कहना चाहता हूं दिल्ली के अंदर

पर्यावरण को लेकर के जब माननीय मुख्यमंत्री जी कह रही थी उन्होंने कहा दिल्ली में कोई काम नहीं हुआ मैं मान लेता हूं। लेकिन जितना हुआ है उससे आगे ले जाने की आपकी जिम्मेदारी है। दिल्ली के अंदर प्रदूषण को लेकर के पीएमटी या पीएम2.5 जो दिल्ली के अंदर एक्यूआई का स्तर रहा है दिल्ली के अंदर माननीय पर्यावरण मंत्री बैठे हुए हैं सदन के अंदर, आप अपने अधिकारियों से रिपोर्ट मंगा लेना 2016 में दिल्ली के अंदर 365 दिनों में से 109 दिन केवल थे जो अच्छे दिनों में गिनती की जाती थी। जिसका आंकड़ा डीपीसीसी के पास भी है। जिसका आंकड़ा सीपीसीबी के पास भी है, जिसका आंकड़ा

(समय की घंटी)

श्री गोपाल रायः थैंक्यू सर।

माननीय अध्यक्षः अशोक गोयल जी।

श्री अशोक गोयलः धन्यवाद माननीय अध्यक्ष जी आपने मुझे बजट पर चर्चा करने के लिये मौका दिया। मैं हमारी मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने एक ऐतिहासिक बजट दिल्ली के लोगों के लिये रखा है और जोकि एक लाख करोड़ का 31.5 परसेंट वृद्धि के बाद उन्होंने बजट रखा है। यह बजट प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सपने विकसित भारत की राजधानी विकसित दिल्ली का बजट है। यह बजट दिल्ली के पुनर्निर्माण का पहला कदम है। यह बजट दिल्ली के भविष्य का सुनहरा और भविष्य को सुनहरा सुरक्षित और विकसित करने वाला बजट है। यह बजट दिल्ली के लिये एक नया सवेरा लेकर आया है। यह बजट खोई हुई दिल्ली को वापस पटरी पर लाने का संकल्प है। यह बजट दिल्ली की महिलाओं को सशक्तिकरण और उनको सुरक्षित करने वाला बजट है। यह बजट गरीबों के लिये एक नयी उम्मीद

लेकर के आया है अध्यक्ष जी यह बजट युवाओं के सपने को साकार करने वाला बजट है, यह बजट हमारे अन्नदाताओं के आत्मसम्मान को बढ़ाने वाला बजट है, यह बजट दिल्ली के 3 करोड़ लोगों की अपेक्षाओं, आकांक्षाओं और विश्वास को पूरा करने वाला बजट है। यह बजट भारतीय जनता पार्टी के 16 जो संकल्प हमने लिये थे उन संकल्पों को पूरा करने वाला बजट है और ये बजट जो माननीय मुख्यमंत्री जी ने रखा है जो 10 बुनियादी मुद्दे जोकि दिल्ली जिनके लिये कराहा रही थी दिल्ली टूट रही थी, दिल्ली बिगड़ रही थी उन दस बुनियादी मुद्दों को लेकर उनको आगे बढ़ने वाला बजट गरीबों के मसीहा के रूप में बनकर आई हमारी दिल्ली के मुख्यमंत्री ने जो ये एक लाख करोड़ का जो बजट दिया है जो अभी आदरणीय गोपाल राय जी कह रहे थे कि एक लाख का आ जाता, तीन लाख का, दो लाख का। मैं आदरणीय गोपाल राय जी आपको बताना चाहता हूं कि बजट के अंदर आंकड़ें दिये गये हैं 68,700 टैक्स रेवेन्यू से आयेंगे, 750 नान टैक्स रेवेन्यू से आयेंगे, 15 हजार करोड़ लघु ;ण से आयेंगे, एक हजार करोड़ केंद्रीय सड़क निधि से आयेंगे और 4,128 करोड़ केंद्र पोषित योजनाओं से आयेंगे, 7,968 करोड़ भारत सरकार के अनुदान से आयेंगे। आप लोग भारत सरकार से लड़ते रहे, आपको ये प्राब्लम रही कि नरेंद्र मोदी जी का फोटो नहीं लगायेंगे, लेकिन ये जो सरकार है केंद्र के साथ मिलकर चलेगी इसलिये रेखा गुप्ता जी की सरकार का एक लाख करोड़ आयेगा तुम्हारा नहीं आयेगा, तुमने जो बोया था वही कुछ पायेगा तुम्हारा नहीं आयेगा रेखा गुप्ता जी का एक लाख करोड़ आयेगा। आपको जानकर हैरानी होगी जब 2014 में भारत सरकार बनी थी नरेंद्र मोदी जी जब देश के प्रधान मंत्री बने थे तो 15 लाख करोड़ का बजट था और अभी जो आखिरी बजट आया है वो 45 लाख करोड़ का बजट नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने रखा है। अभी एक लाख करोड़ का बजट रेखा गुप्ता जी ने रखा

है हमारी आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने। आप इंतजार करना होगा गोपाल राय जी आपके मुंह में घी शक्कर 3 लाख करोड़ का बजट आयेगा और आप यहीं बैठकर देखेंगे। मैं आदरणीय मुख्यमंत्री जी का हष्टदय से आभार व्यक्त करता हूं कि हमारी दिल्ली की लाखों- लाखों महिलाओं के लिये जिन्होंने महिला समृद्धि योजना के माध्यम से 2500 रूपये महीना के लिये इसमें रखा और 5100 करोड़ का इसके अंदर प्रोविजन दिया। मैं जब पहली बार माननीय अध्यक्ष जी इस सैशन की शुरूआत हुई 24 फरवरी को जब पहली बार मैं सदन में पहुंचा बाहर मैंने देखा हमारी बहन आतिशी जी और विधायक कब दोगे, कब दोगे, कब दोगे, मैंने कहा ये पहली बार विधान सभा में आये हैं आज हुआ क्या है। जब मैंने देखा और उसके बारे में जांच की तो पता लगा कि हमारी बहन आतिशी जी ने एक साल पहले बजट दिया था जिसमें बोला था पूर्व मुख्यमंत्री जी ने कि हम एक हजार रूपये देंगे, जब भी वो घर जाती थी सुबह उठती थी सपने में आकर पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल जी से पूछती थी कब देंगे, कब देंगे, कब देंगे, एक साल गुजर गया नींद नहीं आई उनको, उसी में लगी रही कब देंगे लेकिन जब वो हमारी माननीय मुख्यमंत्री जी ने कह दिया देंगे वो सदमे में आ गयी उससे बाहर नहीं निकली। मैं आप से आग्रह करना चाहता हूं एक वर्ष लेकर चलते हैं आपके प्ले कार्ड जो है अभी खराब नहीं हुए हैं, एक वर्ष लेकर पंजाब चलते हैं मान साहब के पास और उनसे पूछेंगे मैं भी साथ चलूंगा कब दोगे मान साहब, कब दोगे मान साहब, कब दोगे मान साहब, एक बार बस लेकर चलते हैं कपिल जी, मारवाह जी एक बस लेकर चलेंगे कब दोगे मान साहब। तीन साल हो गये (समय की घंटी बजी) उनसे पूछने की हिम्मत नहीं है इनकी। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं उनका अभिनंदन करना चाहता हूं 20 फरवरी की पहली कैबिनेट मीटिंग में उन्होंने आयुष्मान भारत योजना को

लागू किया और इस बजट में 2,144 करोड़ रूपये देकर दिल्ली के गरीब लोगों के लिये एक मसीहा के रूप में बनकर आई। आज दिल्ली के अंदर कोई गरीब बीमार होगा तो उसको 10 लाख रूपये का इलाज मिलेगा, किसी के घर में होगा कोई बीमार इलाज करायेगी रेखा गुप्ता जी की सरकार। प्रधान मंत्री आवास योजना के बारे में हमारे पूर्व मुख्यमंत्री बहन आतिशी जी अभी ये थी, केजरीवाल जी यहां पर हैं नहीं, उनको एक ही समस्या थी कि गरीबों को घर नहीं मिलना चाहिये, उनको एक ही समस्या थी कि नरेंद्र मोदी जी का नाम नहीं आना चाहिये और उन्होंने गरीबों को घर लेने नहीं दिया। आज मैं मुख्यमंत्री जी का अभिनंदन करना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री आवास योजना को लागू करके जो दिल्ली के गरीब लोग हैं, जिनका अपना घर नहीं हैं ᳎समय की घंटी बजी᳏ उनके लिये इस योजना की शुरूआत दिल्ली के अंदर की। डयूसिब के अंदर आपने 696 करोड़ रूपये देकर दिल्ली के गरीब लोगों के लिये एक नया सवेरा बनकर आये हैं फुटपाथ टूटे पड़े हैं, शौचालय टूटी पड़ी हैं, नालियां हैं नहीं, शौचालय महिलाओं के लिये हैं नहीं, जो शौचालय हैं उनके दरवाजे टूटे पड़े हैं कैसी हालत में इस झुग्गी-झोपड़ी के अंदर लोग जीने को मजबूर हैं। माननीय मुख्यमंत्री जी ने ये करके एक बहुत बड़ा काम किया है। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का बहुत-बहुत अभिनंदन करता हूं। किसानों के लिये जो सम्मान निधि आपने बढ़ा कर 6 हजार के ऊपर 3 हजार का टाप अप किया है उसके लिये मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का बहुत-बहुत अभिनंदन करता हूं। अनुसूचित जाति के छात्रों को सशक्त बनाने के लिये आपने जो बी आर अम्बेडकर स्टाईपेंड योजना की शुरूआत की है 5 करोड़ रूपये देकर जिसमें कि आईआईटी करने वाले छात्रों को एक हजार रूपये मंथली स्टाईपेंड मिलेगा उसके लिये भी मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। कामगारों के लिये अभी तक किसी ने नहीं सोचा जिनके लिये

अभी तक कोई योजना नहीं थी, ऑटो ड्राईवर, डोमेस्टिक हैल्प जिनका शोषण किया जाता था उनके लिये भी कामगार कल्याण बोर्ड बनाकर आपने जो काम किया है उसके लिये मैं आपका बहुत-बहुत अभिनंदन करना चाहता हूं। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना बिजली योजना के साथ-साथ लोगों को भी बिजली मिले इसकी भी चिंता और उससे कमाए आपने उसमें 78 हजार रूपये तक की सब्सिडी और दो लाख 20 हजार लोगों के लिये आपने उसके अंदर किया है उसके लिये मैं आपका अभिनंदन करना चाहता हूं। एक मिनट में अपनी बात समाप्त करूंगा।

माननीय अध्यक्षः एक मिनट नहीं 30 सेकिंड में।

श्री अशोक गोयलः व्यापार और उद्योग के लिये भी ट्रेडर वैलफेयर बोर्ड विवाद से विश्वास स्कीम, ईज आफ डूईंग बिजनेस, मेक इंडिया के तर्ज पर मेक इन दिल्ली, वेयरहाउसिंग पॉलिसी, औद्योगिक क्षेत्रों का रेगुलराइजेशन प्लान, सिंगल विंडो सिस्टम और लीज होल्ड प्रॉपर्टियों को फ्रीहोल्ड प्रॉपर्टी में कनवर्ट करने के साथ साथ जो ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट के बारे में आपने बात की है जोकि हर दो वर्ष में होगा जिससे कि दिल्ली में उद्योग बढ़ेगा, निवेश बढ़ेगा, व्यापार बढ़ेगा और जिसके लिये बार-बार कह रहे हैं कि एक लाख करोड़ कहां से आयेगा। जो इंफ्रास्ट्रक्चर में जो निवेश किया है जिसका रिटर्न दिल्ली को मिलेगा, व्यापार बढ़ेगा, जीएसटी बढ़ेगी वो एक लाख करोड़ से भी ज्यादा पैसा आयेगा। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का अभिनंदन करना चाहता हूं दिल्ली को रेखा गुप्ता जी ने फिर से संवारने की ठानी है और भ्रष्टाचार का हर काला पन्ना अब जलाने की बारी है, बहुत-बहुत धन्यवाद आदरणीय अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद, धन्यवाद, बहुत अच्छा। श्री कुलवंत राणा जी।

श्री कुलवंत राणाः धन्यवाद अध्यक्ष जी। सर्वप्रथम में 76 हजार करोड़ से एक लाख करोड़ बजट होने पर माननीय मुख्यमंत्री महोदय का और जो माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी का जो दिल्ली की हालात को देख करके जो मन पीड़ित हुआ था और उनकी जो इच्छा थी कि बेहतर दिल्ली बने और बेहतर दिल्ली के निर्माण के लिये जो मुख्यमंत्री महोदय बजट लाई हैं उसके लिये मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदया का बहुत बहुत आभार व्यक्त करता हूं। ये सच है कि केंद्र शासित शासन रहा कारणों से पहले 93-98 के बीच में भाजपा की सरकार रही। मित्रों सुन लेना मेरी बात आराम से। दिल्ली की जनता ने चुना भाजपा की सरकार को। दिल्ली का बजट कम था बजट बढ़ाने के लिये वैट की दरें 12 परसेंट थी वसूली की। उन दरों को कम किया, दिमाग लगाया टैक्स कैसे बढ़े। ये न आपका 76 हजार करोड़ है न एक लाख हमारा है जनता का पैसा है। जनता के पैसों को कैसे ठीक से खर्च किया जाये इसकी सोच होनी चाहिये, इसकी योजना होनी चाहिये दिल्ली की जनता हमको चुनती है किस लिये चुनती है कि दिल्ली को बेहतर बनाये हम, दिल्ली कैसे आगे बढ़े। 93वे से 98वे के बीच में प्रतिभा विकास विद्यालय 12 किसने बनाये, भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने। 12 नये महाविद्यालय किसने जोड़े दिल्ली के अंदर भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने, कोटर्स का डिविजन किसने किया सब डिविजन कोटर्स का और डिविजन ऑफिस का, भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने, कोर्टों का विस्तार कब हुआ, भारतीय जनता पार्टी के शासन में, जेलों का विस्तार कब हुआ भारतीय जनता पार्टी के शासन में, अस्पताल कब बने नये भारतीय जनता पार्टी के शासन में, आपके पास कोई ब्यौरा है 11 साल में प्रदूषण प्रदूषित दिल्ली ये आपका क्रियाकल्प है। प्रदूषित दिल्ली दिल्ली में गंदा पानी, टूटी हुई सड़कें ये आपकी कहानी बद्तर स्तर में अस्पताल, डिस्पेंसरियों में दवाई नहीं, घोटाला, कोई पानी गंदा पिला दिया

आपने दिल्ली के लोगों को, एक उपलब्धि आपकी 11 साल बुजुर्गों को पेंशन नहीं दी 10 साल से आपने। एक उपलब्धि बताईये आप। हमारी सड़कें दिल्ली का जब शासन था 93-98 के बीच में दिल्ली की सड़कें बेहतर होती थी। दिल्ली में गऊशाला स्थापित की गयी, दिल्ली की मैं अध्यक्ष जी से बात कर रहा हूं आपसे नहीं कर रहा मैं। मैं आपसे नहीं करूंगा सही बात है। मैं अध्यक्ष जी को अवगत करा रहा हूं अध्यक्ष जी को। हां उधर से ही कर रहा हूं आपको नहीं कर रहा। तो अध्यक्ष जी, कितना विकास हुआ ठीक है, तीन बड़े मुख्यमंत्री बदल गए , वो निर्णय पार्टी का था लेकिन एक भी मुख्यमंत्री नकारा साबित नहीं हुआ और भ्रष्टाचार में जेल नहीं गया हमारा मुख्यमंत्री। हमारे मुख्यमंत्री ने काम किया मैं उसका उल्लेख दूंगा एक आपको ही। आपके मंत्रालय में आपकी सरकार के टाइम में एक स्पोर्ट्स युनिवर्सिटी का प्रावधान किया गया 98वे में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने एक भूखंड लिया अधिग्रहण किया घेवरा के अंदर 27 साल में आप उसको नहीं बना पाये। आपने क्या किया? और 27 साल के बाद शिलान्यास इसी साल मैंने मुख्यमंत्री महोदय से प्रार्थना करूंगा उस भवन का शिलान्यास इसी वर्ष में हो और वहां पर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह जो बहुत अथक काम किया इस दिल्ली के लिये, बहुत बड़े-बड़े उनके सामने आईपी युनिवर्सिटी किसने बनाई ये नेता जी सुभाष इंस्टीट्यूट किसने बनाया, डीटीयू का विस्तार किसने किया, 12 प्राइवेट जो सामाजिक संस्थायें हैं उनको मान्यता प्रॉप्त देकर के मान्यता देकर के कॉलिज चल रहे हैं आज 12, कब बने वो? आपकी कोई उपलब्धि है तो साहिब सिंह साहब के नाम से हमारे मुख्यमंत्री महोदय उस युनिवर्सिटी का नाम किया जाये और उनकी प्रतिमा भी लगायी जाये क्योंकि उनकी शुरूआत ही वहां पर है और उनके संस्कार की भी अनुमति शीला जी के काल में शीला जी ने दी थी। उनकी सरकार थी उस समय मैं उसके लिये भी

उनका आभार व्यक्त करता हूं। शीला जी ने भी काम आगे बढ़ाया। पुल भी बने, दिल्ली इतनी बद्तर नहीं बनी लेकिन आप जवाब देंगे ये जवाब देंगे ये आपदा के लोग कि दिल्ली बद्तर क्यों बनी। दिल्ली के ऐसे हालात क्यों बने। बजट भी बढ़ गया। 30 हजार से ठीक है 76 हजार करोड़ रूपये ले आये। दिल्ली की जनता ने अपनी कमाई का गाढ़ा पैसा टैक्स के रूप में दिया है। न पैसा तुम्हारे बाप का न हमारे बाप का। पैसा जनता का है। जनता पैसा देती है लेकिन जनता के पैसे का सदुपयोग जनहित में कैसे हो इसका चिंतन कौन करता है आप ने चिंतन नहीं किया, आपने क्या चिंतन किया हमारी पार्टी का विस्तार कैसे हो। हम दिल्ली से बाहर के देशों में बाहर के राज्यों में कैसे विस्तार हो। हमारी दिल्ली स्तरीय पार्टी देश स्तर पर कैसे जाये इसकी चिंता आपने की। दिल्ली की जनता की चिंता आपने नहीं की। दिल्ली की जनता की चिंता करते तो जो विधवाओं की पेंशन आपने नहीं बढ़ायी 500 रूपये तो हमने बढ़ाई है। आपने नरेला में युनिवर्सिटी खोली 500 करोड़ की लागत से। आपने उसको नहीं बनाया। आपने ग्रामीण विकास बोर्ड का बजट नहीं बढ़ाया 1,197 करोड़, क्यों नहीं किया आपने किसने रोका था आपको। किसी ने रोका था क्या आपको। आपने प्रतिभा विकास विद्यालय भी बिगाड़ दिये और जो स्कूल बनाये आपने वो स्कूल भी ऐसी गंदी सोच के साथ बने उनमें क्वालिटी कंट्रोल बिल्कुल था नहीं आपका और वो स्कूल एक साल में बनते हैं और चूं जाते हैं। ये आपकी दिशा थी, ये आपका मॉडल था। यही माडल था क्या आपका। आज भी कोई एक ज़मीन अनॉथराइज कॉलोनी बता दो जिसका संपूर्ण विकास आपने कर दिया हो जहां सीवर की पूरी व्यवस्था कर दी हो। बढ़िया प्रकाश की व्यवस्था हो या पानी की निकासी अच्छी हो। एक कॉलोनी का उदाहरण दे दें आप, एक गांव बता दें ऐसा दिल्ली में जो आपने मॉडल गांव बनाया हो। जो बहुत सुंदर गांव हुआ हो। आपने क्या किया? प्रधानमंत्री

आवास योजना उसको रोक दिया। आपने किसान सम्मान निधि रोक दी। आपने दिल्ली के ग्रामीण विकास का विकास रोक दिया। आपने किया क्या, बसों का बेड़ा गर्क आपने कर दिया, डीटीसी का बेड़ा गर्क आपने कर दिया, अस्पतालों का बेड़ा गर्क आपने कर दिया, आपने किया क्या है तो जो एक लाख करोड़ का जो बजट है माननीय मुख्यमंत्री जी ले के आई हैं

(समय की घंटी बजी)

श्री कुलवंत राणाः इस बजट से दिल्ली को दिशा मिलेगी और हम जो कहते हैं वो करते हैं। हम जो बोलते हैं और कुछ करते हैं वो लोग हम नहीं हैं। सपने दिखाते हैं वादों के महल जो बनाये गये हकीकत की आंधी में ढह गये दिल ने मांगी थी रोशनी पर साये अंधेरे में बह गये। ये उनका हालत है। ये इनके हालात हैं। कहते कुछ हैं, करते कुछ हैं अपना सपना मेरा सपना कैसे पूरा हो, मैं प्रधानमंत्री कैसे बनूं इस पर काम हुआ 11 साल। दिल्ली बेहतर कैसे हो, गरीब का जीवन बेहतर कैसे हो, दिल्ली पर्यावरण से मुक्त कैसे हो, इसकी चिंता इन लोगों ने नहीं की। ये बड़े बड़े विद्वान हैं, बड़े बड़े क्रांतिकारी क्रांति कौन सी देश के लिये की इन्होंने। इन्होंने अन्ना जी के आंदोलन में पैसा लूटा, मीडिया को बांटा, मीडिया साथ हुई, खंबे पे चढ़ गया, एक कहानी लिख दी और दिल्ली के लोगों ने फिल्म भी देख ली। इनकी फिल्म देख ली दिल्ली के लोगों ने। अरे तुम्हारे जीवन में त्याग तपस्या क्या था तुमने क्या खपाया अपने आप को देश के और दिल्ली के लोगों के लिये। तुमने मजे मारे हैं, आनंद लिये हैं और शराब नीति किस प्रकार की, दिल्ली में शराब कोई पीता था, लेता था अध्यक्ष जी, उसको एक विश्वास था कि दिल्ली में नकली शराब नहीं मिलेगी। ये पूरे देश के अंदर गारंटी थी दिल्ली में, इन्होंने शराब नीति लाकर के दिल्ली के लोगों को नकली शराब पिला दी।

(समय की घंटी)

श्री कुलवंत राणाः और विश्वास भी तोड़ दिया इन लोगों ने और पैसे घोटाले करके पैसे बनाये, जेलों में जाकर के मसाज कराई। ऐसी राजनीति करने आये थे ये?

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री कुलवंत राणाः ये बदलाव की राजनीति थी। ये भ्रष्टाचार दूर करने की राजनीति थी और भ्रष्टाचार चार गुना बढ़ गया इनके काल में चार गुना। मेरे पड़ोस में एक एमएलए हैं अभी बराबर में एक एमएलए हमारे बन के आये हैं सड़कें बनाने के पैसे मांगता था जी। नाली बनाने के पैसे मांगता था और उस आदमी को शाहबाद डेयरी स्लम बस्ती में रहता था, आज बड़े-बड़े अपार्टमेंट में रहता है। ये बदलने आये थे दिल्ली, इन्होंने अपने आपको ही बदल लिया। वो छोटी गाड़ियां कहां हैं इनकी जब पहले सत्र में ये लोग लेके आये थे? वो केजरीवाल की गाड़ी कहां है वो छोटी, वो कौन से गैराज में खड़ी हो गयी? वो खांसी थी नहीं, वो कहानी का हिस्सा था। वो छोटी गाड़ी, कहानी का हिस्सा था, वो मफलर कहानी का हिस्सा था। लोगों को फिल्म बनाकर के फिल्म दिखा दी।

माननीय अध्यक्षः चलिये धन्यवाद। विशेष रवि जी।

श्री कुलवंत राणाः अध्यक्ष जी, दिल्ली का बेड़ा गर्क जो इन्होंने किया है वो काला इतिहास में इनका दर्ज हो गया है। वो इतिहास इनका दर्ज हो गया है और दिल्ली की जनता कभी भी इनको समझ गयी है।

माननीय अध्यक्षः विशेष रवि जी।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः आप शुरू करिये।

श्री विशेष रविः बहुत बहुत धन्यवाद। बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः विशेष रवि जी।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः अब शुरू करिये विशेष रवि जी आप।

श्री विशेष रविः अध्यक्ष जी 25 तारीख को दिल्ली विधान सभा में नेता सदन और माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो है बजट को पेश किया और उनके द्वारा जो पेश किया गया। बजट की जो प्रस्तुति थी जिस तरह से बजट को पेश किया गया मैं उसके लिये उनकी तारीफ करूंगा। सच में जो है मतलब लगा ही नहीं कि पहली बारी जो है हाउस में खड़े हो के आपने बजट पेश किया। बहुत ही अच्छे तरीके से आपने बजट को रखा। जैसा जो भी इनको लिख कर के इनको दिया गया पढ़ा इन्होंने बहुत ही बढ़िया इसके लिये आपकी जो है मैं बहुत जो है तारीफ करना चाहता हूं। अध्यक्ष जी, बजट इस बजट को देख के जो है मुझे एक बात याद आयी ध्यान आई कि अक्सर जो है लोग कहते हैं कि ऑनलाइन शापिंग जो है न वो खतरनाक होती है। क्यों? क्योंकि उसमें दिखाया तो बहुत अच्छा जाता है, जो भी चीज़ आप खरीदने जाओ ऑनलाइन के अंदर उसको दिखाते तो सुंदर-सुंदर हैं लेकिन उसको अगर आपने गलती से ऑर्डर कर दिया और आपको जब घर वो सामान पहुंचता है तो आप जब उसको खोल के देखते

हैं तो पछताते हैं कि ये क्या निकला। यहां सरकार के द्वारा ये कहा गया था कि हमने हर वर्ग से पूरी दिल्ली के लोगों से मिल के उनसे बात करके जो है बजट तैयार किया गया। आप बजट के पास जहां आप पेश होने के बाद हम भी अपनी विधान सभा क्षेत्र में गये लोगों से मिले, उनसे बात करी बजट के बारे में तो लोग ये कह रहे थे कि हमें बताया तो कुछ गया था लेकिन दिखाया तो कुछ गया था लेकिन मिला कुछ और। क्योंकि लोगों के पास भारतीय जनता पार्टी का जो संकल्प पत्र है वो था। मैं एक-एक करके जो है जो उनका संकल्प पत्र में जो उन्होंने जो उन्होंने चीजें कही थी वो मैं आपके आगे रखना चाहूंगा। महिला यूथ को लेकर सबसे पहले क्योंकि दिल्ली के अंदर यूथ प्रतीक्षा में था कि बजट आयेगा तो रोजगार पर बात होगी। जो बेरोजगार युवा घूम रहे हैं उनकी बात होगी और क्योंकि संकल्प पत्र में ये भारतीय जनता पार्टी ने कहा था कि हमारी सरकार बनने के बाद टाइम बाउंड मैनर में 50 हजार नौजवानों को सरकारी नौकरी दी जायेगी। इसका जो है बजट के अंदर जो है कहीं जिक्र नहीं था। दूसरा सरकार ने कहा था संकल्प पत्र में कि हम 20 लाख यूथ को 20 लाख नौजवानों को प्राइवेट नौकरियों में जो है उनको नौकरी दिलाई जायेगी। इसका भी जिक्र जो है हमारे संकल्प पत्र में नहीं मिला। फिर हम महिलाओं से मिले हम, महिलाओं के पास संकल्प पत्र था तो महिलाओं ने कहा कि संकल्प पत्र में महिलाओं की जहां बात हो रही थी तो वहां दूसरा प्वाईंट था कि दिल्ली के अंदर 33 परसेंट महिलाओं को सरकारी नौकरी में रिजर्वेशन दिया जायेगा। उसकी बात बजट में कहीं नहीं मिली। इसी में ये कहा गया कि दिल्ली के अंदर पढ़ने वाली 12वीं कक्षा के अंदर छात्राओं को स्कूटर्स दिये जायेंगे जो मेधावी छात्र हैं उनको स्कूटर दिये जायेंगे 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले मेधावी छात्रों को। उसके बारे में जो है कोई बात नहीं की। दिल्ली के अंदर महिलाओं को दिवाली और होली पर

सिलेंडर दिये जायेंगे उसकी जो है बजट के अंदर कहीं बात नहीं की गयी। दिल्ली के अंदर जो गरीब महिलायें हैं उनकी बेटी की शादी के लिये 50 हजार रूपये सरकार से राशि दी जायेगी। इसका भी जो है इस बजट के अंदर जो है कहीं जिक्र नहीं मिला। इसके बाद हम आते हैं महिलाओं से जुड़ा हुआ है इसमें संकल्प पत्र में कहा गया था कि जो आंगनवाड़ी वर्कर्स हैं उनके मानदेय को बढ़ा कर 12 हजार किया जायेगा, जो आंगनवाड़ी के सहयोगी वर्कर्स हैं उनका 7 हजार किया जायेगा और जो आशा वर्कर हैं उनकी मानदेय को बढ़ाकर 6 हजार रूपये किया जायेगा, इसका भी बजट के अंदर कहीं जो है जिक्र नहीं आया है। अब हम आगे बढ़ते हैं दिल्ली के अंदर इसकी संकल्प पत्र के अंदर ये कहा गया था कि जो सिख समाज के लोग हैं और जो गुरूद्वारों में ग्रंथी हैं उनके लिये हर महीने 20 हजार रूपये जो है उनकी तनख्वाह के रूप में या उनको सहयोग के रूप में या सम्मान के रूप में दिये जायेंगे उसका भी जिक्र बजट में कहीं नहीं मिला। साथ में ये भी कहा गया था कि जो 1984 के दंगे हुए उसमें जो विधवा महिलायें हैं उनका जो है पेंशन को जो बढ़ाकर ढाई हजार से 5 हजार रूपये किया जायेगा इसका भी जो है कहीं भी बजट में ढूंढने पर जो है जिक्र नहीं मिला। आगे चलें, गरीब लोगों के लिये स्पेशियली गरीब लोगों के लिये कहा गया था इस संकल्प पत्र में कि हम ईडब्ल्यूएस कमीशन का गठन करेंगे, उनकी भलाई के लिये, उनकी जरूरतों के लिये, उनके काम के लिये लेकिन बजट में इसका कहीं भी बहुत ज्यादा ढूंढने के बाद भी जो है वो जिक्र नहीं मिला।

(समय की घंटी बजी)

आगे, एससी एसटी समाज के लोगों के लिये बहुत सारी बातें कही गयी थी लेकिन बजट के अंदर जो है कुछ नहीं मिला। बल्कि दिल्ली के अंदर ही गुरू महाराज श्री रवि दास जी का मंदिर तोड़ा गया 2018 के अंदर केंद्र सरकार के

द्वारा एजेंसी डीडीए ने उसको तोड़ा, आज हम 2025 के अंदर खड़े हैं हर बार जो हैं ऐसे वादे मिलते हैं आज भी उनके मंदिर का पुर्न स्थापन नहीं किया गया। जो एससी एसटी वर्ग के लोग थे उनकी ये मांग थी कि शायद नयी सरकार आयेगी तो वो जो है कुछ प्रावधान करेगी, वो व्यवस्था करेगी लेकिन उसका भी जिक्र जो है इसमें नहीं मिला। सीएम साहिबा ने जो है जब दो तीन दिन पहले या एक हफ्ते पहले जब यहां पर ओरिएंटेशन प्रोग्राम था तो उन्होंने जो है एक बहुत अच्छी बात की थी मैं तो प्रोफेशनली बहुत इंप्रैस हुआ था इस बात से। उन्होंने कहा था कि पूरी धरा भी साथ है तो और बात है और विपक्ष के लिये कहा था कि आप साथ हो तो और बात है। उस दिन उनकी इस बात से मैं बहुत इंप्रैस हुआ लेकिन जब 25 तारीख को बजट पेश किया गया तो हमने देखा कि कैसे पानी पी-पी के पानी पी-पी के जो है पिछली सरकार की निंदा की गयी। हर एक डायलॉग के बाद सरकार की, हमारी सरकार की निंदा की गयी। तो ये समझ में ही नहीं आया कि एक तरफ तो आप ये चाह रहे थे आपने विपक्ष के लिये कहा कि एक तरफ एक तरफ आपने कहा कि आपका साथ जो है बहुत जरूरी है और एक तरफ जब आप बजट पेश कर रहे हैं तो बजट में अपने काम से ज्यादा जो है आप जो पहले सरकार थी उसकी आप निंदा कर रहे हैं। तो मेरा इस बात पर ये कहना है कि जितने भी यहां पर भारतीय जनता पार्टी के लोग बैठे हैं उनसे मेरा ये कहना है कि आप अपनी अंतरात्मा से पूछिये कि दिल्ली के अंदर अगर काम रूके तो उसका कारण क्या था, कैसे एक-एक करके दिल्ली सरकार की शक्तियों को कम किया गया, कैसे हमारे से दिल्ली के अंदर काम करने को रोका गया, कैसे आप ने एक षडयंत्र के तहत दिल्ली की सरकार को ठप्प करने का प्रयास किया, अपनी अंतरात्मा से पूछिये। वहां जवाब मिलेगा आपको। जितनी निंदा आपने करी, जितनी निंदा आपने करी अगर उसका

जवाब चाहिये तो अपनी अंतरात्मा से पूछिये कैसे आपने षडयंत्र के तहत दिल्ली की सरकार को ठप्प किया।

(समय की घंटी)

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद।

श्री विशेष रविः बदनाम किया और उसके बाद आपने जो ये यहां पर आप कर रहे हैं।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद, धन्यवाद।

...(व्यवधान)

श्री विशेष रविः आखिर में अपनी बात को खत्म करते हुए क्योंकि बहुत सारी शायरी जो है वहां से हुई, तो अपनी बात मैं एक शायरी से खत्म कर रहा हूं कि सदन हो या सरकार हो बिना समन्वय के, बिना जो है तालमेल के नहीं चलता है। हर सरकार जो आती है वो कोशिश करती है कि वो अच्छा करे और वो प्रयास भी करती है और अच्छा करती भी है लेकिन दूसरी सरकार की निंदा करना हर वक्त और अहंकार में रहना जो है न वो मुझे लगता है कि वो सही दिशा नहीं है काम करने की अगर आपको सरकार चलानी है तो समन्वय से सरकार चले और एक बार्डर फिल्म का एक शेर हे वो जो मोमेंट है वो ये है कि जैकी श्राफ जो हे न अपनी फोर्स की बहुत तारीफ कर रहे थे कि एयर फोर्स में ये है, एयरफोर्स में वो है फलानां-ढिकानां तो सन्नी देओल ने ये बात कही ‘कि हम ही हम हैं तो क्या हम हैं और तुम ही तुम हो तो क्या तुम हो‘ धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः बहुत बहुत धन्यवाद थैंक्यू सो मच। चंदन चौधरी जी।

श्री चंदन कुमार चौधरीः बहुत बहुत धन्यवाद अध्यक्ष जी। मैं सबसे पहले इस सदन के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी और उनकी पूरी टीम को इस ऐतिहासिक समावेशिक और दूरदर्शी प्रस्तावित बजट 2025-26 के लिये हार्दिक बधाई देना चाहता हूं। यह बजट दिल्ली के विकास, सुशासन और जनता के कल्याण के प्रति, हमारी सरकार के प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह केवल संख्याओं का संकलन नहीं, बल्कि एक दृढ़ संकल्प और नई दिशा का दस्तावेज है जो दिल्ली को सशक्त, स्वच्छ, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाने में मील का पत्थर साबित हुआ होगा। आदरणीय अध्यक्ष जी, यह बजट उन सभी बुनियादी आवश्यकताओं को ध्यान में रखता है जिनकी पिछले 12 वर्षों में अनदेखी की गयी है। यह दिल्ली के नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बजट है जिसमें अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचा, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा, रोजगार और पर्यावरण जैसे प्रमुख क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गयी है। आदरणीय सभापति महोदय, हम लोकतंत्र के बारे में यह पढ़कर बड़े हुए कि लोकतंत्र में सरकार जनता का, जनता के द्वारा और जनता के लिये होना चाहिये लेकिन आम आदमी पार्टी के मुखिया ने इसकी परिभाषा बदल कर इसमें सिर्फ स्वयं को स्थापित करते हुए इस सरकार का आप का, आपके द्वारा आपके लिये कर दिया। जी, यहां मेरा आप से संदर्भ भी वही है जो आप सोच रहे हैं आम आदमी पार्टी। पिछली सरकार की हर एक नीति सिर्फ जनता की गाढ़ी कमाई लूट कर अपनी झोली भरने के लिये बनाई गयी थी। आदरणीय अध्यक्ष जी हम सभी को जनता ने बड़ी आशाओं और अपेक्षाओं के साथ इस पवित्र सदन में भेजा है। विशेषकर तब जब जनता को बड़े बड़े वादे करने वाली एक निकम्मी सरकार जिसने लगभग 12 वषों तक राज किया और कहते हैं कि दिल्ली दिल वालों की है इसकी पहचान छीनने की

कोशिश की। इसे लंदन और पेरिस बनाने के अपने सपने जनता के मन में बोये और सपने दिखाते-दिखाते दिल्ली को बदहाल कर दिया। लेकिन हमें पूर्ण विश्वास है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और माननीय मुख्यमंत्री दीदी रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में विकसित दिल्ली का जो हमने सपना संजोया है उसे हम सभी इस बजट के साथ क्रियान्वित होते हुए देखेंगे। यह सरकार हमारे कार्यों के साथ एक नये कीर्तिमान स्थापित करेगी। आदरणीय अध्यक्ष जी, जब प्रशासनिक व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है तो न्याय और अनुशासन का कोई मूल्य नहीं रह जाता है। यही स्थिति दिल्ली में इस पिछली सरकार ने बना दी थी।

सत्ता निरंकुश हो चुकी थी, मालिक शीशमहल में भोग विलासिता में लिप्त थे। हर एक नीति सिर्फ जनता की गाढ़ी कमाई लूटकर अपनी झोली भरने के लिए की गई। आदरणीय सभापति महोदय, मैं धन्यवाद करता हूं अपनी मुख्यमंत्री जी का जिनके नेतृत्व में दिल्ली के लिए एक बजट लाया गया है। अब मैं बजट 2025-26 के कुछ प्रमुख बिंदुओं के लिए आदरणीय मुख्यमंत्री जी और उनके कैबिनेट का धन्यवाद करना चाहता हूं। मैं धन्यवाद करता हूं अपनी सरकार, अपनी मुख्यमंत्री जी का जिन्होंने खजाना चोरी होने के बावजूद भी एक लाख करोड़ का बजट प्रस्तुत किया जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 32 प्रतिशत अधिक है। यह दिल्ली के तीव्र विकास को दर्शाता है। हम सब इसके लिए आदरणीय मुख्यमंत्री जी का आभारी है। दिल्ली में 'आयुष्मान भारत योजना' के तहत प्रत्येक नागरिक को 5 लाख और 5 लाख का टॉपअप प्रस्ताव जो आपने रखा है उसके लिए मैं सभी दिल्लीवासियों की तरफ से आपको धन्यवाद करता हूं। आदरणीय प्रधानमंत्री जी, प्रधानमंत्री-श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा यह स्वास्थ्य बीमा योजना हर जरूरतमंद की चिकित्सा के लिए यह वर्षों से प्रदान की जा रही

लेकिन केजरीवाल की आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली के आम आदमी को, आम आदमी को ही सबसे ज्यादा धोखा दिया और इस योजना को अभी तक लटकाकर के, चटकाकर के रखा था। आपने इस स्वास्थ्य बीमा के लिए 2 हजार 144 करोड़ का जो प्रावधान किया गया उसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं।

आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं पूर्वांचल की धरती से आता हूं और बिहार की धरती से। एक समय था जब केजरीवाल जी पूर्वांचलियों का वोट तो लेते थे लेकिन उसे पानी पी-पीकर, पी-पीकर गाली देते थे। वह कहते थे कि बिहारी 5 सौ का टिकट लेकर के आते हैं और 5 लाख का इलाज कराकर चले जाते हैं। कोरोना काल में झूठ बोलकर जिस तरह से आपकी सरकारों ने बसों में लादकर, लादकर हम लोगों को आनंद विहार छोड़ गये, आज उनके इसी घमंड के कारण पूर्वांचलियों ने उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया गया है। अब 'आयुष्मान भारत योजना' अब दिल्ली में लागू होने के बाद लाखों गरीब परिवार को चिकित्सा की गारंटी मिलेगी।

(समय की घंटी)

श्री चन्दन कुमार चौधरीः आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं चंद पंक्ति सत्ता और सामाजिक जीवन में कार्य करने वाले लोगों के लिए बोलना चाहता हूं-

'जो भरा नहीं भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं,

वह हृदय नहीं पत्थर है जिसमें जनता के लिए प्यार नहीं।'

पिछली आम आदमी पार्टी की सरकार भ्रष्टाचार, अनियमितताओं, कमिशनखोरी से भरी हुई थी। इनकी नीतियों के कारण न केवल सरकारी खजाने को भारी

नुकसान हुआ बल्कि दिल्ली की जनता के विश्वास को भी ठेस पहुंची। उनके इसी पाप के कारण आप 62 से 22 पर आ गये। आदरणीय अध्यक्ष जी, पूंजीगत व्यय को दोगुणा वृद्धि जो की गई मैं इसके लिए अपनी सरकार, माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं, पूंजीगत व्यय को बढ़ाकर 28 हजार करोड़ किया गया है जिससे बुनियादी ढांचा, सड़क, नाली, सीवर सिस्टम में सुधार होगा, जिससे नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेगी।

आदरणीय अध्यक्ष जी, सरकार बने हुए अभी महीना भी नहीं हुआ था विपक्ष के नेता कुछ तो यहां बैठे हैं, कुछ दिल्ली से भगाये जाने के बाद पंजाब में विपासना कर रहे हैं। वही पंजाब जहां उन्होंने कहा था कि वहां महिलाओं के खाते में सरकार बनते ही हजार रुपया आने लगेंगे, आज तक वहां की महिलाओं को एक रुपया नहीं मिला है। माननीय मुख्यमंत्री जी अब आपने उन सभी को जवाब देते हुए महिला समृद्धि योजना के तहत 51 सौ करोड़ रुपया जो दिया है...

(समय की घंटी)

श्री चन्दन कुमार चौधरी: दो मिनट और अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्ष: नहीं, दो मिनट नहीं, आधा मिनट में खत्म करिये।

श्री चन्दन कुमार चौधरी: चलिए मैं लास्ट में कम शब्दों में अपने विषय को समाप्त करता हूं। हमारा क्षेत्र अनऑथराइज्ड कॉलोनी पूरा है जिसमें रोडों की स्थिति जो थी अध्यक्ष जी वो पंचायत में सीरियल में जो भूषण होता था, पंचायत का सीरियल सभी लोगों ने देखा होगा, वेब सीरीज, उसमें भूषण जब अपनी पत्नी को बैठाकर के लेकर जाता था तो उनकी पत्नी कहती थी कि मोटरसाइकिल पर,

मोटरसाइकिल आपको चलाने नहीं आता है तो भूषण ने कहा कि मोटरसाइकिल तो मुझे चलाने आता है लेकिन गड्ढे में ही बवासीर है जिसकी वजह से ये दिक्कत आ रही है। इन्हीं शब्दों के साथ अपनी वाणी को विराम देता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः बहुत-बहुत धन्यवाद। सूर्य प्रकाश खत्री जी।

श्री सूर्य प्रकाश खत्रीः आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री-बहन रेखा गुप्ता जी को, दिल्ली को पुनर्जीवित करने के लिए जो बजट देश के प्रधानमंत्री माननीय श्री मोदी जी के दिशा निर्देश में दिल्ली के अंदर पेश किया उसके लिए मैं तहे दिल से उनको बधाई देता हूं और उनकी टीम जोकि मंत्रीमंडल है उनको भी बधाई देता हूं। मैं अभी पीछे जब इस सत्र में भाग ले रहा हूं तो देख रहा था कि जो विपक्ष के मेरे विधायकगण, साथी हैं जिनको भाई कहने पर भी ऑब्जेक्शन आता है, उनका कहना ये था कि ये बजट हवा-हवाई है और ये हवा-हवाई सुनते-सुनते आज तीसरा दिन हो गया है। मुझे लगता है कि वो ठीक कह रहे हैं बजट हवा-हवाई है लेकिन वो है नहीं वो हवा-हवाई था, है नहीं। मेरे को, जरनैल सिंह चले गये, क्योंकि ये जो ऐतिहासिक बजट जो एक लाख करोड़ का जो दिया, उन्होंने कहा कि ये कोई नई बात नहीं है क्योंकि इससे पहले भी 78 हजार करोड़ का दिया गया था, जरूर दिया गया था। लेकिन उससे पहले कभी 2 हजार करोड़ रुपये उसमें से घटाये नहीं गये, ये बात उन्होंने नहीं बताई लेकिन वो पैसा और इस पैसे में एक अंतर है अध्यक्ष जी, आपका जो पैसा पिछली सरकार का जो लगा था वो भ्रष्टाचार में लगा था और ये जो पैसा एक लाख करोड़ लगेगा ये दिल्ली के विकास के लिए लगेगा, दिल्ली को पुनर्वास करने के लिए लगेगा, ये फर्क है पिछले बजट्स में और इस बार के बजट में।

अध्यक्ष जी, मैं देख रहा था कि जो हमारा एक लाख करोड़ रुपये जो लगेगा, इस बजट से दिल्ली एशिया का नहीं संसार का एक खुबसूरत शहर में बदलने के लिए ये बजट लगेगा। मैं पिछले, जिस दिन से हमारा रिजल्ट आया है उस दिन से देख रहा हूं मेरी बहन आतिशी, शुरू से ही एक फ्लैग लेकर, फ्लैग बोर्ड लेकर बार-बार एक ही चीज लेकर चल रही थी 2500 रुपये कब लायेंगे, 2500 रुपये कब आयेंगे, अभी भी आप पूछ रहे हो लेकिन वो बोर्ड आपका गायब है, आप अंदर भी लेकर आये उसको। लेकिन अगर मुझे अच्छा लगता कि आप उसके साथ-साथ पिछले 11 साल में ये कहते कि मोदी जी आयुष्मान के 5 लाख रुपये कब दोगे, आयुष्मान के 5 लाख रुपये कब दोगे। आपने उस 5 लाख से दिल्ली की जनता को महरूम रखा उसकी आपको चिंता नहीं थी, लेकिन जिस दिल्ली की महिलाओं के लिए आज हम 2500 रुपये देने के लिए 51 सौ करोड़ रुपये लेकर आये हैं उस पर आप शक कर रहे हैं क्योंकि इसमें आपका कसूर नहीं है क्योंकि आपका जो शासन चला है वो शासन एक तानाशाह के अंडर चला है। और ये भी मत भूलियेगा कि आपके किये गये पिछले कर्मों की वजह से, आपके नेताओं की वजह से, बहन जी मैं ये बता देना चाहता हूं कि अगर आज भारतीय जनता पार्टी ने अगर वो लड़ाई न लड़ी होती तो आप शायद इस दिल्ली के अंदर कभी मुख्यमंत्री भी न बने हुए होते। आप मुख्यमंत्री बने हों इसमें भी 'आप' की सरकार का भ्रष्टाचार का बहुत बड़ा रोल था।

...(व्यवधान)

श्री सूर्य प्रकाश खत्रीः 51 सौ रुपये आ गये, 25 सौ भी आ जाएंगे।... मुझे लगता है कि आप लोग कम पढ़े लिखे हो, बजट को भी ध्यान से नहीं पढ़ते हो, बजट को ध्यान से पढ़ो, 51 सौ करोड़ रुपये महिलाओं के लिए आये हैं आपके लिए नहीं आये हैं।

पिछली सरकार ने काम तो बहुत किया लेकिन वो ऐसा काम किया कि उसने दिल्ली को तो नहीं धोखा दिया, जो दिया उसने आकाश को भी धोखा दिया, उसने जमीन को भी धोखा दिया, उसने पाताल को भी धोखा दिया। अब आप सोचोगे ये आकाश, जमीन और पाताल क्या है, आपने दिल्ली की वायु को गंदा किया, आपने दिल्ली की धरती को गंदा किया और आपने जो दिल्ली के अंदर डिसील्टिंग न करके जो नाले और जो गंदे नाले थे वो पाताल के अंदर भी उसके साथ भी आपने धोखा किया। पिछली सरकार, अगर इनको दिल्लीवासियों की इतनी ही चिंता थी तो आपने दिल्लीवासियों के लिए पांच लाख की चिंता भी करनी चाहिए थी, उसका आज मोदी जी ने उस पिछले पांच साल न लेने की वजह से आज दिल्ली को अकेला भारत के अंदर ये दिल्ली है जिसके अंदर दस लाख रुपये का बजट सिर्फ आयुष्मान निधि के तहत किया गया है, पांच लाख दिल्ली सरकार देगी, पांच लाख केंद्र सरकार देगी और यह दिल्ली पहली दिल्ली है पूरे हिंदुस्तान में, किसी भी और राज्य के अंदर दस लाख रुपये का आयुष्मान का बीमा कहीं नहीं है।

(समय की घंटी)

श्री सूर्य प्रकाश खत्री: अध्यक्ष जी, मैं सिर्फ इतना ही कहूंगा कि आप के विधायक, पिछली सरकार के विधायक हमारे बजट के ऊपर सवाल करते हैं, मैं पूछता हूं क्या आपने अपने 78 हजार करोड़ जो आपने पिछले बजट में खर्च किये थे, आपने दिल्ली को बढ़िया सड़कें दी हैं, कहां गया वो पैसा आपका? क्या आपने दिल्ली को साफ पानी दिया, कहां गया वो पैसा आपका बजट का? क्या आपने कूड़ा मुक्त किया दिल्ली को, कहां गया आपका वो 78 हजार करोड़ रुपये? क्या आपने दिल्ली के नालों की, गटरों की सफाई कराई, कहां गया आपका वो पैसा, पिछला बजट? क्या आप दिल्ली को साफ हवा दे पाये, कहां

बजट आपका? लेकिन हमारी सरकार, हमारी मुख्यमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में दिल्ली को पूर्ण जीवित करेगी और जो काम आप लोगों ने नहीं किये वो काम आज हम लोग दिल्ली के वासियों के लिए करके जाएंगे।

गोपाल जी ने कहा और गोपाल जी चले गये पर मैं कहना चाहूंगा गोपाल जी फर्क है, आप हमारे अध्यक्ष जी से सवाल कर रहे थे, लेकिन आपको ये बता देता हूं कि अगर सवाल न करने की इजाजत थी तो आपकी तानाशाही वाली सरकार के अंदर थी, हमारी सरकार लोकतंत्र की सरकार है, हमारी सरकार में हमारे अध्यक्ष जी सबको बराबर का मौका देते हैं, जितना हम बोलते हैं उतना मौका आपको भी दिया जाता है उसके लिए आज आप, आज का एजेंडा भी देख सकते हैं।

आप कहते हो हमारे अध्यक्ष जी ने चिट्ठी लिखी। हमारे अध्यक्ष जी ने चिट्ठी इसलिए लिखी क्योंकि आप जाने से पहले 11 सालों के अंदर दिल्ली के अफसरों का हालत खराब कर गये, उनकी आदतें खराब कर गये, हमारे अध्यक्ष जी ने तो चिट्ठी लिखकर उनको सिर्फ ये बताया था शासन बदल गया है अब आपको सुनवाई करनी पड़ेगी क्योंकि आपके तानाशाही राज के अंदर आप विधायकों की सुनी नहीं जाती थी, आपके यहां पर एक ही व्यक्ति की सुनाई जाती थी। क्योंकि मुझे आप अच्छे, बहुत अच्छे लगते हों न इसलिए मैं आपकी तरफ ज्यादा ध्यान देता हूं।

(समय की घंटी)

माननीय अध्यक्षः बस, धन्यवाद।

श्री सूर्य प्रकाश खत्रीः अध्यक्ष जी, मैं अब ज्यादा समय नहीं लूंगा। बाकि हमारा जो पैसा है ये मैं बता देता हूं, इन्होंने पिछले जितने भी 11 साल में बजट

लिये उन बजटों का जो इन्होंने उपयोग किया, उस उपयोग से इनको एक सफलता मिली वो सफलता मिली तिहाड़ जेल जाने की लेकिन हमारी मुख्यमंत्री जब दिल्ली के अंदर काम करेंगी तो इनको मैं दावे से कहता हूं कि संसार के अंदर सबसे खुबसूरत शहरों में दिल्ली शहर होगा और इनका जो नाम जायेगा मेगा अवार्ड में जायेगा। आपने टाइम दिया धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद। अजय दत्त जी। सदन की एक घंटे के लिए समय सीमा बढ़ाई जाती है।

श्री अजय दत्तः थैंक यू ऑनरेबल चेयर। Today, I am here to discuss about the budget.

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः चलिए ऐसा करते हैं अब 15 मिनट का ब्रेक कर लेते हैं। 15 मिनट का ब्रेक रहेगा।

(सदन की कार्यवाही 15 मिनट तक के लिए स्थगित की गई।)

सदन अपराह्न 04.18 बजे पुनः समवेत हुआ।

*माननीय अध्यक्ष **(श्री विजेन्द्र गुप्ता)** पीठासीन हुए।*

माननीय अध्यक्षः अजय दत्त जी।

श्री अजय दत्तः अध्यक्ष जी, मुझे लगता है कि आज मारवाह जी।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः अच्छा ठीक है, आगे से आपकी बात को माना जाएगा।

श्री अजय दत्तः अध्यक्ष जी, मैं आपका धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे बजट पर चर्चा करने का मौका दिया। अध्यक्ष जी, जो एक लाख करोड़ का बजट आपकी सरकार ने, बीजेपी की सरकार ने जो पेश किया है इसके अंदर मैं काफी गहराई से पढ़ रहा था तो मुझे समझ आया, मैं अपनी बात एक जुमले से शुरू करता हूं क्योंकि यहां पर तीन दिन से जुमले ही सुनते आ रहे हैं और ये हवा-हवाई बजट भी कोई जुमला न बन जाए-

'पहले तराशा कांच से उसने मेरा वजूद

फिर शहर भर के हाथों में पत्थर थमा दिया।'

इसका मतलब, दोबारा बताऊं,... इसका मतलब ये है कि आपने पहले सपने तो दिखा दिये एक लाख करोड़ के बजट के, जब इसे गहराई से देखा गया तो पता चला कि इसमें,... मैं अंग्रेजी में बोल रहा था अध्यक्ष जी ने आधी छुट्टी कर दी, फिर मुझे लगा कि हिंदी में बोलना सही है तो ये इंडीकेशन था।... देखो आधे लोग भाग गये जिन्हें नहीं आती थी।... अरे यार समझ नहीं आयेगी, रहने दो छोड़ो, आगे चलने दो। तो जब मैंने शुरू किया था अध्यक्ष जी ने उसी समय ब्रेक दिया तो मैं समझ गया कि इंग्लिश में नहीं आप सुनना चाहते तो मैं आपके मुताबिक हिंदी में बोल रहा हूं। ठीक है जी। तो अध्यक्ष जी इसमें एससी फाइनेंस डेवलपमेंट एंड कॉरपोरेशन को, हमारी सरकार जब होती थी अरविंद केजरीवाल जी की सरकार, उसमें हमने 24 करोड़ 80 लाख का बजट दिया था।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः खुराना जी।

श्री अजय दत्तः इस बार उस एससी फाइनेंशियल कॉरपोरेशन को आपने सिर्फ 7.5 करोड़ का बजट दिया है, इसका मतलब आपकी सरकार एससी विरोधी,

दलित विरोधी सरकार है इसीलिए आपने बजट कम किया। आपने अध्यक्ष जी मैं एससी विरोधी इसलिए आपको बता रहा हूं इसमें स्पेशल कम्पोनेंट प्लान के अंदर हमारी आम आदमी पार्टी की सरकार ने 140 करोड़ रुपये पिछली बार दिए थे बजट में, आपने उसमें से 10 करोड़ रुपये और कम कर दिये इसीलिए मैं बता रहा हूं, मैं आपको इसीलिए बता रहा हूं कि आप लोग एससी विरोधी हैं। xxxxxx[1]

माननीय अध्यक्षः ये शब्द कार्यवाही से निकाल दिये जाए।

...(व्यवधान)

श्री अजय दत्तः xxxxx[1]

...(व्यवधान)

माननीय उद्योग मंत्री (श्री मनजिंदर सिंह सिरसा): अध्यक्ष जी ये बात ऐसे कैसे आप कह सकते हो बीजेपी ने तोड़ा, अध्यक्ष जी, ये आप ऐसा कैसे कह सकते है बीजेपी ने तोड़ा, आपकी सरकार थी, आम आदमी पार्टी की सरकार थी, आम आदमी पार्टी की सरकार ने तोड़ा...

...(व्यवधान)

श्री अजय दत्तः सुनिए मंत्री जी, ये आपको शोभा नहीं देता, ये आपको शोभा नहीं देता, ये आपको शोभा नहीं देता। संसदीय प्रणाली में आपको शोभा नहीं देता। आप अपना टाइम लेकर उठिये। आप अपना टाइम लेकर खड़े होइये। ये आपको शोभा नहीं देता अरे क्या... xxxxxx[1]

...(व्यवधान)

---

1. चिन्हित अंश माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

माननीय अध्यक्षः एक मिनट, एक मिनट रूकिये। एक मिनट बैठिये। बैठ जाइये।

...(व्यवधान)

माननीय उद्योग मंत्रीः कैसे आप कह सकते हैं बीजेपी ने तोड़ा। अध्यक्ष जी ये आप कैसे कह सकते हैं बीजेपी ने तोड़ा। आप की सरकार थी आम आदमी पार्टी की सरकार थी आम आदमी पार्टी की सरकार ने तोड़ा... आम आदमी पार्टी की सरकार थी तुम्हारी सरकार ने कार्रवाई की थी और तुम्हारी सरकार इसके लिए जानी जाती है। आम आदमी पार्टी की सरकार ने हमेशा ही...

...(व्यवधान)

श्री अजय दत्तः ये क्या चल रहा है। xxxxxx[1]...

...(व्यवधान)

माननीय उद्योग मंत्रीः इस तरह से बाल्मिकी मंदिरों को तोड़ने का काम किया आपने हमेशा से।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः कुलदीप जी आप बैठ जाइये। ये बजट पर चर्चा हो रही है, आप बजट पर बोलिए और यहां पर भ्रांति और झूठ मत बोलिए। शांति रखिये। जो मैंने बोला।

...(व्यवधान)

श्री अजय दत्तः सौ करोड़ रुपये आपने रखने थे यहां पर बजट में नहीं है।...

...(व्यवधान)

माननीय उद्योग मंत्रीः झूठ बोलने के लिए नहीं है विधान सभा। दस साल तुमने विधान सभा में झूठ बोलने का काम किया है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः एक मिनट ये पूरी,

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः एक मिनट रूकिये आप।

...(व्यवधान)

माननीय उद्योग मंत्रीः ये विधानसभा झूठ बोलने के लिये इस्तेमाल करते हो आप।

...(व्यवधान)

श्री अजय दत्तः ये आपके बजट डॉक्यूमेंट बोल रहे हैं।...

...(व्यवधान)

माननीय उद्योग मंत्रीः ये बजट में कहां लिखा है? ये आम आदमी पार्टी पहले मंदिर तोड़ती है, तुमने पहले मंदिर तोड़ा जाके आम आदमी पार्टी ने और आकर विधान सभा में झूठ बोलते हो।

...(व्यवधान)

श्री अजय दत्तः आपको ये भी समझना चाहिए न। आप मंत्री होकर खड़े हो गए। आपका लेवल आपको समझना चाहिए। क्या कर रहे हैं ये?

...(व्यवधान)

माननीय उद्योग मंत्रीः ये वही केजरीवाल है जो कहता था मेरी नानी कहती है यहां पर कभी राम नहीं रह सकते।

...(व्यवधान)

श्री अजय दत्तः ये क्या तरीका है अध्यक्ष जी। ये कौन सा तरीका है।

...(व्यवधान)

माननीय उद्योग मंत्रीः ये वही केजरीवाल है जो कहता था राम मंदिर नहीं बनना चाहिए। मेरी नानी कहती है यहां पर राम कभी नहीं रह सकते।

...(व्यवधान)

श्री अजय दत्तः ये कौन सा तरीका है।

...(व्यवधान)

माननीय उद्योग मंत्रीः तुम इतने एंटी हिन्द हो तुम मंदिर को तोड़ने की बातें करते हो, और आज भी... तोड़ने की मानसिकता तुम्हारी गई नहीं अभी तक...

...(व्यवधान)

श्री अजय दत्तः मैं ये कह रहा हूं अध्यक्ष जी, मैं इस बजट की बातें पूछ रहा हूं, ये कौन सा तरीका है, ये इन्हें सिखाइये। ये इन्हें सिखाइये कि जब कोई

सदस्य बोल रहा है मंत्री नहीं खड़ा होगा ऐसे। अपनी गरिमा का तो कम से कम सम्मान रखिए।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः एक मिनट। इसमें अभी तक जो ये इन्होंने बातें कही हैं मंदिर से रिलेटेड, जिसमें साफ सफेद झूठ है, कोई तथ्य नहीं है, उसको कार्यवाही से निकाल दिया जाए। आगे बढ़िए।

...(व्यवधान)

श्री अजय दत्तः अध्यक्ष जी, मैं आपसे सवाल, इस बजट पर बात कर रहा हूं।

माननीय अध्यक्षः अब आप बजट पर बात करिये।

...(व्यवधान)

श्री अजय दत्तः और अध्यक्ष जी एक और बात कर रहा हूं मैं आपसे। देखिये, ये सम्मानित सदन है, आपको अपनी बात रखनी है, मेरे बात करने के बाद रख लीजिए।

माननीय अध्यक्षः लेट हो जाएगा बहुत, 7 बजे तक बैठोगे आप। अगर ऐसे ही चलेगा तो 7.00 बजेगे यहां।

...(व्यवधान)

श्री अजय दत्तः आपको सच्चाई सुनने की आदत नहीं है। आपको सच्चाई सुनने की आदत नहीं है। अध्यक्ष जी, और मैं आपको आगे बता रहा हूं। आगे

मैं आपको ये भी बता रहा हूं कि एक, एक और मैं आपको बात बता रहा हूं,ख़्र ख़्र

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः अरे एक मिनट अजय जी, अजय जी एक मिनट। हां जी।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः वो पॉइंट ऑफ ऑर्डर बोल रहे हैं, मैं सुन तो लूं पॉइंट ऑफ ऑर्डर क्या है। बैठिये। हां जी। आपको बुलवायेंगे अभी, बुलवायेंगे अभी। हां जी।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः अध्यक्ष जी, ये बजट पर चर्चा हो रही है, पहला पॉइंट मेरा ये।

माननीय अध्यक्षः हां ठीक है।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः दूसरा मंदिर पर झूठ बोल रहा है...

माननीय अध्यक्षः नहीं, हो गया वो...

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः इसका, हमे ही नहींख़्र ये हो कैसे गया। झूठ पर झूठ बोल रहा है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः चलिए अब आप, चलिए अजय दत्त जी अपनी बात पूरी कीजिए। अजय दत्त जी अपनी बात पूरी कीजिए।

श्री अजय दत्तः अध्यक्ष जी, मैं सीधी सी बात ये कह रहा था कि आपने एससी समाज को क्या दिया बजट में, न तो आपने उनको फाइनेंस कमीशन में पैसे दिये, न आपने उनको स्पेशल कंपोनेंट प्लान में पैसे दिये। आप लोगों ने, बीजेपी की सरकार ने मंदिर बनाने के लिए कमिटमेंट किया था जब सरकार आयेगी, वो नहीं है, भगवान रविदास जी का मंदिर बनाने के लिए वो इसमें नहीं है। इसके अंदर एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत...

(समय की घंटी)

श्री अजय दत्तः हमारी सरकार ने 37 करोड़ रुपये का बजट दिया था आपने जीरो दिया।

आप कहते हैं कि आपकी सरकार महिलाओं की है, महिलाओं के लिए काम करती है। आपने आंगनवाडी के लिए, सक्षम आंगनवाडी प्रोग्राम के अंदर हमारी सरकार ने 221 करोड़ रुपये का बजट दिया था, आपने घटाकर उसे 206 का कर दिया। ये सारे तथ्य हैं, स्पेशल स्कूल टू डेवलप इंग्लिश कम्युनिकेशन, अभी मैं इंगलिश की बात करता हूं तो यहां के लोग कहते हैं हिंदी में बोलो, हिंदी में बोलो, हिंदी में बोलो। that is why we have kept three crore rupees only for English, English Speaking Course because it is an international language.

(समय की घंटी)

माननीय अध्यक्षः चलिए हो गया। धन्यवाद। रवि नेगी जी।

श्री अजय दत्तः सुनिए, सुनिए। ये गलत, वो भी आपने काट दिया।

...(व्यवधान)

श्री रवि नेगी: आदरणीय अध्यक्ष जी, बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: चलिए, रवि नेगी जी।

...(व्यवधान)

श्री रवि नेगी: आज देश का एक ऐतिहासिक बजट पेश हुआ जिसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी और उनकी केबिनेट का मैं बहुत-बहुत धन्यवाद प्रकट करता हूं। माननीय मुख्यमंत्री जी,...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: रवि नेगी जी, आप जारी रखिये।

...(व्यवधान)

श्री रवि नेगी: माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं महिला समृद्धि योजना के तहत जो 51 सौ करोड़ रुपये आपने महिलाओं के लिए रखे इसके लिए दिल की गहराइयों से आपका अभिनंदन है, धन्यवाद है। आज दिल्ली में महिला मुख्यमंत्री बनने के बाद महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए जो योजना लाई है मुख्यमंत्री जी उसके लिए आपका आभार है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: बैठ जाइये। बैठ जाइये।

...(व्यवधान)

श्री रवि नेगी: आदरणीय अध्यक्ष जी, गर्भवती महिलाओं के लिए 200 करोड़ रुपये आवंटन किया गया है,...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: बैठ जाइये। बैठ जाइये।

...(व्यवधान)

श्री रवि नेगी: इसके लिए भी मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। अब दिल्ली की हमारी गर्भवती महिलाएं स्वास्थ्य और पोषण के लिए...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: बैठ जाइये। बैठ जाइये।

...(व्यवधान)

श्री रवि नेगी: ये राशि निर्धारित की गई मैं इसके लिए मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद प्रकट करता हूं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अजय दत्त जी, बैठ जाइये। अजय दत्त जी,...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप शांत रहिये। आप शांत रहिये।

...(व्यवधान)

श्री रवि नेगी: आदरणीय अध्यक्ष जी, महिलाओं की सुरक्षा के लिए 50 हजार कैमरे लगाने का जो काम है, माननीय मुख्यमंत्री जी ने ऐलान किया है इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं, अतिरिक्त कैमरे लगाने का जो आपने, हमारी सरकार ने फैसला लिया है वो बहुत स्वागत योग्य है।... सार्वजनिक स्थलों पर...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप सदन से निष्कासित किये जाते हैं।

...(व्यवधान)

श्री रवि नेगी: सुरक्षा बढ़ाने के लिए यह कदम उठाया गया है, जिस पर महिलाओं की सुरक्षा...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आपको सदन से निष्कासित किया जाता है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप देखिये, आप चर्चा, बजट की चर्चा को डिस्टर्ब कर रहे हैं और आप बजट की चर्चा को आगे बढ़ने नहीं...

...(व्यवधान)

श्री रवि नेगी: अध्यक्ष जी बाहर करिये इनको। हम समय खराब क्यों करें अपना।

माननीय अध्यक्षः मैं आपको...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः मैंने बता दिया आपको। आप सदन से बाहर जाएंगे। सदन से निष्कासित किया गया है आपको। मार्शल्स इनको ले जाइये।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः चलिए। बाहर ले जाइये इन्हें।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः आप शुरू करिये। शुरू करिये आप। सदन को हाइजैक नहीं होने दिया जायेगा।

(माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार श्री अजय दत्त को मार्शल्स द्वारा सदन से बाहर ले जाया गया।)

...(व्यवधान)

श्री रवि नेगीः आदरणीय अध्यक्ष जी, झुग्गी क्षेत्रों में सुविधाओं के लिए 696 करोड़ रुपये जो माननीय मुख्यमंत्री जी ने तय करा है ये देश के इतिहास में पहली बार हुआ कि दिल्ली के इतिहास में पहली बार हुआ,...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः ये चर्चा चाहते नहीं हैं एक्चुअली में। मैं इनके सारे सदस्यों को बुलवा रहा हूं, जितना प्रपोर्शन नहीं बनता उससे ज्यादा बुलवा रहा हूं,

आठ आदमियों को बुलवा रहा हूं। लेकिन उसके बाद भी ये, समय भी पूरा दे रहा हूं पर ये चर्चा चाहते ही नहीं हैं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: हां जी।

...(व्यवधान)

माननीय उद्योग मंत्री (श्री मनजिंदर सिंह सिरसा): अरे-अरे करके बोला जायेगा क्या ये इस हाउस की गरिमा है। अरे-अरे करके बोला...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: इसीलिए कार्रवाई हुई है। बैठ जाइये।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: रवि नेगी जी।

श्री रवि नेगी: आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का बहुत-बहुत आभार प्रकट करता हूं, पूरी केबिनेट का धन्यवाद प्रकट करता हूं, एक दिल्ली के इतिहास में पहली बार आजादी के बाद पहला बजट ऐसा था जो दिल्ली की उम्मीदों का बजट है। आज इस बजट में हर व्यक्ति को रखा गया है और सबसे बड़ी बात महिला और मुख्यमंत्री होते हुए जो महिलाओं के लिए ये जो 2500 रुपये की बात करी थी, इस बजट में 51 सौ रुपये देकर इस बजट को और अच्छा बनाया गया।

आदरणीय अध्यक्ष जी, गर्भवती महिलाओं के लिए 210 करोड़ रुपये इस बजट में रखा गया, जो गर्भवती महिलाएं होती हैं उनके पोषण के लिए, उनके

पोषक के लिए 2100 रुपये जो देने की बात करी थी, 21,000 रुपये, वो इस बजट में रखा गया है। आदरणीय अध्यक्ष जी, महिला सुरक्षा की जो बात पुरानी सरकारें करती थी पर उस पर कभी काम नहीं किया, हमारी मुख्यमंत्री जी ने 50 हजार कैमरे लगाने की बात करी। बात करी है दिल्ली के हर जगह, हर कोने में महिला सुरक्षा के लिए 50 हजार कैमरे लगाये जाएंगे जिससे अपराध में कमी होगी।

और आदरणीय अध्यक्ष जी, झुग्गी क्षेत्रों में हर बार, आदरणीय पूर्व सी.एम. चुनाव जीतकर आते थे, झुग्गियों के नाम से, पर जब झुग्गियों में काम करने की बात होती थी तो नहीं करते थे। हमारी सरकार ने 696 करोड़ रुपये झुग्गियों के लिए रखा गया। आदरणीय अध्यक्ष जी, एक कहावत याद आई मुझे– ''जाके पैर न फटी बिवाई, सो क्या जाने पीर पराई।" मतलब अर्थात जिसके पैर में छाले नहीं पड़ते वो दूसरे की पीड़ा को क्या पहचाने। पिछली आम आदमी पार्टी की सरकार का मुखिया भोगविलास में रहते थे और शीशमहल बनाकर, उस शीशमहल के अलावा कुछ नहीं किया। और झुग्गीवासियों की उनको कोई फिक्र नहीं थी। अगर झुग्गीवासियों की असली फिक्र किसी ने करी तो आदरणीय प्रधानमंत्री– नरेन्द्र मोदी जी ने, आदरणीय मुख्यमंत्री– रेखा जी ने, जो ऐसा बजट लाये, मैं बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं।

और व्यापार करने वालों को आसानी के लिए सिंगल विंडो, सिंगल विंडो सिस्टम लाने का किसी ने काम करा तो हमारी सरकार ने करा। एक अच्छा बजट हमारी सरकार लाई।

और आप सोचिए पुरानी सरकार ने सीवर प्लांट की मरम्मत आज तक नहीं करी, उसके लिए 5 सौ करोड़ रुपये सीवर प्लांट की मरम्मत के लिए हमारी

सरकार ने रखे। आप सोचिए एसटीएफ की कभी सफाई नहीं हुई और ये कहते थे यमुना साफ कैसे होगी जब आप एसटीएफ की सफाई नहीं करोगे तो यमुना साफ कैसे होगी आप सोचिए।

हमारी सरकार ने कहा है राज्य अतिथि गृह बनायेंगे हम दिल्ली में और शीशमहल को भी शायद उसमें किसी न किसी में ले लेंगे जो शीशमहल बनाया गया और तिहाड़ जेल की, तिहाड़ जेल को भी सुंदर बनायेंगे, आने वाले समय में जो इनके बचे-खुचे जो पूर्व मंत्री हैं वो तिहाड़ जेल में जायेंगे।

फायर बिग्रेड, फायर बिग्रेड का भी निर्माण होगा। सारा विषय पुराने लोगों ने बता दिया। मैं उस विषय में बात कर रहा हूं जो ये इस सदन में अभी तक नहीं आया। फायर बिग्रेड का आधुनिकीकरण करा जायेगा, छोटी-छोटी गाड़ियां पतली-पतली गलियों में जाएगी और नए कोर्ट रूम बनेंगे। बस इतना ही विषय था। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, मैं बहुत-बहुत आभार प्रकट करता हूं, बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः विरेन्द्र कादियान जी

श्री विरेन्द्र सिंह कादियानः 2025-26 का जो एक काल्पनिक बजट है जिसको बहुत ही शानदार तरीके से माननीय मुख्यमंत्री जी ने प्रस्तुत किया इसके लिए मैं इनको बधाई देता हूं, बहुत ही सुंदर तरीके से प्रस्तुत किया जोकि दिल्ली के लोगों की आशाओं से परे है। और जो हमारा पिछला बजट है उसको ध्यान में रखकर, उसकी पूरी की पूरी गाइड लाइंस, जो पहले हमने...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः साइलेंट प्लीज।

श्री विरेन्द्र सिंह कादियानः काम कर चुके हैं वो बजट है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने बतौर वित्त मंत्री और बजट प्रस्तुत करते समय जो व्यंग्यात्मक तरीके से पुरानी सरकार को बार-बार, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री- श्री अरविंद केजरीवाल जी को बार-बार उनको कोसा और ये बताने की कोशिश की कि दिल्ली बिल्कुल बर्बाद हो चुकी है और दिल्ली में कुछ नहीं बचा और अब हम दिल्ली को नए तरीके से बसायेंगे। ये इतने शानदार तरीके से प्रस्तुत करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी का मैं धन्यवाद देता हूं। लेकिन ये भूल गये कि जब फरवरी में चुनाव थे तो इनको उन्हीं की योजनाओं के उनको ये कहते हुए कि इन योजनाओं को हम लागू करेंगे, ज्यों का त्यों जो अरविंद केजरीवाल जी ने योजनाएं बनाई हैं, चाहे वो महिलाओं को फ्री बस यात्रा हो, फ्री बिजली हो, तीर्थ यात्रा हो और जो भी कल्याणकारी योजनाएं श्री अरविंद केजरीवाल जी ने बनाई उनको हम लागू करेंगे, आप हमें वोट दे दो, उनके आधार पर वोट मांगकर मात्र डेढ़ फीसदी का अंतर रहा और अब 11 साल, 3 बार आम आदमी पार्टी की सरकार बनी और तीनों बार, दो बार बहुत भारी बहुमत से सरकार बनी और अबकी बार डेढ़ फीसदी का अंतर रहा और ये कह रहे हैं कि दिल्ली बिल्कुल बर्बाद हो गई। अगर दिल्ली इतनी ही खराब हो गई तो साढ़े तेतालीस प्रतिशत लोगों ने वोट क्यों दिया दिल्लीवालों ने आम आदमी पार्टी को? बहुत से विधायक 300, 400, 500 वोटों के अंतर से मात्र जीते हैं।

अब मैं देख रहा था इससे एक बात तो साफ हो गई कि हमारे कांग्रेस के भाई विधायक साथी बैठे हैं पूर्व और उनका और बीजेपी वालों का एक ऐसा समन्वय बन गया है कि वो 1998 से और 2013 तक वालों को तो कुछ नहीं कह रहे, 14 के बाद और 25 तक खराब हो गई, इन 10 सालों में खराब हुई, 11 सालों में। पहले ठीक था मतलब कांग्रेस के टाइम ठीक था, कांग्रेस के टाइम

ठीक था। अगर कांग्रेस के टाइम ठीक होता तो 67 सीटें नहीं दी होती, 67 सीटें दी थी 67 सीटें और फिर 62 सीटें थी। तो मैं कहना चाहूंगा कि अभी कुलवंत राणा जी, माननीय सदस्य कह रहे थे कि 93 से 98 में भाजपा की सरकार ने, अनेकों कार्य इन्होंने गिनाए, ये किया, यूनिवर्सिटी खोली, स्कूल खोले, ये किया, वो किया, तो मारवाह जी धीरे से ऐसे बोलते हैं यार हमारा भी नाम ले दे, वो उधर लवली जी देख रहे थे, चौहान साहब देख रहे थे तो उन्होंने बोला नहीं शीला जी ने भी काम किये थे, तो इन्होंने एकदम से उनका भी नाम लिया। तो एक बात तो साफ हो गई कि भई अब समन्वय बहुत अच्छा बन गया है।

अब बात करें इकोनॉमिक सर्वे की। हर बार जब बजट पेश होता है तो इकोनॉमिक सर्वे होता है उससे ये पता चलता है कि फिस्कल डेफिसिट कितना है, अन्इंप्लॉयमेंट कितना है,...

...(व्यवधान)

श्री विरेन्द्र सिंह कादियानः जी सर। हां, इसका भी मैं कहना चाहूंगा कि माननीय सदस्य-लवली जी ने इसको व्याख्यागत किया था परसों और ये कहा था कि 1964 से पहले होता ही नहीं था। कोई भी चीज जिसमें सुधार हो, 64 के बाद सुधार हुआ, हर बार ये किया जाता है।

अब माननीय स्पीकर साहब जी ने भी बाहर जब मीडिया के सामने कहा कि भई इसकी जरूरत है, इसकी क्यों जरूरत है, इसकी जरूरत क्यों है, पहले ये सुनिए। इसकी जरूरत इसलिए है क्योंकि इससे फाइनेंशियल स्टेंथ का पता चलता है कि कितना फिजिकल डैफिसिएट है, अन-इम्पलोइमेंट कितने है, किस

मद में कितना व्यय करना है, कितना जो पिछली बार रखा था वो हुआ कि नहीं हुआ। इन सारी चीज़ों का आकलन इकोनोमिक सर्वे में किया जाता है और मैं एक बात और कहना चाहूंगा माननीय मुख्यमंत्री जी बार-बार कहती है कि भई पिछली सरकार जो है कुछ नहीं छोड़ के गई, ट्रैजरी बिल्कुल खाली थी। अगर ट्रैजरी बिल्कुल खाली थी, एक रुपया भी सरकार के पास था नहीं, तो आप बताइये की जो रेवेन्यू सरप्लस है ये आपने ही लिखा है, 2025-26 is estimated to be, revenue surplus is estimated to be 9661 करोड़ रुपए उपलब्ध है। ये पैसे उपलब्ध है। रेवेन्यू सरप्लस, रेवेन्यू सरप्लस था ये पैसे उपलब्ध है और दूसरी बात, रेवेन्यू है ये आपने लिखा है बजट में है ये। दूसरी बात मैं ये कहना चाहूंगा कैपिटल हैड में है ये पैसे।

...(व्यवधान)

श्री विरेन्द्र सिंह कादियानः कैपिटल हैड में है पैसे ये। ठीक है, कैपिटल हैड में है और आपने जो काल्पनिक बजट घोषित किया एक लाख करोड़ का, एक लाख एग्जैक्ट्ली कैसे आया ताकि सुनने में अच्छा लगे एक लाख करोड़ सुनने में अच्छा लगे। आपने इसमें लिखा है कि 15 हजार करोड़।

माननीय अध्यक्षः इनको अपनी बात कहने दो। आप बोलिए।

श्री विरेन्द्र सिंह कादियानः 13,703 करोड़ रुपए का लोन लेना पड़ेगा। आप 13,703 करोड़ का लोन लोगे, रेवेन्यू सरप्लस 9,661 करोड़ रुपए पहले से है। मैं ये कहना चाहूंगा जिस-जिस राज्य में मैट्रो सिटी है, मैट्रो सिटी, आपने तो ये भी कहा था कि रूरल डेव्लपमेंट बोर्ड है ही नहीं दिल्ली में। रूरल डव्लपमेंट बोर्ड दिल्ली में है ही नहीं और फिर उसके बाद कहा कि नहीं इसमें इतने पैसे

रखते हैं। तो जिस-जिस शहर में, जिस-जिस राज्य में महानगर है, मैट्रो सिटीज है उन राज्यों की स्थिति ये है कि वो अपना रेवेन्यू खुद जनरेट करते हैं, जैसा कि।

माननीय अध्यक्षः विरेंद्र जी इसको खत्म करिए।

श्री विरेंन्द्र सिंह कादियानः सर एक ही मिनट में। एक ही मिनट लूंगा। इसमें कर्नाटका, इसमें महाराष्ट्रा 8 प्रसेंट अपना खुद जनरेट करता है, तेलंगाना 8.1 करता है और कर्नाटका 6.8 और दिल्ली 4.8 तो लोन लेने की बजाए अपना पैसा खुद जनरेट करें इसकी क्या पोलिसी है।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद, चलिए।

श्री विरेंद्र सिंह कादियानः इसका इन्होंने कोई आंकलन नहीं किया। तो मैं यही कहना चाहूंगा ये बजट खाली दिखावे का बजट है और पिछली सरकार को।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद। शिखा राय जी। धन्यवाद।

श्रीमती शिखा रायः अध्यक्ष जी अब तो मेरी बारी आते-आते शेर भी सारे खत्म हो गए हैं आंकड़े भी खत्म हो गए हैं।

माननीय अध्यक्षः क्या खत्म हो गए।

श्रीमती शिखा रायः शेर भी खत्म हो गए सारे, आंकड़े भी खत्म हो गए हैं। तो मैं यहां बात सिर्फ दिल्ली की जनता आज जो आम आदमी महसूस कर रहा है मुझे लगता है कि मैं उतनी ही बात यहां कहूं और क्योंकि बातें आंकड़ों में जाऊंगी तो रिपीट होंगी। अध्यक्ष जी इस बजट को दो लोग बहुत निगाहें लगा करके पूरी उम्मीद से देख रहे थे, एक विपक्ष और एक दिल्ली की जनता। एक की तो उम्मीदों पर पानी फिर गया, सामने वालों की और दिल्ली की जनता की

उम्मीदों का जो पौधा है उसको भरपूर पानी मिला, उसको लग रहा है कि अब हराभरा वृक्ष उसकी उम्मीदों का आगे बढ़ेगा। अध्यक्ष जी बजट आईना होता है किसी भी सरकार की कार्यशैली का, मिरर इमेज होता है। एक ऐसा रिफलैक्शन होता है जिसमें समझ आती है कि उस सरकार की आइडोलोजी क्या है, उसका विजन क्या होगा और उसकी कार्यशैली क्या होगी। मुझे बहुत गर्व होता है आज जब हमारी आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने इस बजट को पेश किया तो ये देखकर की मेरी पार्टी की विचारधारा जो ये कहती है कि सरकार सत्ता के लिए नहीं है, सेवा के लिए और पंक्ति में बैठे हुए अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना ही सरकार का ध्येय होता है, उसको पूरा श्रेय इस बजट में उतारा गया है। अध्यक्ष जी हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी के उस विजन को, उस सपने को प्रस्तुत करता है ये बजट जो विकसित भारत में एक विकसित दिल्ली का विजन लेकर के, सपना लेकर के वो चले हैं और ये बजट हमारी आदरणीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी और उनकी सारी काउंसल ऑफ मिनिस्टर्स की पूरी टीम की कार्यशैली को भी दर्शाता है और ये बजट दिल्ली की जनता की उम्मीदों और आकांक्षाओं पर भी पूरा खरा उतरता हुआ दिख रहा है। अध्यक्ष जी एक सम्पूर्ण, it’s a complete budget, समग्र, समावेशी जिसमें सभी वर्गों का और सभी मुद्दों का ध्यान रखा गया है। अगर मैं पूरे इसको एक-एक इसका प्वाइंट भी देखूं तो मुझे नहीं लगा कहीं एक भी, कोई भी ऐसा वर्ग अछूता रहा हो इस बजट में जिसको ध्यान लेकर के ये बजट ना बनाया गया हो। चाहे वो महिलाओं का मुद्दा हो, चाहे वो बुजुर्गों का मुद्दा हो। महिला हूं तो महिलाओं के लिए जो मेरी पार्टी ने संकल्प लिया उसका विषय एक बार जरूर रखना चाहूंगी कि समृद्धि योजना जो एक सम्मान योजना है महिलाओं के लिए, मुख्यमंत्री मातृ वंदन योजना, सीसीटीवीज कैमराज लगना 50 हजार उसकी सुरक्षा के लिए, टैक्नीकल यूनिवर्सिटी का बनना और widows

and women in disress के लिए 10 हजार का अलग बजट रखना, सखी निवास के नाम पर जो होस्टल्स बनने हैं उनकी बात होना और पैंशन 2,500 से 3,000 बढ़ना और मैं ये समझती हूं कि इतना वो बुजुर्ग जो अपनी छोटी-छोटी खुशियों को पूरा करने के लिए एसोशिएशन्स बनाते हैं, अपने छोटे-छोटे पैसे इकट्ठे करते हैं और सरकार से कुछ उम्मीद करते हैं जो पिछले 4 वर्षों से उनकी उन सारी उम्मीदों पर पानी फिरा हुआ था वो बेचारे अपने छोटे-छोटे प्रोग्राम्स भी नहीं कर पाते थे, उन तक का भी ध्यान इस बजट में रखा गया है मैं समझती हूं हमारी मुख्यमंत्री और उनकी पूरी टीम अभिनंदन की पात्र हैं, साधुवाद की पात्र हैं। पिंक टिक्टि्स की बात की गई, मैं एक जरूर अपना इसमें कहना चाहूंगी आदरणीय मुख्यमंत्री जी आपने बहुत कुछ महिलाओं को इस बजट में दिया है। जब बसों को हम बढ़ाने की बात कर रहे हैं तो मैं समझती हूं कि अगर महिला बस अलग से आरक्षित कुछ महिला बसें चला दी जाएं तो और सुविधा महिलाओं को रहेगी। आपने हैल्थ के क्षेत्र में, एजुकेशन के क्षेत्र में, हर क्षेत्र को बहुत बजट दिया है जिसमें आने वाले समय में मुझे लगता है कि कोई कमी नहीं होने वाली हम सबको अपने-अपने क्षेत्रों में काम कराने के लिए। अध्यक्ष जी मैं समझती हूं आज माँ यमुना रेखा जी और सबको जिन्होंने इस बजट में माँ यमुना की इतनी चिंता करते हुए बजट दिया और उसको साफ करने की बात की वो आज आशीर्वाद दे रही होंगी और सोच रही होंगी की अब कोई आया मेरी सुध लेने पहुंचा क्योंकि उसका दम घुट रहा था। लेकिन उसकी चित्कार सामने बैठे हुए पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री और इनके मुखिया को नहीं सुनती थी उसको भी ये वोट बैंक की राजनीति के रूप में लेते थे। मैं समझती हूं कि वो जो राहत की सांस महसूस कर रही होगी जैसे दिल्ली की जनता आज राहत महसूस कर रही है और दिल्ली की जनता अपनी पीठ खुद ठोक रही है आज।

अपने आपको धन्यवाद दे रही है कि उन्होंने एक बहुत अच्छा निर्णय 8 फरवरी को दिल्ली को करके दिया और जिस सरकार को चुनकर के भेजा वो एक कुशल संरक्षक है उनकी उन उम्मीदों की भी और दिल्ली की भी। तो इसलिए मैं ये जो बात कह रही हूं वो दिल्ली के जन-जन की बात कह रही हूं। एक बार वो पिछले महीने 8 फरवरी को खुश हुए थे, उत्साहित हुए थे और इस बार 25 को उन्होंने फिर से अपने आपको बहुत हर्ष और खुशी के माहौल में पाया और खूब प्रशंसा की और पूरा अभिनंदन किया हमारी सरकार का। मैं एक बात अवश्य इसमें कहना चाहूंगी अध्यक्ष जी कि इस बजट में एक महिला मुख्यमंत्री होने का पुट साफ दिखाई देता है, झलक साफ दिखाई देती है, जैसे एक सुघड़ गृहणी अपने परिवार की जितनी आय है उसमें कैसे उसको हर सदस्य का ध्यान रखते हुए उसको बांटना है, साथ में परिवार में वृद्धि भी हो, कैपिटल की गेन भी हो एसैट्स का वो सब भी ध्यान रखते हुए जैसे एक महिला चिंता करती है एक परिवार की उसी तरह से इन्होंने ये की है और मैं ये समझती हूं कि हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी का जो women led development का एक मिशन है अब जो इस देश को वो दे रहे हैं कि इस विकसित भारत में महिलाओं की उस विकास में एक मुख्य भूमिका रहने वाली है उसका एक जीता-जागता उदाहरण ये बजट हमारी मुख्यमंत्री जी ने पेश किया है। तो इसके लिए मैं सबकी तरफ से दिल्ली की मेरे क्षेत्र की जनता की तरफ से धन्यवाद करती हूं और मैं समझती हूं कि रेवेन्यू जैनरेशन में अगर नोन टैक्स रेवेन्यू सोर्सिज को और ध्यान किया जाए तो और हमें उसमें फायदा हो सकता है। बस अंत में यही कहूंगी कि:

''काम करो ऐसा की पहचान बन जाए,

हर कदम ऐसा चलो की निशान बन जाए।''

ये बजट केवल निशान नहीं एक पूरी छाप छोड़ रहा है दिल्ली के आने वाले भविष्य के ऊपर, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद। श्री प्रेम चौहान जी।

श्री प्रेम चौहानः अध्यक्ष महोदय जी आपने मुझे मुख्यमंत्री महोदय जी द्वारा प्रस्तुत बजट 2025-26 पर बोलने का अवसर दिया उसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। सर्वप्रथम मैं आपके माध्यम से इस सदन का ध्यान कुछ खास बिंदुओं पर आकर्षित करना चाहता हूं। अध्यक्ष जी किसी भी शहर को हम खुबसूरत बनाने की कोशिश करते हैं या बनाते हैं, तो सिर्फ दिल्ली सरकार, अगर दिल्ली में सिर्फ दिल्ली सरकार काम करेगी, दिल्ली सरकार का एक लाख करोड़ का बजट है आप दो का, तीन का, चार का भी कर सकते थे, लेकिन उसमें जब तक आप अपनी सहयोगी छोटी सरकार जिसे हम नगर-निगम कहते हैं, उसको अगर मजबूत नहीं करेंगे तो आप कितना भी काम कर लीजिए, छोटी नाली, मोरी और रोड पर सफाई तो उन्होंने ही करनी है और उसके लिए अध्यक्ष जी अभी बैठ के फोन में ही देख रहा था 2020 में, क्योंकि इससे अच्छा मौका नहीं हो सकता है। अध्यक्ष जी भी नगर-निगम के हिस्सा रहे हैं, मैं भी नगर-निगम से आया हूं और मुख्यमंत्री जी भी नगर-निगम से ही आई हैं। ये एक मौका था कि जब माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी थे उनके घर के बाहर बैठ के कुछ पार्षद, जो पार्षद थे तब यहां विधायक बनके बैठे वो भी थे उस धरने में, 13 हजार करोड़ की डिमांड करी थी, 13 हजार करोड़ रुपए की जरूरत है। लेकिन आज हमने कितना बजट दिया है, मुख्यमंत्री जी मुझे लगता है ये मौका था कि वो जो 13 हजार करोड़ की डिमांड थी वो शायद 26 हजार रुपए कर

देती आप तो दिल्ली में बहुत बढ़िया हो जाता। वो पैसा आपने नहीं दिया। अगर पूर्व की हमारी सरकार द्वारा दी जाने वाली बजट।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः उन्हें बात पूरी करने दीजिए फिर वो कहेंगे हमें समय कम दिया, तो फिर ये अच्छा नहीं लगेगा, समय मैं पूरा दे रहा हूं उनको बात करने दो।

श्री प्रेम चौहानः अध्यक्ष जी पूर्व की हमारी सरकार द्वारा दी जाने वाली राशि से अबकी बार प्रस्तावित आवंटन बजट की तुलना करता हूं तो इस बार एमसीडी के बजट में कटौती की गई है। साफ देखा जा सकता है अध्यक्ष महोदय दिल्ली की अनाधिकृत कालोनियों के लिए हम सालों से सुन रहे हैं पीएम उदय योजना के माध्यम से रजिस्ट्री शुरू हो गई है। अब अधिकांश कॉलोनियां पक्की हो गई हैं, अब विकास कार्य में तेजी आएगी लेकिन महोदय खेद का विषय है जस का तस वैसा ही है मुंगेरीलाल के हसीन सपने जैसा, इससे ज्यादा कुछ नहीं क्योंकि हाल जस के तस हैं। आप सोचकर देखिये वहां का पार्षद ना अपना बजट लगा सकता है, ना वहां का सफाई कर्मचारी जो सफाई करता है स्लैब अगर टूट जाए, ना स्लैब रिपेयर कर सकता है वहां पर उसके पास कोई अधिकार नहीं होता है। तो कम से कम इस बजट में, इस बजट में कम से कम ऐसा कुछ नजर आता की अध्यक्ष जी इस बजट में अनाधिकृत कॉलोनी को पूर्ण विकास जैसा कोई भी रूप रेखा नजर नहीं आती है जिससे डबल इंजन की सरकार इस बजट को दिल्ली वाले अपने आपको ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं कि अगर आप इसमें कुछ ऐसा प्रावधान लेकर आते इस बजट में जिससे जो कॉलोनियां हैं उनका पूर्ण विकास हो सके, वहां पर जो पार्षद है वो भी काम कर सके, वहां

पर जो बाकी एजेंसियां हैं वो भी काम कर सके, लेकिन होता क्या है कि सिर्फ चंदन जी बोल लेने दीजिए।

माननीय अध्यक्ष: बीच में टोका-टाकी ना करें कृपया।

श्री प्रेम चौहान: अध्यक्ष जी एक छोटी सी शायरी के साथ कि ''वो झूठ बोल रहा था इस सलीके से, मैं एतबार ना करता तो क्या करता।" अध्यक्ष महोदय दिल्ली की भाजपा सरकार ने 100 अटल कैंटीन खोलने की बात कही है, इसी तरह से नगर निगम 2017 में भाजपा की एमसीडी ने भी इसी तरह की बात कही थी की हम अटल योजना खोलेंगे कितनी खुली हुई हैं आप सब जानते हैं। कहीं कोई अटल योजना नहीं है, क्या इसी तरीके से ये अटल योजना भी ऐसे ही रह जाएगी। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री जी आदरणीय अटल बिहारी वाजपेयी जी व्यक्तित्व किसी अटल कैंटीन का मोहताज नहीं है पर यदि आप इस योजना को सही समय और सुचारू रूप से अमलीजामा पहनाएं तो राजनीतिक पटल से ऊपर उठकर हम सब इसका समर्थन करेंगे। महोदय दिल्ली की पूर्व में अरविंद केजरीवाल जी की सरकार जिस तरह से कभी उपराज्यपाल महोदय के माध्यम से कभी षडयंत्र करके उनकी सरकार को परेशान किया गया, आप सोच के देखिये अध्यक्ष जी किसी व्यक्ति को हाथ-पैर बांध दीजिए और उसको पानी में फेंक दो उसके बाद कहो कि तैर के दिखाओ। बावजूद दिल्ली की सरकार ने इतना लाजवाब, इतना बेहतरीन काम किया है कि आज आप लोग उसपर चर्चा कर रहे हो, बेशक आप कटाक्ष करते रहिये वो आपका अधिकार है। लेकिन आप ये ध्यान रखिये सबको पूर्व होना है। कल को आपको फिर इधर बैठना होगा हम फिर उधर बैठेंगे तब आपसे जवाब मांगेंगे जो आप जिस तरीके से जो भाषाशैली का उपयोग कर रहे हैं वो भी ठीक नहीं है। अध्यक्ष जी अरविंद केजरीवाल ने इतना शानदार काम किया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति की जो पत्नी आती हैं यहां

पर तो वो कहती है मुझे स्कूल देखना है। आप कहते हो उत्तर प्रदेश का स्कूल देख लीजिए योगी जी का, वो कहती है नहीं, आप कहते हैं पीएम श्री का स्कूल देख लीजिए नहीं, वो कहते हैं केंद्रीय विद्यालय देख लीजिए, नहीं। उन्हें तो अरविंद केजरीवाल जी का शानदार स्कूल देखना था। अध्यक्ष जी जब लोकसभा के चुनाव थे गुजरात में बीसियों साल से आपकी सरकार है लेकिन आप एक स्कूल तो छोड़िये अरविंद केजरीवाल जी जैसा एक शानदार स्कूल तक रूम तक नहीं बना पाए आपके प्रधानमंत्री जी को नकली रूम बनाकर बैठना पड़ता है नकली रूम दिखाना पड़ता है लोगों को हम इतने अच्छे स्कूल बना रहे हैं। अरविंद केजरीवाल जी की बराबरी आप नहीं कर सकते हैं अध्यक्ष जी और शराब में घोटाला, शराब, शराब मैं अपना समर्थन देने को तैयार हूं आप दिल्ली में जितने भी शराब के ठेके हैं शराब इतनी बुरी है तो शराब के ठेके सारे बंद कर दीजिए हम पूरी तरीके से आपको समर्थन देने के लिए तैयार हैं। करके दिखाइये शराब के ठेके पूरे तरीके से बंद।

(समय की घंटी)

माननीय अध्यक्षः चलिए धन्यवाद। अभय वर्मा जी। हो तो गई आपकी पूरी बात अब क्या रह गया। मेरे यहां से आपके पेपर, मेरे को यहां नजर आ रहे हैं पेपर में कुछ भी नहीं बचा सारा हो गया।

श्री अभय वर्माः दिल्ली के इतिहास में सबसे ऐतिहासिक बजट के चर्चा में भाग लेने का आपने मौका दिया है इसके लिए धन्यवाद। अध्यक्ष जी बजट पर बात कहने से पहले आज सदन में हमारे सीनियर मैंबर माननीय गोपाल राय जी ने उपदेश दिया की शब्दों की मर्यादा रखनी चाहिए। अब सीट का प्रभाव है या बड़ी हार के कारण ये समझ में आया है क्योंकि मुझे याद है कि माननीय

गोपाल राय जी यहीं बैठते थे और जो उन्होंने कहा कि दिल्ली के मालिक किस कटैक्स में कहा मैं याद दिलाता हूं किस कटैक्स में कहा, कौन है कहां से आया। क्या ये शब्दों की मर्यादा थी, ये शब्दों की मर्यादा नहीं थी। उस समय समझाना चाहिए था कि अगर कोई सरकार स्टेट में चल रही है आज जैसे हमारी सरकार चल रही है तो कुछ चीजों को ध्यान में रखना चाहिए था और मैं आज सदन में कह रहा हूं संवाद, समन्वय, सम्पर्क, सूचना और सहयोग ये 5 चीजों को लेकर आदरणीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में हम काम कर रहे है और यही बात माननीय गोपाल राय जी जब सरकार में थे अगर ध्यान रखते और इन 5 चीजों पर ध्यान रखते तो दिल्ली के मालिक कभी ये नहीं आकर कहते की हम हैं दिल्ली के मालिक, कौन आ गया, कहां से आ गया तो मुझे आज लगा की ये बात याद दिलाना चाहिए। कल से मैं लगातार सुन रहा हूं विपक्ष के साथियों ने कहा की जो बजट आया हवा हवाई है, तो मैं अभी सोच रहा यही की जब से रेखा दीदी एक लाख करोड़ की बजट लाई तब से विपक्ष हो गया है हवा हवाई। अध्यक्ष जी यह बजट ऐतिहासिक क्यों है, जो रिवाइज्ड एस्टिमेट है 2024-25 का उससे 48 परसेंट अधिक यानि की एक लाख करोड़ रुपए का बजट है, ये इसलिए ऐतिहासिक है कि इतना बड़ा जंप अगर सरकार ने हिम्मत किया है, तो क्यों किया है मैं नेता प्रतिपक्ष को बताना चाहता हूं बनिया की बेटी है खोल दी है तिजोरी और दिल्ली वालों के एक-एक उम्मीद। देखिए इस बार जब हम लोग चुनाव में गए अध्यक्ष जी तो मुद्दा ये नहीं था कि दिल्ली को आप सिंगापुर बनाएंगे या नहीं, लंदन बनाएंगे की नहीं, पैरिस बनाएंगे की नहीं मुद्दा ये था कि हमारा सीवर लाइन साफ करा देंगे, हमारे नालियों में जो गाद भरा है वो निकलवा देंगे, हमारी जो सड़कें टूटी हुई है उसको ठीक करवा देंगे और मेरे स्पोर्टर यही आकर कहते थे कि भाई साहब जिस विधानसभा में जाओ

यही डिमांड है, मायने जनता सपना देखी पेरिस का और आ गई अपने मोहल्ले की गली पर की मेरी गली बनवा दो। क्यों ऐतिहासिक है ये बजट क्योंकि वॉटर सप्लाई और सैनिटेशन पर 209 परसैंट अधिक पैसा दिया है। रोड और ब्रिज पर 131 परसैंट अधिक पैसा दिया है बजट में। सोशल वैलफेयर के लिए 131परसैंट पैसा दिया है और जयभीम, जयभीम बोलने वालों का पोल खुला है अध्यक्ष जी एससी वैलफेयर को लेकर एक आंकड़ा मैं देना चाहता हूं कि जयभीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना 4 वर्षों में इन्होंने बजट अलॉट किया 180 करोड़, खर्च किया 4.4 करोड़। पता नहीं हमारे एससी भाई इस आंकड़े को देखना ही नहीं चाहते हैं, दूसरा जयभीम मुख्यमंत्री प्रतिभा।

माननीय अध्यक्षः एससी भाई विधायक भाई ना।

श्री अभय वर्माः हां एससी विधायक भाई। जयभीम मुख्यमंत्री प्रतिभा योजना माइनोर्टिज के लिए, ईडब्ल्यूएस के लिए और ओबीसी के लिए है, 4 साल में इन्होंने रखा 250 करोड़ रुपया, खर्च कितना किया।

माननीय अध्यक्षः नहीं-नहीं उनकी भावों को देखिये, उनको देखते हुये बोल रहे थे वो।

...(व्यवधान)

श्री अभय वर्माः अरे भईया जरा आंकड़े सुन लो। खर्च कितना किया, 4 करोड़ 20 लाख और आगे देखिए एक तीसरी योजना थी मुख्यमंत्री विद्यार्थी प्रतिभा विकास योजना, 4 वर्षों में इन्होंने दिया 461 करोड़, खर्च कितना किया 32 करोड़ और आप अपने पिछले साल के बजट का आउटकम देखिये।

माननीय अध्यक्षः अभय जी एक सैकंड। सदन के समक्ष सदन की कार्रवाई को एक घंटे के लिए आगे बढ़ाया जाता है। तरविंदर सिंह मारवाह जी आपकी इजाजत है। जी जी बताईये।

...(व्यवधान)

श्री तरविंदर सिंह मारवाहः अध्यक्ष जी, आप पहले यहां गैस्ट हाउस बनवाओ फिर हमको चाहे रातभर रख लेना। रैस्ट चाहिए कि नहीं। अध्यक्ष जी रैस्ट चाहिए कि नहीं या कोई ऐसे ही हैं। इतनी मेहनत करते हैं।

माननीय अध्यक्षः जी, जी। एक, एक करके। हां जी आप बताइये। वो ही तो ले रहे हैं ना।

श्री राजकुमार चौहानः नहीं लिया आपने सिर्फ तरविंदर से ले रहे हो आप।

माननीय अध्यक्षः तरविंदर जी ने कहा था पहले कि मुझसे जरूर पूछना, सदन से पूछते वक्त मुझसे अकेले से पूछना।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः एक मिनट, पहले सदन का समय तो बढ़ा दूं, नहीं तो फिर चलेगा कैसे। सदन यदि सदन की अनुमति है, चलिए, सदन की कार्यवाही एक घंटे बढ़ाकर 6 बजे तक की जाती है। अब बताइये आप।

श्री तरविंदर सिंह मारवाहः अध्यक्ष जी क्या है कि इंतजाम होना चाहिए ना रैस्ट का भी, आप गैस्ट हाउस, एमएलओ के लिए कोई नहीं पूरे हिंदुस्तान में आज मैंने मुख्यमंत्री जी को रिक्वैस्ट की। क्योंकि कोई न कोई व्यवस्था होनी चाहिए हमारे लिए भी, कभी आराम करना है, कभी क्या करना देखो ना।

माननीय अध्यक्षः पीडब्ल्यूडी मंत्री जी को बताइये, शीशमहल को गैस्ट हाउस बना दें।

श्री तरविंदर सिंह मारवाहः वो तो मैं कहूंगा प्रवेश जी को सबसे पहले इस पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि हमारा रैस्ट आपके लिए जरूरी है क्योंकि आपको वोट चाहिए हमारी।

माननीय अध्यक्षः ठीक है।

श्री तरविंदर सिंह मारवाहः हम ठीक रहेंगे तो वोट आपको मिलेगी ना टाइम से, ठीक नहीं रहेंगे तो फिर क्या फायदा हमारा। अध्यक्ष जी, ये जरूर आपने उस दिन जैसे किया ना मिनट में एमएलओ का कमेटी बना दी, ये भी दो मिनट में झटका देकर बना दो।

माननीय अध्यक्षः ठीक है, धन्यवाद।

श्री तरविंदर सिंह मारवाहः इसका भी काम कर दो काम।

श्री अभय वर्माः धन्यवाद अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः ये जो जितना बीच का समय है ये अभय जी के समय में से नहीं काटा जाएगा।

श्री अभय वर्माः हाँ, मैं आउटकम बता रहा हूं सरकार का। इन्होंने जो बजट दिया था फल्ड कंट्रोल में 44 परसेंट कम पैसे खर्च किए। काम करना ही नहीं है, वॉटर सैनिटेशन पर 36 परसेंट पैसे रह गए सरकार के पास लेकिन लोग सीवर लाइन भरे होने को लेकर त्राहि–त्राहि करते रहे। अब देखो आप लोग जो है ना, एक बात मैं बोलूं, काम हो जाता है तो ढ़ोल पीटते हो और नहीं होता

है तो कहते हो एलजी, पीएम, मोदी अरे भाई इसीलिए इस पर दिल्ली की जनता क्या बोली। जब मैं पार्कों में जाता था ना अध्यक्ष जी तो जनता कहती थी कि ये जब काम नहीं होता है तो कहते हैं एलजी नहीं करता है, पीएम नहीं करने देते, तो इस बार इनको छुट्टी कर दिया कि भाई सत्ता में आओगे फिर यही गाना गाओगे। तो अध्यक्ष जी हैल्थ पर इन्होंने 22 परसेंट कम बजट खर्च किया जो बजट एलोकेट किया वो भी नहीं खर्च किया, सोशल वेलफेयर वालों का 17 परसेंट पैसा ये खजाने में ही रहने दिया है और एजुकेशन जिसको लेकर ये ढ़ोल पीटते हैं कि हमने क्रांति ले आए वहां भी ये 11 परसेंट कम पैसा खर्च किया है। ये सरकार की विफलता अध्यक्ष जी एक तो बजट आया है हमारी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी का, एक बजट का कॉपी मैं 2020 का मैं लेकर आया हूं, 2020 के इस बजट भाषण को अगर लाइन बाई लाइन पढ़े और जब इसको स्क्रूटनी करते हैं तो मैं आंकड़ा दे रहा हूं क्योंकि समय कम है, मोहल्ला क्लीनिक। मोहल्ला क्लीनिक पर उस समय के तत्कालीन वित्तमंत्री ने कहा की आने वाले 5 साल में हम 451 मोहल्ला क्लीनिक से बढ़ाकर 1 हजार कर देंगे, ये इनके बजट भाषण में है और पोली क्लीनिक हम 24 से बढ़ाके 94 करेंगे और 100 पिंक मोहल्ला क्लीनिक खोलेंगे।

(समय की घंटी)

श्री अभय वर्मा: रिजल्ट क्या है सर सिर्फ 553, 5 साल में इन्होंने 102 मोहल्ला क्लीनिक बनाएं कहां एक हजार के ये वादा करते थे। पोलीक्लीनिक 24 का 27 हुआ और पिंक मोहल्ला क्लीनिक एक भी नहीं खुले, ये है इनकी नाकामयाबियॉं। अरे भाई साहब आपकी सरकार ने लिखकर दिया है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः पूरा करने दीजिए। अरे पूरा करने दीजिए भई। कुलदीप जी प्लीज, पूरा करने दीजिए, साइलेंट।

श्री अभय वर्माः अब दिल्ली के सिविल डिफेंस के लिए खूब बवाल हुआ, हम लोग को सेक्रेटरिएट में घेरा गया, माननीय तत्कालीन मुख्यमंत्री जी, नेता प्रतिपक्ष के गाड़ी पर बैठ गई, और एक मंत्री जी जो आज सदन के सदस्य नहीं हैं।

माननीय अध्यक्षः बैठी नहीं थी घुस गई थी।

श्री अभय वर्माः वही ना कह रहे हैं। और एक माननीय मंत्री जी आपके पैरो में गिर के फोटो खिंचवा लिया ताकि अखबार में छप जाए। हुआ ये कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने घोषणा किया है कि हम 25 हजार होम गार्ड। अरे भाई ये नकली काम नहीं करेंगे उनको परमानेंट नौकरी दे रहे हैं, आप लोगों की तरह नकली काम नहीं करना है, 10 हजार से 25 हजार कहा है और ये उन सिविल डिफेंसों के लिए है जिसको आपने प्रतिदिन धोखा देते रहे ये, प्रतिदिन धोखा देते रहे हैं और पैर पकड़ने वाला सदन से बाहर हो गया है क्योंकि ये नाटक दिल्ली की जनता समझ गई थी।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः साइलेंट प्लीज।

श्री अभय वर्माः बस मैं एक मिनट में खत्म करूंगा।

माननीय अध्यक्षः हाँ खत्म करिये।

श्री अभय वर्मा: हाँ बस एक मिनट में खत्म करूंगा मेरे को पता है कि समय कम है। कल मेरे एक साथी ने यमुना पर बहुत कुछ बोला। हरियाणा और यूपी से तुलना किया गया, मैं एक अंतर बता देता हूं। यमुना के किनारे हरियाणा में छठ पूजा अभी भी हो रहा है, हर साल हो रहा है, यूपी में भी यमुना के किनारे छठ पूजा हर साल हो रहा है, दिल्ली में नहीं हो रहा है ये अंतर है और यही अंतर बतलाता है कि यमुना कितनी मैली है। एक साथी ने कल कहा कि गड्ढ़े अभी नहीं भरे हैं। 11 साल में आपने गड्ढ़े किए और आप सोचते हो की हम 30 दिन में भर देंगे, कमाल सोच है आपकी। मैं तो सिर्फ इतना ही कहना चाहूंगा कि कल एक साथी ने और कहा कि हमने 10 हजार से 13 हजार बैड होस्पिटलों में कर दिये 10साल में और हम इतना काम करके गए हैं कि अब 30 हजार हो जाएंगे। अरे भईया अभी से भूमिका मत बनाओ।

...(व्यवधान)

श्री अभय वर्मा: अरे सीएम करेंगी इसलिए कह रही हैं, सीएम ने बजट किया है, सीएम ने बजट दिया है और सीएम इसको करने के लिए तत्पर हैं इसलिए करेंगी।

माननीय अध्यक्ष: चलिए ठीक है धन्यवाद।

श्री अभय वर्मा: तो बस मैं अध्यक्ष जी इतना ही कहना चाहता हूं कि ये एक ऐतिहासिक बजट है और इस बजट में दिल्ली के लोगों की उम्मीदें पूरा होगी और हम रात-दिन ये 48 लोग हैं ना ये कोहिनूर के हीरे हैं जो मोदी जी ने भेजा है और मोदी जी के सपनों को पूरा करने के लिए हम सब दृढ़संकल्प हैं और दिल्ली को सुंदर, स्वच्छ और दुनिया की सबसे अच्छी राजधानी बनाएंगे।

माननीय अध्यक्षः चलिए। मनोज शौकीन।

...(व्यवधान)

श्री मनोज शौकीनः धन्यवाद, अध्यक्ष जी आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया और वास्तव में ये जो बजट है बहुत ही शानदार बजट है, हर वर्ग का ध्यान रखा गया है और इसके ऊपर लगभग-लगभग कोई बिंदु किसी ने छोड़ा नहीं है, किसी विषय पर 10 बार बोला गया, किसी पर 20 बार किसी पर पांच बार, सबकुछ कवर है। मैं चाहूंगा के समय का ध्यान रखते हुए सदन का समय बहुत महत्वपूर्ण है और जिस तरह से विपक्ष के सदस्यों ने उनका व्यवहार देखा मैंने। हमारी सोच, हमारा संगठन बचपन में जब जाते थे, 'तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहे ना रहें, चाहती हूं देश की माटी तुझे कुछ और भी दूं।' वहां से सीखकर के आज यहां तक पहुंचे है। तीन बार इस विधानसभा के सदस्य चुना गया हूं, एक बार कोर्पोरेशन में भी रहा। लेकिन कभी-भी पिछले इतने लम्बे समय में इतनी बुरी सरकार जो पिछले 10-11 साल जिन्होंने शासन किया, 1993 में जब चुनाव हुआ तो जैसे हमारे साथी सदस्य कह रहे थे कि बहुत दिन ना म्यूनिसिपल कोर्पोरेशन थी, ना कोई और साधन थे और दिल्ली को जिस तरह से बसाया जाना चाहिए था उस पर काम नहीं हो रहा था। उस समय पर जो हमारी सरकार बनी 1993 में अध्यक्ष जी, ये बजट उसी तरह से खर्च किया जाएगा। ये बजट जो हमारी माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो रखा है, ये सपनों का बजट है और सपने पूरे करने का बजट है। अध्यक्ष जी, एक दो लाइन है ये, ''वो एक समंदर खंगालने में लगे हुए हैं, हमारी गलती निकालने में लगे हुए है, अरे जिनके खुद के कपड़े फटे हुए हैं वो हमारी पगड़ी उछालने में लगे हुए हैं।" अध्यक्ष जी, ये अपनी गलती नहीं देख रहे। कहां से आए थे, हमारी जो पार्टी है, विचारधारा है वो आजादी के समय से ही जन्म लिया, अपनी विचारधारा

को मजबूत करते–करते एक, दो, चार फिर देश में पहली बार दिल्ली में जब चुनाव हुए विधानसभा के तो दिल्ली में विधानसभा में हम सत्ता में आए। सौभाग्य से अटल जी की सरकार बनी तो मिलकर के काम किया और जब काम किया तो जैसे मेरे पूर्व साथी ने बताया अध्यक्ष जी, एक डिस्ट्रीक्ट होता था, 9 डिस्ट्रीक्ट बनाए गए, एक तीस हजारी के अंदर धक्के खाते थे चारों तरफ के दिल्ली के लोग, इतनी भीड़ लगती थी और अध्यक्ष जी कोर्पोरेशन एक होता था, उसी को दिल्ली विद्युत बोर्ड भी वो चलाता था, विद्युत बोर्ड का गठन अलग से किया। दिल्ली जल बोर्ड का गठन अलग से किया और जिस तरह से मेरे पूर्व साथियों ने बताया क्योंकि मैं इसलिए कहना चाहता हूं अध्यक्ष जी और माननीय मुख्यमंत्री जी का जो सपना है और वो सपना भी ऐसा ही है क्योंकि जब हमारे आदरणीय मदनलाल खुराना जी थे और उसके बाद में डाक्टर साहिब सिंह जी वर्मा जी मुख्यमंत्री बने तो वो भी शालीमार बाग से ही विधायक चुने गए थे। उन्होंने जो काम किए वो काम ऐतिहासिक थे, ग्रामीण क्षेत्रों में कॉलेज खोले, 1998 के बाद में किसी भी ग्रामीण क्षेत्र में कोई भी नया कॉलेज किसी भी सरकार ने नहीं खोला। हमें खोलने की आवश्यकता है आपने जो प्रावधान रखे हैं। डाक्टर साहिब सिंह वर्मा जी के नाम से जो घेवरा मोड़ पर जो आपने इसमें प्रावधान रखा है कि हम वहां पर स्पोर्टस यूनिवर्सिटी या स्पोर्टस कॉलेज बनाएंगे, पूरा दिल्ली देहात आपका, क्योंकि मैं देहात के क्षेत्र से आता हूं आपका आभारी है।

आईपी यूनिवर्सिटी की स्थापना भी तभी की गई। केवल एक यूनिवर्सिटी होती थी। आईपी यूनिवर्सिटी की स्थापना भी उसी समय की गई जिसको लेकर के आज हरियाणे को प्रदेशों से बच्चे पढ़ने आते हैं। एनएसआईटी नेताजी सुभाष इंस्टीटयूट आफ टैक्नोलोजी द्वारका के अंदर उसी समय पर, मैं इसलिए ये आपको

बता रहा हूं कि हमने जो (अध्यक्ष महोदय द्वारा घंटी बजाई गई) पांच साल में काम किए थे अध्यक्ष जी दो तीन मिनट मैं लूंगा मैं भाषण नहीं करूंगा और कहोगे तो ऐसे ही बैठ जाता हूं। मैं भाषण नहीं दे रहा मैं। उसी समय पर की थी शाहबाद दौलतपुर में भी उसी समय पर हमने इंजीनियरिंग कालेज बनाया था हमने काम किए थे और उसी तर्ज पर और क्यों गए वो भी बताऊँगा। अध्यक्ष जी आपके माध्यम से मैं ये कहना चाहता हूं आज इस सचिवालय में बैठते हैं उस सचिवालय के अंदर पहले एशियन गैम्स में प्लेयर्स बिल्डिंग बनी थी, प्लेयरों के लिए लेकिन सदुपयोग और पैसा खराब ना हो और वो सचिवालय की नींव भी रखी वो बनाने का काम भी हमारी सरकार के दौरान किया गया था बाद में जब कांग्रेस की सरकार आई तो उसको दुरूस्त करके उसको आगे बढ़ाया गया। आगे बढ़ाने का काम उन्होंने किया है। मैट्रो का काम भी उसी समय पे शुरू हुआ था। अध्यक्ष जी आज दुर्भाग्य है इस दिल्ली का मुख्यमंत्री समेत अनेकों मंत्री जेल में गए। भ्रष्टाचार के आरोप मे जेल में गए। हमारे मुख्यमंत्री थे डॉक्टर साहब सिंह जी वर्मा, दिल्ली के अंदर अनोथराइज कॉलोनी की बड़ी संख्या थी वहां पर काम नहीं हो रहा था और जब काम नहीं हो रहा था तो वो कोर्ट में गए थे दिल्ली के लोगों की समस्या को लेकर के। राजकुमार चौहान जी हमारे बीच में बैठे हैं उन्होंने उस समय पर आदेश लिया था कि भई हां दिल्ली की अनोथराइज कॉलोनी में काम कराया जाना चाहिए उनके आदेश वो लेकर के आए थे जब दिल्ली के अनधिकृत कालोनी के लोगों को पीने को पानी बिजली और सारी सुविधाएं मिली थी। अध्यक्ष जी ना केवल ये काम दिल्ली के अंदर हाहाकार मचा हुआ था। दिल्ली धुएं से ग्रस्त थी पोल्यूशन इतना खतनाक था क्यों क्योंकि दिल्ली के अंदर बहुत सारे उद्योगिक क्षेत्र थे जो दिल्ली के गांव देहात में चलते थे। हाई कोर्ट ने बीच में दखल दिया और उनको उठाने का आदेश दे दिया। अध्यक्ष जी उस समय पर दो जगह पर गिने-चुने महीनों के अंदर

वहां पर बवाना में इंडस्ट्रीयल एरिया बसाया उसके बाद में नरेला के अंदर इंडस्ट्रीयल एरिया बसाया। अध्यक्ष जी मैं बोलूंगा तो बहुत सारे काम हैं इसके अंदर हमने उस समय पर करे थे उसके बाद किसी ने बसाया हो तो बता दो। इस सरकार ने क्या किया वो अपना बता दे। हम इसलिए कह रहे हैं कि जो हमारा ये बजट है ये बजट एक बेहतरीन बजट है और इस बजट के अंदर हर वर्ग के व्यक्ति का हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। अध्यक्ष जी मैं अधिक कुछ नहीं कहना चाहूंगा इस बजट के अंदर दो निवेदन करना चाहूंगा एक ईएलडी के अंदर जो ईएलडी है एक्सटेंडीड लालडोरा नहीं है वो ईएलडी के हमारे नक्शे जमा हुए थे जब अनोथराइज कॉलोनी के नक्शे जमा हुए। उसमें गांव से सटी हुई आबादी जिसे ईएलडी मान लिया गया था कि उसको हम गांव का हिस्सा मानेगें। माने ना माने लेकिन कम से कम उसको अनधिकृत कॉलोनी के नाम पर उसके अंदर डेव्लपमेंट कार्य होने चाहिए। एक तो ये मैं उसमें रखना चाहता हूं। इसी तरह से हमारे 20 प्वाईंट प्रोग्राम के कुछ प्लाट हैं। अध्यक्ष जी जो 20 सूत्री कार्यक्रम के तहत दिए गए हैं वो उसको एससी एसटी में लें या क्या करें उसके अंदर भी विकास के कार्य करने की आवश्यकता है। बस यही सब मुझे कहना था अध्यक्ष जी, आपने समय दिया बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः आले इकबाल।

श्री अभय वर्माः अध्यक्ष जी उस समय आपने कह दिया कि बैठ जाइए लेकिन मेरा एक बिंदु रह गया था वो अत्यंत आवश्यक है क्योंकि मैं जमनापार से आता हूं और मैं मुख्यमंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूं कि ट्रांस यमुना बोर्ड के गठन के लिए प्रयास करें क्योंकि हम कोर्ट भी गए थे।

माननीय अध्यक्षः ठीक है धन्यवाद। आले इकबाल।

श्री अभय वर्मा: और जमनापार के लोग बहुत उम्मीद से देख रहे हैं इसलिए मेरा ये आग्रह रह गया था।

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य आले इकबाल। माननीय सदस्य आले इकबाल जी। मैं उनका इंतजार करूंगा बुला लीजिए आप उन्हें क्योंकि मैंने विपक्ष की जितनी सूची आपने दी है सबको बुलवाया है। लेकिन हां जी तो मतलब नहीं आएगें। रोजा तो पौने सात बजे का आज छह चालीस, छह पैंतालीस। नहीं-नहीं मतलब चूंकि मैंने उनकी पूरी सूची को लिया है पांच मिनट बोल के जा सकते थे वो लेकिन चलिये कोई बात नहीं। अब मैं आमंत्रित कर रहा हूं मंत्री श्री आशीष सूद जी को।

माननीय शिक्षा मंत्री (श्री आशीष सूद): माननीय अध्यक्ष जी, मैं सबसे पहले आपका आभार व्यक्त करता हूं कि आपने मुझे बजट के 2025-26 के इस धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया। ये बजट हमारी आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने नरेंद्र मोदी जी के सबका साथ सबका विकास के पॉलिसी के साथ-साथ 2025 विकसित दिल्ली डॉक्यूमेंट 2025 को आधार मानकर मुख्यमंत्री जी ने एक विकसित दिल्ली के संकल्प पत्र के क्रियान्वयन को शुरू करने के संकल्प के साथ इस बजट को दिल्ली की जनता को समर्पित किया है। दिल्ली की दीदी रेखा जब सदन में वित्त मंत्री के रूप में बजट प्रस्तुत कर रही थी तो उन्होंने बताया कि कैसे तीन चौथाई बजट का हिस्सा स्कीम्स के क्रियान्वयन की जगह प्रचार पर खर्च किया जाता था। सभापति महोदय, हमारी सरकार के कार्य स्वत: प्रसारित किये जाते हैं इसका सबसे बड़ा उदाहरण अखबारों में बजट फार रिवाइवल आफ दिल्ली। आप काम करते हैं तो बजट के पैसे खर्चने नहीं पड़ते हैं और सरकारों की हैड लाइन है बजट फार रिवाइवल ऑफ दिल्ली और ये बजट हमारी पार्टी का, हमारे संकल्प पत्र को मूर्त रूप देने की गारंटी है। बहुत बातें की गयी

इस सदन में। माननीय अध्यक्ष जी इस सदन में हमारी पार्टी को अनपढ़ गवारों की पार्टी भी कहा गया, आप बहुत पढ़े लिखे हो सकते हैं मगर दूसरे को कम अकल आंकना और बोलना कोई शालीनता नहीं होती है। हमारे नेताओं को गालियां देते रहे मगर अध्यक्ष जी, इससे पहले कि दिल्ली की दीदी रेखा ने जो बजट प्रस्तुत किया है दिल्ली की जनता को समर्पित किया है उसके कुछ मुख्य बिंदू मैं आपके सामने रखूं। ये जानना जरूरी है ये बजट शुरू कहां से हुआ है। ये बजट शुरू हुआ है एक ऐसे निराशाजनक माहौल से जहां मेरे मित्र बता रहे थे लोग ये नहीं कहते थे कि मेरे बच्चों के लिये बढ़िया कॉलेज बना देना, लोग कहते थे मेरा सीवर ठीक करा देना। ऐसे निराशाजनक माहौल से 33 दिन पहले इस बजट को बनाने की शुरूआत हुई है 33 दिन पहले और, और जो अपने आपको बहुत ज्ञाता, बहुत बड़े-बड़े लोग बताते थे उनके बारे में भी थोड़ा आपके सामने बताना चाहता हूं। हम भारत की राजधानी हैं। भारत की जीडीपी ग्रोथ 2023-24 में नेशनल एवरेज ग्रोथ 7.6 परसेंट और दिल्ली की एवरेज नेशनल एवरेज से कम 7.4 परसेंट थी। जब नेशनल एवरेज जीडीपी की बात होती है तो उसमें छत्तीसगढ़ भी है, बिहार भी है, उसमें झारखंड भी है उसमें दूर दराज के सुदूर राज्य भी हैं जहां विकास के बारे में जहां ट्राइबल एरिया के बारे में बहुत सारे सवाल उठते हैं। नेशनल ऐवरेज 7.6 परसेंट और देश की राजधानी की जीडीपी ग्रोथ की ऐवरेज 7.4 परसेंट थी ये उन लोगों का हाल है जो अपने आपको बहुत पढ़ा-लिखा और बहुत सक्षम बताते थे। कोई बात नहीं थोड़ा बार-बार बात आती है कि ठीक है मैंने जैसा पहले कहा आप अपने को बहुत ज्ञानी समझिए दूसरे को कमतर आंकने से आपके ज्ञान की बात होती है तो इसलिए छोड़ देते हैं तरविंदर जी इन बातों में क्या रखा है। माननीय अध्यक्ष जी इकोनोमी की बात होती है देश की राजधानी में आम आदमी पार्टी आपदा सरकार के आने

से पहले राज्य के टोटल एक्सपेंडीचर में से औसतन गौर करिएगा माननीय अध्यक्ष जी मैं आपका इस और ध्यान चाहता हूं देश की राजधानी में आपदा सरकार के आने से पहले रेवेन्यू एक्सपेंडीचर राज्य के टोटल एक्सपेंडीचर में से रेवन्यू एक्सपेंडीचर का हिस्सा केवल 58.27 परसेंट होता था पिछले दस सालों में आपदा सरकार ने उसे बढ़ाकर 77.63 परसेंट कर दिया। टोटल एक्सपेंडीचर में किसी राज्य के बढ़ने के लिए कैपिटल एक्सपेंडीचर एक बड़ा हिस्सा होता है। आपदा सरकार के आने से पहले वो इंर्पोटेंट रोल 41.73 परसेंट टोटल एक्सपेंडीचर होता था कैपिटल एक्सपेंडीचर उसे घटाकर इस सरकार ने दस साल में 22.37 परसेंट कर दिया इसलिए दिल्ली में सड़कों पर गढ्ढे मिले, सीवर बहते मिले, बहता हुआ पानी मिला। रोजगार की बात हो रही थी, बार-बार बात कर रहे थे रोजगार, रोजगार, रोजगार हमारे पार्टी का संकल्प पत्र लेकर खड़े हुए थे संकल्प पत्र तो 70 सूत्रीय एजेंडा मैं भी ले के पढ़ा सकता हूं माननीय अध्यक्ष जी 2015 में 70 सूत्रीय एजेंडा लेकर आए थे last mile connectivity देगें, 20 कॉलेज खोलेगें कहते थे अरे कॉलेज खोलना क्या मुश्किल बात है। गांव में जाएगें झोली फैलाएगें जमीन मिल जाएगी। 20 कॉलेज खोलने की बात थी 500 स्कूल खोलने की बात थी 500 स्कूल खोलने की बात थी लोगों ने घर के उपर झाडू खड़ा कर दिया शायद इसी से वाईफाई के फ्री सिग्नल आने शुरू हो जाएगें। मगर, मगर मैं उस ओर जाना ही नहीं चाहता हूं मैं अपनी उपलब्धि जैसा मेरी माननीय मुख्यमंत्री दिल्ली की दीदी रेखा ने ये कहा कि हम आरोप नहीं लगाएगें हम काम करके दिखाएगें। माननीय अध्यक्ष जी हमारी सरकार ने इस बजट में asset creation of productive assests को खड़ा करने के लिए काम किया है हमने कैपिटल एक्सपेडिंचर को 15 हजार करोड़ से बढ़ाकर 28 हजार करोड़ यानि लगभग 86 प्रतिशत की वृद्धि की है ये कैपिटल एक्सपेंडीचर में। लोग रोजगार की बात कर रहे थे आप सब

पढ़े लिखे लोग हैं हम अनपढ़ लोग हैं हम अनपढ़ ही सही मगर हमारी समझ कहती है और इकोनोमिस्ट की भी समझ कहती है Capital Expenditure बढ़ने से real assets बढ़ते हैं सड़क बढती है, बस आती है और जिस सैक्टर में सरकार पैसा लगाती है उस सैक्टर में पुलिस एटमॉस्फियर बनता है व्यापारी वर्ग उस सैक्टर में पैसा लगाता है, रोजगार का सृजन होता है, रोजगार का सृजन आपके समय में 8 लाख नौकरी देने की तब आप कादियान साहब 70 सूत्रीय एजेंडा के हिस्सा नहीं थे आठ लाख नौकरी देने की बात की थी हमें तो अभी 33 दिन में हमारे एजेंडे को पढ़ रहे हैं, अच्छा होता जिन लोगों ने हमारी सरकार के दीदी रेखा के इस बजट पर टिप्पणी करते समय हमसे रोजगार की बात की वो देख के आते 70 सूत्रीय एजेंडा में केवल 8 लाख नौकरी देने की बात की गई थी।

...(व्यवधान)

माननीय शिक्षा मंत्री (श्री आशीष सूद): हां हम देगें। मैं आपको बताऊँगा, बताऊँगा। सब बताऊँगा।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: सायलेंट प्लीज।

माननीय शिक्षा मंत्री (श्री आशीष सूद): अरे सुनिए, सुनिए।

"तुमने तो गिरा डाली एक लम्हे में इमारत,

तुमने तो गिरा डाली एक लम्हे में इमारत,

अरसे लगेगें अब हमें ये मलबा हटाने में।"

और मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ अध्यक्ष जी ये कहना चाहता हूं ये बजट का सत्र राज्य के नागरिकों का सत्र होता है। इस सत्र में पूरी कोशिश होनी चाहिये पूरी कोशिश होनी चाहिये कि विपक्ष और पक्ष दोनों मिलकर डेलिब्रेट करें। हमारे बजट के प्रपोजल्स पर गुणवत्तापरक टिप्पणी करें। पोलिटिकल ब्राउंनिज स्कोर करने की जगह हम डेलिब्रेट करें कि कैसे इन बजट प्रपोजल्स में से हम दिल्ली की जनता के लिये बेहतर करना चाहते हैं मगर दुर्भाग्यपूर्ण है। कहा तो ये जाता है आदरणीय गोपाल राय जी यहां कह रहे थे कि मर्यादा रखिये मगर अटल जी कहते थे छोटे दिल से कोई बड़ा नहीं होता। छोटी बातों से वो दुर्भाग्य था। मैं देख रहा था इसी में लिखा है the education budget has fallen below 20 percent. नेता, प्रतिपक्ष और प्रतिपक्ष का दायित्व था हमारे साथ डेलिब्रेट करते, अपने प्रपोजल्स देते, जहां आपको आवश्यकता थी कट मोशन लाते, हम डेलिब्रेट करके बजट को और बेहतर दिल्ली की जनता के लिये करते मगर छोटेपन की पराकाष्ठा देखिये सबसे पहले ऐसे बात की जा रही है जैसे इस सरकार ने कोई अपराध कर दिया हो। बजट नाम का शब्द इस संविधान में नहीं है, किताब आप भी जेब में लेकर घूम रहे थे लोकसभा का चुनाव लड़ते समय। संविधान की धारा 202 आर्टिकल 202 ये कहता है माननीय अध्यक्ष जी, संविधान की आर्टिकल 202 कहता है it is annual financial statement. बजट भी नहीं है साहब। और ये संविधान जिस किताब को गले में लेकर आप सब राजनीति कर रहे थे इसमें कोई जिक्र नहीं है... एक सैकिंड सुन लो भाई सुनो सुनो देखो सुनो सुनो कुलदीप भाई सुनो अरे सुनो न, सुनो न सुनो, सुनो कुलदीप भाई मेरे को पता है थोड़ा कष्ट होगा, थोड़ा सुनने में कष्ट होगा मैं बहुत नम्र भाषा में बोल रहा हूं आर्टिकल 202 कहता है इकनोमिक सर्वे नाम की उसमें कोई चीज नहीं है। ये संविधान की स्थिति है सुनिये, सुनिये मैं बताता हूं। मैं आपको बताता हूं। प्रिसिडेंट

के कारण ये चीजें थी। पहली बात ये समझनी चाहिये मैंने जिस निराशाजनक माहौल का जिक्र किया आज आपसे, जिस निराशाजनक माहौल से दिल्ली की जनता देश की राजधानी की जनता देश की राजधानी की जनता जहां पर खड़ी हुई जहां मेरे नाली ठीक हो जाये, मेरे दरवाजे पर दो ईंट लग जाये, खड़ंजा लग जाये वहां से शुरू हुआ और आप अपेक्षा करते हैं वो दिल्ली की जनता को बताये बिना हम झूठे सच्चे कागजात को लेकर इकनामिक सर्वे के नाम पर बता दें। और प्रिसिडेंट की बात करते हुए वो लोग अच्छे लगते हैं जिन्होंने किसी प्रिसिडेंट का पालन किया हो। आप वो लोग हैं आप वो लोग हैं जिन्होंने 5-5 साल तक सत्रावसान नहीं किया। जब प्रधानमंत्री जी को गाली देने की इच्छा हुई आकर खड़े हो गये इस प्रिसिडेंट वालों आज उम्मीद करते हैं प्रिसिडेंट की, ये प्रिसिडेंट आज उम्मीद करते हैं प्रिसिडेंट की। इसलिये मैं ऑन रिकार्ड दिल्ली की जनता के सामने बताना चाहता हूं मीडिया के मेरे बंधुओं के माध्यम से बताना चाहता हूं इकनोमिक सर्वे प्रस्तुत करने की बाध्यता संविधान भी नहीं देता है इसलिये केवल और केवल अपने, अपने, अपने फेलियर्स को छुपाने के लिये, अपने फेलियर्स को छुपाने के लिये जैसे कैसे फेलियर्स को छुपाने के लिये। एक मित्र यहां बोल रहे थे पहली बार एक लाख करोड़ का बजट थोड़ी न आया है जब 70 हजार का आया था वो भी पहली बार आया था, जब 65 हजार का आया था वो भी पहली बार आया था। मान्यवर वो 70 हजार और 65 हजार का बजट आप केवल नरेंद्र मोदी जी की कृपा से ला पाये थे क्योंकि मैं बताता हूं अरे अभी सब उतार के दिखाता हूं। अभी बताता हूं आपको पता नहीं अभी बताता हूं सुनिये, सुनिये कैसे। इस राज्य में माननीय सदस्यगण, माननीय अध्यक्ष जी ये जो बजट के बड़े-बड़े साईजिज़ की बात हो रही है 2018-19 में 4182 करोड, 19-20 में 7436, 20-21 में 11396, 21-22 में 12668, 22-23 में 12817,

23-24 में 1137 और 24-25 में 363 यानि 50118 करोड़ रूपये जीएसटी कंपेंसेशन के नाम पर राज्य ने आपको दिये इसलिये आप कर पाये। जीएसटी कंपन्सेशन आपका नहीं था। सुनिए, आप ज्यादा पढ़े-लिखे लोग हैं जीएसीटी कंपनसेशन आपका नहीं था वो उन राज्यों को जीएसटी नहीं आएगा ये मानकर जीएसटी कंपनसेशन राज्यों को दिया गया था जीएसीटी आने के बाद राज्य सरकार ने आपको दिया और जब 18 के बाद जीएसटी आना बंद हो गया। ये 2023 के बाद जीएसटी का 23-24 के जीएसटी का कंपनसेशन गिर गया तो बजट 2000 करोड़ इनका घट गया। ये है परिस्थिति इनकी सब राज्यों के लिए था ना तो आप उसी के कारण थे इसलिए माननीय नेता प्रतिपक्ष ने कहा ये बयान दिया उन्होंने, छोटेपन की पराकाष्ठा देखिए कि ऐजुकेशन में पैसा घटा दिया। माननीय अध्यक्ष जी मैं आपका संरक्षण चाहता हूं 19291 करोड़ रूपये ज्यादा होते हैं या 16 हजार 396 करोड़ रूपये आप ज्यादा पढ़े लिखे लोग हैं बता दीजिए। हां परसेन्टेज में हां अच्छा, अच्छा अब ठीक है मेरे को पता था। हां मुझे पता था।

माननीय अध्यक्षः आप शांत रहें कृपया देखो समय की सीमा है शांत रहिये। पूरा करने दीजिए उनको।

माननीय शिक्षा मंत्री (श्री आशीष सूद): माननीय अध्यक्ष जी 2020-21 में 15 हजार 383 करोड़ रूपये शिक्षा के बजट के लिए तैयार रखे गए। रिवाइज्ड ऐस्टीमेट में घटा के 12 हजार 271 कर दिए। खर्च हुए दस हजार 783 शिक्षा की क्रांति के जनक थे ये लोग...

...(व्यवधान)

माननीय शिक्षा मंत्री (श्री आशीष सूद): और ये समझने की जरूरत है शिक्षा पे किए हुए मद में 21-22 में 115 हजार 904 खर्च हुए 13 हजार 149

ज्यादा बात नहीं करता समय कम है 24-25 में आज हमें बता रहे हैं 16 हजार 395 करोड़ रूपये का बजट भी प्रपोजल हुआ आज तक 13 हजार 986 करोड़ खर्च हुए दो हजार करोड़ रूपये इन्होंने शिक्षा पर कम खर्च किए और सुनिए हमें ये कहने के लिए एक बात करते हैं हां हां

...(व्यवधान)

माननीय शिक्षा मंत्री (श्री आशीष सूद): एक बिल्डिंग बन जाए तो आतिशी जी और अरविंद केजरीवाल जी की फोटो मुख्यमंत्री जी की इतनी सी, अरविंद केजरीवाल की इतनी बड़ी ना हो तो इन बेचारों पर दोष दे दीजिए। अच्छा एक बात बताइए ना आपने बहुत बड़े काम किए, बहुत बड़े काम किए। शिक्षा पर एक्सपेंडिचर में सुनिए मणिपुर, मणिपुर बहुत कहते थे ये माननीय सदस्य माननीय अध्यक्ष जी मणिपुर, मणिपुर कहते थे दिल्ली की ग्रोस जीएसडीपी के अनुसार दिल्ली ही केवल 1.5 परसेंट शिक्षा पर खर्च करती है। मणिपुर जैसा राज्य 7.7 परसेंट खर्च करता है। आप से छोटा राज्य है ये आपकी 13 लाख करोड़ है आज की डेट में जीएसडीपी और फिर मणिपुर की कितनी है जाओ देखो हां और सुनिए अरे और सुनिए कितनी बातें सुनाऊं, सुनिए ये शिक्षा की बात करते हैं माननीय अध्यक्ष जी दीदी रेखा ने जब ईडब्लयूएस दिल्ली की दीदी रेखा ने जब ईडब्लयूएस कैटेगरी के एडमीशन की बात आई 32 हजार 38 हजार बच्चों की ट्रांसपेरेंटली एडमीशन कराने की बात की थी। कैमरे के सामने टीवी कैमरे के सामने एडमीशन हुए मगर अध्यक्ष जी हैरानी तब होती है गरीबों के मसीहा बनने वाली ये सरकार और ये लोग यहां बैठकर जब ताली बजाते हैं गरीबों के मसीहा के नाम पर 115 करोड़ रूपये ईडब्लयूएस के विद्यार्थियों के नाम पर जो स्कूलों को देने थे ये सरकार देकर नहीं गई इसलिए गरीब बच्चों को वो स्कूल बार-बार अपने स्कूलों से बाहर निकालते 115 करोड़ रूपये इन्होंने उन स्कूलों को नहीं

दिए इसका खामियाजा और सुनिए साहब लिखिएगा झा साहब हां लिखिए ये अपने आपको भारतीय जनता पार्टी को कहते हैं कि हम सांप्रदायिक हैं ये बहुत बड़े शिक्षा क्रांति के जनक हैं सुनिए नोट करिए, वेरिफाई कर लीजिएगा। माननीय अध्यक्ष जी नार्थ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट है दिल्ली में 48 स्कूल हैं वहां और उस 48 स्कूल में एक लाख 32 हजार विद्यार्थी पढते हैं यानि लगभग ढाई हजार 2700 विद्यार्थी एक स्कूल में पढ़ते और उन माइनोरिटी की गरीब बेटियों को छह-छह, सात-सात किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। एक लाख 48 हजार, एक लाख 32 हजार बच्चे 48 स्कूलों में ये है इनका इस कनॉट प्लेस और लूटियन दिल्ली के आस पास दो स्कूल चमका दिए, दो स्कूल चमका दिए और ले जाओ ले जाओ उस पर दिखाएं कहते हैं पड़पड़गंज में स्वीमिंग पूल बना दिया अरे आज भी वो स्कूल वहां जिंदा है 1981 से दिल्ली के स्कूलों में स्वीमिंग पूल है रजौरी गार्डन के स्कूल में जाकर देखो आज भी स्वीमिंग पूल है। एक स्वीमिंग पूल बना के शिक्षा क्रांति के जनक, मैं केवल इतना कहना चाहता हूं अध्यक्ष जी...

''शुक्र है हंसी बाजार में नहीं बिकती,

शुक्र है हंसी बाजार में नहीं बिकती

वरना लोग गरीबों से वो भी छीन लेते।

शुक्र है हंसी बाजार में नहीं बिकती,

शुक्र है हंसी बाजार में नहीं बिकती

वरना ये गरीबों से वो भी छीन लेते।''

कहते हैं, कहते हैं हैप्पनेस करीकुलम थी 4 करोड़ रूपये खर्च किए। विज्ञापन पर पता है कितने खर्च हुए, दीदी रेखा ने जब कहा तीन चौथाई खर्च

आप वहां दे देते थे बीस करोड़ 87 लाख हैप्पीनेस करीकूलम के प्रचार पर खर्च हुए। देशभक्ति करिकूलम अरे देशभक्ति करिकूलम 49 लाख रूपये खर्च हुए। एडवटाइजमेंट पर खर्च हुए 11 करोड़ 54 लाख रूपये जनाब ऐ जनाब एक क्लास आप भी अटैंड कर लेते देशभक्ति करिकूलम की तो थोड़ी देशभक्ति में खर्चा थोड़ा नेशनलाइज हो जाता शायद कुछ देशभक्ति आप लोग भी सीख जाते। शिक्षा क्रांति लाने और सपनों का स्कूल बनाने का दावा करने वाले आप सरकार के बड़ी मजे की बात है। माननीय अध्यक्ष जी सुनकर आप दंग रह जाएगें बड़ी मजे की बात है शिक्षा क्रांति और सपनों का स्कूल बनाने वाली ये सरकार ने टॉयलेट और स्टोर की गिनती भी क्लासरूम में करी है आजतक। एक दिन तुम्हारे कर्म तुमसे मिलने आएगें बस उस दिन तुम हैरान ना होना। एक दिन तुम्हारे कर्म तुमसे मिलने आएगें उस दिन तुम हैरान ना होना ये दीदी रेखा की ये दिल्ली की दीदी रेखा की सरकार है जो आने वाले दिनों में पीडब्लयूडी के इस चलन को बंद कर देगी कि कोरीडोर, बाथरूम, स्टोररूम सबको कमरों के रूप में गिन दो और 20 हजार कमरे जो आप दिखाते हैं समकक्ष कमरों के रूप में शिक्षा क्रांति के रूप में 20 हजार समकक्ष कमरे उसमें से केवल 7 हजार कलासरूम हैं। उसमें से केवल 7 हजार, उसमें से केवल 7 हजार दरअसल माननीय अध्यक्ष जी हर व्यक्ति चाहे वो एस्ट्रोनॉट हो, चाहे वो ई-रिक्शा चलाने वाला हो, हर व्यक्ति ये चाहता है कि मेरे जीवन में जो अभाव मैंने झेले, जो कमी मैंने देखी है जो मुझे नहीं मिला वो मेरे बच्चों को मिले। चार्ल्स शोभराज की तरह क्रिमिनल साइके से आप लोगों ने उन लोगों के विश्वास को छला है। ये साइके एक व्यक्ति जो चाहता था कि मेरे बच्चे अच्छा पढ़ें उसको ये झूठ बोल बोलकर इस तरीके से आपने एक्स्प्लोएट करने की कोशिश करके केवल अपनी ब्रांडिग की ओर ध्यान देने का काम किया है। मैं आपके माध्यम से सदन को ये विश्वास

दिलाना चाहता हूं कि शिक्षा के मद में अनुदान का खर्च प्रदेश के शैक्षिक स्तर के उत्थान के लिए किया जाएगा। अब्दुल कलाम साहब ने कहा था सपने वो नहीं होते हम जो सोते हुए देखते हैं सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते। सभापति महोदय, मेरा सपना है नेता सदन दिल्ली की दीदी रेखा ने जो शिक्षा के क्षेत्र के लिए प्रस्ताव रखे हैं उनको पूर्ण ईमानदारी के साथ क्रियान्वित करना ये हमारा सपना है और इसी में सीएम श्री स्कूल 60 सीएम श्री स्कूल 100 करोड़ रूपये के बजट से हम लागू करेगें स्टेट ऑफ आर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर होगा, टेक्नोलॉजी ड्रिवन मॉड्यूल होगा और मैं आपको ये विश्वास दिलाता हूं मैं पूरे सदन को ये विश्वास दिलाता हूं सभापति महोदय इन स्कूलों के निर्माण में कोई टॉयलेट और कलासरूम जैसा घोटाला हम नहीं होने देगें। कोई टॉयलेट और कलासरूम जैसा घोटाला हम नहीं होने देगें। इन्हीं स्कूलों में नेशनल एजुकेशन पॉलिसी और नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क के हिसाब पे ये स्कूल चलेगें मल्टी स्पोर्ट्स फैसिलिटी होगीं एआर वीआर लैबस बनाई जाएगीं ऑगमेंटिड रियेलिटी के साथ नेक्सट जनरेशन स्मार्ट एजुकेशन होगें और बहुत लंबी फेरहिस्त है मगर समय का अभाव है इसलिए मैं केवल इतना आपको और जोड़ना चाहूंगा मिशन नींव से लेकर अब्दुल कलाम डाक्टर अब्दुल कलाम लैब्स और नो बैक डेट वाली ऐजुकेशन को हम इस देश में इस राज्य में लागू करेगें नो बैक न्यू एजुकेशन पॉलिसी का कंपोनेंट है एक दिन नो बैक डे होना चाहिए जिस दिन इन स्कीम्स को लागू करने का हम काम करेगें। मैं आपको ये बताना चाहता हूं अध्यक्ष जी बड़ी बड़ी बातें होती हैं, बड़ी-बड़ी ऐजुकेशन की दिल्ली के स्कूलों के कंप्यूटर लैब्स को आज तक पिछले सालों में किसी ने देखा ही नहीं दुदर्शा की हालत में है। इतने पुराने कंप्यूटर्स हैं वो बच्चे जो यहां से निकलकर जा रहे हैं उनके लिए 175 कंम्पयूटर लैब्स करने के साथ साथ हम अपने कार्यकाल में सात हजार स्मार्ट क्लासरूम अध्यक्ष जी आपको

जानकर हैरानी होगी जो मैंने जैसा कहा लूटियन दिल्ली के आसपास कुछ खेल हो जाता है क्योंकि एक इको सिस्टम काम कर रहा है बडा इंफ्रास्ट्रकचर बन गया भाई साहब कुल 206 स्कूल में दस साल में आप 799 स्मार्ट बोर्ड लगा पाए हो 206 स्कूल में 799 दौ सौ छह स्कूल में 799 और दिल्ली की मुख्यमंत्री दीदी रेखा ने 2000 क्लासरूम्स को पहले चरण में 100 करोड़ से कन्वर्ट करके दिल्ली के बच्चों को स्मार्ट कलासरूम देने की बात कही है अपने बजट में। सभापति महोदय दिल्ली के 12 कॉलेज हैं दिल्ली सरकार के दस वर्षो से इन कॉलेजों के शिक्षकों ने कर्मचारियों ने काली दीवाली मनाई है मगर उनकी दीवाली काली थी आप सब लोग एबीपी न्यूज के यहां जाकर पैसे देकर दीवाली मनाने का डायरेक्ट टैलीकास्ट दिखाते थे पता नहीं कैसे आप लोगों का दिल मान जाता था उन लोगों की दीवाली काली करके अपनी दीवाली मनाने के लिए इसीलिए तो मैं कहता हूं एक दिन आएंगे कर्म सामने बस उस दिन हैरान ना होना। टाइम हो गया जी।

माननीय अध्यक्ष: टाइम तो कब का हो गया।

...(व्यवधान)

माननीय शिक्षा मंत्री (श्री आशीष सूद): मैं दो चार मिनट में अपनी बात खत्म कर दूंगा जी मेरे को अरे घंटी नहीं मेरा बड़ा भाई बैठा है यहां ये किसी को भी कुछ कह सकते हैं तरविन्दर मारवाह जी।

...(व्यवधान)

माननीय शिक्षा मंत्री (श्री आशीष सूद): और अध्यक्ष जी इस दिल्ली में रहने वाले आपके हमारे ऐजग्रुप और हमसे बड़े लोगों ने जिसने भी ऐजुकेशन की बात की होगी पूसा पोलिटैक्नीक उसके जहन में हमेशा रहा। 1965 से चल रहा

है पूसा पोलीटैक्नीक देश के प्रीमियर इंस्टीटयूशनस में उदासीनता की हद देखिए तीन साल से बिल्डिंग डेंजर्स है बनाने का कोई प्रावधान नहीं है ये मैं बार-बार मर्यादा में उस और जाना नहीं चाहता था मगर अध्यक्ष जी मर्यादा की बात कर रहे थे। मुख्यमंत्री जी एक टीवी शो में गई किसी भी स्वभाव से मेरे से बोलते हुए आप से, आप से कोई भी फंबल कर जाता है कोई भी फंबल कर जाता है एक स्तरहीनता की पराकाष्ठा वीडियो आम आदमी पार्टी के हैंडल से इनके नेताओं के हैंडल से आठवीं पास मुख्यमंत्री जी को करके इन्होंने वीडियो बनाए और ये मर्यादा की बात करते हैं आप भी फंबल कर सकते हैं उसी दिल्ली विश्व विद्यालय छात्र संघ की पूर्व अध्यक्ष दिल्ली की मुख्यमंत्री दीदी रेखा ने उस पूसा इंस्टीटयूट को पूसा पोलीटैक्नीक को जिंदा करने के लिए 20 हजार 65 को 20.65 करोड़ रूपये दिए जिनको आप जिनको इनके हैंडलों से यहां मर्यादा की बातें करना बहुत आसान है मर्यादापरक पर आचरण करना कठिन है। एक टीवी चैनल पर एक शब्द बोलने में फंबल हुई दिल्ली की मुख्यमंत्री और इन्होंने आठवीं फेल बता-बता के वीडियो चलाए, छोड़िए, पावर सैक्टर की बात है पावर सैक्टर में बार-बार कहते हैं कि हां भई आपने तो हमारी योजनाओं को हमारी योजनाओं को इस्तेमाल कर रहे हैं आप हमारी योजनाओं को चला रहे हैं। अरे भाई साहब आप कोई अपने घर से दे रहे थे क्या कुछ केजरीवाल जी अपनी उस नानी जी के घर से थोड़ी ना लाए थे पैसा देने के लिए दिल्ली की टैक्स पेयर का पैसा है। दिल्ली को पहले से जा रहा था उससे बेहतर करके दे रहे हैं आपने खजाने खाली करके गए। आप नहीं दे पाए उसके बाद 20 परसेंट पर ले आए आप कैपिटल एक्सपेंडिचर को हम उसको 86 परसेंट बढ़ाकर वो स्कीम भी दे रहे हैं और दिल्ली को तारों से मुक्त करने का, दिल्ली को तारों से मुक्त करने का हम बिजली के विभाग के साथ कार्यक्रम भी लेकर आए हैं और तो और आपने तो दो हजार रूपये सब्सिडी देकर दिल्ली के ग्रीन बजट, ग्रीन बजट, ग्रीन एनर्जी की

बात करते हैं हमने उसके साथ साथ भारत सरकार 78 हजार रूपये तीन किलो वाट तक सब्सिडी देगी। माननीय मुख्यमंत्री जी ने उस बिजली के प्रावधान को और बढ़ाने के लिए तीस हजार रूपये का टॉपअप उसमें दिया है। मैं ज्यादा लंबी बात नहीं करना चाहता अध्यक्ष जी कल के प्रश्नकाल में भी बार-बार बातें हुई दिल्ली की अनोथराइज कालोनीज के साथ हमने ये कर दिया हमने वो कर दिया हर बार चुनाव से दो साल पहले चार हजार करोड़ रूपये दे रहे हैं दिल्ली की अनोथराइजड कालोनी में सड़कें बनाने के लिए कहीं पर भी माननीय अध्यक्ष जी पिछली सरकार सीरियस नहीं थी 22-23 में 13 हजार करोड़ एक लाख तीस हजार उसमें से एक लाख सात हजार खर्चा किया एक लाख 201 में से 59 हजार खर्चा किया 24-25 में 90 हजार 200 में से 70 हजार 95 करोड़ ही अनोथराइजड कॉलोनीज के सर्विसिज डेवलेपींग सर्विसिज टू अनोथराइजड कॉलोनीज किया गया। माननीय अध्यक्ष जी ना तो कूड़े पर ये सरकार दिल्ली की सुविधाओं के लिए काम करने में सफल रही ना ही दिल्ली की सुरक्षा के लिए 15 हजार होमगार्डों के बारे में अभी जिक्र हुआ हम भर्ती करने वाले हैं एक हजार 14 लाख 87 हजार पैंडिंग केसों के साथ-साथ दिल्ली की सुरक्षा के लिए लामपुर के डिटेन्शन सेंटर को और सबसे बड़ी बात दिल्ली का रिसोर्स दिल्ली के नागरिको के लिए है। दिल्ली का रिसोर्स दिल्ली में आकर इन्फिल्ट्रेशन करके अवैध रूप से रहने वाले लोगों के लिए नहीं है। दिल्ली के घुसपैठियों की इस प्रवासी समस्या के लिए लामपुर डिटेंशन सेंटर को सरकार अपने पास लेगी और दिल्ली में किसी भी अवैध प्रवासी को रहने नहीं देगें और साथ साथ जिन लोगों ने पिछले दस साल में ओवर ग्राउंड सपोर्ट दी है उन्हें आधारकार्ड बनाने के लिए, राशनकार्ड बनाने के लिए एग्रीमेंट बना के मकान किराए पर लेने के लिए एक घुसपैठिया

रह जाए तो कोई बात नहीं मगर उनमें से किसी को भी बक्शा नहीं जायेगा इस चीज का प्रावधान हम अपने आप करने वाले हैं।

माननीय अध्यक्ष: चलिये।

माननीय शिक्षा मंत्री: माननीय अध्यक्ष जी, केजरीवाल जी का ईमानदारी का ढांचा और सिसोदिया जी की क्रांतिकारी जेल में सिमटी है और नेता प्रतिपक्ष जी के विश्वस्तरीय वादे हवा हो चुके हैं। आज ये दिल्ली का बजट दिल्ली को लंदन, वेनिस बनाने के लिये नहीं है, आज हम दिल्ली को लंदन और पेरिस बनाने के लिये बजट नहीं लाये है हम दिल्ली को वो ही दिल्ली बनाने के लिये लाये हैं जिसको दिलवालों की दिल्ली कहा जाता था। मैं दिल्ली को दिल्ली की मुख्यमंत्री दीदी रेखा का बजट दिल्ली को वो दिल्ली बनाना चाहता है जिस पर तरविन्दर जी आप जिस पर सतीश जी आप अध्यक्ष जी मैं आदर से कहता हूं आप अपने बचपन में नल को खोलकर के ओक से पानी पीते थे मैं अपने बच्चों को और यहां के बच्चों को सीधा वो ओक से पानी पिलाने के लिये ये बजट लेकर आये हैं। वेनिस और पेरिस नहीं इस दिल्ली को दिलवालों की दिल्ली बनाने का बजट लेकर आये हैं। मैं पुन:, मैं पुन: एक बार पहली बार में 31 प्रतिशत वृद्धि के साथ जब हमारे खजाने खाली करके गये हों, जब हमारे पास कुछ छोड़कर ना गये हों, निराशाजनक वातावरण हो, सड़कें टूटी हों, लोगों की अपेक्षा कोई सुविधा की नहीं केवल साफ पानी और केवल और केवल सीवर की समस्या से निजात पाने की हो ऐसे में अपने रिसोर्सिज़ के साथ, अपने रिसोर्सिज़ के साथ केन्द्र सरकार से समन्वय करते हुये उसमें 31 प्रतिशत की वृद्धि करके एक लाख करोड़ का बजट लाने के लिये मैं दिल्ली की मुख्यमंत्री दीदी रेखा को हार्दिक शुभकामनायें देता हूं और कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूं और हम सब मिलकर, हम सब मिलकर दिल्ली को दिलवालों की दिल्ली बनाने के लिये इस

बजट की क्रियान्वयन में दिन-रात लगेंगे। आपने मुझे बोलने का अवसर दिया अध्यक्ष जी, मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः सुश्री आतिशी जी।

माननीय नेता प्रतिपक्ष (सुश्री आतिशी): धन्यवाद अध्यक्ष जी, मुझे लगता है सब लोग ही घर जाने की थोड़ी जल्दी में हैं तो इसलिये मैं छोटा ही भाषण दूंगी। सबसे पहले मैं आदरणीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी को बधाई देना चाहूंगी। वित्त मंत्री और मुख्यमंत्री होने के नाते जो आपने बजट पेश किया उसके लिये आपको बहुत-बहुत बधाई। मैं पिछले कई दिन से आपको एक और मुद्दे पर भी बधाई देना चाह रही थी उसका मौका नहीं मिला, एक गंगा-जमुनी तहज़ीब को आगे बढ़ाने के लिये आपने जो बयान दिया कुछ दिन पहले के रमज़ान में राम और दिवाली में अली है गंगा-जमुना तहज़ीब की सच्ची बेटी होने का जो प्रमाण आपने दिल्लीवालों के सामने रखा है उसके लिये आपको बहुत-बहुत बधाई। जो बजट अभी भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली सरकार ने दिल्ली विधानसभा में रखा इसको देखकर ये समझ में आता है कि अक्सर मज़ाक में पार्टी को भारतीय जुमला पार्टी क्यों कहा जाता है पहले तो बड़े-बड़े जुमले मोदी जी करते थे कि 15 लाख लेकर आयेंगे फिर थोड़े छोटे जुमले करने लगे कि दिल्ली की महिलाओं को ढाई हजार रूपये देंगे लेकिन इस बार भारतीय जनता पार्टी ने एक नई शुरूआत करी सिर्फ वादों में जुमले नहीं किये उस पर तो मैं आ ही जाऊँगी बाद में, इस बार पैसा कहां से आयेगा बजट में उस पर जुमलों की ऐतिहासिक शुरूआत दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने की है। टैक्स कहां से आयेगा, राजस्व कहां से आयेगा उस पर झूठ, झूठ और केवल झूठ। जब बजट से पिछले दिन इक्नॉमिक सर्वे प्रजेंट नहीं हुआ तो मैं भी सोच रही थी कि आखिर क्यों नहीं हुआ इसका क्या कारण था। ये आपकी बात सही है आशीष जी कि

उसमें संविधान में नहीं लिखा कि आपको इक्नॉमिक सर्वे प्रस्तुत करना है लेकिन 1951 से बजट में इक्नॉमिक सर्वे की शुरूआत हो गई। 1964 से उसको अलग डॉक्यूमेंट बनाकर 51 से 64 तक वो बजट का हिस्सा होता था 64 के बाद से उसको बजट से पिछले दिन प्रस्तुत किया जाता था क्यों, क्योंकि जो इक्नॉमिक सर्वे होता है वो इकोनॉमी के ट्रेन्डस बताता है कि रियल एस्टेट सैक्टर कैसे बढ़ेगा, सर्विस सैक्टर कैसे बढ़ेगा, व्यापार कैसे बढ़ेगा। उसी के आधार पर एक जीडीपी ग्रोथ के प्रोजेक्शन्स होते हैं आप गर्वनेट ऑफ इण्डिया का भी इक्नॉमिक सर्वे जो निर्मला सीतारमण जी ने रखा वो जीडीपी ग्रोथ के 6.5 परसेंट के प्रोजेक्शन्स बता रहा है और उसी के आधार पर कितना टैक्स आने वाले सालों में आयेगा उस इक्नॉमिक ग्रोथ के प्रोजेक्शन्स के आधार पर डिसाइड किया जाता है।

माननीय अध्यक्षः साइलेंस प्लीज़, बोलने दीजिये।

माननीय नेता प्रतिपक्षः तो जब इक्नॉमिक सर्वे नहीं आया तो मैं सोच रही थी उस दिन कि क्यों नहीं आया पर जिस दिन बजट के आंकड़े देखे कि कितना projected tax revenue है sixty eight thousand seven hundred crores का तो मुझे समझ में आ गया कि इक्नॉमिक सर्वे इसलिये नहीं आया इक्नॉमिक सर्वे आ गया होता तो ये कितना निराधार आंकड़ा है ये दिल्ली के सामने और पूरे देश के सामने आ जाता। जब प्रोजेक्टिड जीडीपी ग्रोथ पूरे देश का 6.5 परसेंट है ये कुछ नये ही प्रकार की इक्नॉमिक्स है कि आपका टैक्स 20 परसेंट से ज्यादा रेट पर बढ़ जायेगा तो ये नये प्रकार की अर्थव्यवस्था का गठन हो रहा है उसके लिये आपको बहुत-बहुत बधाई। मैं भारतीय जनता पार्टी के विधायकों को भी बता दूं आपने भाषण तो बहुत दिये एक लाख करोड़ के लेकिन देखिये विधायक आप भी हैं हम भी हैं हमें अपने इलाके में काम कराने होंगे एक लाख करोड़

रूपये आने वाले नहीं हैं उसकी उम्मीद मत करियेगा। तो मैं आपको एक कैल्कुलेशन करके बताती हूं आप भी यहीं हैं हम भी यहीं हैं एक साल के बाद उसका हिसाब-किताब हो जायेगा। इन्फैक्ट, अध्यक्ष जी सतीश महाना जी आये हुये थे माननीय स्पीकर साहब, स्पीकर साहब आये हुये थे तो उनसे भी किसी मिडिया वाले ने पूछा कि अध्यक्ष जी क्या इक्नॉमिक सर्वे के बिना बजट प्रजेंट करना चाहिये तो उन्होंने भी कहा कि नहीं-नहीं ये तो बहुत अचम्भे वाली बात है ऐसा कैसे हो सकता है पर nonetheless अब आगे बढ़ते हैं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः नहीं-नहीं कोई बात नहीं, कोई बात नहीं। उनको बोलने दीजिये विपक्ष को बोलने के लिये कहेंगे।

माननीय नेता प्रतिपक्षः ये मैं, मैं अब जैसे एक बजट का अनुमान आपने रखा।

माननीय अध्यक्षः बैठ जाईये, बैठ जाईये।

माननीय नेता, प्रतिपक्षः कि रेवेन्यु एस्टिमेट्स क्या होंगे मैं भी अपना एक रेवेन्यु एस्टिमेट आपके सामने रख देती हूं कि मेरा अनुमान है कि जो आपने आंकड़े दिखाये हैं उसमें कम से कम पांच हजार करोड़ कम तो आपका टैक्स कलैक्शन होगा तो आपका बजट एक लाख करोड़ से 95 हजार करोड़ रूपया आयेगा। दूसरी बात स्मॉल सेविंग्स लोन, अब ये मैं आपको बता दूं हो सकता है कई हमारे विधायक साथी नये भी हैं पहली बार भी विधायक बने हैं दिल्ली, आपकी बगल में वो पहली बार बने हैं ना, तो दिल्ली, दिल्ली की अपनी soverign gurantee नहीं होती है तो दिल्ली लोन नहीं ले सकती है जैसे बाकी सारे राज्य

लोन लेते हैं दिल्ली सिर्फ एक लोन ले सकती है नेशनल स्मॉल सेविंग फंड से, उसका आधार क्या होता है कि जिन जो पोस्ट ऑफिस में पैसा डालता है पीपीएफ में पैसा डालते हैं जितना पैसा दिल्ली की लोगों ने उस स्मॉल सैविंग्स में डाला होता है उतना लोन दिल्ली की सरकार NSSF National Small Saving Fund से ले सकती है। अब आपने 50 परसेंट या 100 परसेंट दोनों ही हो सकता है तो आपने उसका आंकड़ा दिखाया है कि 15 हजार करोड़ हम नेशनल स्मॉल सेविंग फंड से लेंगे तो अगर आप कह रहे हैं कि 50 परसेंट ले सकते हैं तो 30 हजार करोड़ कम से कम नेशनल स्मॉल सेविंग फंड में होने चाहिये लेकिन अगर आप ये राज्यसभा में पंकज चौधरी जी जो मिनिस्टर स्टेट फोर फाइनांस हैं 2023 तक के आंकड़े उन्होंने प्रस्तुत किये थे साल भर पहले राज्यसभा में तो उन्होंने बिल्कुल साफ कर दिया था कि स्मॉल सेविंग में जो पैसा जा रहा है वो लगातार घटता जा रहा है दिल्ली में तो बहुत ही स्पीड से घट रहा है। दिल्ली में ये स्मॉल सेविंग्स फंड तकरीबन 10 हजार करोड़ का होता था 2020-21 तक 8 हजार करोड़ पहुंच गया, 2023 के अंत तक ये मात्र 5 हजार करोड़ रह गया तो आप तकरीबन ढाई हजार करोड़ का, या हो सकता है 3 हजार बहुत हो गया तो 5 हजार करोड़ का आप लोन ले सकते हैं। 15 हजार करोड़ के लोन का आंकड़ा बिल्कुल फर्जी है तो आपका बजट 95 थाउजेंड करोड़ से 85 थाउजेंड करोड़स पर आ गया फिर कहा जी कि हम समन्वय से काम करेंगे केन्द्र सरकार पैसा देगी मैंने सोचा बहुत अच्छी बात है हो सकता है हमसे तो नहीं बनती थी तो हमें नहीं देते थे इन्फैक्ट हमें तो जो 9 सौ 51 करोड़ कागज़ पर भी मिलते थे वो भी पिछले दो साल से आये नहीं थे कागज पर आये थे पर हमारे पास आये नहीं थे तो मैंने सोचा कि चलिये बहुत अच्छी बात है, हो सकता है कि जिस तरह से मोदी जी अपनी सरकार को बचाने के लिये बिहार की सरकार को,

नीतीश जी को पैसा दे रहे हैं, आंध्र प्रदेश की सरकार में चन्द्रबाबू नायडू जी को पैसा दे रहे हैं हो सकता है कि दिल्ली में अब उनकी पार्टी की सरकार बनी है दिल्ली में भी देंगे तो मैंने आंकड़े निकाले हैं मैंने कल से, मैंने सोचा अपने बजट के अलावा केन्द्र सरकार का भी बजट निकालकर के देखा जाये कि आखिरकार कितना पैसा कौन से हैड में दिया जा रहा है तो बिहार के पैसे तो मिल गये कि 1 लाख 43 हजार करोड़ बिहार को दिये जा रहे हैं, आंध्र प्रदेश के भी पैसे मिल गये तकरीबन 60 हजार करोड़ आंध्र प्रदेश को दिये जा रहे हैं पर दिल्ली के पैसे मिल ही नहीं रहे थे कि कहां गये ये 6 हजार करोड़, 7 हजार करोड़ जो आयेंगे तो हमने सोचा कि एक बारी देख लेते हैं कि ये पैसे कहां हैं जो केन्द्र सरकार से आने थे तो आपके बजट, दिल्ली सरकार के बजट डॉक्यूमेंट में लिखा था कि दो हैड्स में पैसे आयेंगे, grant from Central Roads and Infrastructure Fund एक हजार करोड़ रूपये केन्द्र सरकार इस फंड से देगा दिल्ली की सड़कों के लिये तो हमने उसके भी कागजात निकाले कि कितने पैसे आयेंगे। अब मज़े की बात ये है कि केन्द्र सरकार के बजट के डिमांड नं.-86 में Schemes of State financed from Central Roads and Infrastructure Fund जिसे आप दिल्ली के लिये एक हजार करोड़ रूपये लाने वाले हैं। Schemes of UT is financed from CRIF का टोटल कैपिटल बजट three hunded ninty six crores है तो three hunded ninty six crores में से लद्दाख को, जम्मू-कश्मीर को, पुडुंचेरी को सबको पैसा जाना है, दमन एंड दीव को जाना है, दादरा नगर हवेली को जाना है उस three hunded ninty six crores में से भारतीय जनता पार्टी की सरकार एक हजार करोड़ लेकर आयेगी आपने चमत्कार कर दिया। फिर आईये आपने कहा fund received from हमें तो कागज पर पैसा मिलता था इनको तो कागज पर भी नहीं मिल रहा। उसके बाद, उसके बाद फिर आईये fund received

from GOI for capital project तो कल रात को मैंने ये डॉक्यूमेंट निकाला, 2025-26 का Demand for grants from Central Govt. की तो जब ये जो डिमांड कितना पैसा दिल्ली को आयेगा मैंने कहा कहां है जी ये 6 हजार करोड़ जो कैपिटल वर्क्स के लिये आने वाले हैं मैंने एक डॉक्यूमेंट निकाला दूसरा निकाला। दिल्ली को मैं आपको बताना चाहूंगी उतना ही 9 सौ 51 करोड़ आज भी केन्द्र सरकार के बजट में है कोई 6 हजार करोड़ नहीं आने वाला है सारे विधायक भारतीय जनता पार्टी के भी सुन लें दिल्ली के लोग भी सुन लें बजट में कहीं पर भी 6 हजार करोड़ का कैपिटल फंड का कहीं भी एक शब्द नहीं है तो अब अगर आप हिसाब-किताब लगायें, थोड़ी सी अगर हम मैथ्स कर लें 1 लाख करोड़ में से 5 हजार करोड़ कम हुये टैक्स में 10 हजार करोड़ कम हुये NSSF loan के 7 हजार करोड़ कम हुये हैं जो गर्वमेंट ऑफ इण्डिया से आना था आपका बजट हो गया है 78 थाउजेंड करोड़स, आप हम पर आरोप लगा रहे थे बजट हमने कम कर दिया बजट तो हमारी सरकारों से आपने कम कर दिया ये दिल्ली की जनता को पता होना चाहिये। ना सिर्फ इतना एक नई शुरूआत, अब ये नई शुरूआत अभी हमारे कई साथी यहां पर खासकर हरीश खुराना जी अभी बात कर रहे थे कि जी fiscal deficit आपको ये जानकर खुशी होगी कि उसमें भी एक नई शुरूआत आपकी सरकार ने करी है।

माननीय अध्यक्षः आतिशी जी आप, आतिशी जी एक सैकेंड।

माननीय नेता प्रतिपक्षः जी।

माननीय अध्यक्षः सदन का समय आधा घंटा और बढ़ाने का प्रस्ताव है।

माननीय नेता प्रतिपक्षः मैं दो-चार मिनट में कन्क्लुड कर दूंगी। मैं दो-चार मिनट, दो मिनट दो-तीन मिनट में कन्क्लुड कर दूंगी।

माननीय अध्यक्षः अच्छा ठीक है सदन का समय एक घंटा, सदन का समय एक घंटा और बढ़ाने का प्रस्ताव है। हां तरविन्दर जी सही है।

माननीय नेता प्रतिपक्षः तो।

माननीय अध्यक्षः एक मिनट-एक मिनट वो कुछ कह रहे हैं।

माननीय नेता प्रतिपक्षः अच्छा जी-जी-जी।

माननीय अध्यक्षः हां जी।

श्री तरविंदर सिंह मारवाहः ये आधा घंटा कह रहे थे फिर एक घंटा कर दिया अभी थोड़ी देर में डेढ़ घंटा।

माननीय अध्यक्षः ऐसा है आतिशी जी ये ना कहें।

माननीय नेता प्रतिपक्षः मारवाह जी मैं सिर्फ दो या तीन मिनट लूंगी मुश्किल से।

माननीय अध्यक्षः ऐसा है ना आतिशी जी ये ना कहें आतिशी जी ये ना कहें कि मुझे समय कम दिया गया है इसलिये।

श्री तरविंदर सिंह मारवाहः हैं जी।

माननीय अध्यक्षः विपक्ष की नेता ये ना कहें मुझे समय कम दिया गया है।

श्री तरविंदर सिंह मारवाहः नहीं-नहीं कल का भी कर लो ना कोई नहीं कोई विरोध थोड़े ही कर रहा है।

माननीय अध्यक्षः कोई नहीं एक घंटे का समय है।

श्री तरविंदर सिंह मारवाहः यहीं रोक लो कल ही चलते हैं यहीं...

माननीय अध्यक्षः देखिये, ये सदन विपक्ष का पूरा सम्मान करता है ऐसा नहीं है कि हमारे साथ जो हुआ हम जानते हैं हमारे साथ क्या हुआ हमें एक मिनट, एक मिनट भी नहीं मिलता था विपक्ष के नेताओं को समय। एक मिनट से डेढ़वें मिनट में माइक बंद लेकिन हम एक घंटा बढ़ा रहे हैं कि उनको कोई समय की कमी ना रहे। तो अब सदन तैयार है, पारित ठीक है, कॉन्टिन्यू करिये।

माननीय नेता प्रतिपक्षः बहुत-बहुत धन्यवाद, बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय बस दो या तीन मिनट मैं और लूंगी तो बजट का एक्चुअल साइज़ भारतीय जनता पार्टी के विधायकों को भी पता होना चाहिये, दिल्लीवालों को भी पता होना चाहिये 78 हजार करोड़ है एक लाख करोड़ के गुब्बारे में से हवा निकाल लीजिये वो आने वाले नहीं हैं। अब घाटे की बजट, फायदे की बजट आप एक बारी ये डॉक्यूमेंट निकाल लिजिए Budget at a glance आपके ही डॉक्यूमेंट में लिखा हुआ है कि 2025-26 में 13,702 करोड़ का fiscal deficit दिल्ली के इतिहास में सबसे ज्यादा fiscal deficit भारतीय जनता पार्टी की सरकार लाने की बात कर रही है तो दो चीज देख लीजिये जुमले का बजट, कि पैसा आने नहीं वाला दूसरा fiscal deficit 13 हजार करोड़ का fiscal deficit आपकी सरकार लाने वाली है बाकी और दो-तीन चीज़ों पर जो एक्सपेंडिचर किये हैं उस पर ध्यान दिलाना चाहूंगी अध्यक्ष महोदय, दिल्ली इतना इन्फ्लेटिड बजट के बावजूद भी, इन्फ्लेटिड बजट के बावजूद भी इर्म्पोटेंट हैल्थ फैसेलिटीज़ का बजट काटा जा रहा है। दिल्ली कैंसर इन्स्टीट्यूट, चाचा नेहरू अस्पताल, मौलाना आज़ाद मैडिकल कॉलेज, आचार्य भिक्षु हॉस्पिटल, लाल बहादुर शास्त्री हॉस्पिटल, गुरू गोविंद सिंह हॉस्पिटल का बजट 65 करोड़ रूपये से कम कर दिया गया है, आचार्य भिक्षु तो आपकी विधानसभा में है। हैल्थ मिनिस्टर साहब कह रहे थे हम

CATS Ambulance लेकर आयेंगे, जल्द से जल्द लेकर आयेंगे उनको पता नहीं था कि मुख्यमंत्री महोदया ने उनकी CATS Ambulance का भी बजट 25 करोड़ से काट दिया है क्या लेकर आयेंगे वो जल्द से जल्द। अनॉथराइज़ कॉलोनिज़ कई विधायक यहां पर अनॉथराइज कॉलोनिज़- कई विधायक यहां पर अनॉथराइज कॉलोनिज के मुद्दे पर बात कर रहे थे। पिछले साल की तुलना में 5 सौ करोड़, 5 सौ करोड़ बजट कम हुआ है अनॉथराइज कॉलोनिज़ में गलियां बनने के लिये, सीवर लाइन डलने के लिये, पानी की लाइनें डलने के लिये। स्पोर्ट्स पर्सन्स को मिलने वाले इन्सेन्टीव्स जो हमारे स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे जो स्पोर्ट्स में आगे बढ़ते हैं जो मैडल्स लेकर आते हैं वो आगे बढ़ते हैं स्पोर्ट्स पर्सन्स की स्कीम्स को 30 करोड़ से कम कर दिया गया है। आप बात करते हैं अंत्योद्य की। डिसेब्लेटी पेंशन दिव्यांगजनों की पेंशन का जो आपने अलॉटमेंट रखा है वो पिछले साल से 35 करोड़ कम है, आंगनवाड़ी में मिलने वाला सप्लिमेंटरी न्यूट्रिशियन जो महिलायें अपने घर लेकर आती हैं उसका आपने 100 करोड़ का बजट काट दिया है ये किया है भारतीय जनता पार्टी ने। अंत्योद्य की बात करते हैं जो बच्चे बेघर होते हैं बेसहारा होते हैं जिनके लिये चिल्ड्रन्स होम्स बनाये जाते हैं जिनके लिये सीडब्ल्यूसीज़ बनाई जाती हैं उन होम्स का बजट उन बेसहारा बच्चों का बजट आपने 100 करोड़ कम कर दिया है अंत्योद्य की बात करते हैं आप। भारतीय जनता पार्टी ने इस बार बजट में इतिहास रचा है बिल्कुल रचा है। जुमलों की एक नई शुरूआत। इतिहास में इस देश में पहली बार ऐसा हुआ है कि पैसे कितने आयेंगे उस पर झूठ बोला जा रहा है ये तो झूठ एक महीने में, एक साल में पकड़ा जाना है फिर भी बोला जा रहा है 78 हजार करोड़ के बजट को 1 लाख का बताया जा रहा है घाटे का बजट लाया जा रहा है और जो मूलभूत सुविधायें दिल्लीवालों को शिक्षा की, स्वास्थ्य की चिल्ड्रन्स होम्स की, आंगनवाड़ी

में खाने की मिल रही थीं उनका खात्मा किया जा रहा है ये है भारतीय जनता पार्टी का बजट।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः अब दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी चर्चा का उत्तर देंगी।

माननीया मुख्यमंत्री (श्रीमती रेखा गुप्ता): धन्यवाद अध्यक्ष जी, बजट की इस दो दिन की चर्चा में पक्ष और विपक्ष के सभी साथियों ने जिन्होंने भी पार्टिसिपेट किया बहुत सारी बातें कहीं, पर मुझे तकलीफ है कि विपक्ष के साथियों ने कोई अच्छे सुझाव नहीं दिये कुछ अच्छे सुझाव देते तो हम उसमें शामिल कर देते। थोड़ा-थोड़ा जवाब देना चाहूंगी हमारे भाई संजीव जी ने और वीरेंद्र जी ने और विशेष रवि जी चले गये नेता विपक्ष का भाषण था सुनकर जाते तो और अच्छा लगता, चले गये इन्होंने कहा कि जी पानी पी पीकर हमें कोसा गया, मैं थोड़ा सा दो लाइनों में जवाब दे दूं उसके बाद अपनी बात को शुरू करूंगी किः

"बहुत खफा हैं ये कि लहज़ा बदल गया मेरा,

बहुत खफा हैं कि लहज़ा बदल गया मेरा,

उन्हीं के लफ्ज़ों में, उन्हीं के लहजे़ में जब उनसे बात की मैंने।"

जब ये बोलते थे यहां बैठकर और पीछे वाले हंसते थे तब कुछ नहीं होता था जरा सा हमने कह दी तो चुभ गई और एक हमारे साथी थोड़ा सा उनके

व्यवहार में है थोड़ा एक्टिंग ज्यादा करते हैं बोलकर, उझलकर, इधर से इधर, इधर से इधर, नहीं–नहीं पता नहीं मुझे। उनके लिये भी कुछ कहना चाहूंगी अध्यक्ष जी

"कभी दिन बदल जाते हैं कभी जज्बात बदल जाते हैं

कभी दिन बदल जाते हैं कभी जज्बात बदल जाते हैं

जीवन की राहों में जाने कितने रंग बदल जाते हैं।"

ऐसे–ऐसे लोग भी होते हैं पर बद्किस्मती, बद्किस्मती उनकी स्वंय की है कि उनको विपक्ष में रहना उनकी किस्मत में है यहां होते तो पक्ष में बैठते विपक्ष में बैठना उनकी और हमारी, हमारी बहन आतिशी जी दिख नहीं रहीं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः गई नहीं हैं वो। ऐसे थोड़ा तो तसल्ली रखिये प्लीज़।

...(व्यवधान)

माननीया मुख्यमंत्रीः नहीं–नहीं पानी पीना, ठीक है भई पानी पी पीकर जवाब लेंगे।

माननीय अध्यक्षः सामान यहीं रखा है।

माननीया मुख्यमंत्रीः इनके लिये मैं कहना चाहूंगी कि दिल्ली का इतना बड़ा बजट आया उसमें से कमियां निकालने में इन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी इनके लिये कह सकती हूं कि स्वाभिमान,

‘‘स्वाभिमान अपना तबाह मत करना,

स्वाभिमान अपना तबाह मत करना,

भीख मांग के निर्वाह मत करना,

केवल अपना गुलदस्ता सजाने को,

पूरा गुलिस्तां तबाह मत करना।’’

कि केवल कुछ कहना है टिविट्र में, मिडिया पर उसके लिये काहे को दिल्ली को बरबाद करना है भाई दिल्ली अपनी है आपका और हमारा सबका दायित्व है दिल्ली को विकसित दिल्ली में परिवर्तित करना। गोपाल राय जी ने तो कहा कि भई जहां तक हमने छोड़ा उसको आगे बढ़ाओ। अब बढ़ाने के लिये आपको अपनी विधानसभा भी करनी होगी और बाकियों को भी करनी होगी तो अगर अच्छा बजट आया है, बड़ा बजट आया है तो इसमें परेशान क्यों हैं खुश होना चाहिये और फिर तो सच्चाई तो दिख ही जायेगी ना। आप ही ने तो कहा दो महीने में छः महीने में सब कुछ दिख जायेगा, स्पष्ट दिख जायेगा कि एक लाख करोड़ कहां से आया, कैसे आया पर बता देते हैं फिर भी क्या है सदन में हम सारे एक ही परिवार के लोग हैं सबका एक ही ध्येय है कि दिल्ली को आगे बढ़ाना है, आयेगा एक लाख करोड़ और आपको बताईये हो सकता है कि केन्द्र की सहायता की जरूरत ही ना पड़े क्योंकि जितनी लिकेजिज़ पिछली सरकार ने इस सिस्टम में कीं थीं वो लिकेजिज़ भी बंद हो जायेगी तो दिल्ली का पूरा का पूरा काम हो जायेगा, जितनी लिकेजिज़ आपने कर रखी थी। सारी की सारी पाइप लाइन।

...(व्यवधान)

माननीया मुख्यमंत्री: सारी की सारी, सारी की सारी पाइप लाइन राजस्व से इन्होंने अपने घरों में लगा रखी हैं। मैं आपको बताती हूं तीन प्रकार से बजट का दुरूपयोग इनके माध्यम से किया है कि एक तो जो बजट रखा कागजों में इस्तेमाल नहीं किया वो तो अन्याय किया ही दूसरा जो बजट रखा उसका दुरूपयोग किया और तीसरा सीधा-सीधा भ्रष्टाचार। ऐसी तीन कैटेगरी में इन्होंने दिल्ली के बजट का पूरा का पूरा मैनेजमेंट किया और मैं आपको बताऊँ ये हमारे कई भाई एससी, एससी एसीयों के साथ में ऐसा किया फंड कम-ज्यादा कितनी बातें बोलीं मैं आपको वो डेटा बताना चाहती हूं जो आज के पेपर में भी छपा है कि किस तरीके से इन्होंने कागजों पर फंड रखा परन्तु उसका समाज के लिये उस वर्ग के लिये उपयोग ही नहीं किया। बाबा साहब का नाम लेकर, बाबा साहब का नाम लेकर, बाबा साहब का नाम लेकर के जो अपनी पहचान दिखाते हैं उन्होंने कितना अन्याय किया उस वर्ग के साथ मैं आपको बताना चाहती हूं। एक हैड था 'Improvement of SC Bastis' एस.सी.बस्तीज में और उसमें 65 करोड़ रूपये का फंड रखा गया 2020-21 में मात्र, मात्र 50 लाख रूपये खर्च किये गये। दूसरा हैड बताती हूं जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना, जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा, अब बोल दूं नारे लगाती हैं दीदी हमारी जय भीम जय भीम नहीं और भी कुछ बोलती हैं हां वो वाला वो वाला वो ऐसे करके जब बोलती हैं जय-जय-जय-जय अरे तभी सोच लेतीं तभी,ख्र. हां मैं लगाऊँगी, पर मैं काम के साथ लगाऊँगी आप देखिये जय भीम, जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना इन्होंने लाई और लाई 2022-23 में सुनिये पहले 2020-21 में 40 करोड़ लाये केवल डेढ़ करोड़ रूपये खर्च किये। फिर 50 करोड़ लाये 50 करोड़ लाये 21-22 में केवल 2 करोड़ 90 लाख रूपये खर्च किये और 2022-23 में 70 करोड़ लेकर आये जीरो, जीरो यूज़ किया जीरो यूज़ किया जीरो, ये रिपोर्ट देखिये

जीरो यूज़ किया, ये बात करते हैं बाबा साहब की झूठ और मक्कार की ये सरकार सुनिये, सुनिये और, और 2023-24 में 20 करोड़ रूपये रखे मात्र एक लाख रूपये खर्च खर्च किया मात्र एक लाख रूपये।

...(व्यवधान)

माननीया मुख्यमंत्रीः और सुनिये बाबा साहब, बाबा साहब का नाम लेने वाले ये लोग किस तरीके से अपने कर्मो के द्वारा बाबा साहब का अपमान करते हैं अगली योजना जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना उसमें 2020-21 में 60 करोड़ रूपये रखे खर्चा जीरो। उन्होंने 2022-23 में 90 लाख, 90 करोड़ रूपये रखे खर्चा जीरो और 23-24 में तो खर्चा भी कम कर दिया 30 करोड़ रूपये रखे और उसमें से एक्सपेंडिचर एक्चुअल एक्सपेंडिचर जीरो ये हाल है जय भीम कहने वाले लोग केवल शब्दों में, मीडिया में अपने आपको उनका अनुयायी बताते हैं कर्मो में केवल उनको झुठलाते हैं। एक और

...(व्यवधान)

माननीया मुख्यमंत्रीः एक और योजना बताती हूं मुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री विद्यार्थी प्रतिभा योजना उसमें जो एससी समाज के लिये विशेष रूप से है डेढ़ सौ करोड़ रूपये रखा 2020-21 में जीरो खर्च किया not even a single rupees utilized. Not even a single rupees utilized. ये लिकेजिज़ अगर बंद कर देंगे तो खजाने अपने आप भर जायेंगे और सुनिये, सुनिये अभी तो आप ‘‘इप्तदा ए इश्क है रोता है क्या आगे-आगे देखिये होता है क्या’’। आपने किस तरीके से बजट का दुरूपयोग किया वो बता रही हूं, वो सब लिकेज रूक जायेगी तो पैसा बहुत आयेगा, अभी मैं जोड़-जोड़कर बता दूंगी वो भी बन जायेगा। आपने 2015 में आपकी पार्टी आई ठीक है उस समय एडवर्टिजमेंट में खर्च जो था 2015-16 में

अपने पांच टाइम फाइव टाइम्स इन्क्रीज कर दिया जो 24 करोड़ होता था शीला जी के टाइम में 127 करोड़ रूपये रखा 127 करोड़ रूपये और वही फंड 2021-22 में 621 करोड़ रूपये हो गया अध्यक्ष जी 621 करोड़ रूपये ये सब खर्चा जब सरकारी खजाने से जनता के हित में लगेगा तो जोड़ती जाईये आतिशी जी जोड़ती जाईये और, और सुनिये इन्होंने अपनी एनिवर्सरी आप पार्टी को 6 साल हो गये कितना खर्च किया 26 करोड़ रूपये आप पार्टी को 7 साल हो गया 25 करोड़ रूपये ये सारे पैसे भी बचकर खाते में आयेंगे जोड़ लीजिये और सुनाती हूं कैल्कुलेटर लेना पड़ेगा जैसे वो जोड़ा ना ऐसे ही जोड़ती जाईये। अब सुनिये, अरे सुन लीजिये-सुन लीजिये-सुन लीजिये इसके अलावा, इसके अलावा दिल्ली की दिवाली दुनिया कोविड में मर रही थी, दुनिया का बुरा हाल था, जीवन का संघर्ष चल रहा था लोगों की आंखों से आंसु नहीं थम रहे थे पर उस समय की आपदा सरकार ने दीवाली मनाई, 'दिल्ली की दिवाली' 2021-22 में खर्चा कार्यक्रम पर किया 3 करोड़ रूपये, केवल 3 करोड़ रूपये, फैमली को बिठाया पूरे देश में सीधा प्रसारण किया और कार्यक्रम के ऊपर खर्च किया 11 करोड़ रूपये, 11 करोड़ रूपये प्रसारण पर खर्च किया। जब दुनिया मर रही थी कोविड में जोड़ लीजिये ये पैसा इस बार वो सब भी नहीं होने वाला है। एक कार्यक्रम हुआ दिल्ली शॉपिंग फैस्टिवल 2022-23 में दिल्ली शॉपिंग फैस्टिवल मैंने पूछा भई ये क्या कार्यक्रम था तो कहा गया कि लोग आयें दिल्ली में शॉपिंग करें और जायें। अरे वाह, ये भी कोई कार्यक्रम है कह रहे हां जी ये कार्यक्रम था, मैंने कहा फिर हुअ,ा कैसा रहा, कह रहे जी हुआ ही नहीं, हमने कहा अरे हुआ ही नहीं तो आपने तो खर्चा लिखा हुआ है कि 8 करोड़ रूपये खर्च कर दिये। मान लीजिये वो कार्यक्रम जो हुआ ही नहीं उस कार्यक्रम पर 8 करोड़ रूपये का खर्चा ये आम आदमी पार्टी की सरकार लेकर आई।

...(व्यवधान)

माननीया मुख्यमंत्रीः इसको भी जोड़ लीजिये इसको भी जोड़ लीजिये और बताती हूं वो, वो कह रहे थे गोपाल जी गोपाल राय जी ने कहा कि जहां तक हमने काम किया है उसको आगे लेकर जाईये। मैंने पूछा भई एयर पोल्युशन इतना बड़ा विषय है क्या काम किये हैं आप तो जी अधिकारियों ने बताया मैडम बहुत काम हुआ है हमने कहा अच्छा भई क्या काम हुआ, कह रहे जी तीन सैक्टर में काम हुआ, हमने कहा बड़ी अच्छी बात है तीन सैक्टर में काम हुआ है तो बताईये। कह रहे थे एक तो जी पराली पर किया पराली पर क्या किया, कह रह जी एक क्रॉप रेजिडुअल कैंपेन स्थापित किया जिसमें हमने एक दवाई इज़ाद कर रहे थे कि वो दवाई अगर पराली पर डालेंगे पराली खत्म हो जायेगी। मैंने कहा हो गई वो दवाई कि नहीं, नहीं वो नहीं हो पाई फिर मैंने कहा क्या किया कितना खर्चा हुआ, कह रहे जी खर्चा तो उसमें 77 लाख ही हुआ है ज्यादा नहीं हुआ पर ना जी उसमें एडवर्टिजमेंट के 24 करोड़ रूपये लग गये। मतलब एक योजना जो धरातल पर आई ही नहीं जिसका आपने इतना गुणगान कर दिया 24 करोड़ रूपये खर्च दिये कि दवाई बनायेंगे, पड़ोसी राज्यों को देंगे, पराली खत्म हो जायेगी, हुआ कुछ नहीं और ये 25 करोड़ रूपये भी जोड़ लीजिये खाते में। फिर मैंने पूछा एयर पोल्युशन में और क्या किया, कह रहे जी स्मॉग टॉवर लगवाये, मैंने कहा कितने, कह रहे एक, अच्छा भईया एक लगा कहां लगा, कह रहे वो क्नॉट प्लेस में लगा था। मैंने कहा कितना खर्चा हुआ, कह रहे जी खर्चा उसमें 22 करोड़ रूपये हुआ ठीक है,ख़्रख़्र अरे सुनिये ना हम भी तो कुछ बोल रहे हैं तो 22 करोड़ रूपये हुआ, मैंने कहा एडवर्टिजमेंट में क्योंकि हर एक में बंधा हुआ है ना एडवर्टिजमेंट तो गैलर के जैसे चल रहा है यहां, कह रहे जी 6 करोड़ रूपये, तो मैंने कहा जी चल रहा है वो काम कर रहा है, नहीं–नहीं वो तो एक साल में ही बंद हो गया था। तो यानि की 22+6 ये 28 करोड़ भी जोड़

लीजिये जोकि आपकी सरकार ने केवल वेस्टेज ऑफ मनी की दिल्ली की, जनता का पैसा बरबाद किया फिर मैंने पूछा कि और कहां क्या काम हुआ, कह रहे जी ऑड-ईवन भी किया था बहुत बढ़िया योजना थी मैंने कहा उस पर खर्चा क्या हुआ, खर्चा कुछ नहीं हुआ जी मैंने कहा अरे वाह एक काम तो निकला जिस पर खर्चा हुआ ही नहीं। मैंने कहा खर्चा नहीं हुआ ये अच्छा किया तो ऑड-ईवन में फिर क्या हुआ, कह रहे जी थोड़ा एडवर्टिजमेंट में हुआ था, मैंने कहा कितना हुआ, कह रहे जी एडवर्टिजमेंट में 19-20 में तो हुआ 11 करोड़, 20-21 में हुआ 16 करोड़ और 21-22 में हुआ 26 करोड़ वो योजना, वो योजना जो ऑड-ईवन, ऑड-ईवन गाड़ियां किस बात का खर्चा भाई। आपने एक संदेश देना था कि जी आप ऑड-ईवन जिसका रिजल्ट कुछ नहीं निकला, जिसका फायदा कुछ नहीं हुआ परन्तु उस पर आपने, जोड़ना आतिशी जी जरा मेरा आप तो ये समझ ही रही हैं समझ ही रही हैं तो ये, ये सारा खर्चा जो पिछली सरकार ने केवल एडवर्टिजमेंट पर खर्च किया कमाल ही है कमाल और बताती हूं बात यहीं खत्म हो जाती तो और बात थी पर आगे देखिये वो समय आया जब कोविड का समय था, दुनिया मर रही थी दिल्ली रो रही थी हैल्थ सैक्टर में इन्होंने क्या किया कोविड अवेयरनेस के प्रोग्राम किये। 19-20 में 13 करोड़, 20-21 में 80 करोड़, 21-22 में 84 करोड़ एक बैड नहीं दिया गया इनसे, एक सुविधा नहीं दी गई इनसे, दिल्लीवालों के लिये कोई काम नहीं किया गया इनसे पर एडवर्टिजमेंट पर करोड़ों रूपये खर्च दिये ये है आपदा की सरकार। उसके बाद सुनिये, अरे संजीव जी सुन लीजिये हमने आपके लिये सुना दी और आपके लिये शेर भी लिखा सुन लीजिये डेंगू अवेयरनेस, अब डेंगू की अवेयरनेस काम एमसीडी का है पर अवेयरनेस कैम्पेन यहां चल रहा था। 19-20 में 20 करोड़ 20-21 में 16 करोड़, 21-22 में 33 करोड़ ये डेंगू की एडवर्टिजमेंट का खर्चा है

एक्स–4.02.40–अंत तक/पालीवाल जिसमें आपने काम कुछ भी नहीं किया सिर्फ एडवर्टीजमेंट का खर्चा है। और सुनिये करने वाला जो काम था दिल्ली में कोविड से जो लोग मरे जो आर्थिक सहायता उनको दी जानी चाहिए थी, कितने लोगों को दी, मात्र 97 लोगों को 97 ओनली। क्या दिल्ली में मैं आपसे पूछना चाहती हूं कोविड से केवल 97 लोग मरे थे जिनको आपने मदद दी। उनको आपने 97 लोगों को जो मुआवजा दिया उसके ऊपर भी आपने एडवर्टीजमेंट का खर्चा किया 17 करोड़ रुपये। 17 करोड़ रुपये जोड़ लीजिए कुछ शर्म के साथ में जोड़िये सरकार के ये सारे खर्चे। एजुकेशन के बहुत सारे हैड तो आशीष जी ने बता दिये फिर भी छोटे–छोटे मैं बोलती हूं जो योजनाएं आपकी थी बिजनेस ब्लास्टर, बिजनेस ब्लास्टर में खर्चा किया 54 करोड़ और उस पर एडवर्टीजमेंट की 90 करोड़। देश के मेन्टयोर खर्चा किया 1 करोड़ रुपये और उस पर एडवर्टीजमेंट करी 28 करोड़ रुपये की। हैप्पीनेस करिकुलम जिसमें खर्चा किया 20 करोड़ रुपये नहीं–नहीं खर्चा कुछ नहीं किया ये एड है सॉरी। एड की 20 करोड़ की और उस पर खर्चा किया 3 करोड़ रुपये। देशभक्ति करिकुलम 11 करोड़ की एडवर्टीजमेंट खर्चा कुछ नहीं क्यों क्योंकि ये तो खाली सेशन थे पीरियड्स क्लास के जो होते हैं न पहला पीरियड, दूसरा पीरियड, तीसरा पीरियड और वो पीरियड्स एक दिन में एक क्लास में आप सब भी स्कूल गये हो ये भी गये हैं एक दिन में ये पढ़े–लिखे लोगों की सरकार 3–3 एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटी एक हैप्पीनेस, एक बिजनेस ब्लास्टर, एक देशभक्ति, अरे भईया 7 पीरियड्स में से 3 आपने दे दिये बंदा पढ़ेगा कब, बच्चा पढ़ेगा कब, पढ़ेगा नहीं तो फेल ही होगा। जिन डेढ़ लाख बच्चों को आपने बाहर किया तो आपने न केवल फंड की चोरी की आपने दिल्ली की जनता की ये समय की चोरी भी की, उनकी पढ़ाई की भी चोरी करी, बच्चों के भविष्य की भी चोरी करी। एक और बताती हूं दिल्ली स्पोर्ट्स

युनिवर्सिटी खर्चा किया 7 करोड़ रुपये एडवर्टीजमेंट पर और है कहां, कहां है भई, कहां है ये दिल्ली स्पोर्ट्स युनिवर्सिटी आज तक केवल कागजों में है वो कहीं नहीं है दिल्ली स्पोर्ट्स युनिवर्सिटी ये हाल है सरकार का। एक थी दिल्ली स्किल एंड एन्टरप्रेन्योर युनिवर्सिटी 25 करोड़ रुपये एडवर्टीजमेंट का खर्चा कहां है कागजों में कहीं नहीं पहुंची एक कदम भी नहीं बढ़ी योजना 25 करोड़ रुपये और 36 डिग्री एडवर्टीजमेंट कहां सोशल मीडिया पर भी करेंगे, अखबारों में भी करेंगे, वो भी देशभर में करेंगे और उसके बाद में चैनल्स में भी होगा उसके बाद में हर जगह योजना, गुणगान, स्वयं स्तुति खुद ही अपना पूरा गुणगान करते रहते थे। क्लासरूम की कहानी आपने बता ही दी पर क्लासरूम जितने बने पहले कमरा बना 15 लाख रुपये में, फिर वो हो गया 25 लाख में, फिर हो गया 45 लाख रुपये में। एक कमरा 45 लाख का अब वो देखकर आना है भई वो कमरे देखकर आने हैं जो 45-45 लाख में बने मुझे लगता है कि हमारी सरकार 2 हजार कमरे 7 हजार कमरे जहां-जहां भी बनाएगी वो तो 45 लाख रुपये में तो बहुत सारे कमरे बन जाएंगे वहां से भी पैसा बचेगा उसको भी जोड़ लीजिए, उसको भी नोट कर लीजिए सर। बात हो रही थी पैसा बहुत आ जाएगा चिंता न करिये आप। ये डबल इंजन की सरकार है आपको चिंता करने की आवश्यकता नहीं है कि पैसा कहां से आएगा पर आपकी सरकार ने जो दिल्ली की जनता से चोरी की उनके पैसे की चोरी करी, उनके समय की चोरी करी। मुख्यमंत्री था ही नहीं दिल्ली में मुख्यमंत्री तो बाकी राज्यों में घूमता था यहां का पैसा बाहर लेकर जाता था तो दिल्ली की समय की चोरी। वो मैडम कह रही थी मुख्यमंत्री जी कहां हैं जवाब दो, जवाब दो अरे भई काम भी है, मेरे पास 10 मंत्रालय हैं आपके मुख्यमंत्री के पास तो एक भी नहीं था उसका काम ही क्या था, उसके पास तो काम ही क्या था। मेरे पास 10 मंत्रालय हैं मुझे जाना होता है, मुझे काम

करना होता है। आपके प्रश्न का जवाब मेरे मंत्री दे रहे हैं, लिखित में आ रहे हैं,आपको जवाब चाहिए कि मुख्यमंत्री चाहिए और सुनिये और चोरी की इंतहा, चोरी की इंतहा ये हुई कि इन्होंने तो दिल्ली की जनता का सुख-चैन छीना, गड्ढ़े में, सीवर में, गंदे पानी के साथ जो दिल्ली की जनता को रहना पड़ा वो आपने चोरी किया। चोरी यहां भी खत्म हो जाती तो और बात थी आपने तो सीएमओ दिल्ली का हैंडल चोरी करके ले गये, सीएमओ दिल्ली के तीनों हैंडल चोरी करके ले गये। अरे हमें कंप्लेंट करनी पड़ी, एक महीना संघर्ष करके उन हैंडल्स को वापस लेकर आए। अरे ऐसी भी क्या आदत लग गई चोरी की भाई, ऐसी भी क्या आदत लग गई चोरी की। पर मैं बताती हूं चलिए-चलिए कोई नहीं होता है, होता है देखिये इन्हीं विघनों के साथ हमें ये सरकार चलानी पड़ेगी। आप समझिये कि जब तक ये लोग ये नहीं समझ जाते कि जनता ने इन्हें एक और मौका दिया है यहां बैठने के लिए और नही।तो अगली बार हश्र वह होगा जो आपके साथी यहां पर नहीं हैं कहीं ऐसा न हो अगली बार आप भी नजर न आएं इसलिए जनता के प्रति आपकी जो जवाबदेही है उसको याद रखिये इतना मैं कहना चाहती हूं। इस बार बजट की इस चर्चा में जो मुझे अच्छे सुझाव लगे साथियों के वो मैं जरूर इसमें जोड़ना चाहूंगी कि यमुनापार विकास बोर्ड जो भाई अभय जी ने और बाकी साथियों ने कहा उसको हम अपने इस बजट में, था पहले पर वो रिवाइव करके उसको कामगार करेंगे, उसको चालू करेंगे। दूसरा दिल्ली की सभी मंडियां, दिल्ली की सभी मंडियां हमारे भाई राजकुमार जी ने और बाकी साथियों ने मुझे कहा था वो प्वाइंट हमसे कहीं लिखने में रह गया तो दिल्ली की मंडियों का सुधार-विकास कार्य इसको भी हम पूरी शिद्दत के साथ करेंगे मैं इस सदन को ये बताना चाहती हूं। और एक और बड़ा सुन्दर सुझाव हमारे साथियों की ओर से आया की दिल्ली जो है अलग-अलग राज्यों

का यहां पर परिवेश है, हर राज्य के लोग यहां रहते हैं वो अभिन्न अंग हैं दिल्ली का तो दिल्ली सरकार अब से जिस भी राज्य का स्टेट डे आएगा उस स्टेट डे को दिल्ली सरकार के द्वारा मनाया जाएगा और अब सबसे पहला जो स्टेट डे है उड़ीसा का दिन है एक तारीख को 1 अप्रैल को तो दिल्ली सरकार उसका आयोजन करेगी, उसे मनाएगी भव्यता के साथ और आप सबको भी बुलाएगी। मैं इस सदन के आगे इस बजट पर जो आप सबने चर्चा करी और जो बाकी बातें अलग-अलग साथियों ने कही मुझे लगता है कि उनको एक बार और बजट दोबारा से पढ़ लेना चाहिए कि कम है, ज्यादा है। हर चीज में ज्यादा है हमने कहीं नहीं घटाया 1 लाख करोड़ का बजट है भाई तो उसको हमने हर हैड में दिया है, खूब दिया है और भी देंगे जितना चाहिए उतना देंगे आप भी अपने क्षेत्र में काम करने जाइये आपको फंड की कमी नहीं होने देंगे ये मेरा आपसे वायदा है। इतना ही कह सकती हूं आज इस सदन के आखिरी में की

"वसुधा का नेता कौन हुआ,
वसुधा का नेता कौन हुआ,
भुखण्ड का विजेता कौन हुआ,
अतुलित यश क्रेता कौन हुआ,
नवधर्म प्रणेता कौन हुआ।"

फिर से बोलती हूं,

''वसुधा का नेता कौन हुआ,
भुखण्ड विजेता कौन हुआ,

अतुलित यश क्रेता कौन हुआ,

नवधर्म प्रणेता का कौन हुआ

जिसने न कभी आराम किया

विघ्नों में रहकर काम किया।"

तो काम करेंगे हमें पता है कि विघटनकारी शक्तियां हमारे साथ-साथ पीछे-पीछे चलती रहेंगी, फिर लाएंगी पोस्टर ढ़ाई हजार कब दोगे देंगे-देंगे पक्का देंगे, हमारा वायदा है दिल्ली की जनता से देंगे पर हमें यह मालूम है कि आपकी तरह हम योजनाएं शुरु करके बंद करने वाले नहीं हैं ये हर महीने की, हर महीने की देनदारी है, इसको पूरे योजनाबद्ध तरीके से देंगे ताकि किसी बहन के साथ अन्याय न हो पूरी तरीके से देंगे। आपकी तरह योजनाएं चालू करके बंद करने वाले हम नहीं हैं हैड में पैसे रखकर के जीरो खर्चा करने वाले हम नहीं हैं, हम दिल्ली की जनता के साथ न्याय करेंगे और उनके लिए सारे काम करेंगे आप तो बस केवल देखते जाइये और मिलकर के यदि कर सकें तो साथ में चलिए और साथ में चलके दिल्ली की जनता के साथ में हम लोग आगे बढ़ें। मैं इस बजट को आगे ले जाते हुए जो अध्यक्ष जी इस बजट की सारी चीजें मुझे लगता है कि मैंने पूरी कर ली हैं जो सुझाव मेरे पास आए थे इसमें कोई मुझसे छूटा नहीं है और छूट भी जाएगा मान लीजिए तो आप चिंता न करें। ये सरकार आपके विचार के साथ में खुली है आपके सुझाव आएंगे और अच्छे सुझावों के साथ में दिल्ली को आगे बढ़ाने का काम हमारी सरकार करेगी, भारत माता की जय।

माननीय अध्यक्षः अब बजट की प्रक्रिया पूरी।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः एक मिनट से दूसरा मिनट नहीं लूंगा। मैडम एक चीज रह गई है आपको रिक्वेस्ट है कि हमारे होस्टल का आपने थोड़ा नहीं

किया ये गलत है। देखो अभी भी आधा घंटा लेट है तो होस्टल का जरूर मैडम करें कुछ न कुछ ये है बस ये ध्यान रखें हमारा।

माननीय अध्यक्ष: अब माननीय मुख्यमंत्री, जी।

श्री राजकुमार चौहान: अध्यक्ष जी, मुख्यमंत्री जी ने बजट पर चर्चा की मैं सिर्फ एक अनुरोध इनसे करना चाहता हूं कि ये जो एडवर्टीजमेंट पर दुनियाभर का दिल्ली की जनता का पैसा खर्च किया गया है इसकी जांच जरूर हो।

माननीय अध्यक्ष: एक मिनट अब देखिये पहले बजट पास कर लेते हैं उसके बाद, एक मिनट बजट के बाद मैं आपको समय दूंगा ये जरूरी काम है।

सुश्री आतिशी (नेता प्रतिपक्ष): अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री...

श्री तरविन्दर सिंह मारवाह: मैडम, अरे आतिशी जी काम की बात सुनने की आदत डालो आप अपने आप काम की आदत डालो, आदत डालो मेहरबानी करके। अबकी बार हम विपक्ष में नहीं हैं एक मिनट, एक मिनट लूंगा जी। सिर्फ मैं ये कहना चाहता हूं जो प्रोग्राम नहीं हुए जिनमें खर्चा हुआ वो नोटिस केजरीवाल को जाना चाहिए चीफ सेक्रेटरी की तरफ से, सब पर जाना चाहिए क्योंकि वो जनता का पैसा था उसको नोटिस चीफ सेक्रेटरी को कहकर जो प्रोग्राम नहीं हुए और खर्चा हुआ वो रिकवरी होनी चाहिए उससे।

अनुदान मांगें (2025-26) प्रस्तुतिकरण एवं पारण

माननीय अध्यक्ष: चलिए अब माननीय मुख्यमंत्री/वित्तमंत्री वित्त वर्ष 2025-2026 के लिए Demands for Grants पेश करेंगी।

Hon'ble Chief Minister/Finance Minister:

Hon'ble Speaker Sir, I present Demands for Grants for the Financial Year 2025-2026 before the House.

माननीय अध्यक्षः अब सदन Demands for Grants पर Demand-wise

विचार करेगा :-

DEMAND NO. 1 (Legislative Assembly)

जिसमें Revenue में 48 करोड़ 40 लाख 50 हज़ार रुपये तथा Capital में 27 करोड़ 35 लाख रुपये हैं, कुल राशि 75 करोड़ 75 लाख 50 हज़ार रुपये है, सदन के सामने है -

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

सदस्यों के हाँ कहने पर

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 1 पास हुई।

DEMAND NO. 2 (Lt. Governor's Secretariat)

जिसमें Revenue में 10 लाख रुपये है, सदन के सामने है -

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 2 पास हुई।

DEMAND NO. 3 (Administration of Justice)

जिसमें Revenue में 24 अरब 60 करोड़ 57 लाख 10 हज़ार रुपये हैं तथा Capital में 9 अरब 56 करोड़ 75 लाख 5 हज़ार रूपये हैं, कुल राशि 34 अरब 17 करोड़ 32 लाख 15 हज़ार रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 3 पास हुई।

DEMAND NO. 4 (Finance)

जिसमें Revenue में 3 अरब 30 करोड़ 57 लाख 50 हज़ार रुपये हैं तथा Capital में 74 करोड़ 93 लाख 50 हज़ार रूपये हैं, कुल राशि 4 अरब 5 करोड़ 51 लाख रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 4 पास हुई।

DEMAND NO. 5 (Home)

जिसमें Revenue में 11 अरब 88 करोड़ 2 लाख रुपये हैं तथा Capital में 3 अरब 26 करोड़ 87 लाख रूपये, कुल राशि 15 अरब 14 करोड़ 89 लाख रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 5 पास हुई।

DEMAND NO. 6 (Education)

जिसमें Revenue में 175 अरब 5 करोड़ 79 लाख 55 हज़ार रुपये हैं तथा Capital में 15 अरब 92 करोड़ 46 लाख 45 हज़ार, कुल राशि 190 अरब 98 करोड़ 26 लाख रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 6 पास हुई।

DEMAND NO. 7 (Medical & Public Health)

जिसमें Revenue में 89 अरब 79 करोड़ 67 लाख 65 हज़ार रुपये हैं तथा Capital में 34 अरब 52 करोड़ 12 लाख रूपये, कुल राशि 124 अरब 31 करोड़ 79 लाख 65 हज़ार रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 7 पास हुई।

DEMAND NO. 8 (Social Welfare)

जिसमें Revenue में 99 अरब 35 करोड़ 30 लाख 10 हज़ार रुपये हैं तथा Capital में 1 अरब 5 करोड़ 97 लाख रूपये, कुल राशि 100 अरब 41 करोड़ 27 लाख 10 हज़ार रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 8 पास हुई।

DEMAND NO. 9 (Labour & Employment)

जिसमें Revenue में 61 करोड़ 86 लाख रुपये हैं तथा Capital में 67 लाख 50 हज़ार रूपये, कुल राशि 62 करोड़ 53 लाख 50 हज़ार रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 9 पास हुई।

DEMAND NO. 10 (Revenue)

जिसमें Revenue में 44 अरब 68 करोड़ 17 लाख 2 हज़ार रुपये हैं तथा Capital में 1 अरब 26 करोड़ 59 लाख 20 हज़ार रूपये, कुल राशि 45 अरब 94 करोड़ 76 लाख 22 हज़ार रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 10 पास हुई।

DEMAND NO. 11 (Urban Development)

जिसमें Revenue में 108 अरब 18 करोड़ 42 लाख 42 हज़ार रुपये हैं तथा Capital में 50 अरब 39 करोड़ 5 लाख 58 हज़ार रुपये, कुल राशि 158 अरब 57 करोड़ 48 लाख रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 11 पास हुई।

DEMAND NO. 12 (General Administration)

जिसमें Revenue में 3 अरब 44 करोड़ 80 लाख 98 हज़ार रुपये हैं तथा Capital में 4 करोड़ 50 लाख रुपये, कुल राशि 3 अरब 49 करोड़ 30 लाख 98 हज़ार रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 12 पास हुई।

DEMAND NO. 13 (Services)

जिसमें Revenue में 26 करोड़ 19 लाख रुपये हैं तथा Capital में 2 करोड़ 12 लाख रुपये, कुल राशि 28 करोड़ 31 लाख रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 13 पास हुई।

DEMAND NO. 14 (Administrative Reforms)

जिसमें Revenue में 59 करोड़ 3 लाख रुपये हैं तथा Capital में 65 लाख रुपये, कुल राशि 59 करोड़ 68 लाख रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 14 पास हुई।

DEMAND NO. 15 (Vigilance)

जिसमें Revenue में 21 करोड़ 90 लाख रुपये हैं तथा Capital में 60 लाख रुपये, कुल राशि 22 करोड़ 50 लाख रुपये है, सदन के सामने है–

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 15 पास हुई।

DEMAND NO. 16 (Information & Publicity)

जिसमें Revenue में 1 अरब 20 करोड़ 31 लाख रुपये हैं तथा Capital में 34 लाख रुपये, कुल राशि 1 अरब 20 करोड़ 65 लाख रुपये है, सदन के सामने है–

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 16 पास हुई।

DEMAND NO. 17 (Selection Board)

जिसमें Revenue में 1 अरब 15 करोड़ 23 लाख 50 हज़ार रुपये हैं तथा Capital में 25 लाख रुपये, कुल राशि 1 अरब 15 करोड़ 48 लाख 50 हज़ार रुपये है, सदन के सामने है–

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 17 पास हुई।

DEMAND NO. 18 (Election)

जिसमें Revenue में 62 करोड़ 44 लाख रुपये हैं तथा Capital में 26 करोड़ 20 लाख रुपये, कुल राशि 88 करोड़ 64 लाख रुपये है, सदन के सामने है–

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 18 पास हुई।

DEMAND NO. 19 (Planning)

जिसमें Revenue में 47 करोड़ 88 लाख 50 हज़ार रुपये हैं तथा Capital में 24 अरब 11 करोड़ 32 लाख 50 हज़ार रुपये, कुल राशि 24 अरब 59 करोड़ 21 लाख रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 19 पास हुई।

DEMAND NO. 20 (Information Technology)

जिसमें Revenue में 65 करोड़ 20 लाख रुपये हैं तथा Capital में 3 करोड़ 85 लाख रुपये, कुल राशि 69 करोड़ 5 लाख रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 20 पास हुई।

DEMAND NO. 21 (Art, Culture & Language)

जिसमें Revenue में 1 अरब 40 करोड़ 26 लाख रुपये हैं तथा Capital में 11 करोड़ 51 लाख रुपये, कुल राशि 1 अरब 51 करोड़ 77 लाख रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 21 पास हुई।

DEMAND NO. 22 (Transport)

जिसमें Revenue में 46 अरब 23 करोड़ 33 लाख 70 हज़ार रुपये हैं तथा Capital में 44 अरब 86 करोड़ 74 लाख 30 हज़ार रुपये, कुल राशि 91 अरब 10 करोड़ 8 लाख रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 22 पास हुई।

DEMAND NO. 23 (Industries)

जिसमें Revenue में 1 अरब 32 करोड़ 83 लाख रुपये हैं तथा Capital में 1 करोड़ 61 लाख रुपये, कुल राशि 1 अरब 34 करोड़ 44 लाख रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 23 पास हुई।

DEMAND NO. 24 (Tourism)

जिसमें Revenue में 1 अरब 20 करोड़ 72 लाख 50 हज़ार रुपये हैं तथा Capital में 25 लाख रुपये, कुल राशि 1 अरब 20 करोड़ 97 लाख 50 हज़ार रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 24 पास हुई।

DEMAND NO. 25 (Civil Supplies)

जिसमें Revenue में 4 अरब 44 करोड़ 28 लाख 95 हज़ार रुपये हैं तथा Capital में 8 करोड़ 59 लाख रुपये, कुल राशि 4 अरब 52 करोड़ 87 लाख 95 हज़ार रुपये है, सदन के सामने है–

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 25 पास हुई।

DEMAND NO. 26 (Development)

जिसमें Revenue में 1 अरब 10 करोड़ 44 लाख 28 हज़ार रुपये हैं तथा Capital में 10 अरब 45 करोड़ 86 लाख रुपये, कुल राशि 11 अरब 56 करोड़ 30 लाख 28 हज़ार रुपये है, सदन के सामने है–

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 26 पास हुई।

DEMAND NO. 27 (Cooperative)

जिसमें Revenue में 20 करोड़ 58 लाख रुपये हैं तथा Capital में 1 करोड़ 97 लाख 30 हज़ार रुपये, कुल राशि 22 करोड़ 55 लाख 30 हज़ार रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 27 पास हुई।

DEMAND NO. 28 (Irrigation & Flood)

जिसमें Revenue में 2 अरब 90 करोड़ 13 लाख रुपये हैं तथा Capital में 3 अरब 13 करोड़ रुपये, कुल राशि 6 अरब 3 करोड़ 13 लाख रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 28 पास हुई।

DEMAND NO. 29 (Environment & Forest)

जिसमें Revenue में 4 अरब 73 करोड़ 94 लाख 53 हज़ार रुपये हैं तथा Capital में 52 करोड़ 40 लाख रुपये, कुल राशि 5 अरब 26 करोड़ 34 लाख 53 हज़ार रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 29 पास हुई।

DEMAND NO. 30 (Public Works)

जिसमें Revenue में 21 अरब 54 करोड़ 75 लाख रुपये हैं तथा Capital में 31 अरब 80 करोड़ 86 लाख रुपये, कुल राशि 53 अरब 35 करोड़ 61 लाख रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 30 पास हुई।

DEMAND NO. 31 (Land & Building)

जिसमें Revenue में 25 करोड़ 50 लाख रुपये हैं तथा Capital में 1 करोड़ 59 लाख रुपये, कुल राशि 27 करोड़ 9 लाख रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 31 पास हुई।

DEMAND NO. 32 (Power)

जिसमें Revenue में् 36 अरब 55 करोड़ 54 लाख रुपये हैं तथा Capital में 1 अरब 91 करोड़ 3 लाख रुपये, कुल राशि 38 अरब 46 करोड़ 57 लाख रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 32 पास हुई।

DEMAND NO. 33 (Loans)

जिसमें Capital में 1 करोड़ 30 लाख रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 33 पास हुई।

DEMAND NO. 34 (Pensions)

जिसमें Revenue में 6 करोड़ रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 34 पास हुई।

हाउस ने कुल मिलाकर Revenue में 688 अरब 58 करोड़ 22 लाख 78 हज़ार रुपये और Capital में 234 अरब 49 करोड़ 33 लाख 38 हज़ार रुपये, कुल राषि 923 अरब 7 करोड़ 56 लाख 16 हज़ार रुपयों की Demands को मंजूरी दे दी है।

विनियोजन (संख्या-02) विधेयक, 2025 प्रस्तुतिकरण एवं पारण

माननीय अध्यक्षः अब मुख्यमंत्री/वित्त मंत्री Appropriation (No. 02) Bill, 2025 को House में Introduce करने की permission मांगेंगी।

Hon'ble Chief Minister/Finance Minister:

Hon'ble Speaker Sir, I seek permission of the

House to introduceAppropriation _No. 02)

Bill, 2025 to the House

माननीय अध्यक्षः मुख्यमंत्री/वित्त मंत्री जी का प्रस्ताव सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

प्रस्ताव पास हुआ।

माननीय अध्यक्षः अब मुख्यमंत्री/वित्त मंत्री Bill को सदन में Introduce करेंगी।

Hon'ble Chief MinisterèFinance Minister:

Hon'ble Speaker Sir, I introduce Appropriation _No. 02) Bill, 2025 to the House.

माननीय अध्यक्षः अब Bill पर Clause-wise विचार होगा।

प्रष्न है कि खण्ड–2, खण्ड–3 व Schedule बिल का अंग बनें–

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

खण्ड–2, खण्ड–3 एवं Schedule बिल का अंग बन गये।

प्रश्न है कि खण्ड–1, Preamble और Title Bill का अंग बनें–

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

खण्ड-1, Preamble और Title Bill का अंग बन गये।

माननीय अध्यक्षः अब मुख्यमंत्री/वित्त मंत्री प्रस्ताव करेंगी कि Appropriation (No. 02) Bill, 2025 को पास किया जाए।

Hon'ble Chief Minister/Finance Minister:

Hon'ble Speaker, Sir, the House may now please pass the Appropriation _No.02) Bill, 2025

माननीय अध्यक्षः मुख्यमंत्री/वित्तमंत्री जी का प्रस्ताव सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

मेरे विचार से, हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Appropriation (No.02) Bill, 2025 पास हुआ।

आप सबका आज की इस कार्यवाही में सहयोग करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। अब सदन की बैठक कल सुबह 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

(सदन की कार्यवाही दिनांक 28 मार्च, 2025 को पूर्वाह्न 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की गई।)

© दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1991 की धारा 18 (2) के उपबंधों तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली विधान सभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 281 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकाशित तथा ग्राफिक प्रिंटर्स, 2965 /41, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110 005 द्वारा मुद्रित।